वार्षिक प्रतिवेदन

2024-25

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

संसद के अधिनियम द्वारा स्थापित

56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

प्रकाशकः
कुलसचिव
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
(संसद के अधिनियम द्वारा स्थापित)
56-57, सांस्थानिक क्षेत्र, जनकपुरी,
नई दिल्ली-110058
ईपीएबीएक्स : 28524993, 28521994, 28524995
ई मेल: registrar@csu.co.in वेबसाईट : www.sanskrit.nic.in

संयोजकः
जगन्नाथ झा
प्रभारी अधिकारी (संविधि एवं विधायी कार्य प्रकोष्ट)
डॉ. प्रवीण कुमार राय
समन्वयक अधिकारी

विषय-सूची

1.	पर्यावलोकन	17-20
2.	प्राधिकरण एवं संरचना	21-25
3.	छात्रों/शिक्षार्थियों के आंकड़े	26-37
4.	2024-25 के दौरान केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के क्रियाकलाप	
4.1	मुख्यालय के क्रियाकलाप	39-93
4.1.1	प्रशासन अनुभाग	41
4.1.2	वित्त एवं लेखा अनुभाग	42
4.1.3	शैक्षणिक अनुभाग	43
4.1.4	प्रकाशन एवं कार्यक्रम अनुभाग	48
4.1.5	परीक्षा अनुभाग	52
4.1.6	पुस्तकालय	65
4.1.7	विक्रय विभाग	69
4.1.8	योजना अनुभाग	70
4.1.9	छात्रवृत्ति अनुभाग	74
4.1.10	अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा	80
4.1.11	आदर्श संस्कृत महाविद्यालय/शोधसंस्थान	82
4.1.12	परियोजनाएँ	87
4.1.13	अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण	88
4.1.14	पत्राचार पाठ्यक्रम अनुभाग	91
4.1.15	मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा संस्थान	91
4.1.16	राजभाषा विभाग	92
4.2	परिसरों के क्रियाकलाप	95-207
4.2.1	श्री गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज (उत्तर प्रदेश)	97
4.2.2	श्री सदाशिव परिसर, पुरी (ओडिशा)	115
4.2.3	श्री रणबीर परिसर, जम्मू (जम्मू एवं कश्मीर)	119
4.2.4	गुरुवायूर परिसर, त्रिश्शूर (केरल)	129
4.2.5	जयपुर परिसर, जयपुर (राजस्थान)	135
4.2.6	लखनऊ परिसर, लखनऊ (उत्तर प्रदेश)	142
4.2.7	श्री राजीव गांधी परिसर, श्रृंगेरी (कर्णाटक)	147
4.2.8	वेदव्यास परिसर, बलाहर (हिमाचल प्रदेश)	157
4.2.9	भोपाल परिसर, भोपाल (मध्य प्रदेश)	164
4.2.10	नासिक परिसर, नासिक (महाराष्ट्र)	184
4.2.11	एकलव्य परिसर, अगरतला (त्रिपुरा)	191
4.2.12	श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर, देवप्रयाग (उत्तराखण्ड)	204

5. वर्ष 2024-25 की प्रमुख गतिविधियाँ		**209-230**
5.1	संस्कृत दिवस उत्सव	211
5.2	62वीं अखिल भारतीय शास्त्रीयस्पर्धा	212
5.3	अखिल भारतीय रूपक महोत्सव	213
5.4	अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस	214
5.5	स्थापना दिवस	215
5.6	तीन दिवसीय संगोष्ठी	216
5.7	संस्कृत सप्ताह समारोह	217
5.8	ऑस्ट्रेलिया में संस्कृत सम्मेलन	218
5.9	भारत–नेपाल सम्मेलन	219
5.10	अखिल भारतीय प्राच्यविद्या सम्मेलन, 2024	220
5.11	संस्कृत रंगमंडल	222
5.12	केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली अंतर्राष्ट्रीय मामलें और सहयोग कार्यालय वार्षिक रिपोर्ट	224
6.	**विश्वविद्यालय खेल उत्कृष्टता केंन्द्र, वेदव्यास परिसर**	**231**
7.	**पालि अध्ययन एंव अनुसंधान केंन्द्र, लखनऊ परिसर**	**234**
8.	**जनजातीय अनुसंधान केन्द्र, एकलव्य परिसर**	**236**
9.	**संलग्नक**	**239-292**
क.	कार्य परिषद् के सदस्यों की सूची	241
ख.	विद्वत् परिषद् के सदस्यों की सूची	244
ग.	वित्त समिति के सदस्यों की सूची	247
घ.	योजना एवं अनुश्रवण (निगरानी) बोर्ड के सदस्यों की सूची	248
ङ.	केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के संकाय सदस्यों का परिसर-वार विवरण	250
च.	विद्यावारिधि (पी-एच.डी.) उपाधि प्राप्त शोध छात्रों का विवरण	267
छ.	केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय से सम्बद्ध संस्थाएँ	272
ज.	परीक्षाओं को मान्यता देने वाली राज्य सरकार	277
झ.	परीक्षाओं को मान्यता देने वाले विश्वविद्यालय	280
ञ.	पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं/महाविद्यालयों में संस्कृत शिक्षकों को वित्तीय सहायता योजना के अंतर्गत अनुदानग्राही संस्थाओं का राज्यवार विवरण	286
ट.	प्रकाशन अनुदान हेतु स्वीकृत प्रस्तावों का विवरण	287
ठ.	आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/शोध संस्थानों का राज्यवार विवरण	290
10.	**केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय का 2024-25 का वार्षिक लेखा**	**293-351**
क.	वर्ष 2024-25 के लेखा परीक्षित वार्षिक लेखा	295
ख.	'महानिदेशक लेखा परीक्षा, केन्द्रीय व्यय' के द्वारा प्रदत्त 2023-24 वर्ष की प्रतिवेदन	347

महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू

(परिदर्शक, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली)

श्री नरेन्द्र मोदी

(भारत के माननीय प्रधानमंत्री)

श्री धर्मेन्द्र प्रधान

(माननीय मन्त्री, शिक्षा-कौशलविकास-उद्यमिता-मन्त्रालय,
भारत सरकार एवं कुलाधिपति, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली)

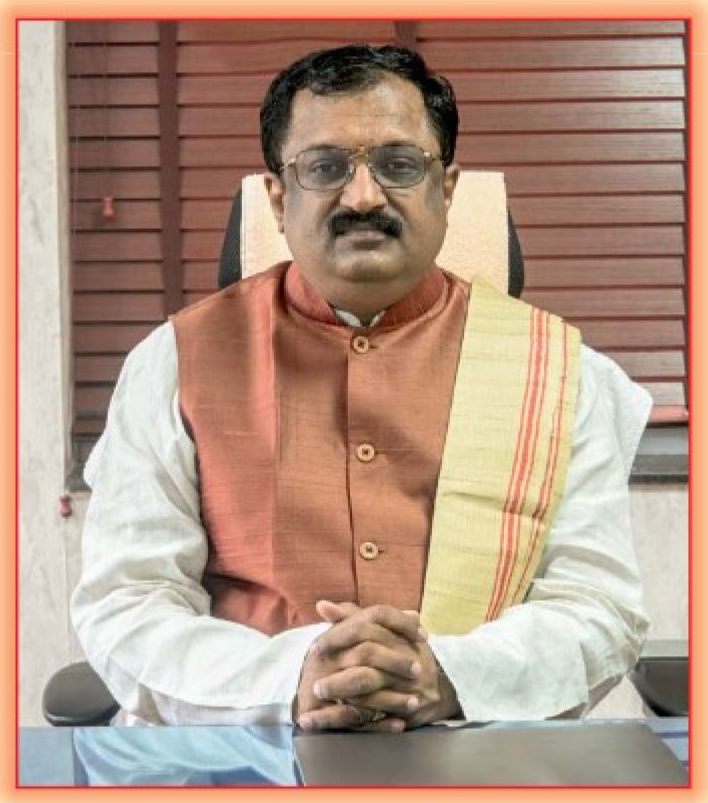

प्रो. श्रीनिवास वरखेडी

(कुलपति, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली)

कुलपति की कलम से...

मुझे अत्यंत गौरव तथा गहन उत्तरदायित्व की भावना के साथ केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली के शैक्षणिक सत्र 2024–2025 का वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत करने का सौभाग्य प्राप्त हो रहा है। यह प्रतिवेदन हमारी शैक्षणिक उत्कृष्टता, नवोन्मेषी अनुसंधान तथा भारत की समृद्ध बौद्धिक विरासत के जीवंत वाहक के रूप में संस्कृत के संरक्षण, पोषण, विकास, प्रचार एवं प्रसार के प्रति हमारी अटल प्रतिबद्धता का साक्ष्य प्रस्तुत करता है।

भारत सरकार ने संस्कृत आयोग (1956-57) की सिफ़ारिशों के बाद एक केंद्रीय संस्कृत बोर्ड बनाया, जिसने राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान की स्थापना की सिफ़ारिश की। इसी के अनुसार, 15 अक्टूबर, 1970 को यह संस्थान एक स्वायत्त संगठन के रूप में स्थापित किया गया। राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान को 2002 में मानित विश्वविद्यालय तथा सन् 2020 में केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के रूप में प्रोन्नत किया गया। यह संस्था संस्कृत के प्रचार-प्रसार हेतु भारत सरकार की नोडल एजेंसी के रूप में निरंतर कार्य कर रही है एवं भारत की गहन संस्कृत विरासत एवं भारतीय ज्ञान प्रणाली के संवर्धन हेतु नवोन्मेषी अनुसंधान कर रही है।

इस विश्वविद्यालय के नई दिल्ली में मुख्यालय के अतिरिक्त देश के विभिन्न राज्यों में 12 परिसर तथा पुणे के डेक्कन कॉलेज में आईकेएस-ईडीएस केंद्र है। यह विश्वविद्यालय केंद्रीय योजना के अंतर्गत 26 आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/शोध संस्थानों का प्रशासनिक एवं वित्तीय प्रबंधन भी करता है तथा संस्कृत शिक्षा समर्पित 184 संस्थाओं का संबद्धता निकाय है।

विश्वविद्यालय के आदर्श वाक्य, "योऽनूचानः स नो महान्" (जो सुशिक्षित है, वही महान है), से प्रेरित होकर हम इस बात पर दृढ़ विश्वास रखते हैं कि सच्ची शिक्षा केवल ज्ञान ही नहीं, अपितु संस्कार, भक्ति तथा समर्पण की भावना भी प्रदान करती है। भारत के यशस्वी प्रधानमंत्री माननीय श्री नरेन्द्र मोदी जी के प्रेरणादायी नेतृत्व तथा माननीय शिक्षा मंत्री एवं कुलाधिपति श्री धर्मेन्द्र प्रधान जी के दूरदर्शी मार्गदर्शन में विश्वविद्यालय उन नागरिकों के निर्माण की दिशा में अग्रसर है जो समग्र भारतीय ज्ञान परंपराओं, आधुनिक वैज्ञानिक एवं तकनीकी दक्षता, बहुभाषिक क्षमता, आलोचनात्मक एवं चिंतनशील सोच, नैतिक मूल्यों तथा राष्ट्रीय समर्पण से संपन्न हों।

विश्वविद्यालय ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 को पूर्ण हृदय से अंगीकार किया है। परंपरागत शिक्षा हेतु समर्पित परिसरों को बनाए रखते हुए हम अपने पाठ्यक्रम में अंतरानुशासनिक अध्ययन को बढ़ावा दे रहे हैं, प्राचीन भारतीय ज्ञान को आधुनिक विषयों के साथ संयोजित कर रहे हैं, आलोचनात्मक चिंतन को प्रोत्साहित कर रहे हैं तथा छात्रों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित कर रहे हैं।

हमारी पूर्व उपलब्धियों, जिनमें राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) द्वारा ए++ ग्रेड तथा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा प्रथम श्रेणी विश्वविद्यालय की मान्यता शामिल है, पर आधारित इस वर्ष कई महत्वपूर्ण मील के पत्थर हासिल किए गए हैं:

1. राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप नए अंतरानुशासनिक कार्यक्रमों का आरंभ, जिनमें एम.ए. (भारतीय ज्ञान प्रणाली), भारतीय न्यायशास्त्र में एलएलबी (ऑनर्स), बी.ए. ऑनर्स (संस्कृत एवं सिविल सेवा अध्ययन)

तथा बी.एससी./एम.एससी. (योग विज्ञान) शामिल हैं; आगामी वर्षों में और अधिक अंतरानुशासनिक पाठ्यक्रम शुरू करने की योजना है।

2. डेक्कन कॉलेज, पुणे में भारतीय ज्ञान प्रणाली एवं संस्कृत विश्वकोशीय शब्दकोश केंद्र (आईकेएस-ईडीएस) सहित विशेषीकृत केंद्रों की स्थापना एवं सुदृढ़ीकरण।

3. तीन परिसरों में संकाय विकास केंद्रों की स्थापना, जो प्रौद्योगिकी-सम्मिलित नवोन्मेषी शिक्षण पद्धतियों को बढ़ावा देंगे।

4. मुक्तस्वाध्यायपीठम् का विस्तार, जो अब 26 देशों के लगभग 12,000 छात्रों को स्नातक, स्नातकोत्तर, डिप्लोमा तथा प्रमाण-पत्र कार्यक्रम प्रदान कर रहा है। इसके अतिरिक्त विभिन्न आईआईआईटी, आईआईटी, आईआईएम तथा अनेक केंद्रीय एवं राज्य विश्वविद्यालयों में संस्कृत अध्ययन केंद्र स्थापित किए गए हैं।

5. एमओओसीएस पाठ्यक्रमों, कौशल विकास कार्यक्रमों (प्राच्यविद्याकौशलविकासपरिषद् के अंतर्गत एनएसक्यूएफ दिशानिर्देशों पर पाठ्यक्रम निर्माताओं हेतु कार्यशाला सहित), संस्कृत ओलंपियाड, गीता ओलंपियाड, अखिल भारतीय युवा महोत्सव, संस्कृत सप्ताह महोत्सव, छात्रों द्वारा चंद्रखानी पास ट्रेक तथा अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस (21 जून 2024), स्वतंत्रता दिवस, भारतीय भाषा दिवस, हिन्दी पखवाड़ा तथा स्वच्छता सप्ताह जैसे राष्ट्रीय कार्यक्रमों के आयोजन सहित नवोन्मेषी शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का संवर्धन।

6. कार्यस्थल पर महिलाओं हेतु नेतृत्व एवं निर्णय-निर्माण भूमिकाओं के संवर्धन संबंधी विशेष कार्यक्रम।

7. नेपाल भारत संस्कृत सम्मेलन, काठमांडू (27-29 मार्च 2024); सिंगापुर में 'धार्मिक सिद्धांतों के प्रकाश में अर्थव्यवस्था, पारिस्थितिकी एवं समता: ट्रिपल ई एंड डी, संस्कृति संरक्षण एवं सतत विकास' विषयक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (27-30 मई 2024); ऑस्ट्रेलिया संस्कृत सम्मेलन (2024) तथा थाईलैंड में शैक्षणिक भ्रमण एवं सम्मेलन (2025) जैसे कार्यक्रमों के माध्यम से अंतर्राष्ट्रीय सहयोग का सुदृढ़ीकरण।

8. आईआईटी हैदराबाद, इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (नई दिल्ली), फो गुआंग विश्वविद्यालय (ताइवान), एचसीएलटेक तथा अकाडेमिया विवेरियम नोवुम (इटली) जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों के साथ 9 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर। ये सहयोग अंतरानुशासनिक अनुसंधान, डिजिटल एवं प्रौद्योगिकी अनुप्रयोगों तथा अंतर्राष्ट्रीय शैक्षणिक आदान-प्रदान पर केंद्रित हैं, जिससे सीएसयू की शैक्षणिक पहुंच एवं वैश्विक जुड़ाव सुदृढ़ हुआ है।

9. नवोन्मेषी पहलों के समर्थन हेतु धारा-8 कंपनी के गठन की योजनाओं में प्रगति।

10. परिसरों में शैक्षणिक सुविधाओं, कक्षाओं, छात्रावासों, पुस्तकालयों तथा डिजिटल संसाधनों के उन्नयन द्वारा बुनियादी ढांचे का सुदृढ़ीकरण, जिससे शिक्षण-अध्ययन वातावरण एवं छात्र सहायता सेवाओं में सुधार हुआ है।

ये उपलब्धियां संकाय, अधिकारियों तथा कर्मचारियों के समर्पित योगदान से संभव हुई हैं। अनेक नवोन्मेषी परियोजनाएं सरकारी एवं गैर-सरकारी संस्थाओं के सहयोग से आरंभ की गई हैं।

मैं माननीय शिक्षा मंत्री जी का उनके अमूल्य मार्गदर्शन तथा उच्च शिक्षा सचिव महोदय तथा मंत्रालय के सभी अधिकारियों का नई पहलों के निर्माण एवं हमारे साझा दृष्टिकोण की प्राप्ति हेतु निरंतर समर्थन के लिए हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं।

"सर्वे भवन्तु सुखिनः एवं वसुधैव कुटुम्बकम्" को अंगीकार करते हुए हम आगे बढ़ रहे हैं। जैसे भारत प्राचीन काल में विश्वगुरु था, वैसे ही हम आधुनिक साधनों के माध्यम से हमारी शाश्वत ज्ञान परंपराओं का वैश्विक प्रसार कर पुनः भारत को विश्वगुरु बनाने के लिए कटिबद्ध हैं।

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय नवोत्कर्ष के साथ अभूतपूर्व उन्नति की पराकाष्ठा को प्राप्त करे, इसी आशा और गौरव के साथ, मैं केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय का यह वार्षिक प्रतिवेदन (2024-2025) प्रस्तुत करता हूँ।

जयतु संस्कृतम् जयतु भारतम्।

प्रो. श्रीनिवास वरखेडी
कुलपति

1. पर्यावलोकन

1.1 संस्था

संस्कृत आयोग सन् 1956 की परामर्श के अनुसार भारत सरकार द्वारा वर्ष 1970 में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान की संस्थापना की गई। इसका मुख्य उद्देश्य पूरे देश में संस्कृत शिक्षा, शिक्षण और अनुसंधान को बढ़ावा देना, प्रचार करना और संरक्षित करना है। यह पूरी तरह से अब शिक्षा मंत्रालय, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा वित्त पोषित किया गया था। पारम्परिक संस्कृत शिक्षा के प्रचार और प्रसार के क्षेत्र में इसके योगदान को ध्यान में रखते हुए राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान को 7 मई, 2002 को मानित विश्वविद्यालय के रूप में परिणत किया गया। तत्कालीन राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) को केन्द्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2020 (2020 की संख्या 5) के अन्तर्गत संसद द्वारा केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली के रूप में मान्यता दी गयी है। यह विश्वविद्यालय भारत के महामहिम राष्ट्रपति के अनुमोदन के उपरान्त 30 अप्रैल, 2020 से केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली के रूप में कार्य आरम्भ किया जिसके अन्तर्गत नई दिल्ली में अपने मुख्यालय के साथ देश के विभिन्न राज्यों में बारह परिसरों का सञ्चालन की जा रही है। इन परिसरों के अतिरिक्त केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा देश के विभिन्न क्षेत्रों में स्थापित संस्थानों को संबद्धता प्रदान कर रही है। इसके अतिरिक्त भारत सरकार की नोडल एजेंसी के रूप में भी केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय कार्य कर रहा है। संस्कृत भाषा के समग्र प्रचार तथा संस्कृत शिक्षा के विकास के लिए भारत सरकार द्वारा संचालित निम्नलिखित केन्द्रीय योजनाओं को कार्यान्वियन के लिए केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय को दायित्व सौंपा गया है।

1. प्रमाणपत्र सहित राष्ट्रपति सम्मान एवं संस्कृत, पालि. प्राकृत, अरबी, फारसी, शास्त्रीय उड़िया, शास्त्रीय तमिल, शास्त्रीय कन्नड़, शास्त्रीय मलयालम भाषाओं के विद्वानों को महर्षि बादरायण व्यास सम्मान।
2. आदर्श संस्कृत महाविद्यालय/आदर्श शोध संस्थान के रूप में मान्यता प्राप्त संस्थाओं को वित्तीय सहायता योजना।
3. स्वैच्छिक संस्कृत संगठनों को संस्कृत शिक्षण के लिए वित्तीय सहायता।
4. पालि प्राकृत योजना।
5. संस्कृत के प्रचार प्रसार के लिए विभिन्न शोध परियोजनाओं/कार्यक्रमों/गतिविधियों के लिए गैर सरकारी संगठनों/मानित संस्कृत विश्वविद्यालयों/सी.बी.एस.सी./ एन.सी.आर.टी./एस.सी.आर.टी. को वित्तीय सहायता।
6. दुर्लभ पुस्तकों के प्रकाशन/पुनर्मुद्रण और पुस्तकों की थोक क्रय के लिए वित्तीय सहायता।
7. पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं/संस्थानों के छात्रों को व्यावसायिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम संचालित करने के लिए पंजीकृत शैक्षणिक संगठनों को वित्तीय सहायता।
8. संस्कृत शिक्षा विकास योजना के अन्तर्गत संस्कृत पाठशालाओं/महाविद्यालयों/ माध्यमिक/उच्च माध्यमिक विद्यालयों/महाविद्यालयों/ विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान करने हेतु वित्तीय सहायता।
9. अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा।
10. सेवानिवृत्त/प्रतिष्ठित संस्कृत विद्वानों (शास्त्र चूड़ामणि) की सेवाओं के उपयोग के लिए वित्तीय सहायता।
11. असहाय परिस्थितियों में विद्यमान प्रसिद्ध संस्कृत पण्डितों को सम्मान राशि के रूप में वित्तीय सहायता।
12. संस्कृत डिक्शनरी प्रोजेक्ट डेक्कन कॉलेज, पुणे।
13. अष्टादशी परियोजना के अन्तर्गत वित्तीय सहायता (संस्कृत के विकास को बनाए रखने के लिए 18 परियोजनाएँ)।

इन योजनाओं के अन्तर्गत केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा पूरे देश में संस्कृत के प्रचार और विकास में लगे संस्थानों/संगठनों/विद्वानों को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

1.2 भूमिका एवं कार्य

संस्था के बहिर्नियम में निर्देशित केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के मुख्य उद्देश्य संस्कृत शिक्षण और शोध का प्रसारण विकास व प्रोत्साहन है जिनका पालन करते हुए;

i. उच्च शिक्षा प्रदान करना, ताकि विश्वविद्यालय शिक्षा आयोग की रिपोर्ट (1948 ई.) और भारत में उच्चतर शिक्षा के नवीकरण एवं पुनरुद्धार (2009 ई.) और मानित विश्वविद्यालयों के लिए समीक्षा समिति की रिपोर्ट (2009 ई.) के द्वारा विश्वविद्यालय के संदर्भ से पूर्णतया सहमत स्नातकोत्तर और अनुसंधान उपाधि स्तरों पर उचित मानी जाने वाली ज्ञान की ऐसी शाखाओं में उत्कृष्टता और नवाचार का प्रावधान करना।

ii. परम्परागत संस्थाओं द्वारा प्रदान किए जाने वाले कला, विज्ञान, आभियान्त्रिकी, चिकित्सा, डेंटल, फार्मेसी, प्रबंध आदि विषयों में परम्परागत उपाधियों तक पहुँचने के लिए सामान्य स्वरूप के कार्यक्रमों से शैक्षणिक विनियोजन को अलग करने वाले विश्वविद्यालय शिक्षा प्रणाली के लक्ष्यों में महत्त्वपूर्ण भागीदारी करने के लिए योग्यता वाले विशिष्ट क्षेत्रों में सहभागिता।

iii. विभिन्न विषयों में पर्याप्त संख्या में पूर्णकालिक संकाय/अनुसंधान शिक्षाविदों (पीएच.डी. और पोस्ट डॉक्टोरल) द्वारा विभिन्न आन्तरिक अनुसंधान कार्यक्रमों के माध्यम से उच्च गुणवत्तापरक शिक्षण और अनुसंधान हेतु तथा ज्ञान की प्रगति और उसके वितरण हेतु प्रावधान करना।

iv. अकादमिक समुदाय के विशिष्ट व्यक्तियों के साथ विचार विमर्श की प्रक्रिया से विनिर्दिष्ट हमारी सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के लिए अथवा देश की प्रमुख आवश्यकताओं के लिए महत्त्वपूर्ण समझे जाने पर राज्य/संघ राज्य क्षेत्र सरकार अथवा केन्द्र सरकार द्वारा अध्ययन और अनुसंधान के विशिष्ट क्षेत्रों में प्रायोजित - नवीन वर्ग के अंतर्गत ऐसे विशेष और उभरते क्षेत्रों में जिन्हें परम्परागत अथवा वर्तमान संस्थाओं द्वारा कार्य में नहीं लाया जा रहा है उसके अंतर्गत मानित विश्वविद्यालय संस्थाओं के सृजन में सहायता करना।

v. संस्कृत अध्ययन की सभी शाखाओं में शोधकार्य करवाना, उस हेतु सहायता प्रदान करना, प्रोत्साहन और संयोजन करना जिसमें शिक्षक-प्रशिक्षण तथा पाण्डुलिपि विज्ञान आदि सन्दर्भगत सम्बद्ध क्षेत्रों में उन आधुनिकतम शोध कार्यों के परिणामों को अन्तः सम्बन्धित करने के साथ पुस्तकों का प्रकाशन भी सम्मिलित है।

vi. संस्कृत के विकास के लिए भारत सरकार के केन्द्रीय अभिकरण के रूप में कार्य कर सरकार की नीतियों, कार्यक्रमों और विभिन्न योजनाओं को लागू करना।

vii. ज्ञान की उन शाखाओं में अनुदेश और प्रशिक्षण का प्रबन्ध करना, जिन्हें विश्वविद्यालय उचित मानता हो।

viii. विद्या के प्रचार, प्रसार और अभिवृद्धि के लिए शोध का प्रावधान करना।

ix. समाज के विकास में योगदान करने के लिए बहिर्विश्वविद्यालयीय अध्ययन, विस्तार कार्यक्रम एवं विभिन्न क्षेत्रीय गतिविधियों को आयोजित करना।

x. विश्वविद्यालय के उद्देश्यों की पूर्ति और विकास के लिए आवश्यक या अपेक्षित विभिन्न प्रकार के ऐसे अन्य सभी कार्यक्रमों को आयोजित करना।

1.3 कार्यक्रम एवं क्रियाकलाप

विश्वविद्यालय अपने उद्देश्यों की प्राप्ति हेतु निम्नलिखित प्रमुख कार्यक्रमों और क्रियाकलापों में कार्यरत है:

- विभिन्न राज्यों में परिसरों की स्थापना।

- माध्यमिक, पूर्वस्नातक, स्नातक तथा स्नातकोत्तर स्तरों पर परम्परागत पद्धति से संस्कृत शिक्षण तथा डॉक्टरेट की उपाधि के स्तर पर शोध का सञ्चालन करना।
- स्नातक स्तर पर शिक्षक प्रशिक्षण शिक्षाशास्त्र (बी. एड.) का सञ्चालन करना।
- संस्कृत के विभिन्न क्षेत्रों में शोधकार्य का सञ्चालन व समन्वयन।
- उभयनिष्ठ अभिरुचि वाली संयुक्त परियोजनाओं के प्रायोजन में अन्य संगठनों से सहयोग।
- संस्कृत पुस्तकालयों, पाण्डुलिपि संग्रहालयों की स्थापना और दुर्लभ पाण्डुलिपियों एवं महत्त्वपूर्ण ग्रन्थों का सम्पादन तथा प्रकाशन।
- स्वीकृत निर्धारित पाठ्यक्रम/शोध को संतोषजनक रूप से पूर्ण करके निर्धारित परीक्षायें उत्तीर्ण करने वाले छात्र-छात्राओं को उपाधियाँ प्रदान करना और डिप्लोमा/ प्रमाण-पत्र देना।
- विजिटरशिप, फेलोशिप, छात्रवृत्तियाँ, पुरस्कार तथा पदकों का संस्थापन एवं उन्हें प्रदान करना।
- दूरस्थ शिक्षा-कार्यक्रमों का सञ्चालन।
- संस्कृत के प्रोन्नयन हेतु शिक्षा मन्त्रालय की योजनाओं का कार्यान्वयन।

1.4 अध्यापन

विश्वविद्यालय के अपने बारह परिसरों में विश्वविद्यालय द्वारा निर्मित पाठ्यक्रम के आधार पर प्राक्शास्त्री से आचार्य स्तर तक शिक्षण का सञ्चालन किया जाता है तथा विश्वविद्यालय से सम्बद्ध संस्थाओं में प्रथमा से आचार्य तक शिक्षण तथा क्रमशः प्रमाणपत्र/उपाधि दी जाती है।

स्वैच्छिक संस्थाओं द्वारा संचालित और विश्वविद्यालय से सम्बद्ध संस्कृत संस्थाएँ भी उसी पाठ्यक्रम के साथ शिक्षण प्रदान करती हैं।

1.5 शिक्षक प्रशिक्षण

परिसरों में शिक्षण अभ्यास पर बल देते हुए एक शैक्षिक वर्ष हेतु शिक्षक-प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का सञ्चालन किया जाता है, जिसमें बी.एड के समकक्ष शिक्षा-शास्त्री की उपाधि प्रदान की जाती है। इसके अतिरिक्त, एम.एड. के समकक्ष शिक्षा-आचार्य उपाधि पाठ्यक्रम का भी सञ्चालन जयपुर तथा भोपाल परिसरों में किया जाता है।

1.6 शोध

विश्वविद्यालय के सभी परिसरों में शोध हेतु छात्रों का पंजीकरण होता है और इसके सफल समापन पर उन्हें पीएच्.डी. के समकक्ष विद्यावारिधि की उपाधि प्रदान की जाती है।

यद्यपि संस्कृत की चयनित शाखाओं में गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज विशेष रूप से अनुसन्धान गतिविधियों को समर्पित हैं। परिसरों के पुस्तकालय देश के सबसे समृद्ध पुस्तकालयों में से है। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के पुस्तकालय में 57,957 से अधिक दुर्लभ पाण्डुलिपियाँ संरक्षित हैं।

1.7 प्रकाशन

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के द्वारा उसके मुख्यालय के प्रकाशन विभाग से एवं इसके विभिन्न परिसरों से लगभग चालीस शोध पत्रिकाओं का प्रकाशन हो रहा है जिसमें से प्रमुख-

1. 'संस्कृत विमर्शः' – मुख्यालय के प्रकाशन विभाग से प्रकाशित षाण्मासिक शोध पत्रिका, जो कि यूजीसी केयर सूची में संग्रहीत है।

2. 'जर्नल ऑफ गंगानाथ झा कैम्पस – गंगानाथ झा परिसर से प्रकाशित शोध पत्रिका प्रयागराज शोध पत्रिका' नामक अनेक शोध पत्रिकाएँ प्रकाशित करता है। यह भी यूजीसी केयर सूची में संग्रहीत है।

3. 'शिक्षामृतम्' – श्री रणबीर परिसर, जम्मू से प्रकाशित शोध पत्रिका है, जो कि यूजीसी केयर सूची में संग्रहीत है।

4. 'गोमती' – लखनऊ परिसर, लखनऊ से प्रकाशित वार्षिक शोध पत्रिका है जो कि यूजीसी केयर सूची में संग्रहीत है।

पहली पत्रिका मुख्यालय द्वारा प्रकाशित होती है। दूसरी गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज द्वारा प्रकाशित की जाती है। इनके अतिरिक्त, परिसरों से वार्षिक साहित्यिक पत्रिकाएँ भी प्रकाशित की जाती हैं। सभी परिसरों ने अपनी वार्षिक पत्रिका का उन्नयन कर उसे शोध पत्रिका के रूप में प्रकाशित किया है।

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय एवं परिसरों द्वारा विद्वत्तापूर्ण प्रकाशनों, मूल पाठों एवं दुर्लभ पाण्डुलिपियों का प्रकाशन किया गया है। प्रकाशन एवं पुनर्मुद्रण योजना के अन्तर्गत अब तक कुल 700 से अधिक दुर्लभ एवं अनुपलब्ध पुस्तकों का प्रकाशन किया जा चुका है।

'संस्कृत वार्ता' त्रैमासिक समाचार पत्रिका का नियमित रूप से प्रकाशन मुख्यालय से किया जाता है।

1.8 राजभाषा प्रभात

मंत्रालय द्वारा केन्द्र सरकार के कार्यालयों में हिन्दी भाषा के प्रचार एवं प्रसार हेतु "राजभाषा प्रभात" नामक कार्यक्रम सफलता पूर्वक संचालित किया जाता रहा है। इस क्रम में विश्वविद्यालय के द्वारा पर्याप्त संख्या में हिन्दी के माध्यम से कार्यालयीय कार्य एवं विभिन्न कार्यक्रम किए जा रहे हैं। अन्य गतिविधियों के अतिरिक्त हिन्दी में किए जा रहे कार्यों का प्रतिवेदन मंत्रालय को प्रति तीन माह में भेजा जाता है।

2. प्राधिकारी एवं संरचना

2.1 भारत के महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय की कुलाध्यक्ष (Visitor) हैं। शिक्षा मंत्री, भारत सरकार, शिक्षा मंत्रालय विश्वविद्यालय के कुलाधिपति हैं। प्रतिवेदन वर्ष 2024-25 के दौरान श्री धर्मेन्द्र प्रधान, माननीय मंत्री, शिक्षा मन्त्रालय, भारत सरकार, विश्वविद्यालय के कुलाधिपति रहे हैं। कुलपति विश्वविद्यालय के प्रधान शैक्षणिक एवं प्रशासनिक अधिकारी और विश्वविद्यालय की सभी सांविधिक निकायों के पदेन अध्यक्ष होते है। वे विश्वविद्यालय के मामलों पर सामान्य पर्यवेक्षण तथा नियन्त्रण रखते हैं, नीतियों और कार्यक्रमों का निष्पादन भी करते हैं तथा विश्वविद्यालय के सभी प्राधिकरणों के निर्णयों को लागू करते हैं। वर्ष 01.04.2024 से 31.03.2025 के दौरान प्रो. श्रीनिवास वरखेडी केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति के रूप में हैं। शोभायमान विश्वविद्यालय के निम्नलिखित प्राधिकरण हैं:

1. कोर्ट- कोर्ट का गठन और कोर्ट की शक्तियां केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय अधिनियम 2020 के खण्ड 20 के अनुसार निर्धारित होंगी।
2. कार्य परिषद्- विश्वविद्यालय में प्रबन्धन का प्रमुख अंग है। यह नीति-निर्णयों के निर्धारण तथा निर्णयों के कार्यान्वियन की सुनिश्चित कराने हेतु अधिकार सम्पन्न है।
3. विद्वत् परिषद्-शिक्षा, शिक्षण, प्रशिक्षण, परीक्षा और शोध कार्यक्रमों के मानदण्डों बनाए रखने के लिए उत्तरदायी प्रधान शैक्षिक निकाय है।
4. अध्ययन परिषद्- प्रत्येक विभाग में अध्ययन परिषद् होगा। अध्ययन परिषद् का कार्य विभिन्न उपाधियों और शोध उपाधियों की अन्य आवश्यकताओं के लिय शोध के लिए विषयों को संस्तुति करना और अध्यादेशों द्वारा निर्धारित तरीके से संबंधित विद्यास्थानों को सिफारिश करना है।
5. वित्त समिति-शासी परिषद् के समक्ष वार्षिक लेखा व वित्तीय प्राक्कलन रखने, कुल व्यय की सीमाएँ निर्धारित करने और हर प्रकार के पदों के सृजन की संस्तुति हेतु उत्तरदायी प्रमुख वित्त निकाय है।
6. योजना तथा पर्यवेक्षण बोर्ड- विकास कार्यक्रमों के परिवीक्षण हेतु उत्तरदायी प्रमुख योजना निकाय है।

उपर्युक्त के अतिरिक्त, विश्वविद्यालय में अन्य निकाय भी गठित हैं जो अपने अपने कार्य के स्वरूप के आधार पर संस्तुतियाँ तैयार करते हैं- नामतः सहायता अनुदान समिति, प्रकाशन समिति, छात्रवृत्ति चयन समिति, शोध मण्डल तथा परीक्षा बोर्ड।

वर्ष 2024-25 में विश्वविद्यालय के प्राधिकरणों/निकायों द्वारा आयोजित बैठकों का विवरण निम्नलिखित सारणी द्वारा प्रदर्शित हैं -

कार्य परिषद्	
बोर्ड/परिषद्/समिति	आयोजित बैठको की तिथियाँ
20वी बैठक	20.06.2024
21वी बैठक	30.08.2024
22वी बैठक	26.11.2024
23वी बैठक	12.03.2025

विद्वत्परिषद्	
बोर्ड/परिषद्/समिति	आयोजित बैठको की तिथियाँ
11वीं बैठक	21.10.2024
12वीं बैठक	27.02.2025

वित्त समिति	
बोर्ड/परिषद्/समिति	आयोजित बैठको की तिथियाँ
14वीं बैठक	19.06.2024
15वीं बैठक	26.11.2024
योजना तथा पर्यवेक्षण मण्डल	--

कार्य परिषद्, विद्वत्परिषद् तथा वित्त समिति का संघटन क्रमशः संलग्नक 'क', 'ख' एवं 'ग' में दिया गया है।

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय का संगठन एवं संरचना

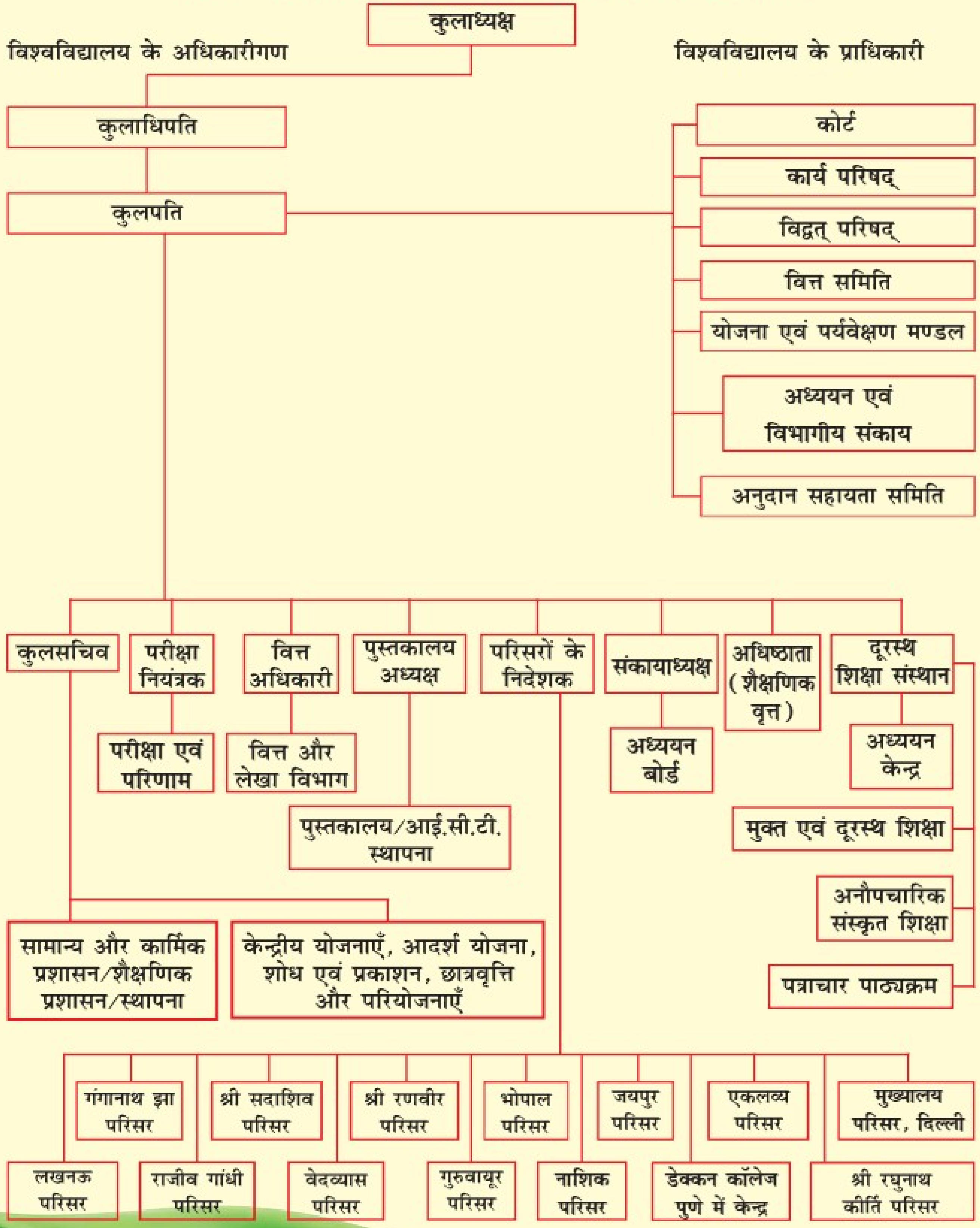

2.2 केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय का मुख्यालय एवं परिसर

2.2.1 मुख्यालय

वर्तमान में विश्वविद्यालय उनके नई दिल्ली स्थित मुख्यालय से विभिन्न विभागों/अनुभागों के द्वारा निम्नलिखित कार्य निष्पादित कर रहा है:-

1. प्रशासनिक अनुभाग
   (स्थापना, सामान्य प्रशासन, कार्मिक प्रशासन, परिसरीय प्रशासन, अभियांत्रिकी विभाग, कानून इकाई, सूचना का अधिकार अधिनियम इकाई)

2. वित्त अनुभाग
   (वित्त, लेखा, बजट, लेखा परीक्षा)

3. परीक्षा अनुभाग
   (विद्यालय, महाविद्यालय, मूल्यांकन एवं गोपनीय)

4. शैक्षणिक अनुभाग
   (प्रवेश, सम्बद्धता, पाठ्यक्रम, राष्ट्रीय शिक्षा नीति, अधिगम प्रबन्धन प्रणाली, छात्रकल्याण एवं मूक्स)

5. प्रकाशन अनुभाग
   (प्रकाशन एवं विक्रय, विश्वविद्यालय प्रकाशन, अनुवाद एवं शोध प्रकाशन एवं शैक्षणिक परियोजना)

6. केन्द्रीय योजना अनुभाग
   (आदर्श संस्कृत महाविद्यालय/आदर्श संस्कृत शोध संस्थाएं, स्वैच्छिक संस्कृत संस्थान, अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा, आधुनिक एवं शास्त्रीय छात्रवृत्ति, पालि एवं प्राकृत, अष्टादशी, शास्त्रचूड़ामणि, राष्ट्रपतिपुरस्कार, संस्कृत साहित्य उत्पादन/सृजन, संस्कृत पुस्तकों की थोक खरीद एवं पुनर्मुद्रण)

7. परियोजना विभाग
   (समर्थ, ई-ऑफिस, जेम, आइ.सी.टी, आदि)

8. मुक्त एंव दूरस्थ शिक्षा संस्थान
   (प्रवेश, मूल्यांकन पत्राचार पाठ्यक्रम, अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण (NFSE), ई-लर्निंग, आदि)

9. पुस्तकालय

10. शोध एवं विकास केन्द्र (R&D)

11. भारतीय ज्ञान परम्परा शाखा (IKS)

2.2.2 परिसर :

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा देश के विभिन्न भागों में निम्नलिखित परिसरों का संचालन किया जा रहा है:

क्रम सं.	परिसरों के नाम	स्थान
1.	श्री गंगानाथ झा परिसर	प्रयागराज, उत्तरप्रदेश
2.	श्री सदाशिव परिसर	पुरी, ओड़िशा
3.	श्री रणवीर परिसर	जम्मू, जम्मू और कश्मीर

4.	गुरुवायूर परिसर	त्रिचूर, केरल
5.	जयपुर परिसर	जयपुर, राजस्थान
6.	लखनऊ परिसर	लखनऊ, उत्तर प्रदेश
7.	श्री राजीव गांधी परिसर	श्रृंगेरी, कर्णाटक
8.	वेद व्यास परिसर	बलाहर, हिमाचल प्रदेश
9.	भोपाल परिसर	भोपाल, मध्य प्रदेश
10.	नासिक परिसर	नासिक, महाराष्ट्र
11.	एकलव्य परिसर	अगरतला, त्रिपुरा
12.	श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर	देवप्रयाग, उत्तराखण्ड

मुख्यालय से अनौपचारिक पत्राचार पाठ्यक्रम और दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रमों का सञ्चालन किया जा रहा है। मुख्यालय के पास पुस्तकालय, प्रकाशन विभाग, शोध केन्द्र एवं प्रदर्शनी कक्ष उपलब्ध है। शेष सभी परिसरों में सभी उपस्करों सहित पुस्तकालय, प्रयोगशाला, छात्रकक्ष, कर्मचारी आवास तथा छात्रावास आदि उपलब्ध हैं। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय अधोनिर्दिष्ट नियमित पाठ्यक्रमों (कार्यक्रमों) को अपने परिसरों के माध्यम से सञ्चालित करता है। परिसरों में पढ़ाये जाने वाले नियमित पाठ्यक्रमों का विस्तृत विवरण प्रत्येक परिसर की गतिविधियों में जोड़ा गया है।

क्रम सं.	पाठ्यक्रम	के समकक्ष
1.	उत्तरमध्यमा/प्राक्शास्त्री	(सीनियर सेकेण्डरी +2)
2.	शास्त्री, शास्त्री प्रतिष्ठा	(बी.ए.), बी.ए, (आनर्स)
3.	आचार्य	(एम्.ए. संस्कृत)
4.	शिक्षाशास्त्री	(बी.एड्.)
5.	शिक्षाचार्य	(एम्.एड्.)
6.	एल.एल.बी. (भारतीय न्यायशास्त्र)	
7.	आईटीईपी (समेकित शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम)	
8.	बी.ए. (ऑनर्स) संस्कृत एवं सिविल सेवा अध्ययन	
9.	स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम	
10.	विद्यावारिधि	(पीएच्.डी.)

दूरस्थशिक्षा के पाठ्यक्रम/कार्यक्रम

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से प्राक्शास्त्री, शास्त्री, आचार्य (व्याकरण, ज्योतिष और साहित्य में) तथा अन्य प्रमाणपत्रीय/परिचय पाठ्यक्रमों का सञ्चालन अपने दूरस्थ शिक्षा संस्थान के द्वारा करता है, जो कि दिल्ली स्थित मुख्यालय और देश के विभिन्न स्थानों में संस्थापित परिसरों के स्वाध्याय केन्द्रों से क्रियान्वित किये जाते हैं। अधिक जानकारी के लिए कृपया अनुभाग संख्या 4.1.15 देखें।

3. छात्रों/शिक्षार्थियों के आंकड़े

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के विविध कार्यक्रमों में प्रविष्ट अध्येताओं की कुल संख्या 9013 है। जिसका पाठ्यक्रम/प्रणालीवार विवरण अधोलिखित है।

3.1. विश्वविद्यालय के परिसरों में नियमित अध्येताओं की संख्या (शिक्षा सत्र 2024-25 के अनुसार)

क्र. सं.	परिसर	कक्षा: प्राक् शास्त्री		शास्त्री			शास्त्री प्रतिष्ठा			बी.ए. ऑनर्स	एल.एल.बी. (ऑनर्स)	शिक्षाशास्त्र		आईटीईपी	आचार्य		शिक्षा आचार्य		अभिनव पाठ्यक्रम	वि.वि.	योग
		I	II	I	II	III	I	II	III	I	I	I	II		I	II	I	II			
1	श्री गंगानाथ झा परिसर	-	-	-	-	-	-	-	-			-	-	-	12	-	-	-	160	12	184
2	श्री सदाशिव परिसर	116	120	2	1	10	88	96	79			110	110	-	351	290	49	23	36	42	1523
3	श्री रणबीर परिसर	127	124	87	131	90	-	-	-			110	107	-	74	65	-	-	84	5	1004
4	गुरुवायूर परिसर	25	16	18	28	27	-	-	-			55	53	29	35	46	-	-	24	4	360
5	जयपुर परिसर	91	82	71	157	133	2	13	13	-	47	110	109	88	50	70	10	14	168	29	1257
6	लखनऊ परिसर	48	54	79	55	43	-	-	7	27		50	55	-	65	56	-	-	64	12	615
7	राजीव गांधी परिसर	61	62	31	25	18	31	26	17			55	54	-	34	35	-	-	91	13	553
8	वेद व्यास परिसर	109	99	261	208	188	-	-	-			55	55	-	103	80	-	-	11	16	1185
9	भोपाल परिसर	99	57	74	90	58	17	9	8			110	108	91	53	33	28	15	45	46	941
10	नासिक परिसर	5	4	-	30	23	-	-	-			55	51	-	-	24	-	-	42	2	236
11	मुख्यालय कार्यालय	-	-	-	-	-	-	-	-			-	-		-	-	-	-	-	29	29
12	एकलव्य परिसर	100	104				77	53	27			54	55	-	31	35	-	-	34	7	577
13	श्रीरघुनाथ कीर्ति परिसर	78	58	31	107	35	110	-	-	-	-	-	-	-	45	41	-	-	33	11	549
	Total	859	780	654	832	625	325	197	151	27	47	764	757	208	853	775	87	52	792	228	9013

3.2 केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के परिसर एवं सम्बद्धता प्राप्त विद्यालयों/महाविद्यालयों से वर्ष 2024-25 वार्षिक प्रवेश संस्थावार छात्रों की संख्या

संवद्ध संस्थानों में नियमित मोड में कक्षावार छात्रों की संख्या

			Acharya, M.A. & M.Sc.		B.A. (Hons.)	IP	S & B.Sc.			SP			V.V.	Prak Shastri		Grand Total				
Institution Name	District	State	I	II	I	I	I	II	III	I	II	III	All	I	II	I	II	III	V V	Total
Total			317	364	-	96	480	482	343	70	80	93	14	219	309	1182	1235	436	14	2867
कैलिकट आदर्श संस्कृत विद्या पीठ	केरल,	कोझिकोड	19	23	-	-	16	20	16	-	-	-	-	8	6	43	49	16	-	108
डी. के. के. एस. डी. आदर्श संस्कृत कॉलेज	हरियाणा	अंबाला कैंट	22	15	-	33	32	16	21	-	-	-	-	5	12	92	43	21	-	156
डॉ. रामजी मेहता आदर्श संस्कृत महाविद्यालय	बिहार,	मुजफ्फरपुर	7	14	-	-	10	18	15	-	-	10	-	12	6	29	38	25	-	92
हरियाणा संस्कृत विद्यापीठ	हरियाणा	फरीदाबाद	18	40	-	-	35	19	17	-	-	-	-	10	5	63	64	17	-	
जगदीश नारायण ब्रह्मचार्य आदर्श संस्कृत महाविद्यालय	बिहार,	दरभंगा	17	25	-	-	50	17	4	-	22	16	-	20	28	87	92	20	-	199
कालियाचक विक्रम किशोर आदर्श संस्कृत महाविद्यालय	पश्चिम बंगाल	पूर्व मेदिनीपुर	19	27	-	-	-	-	-	35	17	42	-	1	3	55	47	42	-	144
लक्ष्मी देवी श्रॉफ आदर्श संस्कृत महाविद्यालय	झारखंड,	देवघर	11	14	-	-	-	-	1	16	31	10	-	20	22	47	67	11	-	125
राधा माधव आदर्श संस्कृत महाविद्यालय	मणिपुर,	इम्फाल पश्चिम	1	8	-	-	13	83	92	-	-	-	-	23	122	37	213	92	-	342
राजकुमारी गणेश शर्मा आदर्श संस्कृत विद्यापीठ	बिहार,	दरभंगा	19	19	-	-	33	39	47	-	-	-	-	8	19	60	77	47	-	184
रानी पद्मावती तारा योग तंत्र आदर्श महावि.	उत्तर प्रदेश,	वाराणसी	24	27	-	24	14	36	21	-	-	-	-	28	23	90	86	21	-	197
सनातन धर्म आदर्श संस्कृत महाविद्यालय	हिमाचल प्रदेश,	ऊना	11	-	-	-	97	-	-	-	-	-	-	21	-	129	0	0	-	129
श्री भगवानदास आदर्श संस्कृत महाविद्यालय	उत्तराखंड	हरिद्वार	43	38	-	17	66	112	71	-	-	-	-	21	28	147	178	71	-	396

श्री एकरसानंद आदर्श संस्कृत महाविद्यालय	उत्तर प्रदेश,	मैनपुरी	34	44	-	22	40	41	-	-	-	-	-	-	-	96	85	0	-	181
श्री रामसुंदर संस्कृत विश्वविद्या प्रतिष्ठान	बिहार,	दरभंगा	10	23	-	-	24	29	18	-	-	2	-	29	33	63	85	40	-	188
श्रीमती लाड देवी शर्मा पंचोली आदर्श संस्कृत महाविद्यालय	राजस्थान,	भीलवाड़ा	24	16	-	-	50	49	-	-	-	-	-	10	-	84	65	-	-	149
श्री सीताराम वैदिक आदर्श संस्कृत महाविद्यालय	पश्चिम बंगाल	कोलकाता	38	31	-	-	-	3	-	19	10	13	14	3	2	60	46	13	14	133
Total			-	-	-	43	-	-	-	-	-	-	-	-	-	43	0	0	0	43
वैदिक शोध मंडल	महाराष्ट्र	पुणे	-	-	-	43	-	-	-	-	-	-	-	-	-	43	0	0	0	43
Total			137	196	2	412	604	731	480	-	-	1	-	1008	668	2163	1595	481	0	4239
आदर्श संस्कृत विद्यापीठ हरेवाली	दिल्ली	नई दिल्ली	-	-	-	-	2	11	3	-	-	-	-	9	9	11	20	3	0	34
आदर्श संस्कृत विद्यापीठ पौड़ी गढ़वाल	उत्तराखंड,	पौड़ी गढ़वाल	-	-	-	-	4	1	7	-	-	-	-	-	2	4	3	7	0	14
आलोक संस्कृत महाविद्यालय	हरियाणा,	महेंद्रगढ़	-	-	-	-	11	6	22	-	-	-	-	-	-	11	6	22	0	39
आर्य कन्या गुरुकुल	दिल्ली,	नई दिल्ली	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	6	6	6	6	0	0	12
आत्मानंद संस्कृत शिक्षण संस्थान	उत्तर प्रदेश,	सीतापुर	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	72	-	72	0	0	0	72
बजरंग महाविद्यालय	राजस्थान	दौसा	-	-	-	-	21	24	-	-	-	-	-	-	-	21	24	0	0	45
बाल विद्या मंदिर	दिल्ली	नई दिल्ली	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	4	4	4	4	0	0	8
बापू महाविद्यालय	उत्तर प्रदेश,	बलिया	-	-	-	2	51	45	-	-	-	-	-	-	-	53	45	0	0	98
भक्त बाला संस्कृत कॉलेज	पश्चिम बंगाल	नादिया	4	2	-	-	18	33	8	-	-	-	-	7	5	29	40	8	0	77
भारती चतुष्पथी संस्कृत महाविद्यालय	पश्चिम बंगाल	नादिया	25	42	-	-	30	60	32	-	-	-	-	3	5	58	107	32	0	197
भारतीय सैनिक स्कूल	उत्तर प्रदेश,	हरदोई	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	10	-	10	0	0	0	10

भारतीय संस्कृत महाविद्यालय	केरल,	कन्नूर	11	13	-	-	2	2	1	-	-	-	-	2	3	15	18	1	0	34
भावन्स श्री शंकराचार्य संस्कृत महाविद्यालय	दिल्ली	नई दिल्ली	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	11	-	11	0	0	0	11
भीष्म स्कूल ऑफ इंडियन नॉलेज सिस्टम	महाराष्ट्र,	पुणे	-	-	-	57	-	-	-	-	-	-	-	-	-	57	0	0	0	57
सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन कल्चर स्टडीज	अरुणाचल प्रदेश,	पश्चिम कामेंग	8	-	-	-	11	-	-	-	-	-	-	17	-	36	0	0	0	36
दीन दयाल उपाध्याय योग शिक्षण संस्थान	उत्तर प्रदेश,	अम्बेडकर नगर	-	-	-	3	-	-	-	-	-	-	-	-	-	3	0	0	0	3
देवमाता द्वारिका प्रसाद ब्रह्मचारी संस्कृत महाविद्यालय	उत्तर प्रदेश,	कौशाम्बी	-	-	-	-	7	4	-	-	-	-	-	-	-	7	4	0	0	11
देवराहा बाबा भक्त शिवशंकर संस्कृत महावि.	बिहार,	समस्तीपुर	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	13	11	13	11	0	0	24
ध्रुव फाउंडेशन फॉर एजुकेशन एंड रिसर्च	तेलंगाना,	हैदराबाद	-	-	2	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	2	0	0	0	2
दिनानाथ मिथिला संस्कृत विद्यापीठ	बिहार,	दरभंगा	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	2	6	2	6	0	0	8
डॉ. मण्डन मिश्र संस्कृत महाविद्यालय	बिहार,	बेगूसराय	3	5	-	-	15	12	8	-	-	-	-	32	17	50	34	8	0	92
डॉ. राम महाविद्यालय	उत्तर प्रदेश,	वाराणसी	-	-	-	3	1	7	-	-	-	-	-	7	-	11	7	0	0	18
ईस्ट एन वेस्ट टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज	बिहार,	सहरसा	4	-	-	23	-	-	-	-	-	-	-	-	-	27	0	0	0	27
गिन्नी देवी मोदी संस्कृत विद्यापीठ	उत्तर प्रदेश,	गाजियाबाद	-	-	-	-	-	-	1	-	-	-	-	6	2	6	2	1	0	9
गुरु वीरजानंद गुरुकुल महाविद्यालय	पंजाब	जालंधर	-	-	-	-	8	-	-	-	-	-	-	28	-	36	0	0	0	36
गुरुकुल हरिपुर	ओडिशा,	नुआपाड़ा	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	7	-	7	0	0	0	7

गुरुकुल नवा प्रभात वैदिक विद्यापीठ	ओडिशा	बरगढ़	-	-	-	-	10	10	-	-	-	-	-	12	11	22	21	0	0	43
हरिश्वर संस्कृत महाविद्यालय	पश्चिम बंगाल	दार्जिलिंग	-	-	-	-	6	15	9	-	-	-	-	8	23	14	38	9	0	61
इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ ओरिएंटल साइंस	उत्तर प्रदेश,	लखनऊ	2	12	-	33	5	17	1	-	-	-	-	11	1	51	30	1	0	82
जगदीश नारायण ब्रह्मचारी आश्रम संस्कृत विद्यालय	बिहार,	दरभंगा	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	30	27	30	27	0	0	57
जैन इंस्टिट्यूट ऑफ स्किल्स	राजस्थान	गंगानगर	-	-	-	86	-	-	-	-	-	-	-	-	-	86	0	0	0	86
कोडुंगल्लूर विद्यावतपीठम्	केरल,	त्रिशूर	3	3	-	-	3	4	5	-	-	-	-	5	6	11	13	5	0	29
कृषक इंटर कॉलेज	उत्तर प्रदेश	लखनऊ	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	34	-	34	0	0	0	34
कृष्णागंज देवबनी मंदिर	पश्चिम बंगाल	हुगली	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	2	7	2	7	0	0	9
कुसुम ज्ञानोदय इंटर कॉलेज	उत्तर प्रदेश	बलिया	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	96	-	96	0	0	0	96
लक्ष्मी हरिकांत संस्कृत प्राथमिक सह माध्यमिक विद्यालय	बिहार,	मधुबनी	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	4	0	4	0	0	4
मा गंगा शिक्षण समिति/संस्थान	उत्तर प्रदेश,	हरदोई	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	1	-	1	0	0	0	1
महर्षि पाणिनि वेद वेदांग विद्यापीठ	उत्तर प्रदेश,	गौतम बुद्ध नगर	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	13	5	13	5	0	0	18
महर्षि वेदव्यास विद्यापीठ	दिल्ली, नई	दिल्ली	2	-	-	-	5	5	-	-	-	-	-	9	11	16	16	0	0	32
महेश्वरी संस्कृत कॉलेज	केरल,	कोझिकोड	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	8	7	8	7	0	0	15
मणिपुर संस्कृत महाविद्यालय	मणिपुर,	इम्फाल पूर्व	7	3	-	-	6	17	13	-	-	-	-	24	42	37	62	13	0	112
मदर उषा मेमोरियल ओरिएंटल सेंट्रल संस्कृत इंस्टिट्यूशनल एंड आगम तंत्र रिसर्च सेंटर	पश्चिम बंगाल	उत्तर दिनाजपुर	-	-	-	-	5	12	-	-	-	-	-	9	11	14	23	0	0	37
मुमुक्षु संस्कृत महाविद्यालय	उत्तर प्रदेश,	वाराणसी	-	-	-	-	12	11	-	-	-	-	-	7	6	19	17	0	0	36

नर्सी लाल पंचोली महाविद्यालय बोलखेड़ा कमान	राजस्थान	भरतपुर	-	-	-	-	18	32	20	-	-	-	-	-	4	18	36	20	0	74
पागलानंदा संस्कृत महाविद्यालय	पश्चिम बंगाल	मेदिनीपुर पूर्व	7	37	-	-	9	44	20	-	-	-	-	12	26	28	107	20	0	155
पाणिनि कन्या महाविद्यालय	उत्तर प्रदेश,	वाराणसी	-	-	-	-	9	1	-	-	-	-	-	34	11	43	12	0	0	55
फूलमती मेमोरियल इंटर कॉलेज	उत्तर प्रदेश,	लखनऊ	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	2	-	2	0	0	0	2
पूर्णदिशा जॉयचंडी टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज	पश्चिम बंगाल	पुरुलिया	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	2	-	2	0	0	0	2
राधारानी एजुकेशनल इंस्टिट्यूट	पश्चिम बंगा	बाँकुड़ा	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	2	-	2	0	0	0	2
रहमनिया बी.एड. कॉलेज	पश्चिम बंगाल	मालदा	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	34	-	34	0	0	0	34
राम ऋषि संस्कृत महाविद्यालय	दिल्ली	दिल्ली	-	-	-	-	9	11	17	-	-	-	-	18	11	27	22	17	0	66
रामलाल इंटर कॉलेज	उत्तर प्रदेश,	बलिया	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	16	-	16	0	0	0	16
रवीन्द्र नाथ टैगोर इंटर कॉलेज	उत्तर प्रदेश	लखनऊ	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	5	-	5	0	0	0	5
शंकरा स्कूल ऑफ वैदिक साइंसेज	तमिलनाडु	तिरुचिरापल्ली	-	-	-	1	6	-	-	-	-	-	-	-	-	7	0	0	0	7
संस्कृति विद्या संस्थान	उत्तर प्रदेश,	देवरिया	-	-	-	-	-	1	-	-	-	-	-	2	3	2	4	0	0	6
सरदामयी कॉलेज ऑफ एजुकेशन	पश्चिम बंगाल	पश्चिम मेदिनीपुर	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	2	-	2	0	0	0	2
सरस्वती आदर्श संस्कृत महाविद्यालय	बिहार,	बेगूसराय	-	-	-	-	8	23	11	-	-	-	-	13	6	21	29	11	0	61
श्री लज्जा राम संस्कृत विद्यापीठ	हरियाणा,	जींद	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	17	0	17	0	0	17
श्री रघुनाथ संस्कृत महाविद्यालय	जम्मू-कश्मीर (के.उ.)	सांबा	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	9	-	9	0	0	0	9
शारदा देवी संस्कृत विद्यापीठ	दिल्ली	नई दिल्ली	-	-	-	-	-	-	18	-	-	-	-	16	14	16	14	18	0	48
शिलभद्र टीचर्स ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट	पश्चिम बंगाल	पश्चिम मेदिनीपुर	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	2	-	2	0	0	0	2

श्री ज्वाल्पा देवी आदर्श संस्कृत महाविद्यालय	उत्तराखंड,	पौड़ी गढ़वाल	3	7	-	-	12	7	10	-	-	-	-	-	-	15	14	10	0	39
श्री अरविन्द संस्कृत महाविद्यालय	हिमाचल प्रदेश,	मंडी	-	-	-	-	42	44	29	-	-	-	-	23	26	65	70	29	0	164
श्री बाबा हरदित गिरी संस्कृत महाविद्यालय	पंजाब	फतेहगढ़ साहिब	3	2	-	-	25	31	12	-	-	1	-	25	43	53	76	13	0	142
श्री बाबादीन यादव स्मारक शिक्षण एवं सेवा संस्थान	उत्तर प्रदेश,	बाराबंकी	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	1	-	1	0	0	0	1
श्री बाटुकनाथ संस्कृत महाविद्यालय	उत्तर प्रदेश,	वाराणसी	2	3	-	-	4	13	19	-	-	-	-	12	36	18	52	19	0	89
श्री दिगम्बर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय	राजस्थान	जयपुर	1	26	-	-	56	45	69	-	-	-	-	-	-	57	71	69	0	197
श्री गुरु गंगदेव जी संस्कृत महाविद्यालय	जम्मू-कश्मीर (के.उ)	राजौरी	-	-	-	-	2	10	9	-	-	-	-	10	13	12	23	9	0	44
श्री हनुमान संस्कृत महाविद्यालय	दिल्ली	नई दिल्ली	-	-	-	-	1	7	2	-	-	-	-	14	21	15	28	2	0	45
श्री जयराम संस्कृत महाविद्यालय	उत्तराखंड,	देहरादून	-	-	-	5	-	-	-	-	-	-	-	-	-	5	0	0	0	5
श्री जयराम विद्यापीठ कुरुक्षेत्र	हरियाणा,	कुरुक्षेत्र	-	-	-	24	-	-	-	-	-	-	-	-	-	24	0	0	0	24
श्री लज्जाराम संस्कृत महाविद्यालय	हरियाणा,	जींद	19	19	-	4	30	23	46	-	-	-	-	15	-	68	42	46	0	156
श्री माँ दुर्गा जाग्रानी देवी संस्कृत महाविद्यालय	उत्तर प्रदेश,	खीरी	-	-	-	-	3	11	-	-	-	-	-	8	13	11	24	0	0	35
श्री महावीर विश्व विद्यापीठ	दिल्ली	दिल्ली	11	6	-	-	15	19	13	-	-	-	-	23	7	49	32	13	0	94
श्री माता वैष्णो देवी गुरुकुल	जम्मू-कश्मीर (के.उ.)	रियासी	-	-	-	-	10	10	10	-	-	-	-	19	18	29	28	10	0	67
श्री मोतीनाथ संस्कृत महाविद्यालय	दिल्ली	दिल्ली	-	-	-	-	4	3	4	-	-	-	-	9	16	13	19	4	0	36

श्री रघुवर रामानंद वेदान्त महाविद्यालय	गुजरात,	अहमदाबाद	-	-	-	-	-	-	1	-	-	-	-	-	5	0	5	1	0	6
श्री राम गोपाल इंटर कॉलेज	उत्तर प्रदेश,	सीतापुर	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	4	-	4	0	0	0	4
श्री राम नंदा ब्रह्मऋषि संस्कृत महाविद्यालय	हरियाणा,	पंचकूला	-	-	-	-	5	10	4	-	-	-	-	7	12	12	22	4	0	38
श्री रतन विद्या निकेतन पब्लिक स्कूल	उत्तर प्रदेश,	मथुरा	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	5	-	5	0	0	0	5
श्री सनातन धर्म संस्कृत महाविद्यालय भिवानी	हरियाणा,	भिवानी	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	3	-	3	0	0	0	3
श्री सनातन धर्म संस्कृत महाविद्यालय नैनीताल	उत्तराखंड,	नैनीताल	-	-	-	-	9	-	-	-	-	-	-	-	-	9	0	0	0	9
श्री सरस्वती संस्कृत कॉलेज	पंजाब,	लुधियाना	-	-	-	-	17	21	17	-	-	-	-	13	20	30	41	17	0	88
श्री स्वामी सर्वानंद संस्कृत महाविद्यालय	दिल्ली	दिल्ली	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	3	6	3	6	0	0	9
श्री तिब्रिनाथ सांगवेद संस्कृत महाविद्यालय	उत्तर प्रदेश,	बरेली	-	-	-	-	-	2	4	-	-	-	-	15	29	15	31	4	0	50
श्रीमद दयानंद कन्या गुरुकुल महाविद्यालय	उत्तर प्रदेश,	अमरोहा	3	13	-	23	37	34	23	-	-	-	-	24	32	87	79	23	0	189
श्री रामकृष्ण आदर्श संस्कृत महाविद्यालय	केरल	कोट्टायम	2	2	-	-	4	8	1	-	-	-	-	2	3	8	13	1	0	22
श्री शंकर संस्कृत विद्या पीठम्	केरल,	अलप्पुझा	5	1	-	-	3	3	1	-	-	-	-	3	3	11	7	1	0	19
श्री धर्म संघ वेद विद्यालय	राजस्थान	गंगानगर	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	16	-	16	0	0	0	16
श्री जगन्नाथ संस्कृत विद्यालय	उत्तर प्रदेश,	अमेठी	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	3	-	3	0	0	0	3
श्री विक्रम चौबे एस.एम. विद्यालय	उत्तर प्रदेश,	गाजीपुर	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	17	-	17	0	0	0	17
स्वामी संत शरण संस्कृत विद्यापीठ	मध्य प्रदेश,	उमरिया	-	-	-	-	5	9	-	-	-	-	-	1	9	6	18	0	0	24

स्वामी विवेकानंद जनजातीय शिक्षक शिक्षा महाविद्यालय	पश्चिम बंगाल,	पश्चिम मेदिनीपुर	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	2	-	2	0	0	0	2
तपभूमि गुरुकुल वैदिक संस्कृत विद्यालय	उत्तर प्रदेश,	लखनऊ	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	11	-	11	0	0	0	11
टीचर्स ट्रेनिंग कॉलेज	बिहार,	भागलपुर	-	-	-	101	12	-	-	-	-	-	-	-	-	113	0	0	0	113
ठाकुर गदाधर संस्कृत महाविद्यालय	पश्चिम बंगाल,	हुगली	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	5	10	5	10	0	0	15
तंत्र विद्या पीठम्, अलुवा	केरल	एर्नाकुलम	-	-	-	-	2	8	10	-	-	-	-	7	12	9	20	10	0	39
वागीश संस्कृत विद्यापीठ	राजस्थान	हनुमानगढ़	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	1	0	1	0	0	1
वसंत ग्राम आदर्श संस्कृत विद्यालय	दिल्ली	दिल्ली	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	8	6	8	6	0	0	14
वेद गुरुकुलम्	केरल,	पलक्कड़	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	2	-	2	0	0	0	2
वेदव्यास गुरुकुलम्	दिल्ली	दक्षिण-पश्चिम	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	2	0	2	0	0	2
वैदिक संस्कृत महाविद्यालय	उत्तराखंड	हरिद्वार	-	-	-	-	8	5	-	-	-	-	-	4	2	12	7	0	0	19
विश्व जागृति मिशन इंटरनेशनल योग स्कूल	दिल्ली	दिल्ली	12	-	-	47	6	-	-	-	-	-	-	-	-	65	0	0	0	65
विवेकानंद संस्कृत अकादमी	पश्चिम बंगाल	हुगली	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	20	-	20	0	0	0	20
Grand Total			**454**	**560**	**2**	**551**	**1084**	**1213**	**823**	**70**	**80**	**94**	**14**	**1227**	**977**	**3388**	**2830**	**917**	**14**	**7149**

3.3 दूरस्थ शिक्षण कार्यक्रमों की छात्र संख्या (सत्र 2024-25)

कार्यक्रम विवरण	भारतीय अध्येताओं की संख्या	विदेशी अध्येताओं की संख्या	कुल योग
अवतरणी (Certificate Programmes)	1737	61	1798
अवगाहनी (Advanced Certificate)	808	25	833
दक्षता (Diploma)	211	5	216
प्रवीणः (Advanced Diploma)	0	0	0
विशारदः (Proficiency Diploma)	0	0	0
प्राक्शास्त्री (Intermediate Programmes)	90	0	90
शास्त्री (Graduate Programmes)	49	2	51
आचार्य (Masters Programmes)	75	3	78
Short Term Programme	46	0	46
Single corse programme	188	0	188
कुल	3204	96	3300

3.4 अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण केन्द्रों से लाभान्वित अध्येताओं की संख्याः

क्र.सं.	राज्य	केन्द्र संख्या
01.	आन्ध्रप्रदेश	04
02.	अरुणाचल प्रदेश	02
03.	विहार	03
04.	देहली	02
05.	गोवा	04
06.	गुजरात	07
07.	हिमाचल प्रदेश	01
08.	जम्मू कश्मीर	04
09.	कर्णाटक	03
10.	केरल	03
11.	मेघालय	02
12.	महाराष्ट्र	12
13.	मणिपुर	02
14.	मध्यप्रदेश	07
15.	ओड़िशा	03
16.	पञ्जाब	04
17.	राजस्थान	03
18.	त्रिपुरा	01

19.	तमिलनाडु	01
20.	तेलंगाना	05
21.	उत्तराखण्ड	04
22.	उत्तरप्रदेश	10
23.	पश्चिम बंगाल	16
24.	असम	24
	कुल	127

3.5 पत्राचार पाठ्यक्रम के लिए सत्र 2024-25 में नामांकित छात्रों की संख्याः

क्र.सं.	पाठ्यक्रम का नाम	छात्रों की संख्या	
1.	हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम (प्रथम वर्ष)	40 भारतीय + 1 विदेशी	41
2.	हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम (द्वितीय वर्ष)		

विश्वविद्यालय के परिसरों के विभिन्न नियमित कक्षाओं में प्रविष्ट छात्रों, छात्राओं तथा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्रों की संख्या निम्नलिखित है:-

क्र. सं.	कक्षा	ई.डब्ल्यू.एस.		पिछड़ा वर्ग		अनु.जाति		अनु.ज.जा		सामान्य अन्य		पीडब्ल्यूबीडी		अन्य/दि.मुस्लिम		टोटल		
		पु.	महि.	पु.	महि.	पु.	महि.	पु.	महि.	पु.	महि.	पु.	महि.	पु.	महि.	पु.	महि.	योग
1	प्राक्शास्त्री – I	26	8	74	86	21	29	22	23	448	122	3	1	39	17	591	268	**859**
2	प्राक्शास्त्री – II	15	8	69	44	21	32	41	32	411	107	2	0	0	0	557	223	**780**
3	शास्त्री- I	25	2	41	55	23	42	16	14	340	96	1	0	19	12	445	209	**654**
4	शास्त्री- II	26	11	79	82	27	42	15	9	452	89	0	1	0	0	599	233	**832**
5	शास्त्री – III	17	5	64	50	21	38	11	13	309	97	0	0	0	0	422	203	**625**
6	शास्त्री प्रतिष्ठा-I	8	2	20	20	6	16	14	9	168	62	0	0	3	0	216	109	**325**
7	शास्त्री प्रतिष्ठा-II	3	-	19	29	7	11	13	6	70	39	0	0	0	0	112	85	**197**
8	शास्त्री प्रतिष्ठा-III	3	1	5	22	2	2	5	8	54	49	0	0	0	0	69	82	**151**
9.	बी.ए. (ऑनर्स) सिविल अध्ययन	2	-	3	2	-	1	-	-	11	8	0	0	0	0	16	11	**27**
10.	एलएल.बी (ऑनर्स)-1	4	1	10	4	5	2	3	-	11	7	0	0	3	1	33	14	**47**
11.	आचार्य – I	34	13	43	126	28	52	12	19	272	254	0	0	20	29	389	464	**853**
12.	आचार्य – II	33	24	42	110	32	41	9	17	266	201	2	1	0	0	382	393	**775**
13.	शिक्षाशास्त्र - I	93	73	74	127	33	74	19	38	93	140	2	2	14	17	312	452	**764**
14.	शिक्षाशास्त्र - II	108	80	77	124	33	78	16	43	87	111	1	5	0	0	321	436	**757**
15.	आईटीईपी-1	20	9	32	34	10	7	1	7	62	26	0	0	1	2	125	83	**208**
16.	शिक्षा आचार्य - I	8	5	8	14	3	7	3	1	24	14	1	0	0	0	46	41	**87**
17.	शिक्षा आचार्य - II	8	7	6	6	2	-	-	-	14	9	0	0	0	0	30	22	**52**
18.	विद्यावारिधि	61	17	23	17	14	7	5	3	54	27	0	0	3	4	157	71	**228**
19.	अभिन्य पाठ्यक्रम	68	16	110	66	19	12	24	5	328	144	2	0	8	13	549	243	**792**
	कुल योग	**562**	**282**	**799**	**1018**	**307**	**493**	**229**	**247**	**3474**	**1602**	**14**	**10**	**110**	**95**	**5371**	**3642**	**9013**
	वर्ग योग	**844**		**1817**		**800**		**476**		**5076**		**24**		**205**		**9013**		

4.1 मुख्यालय के क्रियाकलाप

4.1 मुख्यालय के क्रियाकलाप

4.1.1 प्रशासन विभाग

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय की प्रशासनिक सेवाओं के निम्नलिखित तत्संबंधी कुशल शासकों के द्वारा प्रभारी अधिकारियों के नेतृत्व में निष्पादित किये जाते हैं:-

(क) सामान्य प्रशासन/स्थापना

(ख) कार्मिक प्रशासन

(ग) परिसरीय प्रशासन

उपर्युक्त उल्लिखित प्रमुख गतिविधियों के साथ-साथ यह शाखा, सेवाएँ तथा आपूर्ति, भूमि अर्जन एवं भवन निर्माण, नये परिसरों की स्थापना के कार्यों का संचालन करती है तथा कार्य परिषद की बैठकों का आयोजन भी करती है। विभिन्न परिसरों के भवन निर्माण के विविध प्रस्ताव अनुमानित व्यय सहित प्रतिवेदित अवधि के दौरान स्वीकृत किये गये, जिनका संक्षिप्त विवरण निम्नानुसार है:-

क्र.सं.	परिसर का नाम	निर्गत राशि (रुपये की संख्या लाख में)
(क)	श्री सदाशिव परिसर, पुरी (उड़ीसा)	40.35
(ख)	श्री रणवीर परिसर, जम्मू	53.88
(ग)	गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज (उ.प्र.)	37.75
(घ)	गुरुवायुर परिसर, त्रिशूर (केरल)	89.80
(ङ)	जयपुर परिसर, जयपुर (राजस्थान)	70.41
(च)	लखनऊ परिसर, लखनऊ (उ.प्र.)	29.34
(छ)	राजीव गांधी परिसर, श्रृंगेरी (कर्नाटक)	07.00
(ज)	वेदव्यास परिसर, बलाहर (हि.प्र.)	18.24
(झ)	भोपाल परिसर, भोपाल (म.प्र.)	62.70
(ञ)	नासिक परिसर, मुम्बई	01.56
(ट)	श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर, देवप्रयाग (उत्तराखण्ड)	13.52
(ठ)	एकलव्य परिसर, अगरतला (त्रिपुरा)	669.00

सूचना के अधिकार के अधिनियम 2005 के अन्तर्गत मुख्यालय में 217 आर.टी.आई. आवेदन एवं 39 प्रथम अपील आवेदन प्राप्त हुए जिसमें से 190 आर.टी.आई. आवेदनों का उत्तर एवं 35 प्रथम अपील आवेदनों का उत्तर दिया गया (पिछले शेष आवेदन सहित)। 19 आर.टी.आई. आवेदनों को संबद्ध परिसरों तथा संस्थानों में स्थानान्तरित किया गया।

4.1.2 वित्त एवं लेखा

वर्ष के दौरान इस अनुभाग के द्वारा प्रतिवेदित महत्वपूर्ण गतिविधियाँ निम्नलिखित हैं।

बजट (2024-2025) :

वर्ष 2023-24 की रू. 0.67 लाख की अव्ययित शेष धनराशि को वित्तीय वर्ष 2024-25 में समाविष्ट किया गया है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के द्वारा कुल रू. 35719.67 लाख रूपये (गत वर्ष के अव्ययित शेष सहित) का कुल बजट स्वीकृत किया गया। रू. 0.67 लाख (राजस्व एवं पूंजी) का अव्ययित शेष धनराशि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग को वापस कर दिया गया।

इस राशि को विश्वविद्यालय के अधीन निम्नलिखित इकाईयों को आबंटित किया गयाः-

क्रमांक	परिसर का नाम	निर्गत राशि (रु. की संख्या लाखों में)
1.	मुख्यालय कार्यालय, दिल्ली	27859.04
2.	श्री सदाशिव परिसर, पुरी (ओडिशा)	897.13
3.	श्री रणबीर परिसर, जम्मू (जम्मू एवं कश्मीर)	611.30
4.	श्री गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज (उत्तर प्रदेश)	347.52
5.	गुरुवायूर परिसर, त्रिशूर (केरल)	545.02
6.	जयपुर परिसर, जयपुर (राजस्थान)	857.80
7.	लखनऊ परिसर, लखनऊ (उत्तर प्रदेश)	545.40
8.	श्री राजीव गांधी परिसर, श्रृंगेरी (कर्नाटक)	929.51
9.	वेद व्यास परिसर, बलहार (हिमाचल प्रदेश)	479.18
10.	भोपाल परिसर, भोपाल (मध्य प्रदेश)	835.45
11.	नासिक परिसर, नासिक (महाराष्ट्र)	243.80
12.	एकलव्य परिसर, अगरतला (त्रिपुरा)	1,133.65
13.	श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर, देवप्रयाग (उत्तराखंड)	434.20
	कुल योग	**35719.00**

वर्ष के दौरान इन निधियों का उपयोग वेतन और भत्ते पेन्शन, पेन्शन हितलाभ, शोध अध्येतावृत्ति छात्रवृत्ति, प्रख्यात संस्कृत विद्वानों को राष्ट्रपति पुरस्कार, संस्कृत शिक्षा के विकास हेतु विभिन्न योजनाओं और अन्य रख-रखाव सम्बन्धी मदों पर उपयोग में लाया गया।

लेखा

यह शाखा विश्वविद्यालय के विभिन्न परिसरों से प्राप्त वार्षिक लेखों के समेकन और लेखा-परीक्षा हेतु महानिदेशक लेखा परीक्षा केन्द्रीय व्यय को प्रस्तुत करने के लिए उत्तरदायी है। लेखा परीक्षण हेतु महानिदेशक लेखा परीक्षा को प्रस्तुत वर्ष 2024-25 के समेकित वार्षिक लेखे इस वार्षिक प्रतिवेदन के पृष्ट संख्या 347 पर दिये गये है।

भविष्य निधि खातों और एन.पी.एस का रख-रखाव

यह शाखा मुख्यालय के अधिकारियों व अन्य कर्मचारियों के भविष्य निधि खातें और एन.पी.एस अंशदान खाते का रख-रखाव उनकी प्रयोज्यता के अनुसार करता है।

विश्वविद्यालय का लेखा परीक्षण

विश्वविद्यालय के मुख्यालय और उसके 12 परिसरों का आंतरिक लेखा परीक्षण, आंतरिक लेखा परीक्षण प्रकोष्ठ द्वारा और बाह्य लेखा परीक्षण भारत के महानिदेशक लेखा परीक्षा कार्यालय द्वारा किया जाता है। वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान विश्वविद्यालय ने 6 परिसरों क्रमशः रणवीर परिसर (जम्मू), वेदव्यास परिसर (हिमाचल प्रदेश), भोपाल परिसर (मध्य प्रदेश), गंगानाथ झा परिसर (प्रयागराज), सदाशिव परिसर (पुरी), गुरुवायूर परिसर (केरल) और मुख्यालय का आंतरिक लेखा परीक्षण किया गया है। विश्वविद्यालय का लेन देन लेखा परीक्षण वर्ष तक किया जा चुका है तथा एस.ए.आर वित्तीय वर्ष 2024-25 तक किया जा चुका है।

लेखा-परीक्षा आपत्तियों का निराकरण

लेखा-परीक्षण आपत्तियों को निपटारे के लिए वर्ष के दौरान ठोस प्रयास किए गए। इस प्रयोजन के लिए प्रत्येक परिसर को आवश्यक सुधारात्मक उपाय करने के निर्देश दिए गए तथा अनुपालन के उत्तर, लेखा परीक्षा प्राधिकारियों को भेजे गए। इस प्रकार इस वर्ष में बहु-संख्यक लेखा परीक्षा आपत्तियों का निपटारा किया गया।

4.1.3 शैक्षणिक अनुभाग

इस अनुभाग के महत्त्वपूर्ण उत्तरदायित्व हैं :-

- विश्वविद्यालय के शैक्षणिक क्रियाकलापों को सुव्यवस्थित करना।
- प्रथमा से लेकर आचार्य कक्षाओं के लिए पाठ्यक्रमों का निर्माण करना।
- प्रथमा से आचार्य कक्षाओं के लिए पाठ्यक्रम बनाने हेतु विभिन्न विषयों की समितियों (अध्ययन परिषद्) का गठन करना।
- विद्वत् परिषद् व अध्ययन परिषद् की बैठक का आयोजन विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अनुरूप करना तथा उनके अनुसार अनुवर्ती कार्रवाई करना।
- विगत वर्ष के दौरान शैक्षणिक विभाग के द्वारा विद्वत् परिषद् की दो बैठकें आयोजित की गईं। (21 अक्टूबर, 2024 & 27 फरवरी, 2025)
- विद्वत् परिषद् एवं कार्य परिषद् की अनुशंसा के आधार पर संस्थानों को सम्बद्धता प्रदान की जाती है।

छात्र कल्याण विभाग 2024-25 कार्यक्रम विवरण

क्र.सं.	कार्यक्रम / आयोजन	विवरण	दिनांक / स्थान	प्रतिभाग / उपलब्धि
1.	संस्कृत ओलम्पियाड	कक्षा 6 से पीएच.डी. तक के छात्रों हेतु आयोजित।	सम्पूर्ण भारत स्तर पर	25,000+ छात्रों ने प्रतिभाग किया। राष्ट्रीय, राज्य एवं विद्यालय स्तर के विजेताओं को पुरस्कार राशि एवं पदक प्रदान किए गए।

2.	युव-महोत्सव (सत्र 2024-25)	प्रतिवर्ष की भाँति चार वलयों में आयोजित।	भोपाल परिसर (17–19 अक्तूबर 2024), देवप्रयाग परिसर (26–28 अक्तूबर 2024), गुरुवायुर परिसर (8–10 नवम्बर 2024), पुरी परिसर (14–16 नवम्बर 2024)	समस्त परिसरों व आदर्श महाविद्यालयों के 40-40 छात्रों ने प्रतिभाग किया।
3.	AIU प्रतियोगिताएँ	युव-महोत्सव में प्रतिभाग करने वाले श्रेष्ठ छात्रों का चयन।	—	चयनित छात्रों को AIU द्वारा आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग हेतु भेजा गया।
4.	युव-धर्म संसद	आध्यात्मिक एवं नैतिक जागरूकता हेतु कार्यक्रम।	हरिद्वार (13–14 नवम्बर 2024)	विश्वविद्यालय से 100 छात्रों ने प्रतिभाग किया।
5.	भारतीय युव संसद	राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित संवाद कार्यक्रम।	जयपुर, राजस्थान (15–17 सितम्बर 2024)	विश्वविद्यालय से 76 छात्रों ने प्रतिभाग किया।
6.	प्रशिक्षुता / प्लेसमेंट कार्यक्रम	छात्रों हेतु रोजगारोन्मुखी कार्यक्रम।	विभिन्न संस्थानों में	धरोहर संस्था, जयपुरिया ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूट्स एवं पतंजलि गुरुकुल, हरिद्वार द्वारा आयोजन।
7.	पर्वतारोहण कार्यक्रम	विश्वविद्यालय स्तर पर प्रथम बार आयोजित।	हिमालय, चन्द्रखानी पास ट्रेक, कुल्लू, हिमाचल प्रदेश (17–28 मई 2024)	25 छात्रों ने प्रतिभाग किया।
8.	सं-व्लॉग कार्यशाला	संस्कृत में व्लॉग निर्माण हेतु प्रशिक्षण।	लखनऊ परिसर (01–05 जुलाई 2024)	संस्कृत छात्रों को संस्कृत में व्लॉग बनाने का प्रशिक्षण दिया गया।

मूक परियोजना

वार्षिक रिपोर्ट 2024-25 (स्वयं एमओओसी, एलएमएस और छात्र कल्याण)

विश्वविद्यालय कार्यालय आदेश संदर्भ संख्या के.सं.वि./शोध एवं प्रकाशन/वार्षिक प्रतिवेदन/2024-25/49 दिनांक 28/10/2025 के संदर्भ में, स्वयं-एमओओसी, एलएमएस, और छात्र कल्याण अनुभागों की वर्ष 2024–25 की वार्षिक रिपोर्ट आपके अवलोकन और आगामी आवश्यक कार्रवाई हेतु नीचे प्रस्तुत है।

स्वयं-एमओओसी

स्वयं कार्यक्रम के लिए निगरानी, पर्यवेक्षण, समन्वय और प्रोत्साहन गतिविधियाँ इस पूरी अवधि के दौरान सक्रिय रूप से की गईं।

स्वयं नामांकन का अवलोकन:

स्वयं कार्यक्रम द्वारा नामांकित छात्रों की संख्या									
परिसर का नाम	2024				2025				महा योग
	पुरुष	महिला	ट्रांसजेंडर	योग	पुरुष	महिला	ट्रांसजेंडर	योग	
गंगानाथ झा परिसर	7	5	0	12	15	6	0	21	33
श्री रणबीर परिसर	0	0	0	0	47	47	0	94	94
श्री सदाशिव परिसर	-	-	-	-	-	-	-	-	-
गुरुवायूर परिसर	11	33	0	44	4	4	0	8	52
जयपुर परिसर	3	3	0	6	53	87	0	140	146
लखनऊ परिसर	-	-	-	-	-	-	-	-	-
श्री राजीव गांधी परिसर	1	5	0	6	0	2	0	2	8
वेदव्यास परिसर	28	13	0	41	30	47	0	77	118
भोपाल परिसर	5	3	0	8	11	13	0	24	32
नासिक परिसर	15	20	0	35	5	4	0	9	44
एकलव्य परिसर	4	0	0	4	2	2	0	4	8
श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर	-	-	-	-	-	-	-	-	-
योग	74	82	0	156	167	212	0	379	535

विकास और समीक्षा

- पाठ्यक्रम प्रस्तुति: 10 एमओओसी पाठ्यक्रम (केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के संकाय और सहयोगी संस्थानों द्वारा विश्वविद्यालय एमओओसी और आईकेएस अमृत महोत्सव परियोजना के तहत विकसित) यू.जी.सी. को समीक्षा तथा अंततः स्वयं पोर्टल पर प्रकाशन/अपलोड करने हेतु प्रस्तुत किए गए।

स्वयं-एमओओसी बैठकों और कार्यशालाओं में भागीदारी

- केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के नामित सदस्यों ने जम्मू (जम्मू-कश्मीर) के कश्मीर विश्वविद्यालय में 15 फरवरी, 2025 को आयोजित स्वयं कार्यशाला में भाग लिया।
- केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के नामित सदस्यों ने 9 जनवरी, 2025 को काशी हिन्दू विश्वविद्यालय (बीएचयू), वाराणसी में आयोजित स्वयं आउटरीच कार्यशाला में भाग लिया।

कौशल विकास और प्रशिक्षण (Skill Development and Training)

- स्पोकन ट्यूटोरियल परियोजना (Spoken Tutorial Project):
  स्पोकन ट्यूटोरियल परियोजना की निगरानी, पर्यवेक्षण और समन्वय किया गया। जून 2024 तक, इस परियोजना के तहत 12 विभिन्न आईसीटी कौशल पाठ्यक्रमों में कुल 3,313 छात्रों को प्रशिक्षित किया गया और 1,345 छात्रों को प्रमाणित किया गया।
- वी-लॉग कार्यशाला (V-log Workshop):
  संस्कृत भाषा में वी-लॉगिंग को बढ़ावा देने के लिए, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, लखनऊ परिसर में 1 से 5 जुलाई, 2025 तक 5 दिवसीय संस्कृत वी-लॉग कार्यशाला का आयोजन किया गया।

- कौशल केंद्र:
  प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई 4.0) के तहत 2025 में विश्वविद्यालय के विभिन्न परिसरों में कौशल केंद्रों की स्थापना की गई।

- साक्षात्कार कौशल कार्यशाला:
  केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के छात्रों के लिए साक्षात्कार उत्तीर्ण करने के कौशल पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन 15-16 अप्रैल, 2025 को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, लखनऊ परिसर में किया गया।

- वीएसी के लिए समझौता ज्ञापन:
  मूल्य वर्धित पाठ्यक्रम को पेशकश करके केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के छात्रों के शैक्षणिक संवर्धन के लिए, 14 अगस्त, 2024 को एमईआरआई कॉलेज, दिल्ली के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। समझौता ज्ञापन के कार्यान्वयन की निगरानी और पर्यवेक्षण, तथा वीएसी में छात्र पंजीकरण को प्रोत्साहित करने का कार्य जारी है।

  पीएमकेवीवाई
- समीक्षा: भारत सरकार के कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय द्वारा 26 मई, 2025 को आयोजित पीएमकेवीवाई 4.0 से संबंधित समीक्षा बैठक में भागीदारी की गई।

- पीएमकेवीवाई विशेष परियोजना:
  भगवा ऑनटेक प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा पीएमकेवीबाई के तहत एक विशेष परियोजना – सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और पारंपरिक कौशल विकास पहल – के लिए एक प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया।

शिक्षण प्रबंधन प्रणाली

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय एलएमएस का विकास और पाठ्यक्रम निर्माण

- उपयोगकर्ता और पहुँच: केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय का एलएमएस 2,000 से अधिक उपयोगकर्ताओं को पार कर चुका है, जो गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और सुलभ शिक्षण संसाधन प्रदान करने के प्रति हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है।
- पाठ्यक्रम विकास: छात्रों के सीखने के अनुभव को बढ़ाने और उनकी बढ़ती ज़रूरतों को पूरा करने के लिए वर्तमान में 80 से अधिक नए पाठ्यक्रम विकसित किए जा रहे हैं।

जागरूकता और स्वास्थ्य कार्यक्रम

- करियर मार्गदर्शन (Career Guidance): दी एकेडमी, बेंगलुरु के सहयोग से 'करियर मार्गदर्शन और जीवन विज्ञान' पर जागरूकता कार्यक्रमों की एक श्रृंखला आयोजित की गई:
  - केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गुरुवायूर परिसर, त्रिशूर में एक दिवसीय कार्यक्रम (23 जुलाई, 2024)।
  - केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर, भोपाल में एक दिवसीय कार्यक्रम (29 जुलाई, 2024)।
  - केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, श्री रणबीर परिसर, जम्मू में दो दिवसीय कार्यक्रम (3-4 सितंबर, 2024)।
- महिला स्वास्थ्य कार्यशाला: 2024 में ओम हेल्थ केयर, नई दिल्ली के साथ मिलकर 'महिलाओं को मूक हत्यारों से बचाएं' नामक कार्यशाला का आयोजन किया गया।
- मिशन प्रहार: 2024 में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर, देवप्रयाग में 'मिशन प्रहार: आत्मरक्षा के माध्यम से महिलाओं को सशक्त बनाना' का आयोजन किया गया।

- एंटी-रैगिंग गतिविधियाँ: नवीनतम यूजीसी दिशानिर्देशों के अनुसार, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय और इसके संबद्ध संस्थानों के परिसरों में रैगिंग की समस्या को रोकने के लिए विभिन्न गतिविधियों का संचालन किया गया।
- सतर्कता जागरूकता : विभिन्न केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय परिसरों में 'राष्ट्र की समृद्धि के लिए सत्यनिष्ठा की संस्कृति' विषय के तहत 28 अक्टूबर से 3 नवंबर, 2024 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2024 का आयोजन किया गया।
- मानसिक स्वास्थ्य सत्र: भारत सरकार के उच्च शिक्षा विभाग, दिल्ली द्वारा आयोजित एमएमटीटीपी के तहत उच्च शिक्षण संस्थानों में सकारात्मक मानसिक स्वास्थ्य, लचीलापन और कल्याण को बढ़ावा देने के लिए क्षमता निर्माण पर ऑनलाइन सत्र में भागीदारी की गई।
- महिला नेतृत्व: कार्यस्थल पर महिलाओं के लिए नेतृत्व और निर्णय लेने की भूमिकाओं को बढ़ावा देने हेतु विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों और कार्यशालाओं का संचालन किया गया।

शैक्षणिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम

विभिन्न ओलंपियाड का आयोजन

ओलंपियाड का नाम	आयोजन की तिथि	संस्करण
संस्कृत ओलंपियाड	2024	दूसरा
आईकेएस ओलंपियाड	2024	प्रथम
अंतर्राष्ट्रीय गीता ओलंपियाड	2024	प्रथम

सांस्कृतिक समारोह

- गीता जयंती और भारतीय भाषा उत्सव: केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय मुख्यालय, दिल्ली में 11-12 दिसंबर, 2024 को गीता जयंती और भारतीय भाषा उत्सव का आयोजन किया गया।
- अखिल भारतीय संस्कृत विदुषी सम्मेलन: अक्टूबर 2024 के दौरान सत्यवती कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय, अशोक विहार, दिल्ली में अखिल भारतीय संस्कृत विदुषी सम्मेलन का आयोजन किया गया।
- राष्ट्रीय युवा दिवस और युवा सप्ताह 2025: जनवरी 2025 के दौरान राष्ट्रीय युवा दिवस और युवा सप्ताह 2025 का आयोजन किया गया। कार्यक्रमों में युवा निधि संपोषण उत्सव 2025 शामिल था, जिसमें सफलतापूर्वक ₹ 2,62,145.00 की राशि एकत्र की गई।
- अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस: 3-9 मार्च, 2025 तक केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के विभिन्न परिसरों में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें 8 मार्च, 2025 को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, वेदव्यास परिसर, बालाहर में महिला दिवस 2025 समारोह शामिल था।
- वृक्षारोपण अभियान: 2025 के वर्षा ऋतु के दौरान विभिन्न केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय परिसरों, संबद्ध संस्थानों और केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय मुख्यालय, दिल्ली में वृक्षारोपण अभियान (एक छात्र एक पेड़ और एक पेड़ माँ के नाम) का आयोजन किया गया। इस अभियान के दौरान सौ पौधे लगाए गए।
- संस्कृत कैफे: वर्ष 2025 के दौरान केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर, जयपुर में संस्कृत कैफे की सफल स्थापना के लिए निगरानी, पर्यवेक्षण और समन्वय किया गया। कैफे वर्तमान में ठीक से कार्य कर रहा है।

अन्य गतिविधियाँ (Other Engagements)

- पी.एम. विद्यालक्ष्मी योजना: पी.एम. विद्यालक्ष्मी योजना को बढ़ावा देने के लिए गतिविधियों का संचालन किया गया।
- छात्र भ्रमण : केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर के छात्रों द्वारा माननीय सर्वोच्च न्यायालय, दिल्ली का भ्रमण किया गया।

कार्यशालाओं में भागीदारी:

- यूजीसी द्वारा 2024 में आयोजित संस्थागत विकास योजना (आईडीपी) (एनईपी 2020) पर एक दिवसीय कार्यशाला में भागीदारी।
- 17-22 फरवरी, 2025 तक हंसराज कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय में भारतीय ज्ञान प्रणाली (आईकेएस) में छह दिवसीय बुनियादी प्रशिक्षण कार्यक्रम में भागीदारी।
- सरकारी एक्सपो: 20-22 जुलाई, 2025 तक प्रगति मैदान, नई दिल्ली में आयोजित सरकारी उपलब्धियाँ और योजनाएँ एक्सपो 2024 में भागीदारी की गई। इसमें एक केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के छात्र द्वारा इनक्यूबेट किए गए स्टार्टअप 'हैंड ओरिजिन' का एक शोकेस स्टॉल स्थापित किया गया।
- धूम्रपान विरोधी अभियान: स्वस्थ आदतों को बढ़ावा देने के लिए ऑयल एंड शुगर बोर्ड लगाने हेतु एक अभियान का आयोजन किया गया।
- कंप्यूटर टैलेंट हंट: कंप्यूटर टैलेंट हंट प्रतियोगिता 2025 के आयोजन के लिए विस्तृत प्रस्ताव की योजना, समन्वय और प्रस्तुति की गई। इस प्रतियोगिता के पहले दौर में कुल 500 छात्रों ने भाग लिया।
- आईएमपीसी के साथ समझौता ज्ञापन: सनातन धर्म की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित और बढ़ावा देने के लिए अंतर्राष्ट्रीय मंदिर प्रबंधक परिषद (आईएमपीसी) के साथ एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर करने हेतु समन्वय किया गया।

ग्लोबल स्टार्टअप फेस्टिवल: एमईआरआई कॉलेज, दिल्ली में ग्लोबल स्टार्टअप फेस्टिवल 2025 में भागीदारी की गई।

4.1.4 प्रकाशन अनुभाग

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय का प्रकाशन विभाग संस्कृत भाषा, भारत की बहु-आयामी संस्कृति एवं भारतीय ज्ञान परम्परा के सम्पोषण तथा संवर्धन हेतु समर्पित है। प्राचीन ज्ञान-विज्ञान का संरक्षण एवं प्रकाशन के साथ समकालीन समाज में उपयोगी भारतीय वाङ्मय पर आश्रित विभिन्न ग्रन्थों एवं शोध सन्दर्भों को प्रकाशित करके विश्वव्यापी जनता के समक्ष प्रस्तुत करना इसका उद्देश्य है। उपर्युक्त उद्देश्यों की पूर्ति हेतु प्रकाशन विभाग विभिन्न ग्रन्थमालाओं जैसे- अमृत महोत्सव ग्रन्थमाला, बालकथा ग्रन्थमाला, भारतीय ज्ञान परम्परा ग्रन्थमाला, संक्षेप ग्रन्थहार के माध्यम से पाण्डुलिपियों, ग्रन्थों एवं लघु पुस्तकों का प्रकाशन नियमित रूप में प्रकाशन विभाग से किया जाता है।

प्रकाशन विभाग के महत्त्वपूर्ण कार्य-

- केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के ग्रन्थों, शोध पत्रिकाओं का प्रकाशन।
- समृद्ध ज्ञान-विज्ञान पर आश्रिव प्राचीन पाण्डुलिपियों का प्रकाशन।

- संस्कृत विमर्श शोध पत्रिका का प्रकाशन।
- प्रत्येक तिमाही के दौरान संस्कृत वार्ता का प्रकाशन।
- प्रकाशन सम्बन्धी विचार विमर्श हेतु प्रकाशन समिति के उपवेशनों का आयोजन।
- ग्रन्थलोकार्पण कार्यक्रमों/उत्सवों को आयोजन।

प्रकाशन-समिति की बैठक-

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली की प्रकाशन समिति की बैठक दिनांक 07.01.2005 को सम्पन्न हुई, जिसमें विश्वविद्यालय के द्वारा संचालित विभिन्न ग्रन्थ मालाओं के अन्तर्गत 72 ग्रन्थों के प्रकाशन की स्वीकृति प्रदान की गयी।

ग्रन्थलोकार्पण कार्यक्रम-

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के प्रकाशन विभाग द्वारा 24 अक्टूबर, 2024 से 26 अक्टूबर, 2024 तक उडुपी, कर्णाटक में आयोजित अखिल भारतीय प्राच्य विद्या सम्मेलन में विभिन्न ग्रन्थमालाओं के अन्तर्गत 42 पुस्तकों का लोकार्पण किया गया।

❖ विभिन्न ग्रन्थमालाओं में वर्ष 2024-25 में प्रकाशित ग्रन्थों का विवरण निम्नवत् है-

अमृत महोत्सव ग्रन्थमाला	
क्र. सं.	पुस्तक का नाम
1.	काव्यदर्पणः
2.	नैष्कर्म्यसिद्धिः
3.	अद्वैतमुक्तासरः
4.	लघुशब्देन्दुशेखरः (प्रथमो भागः)
5.	लघुशब्देन्दुशेखरः (द्वितीयो भागः)
6.	भारतीयोपवनविज्ञानम्
7.	सङ्गीतचन्द्रः
8.	श्री-अरविन्दचरितम्
9.	कुवलयकौमुदी
10.	नारायणीयम्
11.	काव्यतत्त्वसमन्वितिः
12.	हस्तलेखशास्त्रम्
13.	श्रीमद्भगवद्गीता पैशाचशाङ्करभाष्यसमन्विता
14.	भद्रगणितम्
15.	हिमाचलप्रदेशस्य सांस्कृतिकं रिक्थं प्रति संस्कृतस्य योगदानम्
16.	शास्त्र पद्धति (हिन्दी संस्करण)
17.	प्राच्यप्रभा भारतविद्या च
18.	महासलिलम्

19.	प्रक्रियासर्वस्वम् (प्रथमो भागः)
20.	प्रक्रियासर्वस्वम् (द्वितीयो भागः
21.	प्रक्रियासर्वस्वम् (तृतीयो भागः)
22.	न्यायशास्त्र-वीची
23.	संस्कृत शिक्षा सार संग्रह (हिन्दी संस्कण)
24.	संस्कृतशिक्षासारसंग्रहः (संस्कृत संस्करण)
25.	अथर्ववेदे भैषज्यविज्ञानम्
26.	श्लेषसिद्धान्तः
27.	भारतं भारताम्बे
28.	यास्कमहर्षिः निर्वचनविज्ञानञ्च
29.	Sulba-Vijñāna The science of the sulba
30.	कहकोसु (कथाकोश) (द्वितीयभाग - संधि- 19-36)
31.	मीमांसापदार्थविज्ञानम्
32.	मीमांसातर्कभाषा
33.	मा वीरा विस्मृता भूवन्
संक्षेपग्रन्थहार योजना	
34.	औपनिषदसिद्धान्तः
35.	भगवती श्रुतिः
36.	लकारप्रयोगः
37.	पञ्चाङ्गपरिचयः
38.	मीमांसकोऽयं कविकुलगुरुः
39.	आत्मनेपदी परस्मैपदी
40.	शब्दशुद्धिः
41.	भारतीया रसवती
42.	श्रौतयज्ञप्रभा
43.	दर्शनार्णवः
44.	साधुशब्दं प्रयुञ्महे
45.	अद्वैततत्त्वम्
46.	मदधीना तव स्थितिः
47.	परिभाषा

उडुपी में आयोजित 51वां अखिल भारतीय प्राच्य विद्या सम्मेलन	
48.	अर्वाचीनसंस्कृतसाहित्ये क्रान्तिकारी महाकविः
49.	विद्या(लय)वारिधिः
50.	सुवर्णखण्डः
51.	रसिकानन्दः
52.	संस्कृतसाहित्ये आत्मत्यागविमर्शः
53.	Jyotsna: Moon Light of Hatha-yoga Kriyas & Other Techniques
54.	सहृदयरंजनी
55.	लघुशब्देन्दुशेखरस्वाध्यायः (प्रथमो भागः, पूर्वार्द्धः चोत्तरार्द्धः) (3 भाग)
56.	बाह्वचवैभवम्-1
57.	वैयाकरणसिद्धांतकौमुदी (संज्ञा, परिभाषा)
58.	Samanvaya: An Interlingua for Unity of Indian Languages
59.	होरानिबन्धसंग्रहः
60.	मम्मटहृदयम् (काव्यप्रकाशसारसंग्रहः)
61.	वास्तुशास्त्रावतरणी
62.	वाक्चणः
63.	ऑस्ट्रेलियाख्यायिका
64.	मीमांसासूत्रसंग्रहः (Diacritical)
65.	शाब्दबोधप्रक्रियाविमर्शः
66.	कृष्णं परं धीमहि
67.	अक्षरसमीक्षा
68.	सूक्तिरत्नाकरः
बाल कथा साहित्य ग्रन्थमाला	
69.	बालकथामञ्जूसा
70.	भगवान् परशुरामः
भारतीय ज्ञान परम्परा ग्रन्थमाला	
71.	व्यक्तित्वमनोविज्ञानम्

संस्कृत विमर्श

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली की एक प्रतिष्ठित षाण्मासिक, त्रिभाषिक, समीक्षित एवं मुक्त अभिगम शोध-पत्रिका है। अब इसके पाठक-सदस्यों की संख्या लगभग एक हजार के निकट पहुँच चुकी है। विश्वविद्यालय के सभी शैक्षणिक अधिकारी एवं शिक्षक संस्कृत विमर्श के पाठक-सदस्य के रूप में सम्मिलित हो चुके हैं। माननीय कुलपति महोदय इस पत्रिका के प्रधान सम्पादक हैं। उनके प्रत्यक्ष मार्गदर्शन में यह पत्रिका भारतीय ज्ञान-परम्परा से सम्बन्धित विविध

विशेषाङ्कों का नियमित प्रकाशन कर रही है। यह पत्रिका अब पूर्णतः के रूप में उपलब्ध है। 13 जून 2024 को इसके 24वें अंक का लोकार्पण हुआ, जिसमें एक विदेशी शोध-छात्र द्वारा संस्कृत भाषा में रचित शोध-लेख भी प्रकाशित किया गया। इसके पश्चात् 25वें अंक का लोकार्पण 13 जनवरी 2025 को राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर आयोजित समापन समारोह में किया गया। यह अंक "भारतीय ज्ञानपरम्परा – विशेषांक (भाग–1)" के रूप में प्रकाशित हुआ, जिसमें कुल 36 शोध-लेख सम्मिलित हैं। Open Access होने के कारण यह अंक विश्वभर के पाठकों के लिए सहज रूप से उपलब्ध है। 26वें अंक का लोकार्पण नासिक परिसर में आयोजित "उत्कर्ष महोत्सव" के अवसर पर सम्पन्न हुआ। इस अंक में संस्कृत के 11, हिन्दी के 7 तथा अंग्रेज़ी के 11 उत्कृष्ट शोध-लेख प्रकाशित किए गए, और इसे भी एक उत्कृष्ट अंक के रूप में सराहा गया। इस शोध-पत्रिका के सम्पादक प्रकाशन विभाग के संयुक्त निदेशक आचार्य गणेश तिम्मण्ण पण्डित हैं। शोध-सहायक आयुष्मान् श्री समीर तथा तकनीकी सहयोगी सुश्री निशिका पाँवार ने पत्रिका के निर्माण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। भारत के विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं संस्थानों के उत्कृष्ट विद्वानों और विदुषियों को परामर्श एवं मूल्यांकन समिति में सम्मिलित किए जाने के कारण यह पत्रिका अब अत्यंत सुचारु, व्यवस्थित और नियमित रूप से प्रकाशित हो रही है।

❖ संस्कृत वार्ता

प्रकाशन विभाग के द्वारा केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय एवं विश्वविद्यालय के अङ्गीभूत परिसर एवं आदर्श महाविद्यालय/शोध केन्द्र में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों का समायोजन करके त्रैमासिक संस्कृत वर्ता प्रकाशित की जाती है।

4.1.5 परीक्षा अनुभाग

परीक्षा अनुभाग की मुख्य जिम्मेदारी विभिन्न नियमित पाठ्यक्रमों की परीक्षाओं का आयोजन करना और उनके परिणाम घोषित करना है, जिन्हें केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा संचालित किया जाता है। इन पाठ्यक्रमों में पूर्वमध्यमा, उत्तरमध्यमा प्राक् शास्त्री, शास्त्री, शास्त्री प्रतिष्ठा, बी.एस.सी, शिक्षाशास्त्री, आचार्य, एम.ए., एम.एस.सी, शिक्षा आचार्य, विद्यावारिधि तथा अन्य प्रमाणपत्रीय डिप्लोमा एवं स्नातकोत्तर डिप्लोमा पाठ्यक्रम आदि शामिल हैं।

इसके अतिरिक्त यह अनुभाग मुक्तस्वाध्यायपीठम् द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों की भी परीक्षाओं का आयोजन करता है, जिनमें प्राकशास्त्री सेतु, शास्त्री सेतु, आचार्य सेतु, प्राकशास्त्री, शास्त्री एवं आचार्य पाठ्क्रम सम्मिलित हैं। ये परीक्षाएँ परीक्षा बोर्ड तथा शैक्षणिक परिषद् द्वारा निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार आयोजित की जाती हैं।

शैक्षणिक सत्र 2024-25 के दौरान केन्द्रीय रूप से आयोजित विभिन्न परीक्षाओं में सम्मिलित तथा उत्तीर्ण हुए छात्रों की वर्गवार विवरण निम्नलिखित है:-

क्र.सं.	विषय	अवधि	कुल	अनुपस्थित	सम्मिलित	उत्तीर्ण	FAIL/EP	उत्तीर्ण%
1.	पूर्वमध्यमा-II	..	743	95	648	552	96	85.18
2.	प्राक्शास्त्री	1	1842	42	1800	1563	237	86.84
3.	प्राक्शास्त्री	2	1787	66	1721	1389	332	80.71
4.	प्राक्शास्त्री	3	1468	29	1439	1352	87	93.96
5.	प्राक्शास्त्री	4	1422	4	1418	1282	136	90.41
6.	बौद्ध दर्शन में शास्त्री (बी.ए.)	1	2	0	2	2	0	100
7.	बौद्ध दर्शन में शास्त्री (बी.ए.)	2	2	0	2	2	0	100
8.	बौद्ध दर्शन में शास्त्री (बी.ए.)	3	1	0	1	1	0	100

9.	बौद्ध में दर्शन शास्त्री (बी.ए.)	4	1	0	1	1	0	100
10.	बौद्ध दर्शन में शास्त्री (बी.ए.)	5	2	0	2	2	0	100
11.	बौद्ध दर्शन में शास्त्री (बी.ए.)	6	2	0	2	2	0	100
12.	भोट बौद्ध दर्शन में शास्त्री (बी.ए.)	1	11	0	11	11	0	100
13.	भोट बौद्ध दर्शन में शास्त्री (बी.ए.)	2	9	0	9	9	0	100
14.	दर्शन में शास्त्री (बी.ए.)।	1	21	3	18	9	9	50
15.	दर्शन में शास्त्री (बी.ए.)।	2	21	1	20	13	7	65
16.	दर्शन में शास्त्री (बी.ए.)।	3	33	2	31	24	7	77.42
17.	दर्शन में शास्त्री (बी.ए.)।	4	32	0	32	29	3	90.63
18.	दर्शन में शास्त्री (बी.ए.)।	5	14	0	14	14	0	100
19.	दर्शन में शास्त्री (बी.ए.)।	6	14	0	14	13	1	92.86
20.	धर्मशास्त्र में शास्त्री (बी.ए.)	1	11	1	10	9	1	90
21.	धर्मशास्त्र में शास्त्री (बी.ए.)	2	13	0	13	8	5	61.54
22.	धर्मशास्त्र में शास्त्री (बी.ए.)	3	10	0	10	10	0	100
23.	धर्मशास्त्र में शास्त्री (बी.ए.)	4	10	3	7	6	1	85.72
24.	धर्मशास्त्र में शास्त्री (बी.ए.)	5	6	0	6	6	0	100
25.	धर्मशास्त्र में शास्त्री (बी.ए.)	6	5	0	5	4	1	80
26.	जैन दर्शन में शास्त्री (बी.ए.)	1	36	1	35	34	1	97.15
27.	जैन दर्शन में शास्त्री (बी.ए.)	2	35	0	35	34	1	97.15
28.	जैन दर्शन में शास्त्री (बी.ए.)	3	28	1	27	26	1	96.3
29.	जैन दर्शन में शास्त्री (बी.ए.)	4	28	0	28	27	1	96.43
30.	जैन दर्शन में शास्त्री (बी.ए.)	5	28	0	28	28	0	100
31.	जैन दर्शन में शास्त्री (बी.ए.)	6	27	0	27	26	1	96.3
32.	मीमांसा में शास्त्री (बी.ए.)	1	2	0	2	2	0	100
33.	मीमांसा में शास्त्री (बी.ए.)	2	2	0	2	2	0	100
34.	मीमांसा में शास्त्री (बी.ए.)	5	1	0	1	1	0	100
35.	मीमांसा में शास्त्री (बी.ए.)	6	1	0	1	1	0	100

36.	न्याय में शास्त्री (बी.ए.)	1	2	0	2	1	1	50
37.	न्याय में शास्त्री (बी.ए.)	2	3	1	2	1	1	50
38.	न्याय में शास्त्री (बी.ए.)	3	2	0	2	1	1	50
39.	न्याय में शास्त्री (बी.ए.)	4	2	1	1	1	0	100
40.	फलित ज्योतिष में शास्त्री (बी.ए.)	1	281	14	267	170	97	63.68
41.	फलित ज्योतिष में शास्त्री (बी.ए.)	2	311	16	295	185	110	62.72
42.	फलित ज्योतिष में शास्त्री (बी.ए.)	3	245	9	236	179	57	75.85
43.	फलित ज्योतिष में शास्त्री (बी.ए.)	4	271	9	262	181	81	69.09
44.	फलित ज्योतिष में शास्त्री (बी.ए.)	5	163	3	160	145	15	90.63
45.	फलित ज्योतिष में शास्त्री (बी.ए.)	6	162	0	162	139	23	85.81
46.	प्राकृत में शास्त्री (बी.ए.)	1	5	0	5	5	0	100
47.	प्राकृत में शास्त्री (बी.ए.)	2	4	0	4	4	0	100
48.	प्राकृत में शास्त्री (बी.ए.)	3	6	0	6	6	0	100
49.	प्राकृत में शास्त्री (बी.ए.)	4	6	0	6	6	0	100
50.	पुराणेतिहास में शास्त्री (बी.ए.)	1	4	0	4	4	0	100
51.	पुराणेतिहास में शास्त्री (बी.ए.)	2	4	0	4	4	0	100
52.	पुराणेतिहास में शास्त्री (बी.ए.)	3	9	0	9	8	1	88.89
53.	पुराणेतिहास में शास्त्री (बी.ए.)	4	8	0	8	8	0	100
54.	पुराणेतिहास में शास्त्री (बी.ए.)	5	1	0	1	1	0	100
55.	पुराणेतिहास में शास्त्री (बी.ए.)	6	1	0	1	1	0	100
56.	सिद्धांत ज्योतिष में शास्त्री (बी.ए.)	1	16	1	15	11	4	73.34
57.	सिद्धांत ज्योतिष में शास्त्री (बी.ए.)	2	21	0	21	10	11	47.62
58.	सिद्धांत ज्योतिष में शास्त्री (बी.ए.)	3	17	0	17	14	3	82.36

59.	सिद्धांत ज्योतिष में शास्त्री (बी.ए.)	4	17	0	17	9	8	52.95
60.	सिद्धांत ज्योतिष में शास्त्री (बी.ए.)	5	7	0	7	7	0	100
61.	सिद्धांत ज्योतिष में शास्त्री (बी.ए.)	6	7	0	7	7	0	100
62.	वेद भाष्यम में शास्त्री (बी.ए.)	1	1	0	1	0	1	0
63.	वेद भाष्यम में शास्त्री (बी.ए.)	2	1	0	1	1	0	100
64.	साहित्य में शास्त्री (बी.ए.)	1	749	32	717	551	166	76.85
65.	साहित्य में शास्त्री (बी.ए.)	2	727	26	701	581	120	82.89
66.	साहित्य में शास्त्री (बी.ए.)	3	763	18	745	611	134	82.02
67.	साहित्य में शास्त्री (बी.ए.)	4	828	13	815	714	101	87.61
68.	साहित्य में शास्त्री (बी.ए.)	5	536	13	523	467	56	89.3
69.	साहित्य में शास्त्री (बी.ए.)	6	524	0	524	501	23	95.62
70.	अद्वैत वेदांत में शास्त्री (बी.ए.)	1	70	2	68	42	26	61.77
71.	अद्वैत वेदांत में शास्त्री (बी.ए.)	2	62	1	61	54	7	88.53
72.	अद्वैत वेदांत में शास्त्री (बी.ए.)	3	72	1	71	58	13	81.7
73.	अद्वैत वेदांत में शास्त्री (बी.ए.)	4	76	1	75	71	4	94.67
74.	अद्वैत वेदांत में शास्त्री (बी.ए.)	5	44	1	43	39	4	90.7
75.	अद्वैत वेदांत में शास्त्री (बी.ए.)	6	43	0	43	42	1	97.68
76.	वेद-कर्मकांड-पौरोहित्य में शास्त्री (बी.ए.)	1	74	0	74	53	21	71.63
77.	वेद-कर्मकांड-पौरोहित्य में शास्त्री (बी.ए.)	2	80	3	77	66	11	85.72
78.	वेद-कर्मकांड-पौरोहित्य में शास्त्री (बी.ए.)	3	88	2	86	72	14	83.73
79.	वेद-कर्मकांड-पौरोहित्य में शास्त्री (बी.ए.)	4	100	2	98	69	29	70.41
80.	वेद-कर्मकांड-पौरोहित्य में शास्त्री (बी.ए.)	5	50	0	50	37	13	74

81.	वेद-कर्मकांड-पौरोहित्य में शास्त्री (बी.ए.)	6	49	0	49	42	7	85.72
82.	व्याकरण में शास्त्री (बी.ए.)	1	450	14	436	352	84	80.74
83.	व्याकरण में शास्त्री (बी.ए.)	2	457	10	447	334	113	74.73
84.	व्याकरण में शास्त्री (बी.ए.)	3	428	14	414	357	57	86.24
85.	व्याकरण में शास्त्री (बी.ए.)	4	460	5	455	395	60	86.82
86.	व्याकरण में शास्त्री (बी.ए.)	5	334	4	330	316	14	95.76
87.	व्याकरण में शास्त्री (बी.ए.)	6	323	0	323	317	6	98.15
88.	योग विज्ञान में शास्त्री (बी.एससी.)	1	42	3	39	38	1	97.44
89.	योग विज्ञान में शास्त्री (बी.एससी.)	2	40	2	38	31	7	81.58
90.	योग विज्ञान में शास्त्री (बी.एससी.)	3	21	0	21	19	2	90.48
91.	योग विज्ञान में शास्त्री (बी.एससी.)	4	21	0	21	18	3	85.72
92.	अद्वैत वेदांत में शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए. - ऑनर्स)	1	19	2	17	9	8	52.95
93.	अद्वैत वेदांत में शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए. - ऑनर्स)	2	15	2	13	10	3	76.93
94.	अद्वैत वेदांत में शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए. - ऑनर्स)	3	10	0	10	8	2	80
95.	अद्वैत वेदांत में शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए. - ऑनर्स)	4	11	1	10	9	1	90
96.	अद्वैत वेदांत में शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए. - ऑनर्स)	5	2	0	2	2	0	100
97.	अद्वैत वेदांत में शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए. - ऑनर्स)	6	2	0	2	2	0	100
98.	बौद्ध दर्शन में शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए. - ऑनर्स)	1	18	0	18	6	12	33.34
99.	बौद्ध दर्शन में शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए. - ऑनर्स)	2	18	0	18	4	14	22.23
100.	बौद्ध दर्शन में शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए. - ऑनर्स)	3	12	0	12	8	4	66.67
101.	बौद्ध दर्शन में शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए. - ऑनर्स)	4	12	1	11	7	4	63.64
102.	बौद्ध दर्शन में शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए. - ऑनर्स)	5	4	0	4	4	0	100
103.	बौद्ध दर्शन में शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए. - ऑनर्स)	6	4	1	3	3	0	100

104.	दर्शन में शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए. - ऑनर्स)	1	16	0	16	11	5	68.75
105.	दर्शन में शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए. - ऑनर्स)	2	15	0	15	15	0	100
106.	दर्शन में शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए. - ऑनर्स)	3	10	0	10	8	2	80
107.	दर्शन में शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए. - ऑनर्स)	4	8	0	8	7	1	87.5
108.	दर्शन में शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए. - ऑनर्स)	5	21	0	21	21	0	100
109.	दर्शन में शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए. - ऑनर्स)	6	21	0	21	21	0	100
110.	धर्म शास्त्र में शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए. - ऑनर्स।)	1	37	2	35	30	5	85.72
111.	धर्म शास्त्र में शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए. - ऑनर्स।)	2	32	1	31	29	2	93.55
112.	धर्म शास्त्र में शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए. - ऑनर्स।)	3	28	0	28	20	8	71.43
113.	धर्म शास्त्र में शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए. - ऑनर्स।)	4	28	0	28	27	1	96.43
114.	धर्म शास्त्र में शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए. - ऑनर्स।)	5	22	0	22	22	0	100
115.	धर्म शास्त्र में शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए. - ऑनर्स।)	6	22	0	22	22	0	100
116.	जैन दर्शन में शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए. - ऑनर्स)	5	1	0	1	1	0	100
117.	जैन दर्शन में शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए. - ऑनर्स)	6	1	0	1	1	0	100
118.	न्याय में शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए. - ऑनर्स)	1	8	0	8	6	2	75
119.	न्याय में शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए. - ऑनर्स)	2	9	0	9	5	4	55.56
120.	न्याय में शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए. - ऑनर्स)	3	10	0	10	9	1	90
121.	न्याय में शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए. - ऑनर्स)	4	11	0	11	4	7	36.37
122.	न्याय में शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए. - ऑनर्स)	5	4	0	4	3	1	75
123.	न्याय में शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए. - ऑनर्स)	6	4	0	4	3	1	75

124.	फलित ज्योतिष में शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए. - ऑनर्स)	1	43	0	43	34	9	79.07
125.	फलित ज्योतिष में शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए. - ऑनर्स)	2	44	3	41	26	15	63.42
126.	फलित ज्योतिष में शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए. - ऑनर्स)	3	15	0	15	15	0	100
127.	फलित ज्योतिष में शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए. - ऑनर्स)	4	19	1	18	14	4	77.78
128.	फलित में ज्योतिष शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए. - ऑनर्स)	5	9	2	7	5	2	71.43
129.	फलित ज्योतिष में शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए. - ऑनर्स)	6	8	0	8	5	3	62.5
130.	पुराणेतिहास में शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए. - ऑनर्स)	1	4	1	3	3	0	100
131.	पुराणेतिहास में शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए. - ऑनर्स)	2	5	1	4	4	0	100
132.	पुराणेतिहास में शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए. - ऑनर्स)	3	5	0	5	4	1	80
133.	पुराणेतिहास में शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए. - ऑनर्स)	4	6	0	6	5	1	83.34
134.	साहित्य में शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए. - ऑनर्स)	1	75	5	70	54	16	77.15
135.	साहित्य में शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए. - ऑनर्स)	2	81	3	78	57	21	73.08
136.	साहित्य में शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए. - ऑनर्स)	3	73	0	73	64	9	87.68
137.	साहित्य में शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए. - ऑनर्स)	4	85	0	85	75	10	88.24
138.	साहित्य में शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए. - ऑनर्स)	5	61	1	60	60	0	100
139.	साहित्य में शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए. - ऑनर्स)	6	62	0	62	60	2	96.78
140.	सांख्य योग में शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए. - ऑनर्स)	1	3	0	3	1	2	33.34
141.	सांख्य योग में शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए. - ऑनर्स)	2	3	0	3	3	0	100
142.	सांख्य योग में शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए. - ऑनर्स)	3	3	0	3	3	0	100
143.	सांख्य योग में शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए. - ऑनर्स)	4	3	0	3	3	0	100

144.	वेद-कर्मकांड-पौरोहित्य में शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए. - ऑनर्स)	1	26	0	26	20	6	76.93
145.	वेद-कर्मकांड-पौरोहित्य में शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए. - ऑनर्स)	2	24	0	24	19	5	79.17
146.	वेद-कर्मकांड-पौरोहित्य में शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए. - ऑनर्स)	3	9	0	9	6	3	66.67
147.	वेद-कर्मकांड-पौरोहित्य में शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए. - ऑनर्स)	4	8	0	8	8	0	100
148.	व्याकरण में शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए. - ऑनर्स)।	1	104	2	102	81	21	79.42
149.	व्याकरण में शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए. - ऑनर्स)।	2	105	1	104	91	13	87.5
150.	व्याकरण में शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए. - ऑनर्स)।	3	69	0	69	57	12	82.61
151.	व्याकरण में शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए. - ऑनर्स)।	4	83	1	82	71	11	86.59
152.	व्याकरण में शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए. - ऑनर्स)।	5	78	0	78	75	3	96.16
153.	व्याकरण में शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए. - ऑनर्स)।	6	78	0	78	74	4	94.88
154.	एकीकृत शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम (आईटीईपी)	1	200	0	200	176	24	88
155.	एकीकृत शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम (आईटीईपी)	2	200	0	200	192	8	96
156.	संस्कृत और सिविल सेवा अध्ययन में बी.ए. (ऑनर्स)	1	29	1	28	27	1	96.43
157.	संस्कृत और सिविल सेवा अध्ययन में बी.ए. (ऑनर्स)	2	27	1	26	26	0	100
158.	भारतीय विधिशास्त्र में एलएलबी (ऑनर्स)	1	46	1	45	37	8	82.23
159.	भारतीय विधिशास्त्र में एलएलबी (ऑनर्स)	2	42	4	38	23	15	60.53
160.	अद्वैत वेदांत में आचार्य (एम.ए.)	1	89	3	86	80	6	93.03
161.	अद्वैत वेदांत में आचार्य (एम.ए.)	2	89	1	88	83	5	94.32

162.	अद्वैत वेदांत में आचार्य (एम.ए.)	3	64	4	60	56	4	93.34
163.	अद्वैत वेदांत में आचार्य (एम.ए.)	4	61	0	61	57	4	93.45
164.	बौद्ध दर्शन में आचार्य (एम.ए.)	1	11	0	11	11	0	100
165.	बौद्ध दर्शन में आचार्य (एम.ए.)	2	13	0	13	13	0	100
166.	बौद्ध दर्शन में आचार्य (एम.ए.)	3	10	0	10	10	0	100
167.	बौद्ध दर्शन में आचार्य (एम.ए.)	4	12	0	12	11	1	91.67
168.	भोट बौद्ध दर्शन में आचार्य (एम.ए.)	1	8	0	8	8	0	100
169.	भोट बौद्ध दर्शन में आचार्य (एम.ए.)	2	7	0	7	7	0	100
170.	दर्शन में आचार्य (एम.ए.)	1	42	1	41	38	3	92.69
171.	दर्शन में आचार्य (एम.ए.)	2	41	0	41	39	2	95.13
172.	दर्शन में आचार्य (एम.ए.)	3	51	1	50	50	0	100
173.	दर्शन में आचार्य (एम.ए.)	4	50	0	50	50	0	100
174.	धर्मशास्त्र में आचार्य (एम.ए.)	1	63	2	61	60	1	98.37
175.	धर्मशास्त्र में आचार्य (एम.ए.)	2	61	3	58	58	0	100
176.	धर्मशास्त्र में आचार्य (एम.ए.)	3	73	0	73	69	4	94.53
177.	धर्मशास्त्र में आचार्य (एम.ए.)	4	72	0	72	72	0	100
178.	जैन दर्शन में आचार्य (एम.ए.)	1	9	0	9	8	1	88.89
179.	जैन दर्शन में आचार्य (एम.ए.)	2	9	1	8	7	1	87.5
180.	जैन दर्शन में आचार्य (एम.ए.)	3	9	0	9	9	0	100
181.	जैन में आचार्य (एम.ए.) दर्शन	4	8	0	8	6	2	75
182.	कश्मीरी शैव दर्शन में आचार्य (एम.ए.)	1	5	0	5	3	2	60
183.	कश्मीरी शैव दर्शन में आचार्य (एम.ए.)	2	4	1	3	3	0	100

184.	कश्मीरी शैव दर्शन में आचार्य (एम.ए.)	3	6	0	6	6	0	100
185.	कश्मीरी शैव दर्शन में आचार्य (एम.ए.)s	4	6	0	6	6	0	100
186.	मीमांसा में आचार्य (एम.ए.)	1	3	0	3	3	0	100
187.	मीमांसा में आचार्य (एम.ए.)	2	3	0	3	3	0	100
188.	मीमांसा में आचार्य (एम.ए.)	3	3	0	3	3	0	100
189.	मीमांसा में आचार्य (एम.ए.)	4	3	0	3	3	0	100
190.	न्याय में आचार्य (एम.ए.)	1	27	0	27	26	1	96.3
191.	न्याय में आचार्य (एम.ए.)	2	26	0	26	26	0	100
192.	न्याय में आचार्य (एम.ए.)	3	25	0	25	25	0	100
193.	न्याय में आचार्य (एम.ए.)	4	25	0	25	25	0	100
194.	फलित ज्योतिष में आचार्य (एम.ए.)	1	160	14	146	120	26	82.2
195.	फलित में आचार्य (एम.ए.) ज्योतिष	2	165	9	156	121	35	77.57
196.	फलित ज्योतिष में आचार्य (एम.ए.)	3	130	4	126	117	9	92.86
197.	फलित ज्योतिष में आचार्य (एम.ए.)	4	123	0	123	108	15	87.81
198.	प्राकृत में आचार्य (एम.ए.)	1	3	0	3	3	0	100
199.	प्राकृत में आचार्य (एम.ए.)	2	3	0	3	0	3	0
200.	प्राकृत में आचार्य (एम.ए.)	3	6	0	6	6	0	100
201.	प्राकृत में आचार्य (एम.ए.)	4	6	0	6	5	1	83.34
202.	पुराणेतिहास में आचार्य (एम.ए.)	1	48	1	47	46	1	97.88
203.	पुराणेतिहास में आचार्य (एम.ए.)	2	47	1	46	45	1	97.83
204.	पुराणेतिहास में आचार्य (एम.ए.)	3	25	0	25	25	0	100
205.	पुराणेतिहास में आचार्य (एम.ए.)	4	25	0	25	25	0	100
206.	साहित्य में आचार्य (एम.ए.)	1	365	11	354	327	27	92.38
207.	साहित्य में आचार्य (एम.ए.)	2	428	12	416	397	19	95.44

208.	साहित्य में आचार्य (एम.ए.)	3	368	3	365	345	20	94.53
209.	साहित्य में आचार्य (एम.ए.)	4	355	0	355	340	15	95.78
210.	सांख्य योग में आचार्य (एम.ए.)	1	30	0	30	25	5	83.34
211.	सांख्य योग में आचार्य (एम.ए.)	2	30	0	30	30	0	100
212.	सांख्य योग में आचार्य (एम.ए.)	3	25	0	25	25	0	100
213.	सांख्य योग में आचार्य (एम.ए.)	4	24	0	24	24	0	100
214.	सिद्धांत ज्योतिष में आचार्य (एम.ए.)	1	15	1	14	11	3	78.58
215.	सिद्धांत ज्योतिष में आचार्य (एम.ए.)	2	15	1	14	13	1	92.86
216.	सिद्धांत ज्योतिष में आचार्य (एम.ए.)	3	8	0	8	8	0	100
217.	सिद्धांत ज्योतिष में आचार्य (एम.ए.)	4	9	0	9	9	0	100
218.	वेद में आचार्य (एम.ए.)	1	37	3	34	28	6	82.36
219.	वेद में आचार्य (एम.ए.)	2	35	3	32	28	4	87.5
220.	वेद में आचार्य (एम.ए.)	3	43	0	43	40	3	93.03
221.	वेद में आचार्य (एम.ए.)	4	43	0	43	42	1	97.68
222.	वेद भाष्यम में आचार्य (एम.ए.)	1	1	0	1	1	0	100
223.	वेद भाष्यम में आचार्य (एम.ए.)	2	1	1	0	0	0	-
224.	व्याकरण में आचार्य (एम.ए.)	1	197	6	191	161	30	84.3
225.	व्याकरण में आचार्य (एम.ए.)	2	188	3	185	170	15	91.9
226.	व्याकरण में आचार्य (एम.ए.)	3	187	4	183	177	6	96.73
227.	व्याकरण में आचार्य (एम.ए.)	4	185	0	185	169	16	91.36
228.	योगिक विज्ञान में आचार्य (एम.एससी.)	1	42	0	42	41	1	97.62
229.	योगिक विज्ञान में आचार्य (एम.एससी.)	2	33	0	33	31	2	93.94

230.	योगिक विज्ञान में आचार्य (एम.एससी.)	3	23	0	23	23	0	100
231.	योगिक विज्ञान में आचार्य (एम.एससी.)	4	23	0	23	23	0	100
232.	हिंदू अध्ययन में एम.ए.	1	43	4	39	35	4	89.75
233.	हिंदू अध्ययन में एम.ए.	2	36	0	36	36	0	100
234.	हिंदू अध्ययन में एम.ए.	3	26	5	21	20	1	95.24
235.	हिंदू अध्ययन में एम.ए.	4	20	0	20	20	0	100
236.	नाट्य शास्त्र और भारतीय रंगमंच में एम.ए.	1	16	0	16	15	1	93.75
237.	नाट्य शास्त्र और भारतीय रंगमंच में एम.ए.	2	17	1	16	9	7	56.25
238.	नाट्य शास्त्र और भारतीय रंगमंच में एम.ए.	3	10	1	9	9	0	100
239.	नाट्य शास्त्र और भारतीय रंगमंच में एम.ए.	4	9	0	9	9	0	100
240.	पाली में एम.ए.	1	36	4	32	30	2	93.75
241.	पाली में एम.ए.	2	31	0	31	31	0	100
242.	पाली में एम.ए.	3	25	2	23	23	0	100
243.	पाली में एम.ए.	4	22	0	22	22	0	100
244.	संस्कृत में एम.ए.	1	7	0	7	7	0	100
245.	संस्कृत में एम.ए.	2	7	0	7	7	0	100
246.	शिक्षा शास्त्री (बी.एड.)	1	757	6	751	742	9	98.81
247.	शिक्षा शास्त्री (बी.एड.)	2	753	2	751	749	2	99.74
248.	शिक्षा शास्त्री (बी.एड.)	3	747	0	747	745	2	99.74
249.	शिक्षा शास्त्री (बी.एड.)	4	746	0	746	745	1	99.87
250.	शिक्षा आचार्य (एम.एड.)	1	87	1	86	84	2	97.68
251.	शिक्षा आचार्य (एम.एड.)	2	86	4	82	81	1	98.79
252.	शिक्षा आचार्य (एम.एड.)	3	51	1	50	49	1	98
253.	शिक्षा आचार्य (एम.एड.)	4	51	0	51	49	2	96.08
254.	बांसुरी में सर्टिफिकेट कोर्स		11	2	9	7	2	77.78
255.	भारतीय शास्त्रीय नृत्य की नींव में सर्टिफिकेट कोर्स		4	0	4	4	0	100
256.	पुस्तकालय विज्ञान में सर्टिफिकेट कोर्स		6	1	5	3	2	60
257.	आईकेएस शिक्षा में डिप्लोमा		39	0	39	6	33	15.39
258.	भारतीय शास्त्रीय रंगमंच में डिप्लोमा		14	0	14	2	12	14.29

259.	भारतीय दर्शन एवं जीवन प्रबंधन में डिप्लोमा		3	0	3	3	0	100
260.	संस्कृत भाषा में डिप्लोमा		18	0	18	2	16	11.12
261.	अनुवाद अध्ययन में डिप्लोमा		32	1	31	25	6	80.65
262.	कंप्यूटर विज्ञान और प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण में स्नातकोत्तर डिप्लोमा		6	0	6	6	0	100
263.	कर्मकांड और पौरोहित्य में स्नातकोत्तर डिप्लोमा		467	17	450	366	84	81.34
264.	पुस्तकालय और सूचना विज्ञान में स्नातकोत्तर डिप्लोमा		16	3	13	10	3	76.93
265.	पांडुलिपि विज्ञान और पुरालेख विज्ञान में स्नातकोत्तर डिप्लोमा		85	4	81	41	40	50.62
266.	संस्कृत अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा		80	4	76	34	42	44.74
267.	पारंपरिक संस्कृत अध्ययन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा		26	2	24	5	19	20.84
268.	योग, प्राकृतिक चिकित्सा और आहार विज्ञान में स्नातकोत्तर डिप्लोमा		190	7	183	133	50	72.68
269.	योग संस्कृत के माध्यम में स्नातकोत्तर डिप्लोमा		20	2	18	17	1	94.45
270.	योग विज्ञान में स्नातकोत्तर डिप्लोमा		492	22	470	407	63	86.6
271.	शास्त्री / शास्त्री प्रतिष्ठा (Before NEP)	1	11	1	10	10	0	100
272.	शास्त्री / शास्त्री प्रतिष्ठा (Before NEP)	2	11	0	11	9	2	81.81
273.	शास्त्री / शास्त्री प्रतिष्ठा (Before NEP)	3	11	0	11	11	0	100
274.	शास्त्री / शास्त्री प्रतिष्ठा (Before NEP)	4	31	1	30	30	0	100
275.	शास्त्री / शास्त्री प्रतिष्ठा (Before NEP)	5	67	1	66	62	4	93.93
276.	शास्त्री / शास्त्री प्रतिष्ठा (Before NEP)	6	274	14	260	240	20	92.91

277.	आचार्य (Before NEP)	2	8	2	6	5	1	83.33
278.	आचार्य (Before NEP)	3	70	2	68	68	0	100
279.	आचार्य (Before NEP)	4	79	1	78	76	2	97.44

सत्र 2024-25 में कुल 73 छात्रों को विद्यावारिधि की उपाधि प्रदान की गई।

4.1.6 पुस्तकालय

सारांश

पुस्तकालय शैक्षणिक संस्थानों का केंद्र हैं, जो ज्ञान के भंडार और विश्वविद्यालय की शैक्षणिक और अनुसंधान गतिविधियों का समर्थन करने के लिए एक केंद्र के रूप में कार्य करते हैं। भारत के विभिन्न हिस्सों में फैले 13 परिसरों वाली हमारी विशिष्ट पुस्तकालय प्रणाली पांडुलिपियों, दुर्लभ पुस्तकों और अन्य अद्वितीय संसाधनों के अपने अमूल्य संग्रह के लिए जानी जाती है। यह सी.एस.यू. समुदाय के लिए एक ज्ञान संसाधन केंद्र (के. आर. सी.) के रूप में कार्य करता है।

प्रत्येक परिसर के पुस्तकालय में वेद, व्याकरण, वेदांत, साहित्य, सांख्य, योग, दर्शन, न्याय, ज्योतिष, धर्मशास्त्र, तंत्र, पुराण, संस्कृत साहित्य, शिक्षा, कानून (विधिशास्त्र) और आधुनिक विषयों जैसे पारंपरिक और आधुनिक दोनों विषयों में संस्कृत साहित्य का एक व्यापक संग्रह है। सी.एस.यू. पुस्तकालय संकाय सदस्यों, छात्रों, शोध विद्वानों और कर्मचारियों की सूचना आवश्यकताओं को पूरा करता है।

वर्ष 2024-2025 के दौरान, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय (सीएसयू) पुस्तकालय प्रणाली ने संग्रह का विस्तार करके, पुस्तकालय स्वचालन का आधुनिकीकरण करके और केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के सभी परिसरों में शिक्षण, सीखने और अनुसंधान का समर्थन करने के लिए कई डिजिटल पहल शुरू करके एक ज्ञान संसाधन केंद्र (केआरसी) के रूप में अपनी भूमिका को मजबूत करना जारी रखा।

पुस्तकालय संग्रह

वर्तमान में, सी.एस.यू. पुस्तकालय प्रणाली में लगभग 4,15,500 + प्रिंट खंड, 57100 + डिजिटाइज्ड पांडुलिपियाँ, 5,200 + शोध प्रबंध और प्रबंध पत्र, 160 + पत्रिकाएँ और 10,200 + समाचार पत्रों और पत्रिकाओं का एक मूल्यवान संग्रह है। इसके अतिरिक्त, सी.एस.यू. परिसर के पुस्तकालयों में 63 कंप्यूटर हैं।

वित्तीय वर्ष के दौरान 31 मार्च, 2025 तक 3,000 से अधिक मुद्रित पुस्तकें जोड़ी गईं और मुद्रित पुस्तकों की खरीद पर 31 मार्च, 2025 तक 30,14,130 रुपये खर्च किए गए।

परिसरों में उपयोगकर्ताओं को लगभग 60,187 खंड जारी किए गए थे और उक्त वित्तीय वर्ष के दौरान परिसर के पुस्तकालयों में कुल 1,13,102 वॉक-इन (छात्रों और शिक्षकों की आगंतुकों की गिनती) दर्ज की गई थी।

पुस्तकालय सेवाएं और सुविधाएँ

पुस्तकालय अपने संरक्षकों को विभिन्न प्रकार की सेवाएँ प्रदान करता है। प्रमुख सेवाओं में शामिल हैं:

- पुस्तक परिचालन सेवाएँ
- वर्तमान जागरूकता सेवाएँ (सी. ए. एस.)

- संदर्भ सेवा
- पुस्तकें जारी करने और वापस करने के लिए एस. एम. एस./ईमेल अधिसूचनाएँ
- दस्तावेज़ स्कैनिंग सुविधा
- ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस कैटलॉग (ओ.पी.ए.सी.)
- अनुरोध पर ग्रंथसूची संकलन
- वाई-फाई और इंटरनेट सुविधा
- अतिरिक्त सेवाओं में रिप्रोग्राफिक सेवाएं, समाचार पत्र क्लिपिंग सेवाएं और प्रिंट सुविधाएं शामिल हैं।

प्रमुख पहल और उत्तम कार्यप्रणाली

वर्ष 2024-2025 के दौरान, सी.एस.यू. पुस्तकालय प्रणाली द्वारा कई महत्वपूर्ण पहल और गतिविधियाँ की गईं। इनमें पुस्तकालय प्रबंधन में सर्वोत्तम प्रथाएं, डिजिटलीकरण के प्रयास, क्षमता विकास कार्यक्रम, मुक्त स्रोत उपकरणों को अपनाना और राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एन.ई.पी.) 2020 के संदर्भ में विकसित भारत @ 2047 की परिकल्पना के अनुरुप सी.एस.यू. पुस्तकालय प्रणाली को बदलने के दृष्टिकोण के साथ संरेखित अन्य नवीन उपाय शामिल थे।

1. एक गतिशील और उत्तरदायी पुस्तकालय वेबसाइट का विकास

- पुस्तकालय ने एक गतिशील और उत्तरदायी पुस्तकालय वेबसाइट विकसित की है जो विश्वविद्यालय के सभी परिसर पुस्तकालयों को निर्बाध रूप से जोड़ती है, जो सी.एस.यू. संसाधनों तक पहुंच का एक बिंदु प्रदान करती है।
- लिंक: https://library.sanskrit.ac.in/index.php

  5 सितंबर, 2024 को शिक्षक दिवस के अवसर पर माननीय कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी द्वारा वेबसाइट का शुभारंभ किया गया।

2. 24x7 लाइव चैट सुविधा का एकीकरण-त्वरित सहायता में अग्रणी

- सी.एस.यू. एक समर्पित 24x7 लाइव चैट सुविधा के माध्यम से वास्तविक समय संदर्भ सेवाएं प्रदान करने वाला पहला संस्कृत विश्वविद्यालय बन गया।
- उपयोगकर्ताओं को त्वरित सहायता के लिए पुस्तकालय पेशेवरों के साथ तुरंत बातचीत करने में सक्षम बनाता है।

24x7 लाइव चैट सुविधा

3. सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से डिजिटल आउटरीच में वृद्धि

- वाह्रऐप चैनल, फेसबुक, इंस्टाग्राम, ट्विटर और लिंक्डइन पर सक्रिय उपस्थिति।
- पुस्तकालय संसाधनों और सेवाओं को बढ़ावा देने के लिए फ़्लायर, उपयोगकर्ता गाइड, लघु वीडियो क्लिप और इन्फोग्राफ़िक्स आदि का उपयोग।

4. प्रमुख परिणामः

- वाह्रऐप चैनल पर 2,3,000 + फॉलोअर्स।
- औसतन 3,500 उपयोगकर्ता/सप्ताह और पुस्तकालय की वेबसाइट पर 80,000 बार देखा गया।
- डिजिटल साक्षरता और उपयोगकर्ता जुड़ाव बढ़ाने के लिए निर्देशात्मक वीडियो साझा किए गए।
- वॉह्रऐप चैनल से जुड़ें।

5. पुस्तकालय सांख्यिकी पोर्टल बनाया गया

- सभी परिसरों के पुस्तकालयों में पुस्तक लेनदेन और उपयोगकर्ता की संख्या की निगरानी करना।

- डेटा-संचालित निर्णय लेने की सुविधा प्रदान करता है और एन.ए.ए.सी., एन.आई.आर.एफ. और आंतरिक लेखा परीक्षा के लिए रिपोर्टिंग का समर्थन करता है।

केंद्रीकृत पुस्तकालय सांख्यिकी पोर्टल

6. डिजिटाइज्ड दुर्लभ किताबें
   - आई.आई.आई.टी.-इलाहाबाद और संस्कृत संवर्धन फाउंडेशन, नई दिल्ली के सहयोग से 6,551 पुस्तकों का डिजिटलीकरण किया गया।

7. सीएसयू द्वारा पुरस्कृत शोध प्रबंधों की एक ऑनलाइन निर्देशिका विकसित की गई
   - भारत का पहला समर्पित ऑनलाइन निर्देशिका, जिसमें वर्ष 1983 से अब तक 5,207 से अधिक संस्कृत पीएच.डी. शोध प्रबंध शामिल हैं।
   - आसान पहुंच, विषय दोहराव को कम करना और विद्वानों और संकाय के लिए सूचित निर्णय लेने में सहायता करना।

   सी.एस.यू. पी.एच.डी. की ऑनलाइन निर्देशिका पुरस्कृत शोध प्रबंध

8. भारतीय अनुसंधान सूचना नेटवर्क प्रणाली (आई. आर. आई. एन. एस.) का कार्यान्वयनः संकाय प्रोफाइल प्रणाली - एक पुस्तकालय पहल

यह संकाय अनुसंधान और प्रकाशनों की दृश्यता के प्रबंधन और प्रदर्शन के लिए एक एकल, एकीकृत मंच प्रदान करता है।

- विद्वान, स्कोपस और गूगल स्कॉलर के साथ एकीकृत
- एन. ई. पी. 2020 अनुसंधान प्राथमिकताओं के साथ संरेखित
- सी.एस.यू. की डिजिटल शैक्षणिक उपस्थिति को मजबूत करता है
- आई.एन.एफ.एल. आई.बी.एन.ई.टी. की निदेशक प्रो. देविका पी. मडाली की उपस्थिति में माननीय कुलपति द्वारा इसका शुभारंभ किया गया
- लिंकः https://sanskrit.irins.org/

9. शोध चक्र के लिए आई.एन.एफ.एल. आई.बी.एन.ई.टी. के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए
   - पंजीकरण से लेकर शोध प्रबंध (थीसिस) प्रस्तुति तक संपूर्ण पीएच.डी. जीवनचक्र के अनुश्रवण एवं अनुसंधान प्रबंधन की एंड-टू-एंड डिजिटल प्रणाली।
   - सी.एस.यू. शोधकर्ताओं, मार्गदर्शकों और प्रशासकों के लिए मंच लागू किया गया।
   - शोध चक्र के लिए आई.एन.एफ.एल. आई.बी.एन.ई.टी. केंद्र के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए।

पुस्तकालय कार्यक्रम और गतिविधियाँ

वित्त वर्ष 2024-2025 के दौरान निम्नलिखित कार्यक्रम और गतिविधियाँ आयोजित की गईः

1. विश्व पुस्तक और कॉपीराइट दिवस 2024

विश्व पुस्तक और कॉपीराइट दिवस 2024 का आयोजन प्रकाशन विभाग के सहयोग से 23 अप्रैल, 2024 को शाम 4 बजे मुख्यालय, नई दिल्ली में किया गया था। इस वर्ष का विषय, "अपने तरीके से पढ़ें", पढ़ने से प्राप्त आनंद और प्रेरणा पर प्रकाश डाला और व्यक्तिगत और बौद्धिक विकास में इसके स्थायी महत्व पर जोर दिया।

प्रो. श्रीनिवास वरखेडी, माननीय कुलपति, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे, जबकि डॉ. प्रिया राय, विश्वविद्यालय पुस्तकालयाध्यक्ष, राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय दिल्ली, सम्मानित अतिथि थीं।

2. राष्ट्रीय सम्मेलन

17 और 18 अक्टूबर, 2024 को केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, वेदव्यास परिसर, बलहार, हिमाचल प्रदेश में "एन. ई. पी. 2020 के संदर्भ में शैक्षणिक पुस्तकालयों में सुधारः संभावनाएं और चुनौती" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया।

एन.ई.पी. 2020 के संदर्भ में शैक्षणिक पुस्तकालयों में सुधार पर राष्ट्रीय सम्मेलनः संभावनाएं और चुनौती।

3. राष्ट्रीय संगोष्ठी

"एनईपी 2020 के संदर्भ में विकसित भारत @2047 की दृष्टि से संस्कृत पुस्तकालयों का परिवर्तन" विषय पर तीन दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए), नई दिल्ली के सहयोग से दिनांक 26 से 28 मार्च, 2025 तक सम्वेत सभागार, आईजीएनसीए, जनपथ, नई दिल्ली में किया गया।

एन.ई.पी. 2020 के संदर्भ में विकसित भारत @2047 की दृष्टि से संस्कृत पुस्तकालयों का परिवर्तन यह अपनी तरह की पहली संगोष्ठी विशेष रूप से पूरे भारत में संस्कृत विश्वविद्यालयों और संस्थानों के पुस्तकालय प्रोफेशनल्स के लिए बनाई गई थी। इसका उद्देश्य उन्हें एक साथ लाना था ताकि वे श्रेष्ठ प्रथाओं का आदान-प्रदान कर सकें, अपनी प्रोफेशनल क्षमताओं को सुदृढ़ कर सकें और विकसित भारत @2047 की राष्ट्रीय दृष्टि के अनुरूप संस्कृत पुस्तकालयों के परिवर्तन की सामूहिक रूप से कल्पना करने के लिए एकजुट करना था।

उद्घाटन समारोह

उद्घाटन समारोह की शुरुआत पारंपरिक दीप प्रज्वलन, संस्कृत मंत्र उच्चरण, तुलसी पूजन और सी.एस.यू. कुलगीत के साथ हुई, जिसके बाद मंच पर गणमान्य व्यक्तियों का औपचारिक स्वागत किया गया।

डॉ. पी.एम. गुप्ता, विश्वविद्यालय पुस्तकालयाध्यक्ष, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय (सी.एस.यू.) और संगोष्ठी के संयोजक ने स्वागत भाषण दिया। प्रो. (डॉ.) आर. सी. गौर, निदेशक और प्रमुख, कला निधि, और डीन (प्रशासन), आई. जी.एन.सी.ए., और संगोष्ठी के अध्यक्ष ने उद्घाटन भाषण दिया, जिसमें इस कार्यक्रम के महत्व पर प्रकाश डाला गया, जिसमें देश भर के संस्कृत विद्वानों और एल.आई.एस. प्रोफेशनल्स सहित 400 से अधिक प्रतिभागी शामिल हुए।

प्रो. शांतिश्री धुलिपुडी पंडित, कुलपति, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, अपने उद्घाटन भाषण में, धर्म और सांस्कृतिक निरंतरता के केंद्रों के रूप में पुस्तकालयों पर जोर देते हुए, ग्रंथपालों से संस्कृत के साथ जुड़ने और भारत की ज्ञान विरासत का पुनरुद्धार करने में योगदान करने का आग्रह किया।

समारोह की अध्यक्षता करने वाले आई. जी. एन. सी. ए. के सदस्य सचिव डॉ. सच्चिदानंद जोशी ने राष्ट्र के ज्ञान खजाने को संरक्षित करने में पुस्तकालयों की भूमिका पर जोर दिया और पुस्तकालय प्रोफेशनल्स के लिए एक अल्पकालिक संस्कृत डिप्लोमा कार्यक्रम का प्रस्ताव रखा।

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली ने पुस्तकालय और सूचना विज्ञान और संस्कृत ज्ञान संरक्षण के क्षेत्र में प्रतिष्ठित योगदानकर्ताओं को विभिन्न राष्ट्रीय स्तर के पुरस्कार प्रदान किए।

प्रो. श्रीनिवास वरखेडी, माननीय कुलपति, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय और संगोष्ठी के मुख्य संरक्षक ने उनके विशिष्ट योगदान की मान्यता में निम्नलिखित पुरस्कार प्रदान किए:

- ज्ञान रत्न सम्मान से डॉ. जगदीश अरोड़ा को उनके उत्कृष्ट प्रोफेशनल योगदान के लिए
- ज्ञान रत्न सम्मान से (डॉ.) आर. सी. गौर को भाषा और पांडुलिपि संरक्षण में उनके असाधारण काम के लिए
- ज्ञान ज्योति सम्मान से प्रो. देविका मडाली, निदेशक, आई. एन. एफ. एल. आई. बी. एन. ई. टी.,
- ज्ञान ज्योति सम्मान से डॉ. संगीता कौल, निदेशक, डी. ई. एल. एन. ई. टी.,
- ज्ञान धरोहर सम्मान से श्री संजय सिंघल, संस्थापक, धरोहर, सांस्कृतिक विरासत संरक्षण में उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए।

भारतीय शिक्षा मंडल के राष्ट्रीय आयोजन सचिव श्री शंकरानंद बी. आर. ने दृष्टि परिवर्तन-व्यवहार को बदलने के लिए दृष्टि को बदलना-पर एक अंतर्दृष्टिपूर्ण भाषण दिया और भारत की सांस्कृतिक और बौद्धिक परंपराओं को बनाए रखने में पुस्तकालयों की भूमिका पर जोर दिया।

समारोह का समापन प्रो. वरखेड़ी के समापन भाषण और श्री नवीन डोबरियाल के धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। इस परिचर्चा में छह मुख्य भाषण, 24 आमंत्रित वार्ताएं, 11 तकनीकी सत्र और पैनल चर्चाएं शामिल थीं, जो देश भर में संस्कृत विद्वानों और पुस्तकालय पेशेवरों के बीच एक मील का पत्थर सहयोग को चिह्नित करती हैं। संगोष्ठी के दौरान 15 अध्यक्ष और सह-अध्यक्ष, 24 वक्ता, विभिन्न पैनलिस्ट और चर्चा करने वाले थे।

4.1.7 विक्रय विभाग

मुख्यालय, जनकपुरी (नई दिल्ली) स्थित विक्रय इकाई केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के समस्त प्रकाशनों को जनसाधारण तक पहुँचाने हेतु निर्गमद्वार के रूप में कार्य करती है। यह इकाई विश्वविद्यालय के प्रकाशन विभाग का एक सक्रिय अंग है, जो न केवल पुस्तकों के विक्रय की व्यवस्था करती है, अपितु भारतीय ज्ञान परम्परा के प्रचार-प्रसार में भी सेतु-स्वरूप योगदान देती है।

विक्रय विभाग का प्रमुख उद्देश्य विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित उत्कृष्ट ग्रन्थों, पाठ्यपुस्तकों, शोध-संकलनों एवं विविध शैक्षणिक सामग्रियों को देश-विदेश के पाठकों तक सुलभ कराना है।

विक्रय विभाग की प्रमुख क्रियाकलाप

1. **मुख्यालय के विक्रय केन्द्र का संचालन :**
   विश्वविद्यालय के प्रकाशनों के विक्रयण हेतु मुख्यालय में स्थित विक्रय केन्द्र का सुचारु संचालन करना।

2. **वितरण व्यवस्था :**
   विश्वविद्यालय के विभिन्न परिसरों एवं उनके मान्यता-प्राप्त विक्रय केन्द्रों को आवश्यकतानुसार पुस्तकों एवं प्रकाशनों की आपूर्ति करना, ताकि प्रत्येक परिसर में विश्वविद्यालय की प्रकाशन सामग्री उपलब्ध रह सके।

3. **पुस्तक मेलों में सहभागिता :**
   सम्पूर्ण भारतवर्ष में आयोजित विविध पुस्तक मेलों एवं ग्रन्थ-प्रदर्शनियों में भाग लेकर संस्कृत ग्रन्थों के प्रचार एवं विक्रय को प्रोत्साहित करना, साथ ही विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करना।

4. **सार्वजनिक पहुँच का विस्तार :**
   विश्वविद्यालय की वेबसाइट, ऑनलाइन पोर्टल तथा बाह्य संस्थागत मंचों के माध्यम से पुस्तकों की बिक्री को सुलभ एवं पारदर्शी बनाना।

5. संवर्धन एवं जनजागरण :

पुस्तकों के विक्रय के माध्यम से भारतीय ज्ञान परम्परा, संस्कृति, दर्शन, विज्ञान, व्याकरण, साहित्य, शिक्षा और योग-परम्परा जैसे विविध क्षेत्रों की अमूल्य परम्पराओं के प्रचार-प्रसार में योगदान देना।

विक्रय से प्राप्त राशि का वित्तीय विवरण :

मुख्यालय स्थित विक्रय इकाई द्वारा वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान प्राप्त विक्रय राशि का विवरण इस प्रकार है-
क्रमांक विवरण प्राप्त राशि (रु.)

1.	विश्वविद्यालय द्वारा पुनर्मुद्रित पुस्तकें	रु. 7,42,837.00
2.	विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित पुस्तकें	रु. 1,24,73,766.00
3.	समग्र शिक्षा अभियान (मध्य प्रदेश) के अन्तर्गत विक्रय	रु. 1,17,77,925.00
	कुल योग	रु. 2,49,94,528.00

सारांश

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय का विक्रय विभाग विश्वविद्यालय द्वारा प्रकाशित पुस्तकों एवं ग्रन्थों के माध्यम से भारतीय ज्ञान परम्परा के प्रचार एवं प्रसार में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। यह विभाग केवल विक्रय का साधन न होकर "ज्ञान–वितरण का माध्यम" है, जो संस्कृत ग्रन्थों को वैश्विक पाठक–वर्ग तक पहुँचाने में सक्रिय योगदान दे रहा है।

4.1.8 योजना अनुभाग

यह अनुभाग संस्कृत संवर्धन योजनाओं के प्रचार-प्रसार हेतु शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा अंतरित निम्नलिखित केन्द्रीय योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु उत्तरदायी हैं :-

I. संस्कृत शिक्षण के लिए वित्तीय सहायता- (अनुलग्नक-अ)

(क) पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं/महाविद्यालयों में संस्कृत अध्यापकों को वित्तीय सहायता।

इस योजना के अंतर्गत चयनित संस्कृत पाठशालाओं/महाविद्यालयों में संस्कृत अध्यापकों को रु- 20,000/- प्रतिमाह की दर से मानदेय एक वित्तीय वर्ष में 12 माह के लिए तथा अंशकालिक संस्कृत अध्यापकों को रु- 10,000/- प्रतिमाह की दर से मानदेय एक वित्तीय वर्ष में 12 माह के लिए दिया गया है।

इस योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 में विश्वविद्यालय द्वारा रु- 2263.18 लाख की राशि निर्गत की गई। इस वित्तीय सहायता से 394 संस्कृत पाठशालाओं/महाविद्यालयों में कार्यरत 834 संस्कृत अध्यापक लाभान्वित हुए है।

(ख) पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं/महाविद्यालयों में आधुनिक विषयों के अध्यापकों को वित्तीय सहायता।

इस योजना के अंतर्गत चयनित संस्कृत पाठशालाओं/महाविद्यालयों में आधुनिक विषय के अध्यापकों को रु- 20,000/- प्रतिमाह की दर से मानदेय एक वित्तीय वर्ष में 12 माह के लिए तथा अंशकालिक आधुनिक विषय के अध्यापकों को रु- 10,000/- प्रतिमाह की दर से मानदेय एक वित्तीय वर्ष में 12 माह के लिए दिया गया है।

इस योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 में विश्वविद्यालय द्वारा रु- 708.96 लाख की राशि निर्गत की गई। इस वित्तीय सहायता से 205 संस्कृत पाठशालाओं/महाविद्यालयों में कार्यरत 305 आधुनिक विषय अध्यापक/अंशकालिक अध्यापक/कंप्यूटर अध्यापक लाभान्वित हुए है।

(ग) राज्य सरकार से सम्बन्धित माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में संस्कृत अध्यापकों को वित्तीय सहायता।

इस योजना के अंतर्गत जिन राज्यों में राज्य सरकार के द्वारा माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों में संस्कृत अध्यापक उपलब्ध नहीं करा पा रहे है, उन राज्यों में सरकारी या सरकारी सहायता प्राप्त माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों को एक संस्कृत अध्यापक के लिए मानदेय राशि रु- 20,000/- प्रतिमाह की दर से एक वित्तीय वर्ष में 12 माह के लिए दिया गया है।

इस योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 में विश्वविद्यालय द्वारा रु- 10.06 लाख की राशि निर्गत की गई। इस वित्तीय सहायता से 10 सरकारी विद्यालयों में 10 संस्कृत अध्यापक लाभान्वित हुए है।

(घ) गुरु शिष्य परम्परा संस्थाओं (पंजीकृत चतुष्पाठी/गुरुकुल/पाठशाला/टोल/गुरु शिष्य परम्परा पारंपरिक संस्थान) के संस्कृत अध्यापकों को वित्तीय सहायता।

इस योजना के अंतर्गत गुरु शिष्य परम्परा संस्थाओं (पंजीकृत चतुष्पाठी/गुरुकुल/पाठशाला/टोल/गुरु शिष्य परम्परा पारंपरिक संस्थान) में चयनित संस्कृत अध्यापकों को रु- 5,000/- प्रतिमाह की दर से मानदेय एक वित्तीय वर्ष में 12 माह के लिए दिया गया है।

इस योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 में विश्वविद्यालय द्वारा रु. शून्य की राशि निर्गत की गई है। इस वित्तीय सहायता से शून्य चतुष्पाठी/गुरुकुल/पाठशाला/टोल/गुरु शिष्य परम्परा पारंपरिक संस्थान संस्थाओं में कार्यरत शून्य संस्कृत अध्यापक लाभान्वित हुए है।

(ड.) पारंपरिक/प्राच्य संस्थाओं में अध्ययनरत संस्कृत के आवासीय छात्रों को दोपहर और रात्रि भोजन की सुविधा प्रदान करने तथा आवासीय रखरखाव के लिए वित्तीय सहायता।

इस योजना के अंतर्गत आवासीय सुविधाओं वाले चयनित संस्कृत पाठशालाओं/महाविद्यालयों में आवासीय पारंपरिक/प्राच्य संस्कृत छात्रों को एक शैक्षणिक वर्ष में 10 महीने के लिए 600 रुपये प्रति माह की दर से दोपहर और रात के भोजन की सुविधा प्रदान करने के लिए आवासीय रखरखाव छात्रवृति के रूप में वित्तीय सहायता दी गयी है।

इस योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 में विश्वविद्यालय द्वारा रु 284.94 लाख की राशि निर्गत की गयी है। इस वित्तीय सहायता से कुल 4749 आवासीय छात्र लाभान्वित हुए है।

II. अभावग्रस्त परिस्थितियों में रहने वाले प्रख्यात संस्कृत पंडितों को सम्मान राशि के लिए वित्तीय सहायता।

इस योजना के अंतर्गत 65 वर्ष की आयु-सीमा से अधिक आयु वाले प्रसिद्ध योग्य विद्वानों को सम्मान राशि दी जाती है, जिन्होंने संस्कृत के लिये अपना जीवन समर्पित कर दिया है, लेकिन कोई स्थायी आय-स्रोत नहीं है। अनुदान समिति के द्वारा चयनित प्रत्येक विद्वान को रु- 60,000/- प्रति वर्ष के लिए सम्मान राशि अन्य आय की कटौती के बिना दी गई हैं।

इस योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 में रु- 92.88 लाख की राशि निर्गत की गई है। इस वित्तीय सहायता से कुल 155 संस्कृत पंडित लाभान्वित हुए है।

III. संस्कृत संवर्धन के कार्यक्रम/गतिविधियों के आयोजन के लिए वित्तीय सहायता।

गैर सरकारी संगठन/संस्कृत विश्वविद्यालयों/विश्वविद्यालयों/संस्थाओं द्वारा संस्कृत के विकास एवं प्रचार के लिए विभिन्न कार्यक्रम जैसे संस्कृत विद्वानों का सम्मान, विद्वत सभाओं का आयोजन, संस्कृत की सायंकाल कक्षाएँ, संस्कृत समारोह, सम्मेलन प्रशिक्षण कक्षाएं, अनुसंधान परियोजनाओं, संस्कृत शिक्षण पद्धति का विकास आदि कार्यक्रमों के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जा रही है।

इस योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 में कुल 16 संस्थाओं/विश्वविद्यालयों/एन.जी.ओ. के पक्ष में रु 14.91 लाख की राशि की स्वीकृति दी गयी है।

IV. संस्कृत शास्त्र शिक्षण हेतु शास्त्र विद्वानों अथवा सेवानिवृत्त संस्कृत विद्वानों की सेवाओं की उपयोगिता के लिए वित्तीय सहायता। (शास्त्र चूड़ामणि)

इस योजना के अंतर्गत पारम्परिक संस्कृत महाविद्यालयों/विश्वविद्यालयों एवं स्वैच्छिक संगठनों में सेवानिवृत्त/प्रख्यात संस्कृत विद्वानों की सेवाओं का उपयोग किया जाता है।

इस योजना का मुख्य उद्देश्य यह है कि सेवानिवृत्त/ख्याति प्राप्त संस्कृत विद्वानों की सेवा अनुभवों का उपयोग संस्कृत छात्रों और अध्यापकों की शंकाओं को दूर कर परम्परागत पद्धति से शास्त्रीय गहन अध्ययन करके छात्र अपने विषय के महारथी बन सके।

इस योजना के अंतर्गत परम्परागत-संस्कृत विद्वानों को रु- 20,000/- प्रतिमाह की दर दो वर्ष की अवधि हेतु वित्तीय सहायता प्रदान की गयी है। अनुदान समिति की संस्तुति पर एक वर्ष हेतु इनकी नियुक्ति का कार्यकाल बढ़ाया जा सकता है।

इस योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 में 44 नियुक्त विद्वानों के पक्ष में रु 42.70 लाख की राशि निर्गत की गई है।

V. पंजीकृत पारंपरिक संस्कृत पाठशालाओं/संस्थाओं के छात्रों के लिए "व्यावसायिक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम" संचालित करने के लिए वित्तीय सहायता।

इस योजना के अंतर्गत चयनित संस्थाओं को पाण्डुलिपि विज्ञान, रत्नपरीक्षा, फेशन डिजाइन, प्रबन्धन, मंदिर संस्कृति, प्राकृतिक भाषा प्रक्रिया, होटल प्रबंधन, पाकशास्त्र, कृषि संवर्धन, अनुप्रयोग, पर्यटन, अतिथि सत्कार/सम्मान, व्यापक ऑनलाईन पाठ्यक्रम, सूचीपत्र, पुरालेख, कर्मकाण्ड, संस्कृत टंकण एवं आशुलिपि, संस्कृत रचना, संशोधन एवं पुरालेख, विकास आदि कार्यशालाओं के आयोजन तथा प्रायोगिक प्रशिक्षण के संचालन हेतु रु- 1,00,000/- तक प्रत्येक कार्यक्रम आयोजन के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। इस योजना के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 में कुल 08 संस्कृत पाठशालाओं/महाविद्यालयों/संस्थाओं के पक्ष में रु 25.38 लाख की राशि की स्वीकृति दी गयी है।

VI. प्रकाशन, पुनर्मुद्रण और थोक खरीद के लिए वित्तीय सहायता।

संस्कृत पुस्तक, संस्कृत जर्नल/पत्रिका के प्रकाशन, दुर्लभ संस्कृत पुस्तकों के पुनर्मुद्रण और थोक खरीद के लिए वित्तीय सहायता।

इस योजना का उद्देश्य संस्कृत क्षेत्र के लेखकों/प्रकाशकों को वित्तीय सहायता प्रदान करके संस्कृत साहित्य और पत्रिकाओं के सृजन हेतु प्रोत्साहित करना है ताकि संस्कृत भाषा का प्रचार-प्रसार और संरक्षण हो सके। इससे संस्कृत संस्थानों के सभी पुस्तकालयों में संस्कृत पुस्तकों और पत्रिकाओं की उपलब्धता भी सुनिश्चित होगी। इन योजनाओं के अंतर्गत, वर्ष 2025-26 के लिए कुल 1,77,92,797/- (एक करोड़ सतहत्तर लाख बानवे हजार सात सौ सात रुपये मात्र) की लागत के प्रस्ताव और व्यय विवरण निम्नानुसार स्वीकृत किए गए हैं: -

1.1 संस्कृत पुस्तकों का प्रकाशन:-

प्राप्त प्रस्तावों की संख्या	अनुशंसित प्रस्तावों की संख्या	आवंटित अनुदान
26	16	Rs. 20,70,000/-

1.2 संस्कृत जर्नल/पत्रिका/समाचार पत्र का प्रकाशन: -

प्राप्त शीर्षकों की संख्या	ताजा	नवीनीकरण	अनुशंसित शीर्षकों की संख्या	आवंटित अनुदान
24	04	20	22	Rs.20,00,000/-

1.3 दुर्लभ संस्कृत पुस्तकों का पुनर्मुद्रण: -

प्राप्त प्रस्तावों की संख्या	पुनर्मुद्रण के लिए प्राप्त शीर्षकों की संख्या	अनुशंसित शीर्षकों की संख्या	आवंटित अनुदान
08	86	60	Rs. 50,00,000/-

1.4 तादाद में खरीदी: -

प्राप्त प्रस्तावों की संख्या	प्राप्त शीर्षकों की संख्या	अनुशंसित शीर्षकों की संख्या	आवंटित अनुदान
257	1076	560	87,22,797/-

पाली और प्राकृत

मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार की पहल पर वर्ष 2009 में प्रारंभ की गई 'पाली-प्राकृत योजना', पंचवर्षीय योजना के बाद केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा क्रियान्वित योजनाओं का एक अभिन्न अंग बन गई है। पाली और प्राकृत भाषाओं के महत्व को देखते हुए भारत सरकार ने अब इन दोनों भाषाओं को शास्त्रीय भाषा का दर्जा दे दिया है। इसी कड़ी में, इस योजना के अंतर्गत वर्ष 2024-25 में दस से अधिक पुस्तकें और दो पत्रिकाएँ प्रकाशित की गई हैं। इसके अतिरिक्त, लखनऊ और जयपुर केंद्रों में संगोष्ठियाँ, कार्यशालाएँ और अन्य गतिविधियाँ संपन्न हुईं। इसके अतिरिक्त, तमिलनाडु में 21 दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसके अतिरिक्त, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली मुख्यालय के सहयोग से फरवरी 2025 में एक अंतर्राष्ट्रीय पाली संगोष्ठी का भी आयोजन किया गया।

अष्टादशीपरियोजना

मानव संसाधन विकास मंत्रालय (अब शिक्षा मंत्रालय), भारत सरकार, उच्च शिक्षा विभाग ने पत्र संख्या एफ.सं. 1-27/2015. Skt. II दिनांक 18.11.2015 के तहत श्री एन. गोपालस्वामी, कुलाधिपति, पूर्व राष्ट्रीय संस्कृत विद्यापीठ (अब राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय), तिरुपति की अध्यक्षता में संस्कृत के विकास के लिए अगले दस वर्षों के लिए एक दीर्घकालिक विजन और रोडमैप सुझाने के लिए 13 सदस्यों की एक समिति गठित की थी। संदर्भ की शर्तों के अनुसार, समिति की प्रमुख सिफारिशों में से एक संस्कृत के विकास को बनाए रखने के लिए अष्टादशी (18 परियोजनाएं) है। रिपोर्ट के अनुसार, संस्कृत के विकास इंजन को आवश्यक बढ़ावा देने के लिए अष्टादशी योजना को एक विशेष मामले के रूप में लिया जा सकता है।

अष्टादशी परियोजना के प्रमुख क्षेत्र हैं :

1. ज्ञान ग्रंथ अनुवाद परियोजना
2. पांडुलिपियों का संपादन और प्रकाशन परियोजना
3. डिजिटल और ऑनलाइन संसाधन परियोजना
4. ग्रीष्मकालीन पाठ्यक्रम परियोजना
5. समकालीन साहित्य परियोजना

6. शाम की स्कूल परियोजना
7. प्रौद्योगिकी अनुकूलन परियोजना
8. कंप्यूटर शिक्षा परियोजना
9. द्विवार्षिक संस्कृत पुस्तक मेला परियोजना
10. आउटरीच कार्यक्रम परियोजना
11. शब्दशाला परियोजना
12. दुर्लभ पुस्तकों के पुनर्मुद्रण परियोजना
13. आवासीय प्रशिक्षण परियोजना
14. संस्कृत को आधुनिक विषयों के साथ एकीकृत करने की परियोजना
15. इंटर्नशिप परियोजना का समर्थन करें
16. बाल साहित्य परियोजना
17. संस्कृत परियोजना के माध्यम से योग
18. संस्कृत के माध्यम से आयुर्वेद

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय ने वर्ष 2024-25 में शैक्षणिक संस्थानों/गैर-सरकारी संगठनों को वित्तीय सहायता प्रदान करने हेतु प्रस्ताव आमंत्रित करने हेतु एक अधिसूचना जारी की थी। अधिसूचना और पूर्व-जांच समिति की सिफारिशों के अनुसार, कुल 218 प्रस्तावों को प्रस्तुतिकरण हेतु इंटरफेस बैठक में आमंत्रित किया गया था। दिशानिर्देशों, प्रस्तावों की गुणवत्ता और संबंधित परियोजनाओं की प्रस्तुति के आधार पर, उच्च-स्तरीय समिति ने 6,08,41,000/- रुपये (मात्र छह करोड़ आठ लाख इकतालीस हजार रुपये) की लागत से 89 परियोजनाओं की अनुशंसा की है। इसके अलावा, जीआईएसी के अनुमोदन के बाद, दिशानिर्देशों के अनुसार आवंटित अनुदान वितरित किए जा रहे हैं।

4.1.9 छात्रवृत्ति अनुभाग

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय तीन प्रकार की छात्रवृत्तियाँ आवंटित करता है -

1. आंतरिक छात्रवृत्ति, जो कि विश्वविद्यालय के अपने परिसरों में पारम्परिक रूप से संस्कृत का अध्ययन करने वाले नियमित छात्रों को प्रदान की जाती है।
2. अखिल भारतीय स्तर पर आधुनिक और पारंपरिक धाराओं के संस्कृत पाठशालाओं/महाविद्यालयों/उच्च/उच्च-माध्यमिक विद्यालयों/कॉलजों में अध्ययनरत छात्रों के लिए छात्रवृत्ति हेतु वित्तीय सहायता।

पूर्वोक्त 1.2 प्रकार की छात्रवृत्तियों में प्रकार '1' की छात्रवृत्ति (परिसरीय छात्रों को दी जाने वाली आन्तरिक छात्रवृत्ति) अर्हाँ को विश्वविद्यालय के परिसरों के द्वारा साक्षात् दी जाती है। द्वितीय प्रकार की छात्रवृत्तियाँ भारतसरकार के 'संस्कृत शिक्षा का विकास' योजना के अन्तर्गत प्रदान की जाती है। योजना के अन्तर्गत छात्रवृत्तियों का आवंटन विश्वविद्यालय मुख्यालय के छात्रवृत्ति विभाग द्वारा क्रियान्वित होता है।

आन्तरिक (प्रकार-1) छात्रवृत्तियाँ

प्राक्शास्त्री, शास्त्री, शिक्षा-शास्त्री तथा आचार्य पाठ्यक्रमों के विद्यार्थियों हेतु परिवर्धित छात्रवृत्ति की दर क्रम से 600/- रुपये, 800/- रुपये, 800/- रुपये तथा 1000/- रुपये प्रतिमास है। विद्यावारिधि उपाधि के प्राप्ति हेतु प्रयत्नशील शोध में जुटे शोध छात्रों को 8000/- रुपये की छात्रवृत्ति प्रतिमाह दी जाती है, साथ ही दो वर्षों के लिए 10000/- रुपये वार्षिक सांयोगिक धनराशि भी दी जाती है। यह सांयोगिक धनराशि की दर दिनांक 18.02.2016 से लागू है।

निम्नलिखित तालिका वर्ष 2024-25 में विश्वविद्यालय द्वारा छात्रो को दी गई छात्रवृत्तियों का विवरण दर्शाती है:-

		कक्षा															
क्र. सं.	परिसर	प्राक् शास्त्री		शास्त्री			बी.ए. (ऑनर्स) सिविल अध्ययन	शिक्षाशास्त्र		आईटीईपी	आचार्य		एम.ए. (संस्कृत)	शिक्षा आचार्य		विद्या-वारिधि	योग
		I	II	I	II	III	I	I	II	I	I	II	I	I	II	I	
1	श्री गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज	0	0	-	-	-	-	-	-	-	-	-	6	-	-	12	18
2	श्री सदाशिव परिसर, पुरी	100	100	65	71	79	-	108	108	-	287	254	-	48	22	25	1267
3	श्री रणवीर परिसर, जम्मू	10	11	19	21	4	-	110	108	-	20	10	-	-	-	8	321
4	गुरुवायूर परिसर, त्रिचूर	21	12	14	21	21	-	51	52	23	27	33	-	-	-	2	277
5	जयपुर परिसर, जयपुर	70	64	59	50	103	-	107	109	-	35	48	-	10	10	11	676
6	लखनऊ परिसर, लखनऊ	52	53	67	44	46	27	51	54	-	67	44	-	-	-	4	509
7	श्री राजीव गांधी परिसर, श्रृंगेरी	61	55	53	52	32	-	54	53	-	34	30	-	-	-	15	439
8	वेदव्यास परिसर, बलाहर	53	56	127	105	100	-	55	53	-	68	43	-	-	-	10	670
9	भोपाल परिसर, भोपाल	62	28	49	55	44	-	110	108	81	37	31	-	28	15	31	679
10	के.जे. सोमैया परिसर, मुम्बई	2	1	-	-	5	-	54	49	-	-	6	-	-	-	1	117
11	मुख्यालय, नई दिल्ली	0	0	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	-	6	6
12	एकलव्य परिसर, त्रिपुरा	37	74	41	32	17	-	51	54	-	21	23	-	-	-	0	350
13	श्रीरघुनाथकीर्ति परिसर, देवप्रयाग	46	40	80	52	23	-	-	-	-	18	19	-	-	-	7	285
	कुल योग	**514**	**494**	**574**	**503**	**474**	**27**	**751**	**748**	**104**	**614**	**540**	**6**	**86**	**47**	**132**	**5614**

छात्रवृत्ति प्रदान किये गए छात्रों, छात्राओं तथा अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्रों की कक्षावार संख्या निम्नलिखित है-

कक्षा	अनु. जाति	अनु. जनजाति	पिछड़ा वर्ग	ई.डब्लयू. एस.	सामान्य	अन्य	पुरुष	स्त्री	योग
प्राक् शास्त्री - I	25	17	124	22	295	26	310	199	509
प्राक् शास्त्री - II	41	45	91	20	291	6	315	179	494
शास्त्री - I	56	24	84	21	371	14	351	219	570
शास्त्री - II	50	25	145	22	320	11	268	305	573
शास्त्री - III	39	23	99	20	288	5	259	215	474
बी.ए. (ऑनर्स) सिविल अध्ययन	1	-	5	2	19	-	17	10	27
आचार्य -I	64	24	142	30	349	5	240	374	614
आचार्य -II	57	17	116	25	322	2	218	321	539
एम.ए. (संस्कृत)	-	-	-	1	5	-	6	-	6
शिक्षाशास्त्र- I	99	55	197	114	268	1	293	441	734
शिक्षाशास्त्र - II	104	53	197	145	245	1	308	437	745
आईटीईपी-1	10	2	38	10	43	1	60	44	104
शिक्षा आचार्य- I	9	5	21	15	35	1	45	41	86
शिक्षा आचार्य-II	2	-	11	15	34	-	25	37	62
विद्यावारिधि	09	08	19	39	57	01	80	53	133
कुल योग	566	298	1289	501	2942	74	2795	2875	5670

संस्कृत संवर्धन योजना के अन्तर्गत वित्तीय सत्र 2024-25 के पारंपरिक एवं आधुनिक धारा में 9वीं कक्षा से पी.एच.डी. तक संस्कृत/पालि/प्राकृत भाषा में नियमित रूप से अध्ययन करने वाले छात्र/छात्राओं को छात्रवृत्ति प्रदान करने हेतु

संस्कृत/पालि/प्राकृत भाषाओं के अध्ययनरत छात्रों को प्रोत्साहित करने हेतु केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली द्वारा संस्कृत संवर्धन योजना के अन्तर्गत परम्परागत धारा में मान्यता प्राप्त संस्कृत पाठशाला/संस्कृत महाविद्यालय/संस्कृत विश्वविद्यालय तथा आधुनिक धारा में मान्यता प्राप्त माध्यमिक विद्यालय/महाविद्यालय/विश्वविद्यालय में पूर्वमध्यमा (प्रथमवर्ष)/9वीं,पूर्वमध्यमा(द्वितीयवर्ष)/10वीं,उत्तरमध्यमा/प्राकशास्त्री(प्रथमवर्ष)/11वीं,उत्तरमध्यमा/प्राकशास्त्री(द्वितीयवर्ष) /12वीं, शास्त्री/बी.ए. (प्रथम/द्वितीय/तृतीय वर्ष), आचार्य/एम.ए. (प्रथम/द्वितीय वर्ष) तथा विद्यावारिधि/पी.एचडी. पाठ्यक्रमों में अथवा समकक्ष पाठ्यक्रमों में संस्कृत/पालि/प्राकृत भाषा को मुख्य विषय या ऐच्छिक विषय के रूप में नियमित रूप से अध्ययनरत/प्रविष्ट छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। छात्रवृत्ति की दर निम्न प्रकार से है:-

कक्षा	छात्रवृत्ति दर
• 9वीं से 10वी तथा समकक्ष पाठ्यक्रम	रु.500/- प्रति माह X10 माह =रु.5000/- प्रतिवर्ष प्रत्येक कक्षा
• 11वीं से 12वीं तथा समकक्ष पाठ्यक्रम	रु.600/- प्रति माह X 10 माह =रु.6000/-प्रतिवर्ष प्रत्येक कक्षा
• बी.ए./बी.ए.(आनर्स)-प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष तथा समकक्ष	रु.800/- प्रति माह X10 माह =रु.8000/-प्रतिवर्ष प्रत्येक कक्षा

• संस्कृत,पालि/प्राकृत में एम.ए.-प्रथम एवं द्वितीय वर्ष या समकक्ष	रू.1000/-प्रति माह X 10 माह =रू.10,000/-प्रतिवर्ष प्रत्येक कक्षा
• संस्कृत, पालि/प्राकृत में पी.एच.डी या समकक्ष	रू.2500/- प्रति माह + रू.5000/- आकस्मिक अनुदान रू.35,000/- प्रति वर्ष (केवल तीन वर्षों के लिए)
अनुदान	

योजना के अन्तर्गत प्रतिवर्ष प्रदान की जाने वाली छात्रवृत्तियों की संख्या भारत सरकार द्वारा उपलब्ध धनराशि के आधार पर निर्धारित की जाती है। भारत सरकार द्वारा समय-समय पर लागू आरक्षण नीति का पालन भी किया जाता है।

संस्कृत संवर्धन की योजना के अन्तर्गत परम्परगत तथा आधुनिक धारा में वर्ष 2024-2025 में छात्रवृत्ति प्रदान करने के लिए 1612 पंजीकृत संस्थाओं से 38557 ऑनलाईन आवेदन पत्र प्राप्त हुए है। राज्यों हेतु निर्धारित स्वीकृत बजट के अनुसार अधिकतम से अधिकतम प्रतिशतता के आधार पर छात्रों की योग्यता सूची तैयार की जाती है। पूर्व कक्षाओं में प्राप्तांको के आधार पर रैंकवार मेधावी छात्रवृत्ति की सूची तैयार करने के पश्चात् 22793 आदेवनकर्ताओं को परम्परागत तथा आधुनिक धारा में नीचे दी गई तालिका के अनुसार वर्ष 2024-2025 की कक्षा 9वीं से पी.एच.डी तक भारत के विभिन्न विश्वविद्यालयों/कॉलेजों/स्कूलों में छात्रवृत्ति प्रदान करने के लिए चयनित किया गया है

(क) परम्परागत धारा

	कुल छात्र संख्या								
कक्षा	सामान्य	अनु. जाति	अनु.जन. जाति	अन्य पिछडा वर्ग	दिव्यांग श्रेणी	आर्थिक कमजोर वर्ग	कुल छात्रवृत्तियाँ	छात्रवृत्ति दर प्रति छात्र	कुल राशि
पूर्व मध्यमा प्रथम/9वीं	190	78	39	141	21	52	521	रू. 5000/-	रू.26,05,000.00
पूर्व मध्यमा द्वितीय/10वीं	180	74	37	133	20	49	493	रू. 5000/-	रू.24,65,000.00
उ.मा./प्राक. शास्त्री प्रथम/11वीं	441	181	91	326	47	121	1207	रू. 6000/-	रू.72,42,000.00
उ.मा./प्राक. शास्त्री द्वितीय /12वीं	462	190	95	342	49	127	1265	रू. 6000/-	रू.75,90,000.00
शास्त्री/बी.ए. प्रथम वर्ष	403	165	83	298	44	110	1103	रू. 8000/-	रू.88,24,000.00
शास्त्री/बी.ए. द्वितीय वर्ष	445	183	92	329	49	122	1220	रू. 8000/-	रू.97,60,000.00
शास्त्री/बी.ए. तृतीय वर्ष	268	110	55	198	29	73	733	रू. 8000/-	रू.58,64,000.00
आचार्य/एम.ए. प्रथम वर्ष	334	137	68	246	36	91	912	रू. 10000/-	रू.91,20,000.00
आचार्य/एम.ए. द्वितीय वर्ष	296	121	61	218	32	81	809	रू. 10000/-	रू.80,90,000.00
विद्यावारिधी/पीएच.डी	37	15	8	28	4	10	102	रू.35,000/-	रू.35,70,000.00
कुल	3056	1254	629	2259	331	836	8365	-----	रू.6,51,30,000.00

(ख) परम्परागत धारा (पूर्वोत्तर) :-

	कुल छात्र संख्या								
कक्षा	सामान्य	अनु.जाति	अनु.जन.जाति	अन्य पिछडा वर्ग	दिव्यांग श्रेणी	आर्थिक कमजोर वर्ग	कुल छात्रवृत्तियाँ	छात्रवृत्ति दर प्रति छात्र	कुल राशि
पूर्व मध्यमा प्रथम/9वीं	3	1	2	2	0	0	8	रू. 5000/-	रू. 40,000.00
पूर्व मध्यमा द्वितीय/10वीं	2	1	1	2	0	0	6	रू. 5000/-	रू. 30,000.00
उ.मा./प्राक. शास्त्री प्रथम/11वीं	48	15	20	35	5	8	131	रू. 6000/-	रू. 7,86,000.00

उ.मा./प्राक. शास्त्री द्वितीय /12वीं	33	16	20	25	4	11	109	रू. 6000/-	रू. 6,54,000.00
शास्त्री/बी.ए. प्रथम वर्ष	21	11	11	19	1	7	70	रू. 8000/-	रू. 5,60,000.00
शास्त्री/बी.ए. द्वितीय वर्ष	21	7	9	13	2	5	57	रू. 8000/-	रू. 4,56,000.00
शास्त्री/बी.ए. तृतीय वर्ष	12	5	5	7	1	2	32	रू. 8000/-	रू .2,56,000.00
आचार्य/एम.ए. प्रथम वर्ष	19	8	11	11	2	6	57	रू. 10000/-	रू. 5,70,000.00
आचार्य/एम.ए. द्वितीय वर्ष	27	9	15	19	3	8	81	रू. 10000/-	रू. 8,10,000.00
विद्यावारिधी/पीएच.डी	2	1	1	2	0	0	6	रू. 35,000/-	रू. 2,10,000.00
कुल	188	74	95	135	18	47	557	-----	रू. 43,72,000.00

(ख) आधुनिक धारा

	कुल छात्र संख्या								
कक्षा	सामान्य	अनु.जाति	अनु.जन. जाति	अन्य पिछडा वर्ग	दिव्यांग श्रेणी	आर्थिक कमजोर वर्ग	कुल छात्रवृत्ति याँ	छात्रवृत्ति दर प्रति छात्र	कुल राशि
पूर्व मध्यमा प्रथम/9वीं	921	378	189	681	101	252	2522	रू. 5000/-	रू.1,26,10,000.00
पूर्व मध्यमा द्वितीय/10वीं	805	331	165	595	88	221	2205	रू. 5000/-	रू.1,10,25,000.00
उ.मा./प्राक. शास्त्री प्रथम/11वीं	661	272	136	489	72	181	1811	रू. 6000/-	रू.1,08,66,000.00
उ.मा./प्राक. शास्त्री द्वितीय /12वीं	1127	463	232	834	124	309	3089	रू. 6000/-	रू.1,85,34,000.00
शास्त्री/बी.ए. प्रथम वर्ष	376	154	77	278	41	103	1029	रू. 8000/-	रू.82,32,000.00
शास्त्री/बी.ए. द्वितीय वर्ष	230	94	47	170	25	63	629	रू. 8000/-	रू.50,32,000.00
शास्त्री/बी.ए. तृतीय वर्ष	116	48	24	86	13	32	319	रू. 8000/-	रू.25,52,000.00
आचार्य/एम.ए. प्रथम वर्ष	135	56	28	100	15	37	371	रू. 10000/-	रू.37,10,000.00
आचार्य/एम.ए. द्वितीय वर्ष	133	54	27	97	14	36	361	रू. 10000/-	रू.36,10,000.00
विद्यावारिधी/पीएच.डी	27	12	6	21	3	8	77	रू.35,000-	रू.26,95,000.00
कुल	4531	1862	931	3351	496	1242	12413	-----	रू.7,88,66,000.00

(घ) आधुनिक धारा (पूर्वोत्तर) :-

	कुल छात्र संख्या								
कक्षा	सामान्य	अनु.जाति	अनु.जन. जाति	अन्य पिछडा वर्ग	दिव्यांग श्रेणी	आर्थिक कमजोर वर्ग	कुल छात्रवृत्ति याँ	छात्रवृत्ति दर प्रति छात्र	कुल राशि
पूर्व मध्यमा प्रथम/9वीं	23	10	5	18	3	6	65	रू. 5000/-	रू.3,25,000.00
पूर्व मध्यमा द्वितीय/10वीं	13	5	3	9	1	3	34	रू. 5000/-	रू.1,70,000.00
उ.मा./प्राक. शास्त्री प्रथम/11वीं	89	37	18	66	10	24	244	रू. 6000/-	रू.14,64,000.00
उ.मा./प्राक. शास्त्री द्वितीय /12वीं	3	1	1	2	0	0	7	रू. 6000/-	रू.42,000.00
शास्त्री/बी.ए. प्रथम वर्ष	3	2	1	3	0	1	10	रू. 8000/-	रू.80,000.00

शास्त्री/बी.ए. द्वितीय वर्ष	1	0	0	1	0	0	2	रु. 8000/-	रु.16,000.00
शास्त्री/बी.ए. तृतीय वर्ष	1	0	0	0	0	0	1	रु. 8000/-	रु.8,000.00
आचार्य/एम.ए. प्रथम वर्ष	6	2	1	4	1	2	16	रु. 10000/-	रु.1,60,000.00
आचार्य/एम.ए. द्वितीय वर्ष	4	1	1	2	0	1	9	रु. 10000/-	रु.90,000.00
विद्यावारिधी/पीएच.डी	1	1	0	1	0	0	3	रु.35,000/-	रु.1,05,000.00
कुल	144	59	30	106	15	37	391	-----	रु.24,60,000.00

(ड) आधुनिक धारा (संस्कृत आनर्स) :-

	कुल छात्र संख्या								
कक्षा	सामान्य	अनु.जाति	अनु.जन.जाति	अन्य पिछडा वर्ग	दिव्यांग श्रेणी	आर्थिक कमजोर वर्ग	कुल छात्रवृत्तियाँ	छात्रवृत्ति दर प्रति छात्र	कुल राशि
शास्त्री/बी.ए. प्रथम वर्ष	123	50	25	90	13	33	334	रु. 8000/-	रु.26,72,000.00
शास्त्री/बी.ए. द्वितीय वर्ष	132	54	27	97	14	36	360	रु. 8000/-	रु.28,80,000.00
शास्त्री/बी.ए. तृतीय वर्ष	122	50	25	90	13	33	333	रु. 8000/-	रु.26,64,000.00
कुल	377	154	77	277	40	102	1027	----	रु.82,16,000.00

(च) आधुनिक धारा (संस्कृत आनर्स) (पूर्वोत्तर) :-

	कुल छात्र संख्या								
कक्षा	सामान्य	अनु. जाति	अनु.जन. जाति	अन्य पिछडा वर्ग	दिव्यांग श्रेणी	आर्थिक कमजोर वर्ग	कुल छात्रवृत्तियाँ	छात्रवृत्ति दर प्रति छात्र	कुल राशि
शास्त्री/बी.ए. प्रथम वर्ष	5	2	1	4	1	2	15	रु. 8000/-	रु.1,20,000.00
शास्त्री/बी.ए. द्वितीय वर्ष	8	3	2	5	1	2	21	रु. 8000/-	रु.1,68,000.00
शास्त्री/बी.ए. तृतीय वर्ष	2	1	0	1	0	0	4	रु. 8000/-	रु.32,000.00
कुल	15	6	3	10	2	4	40	----	रु.3,20,000.00

कुल योग – (क), (ख), (ग), (घ), (ड) एवं (च)

कक्षा	सामान्य	अनु.जाति	अनु.जन.जाति	अन्य पिछडा वर्ग	दिव्यांग श्रेणी	आर्थिक कमजोर वर्ग	कुल छात्रवृत्तियाँ	छात्रवृत्ति दर प्रति छात्र
परम्परागत	3056	1254	629	2259	331	836	8365	रु.6,51,30,000.00
परम्परागत (पूर्वोत्तर)	188	74	95	135	18	47	557	रु.43,72,000.00
आधुनिक	4531	1862	931	3351	496	1242	12413	रु.7,88,66,000.00
आधुनिक (पूर्वोत्तर)	144	59	30	106	15	37	391	रु.24,60,000.00
आधुनिक धारा (संस्कृत आनर्स) (पूर्वोत्तर)	15	6	3	10	2	4	40	रु.03,20,000.00
आधुनिक धारा (संस्कृत आनर्स)	377	154	77	277	40	102	1027	रु.82,16,000.00
कुल	8311	3409	1765	6138	902	2268	22793	रु.15,93,64,000.00

4.1.10 अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा

पारम्परिक संस्कृत पाठशालाओं एवं गुरुकुलों में अध्ययनरत प्रतिभान्वित छात्रों के उत्साहवर्धन के लिए केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के द्वारा प्रतिवर्ष अखिल भारतीय संस्कृत शास्त्रीय प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है। राष्ट्रीय स्तर पर भागग्रहण के लिए अर्ह स्पर्धियों के चयन हेतु राज्य स्तर पर भी शास्त्रीय प्रतियोगिताएँ आयोजित की जाती हैं।

वर्ष 2024-25 में राज्यस्तरीय शास्त्रीय प्रतियोगिताएँ निम्न अधोलिखित राज्यों एवं स्थानों में आयोजित की गईं।

1. जम्मू और कश्मीर: श्री रणवीर परिसर, जम्मू
2. हिमाचल प्रदेश: वेद व्यास परिसर, बलाहर
3. दिल्ली: श्री ला.ब.शा.रा.सं. विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
4. उत्तराखण्ड: श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर, देवप्रयाग
5. ओडिशा: सदाशिव परिसर, पुरी
6. बिहार और झारखण्ड: कामेश्वर सिहं दरभङ्गा सं.वि.वि. दरभगा (बिहार)
7. पश्चिम बंगाल: कालियाचक आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, वेष्ट मेदिनीपुर (प.बं)
8. राजस्थान जयपुर परिसर, जयपुर
9. उत्तर-प्रदेश: लखनऊ परिसर, लखनऊ
10. मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ भोपाल परिसर, भोपाल
11. गुजरात: दर्शनम् संस्कृत महाविद्यालय, अहमदाबाद
12. महाराष्ट्र और गोवा केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय नाशिक परिसर, नाशिक
13. आन्ध्र प्रदेश: राष्ट्रिय संस्कृत विश्वविद्यालय, तिरुपति
14. तमिलनाडु एवं पाण्डिचेरी : मद्रास आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, चेन्नई
15. केरल: गुरुवायूर परिसर, त्रिचूर, केरल
16. कर्णाटक: कर्नाटक संस्कृत विश्वविद्यालय, बंगलूरु
17. पूर्वोत्तर राज्य : केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय एकलव्य परिसर, अगरतला (त्रिपुरा)

62वीं अखिल भारतीय वाक्-प्रतियोगिता 18.03.2025 से 21.03.2025 तक पतंजलि विश्वविद्यालय, हरिद्वार, उत्तराखंड में आयोजित की गई। इस प्रतियोगिता में 16 से अधिक राज्यों ने भाग लिया, जहाँ कर्नाटक को विजयोवैजयन्ती की ढाल (शिल्ड) से सम्मानित किया गया।

प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वालों को क्रमशः स्वर्ण, रजत एवं कांस्य पदक सहित रु.12000/-, 8000/-, 5000/- से पुरस्कृत किया गया। इसके अतिरिक्त शलाका परीक्षा में 80 प्रतिशत और अधिक एवं प्रथम श्रेणी 65 प्रतिशत सहित प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को विशेष पुरस्कार रु. 5000/- प्रदान किये गये। कर्नाटक राज्य ने सभी प्रदर्शनों में सर्वोच्च स्थान प्राप्त कर विजयवैजयन्ती प्राप्त की। उपस्थित विद्वगण, निर्णायक एवं दर्शकों ने स्पर्धालुओं की प्रस्तुतियों की प्रशंसा की है।

प्रो. “बाल कृष्ण” पतंजलि विश्वविद्यालय, हरिद्वार, उत्तराखंड में आयोजित 18.03.2025 को कार्यक्रम का उद्घाटन किया। यह कार्यक्रम केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी की अध्यक्षता में आयोजित हुआ।

4.1.11 आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/आदर्श संस्कृत शोध संस्थानों

योजना का नाम - आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/आदर्श संस्कृत शोध संस्थानों के रूप में मान्यता प्राप्त संस्थानों को वित्तीय सहायता हेतु योजना

परिचयः- आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/आदर्श संस्कृत शोध संस्थानों के रूप में मान्यता-प्राप्त संस्थाओं को वित्तीय सहायता प्रदान करने हेतु योजना वर्ष 1976 में भारत सरकार द्वारा पारम्परिक संस्कृत शिक्षा संस्थानों को सहायता प्रदान करने के लिए शुरू की गयी थी। इस योजना को समय-समय पर परिवर्तित/समीक्षित किया गया। इस योजना को प्रथम बार 1983 में मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार, के पत्र क्रमांक F.80-7/88-SK-1 दिनांक 06 अक्टूबर 1983 के माध्यम से संशोधित किया गया। पुनः इस योजना को 1993 में मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के पत्र क्रमांक F.30-19/88-S.K.1 दिनांक 06 जुलाई 1993 के माध्यम से संशोधित किया गया। बाद में इस योजना के क्रियान्वयन हेतु मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के पत्र क्रमांक F.8.3/94-SK-1 दिनांक 16.06.1995 के माध्यम से केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय (पूर्व मे राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान) को स्थानान्तरित किया गया। इसके पश्चात मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार के पत्र क्रमांक F.No.31-4/2009-Skt.1 दिनांक 29 जून, 2012 के माध्यम से इस योजना को पुनः संशोधित किया गया। इस योजना को पुनः शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा पत्र F.No. 1-5/2017-Skt.I (Vol. III) दिनांक 24 मार्च, 2023 के माध्यम से पत्र F.No. 1-5/2017-Skt.I (Vol. III) दिनांक 12.06.2023 मे दिये गये आगामी स्पष्टीकरण के साथ संशोधित तथा अनुमोदित किया गया।

वर्तमान योजना की समीक्षा और संशोधन, योजना के दिशा-निर्देशों से संबंधित सुझावों/शिकायत याचिकाओं की प्राप्ति, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) विनियम 2018 के जारी होने, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) को केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, दिल्ली में परिवर्तित करने, एनईपी-2020 में निहित सिफारिशों के कार्यान्वयन आदि के कारण हुए नए घटनाक्रमों के आधार पर किया गया है।

इस योजना के अन्तर्गत देश के विभिन्न भागों में 26 संस्थाएँ भारत सरकार की वित्तीय सहायता से केन्द्रीय संस्कृत विश्विद्यालय के द्वारा संचालित हो रही हैं एवं इस योजना हेतु वित्त का अधिकांश भाग केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा दिया जाता है। वर्तमान मे इस योजना के अन्तर्गत 22 आदर्श संस्कृत महाविद्यालय एवं 04 आदर्श संस्कृत शोध संस्थान मान्यता प्राप्त है। नवीनतम संशोधित योजना के अनुसार, इन संस्थानों को स्वीकार्य वेतन अनुदान और छात्रवृत्ति के लिए 100% वित्तीय सहायता दी जाती है। अन्य व्यय के लिए, विभिन्न ग्रेडों के आधार पर आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/आदर्श संस्कृत शोध संस्थानों हेतु "संशोधित आदर्श योजना-2022" में निर्धारित प्रतिशत के अनुसार वित्तीय सहायता दी जाती है।

पाली/प्राकृत में विशेषज्ञता प्राप्त एवं इनमें से किसी भी भाषा में शोध/प्रकाशन गतिविधियों में लगे हुए तथा आदर्श संस्कृत शोध संस्थान के लिए निर्धारित मानदंडों को पूरा करने वाले संस्थानों को भी इस योजना के अन्तर्गत मान्यता प्रदान करने पर विचार किया जाएगा। ऐसे मान्यता प्राप्त संस्थानों को "आदर्श पाली शोध संस्थान (APSS)/आदर्श प्राकृत शोध संस्थान (APrSS)" कहा जाएगा।

उद्देश्य - इस योजना का उद्देश्य पारंपरिक संस्कृत शिक्षा तथा शोध सहायता देना एवं प्रोत्साहित करना है। इसके अलावा, एनईपी-2020 में निहित सिफारिशों के अनुरूप आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/आदर्श संस्कृत शोध संस्थानों को संस्कृत और संबद्ध शास्त्रों/विषयों में अन्तर्विषयक अध्ययन करने की संभावनाओं का पता लगाना आवश्यक है। इस प्रयोजन के लिए, इस योजना के अंतर्गत मान्यता प्राप्त आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों और आदर्श संस्कृत शोध संस्थानों को प्राक् शास्त्री/शास्त्री और आचार्य के स्तर पर पाठ्यक्रम संचालित करने, डॉक्टरेट/पोस्ट-डॉक्टरेट या दोनों स्तर पर शोध आयोजित और संचालित करने या पांडुलिपियों और दुर्लभ पुस्तकों को संपादित करने और प्रकाशित करने, शोध आधारित प्रकाशन और

शोध पत्रिकाएं निकालने, ग्रंथों का संस्कृत से अन्य भाषाओं में या इसके विपरीत क्रम मे अनुवाद करने और व्यक्तिगत रूप से या केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय या किसी अन्य संस्थान के सहयोग से कार्यशालाएं/सेमिनार आदि आयोजित करने के लिए प्रशासनिक और वित्तीय दोनों तरह की सहायता प्रदान की जाती है। यहां परिकल्पित सहायता का अर्थ यूजीसी के नियमों के साथ-साथ भारत सरकार के समय-समय पर लागू होने वाले दिशानिर्देशों के आधार पर इस योजना के उद्देश्यों की पूर्ति करने हेतु सामान्य प्रशासनिक और वित्तीय सहायता प्रदान की जायगी।

आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/ आदर्श शोध संस्थानों को वित्तीय वर्ष 2024-25 में निर्गत किये गए अनुदान का विवरण :-

क्रमांक	राज्य का नाम	कुल आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों / शोध संस्थानों की राज्यवार संख्या	वित्तीय वर्ष 2024-25 में निर्गत राशि का विवरण (राशि रु० लाख में)
1.	तेलंगाना	01	2,10,62,835.00
2.	बिहार	05	17,77,80,131.00
3.	हरियाणा	02	6,03,57,388.00
4.	हिमाचल प्रदेश	02	7,89,61,595.00
5.	झारखण्ड	01	2,39,29,674.00
6.	कर्नाटक	01	2,08,78,263.00
7.	केरल	02	4,78,88,015.00
8.	महाराष्ट्र	02	3,02,99,279.00
9.	मणिपुर	01	70,71,852.00
10.	तमिलनाडु	02	8,32,18,721.00
11.	उत्तराखण्ड	01	2,58,94,127.00
12.	उत्तर प्रदेश	03	11,75,54,653.00
13.	पश्चिम बंगाल	02	10,30,07,519.00
14.	राजस्थान	01	2,90,79,781.00
कुल निर्गत अनुदान राशि		26	82,69,83,833.00

वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरन आदर्श योजना के अंतर्गत जारी छात्रवत्ति राशि का विवरण :

कुल छात्र संख्या																
कक्षा	सामान्य		अनु. जाति		अनु. जन. जाति		दिव्यांग श्रेणी		अन्य पिछड़ा वर्ग		आर्थिक कमजोर वर्ग		कुल छात्रवृत्तियाँ			प्रति माह छात्रवृत्ति प्रदान करने हेतु निर्धारित राशि	निर्गत राशि
	पुरुष	स्त्री	पुरुष	स्त्री	पुरुष	स्त्री	पुरुष	स्त्री	पुरुष	स्त्री	पुरुष	स्त्री	पुरुष	स्त्री	कुल		
उत्तरमाध्यम प्रथम /प्राक्शास्त्री प्रथम वर्ष / 11वीं	50	24	11	20	0	0	0	0	1	2	0	0	62	46	108	600	653124
उत्तरमाध्यम द्वितीय /प्राक्शास्त्री द्वितीय वर्ष / 12वीं	37	18	4	10	0	0	0	0	1	10	5	2	47	40	87	600	500536
शास्त्री/बी.ए. प्रथम वर्ष	156	56	14	26	0	2	0	1	13	21	2	2	185	108	293	800	2042799
शास्त्री/बी.ए. द्वितीय वर्ष	263	102	10	31	1	4	0	0	22	22	3	4	299	163	462	800	3270001
शास्त्री/बी.ए. तत्तीय वर्ष	264	104	7	26	3	1	0	0	13	34	4	4	291	169	460	800	3355801
आचार्य /बी.ए. प्रथम वर्ष	218	107	11	30	0	0	0	0	9	19	5	1	243	157	400	1000	3382959
आचार्य /बी.ए. द्वितीय वर्ष	259	150	14	57	2	4	0	0	9	37	3	0	287	248	535	1000	4358415
विधावारिधि /पी.एच.डी. / शोध छात्रवृत्ति	0	2	5	1	0	1	0	0	1	1	1	1	7	6	13	8000	1042839
कुल	1247	563	76	201	6	12	0	1	69	146	23	14	1421	937	2358		18606474

आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/आदर्श शोध संस्थानों का नाम एवं पूर्ण पता (राज्यवार)

राज्य का नाम	आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/शोध संस्थानों का नाम
तेलंगाना	1. संस्कृत अकादमी (आदर्श शोध संस्थान) उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद, तेलंगाना - 500047
बिहार	2. राजकुमारी गणेश शर्मा संस्कृत विद्यापीठ, कोलहन्टा पटोरी, जिला-दरभंगा, बिहार, - 846003.
	3. जगदीश नारायण ब्रह्मचर्याश्रम आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, लगमा रामभद्रपुर, वाया- लोहना रोड़, जिला- दरभंगा, बिहार – 847407.
	4. डॉ॰ रामजी मेहता आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, मालीघाट, मुजफ्फरपुर, बिहार - 842001.
	5. श्री स्वामी पराङ्कुशाचार्य आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, हुलासगंज, जिला-गया, बिहार -804407.
	6. श्री रामसुन्दर संस्कृत विश्वविद्या प्रतिष्ठान (आदर्श संस्कृत महाविद्यालय), लक्ष्मीनाथनगर, रमौली-बेलौन, भाया - बहेड़ा, जिला-दरभंगा, बिहार – 847201.
हरियाणा	7. हरियाणा संस्कृत विद्यापीठ, पो.-बघौला, जिला-पलवल, हरियाणा - 121102.
	8. श्री दीवान कृष्ण किशोर, सनातन धर्म आदर्श संस्कृत कॉलेज, अम्बाला छावनी, हरियाणा 133001.
हिमाचल प्रदेश	9. हिमाचल आदर्श संस्कृत स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जांगला, तह.-चढ़गांव, जिला-शिमला, हिमाचल प्रदेश-171214.
	10. सनातन-धर्म आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, डोहगी, जिला-ऊना, हिमाचल प्रदेश - 174307.
झारखण्ड	11. लक्ष्मी देवी शराफ आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, हरि:शरणम् कुटीर, कालीराखा, जिला- बी.देवघर, झारखण्ड - 814112.
कर्नाटक	12. पूर्णप्रज्ञ संशोधन मन्दिरम् (आदर्श शोध संस्थान), डॉ. श्री विश्वेशतीर्थ स्वामीजी मार्ग, कात्रिगुप्पा मेन रोड, बेंगलुरु, कर्नाटक - 560070.
केरल	13. कालिकट् आदर्श संस्कृत विद्यापीठ, पो.-बलुश्शेरि, जिला-कोझिकोड, केरल-673612.
	14. चिन्मय इन्टरनेशनल फाउण्डेशन (आदर्श शोध संस्थान) आदिशंकर निलयम्, आदिशंकर मार्ग, वेलियनाड, जिला-एर्नाकुलम, केरल-682313.
महाराष्ट्र	15. वैदिक संशोधन मण्डल, (आदर्श संस्कृत शोध संस्था), टी. एम. वी. कॉलोनी, मुकुंदनगर, गुलटेकडी, पुणे - 411037.
	16. मुम्बादेवी आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, कुलपति मुंशी मार्ग, मुम्बई महाराष्ट-400007.
मणिपुर	17. राधा माधव आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, नम्बोल, मणिपुर, - 795134.
तमिलनाडु	18. मद्रास संस्कृत कॉलेज & एस.एस.वी. पाठशाला, 84, रॉयपीठ हाई रोड, मायलापुर, चेन्नई, - 600004.
	19. श्री अहोबिला मठ आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, 53, सन्निधी स्ट्रीट, मदुरन्तकम्, तमिलनाडु, - 603306.
उत्तराखण्ड	20. श्री भगवानदास आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, पोस्ट-गुरुकुल कागडी, जिला-हरिद्वार, उत्तराखण्ड-249404.
	21. रानी पद्मावती तारा योगतन्त्र, आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, इन्द्रपुर-शिवपुर, वाराणसी, उत्तर प्रदेश-221003.

उत्तर प्रदेश	22. श्री एकरसानन्द आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, मैनपुरी, उत्तर प्रदेश - 205001.
	23. श्री रंगलक्ष्मी आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, वृन्दावन, मथुरा, उत्तर प्रदेश - 281121.
पश्चिम बंगाल	24. कालियाचक विक्रम किशोर आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, ग्राम - कालियाचक, पो.- हेरिया, जिला- पूर्वी मेदनीपुर, पश्चिम बंगाल – 721430.
	25. श्री सीताराम वैदिक आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, 7/2ए, पी.डब्लु.डी.रोड, कोलकाता - 700035.
राजस्थान	26. श्रीमती लाड देवी शर्मा पंचोली आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, बरुन्दनी, तहसील - माण्डलगढ जिला - भीलवाडा, राजस्थान – 311604.

4.1.12 परियोजनाएँ

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय की नवीन परियोजनाएँ।

1. समर्थ

समर्थ शिक्षा मंत्रालय की एक पहल है। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय ने कर्मचारियों, छात्रों और अन्य हितधारकों को गुणवत्तापूर्ण सेवाएं प्रदान करने के लिए 2022 में समर्थ परियोजना को सफलतापूर्वक लागू किया है। वर्तमान में, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के 1567 कर्मचारियों का हैं जिनका प्रबंधन समर्थ के माध्यम से किया जाता है। विश्वविद्यालय ने प्रशासनिक प्रक्रियाओं को परिभाषित करने और नियंत्रित करने के लिए डिजिटल प्रौद्योगिकियों का लाभ उठाकर अपनी दक्षता में वृद्धि की है। समर्थ द्वारा विश्वविद्यालय संचालन और प्रशासन के विभिन्न कार्यात्मक डोमेन के प्रबंधन के लिए कई मॉड्यूल पेश किए जाते हैं। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय निम्नलिखित मॉड्यूल का कुशलतापूर्वक उपयोग कर रहा है:

- कार्यक्रम और पाठ्यक्रम (166 कार्यक्रम और 2400 पाठ्यक्रम),
- प्रवेश (2024-25 सत्र में नामांकित कुल छात्र 4978),
- मूल्यांकन एवं ग्रेडिंग (सेमेस्टर 2, 4, 6 के लिए परिणाम घोषित)
- भर्ती प्रक्रिया भी समर्थ के माध्यम से की जा रही है।
- रोजगार प्रबंधन (कुल 1303 सक्रिय कर्मचारी),
- ज्ञान प्रबंधन (कुल प्रकाशन- 3672 और 1 पेटेंट),
- कैरियर उन्नति, (पीबीएएस आवेदन - 599, सीएएस आवेदन - 286, एपीएआर आवेदन -603)
- पेरोल प्रबंधन,
- प्रबंधन छोड़ें,
- कानूनी मामला प्रबंधन (प्रणाली में 124 मामले),
- संपदा प्रबंधन प्रणाली (सभी भवन - 96, सभी मंजिलें - 46, सभी कमरे - 402, सभी शौचालय - 54)
- आरटीआई प्रबंधन (69 आरटीआई)
- कोर कम्युनिकेशन सिस्टम (कुल 6246 ईमेल भेजे गए)
- उपयोगकर्ता प्रबंधन (कुल 2263 उपयोगकर्ता)

2. ई-ऑफिस

ई-ऑफिस डिजिटल इंडिया कार्यक्रम का एक अभिन्न अंग है। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय ने विश्वविद्यालय में सरलीकृत, जवाबदेह, उत्तरदायी और पारदर्शी कामकाज हासिल करने के लिए इस परियोजना को लागू किया है। ई-ऑफिस केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के मुख्यालय और पूरे भारत में इसके सभी परिसरों में कार्यान्वित किया गया है। वर्तमान में ई-ऑफिस के द्वारा 208 कर्मचारी अपना कार्यलयीय कार्य कर रहे हैं। यह एक उत्पाद सूट है जिसमें दिन-प्रतिदिन की आधिकारिक कार्य-संबंधी गतिविधियों को बदलने के लिए कई एप्लिकेशन शामिल हैं। यह एक डिजिटल कार्यस्थल है जो विश्वविद्यालय को त्वरित निर्णय लेने में सहायता करता है। यह विश्वविद्यालय के कामकाज को कागज रहित बनाने में मदद करता है।

3. मीडिया सेल

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय ने संस्कृत भाषा के प्रचार-प्रसार के लिए मीडिया सेल का गठन किया है। यह ट्विटर, यूट्यूब और फेसबुक सहित सभी सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर संस्कृत भाषा को बढ़ावा देने के लिए जिम्मेदार है। इस सेल

के माध्यम से केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के सभी कार्यक्रमों को विश्वविद्यालय के सोशल मीडिया हैंडल पर प्रसारित किया जाता है। मीडिया सेल विश्वविद्यालय के विभिन्न आयोजनों या कार्यक्रमों के लिए पोस्टर और पैम्फलेट डिजाइन करता है।

4. डिजिटल उपस्थिति प्रणाली

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय ने अपने कर्मचारियों की सटीक उपस्थिति रिकॉर्ड के रखरखाव के लिए डिजिटल उपस्थिति प्रणाली को अपनाया है। बायोमेट्रिक अटेंडेंस मशीनें मुख्यालय कार्यालय और विश्वविद्यालय के सभी परिसरों में तैनात की गई हैं। इस प्रणाली पर 1702 उपयोगकर्ताओं की उपस्थिति का रिकॉर्ड रखा जाता है। इसे विश्वविद्यालय के कर्मचारियों और विद्वानों की दैनिक उपस्थिति को स्वचालित करने के लिए विकसित किया गया है। उपस्थिति को चिह्नित करने के लिए सिस्टम फिंगरप्रिंट या चेहरे की पहचान सुविधा का उपयोग करता है। यह कर्मचारियों के आगमन से लेकर प्रस्थान तक के कार्य घंटों पर नज़र रखने के लिए उपयोगी है।

1. राजभाषा प्रभाग

- केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय (सीएसयू) मुख्यालय और उनके सभी परिसरों में संघ की राजभाषा नीति का कार्यान्वयन सुनिश्चित करना।
- सीएसयू मुख्यालय में प्रत्येक तिमाही में राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक का आयोजन।
- सीएसयू मुख्यालय और उनके सभी परिसरों से राजभाषा विभाग, गृह मन्त्रालय और शिक्षा मन्त्रालय को हिन्दी के प्रगामी प्रयोग के संबंध में प्रत्येक तिमाही में प्रगति रिपोर्ट का प्रेषण।
- प्रत्येक तिमाही में राजभाषा हिंदी कार्यशाला का आयोजन।
- राजभाषा विभाग द्वारा समय-समय पर जारी आदेशों और निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित करना आदि।
- प्रत्येक वर्ष सीएसयू मुख्यालय और परिसरों में हिंदी दिवस मनाया जाना और इस दौरान विभिन्न हिंदी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाना ताकि कार्मिकों में हिंदी राजभाषा में कार्यनिष्पादित करने में पूर्ण उत्साह बनाए रखना।
- राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा आयोजित हिंदी दिवस और अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलनों में सीएसयू मुख्यालय और परिसरों के कार्मिकों की प्रतिभागिता बनाए रखना।
- राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने का पूर्णत; प्रयास।
- राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय के निर्देशानुसार नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति से संबंधित अपेक्षाओं पर कार्रवाई।

4.1.13 संस्कृत अध्ययन केन्द्र (Centre for Sanskrit Learning)

संस्कृत भाषा भारतीय मनीषा एवं संस्कृति की अनुपम निधि है। संस्कृत का स्वरूप अत्यन्त विशाल एवं व्यापक है। असंख्य भारतीय अपने भारतीय स्वरूप की रक्षा तथा दृढ़ता के लिए संस्कृत पढ़ना चाहते हैं। उन्हें सरल प्रक्रिया से संस्कृत भाषा एवं उसमें निहित ज्ञान-विज्ञान का परिज्ञान कराना आवश्यक है। इस महान उद्देश्य की संकल्पना के साथ समाज के विविध क्षेत्रों के संस्कृत-जिज्ञासुओं को संस्कृताध्ययन की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा वर्ष 2002 से अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण का आरम्भ किया गया।

देश के सुप्रतिष्ठित उच्च शिक्षण संस्थानों- जैसे भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT, NIT, IIIT, IIM, MNIT), अभियान्त्रिक एवं आयुर्वेद संस्थान, अन्तर्राष्ट्रीय, केन्द्रीय तथा राज्यस्तरीय विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों से प्राप्त आवेदनों

के आधार पर केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा इन केन्द्रों का संचालन किया जाता है। इस योजना के अंतर्गत दो पाठ्यक्रम संचालित किए जाते हैं- 'संस्कृतभाषा प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम' तथा 'संस्कृतभाषा दक्षता पाठ्यक्रम'।

अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण की केन्द्रीय समिति के मार्गदर्शन में अखिलभारत स्तर पर इन केन्द्रों का संचालन किया जाता है। केन्द्रीय समिति के अनुशंसा के आधार पर शैक्षिक सत्र 2024-25 में अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण का नाम परिवर्तित कर "संस्कृत अध्ययन केन्द्र" रखा गया। इस केन्द्र के माध्यम से सत्र 2024-25 में निम्नलिखित कार्यक्रम आयोजित किए गए-

1. केन्द्रीय समिति की बैठक
2. संस्कृत अध्ययन केन्द्रों का संचालन
3. संस्कृत शिक्षण ऐपतन्त्र निर्माण कार्यशाला
4. प्रशिक्षण पूर्व परीक्षण
5. आवासीय संस्कृत शिक्षक प्रशिक्षण

केन्द्रीय समिति की बैठक

दिनांक 06.05.2024 को विश्वविद्यालय मुख्यालय के सारस्वत सभागार में माननीय कुलपति महोदय की अध्यक्षता में संस्कृत अध्ययन केन्द्र की केन्द्रीय समिति की बैठक आयोजित की गई। इसमें पूर्व सत्र (2023–24) के निर्णयों के क्रियान्वयन की समीक्षा के साथ आगामी सत्र हेतु केन्द्रों का चयन किया गया तथा उनके संचालन की अग्रिम योजना बनाई गई। समिति में अग्रे लिखित सदस्य उपस्थित थे- प्रो. गोपबन्धु मिश्र, श्री सत्यनारायण भट्ट, डॉ. रणजितकुमार तिवारी, श्री कू. वेङ्कटेश मूर्ति, प्रो. रत्नमोहन झा (सदस्य सचिव)।

संस्कृत अध्ययन केन्द्रों का संचालन

शैक्षिक सत्र 2024-25 में केन्द्रीय समिति की अनुशंसा के अनुसार 140 संस्थाओं में संस्कृत अध्ययन केन्द्र संचालित किए गए। ये केन्द्र आन्ध्रप्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, बिहार, दिल्ली, गोवा, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू–कश्मीर, कर्नाटक, केरल, महाराष्ट्र, मणिपुर, मध्यप्रदेश, ओडिशा, पंजाब, राजस्थान, त्रिपुरा, तमिलनाडु, तेलंगाना, उत्तराखण्ड, उत्तरप्रदेश, मेघालय, पश्चिम बंगाल तथा पूर्वोत्तर राज्यों सहित कुल 25 राज्यों में संचालित हुए।

इन संस्थाओं में शामिल हैं- IIT- 06, NIT- 02, IIIT- 02, MNIT- 02, अभियान्त्रिक महाविद्यालय- 04, केन्द्रीय विश्वविद्यालय- 12, अन्तर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय- 01, मानित विश्वविद्यालय- 01, आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज- 10, राज्य विश्वविद्यालय- 13, अन्य संस्थाएँ- 07, महिला महाविद्यालय- 16 तथा सामान्य महाविद्यालय- 55।

इन केन्द्रों में 75 प्रशिक्षित संस्कृत भाषा शिक्षकों की नियुक्ति की गई। प्रत्येक संस्था में सुचारु संचालन हेतु संस्था-प्रमुख द्वारा एक अधिकृत अधिकारी नामित किया गया, जो अपने केन्द्र की गतिविधियों एवं शिक्षकों की मासिक प्रगति प्रतिवेदन इस विभाग को प्रेषित करते रहे।

इस सत्र में संस्कृत भाषा प्रमाणपत्रीय एवं दक्षता पाठ्यक्रमों में कुल 5,776 अध्येता (महिला- 3,677, पुरुष- 2,099) नामांकित हुए। इनमें प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम में 4,574 तथा दक्षता पाठ्यक्रम में 1,202 अध्येता सम्मिलित हुए। इन छात्रों में 5,225 हिन्दू, 206 मुस्लिम तथा 45 ईशाई थे। राज्यानुसार 2024-25 सत्रीय केन्द्रों की सूची-

राज्य	केन्द्र संख्या	अध्येतृ संख्या	राज्य	केन्द्र संख्या	अध्येतृ संख्या
आन्ध्रप्रदेश	03	25	मणिपुर	03	126
अरुणाचल प्रदेश	02	22	मध्यप्रदेश	07	295
बिहार	06	247	ओड़िशा	07	201

छत्तीसगढ़	02	44	पञ्जाब	02	98
देहली	02	241	राजस्थान	01	25
हिमाचल प्रदेश	01	22	त्रिपुरा	02	91
गोवा	04	125	तमिलनाडु	02	164
गुजरात	06	190	तेलंगाना	05	194
जम्मू कश्मीर	03	58	उत्तराखण्ड	03	35
कर्णाटक	04	209	उत्तरप्रदेश	12	480
केरल	04	281	पश्चिम बंगाल	18	1005
मेघालय	02	21	असम	26	902
महाराष्ट्र	13	603			

संस्कृत अध्ययन केन्द्रों का संचालन केवल नगरों या महानगरों में ही नहीं, अपितु सुदूरवर्ती कस्बों, जम्मू–कश्मीर तथा उत्तर–पूर्वी राज्यों के दुर्गम क्षेत्रों में भी किया गया। इन केन्द्रों में विद्यार्थियों, अध्यापकों, प्राध्यापकों, चिकित्सकों, वैज्ञानिकों, गृहिणियों, शोधछात्रों, सेवानिवृत्त व्यक्तियों, व्यवसायियों एवं श्रमिकों ने अत्यन्त उत्साहपूर्वक भाग लिया।

संस्कृत भाषा के दोनों पाठ्यक्रमों में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा निर्मित प्रथमा दीक्षा एवं द्वितीया दीक्षा नामक पाठ्यसामग्री का अध्यापन किया गया, जिसकी अध्येताओं ने अत्यधिक प्रशंसा की। परीक्षा में उत्तीर्ण अध्येताओं को अंकपत्र एवं प्रमाणपत्र प्रदान किए जाएंगे।

विभिन्न केन्द्रों में भव्य उद्घाटन एवं समापन समारोहों का आयोजन हुआ, जिनमें संस्कृतेतर क्षेत्रों के विशिष्ट अतिथियों ने संस्कृत संवर्धन की आवश्यकता पर अपने विचार व्यक्त किए। संस्था-प्रमुखों ने आगामी सत्र में भी संस्कृत अध्ययन केन्द्र के संचालन हेतु विश्वविद्यालय से निवेदन किया है।

इन केन्द्रों के माध्यम से स्थानीय स्तर पर 325 संस्कृत सम्भाषण वर्ग तथा 45 बालवर्ग आयोजित किए गए। प्रो. रत्नमोहन झा, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली ने अखिल भारतीय स्तर पर राष्ट्रीय संयोजक के रूप में दायित्व निर्वहन किया।

संस्कृत शिक्षण ऐपतन्त्र निर्माण कार्यशाला

ऐप के माध्यम से संस्कृत भाषा शिक्षण हेतु केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा एक परियोजना स्वीकृत की गई। इस परियोजना के अन्तर्गत 17.03.2025 से 22.03.2025 तक विश्वविद्यालय मुख्यालय के मुक्तस्वाध्यायपीठ भवन में एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें से 13 विद्वानों ने भाग लिया तथा परियोजना-संबंधित पाठ का निर्माण किया गया।

प्रशिक्षण पूर्व परीक्षण

कुशल संस्कृतभाषा शिक्षक निर्माण के उद्देश्य से विश्वविद्यालय द्वारा आवासीय संस्कृत शिक्षक प्रशिक्षण वर्ग आयोजित किया जाता है। प्रशिक्षण से पूर्व आवेदकों का परीक्षण किया गया। इस हेतु 1245 अभ्यर्थियों ने आवेदन किए। ऑनलाइन माध्यम से लिखित परीक्षा में 849 अभ्यर्थियों ने भाग लिया, जिनमें से 592 अभ्यर्थी उत्तीर्ण हुए। तत्पश्चात मौखिक परीक्षा में उत्तीर्ण इन 305 अभ्यर्थियों को प्रशिक्षण हेतु चयनित किया गया।

आवासीय संस्कृत शिक्षक प्रशिक्षण

दिनांक 18.11.2024 से 10.12.2024 तक 21 दिवसीय आवासीय संस्कृत शिक्षक प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन कर्नाटक राज्य के बेंगलूरु (चन्नेहल्ली) स्थित जनसेवा विद्याकेन्द्र में किया गया। इसमें 160 अभ्यर्थियों ने भाग लिया (पुरुष- 87, महिला- 73)। प्रशिक्षण में 11 उद्बोधक, 14 प्रशिक्षक एवं 11 सहशिक्षक के द्वारा विभिन्न सत्रों में मार्गदर्शन किया गया।

प्रातः 5 बजे से रात्रि 10 बजे तक विविध प्रशिक्षण-सत्र संचालित हुए। वर्ग के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में कर्नाटक संस्कृत विश्वविद्यालय की कुलपति डा. एस. अहल्या, सारस्वत अतिथि के रूप में आचार्य कोटेमणे रामचन्द्र भट्ट, तथा अध्यक्ष के रूप में मुक्तस्वाध्यायपीठ के निदेशक प्रो. रत्नमोहन झा उपस्थित थे।

प्रशिक्षण में आदर्श सम्भाषण-शिविर, प्रथमा दीक्षा पुस्तक के आधार पर प्रत्यक्ष माध्यम से अध्यापन कौशल का विश्लेषण, बिन्दुविमर्श, व्याकरण कक्षाएँ, गणशः पाठनाभ्यास, पाठ्यसामग्री निर्माण, बालकेन्द्र प्रशिक्षण, साप्ताहिकी परीक्षा, योगासन, सन्ध्याभजन, आदित्यहृदयस्तोत्र पारायण, विद्वज्जनों के विशेष व्याख्यान, रसप्रश्न प्रतियोगिता इत्यादि कार्यक्रम सम्पन्न हुए।

इस वर्ग के अंतर्गत भारतीय भाषापरिवारोत्सव का भी आयोजन हुआ। समापन समारोह विश्वविद्यालय के यशस्वी कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेडी की गरिमामयी अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ।

4.1.14 पत्राचार पाठ्यक्रम

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, पत्राचार पाठ्यक्रम के माध्यम से देश और विदेश में संस्कृत भाषा सीखने के जिज्ञासु अध्येताओं के लिए द्विवर्षीय पाठ्यक्रम (हिन्दी और अंग्रेजी माध्यम) का संचालन वर्ष 1970 से करता आ रहा है।

सत्र 2024-2025 में पत्राचार पाठ्यक्रम के माध्यम से 12 भारतीय अध्येता ने पंजीयन करवाया है।

4.1.15 मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा संस्थान

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के अधीन संचालित मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा संस्थान (Institute of Open and Distance Education) के माध्यम से संस्कृत परम्परागत पाठ्यक्रमों का शुभारम्भ अगस्त, 2010 से किया जा रहा है। इन पारम्परिक उपाधि पाठ्यक्रमों के अतिरिक्त विभिन्न राज्यों में संचालित संस्कृत अध्ययन केन्द्रों के द्वारा जनसामान्य को संस्कृत सिखाया जाता है। इन केन्द्रों के द्वारा दो पाठ्यक्रम चलाए जाते हैं, जिनमें प्रथम पाठ्यक्रम का नाम 'संस्कृतभाषा-प्रमाणपत्रीय-पाठ्यक्रमः' है तथा दूसरे पाठ्यक्रम का नाम 'संस्कृतभाषा-दक्षता-पाठ्यक्रमः' है। इसके अतिरिक्त संस्कृत भाषा के संवर्धन हेतु पत्राचार माध्यम से संस्कृत सिखाने का प्रकल्प प्रथमतया पत्राचार के माध्यम द्विवर्षीय संस्कृत में प्रारम्भिक पाठ्यक्रम (हिन्दी एवं अंग्रेजी माध्यम) का संचालन कर रहा है।

शैक्षिक सत्र : 2024-2025 में प्रवेश लेने वाले छात्रों का विवरण:-

मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा संस्थान शैक्षणिक सत्र 2024-2025 में ऑन-लाइन माध्यम से प्रमाणपत्रीय, डिप्लोमा कार्यक्रम, प्राक्शास्त्री (02 Years), शास्त्री (03 Years) तथा आचार्य (02 Years) कार्यक्रमों का संचालन कर रहा है। शैक्षणिक वर्ष 2024-2025 में 29 देशों के 3204 भारतीय तथा 96 विदेशी अध्येता, जिसमें कुल 3300 अध्येताओं ने प्रवेश प्राप्त किया है।

कार्यक्रम विवरण	भारतीय अध्येताओं की संख्या	विदेशी अध्येताओं की संख्या	कुल योग
अवतरणी (Certificate Programmes)	1737	61	1798
अवगाहनी (Advanced Certificate)	808	25	833
दक्षता (Diploma)	211	5	216
प्रवीणः (Advanced Diploma)	0	0	0
विशारदः (Proficiency Diploma)	0	0	0
प्राक्शास्त्री (Intermediate Programmes)	90	0	90
शास्त्री (Graduate Programmes)	49	2	51
आचार्य (Masters Programmes)	75	3	78
Short Term Programme	46	0	46
Single corse programme	188	0	188
कुल	3204	96	3300

सम्पर्क कक्षाएँ :-

मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा संस्थान द्वारा संचालित समस्त कार्यक्रमों की अध्ययन / अध्यापन / परामर्श / सम्पर्क-कक्षाएँ ऑनलाइन द्वारा चलाई जा रही हैं।

4.1.16 राजभाषा विभाग

- सीएसयू मुख्यालय और उनके सभी परिसरों में संघ की राजभाषा नीति का कार्यान्वयन सुनिश्चित करना।
- सीएसयू मुख्यालय और उनके सभी परिसरों से हिन्दी के प्रगामी प्रयोग के संबंध में प्रत्येक तिमाही में राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, शिक्षा मंत्रालय तथा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग को प्रगति रिपोर्ट का प्रेषण।
- सीएसयू मुख्यालय में प्रत्येक तिमाही में नियमित राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक का आयोजन किया गया। कुलसचिव, सीएसयू की अध्यक्षता में संघ की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन के संबंध में विभिन्न मदों और मुख्यालय के विभिन्न विभागों और परिसरों की हिंदी रिपोर्ट पर विश्लेषणात्मक विस्तृत चर्चा की गई।
- प्रत्येक तिमाही में राजभाषा हिन्दी कार्यशाला का आयोजन गया। इन कार्यशालाओं में कार्मिकों को सूचना प्रोद्योगिकी के माध्यम से वॉयस टाइपिंग और अनुवाद आदि का प्रशिक्षण दिया गया।
- राजभाषा विभाग,गृह मंत्रालय, शिक्षा मंत्रालय और विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर जारी आदेशों और निर्देशों आदि का अनुपालन सुनिश्चित किया गया।
- प्रत्येक वर्ष सीएसयू मुख्यालय और परिसरों में राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय ,शिक्षा मंत्रालय के दिशानिर्देशों के अनुसार हिंदी दिवस मनाया जाना और "हिंदी पखवाड़ा -2024" के दौरान विभिन्न हिंदी प्रतियोगिताओं अर्थात् हिंदी राजभाषा ज्ञान,हिंदी टिप्पण एवं प्रारूप लेखन तथा हिंदी श्रुतलेख प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया ताकि कार्मिकों में राजभाषा हिंदी में कार्यनिष्पादित करने में "प्रेरणा और प्रोत्साहन मन्त्र" की सार्थकता को उनके पूर्ण उत्साह को बनाए रखने में व्यावहारिक वातावरण सृजित किया गया।

- हिंदी पखवाड़ा -2024 का "संपूर्ति समारोह" आयोजित किया गया। माननीय कुलपति, सीएसयू द्वारा पुरस्कार विजेताओं को प्रमाणपत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया और सभी कार्मिकों को उत्साहवर्धक संबोधन से हिंदी में शत-प्रतिशत कार्यनिष्पादन करने के लिए प्रेरित किया।
- राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा आयोजित हिंदी दिवस और अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलनों में सीएसयू मुख्यालय और परिसरों के कार्मिकों द्वारा प्रतिभागिता सुनिश्चित की गई और विभिन्न सत्रों में विशेषज्ञों द्वारा दिए गए व्याख्यानों से लाभान्वित हुए और सीएसयू मुख्यालय और परिसरों में उनका कार्यान्वयन किया।
- सीएसयू मुख्यालय के लखनऊ परिसर का राजभाषा हिंदी संबंधी निरीक्षण किया गया और इसी दौरान "हिंदी कार्यशाला" में निरीक्षणकर्ता वरिष्ठ परामर्शदाता (राजभाषा/विधि) द्वारा उनके व्याख्यान में संघ की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन के संबंध में मुख्य बातों के साथ-साथ मार्गदर्शन भी प्रदान किया गया।
- राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय द्वारा जारी वार्षिक कार्यक्रम में निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने का पूर्णत: सतत प्रयास।

4.2 परिसरों के क्रियाकलाप

परिसरों की एक झलक

श्रीरणवीर परिसर, जम्मू
वेदव्यास परिसर, बलाहर
मुख्यालय, दिल्ली
श्री रघुनाथकीर्ति परिसर, देवप्रयाग
लखनऊ परिसर, लखनऊ
जयपुर परिसर, जयपुर
श्रीगंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज
भोपाल परिसर, भोपाल
एकलव्य परिसर, अगरतला
श्रीसदाशिव परिसर, पुरी
के.जे.सौमैय्या परिसर, मुम्बई
डेक्कन कॉलेज, पूना
श्री राजीव गांधी परिसर, शृंगेरी
गुरुवायूर परिसर, त्रिचूर
LADAKH
Srinagar
Leh
JAMMU & KASHMIR
Jammu
HIMACHAL PRADESH
PUNJAB
Shimla
CHANDIGARH
UTTARAKHAND
HARYANA
DELHI
NEPAL
SIKKIM
Gangtok
BHUTAN
ARUNACHAL PRADESH
Itanagar
Jaipur
RAJASTHAN
BIHAR
Patna
Dispur
ASSAM
NAGALAND
Shillong
MEGHALAYA
Kohima
Imphal
BANGLADESH
MANIPUR
JHARKHAND
WEST BENGAL
Agartala
TRIPURA
Aizawl
MIZORAM
Ranchi
Kolkata
Gandhinagar
GUJARAT
Bhopal
MADHYA PRADESH
CHHATTISGARH
Raipur
Daman
MAHARASHTRA
Mumbai
TELANGANA
Hyderabad
Amaravati
Yanam (Puducherry)
Panaji
GOA
ANDHRA PRADESH
NATAKA
Bengaluru
Chennai
Mahe (Puducherry)
PUDUCHERRY
KERALA
TAMIL NADU
Karaikal (Puducherry)
Thiruvananthapuram
SRI LANKA

4.2 परिसरों के क्रियाकलाप

4.2.1 श्री गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज (उत्तरप्रदेश)

गंगानाथझानुसन्धानसंस्थानशिलान्यासः (फरवरी १३, १९४५)

1. परिचय –

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,गङ्गानाथ झा परिसर का इतिहास 17 नवम्बर, 1943 ई. से प्रारम्भ होता है, जो अपने पूर्वरूप में गङ्गानाथ झा शोधसंस्थान के रूप में स्थापित किया गया था।गङ्गा, यमुना एवं सरस्वती के पावन तट पर बसे तीर्थराज प्रयाग के सुरम्य भू-भाग पर सर गङ्गानाथ झा शोध-संस्थान की स्थापना 17 नवम्बर, 1943 ई. को महामना पं. मदनमोहनमालवीय, डॉ. सर तेजबहादुर सप्रू, डॉ. भगवानदास, डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन्, न्यायमूर्ति श्री कमलाकान्त वर्मा, डॉ. गोपीनाथ कविराज, डॉ. अमरनाथ झा, डॉ. ईश्वरी प्रसाद, डॉ. बाबूराम सक्सेना, ले.गवर्नर आदित्यनाथ झा एवं उनके अनुयायियों, शिष्यों एवं विभिन्न पारिवारिक व्यक्तियों के द्वारा डॉ. गङ्गानाथ झा जी की द्वितीय पुण्यतिथि के अवसर पर हिन्दू हॉस्टल, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज में की गयी थी।

17 नवम्बर 1943 के दिन गङ्गानाथ झा शोधसंस्थान के उद्घाटन के अवसर पर महामना पं. मदनमोहन मालवीय जी ने अपने उद्घाटन भाषण में कहा था कि -

"There is need for more than one centre like the one you are proposing to erect here. I hope and pray that your efforts may be crowned with success and that you may be able really to build up an active centre of research for ancient Sanskrit learning and other oriental languages. Knowledge is universal and it ought to be popularised. We hope that this centre will be a means of creating such and other centres."

"To the students of Sanskrit, there can not be a better ideal for inspiration than an Institute of this kind created in memory of Dr. Ganganath Jha."

म.म. डॉ. उमेश मिश्र के प्रयत्न से उ.प्र. सरकार द्वारा कम्पनी बाग के चन्द्रशेखर आजाद पार्क में भूमि प्राप्त होने पर, इस भवन का शिलान्यास 13.02.1945 को उ.प्र. के तत्कालीन राज्यपाल सर मारिस हैलेट के करकमलों द्वारा सम्पन्न हुआ।

सर मॉरिस ने बड़े भाव-भीने शब्दों में कहा कि डॉ. झा किसी प्रदेश-विशेष से सम्बन्धित न होकर पूरे राष्ट्र के थे। प्रयाग के प्रति उनके लगाव को देखते हुये यह बहुत उचित है कि उनकी स्मृति में यहाँ एक शोध संस्थान बने जहाँ से उनके अवशिष्ट कार्य को गति मिले।

डॉ. बाबूराम सक्सेना, डॉ. ईश्वरी प्रसाद, डॉ. एस.पी. चतुर्वेदी एवं पं. के.सी. चट्टोपाध्याय इस समिति में थे। इस समय तक शोध संस्थान का प्रमुख कार्य 'जर्नल' का प्रकाशन रहा।

इसके प्रथम अध्यक्ष डॉ. सर तेजबहादुर सप्रू (1943-49) थे। उसके बाद डॉ. भगवानदास (1949-59) तथा डॉ. एस.राधाकृष्णन् (1959-63), न्यायमूर्ति श्री कमलाकान्त वर्मा (1963-65), एवं डॉ. गोपीनाथ कविराज (1965-71) रहे।

उपाध्यक्ष के रूप में डॉ. अमरनाथ झा, डॉ. आदित्यानाथ झा, डॉ. ईश्वरी प्रसाद और डॉ. बाबूराम सक्सेना इस संस्था में अपना योगदान देते रहे। प्रारम्भ से 1967 तक संस्थान के सचिव डॉ. उमेश मिश्र रहे।

महामहोपाध्याय डॉ. पी.वी. काणे, सर सर्वपल्ली राधाकृष्णन्, डॉ. एफ.डब्ल्यू. थॉमस (ऑक्सफोर्ड), प्रो. फैंकलीन एडगर्टन (न्यूयार्क), मौलवी सईद सुलेमान नकवी (आजमगढ़) और प्रो. मोहम्मद सफी इसके सम्मानित सदस्य रहे। श्री गोपालस्वरूप पाठक, डॉ. धीरेन्द्र वर्मा, सर एस. वरदाचारी, जस्टिस रघुबर दयाल, एस.सी.दवे और सर सीताराम इसके आजीवन सदस्य रहे। इन विद्वानों के वरदहस्त से इस संस्था की निरन्तर गौरव-वृद्धि होती रही।

1 अप्रैल, 1971 को राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान वर्तमान में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा इसका अधिग्रहण अपने अङ्गीभूत विद्यापीठ के रूप में किया गया। तब से यह 'गङ्गानाथ झा केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ' के नाम से जाना गया। सन् 2002 में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान के मानित विश्वविद्यालय बनने के पश्चात् इसका नामकरण राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान,'गङ्गानाथ झा परिसर' हुआ। तदुपरान्त 2020 से केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय गङ्गानाथ झा परिसर के नाम से यह संस्था प्रगति पथ पर अग्रसर है।

गङ्गानाथ झा परिसर के विकास का बिन्दुवार क्रम

- 1943 से 1971 तक इस संस्थान को गंगानाथ झा शोध संस्थान के नाम से जाना जाता था।
- राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान द्वारा अधिगृहीत करने के बाद इस संस्थान को 1971 से 2002 तक गंगानाथ झा केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ के रूप में जाना जाता था।
- 2002 में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान एक मानित–विश्वविद्यालय बन गया, जिसके बाद यह राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, गंगानाथ झा परिसर के रूप में प्रसिद्ध हुआ।
- 2020 में राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित–विश्वविद्यालय) संसद के एक अधिनियम द्वारा केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय बन गया, जिसके बाद इसे केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गंगानाथ झा परिसर के रूप में जाना जाता है।

2. परिसर की अवस्थिति –

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
गंगानाथ झा परिसर
आज़ाद पार्क, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश, 211002.
फोन-0532-2460957
ई-मेल-director-prayagraj@csu.co.in अन्तर्जाल- www.csu-prayagraj.res.in

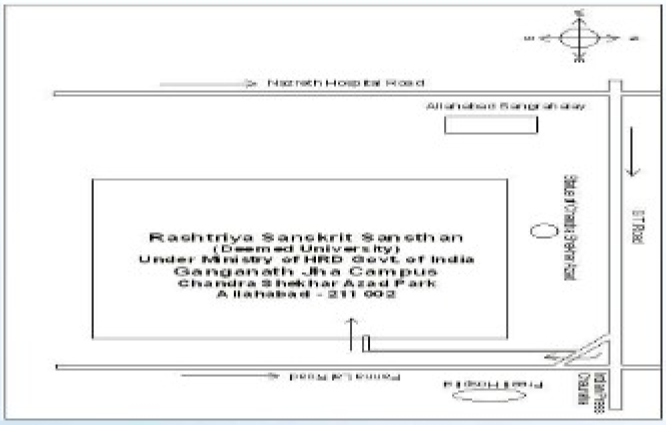

यह परिसर चन्द्रशेखर आजाद पार्क इण्डियन प्रेस चौराहा के निकट स्थित है। इसके उत्तर में पन्नालाल रोड, जवाहर लाल नेहरू रोड तथा पीछे इलाहाबाद संग्रहालय, कमलानेहरू रोड है। यह परिसर सिविल लाइन्स बस अड्डे से 3 कि.मी. पर तथा प्रयागराज रेलवे स्टेशन से 5 कि.मी. तथा बमरौली प्रयागराज एयरपोर्ट से 15 कि.मी. दूरी पर स्थित है।

3. परिसर की अवसंरचना

पुस्तकालय- परिसर में एक विशाल पुस्तकालय है जिसमें 56475 भोजपत्रीय पाण्डुलिपियाँ है। यहां अधिकाधिक 150 लोगो के बैठने की उत्तम व्यवस्था है, यहां अध्येता शास्त्राध्ययन के साथ–साथ आधुनिक ग्रन्थों का भी अध्ययन करते है। यहां प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए अनेक पत्र-पत्रिकाएँ उपलब्ध रहती है। यहां शान्त वातावरण पठन-पाठन के अनुकूल है।

प्रशासनिक भवन- परिसर में शासकीय कार्यों के लिए एक सुन्दर भवन है।
इसके चहुँ ओर सुन्दर उपवन विद्यमान है जो इसकी शोभा में वृद्धि करता है।

संगणक प्रयोगशाला-परिसर में शोधार्थियों के लिए अनेक उपकरणों से सुसज्जित एक संगणक प्रयोगशाला है।

4. मुख्य गतिविधियाँ

परिसर द्वारा आयोजित अन्य मुख्य गतिविधियों का विवरण

गंगानाथ झा परिसर द्वारा संचालित अन्य मुख्य गतिविधियाँ

01. 15 दिवसीय राष्ट्रीय पुनश्चर्या कार्यक्रम- 24.05.2024 से 07.06.2024

मुख्य वक्ता - प्रो. विनीत चैतन्य, आई.आई.आई.टी., हैदराबाद
अध्यक्ष – प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक
संयोजक – डॉ. सोमा पाल, आई.आई.आई.टी. हैदराबाद एवं डॉ. सुखदा, आई.आई.आई.टी. (बी.एच.यू.)

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, शोध एवं विकास प्रकोष्ठ, गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज के द्वारा दिनाङ्क 24.05.2024 से 07.06.2024 पर्यन्त 15 दिवसीय राष्ट्रीय पुनश्चर्या का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्यवक्ता के रूप में प्रो. विनीत चैतन्य, आई.आई.आई.टी., हैदराबाद उपस्थित हुए। अध्यक्ष के रूप में प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक-गङ्गानाथ झा परिसर, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, प्रयागराज, संयोजक के रूप में प्रो. देवदत्त सरोदे, शोध एवं विकास प्रकोष्ठ, के.सं.वि.वि., गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज तथा संयोजक डॉ. सोमा पाल, आई.आई.आई.टी हैदराबाद और डॉ. सुखदा, आई.आई.आई.टी. (बी.एच.यू.) वाराणसी समुपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी, माननीय कुलपति, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली ने की।

02.भारतीय अनुसन्धान पद्धति, द्वि दिवसीय कार्यशाला - 15.06.2024-16.06.2024

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, शोध एवं विकास प्रकोष्ठ, गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज एवं कर्नाटक संस्कृत विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्त्वावधान में दिनाङ्क 15.06.2024 से 16.06.2024 पर्यन्त भारतीय अनुसन्धान पद्धति, त्रिदिवसीय कार्यशाला का आयोजन बेंगलुरु में सम्पन्न हुआ। इस कार्यशाला में भारत के विभिन्न स्थानों से विद्वान् उपस्थित हुए। कार्यशाला में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति एवं कर्नाटक संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति भी उपस्थित रहे।

03. विचारगोष्ठी एवं पुस्तक लोकार्पण- 12.07.2024

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, शोध एवं विकास प्रकोष्ठ, गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज के द्वारा दिनाङ्क 12.07.2024 को विचारगोष्ठी एवं पुस्तक लोकार्पण का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में माननीय न्यायमूर्ति श्री राहुल चतुर्वेदी, न्यायमूर्ति- उच्च न्यायालय, प्रयागराज, मुख्यवक्ता के रूप में श्री वीरेन्द्र पाठक- वरिष्ठ पत्रकार एवं समाजसेवी, प्रयागराज; सारस्वतातिथि के रूप में प्रो. के.बी. पाण्डेय- भूतपूर्व अध्यक्ष लोक सेवा आयोग उ.प्र.;

विशिष्टातिथि के रूप में श्री दीपेन्द्र यादव, अपर नगर आयुक्त, प्रयागराज उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संयोजन प्रो. देवदत्त सरोदे, संयोजक- शोध एवं विकास प्रकोष्ठ, के.सं.वि.वि., गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक, गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि. प्रयागराज ने किया।

04. Book Talk On – Colonial Discource and the Suffering of Indian Hindu Children - 18.07.2024

मुख्य वक्ता - डॉ. कृष्ण माहेश्वरी, संस्थापक, हिन्दूपीडिया

अध्यक्ष – प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक

संयोजक - प्रो. देवदत्त सरोदे, सह निदेशक एवं संयोजक, शोध विकास प्रकोष्ठ

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, शोध एवं विकास प्रकोष्ठ, गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज के द्वारा दिनाङ्क 18.07.2024 को Book Talk On – Colonial Discource and the Suffering of Indian Hindu Children चर्चासत्र का आयोजन किया गया। इस आयोजन में मुख्यवक्ता के रूप में कृष्ण महेश्वरी, संस्थापक- हिन्दू पीडिया उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम का संयोजन प्रो. देवदत्त सरोदे, संयोजक- शोध एवं विकास प्रकोष्ठ, के.सं.वि.वि., गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक- गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि. प्रयागराज ने किया।

05. संस्कृत सप्ताह महोत्सव एवं पुरस्कार वितरण समारोह-14.08.2024 – 23.08.2024

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, शोध एवं विकास प्रकोष्ठ, गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज के द्वारा दिनाङ्क 14.08.2024 से 23.08.2024 पर्यन्त संस्कृत सप्ताह महोत्सव एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में श्री बृजेश कुमार मिश्र- पुलिस अधीक्षक सुल्तानपुर, सारस्वतातिथि के रूप में प्रो. हरिदत्त शर्मा, पूर्व अध्यक्ष, संस्कृत विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संयोजन प्रो. देवदत्त सरोदे, संयोजक- शोध एवं विकास प्रकोष्ठ, के.सं.वि.वि., गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक- गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि. प्रयागराज ने किया।

06. विचारगोष्ठी-संस्कृत भारतीयज्ञानपरम्परा (संस्कृत सप्ताह महोत्सव)- 16.08.2024

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, शोध एवं विकास प्रकोष्ठ, गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज के द्वारा दिनाङ्क 16.08.2024 को संस्कृत भारतीय ज्ञान परम्परा (संस्कृत सप्ताह महोत्सव) विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी में मुख्यातिथि के रूप में प्रो. के.बी. पाण्डेय- भूतपूर्व अध्यक्ष लोक सेवा आयोग, उ.प्र., सारस्वतातिथि के रूप में प्रो. हरिदत्त शर्मा, पूर्व अध्यक्ष, संस्कृत विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज, विशिष्टातिथि के रूप में प्रो. लक्ष्मीकान्त मिश्र, आचार्य एवं अधिष्ठाता- एम.एन.एन.एन.आई.टी., प्रयागराज उपस्थित रहे। संगोष्ठी का संयोजन प्रो. देवदत्त सरोदे, संयोजक- शोध एवं विकास प्रकोष्ठ, के.सं.वि.वि., गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज ने किया। संगोष्ठी की अध्यक्षता प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक- गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि. प्रयागराज ने किया।

07. सत्र- 2022-23 के वेद, व्याकरण, धर्मशास्त्र, पाण्डुलिपि एवं पुराणेतिहास के शोधच्छात्रों का शोध प्रस्ताव समीक्षण - 03.09.2024 से 05.09.2024 तक

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, शोध एवं विकास प्रकोष्ठ, गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज के द्वारा दिनाङ्क 10.09.2024 को सत्र 2022-23 के वेद, व्याकरण, धर्मशास्त्र, पाण्डुलिपि एवं पुराणेतिहास के शोधच्छात्रों के शोध शीर्षक एवं विषय निर्धारण हेतु ऑनलाइन उपवेशन का आयोजन किया गया। इस उपवेशन में बाह्य विशेषज्ञ के रूप में प्रो.

मल्हार कुलकर्णी, प्रो. अम्बा कुलकर्णी, प्रो. गोपबन्धु मिश्र, प्रो. वाचस्पति शर्मा त्रिपाठी एवं प्रो. सन्निधान सुदर्शन शर्मा उपस्थित रहे। उपवेशन का संयोजन प्रो. देवदत्त सरोदे, संयोजक- शोध एवं विकास प्रकोष्ठ, के.सं.वि.वि., गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज ने किया तथा सह-संयोजन, डॉ. धीरज कुमार मिश्र ने किया। उपवेशन की अध्यक्षता प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक- गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि. प्रयागराज ने किया।

08. सत्र- 2022-23 के वेद, व्याकरण, धर्मशास्त्र, पाण्डुलिपि एवं पुराणेतिहास के शोधच्छात्रों का शोध प्रस्ताव समीक्षण - 10.09.2024

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, शोध एवं विकास प्रकोष्ठ, गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज के द्वारा दिनाङ्क 10.09.2024 को सत्र 2022-23 के वेद, व्याकरण, धर्मशास्त्र, पाण्डुलिपि एवं पुराणेतिहास के शोधच्छात्रों के शोध शीर्षक एवं विषय निर्धारण हेतु ऑनलाइन उपवेशन का आयोजन किया गया। इस उपवेशन में बाह्य विशेषज्ञ के रूप में प्रो. मल्हार कुलकर्णी, प्रो. अम्बा कुलकर्णी, प्रो. गोपबन्धु मिश्र, प्रो. वाचस्पति शर्मा त्रिपाठी एवं प्रो. सन्निधान सुदर्शन शर्मा उपस्थित रहे। उपवेशन का संयोजन प्रो. देवदत्त सरोदे, संयोजक- शोध एवं विकास प्रकोष्ठ, के.सं.वि.वि., गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज ने किया तथा सह-संयोजन, डॉ. धीरज कुमार मिश्र ने किया। उपवेशन की अध्यक्षता प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक- गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि. प्रयागराज ने किया।

09. 'अध्यात्म द्वारा स्वस्थ समाज की परिकल्पना' विचारगोष्ठी - 14.09.2024

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, शोध एवं विकास प्रकोष्ठ, गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज के द्वारा दिनाङ्क 14.09.2024 को 'आध्यात्म द्वारा स्वस्थ समाज की परिकल्पना' इस विषय पर विचारगोष्ठी का आयोजन किया गया। विचारगोष्ठी में मुख्यातिथि के रूप में डॉ. अशोक कुमार वार्ष्णेय- राष्ट्रिय संगठन सचिव, आरोग्य भारती, विशिष्टातिथि के रूप में डॉ. देवेन्द्र प्रताप सिंह, सचिव, हिन्दुस्तान एकेडमी, प्रयागराज तथा डॉ. एस.एन. शंखवार, निदेशक- चिकित्सा विज्ञान संस्थान, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी उपस्थित रहे। विचारगोष्ठी का संयोजन प्रो. देवदत्त सरोदे, संयोजक- शोध एवं विकास प्रकोष्ठ, के.सं.वि.वि., गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज ने किया। विचारगोष्ठी की अध्यक्षता प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक- गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि. प्रयागराज ने किया।

10. सत्र 2022-23 के दर्शनशास्त्र के शोधच्छात्रों का शोध प्रस्ताव समीक्षण - 23.09.2024 - 25.09.2024

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, शोध एवं विकास प्रकोष्ठ, गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज के द्वारा दिनाङ्क 23.09.2024 से 25.09.2024 पर्यन्त सत्र 2022-23 के दर्शनशास्त्र के शोधच्छात्रों के शोध शीर्षक एवं विषय निर्धारण हेतु ऑनलाइन उपवेशन का आयोजन किया गया। इस उपवेशन में बाह्य विशेषज्ञ के रूप में प्रो. रामनाथ झा, आचार्य, प्राच्य विद्या अध्ययन संस्थान, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली; प्रो. मधुसूदन पेन्ना, आचार्य- दर्शन विभाग, कविकुलगुरु कालिदास संस्कृत विश्वविद्यालय, नागपुर एवं डॉ. राजीव लोचन शर्मा, अध्यक्ष- दर्शन विभाग, कुमारभास्कर वर्मा संस्कृत एवं पुरातन अध्ययन विश्वविद्यालय, असम तथा आन्तरिक विषय-विशेषज्ञ के रूप में प्रो. विजयपाल शास्त्री, आचार्य- साहित्यशास्त्र विद्याशाखा, श्रीरघुनाथकीर्ति परिसर, देवप्रयाग उपस्थित रहे। उपवेशन का संयोजन प्रो. देवदत्त सरोदे, संयोजक- शोध एवं विकास प्रकोष्ठ, के.सं.वि.वि., गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज ने किया। कार्यशाला की अध्यक्षता प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक- गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि. प्रयागराज ने किया।

11. विद्यावारिधि/Ph.D. प्रवेश एवं शोध सम्बन्धित विषयों पर ऑनलाइन बैठक - 22.10.2024

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, शोध एवं विकास प्रकोष्ठ, गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज के द्वारा दिनाङ्क 22.10.2024 को विद्यावारिधि/पी.एच.डी. प्रवेश एवं शोध सम्बन्धित विषयों पर ऑनलाइन बैठक का आयोजन किया

गया। इस बैठक का संयोजन प्रो. देवदत्त सरोदे, संयोजक- शोध एवं विकास प्रकोष्ठ, के.सं.वि.वि., गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज ने किया। इस उपवेशन की अध्यक्षता प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक- गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि. प्रयागराज ने की।

12. माननीय कुलपति जी की अध्यक्षता में उपवेशन - 29.10.2024

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, शोध एवं विकास प्रकोष्ठ, गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज के द्वारा दिनाङ्क- 29.10.2024 को शोध एवं विकास प्रकोष्ठ के विविध विषयों पर चर्चा हेतु माननीय कुलपति जी की अध्यक्षता में उपवेशन सम्पन्न हुआ। जिसमें विभिन्न शैक्षणिक एवं प्रशासनिक विषयों पर माननीय कुलपति जी का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। इस उपवेशन में डॉ. मनीष जुगरान, प्रो. देवदत्त सरोदे एवं प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी उपस्थित रहे।

13. सत्र- 2020-21 एवं 2021-22 के शोधच्छात्रों का शोध प्रस्ताव समीक्षण - 06.11.2024

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, शोध एवं विकास प्रकोष्ठ, गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज के द्वारा दिनाङ्क 06.11.2024 को सत्र- 2020-21 एवं 2021-22 के शोधच्छात्रों का शोध प्रस्ताव समीक्षण का आयोजन किया गया। उक्त उपवेशन में बाह्य विशेषज्ञ के रूप में प्रो. शिवराम शर्मा, पूर्व अध्यक्ष, साहित्य विभाग, सं.वि.ध.वि.सं., काशी हिन्दू विश्वविद्याल, वाराणसी, उपस्थित रहे। आन्तरिक विषय-विशेषज्ञ के रूप में प्रो. रमाकान्त पाण्डेय, अधिष्ठाता- भाषा साहित्य संस्कृति विद्यास्थान एवं प्रो. विजयपाल शास्त्री, आचार्य- साहित्यशास्त्र विद्याशाखा, श्रीरघुनाथकीर्ति परिसर, देवप्रयाग उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम का सयोजन प्रो. देवदत्त सरोदे, संयोजक- शोध एवं विकास प्रकोष्ठ, के.सं.वि.वि., गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज ने किया। सह-संयोजक डॉ. धीरज कुमार मिश्र- शोध एवं विकास प्रकोष्ठ, के.सं.वि.वि., गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक- गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि. प्रयागराज ने किया।

14. भारतीय भाषा अभियान के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित एक दिवसीय विचार-विमर्श-कार्यशाला

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, शोध एवं विकास प्रकोष्ठ, गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज के द्वारा दिनाङ्क 09.11.2024 को भारतीय भाषा अभियान के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित एक दिवसीय विचार-विमर्श-कार्यशाला(संविधान की उद्देशिका की मीमांसा) का आयोजन किया गया। जिसमें विद्वान् के रूप में प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, डॉ. हरिहरन, श्रीकृष्णन वेंकट रमण, एडवोकेट जनरल अशोक मेहता उपस्थित रहे। कार्यशाला का संयोजन प्रो. देवदत्त सरोदे, संयोजक- शोध एवं विकास प्रकोष्ठ, के.सं.वि.वि., गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज ने किया। यह कार्यशाला दोनों के तत्त्वावधान में सम्पन्न हुआ।

15. सत्र- 2022-23 के साहित्यशास्त्र विद्याशाखा के शोधच्छात्रों का शोध प्रस्ताव समीक्षण–13-12-2024 से 17-12-2024

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, शोध एवं विकास प्रकोष्ठ, गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज के द्वारा दिनाङ्क 13-17-12-2024 को सत्र- 2022-23 के साहित्यशास्त्र विद्याशाखा के शोधच्छात्रों का शोध प्रस्ताव समीक्षण का आयोजन किया गया। उक्त उपवेशन में बाह्य विशेषज्ञ के रूप में प्रो. सदाशिव द्विवेदी, संस्कृत विभाग, कला संकाय, काशी हिन्दू विश्वविद्याल, वाराणसी, उपस्थित रहे। आन्तरिक विषय-विशेषज्ञ के रूप में प्रो. रमाकान्त पाण्डेय, अधिष्ठाता- भाषा साहित्य संस्कृति विद्यास्थान एवं प्रो. विजयपाल शास्त्री, आचार्य- साहित्यशास्त्र विद्याशाखा, श्रीरघुनाथकीर्ति परिसर, देवप्रयाग उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम का सयोजन प्रो. देवदत्त सरोदे, संयोजक- शोध एवं विकास प्रकोष्ठ, के.सं.वि.वि., गङ्गानाथ झा

परिसर, प्रयागराज ने किया। सह-संयोजन डॉ. शुभश्री दास ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक- गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि. प्रयागराज ने की।

16. सत्र- 2022-23 के शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा के शोधच्छात्रों का शोध प्रस्ताव समीक्षण 26-12-2024 से 27-12-2024

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, शोध एवं विकास प्रकोष्ठ, गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज के द्वारा दिनाङ्क 26-27-12-2024 को सत्र- 2022-23 के शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा के शोधच्छात्रों का शोध प्रस्ताव समीक्षण का आयोजन किया गया। उक्त उपवेशन में बाह्य विषय-विशेषज्ञ के रूप में प्रो. अरबिन्द झा, इग्नू, नई दिल्ली एवं प्रो. चाँद किरण सलूजा, निदेशक- संस्कृत संवर्धन प्रतिष्ठान, नई दिल्ली, आन्तरिक विषय-विशेषज्ञ के रूप में प्रो. लोकमान्य मिश्र, अधिष्ठाता- शिक्षाशास्त्र कौशल प्रशिक्षण विद्यास्थान एवं प्रो. वाई. एस. रमेश, आचार्य- शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा, जयपुर परिसर, जयपुर उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सयोजन प्रो. देवदत्त सरोदे, संयोजक- शोध एवं विकास प्रकोष्ठ, के.सं.वि.वि., गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज ने किया। सह-संयोजन डॉ. शुभश्री दास ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक- गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि. प्रयागराज ने की।

17. भारतीय ज्ञान प्रणाली अनुसन्धान केन्द्र के समुचित विकास हेतु विचारगोष्ठी (ऑनलाइन) -20-12-2024

गङ्गानाथ झा परिसर, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, प्रयागराज में स्थापित भारतीय ज्ञान प्रणाली अनुसन्धान केन्द्र के समुचित विकास हेतु भारत के विशिष्ट विद्वानों के साथ चर्चा सम्पन्न हुई। जिसमें निम्नलिखित विद्वान् उपस्थित हुए।

1. अध्यक्ष - प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज
2. सदस्य - प्रो. लक्ष्मीकान्त मिश्र, अधिष्ठाता- एम.एन.एन.आई.टी., प्रयागराज
3. सदस्य - प्रो. शिवानी, कर्नाटक संस्कृत विश्वविद्यालय, बेंगलुरु
4. सदस्य – श्री नरसिम्हन, संस्कृत संवर्धन प्रतिष्ठान, नई दिल्ली
5. सदस्य - डॉ. दीना नाथ शास्त्री, लखनऊ
6. सदस्य - प्रो. सुद्युम्न आचार्य, वेदवाणी वितान, सतना
7. सदस्य - प्रो. जी.सी. त्रिपाठी, चेन्नई
8. सदस्य - प्रो. चन्द्रगुप्त वर्णेकर, पूर्व प्राचार्य, कमिन्स महिला अभियान्त्रिकी महाविद्यालय, पुणे
9. सदस्य - प्रो. प्रशान्त पी. होले, लक्ष्मीनारायण इन्स्टीट्यूट ऑफ टेक्नालॉजी, नागपुर
10. सदस्य - प्रो. चाँद किरण सलूजा, संस्कृत संवर्धन प्रतिष्ठान, दिल्ली
11. सदस्य - डॉ. ओम प्रकाश कुलकर्णी, नासिक
12. सदस्य - प्रो. अनिलगौरी शेट्टी, आई.आई.टी. रुड़की
13. संयोजक - प्रो. देवदत्त सरोदे, शोध एवं विकास प्रकोष्ठ, गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज।

18. सत्र 2022-23 के व्याकरण, वेद, पुराण एवं धर्मशास्त्र विद्याशाखा के शोधच्छात्रों का शोध प्रस्ताव समीक्षण - 15-01-2025 से 16-01-2025

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, शोध एवं विकास प्रकोष्ठ, गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज के द्वारा दिनाङ्क- 15.01.2025 से 16.01.2025 को सत्र 2022-23 के व्याकरण, वेद, पुराण एवं धर्मशास्त्र विद्याशाखा के शोधच्छात्रों का शोध प्रस्ताव समीक्षण का आयोजन किया गया। उक्त उपवेशन में बाह्य विशेषज्ञ के रूप में शोधच्छात्रों के शोध शीर्षक एवं विषय निर्धारण हेतु ऑनलाइन उपवेशन का आयोजन किया गया। इस उपवेशन में बाह्य विशेषज्ञ के रूप में, प्रो. मल्हार कुलकर्णी आई.आई.टी., मुम्बई, प्रो. अम्बा कुलकर्णी संस्कृत अध्ययन विभाग हैदराबाद केन्द्रीय विश्विद्यालय, प्रो. मनोज

कुमार मिश्र वेद विभाग अध्यक्ष, गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज, प्रो. वाचस्पति शर्मा त्रिपाठी भूतपूर्व आचार्य धर्मशास्त्र विभाग दरभंगा, बिहार, प्रो. सन्निधान सुदर्शन शर्मा,भूतपूर्व कुलपति, श्री वेंकटेश्वर वैदिक विश्वविद्यालय, तिरुपति, प्रो. गोपबन्धु मिश्र संस्कृत विभाग, कला संकाय काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी, प्रो. पंकज कुमार व्यास अध्यक्ष, व्याकरण विभाग राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, तिरुपति आन्तरिक विषय-विशेषज्ञ के रूप में प्रो. विजयपाल शास्त्री, आचार्य साहित्य विभाग सम्मिलित रहे।

19. सत्र- 2022-23 के शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा के शोधच्छात्रों का शोध प्रस्ताव समीक्षण 18-12-2024 से 19-12-2024

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, शोध एवं विकास प्रकोष्ठ, गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज के द्वारा दिनाङ्क 18-19-12-2024 को सत्र- 2022-23 के शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा के शोधच्छात्रों का शोध प्रस्ताव समीक्षण का आयोजन किया गया। उक्त उपवेशन में बाह्य विषय-विशेषज्ञ के रूप में प्रो. अरबिन्द झा, इग्नू, नई दिल्ली एवं प्रो. चाँद किरण सलूजा, निदेशक- संस्कृत संवर्धन प्रतिष्ठान, नई दिल्ली, आन्तरिक विषय-विशेषज्ञ के रूप में प्रो. लोकमान्य मिश्र, अधिष्ठाता- शिक्षाशास्त्र कौशल प्रशिक्षण विद्यास्थान एवं प्रो. वाई. एस. रमेश, आचार्य- शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा, जयपुर परिसर, जयपुर उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सयोजन प्रो. देवदत्त सरोदे, संयोजक- शोध एवं विकास प्रकोष्ठ, के.सं.वि.वि., गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज ने किया। सह-संयोजन डॉ. शुभश्री दास ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक- गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि. प्रयागराज ने की।

20. सत्र 2022-23 के ज्योतिषशास्त्र विद्याशाखा के शोधच्छात्रों का शोध प्रस्ताव समीक्षण - 15.01.2025-16.01.2025

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,शोध एवं विकास प्रकोष्ठ, गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज के द्वारा दिनाङ्क- 15.01.2025 से 16.01.2025 को सत्र 2022-23 के ज्योतिषशास्त्र विद्याशाखा के शोधच्छात्रों का शोध प्रस्ताव समीक्षण का आयोजन किया गया। उक्त उपवेशन में बाह्य विशेषज्ञ के रूप में प्रो. रामनाथ झा, प्राच्य विद्याध्ययन केन्द्र, जवाहरलाल नेहरु विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, प्रो. मधुसूदन पेन्ना दर्शन विभाग, कवि गुलगुरु कालिदास संस्कृत विश्वविद्यालय, नागपुर, डॉ. राजीव लोचन शर्मा, न्याय विभागाध्यक्ष, कुमार भास्करवर्मा, संस्कृत एवं पुरातन अध्ययन विश्वविद्यालय, असम एवं आन्तरिक विषय-विशेषज्ञ के रूप में प्रो. विजयपाल शास्त्री, आचार्य साहित्य विभाग, श्रीरघुनाथकीर्ति परिसर देवप्रयाग उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम का संयोजन प्रो. देवदत्त सरोदे, संयोजक- शोध एवं विकास प्रकोष्ठ, के.सं.वि.वि., गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज ने किया। सह-संयोजक डॉ. शुभश्री दास ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक- गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि. ने की।

21. सत्र 2022-23 के दर्शनशास्त्र विद्याशाखा के शोधच्छात्रों का शोध प्रस्ताव समीक्षण - 17-19.02.2025 एवं 21.02.2025

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,शोध एवं विकास प्रकोष्ठ, गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज के द्वारा दिनाङ्क- 17.02.2025 से 19.02.2025 एवं 21.02.2025 तक सत्र 2022-23 के दर्शनशास्त्र विद्याशाखा के शोधच्छात्रों का शोध प्रस्ताव समीक्षण का आयोजन किया गया। उक्त उपवेशन में बाह्य विशेषज्ञ के रूप में प्रो. रामनाथ झा, प्राच्य विद्याध्ययन केन्द्र, जवाहरलाल नेहरु विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, प्रो. मधुसूदन पेन्ना दर्शन विभाग, कवि गुलगुरु कालिदास संस्कृत विश्वविद्यालय, नागपुर, डॉ राजीव लोचन शर्मा, न्याय विभागाध्यक्ष, कुमार भास्करवर्मा संस्कृत एवं पुरातन अध्ययन विश्वविद्यालय, असम एवं आन्तरिक विषय-विशेषज्ञ के रूप में प्रो. विजयपाल शास्त्री, आचार्य साहित्य विभाग, श्रीरघुनाथकीर्ति परिसर देवप्रयाग उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम का संयोजन प्रो. देवदत्त सरोदे, संयोजक- शोध एवं विकास

प्रकोष्ठ, के.सं.वि.वि., गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज ने किया। सह-संयोजक डॉ. शुभश्री दास ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक- गङ्गानाथ झा परिसर, के.सं.वि.वि. ने की।

22. राष्ट्रीय कार्यशाला - "भारतीय ज्ञान परंपरा में अनुसंधान" (18.03.2025 से 24.03.2025)

मुख्य अतिथि - प्रो. गयाचरण त्रिपाठी

विशिष्ट अतिथि - प्रो. प्रशान्त पी. होले (प्राचीन भारतीय विज्ञान की बहु आयामी प्रासंगिकता को रेखांकित किया),

प्रो. अम्बा कुलकर्णी ('शास्त्र अनुसंधान में आधुनिक तन्त्रज्ञान और साधन' विषय पर व्याख्यान),

प्रो. रामकृष्ण पेज्जातेय ('भारतीय गणित और ज्योतिष का वैश्विक प्रसृति' विषय पर व्याख्यान),

प्रो. गिरीन्द्र सिंह तोमर - 'आयुर्विज्ञान और कल्याणसंवर्धन' विषय पर व्याख्यान,

श्री कृष्णन् वेंकटरामन् (अधिवक्ता, चेन्नै) ने “Readings from the Dharmashastram- understanding best practices for judicial and social administration over ages” विषय पर आनलाईन माध्यम से व्याख्यान,

डॉ. टी.एस. कृष्णन् ने 'Importance of Inscriptions in understanding Indian History' विषय पर व्याख्यान. आर. नवीन ने 'धर्मशास्त्रीय विधिदर्शन' विषय पर व्याख्यान,

प्रो. सुद्युम्न आचार्य - 'प्राचीन गणित के सर्वमान्य सिद्धान्त' विषय पर व्याख्यान,

डॉ. वेङ्कटनारायण रामनाथन् - 'प्राचीन मध्यकालिक रसायन विज्ञान साहित्यिक पक्ष' विषय पर विस्तृत व्याख्यान,

प्रो. जयरामन् - 'योगविज्ञान और कल्याणसंवर्धन' एवं 36 प्रमुख तन्त्रयुक्तियों विषय पर व्याख्यान,

प्रो. अरविन्द झा - 'समग्रशिक्षा और बहुशास्त्रीय शिक्षा' विषय पर व्याख्यान,

प्रो. मोहन राघवन् - 'संस्कृत शास्त्रों में विज्ञान सम्बद्ध अनुसंधान विषय' पर अत्यंत रोचक और ज्ञानवर्धक व्याख्यान,

अध्यक्ष - प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी,

संयोजन – प्रो. देवदत्त सरोदे

भारतीय ज्ञान परंपरा केन्द्र, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गंगानाथ झा परिसर द्वारा आयोजित सप्त दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला के उद्घाटन सत्र का आयोजन अत्यंत गरिमामय और वैदिक वातावरण में सम्पन्न हुआ। कार्यशाला का विषय "भारतीय ज्ञान परंपरा में अनुसंधान" था, जिसमें देश के प्रतिष्ठित विद्वानों, शिक्षाविदों और शोधार्थियों ने सहभागिता की।

मुख्य अतिथि प्रो. गयाचरण त्रिपाठी ने प्राचीन भारतीय ज्ञान परंपरा का विश्व को अवदान विषय पर बोलते हुए इसके विविध आयामों पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने अनुसंधान की भारतीय पद्धतियों, शास्त्रीय ग्रंथों में निहित ज्ञान और आधुनिक अनुसंधान के लिए उनके उपयोग पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि गणित, संख्याओं का लेखन, ज्योतिष शास्त्र के अन्तर्गत ग्रह गति, सूर्य ग्रहण, चन्द्र ग्रहण के विषय मे अचूक गणन प्रक्रिया को प्रदान किया। भारतीय ज्ञान परंपरा प्रभाव विकसित नाना विद्यायें यथा - दर्शन, गणित, खगोलशास्त्र, आयुर्वेद, और अर्थशास्त्र, धर्मशास्त्र, चौसठ कला आदियों का प्रभाव भारत के बाहर पूर्व-पश्चिमी देशों के साहित्य मे देखा जा सकता है। कार्यशाला में कुल 25 सत्रों में विद्वानों ने अपने व्याख्यान प्रस्तुत किये।

5. प्रकाशन-

परिसरीय प्रोजेक्ट के अन्तर्गत सम्पादित पाण्डुलिपियों व अन्य ग्रन्थों का प्रकाशन

(ब) 'जर्नल ऑफ गंगानाथ झा परिसर' - भारतीय ज्ञान पर आधारित तथा प्राच्य अध्ययन से सम्बन्धित शोध जर्नल का प्रकाशन।

(स) 'उशती' – शास्त्र अध्ययन व संस्कृत अध्ययन पर आधारित शोध जर्नल का प्रकाशन।

6. उपलब्ध पाठ्यक्रम-

परिसर में प्रमुख रूप से शोधार्थियों का अध्ययन-अध्यापन सुचारु रूप से होता है। यहां निम्नविभागों में शोधकार्य होता है-

- वेद
- धर्मशास्त्र
- व्याकरण
- शिक्षाशास्त्र
- साहित्य
- पाण्डुलिपि तथा पुरालेखविज्ञान।

7. परिसर द्वारा आयोजित संगोष्ठी/कार्यशाला/व्याख्यानमाला

1. परिसर द्वारा आयोजित गोष्ठियों का विवरण – क्रम सं. 1 से 39 तक
2. परिसर द्वारा आयोजित व्याख्यानमाला/विशिष्ट व्याख्यानमाला – क्रम सं. 40 से 42

गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज द्वारा सत्र 2024-25 के अन्तर्गत आयोजित गोष्ठियों का विवरण

1. विकसित भारत 2047 एकदिवसीय विचार संगोष्ठी - 16.05.2024 विषय-

मुख्य वक्ता – श्री रमेश कुमार जी, प्रान्त प्रचारक
अध्यक्षता - प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक
संयोजक - प्रो. देवदत्त सरोदे, सह निदेशक

2. विचारगोष्ठी एवं पुस्तक लोकार्पण - 12.07.2024

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज एवं प्रयागविद्वत् परिषद् के संयुक्त तत्वावधान में आज दिनाङ्क 12.07.2024 को अपराह्ण में 3 बजे से विचारगोष्ठी एवं पुस्तक लोकार्पण कार्यक्रम साथ ही योगशिविर के उद्घाटन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के सम्माननीय कुलपति आचार्य श्रीनिवास वरखेडी महोदय के संरक्षकत्व में सम्पन्न हुए इस कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में माननीय न्यायमूर्त्ति श्री राहुल चतुर्वेदी महोदय, मुख्यवक्ता के रूप में वरिष्ठ पत्रकार एवं समाजसेवी श्री वीरेन्द्र पाठक महोदय, सारस्वतातिथि के रूप में उत्तर प्रदेश लोकसेवा आयोग के भूतपूर्व अध्यक्ष प्रो. के. बी. पाण्डेय महोदय, विशिष्टातिथि के रूप में अपर नगर आयुक्त, प्रयागराज श्री दीपेन्द्र यादव महोदय एवं अध्यक्ष के रूप में परिसर के निदेशक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी जी ने मञ्च की शोभा बढाई। इस कार्यक्रम में श्री पाठक जी द्वारा विरचित "प्रयागराज के वैदिक पौराणिक तीर्थ-माधव के स्थान" पुस्तक का लोकार्पण किया गया। योगशिविर का उद्देश्य एवं परिचय परिसर के योग प्रशिक्षक डॉ. अञ्जनी कुमार पुण्डरीक महोदय द्वारा किया गया। वैदिक मङ्गलाचरण एवं सरस्वती वन्दना की प्रस्तुति परिसर के शोधच्छात्रा सुश्री साधना एवं सुश्री सुधा ने किया। अतिथियों का स्वागत डॉ. मनीष जुगरान एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रो. अपराजिता मिश्रा द्वारा किया गया। कार्यक्रम का सञ्चालन डॉ. धीरज कुमार मिश्र द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में प्रयागराज के जाने माने विद्वान्, समाजसेवी, परिसर के समस्त अध्यापक, सभी सदस्य, शोधच्छात्र एवं अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

2. हिन्दी दिवस समारोह एवं वैज्ञानिक संगोष्ठी - 14.09.2024

दिनांक 14/09/2024 को अपराह्न 1.30 बजे केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज एवं विश्व आयुर्वेद मिशन के सयुक्त तत्त्वावधान में हिन्दी दिवस समारोह एवं वैज्ञानिक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम में वैदिक बटुकों द्वारा वैदिक मंगलाचरण, शोधछात्रा नम्रता सिंह द्वारा सरस्वती वंदना एवं डॉ. अवनीश पाण्डेय जी द्वारा धन्वंतरि वंदना प्रस्तुत किया गया। परिसर के निदेशक महोदय ने अतिथियों का वाचिक स्वागत किया। परिसर के शोध विकास प्रकोष्ठ के संयोजक प्रो. देवदत्त सरोदे जी ने स्वागत भाषण प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में समागत समस्त अतिथियों का परिचय एवं विषय प्रस्तुतिकरण विश्व आयुर्वेद मिशन के अध्यक्ष प्रो. गिरिन्द्र सिंह तोमर जी द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में विशिष्टातिथि के रूप में डॉ. शान्ति चौधरी, डॉ. राजकिशोर अग्रवाल एवं प्रो. एस.एन. शंखवार उपस्थित रहे। मुख्यातिथि का परिचय डॉ. आशीष कुमार त्रिपाठी द्वारा किया गया। मुख्यतिथि के रूप में डॉ. अशोक कुमार वार्ष्णेय जी उपस्थित रहे। परिसर के निदेशक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी जी ने अध्यक्षीय उद्बोधन दिया। उक्त कार्यक्रम में डॉ. अवनीश पाण्डेय को 'उत्कृष्ट सेवा' अवार्ड द्वारा सम्मानित किया गया। धन्यवाद ज्ञापन परिसर की अध्यपिका डॉ. शुभश्री दास द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन परिसर के पाण्डुलिपि संग्रहालय की अध्यक्षा डॉ. अश्विनी राजेश लंके द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में प्रयागराज के अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। इस अवसर में परिसर के कर्मचारी, अधिकारी एवं शोधछात्र उपस्थित रहे।

4. वेद पूजन महोत्सव - चतुर्वेद पारायण एवं वैदिक सङ्गोष्ठी - 22.09.2024

अध्यक्ष – प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक, गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज

संयोजन – प्रो. देवदत्त सरोदे, सहनिदेशक

दिनाङ्क 22.09.2024 को महर्षि भरद्वाज वेदविद्या समिति, प्रयागराज एवं केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज के संयुक्त तत्त्वावधान में वेद पूजन महोत्सव के अन्तर्गत चतुर्वेद पारायण एवं वैदिक सङ्गोष्ठी का आयोजन किया गया।

5. 'संविधान की उद्देशिका की मीमांसा' विषयक संगोष्ठी - 9.11.2024

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गङ्गानाथ झा परिसर और भारतीय भाषा अभियान काशी प्रांत इलाहाबाद हाई कोर्ट इकाई के संयुक्त तत्त्वावधान में 'संविधान की उद्देशिका की मीमांसा' विषयक संगोष्ठी का आयोजन गंगनाथ झा परिसर में दिनांक 9.11.2024 को किया गया।

6. "आहार एवं आसन के द्वारा स्वस्थ जीवन शैली विषय पर संगोष्ठी - 11-03-2025

मुख्य अतिथि - डॉ. अशोक कुमार वार्ष्णेय, राष्ट्रीय संगठन सचिव, आरोग्य भारती

मुक्य वक्ता – डॉ. अशोक कुमार वार्ष्णेय

अध्यक्ष – प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक

संयोजन – प्रो. अपराजिता मिश्रा, विभागाध्यक्षा-पाण्डुलिपि एवं हस्तलेख

आरोग्य भारती, विश्व आयुर्वेद मिशन एवं केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में गंङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज में वैज्ञानिक संगोष्ठी में मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित आरोग्य भारती के राष्ट्रीय संगठन सचिव डॉ. अशोक कुमार वार्ष्णेय सम्मिलित रहे। संगोष्ठी में आहार एवं आसन के द्वारा स्वस्थ जीवन शैली प्राप्त करने एवं स्वास्थ्य को बनाये रखने में अत्यधिक सारगर्भित एवं यथार्थ चर्चा हुई।

7. सरल मानक संस्कृत भाषा शिक्षण कार्यशाला – 05-08-2024

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के गंगानाथ झाल परिसर में स्थित भाषा विभाग द्वारा परिसरीय कर्मचारियों के लिए सरल मानक संस्कृत शिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यशाला में सभी कार्यालय कर्मचारियों ने एक माह तक संस्कृत संभाषण का अभ्यास किया। कार्यशाला में डॉ. मनीष जुगरान महोदय संस्कृत भाषा में अभ्यास कराया।

8. ई-ऑफिस पर कार्यशाला का आयोजन- 24-02-2025

मुख्य वक्ता – कुलसचिव प्रो. मुरलीकृष्णन् , केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
अतिथि – डॉ. अमृता कौर, के.सं.वि.
अध्यक्ष – प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी

9. राष्ट्रियकार्यशाला भारतीय ज्ञान परम्परा अनुसन्धानम् – 18-03-2025 से 24-03-2025

मुख्य वक्ता – प्रो. गयाचरण त्रिपाठी
मुख्य अतिथि – प्रो. हरिदत्त शर्मा
अध्यक्ष – प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी
संयोजक – प्रो. देवदत्त सरोदे

10. अष्टादशी परियोजना के अंतर्गत संस्कृत काव्य एवं टीकाओं का डिजिटलीकरण एवं TEI मार्कअप विषय पर पंचदिवसीय कार्यशाला का आयोजन - 25.03.2025

मुख्य वक्ता – प्रो. कनकलता दुबे, सेवानिवृत्ताचार्या, जगत तारन गर्ल्स डिग्री कॉलेज, प्रयागराज
अध्यक्ष – प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी
संयोजक – प्रो. अपराजिता मिश्रा

11. एक दिवसीय परिसंवाद कार्यक्रम 04.08.2024

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज एवं संस्कृत भारती के संयुक्त तत्त्वावधान में संस्कृत भाषा पर आधारित परिसंवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

12. महर्षि चरक जयन्ती समारोह – 14.08.2024

मुख्यवक्ता – डॉ. मंगलसिंह, प्राचार्य, यूनाइटेड इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज, प्रयागराज उपर्युक्त
मुख्य अतिथि – प्रो. अपराजिता मिश्रा एवं प्रो. गिरीन्द्र सिंह तोमर, अध्यक्ष, विश्व आयुर्वेद मिशन
संयोजक – प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी

13. संस्कृतसप्ताहमहोत्सवः 14.08.2024 से 23.08.2024

मुख्यातिथि – प्रो. के. वी. पाण्डेय, पूर्व अध्यक्ष, लोक सेवा आयोग
मुख्य वक्ता – प्रो. लक्ष्मीकान्त मिश्र, आचार्य एवं अधिष्ठाता, मोतीलाल नेहरू इंजीनियरिंग कालेज
अध्यक्ष – प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक
संयोजक – प्रो. देवदत्त सरोदे

14. संस्कृत सप्ताह महोत्सव के अन्तर्गत विद्यालय स्तरीय प्रतियोगिताओं का आयोजन-21.08.2024

15. संस्कृतसप्ताहमहोत्सवः महाविद्यालयस्तरीयच्छात्रस्पर्धा-22.08.2024

16. संस्कृतसप्ताहमहोत्सवः महाविद्यालयस्तरीयच्छात्रस्पर्धा में पुरस्कार वितरण कार्यक्रम एवं राष्ट्रीय विज्ञान दिवस - 23.08.2024

मुख्यातिथि	–	श्री बृजेश कुमार मिश्र, पुलिस-अधीक्षक, पुलिस प्रशिक्षण केन्द्र, सुल्तानपुर
अन्य वक्ता	–	श्री राजेशकान्त तिवारी, संगणक विशेषज्ञ, गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज
सरस्वती तिथि	–	प्रो. हरिदत्त सरोदे – पूर्व विभागाध्यक्ष, इलाहाबाद विश्वविद्यालय
अध्यक्ष	–	प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक
संयोजक	–	प्रो. अपराजिता मिश्रा

17. गङ्गानाथ झा परिसर एवं संस्कृत भारती के संयुक्ततत्त्वावधान में संस्कृत सप्ताह महोत्सव का सम्पूर्ति समारोह - 24.08.2024

मुख्यतिथि	–	श्री प्रमोद पंडित (क्षेत्र संगटन मंत्री, संस्कृतभारती, पूर्वी उत्तर प्रदेश)
अध्यक्ष	–	प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक
संयोजक	–	डॉ. मनीष जुगरान

18. पुस्तकालय एवं संग्रहालय प्रबन्धन विषय पर अन्तर्राष्ट्रीय परिसंवाद 21.11.2024

मुख्य अतिथि	–	प्रो. अचल पाण्ड्या, इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र नई दिल्ली
विशिष्ट अतिथि	–	प्रो. मोको, हेदर ब्राउन पुस्तकालय अध्यक्ष आस्ट्रेलियन लाइब्रेरी एसोसिएसन एवं सनीरा वीवी इन्डोनेशिया
अध्यक्ष	–	प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक
संयोजन	–	डॉ. श्याम सुन्दर पाण्डेय, प्रोफेशनल असिस्टेन्ट

19. संविधान दिवस एवं जनजातीय गौरव दिवस – 26.11.2024

मुख्य अतिथि	–	श्री प्रवीण कुमार गिरी, अपर महाधिवक्ता, उत्तर प्रदेश
मुख्य वक्ता	–	श्री राजेशकान्त तिवारी, संगणक विशेषज्ञ
अध्यक्ष	–	प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक
संयोजन	–	श्री राजेशकान्त तिवारी, संगणक विशेषज्ञ

20. भारतीय भाषा उत्सव - 8.12.2024

मुख्य अतिथि	–	श्री विनोद कुमार द्विवेदी, प्रसिद्ध ध्रुपद गायक और केन्द्रीय नाट्य अकादमी से सम्मानित
विशिष्ट अतिथि	–	डा. अशोक शुक्ला, रंगमंच निर्देशक
अध्यक्ष	–	प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक
संयोजन	–	प्रो. अपराजिता मिश्रा

21. राष्ट्रिय गणित दिवस - 22.12.2024

मुख्य वक्ता	–	आचार्य सुद्युम्न जी (निदेशक, वेदवाणी वितान)
अध्यक्ष	–	प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक
संयोजन	–	प्रो. देवदत्त सरोदे

22. भरद्वाज जयन्ती समारोह - 17.1.2025

मुख्य अतिथि	–	श्री सुधीर नारायण, पूर्व न्यायाधीश, उच्च न्यायालय
अध्यक्ष	–	प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक
संयोजन	–	प्रो. देवदत्त सरोदे

23. महर्षि भारद्वाज जयन्ती कार्यक्रम-18-01-2025
मुख्य अतिथि – श्री अमित पाल, उपाध्यक्ष, प्रयागराज विकास प्राधिकरण
विशिष्ट अतिथि – श्री वींरेन्द्र पाठक
अध्यक्ष – प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक
संयोजन – डॉ. मनीष जुगरान

24. महाकुम्भ छात्र संगम कार्यक्रम (जयपुर परिसर के छात्रों का आगमन)- 18-01-2025
अध्यक्ष – प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक
संयोजन – डॉ. सुरेश पाण्डेय, सह आचार्य

25. प्रयागराज प्रदर्शनी का आयोजन - 19-01-2025
मुख्य अतिथि – श्री बृजेश मिश्र
विशिष्ट अतिथि – श्री प्रभाकर त्रिपाठी
अध्यक्ष – प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक
संयोजन – श्री वींरेन्द्र पाठक, वरिष्ठ पत्रकार एवं समाजसेवी

26. महाकुम्भ छात्रसंगम में लखनऊ परिसर के छात्रों का परिसर आगमन, प्रभातफेरी का आयोजन एवं पदचालन- 20-01-2025
अध्यक्ष – प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक
संयोजन – डॉ. सुरेश पाण्डेय, सह आचार्य

27. वेदव्यास परिसर के छात्रों का महाकुम्भ छात्रसंगम में प्रतिभाग। पदचालन, पुस्तकालय में पाण्डुलिपियों का अवलोकन एवं तत्पश्चात् कुम्भ क्षेत्र में परिभ्रमण - 20-01-2025
मुख्य अतिथि – वेदव्यास परिसर के सम्मानित आचार्यगण
अध्यक्ष – प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक
संयोजन – डॉ. सुरेश पाण्डेय, सहआचार्य

28. नेता जी सुभाष चन्द्र जयन्ती समारोह - 23-01-2025
मुख्य अतिथि – भोपाल परिसर एवं वेदव्यास परिसर के सम्मानित आचार्यगण तथा छात्र
अध्यक्ष – प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक
संयोजन – डॉ. सुरेश पाण्डेय, सहआचार्य

29. गणतन्त्र दिवस समारोह - 26-01-2025
मुख्य अतिथि – प्रो. भारतभूषण मिश्र, भोपाल परिसर
अध्यक्ष – प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक
संयोजन – डॉ. सुरेश पाण्डेय, सहआचार्य

30. महाकुम्भ छात्रसंगम में नासिक परिसर के छात्रों का प्रतिभाग-31-01-2025
मुख्य अतिथि – नासिक परिसर के सम्मानित आचार्यगण तथा छात्र
अध्यक्ष – प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक
संयोजन – डॉ. सुरेश पाण्डेय, सहआचार्य

31. वसन्त पञ्चमी पूजनोत्सव (सरस्वती पूजन)- 3.2.2025

मुख्य वक्ता – प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी, कुलपति महोदय

मुख्य अतिथि – नासिक परिसर के सम्मानित आचार्यगण तथा छात्र

अध्यक्ष – प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक

संयोजन – डॉ. सुरेश पाण्डेय, सहआचार्य

32. कार्यक्रम - महाकुम्भे छात्रसंगमः - 6.2.2025

विषयः – श्री रघुनाथकीर्तिपरिसर के छात्रों का गंगानाथ झा परिसर में समागम।

मुख्य वक्ता – प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक महोदय

मुख्य अतिथि – श्री रघुनाथकीर्ति परिसर के सम्मानित आचार्यगण तथा छात्र

अध्यक्ष – प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक

संयोजन – डॉ. सुरेश पाण्डेय, सहआचार्य

33. कार्यक्रमः–महाकुम्भ में छात्रसंगमः - 12.2.2025

विषयः – श्री रणवीरपरिसरस्य गंगानाथझापरिसरे समागमः

मुख्य वक्ता – प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक महोदय

मुख्य अतिथि – श्री रणवीर परिसर के सम्मानित आचार्यगण तथा छात्र

अध्यक्ष – प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक

संयोजन – डॉ. सुरेश पाण्डेय, सहआचार्य

34. महाकुम्भ में छात्रसंगम - 20.2.2025

विषय – गुरुवायूर परिसर के छात्रों का गंगानाथझा परिसर में समागमः

मुख्य वक्ता – प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक महोदय

मुख्य अतिथि – गुरुवायूर परिसर के सम्मानित आचार्यगण तथा छात्र

अध्यक्ष – प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक

संयोजन – डॉ. सुरेश पाण्डेय, सहआचार्य

35. महाकुम्भ में छात्रसंगम - 20.2.2025

विषयः – श्रीसदाशिवपरिसर के छात्रों का गंगानाथझापरिसर में समागम।

मुख्य वक्ता – प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक महोदय

मुख्य अतिथि – श्री सदाशिव परिसर के सम्मानित आचार्यगण तथा छात्र

अध्यक्ष – प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक

संयोजन – डॉ. सुरेश पाण्डेय, सहआचार्य

36. अन्तर्राष्ट्रीय मातृ दिवस पर आयोजित कार्यक्रम - 22-02-2025

मुख्य वक्ता – प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक महोदय

प्रतिभागी – गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज के सम्मानित आचार्यगण तथा छात्र-छात्राएँ

अध्यक्ष – प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक

संयोजन – श्री राजेशकान्त तिवारी, संगणक विशेषज्ञ।

37. मुख्यालय के पदाधिकारियों, कर्मचारियों का प्रयागराज आगमन तथा महाकुम्भ में प्रतिभाग-24-02-2025

मुख्य अतिथि – प्रो. मुरलीकृष्ण, कुलसचिव

अध्यक्ष – प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक

संयोजन – डॉ. सुरेश पाण्डेय, सह आचार्य

38. महाकुम्भे छात्रसंगमः-24.2.2025

विषयः – एकलव्य परिसर के छात्रों का गंगानाथ झा परिसर में आगमन।

मुख्य अतिथि – एकलव्य परिसर के सम्मानित आचार्यगण एवं छात्रगण।

अध्यक्ष – प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक

संयोजन – डॉ. सुरेश पाण्डेय, सह आचार्य

39. आयुर्वेद पुस्तकों एवं पाण्डुलिपियों के सम्बन्ध में उपवेशन - दिनांक 19 अप्रैल 2024

मुख्य अतिथि – डॉ. पी.जी. प्रसाद, सहायक निदेशक प्रभारी, CCRAS

मुख्य वक्ता – डॉ. संतोष शांतिलाल माने, अनुसंधान अधिकारी

अध्यक्ष – प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक

संयोजन – डॉ. सुरेश पाण्डेय, सह आचार्य

आयुर्वेद से सम्बन्धित पुस्तकों को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली केंन्द्रीय आयुर्वेदिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (CCRAS) के मध्य हुए अनुबन्ध के अन्तर्गत विश्वविद्यालय के सभी परिसरों में, आदर्श शोध संस्थानों में तथा आदर्श महाविद्यालयों मं संरक्षित आयुर्वेद से संबंधित सभी पुस्तकों, पाण्डुलिपियों, पत्रिकाओं तथा शोध पत्रिकाओं का डिजिटाईजेशन का कार्य होना है। तत्पश्चात् इन सबका डिजिटल सूचीकरण, पाण्डुलिपियों के लिप्यन्तरण और सम्पादनादि के कार्य भी होने हैं। एतदर्थ राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान, हैदराबाद से डा. जी. पी. प्रसाद, सहायक निदेशक प्रभारी और डॉ. शांतिलाल माने, अनुसंधान अधिकारी (आयुर्वेद) का गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज में दिनांक 05/05/2025 से 07/05/2025 तक आगमन हुआ था।

गंगानाथ झा परिसर द्वारा आयोजित व्याखानमाला/विशिष्ट व्याख्यान

40. एक दिवसीय व्याख्यान कार्यक्रम-18-07-2024

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गङ्गानाथ झा परिसर, प्रयागराज द्वारा आज दिनांक 18/07/2024 को अपराह्न में 2:00 बजे से 'औपनिवेशिक विमर्श और हिंदू बच्चों की पीड़ा' विषय में व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में Hindupedia के संस्थापक एवं निदेशक श्री कृष्ण माहेश्वरी जी ने मुख्यवक्ता के रूप में मञ्च की शोभा बढाई। कार्यक्रम में परिसर के निदेशक महोदय प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी जी ने अध्यक्ष पद को समलंकृत किया। इस कार्यक्रम के संयोजक प्रो. देवदत्त सरोदे जी ने कार्यक्रम के विषय का प्रतिपादन किया। साथ ही आपने अतिथियों का वाचिक स्वागत किया। वैदिक मंगलाचरण की प्रस्तुति परिसर की शोधछात्रा सुश्री शिल्पा द्वारा किया गया। अतिथियों के प्रति धन्यवाद ज्ञापन डॉ. मोनाली दास द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ मनीष जुगरान द्वारा किया गया। कार्यक्रम में परिसर के समस्त आचार्यगण, सदस्यगण, शोधच्छात्र एवं अन्य संस्थाओं के विद्वान् उपस्थित रहे।

41. काव्यशास्त्रीयव्याख्यानमालायां विशिष्टं व्याख्यानं - ग्रन्थलोकार्पणकार्यक्रमश्च 27.08.2024

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गङ्गानाथ झा परिसर में इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पूर्व संस्कृत विभागाध्यक्ष प्रो. हरिदत्त शर्मा के संस्कृतकाव्य ग्रन्थ "काव्यचन्द्रिका" का लोकार्पण कार्यक्रम आयोजित किया गया। उक्त कार्यक्रम

में प्रयागराज के संस्कृत जगत के ख्यातिलब्ध साहित्यकार एवं शिक्षाविदों ने भाग ग्रहण किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर के निदेशक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी ने की। अतिथियों का स्वागत परिसर के साहित्य विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. जनार्दन प्रसाद पाण्डेय 'मणि' किया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संस्कृत के ख्यातिलब्ध साहित्यकार एवं कवि सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति पद्मश्री आचार्य अभिराजराजेन्द्र मिश्र एवं सारस्वतातिथि इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पूर्व विभागाध्यक्ष प्रो. हरिदत्त शर्मा रहे। प्रो. हरिदत्त शर्मा ने इस अवसर पर अपने काव्यग्रंथ की रचना से सम्बन्धित विभिन्न संस्मरणों का वर्णन करते हुए अपने काव्यग्रंथ "काव्यचन्द्रिका" की रचना में अपनी फ्रांस यात्रा को आधार बताया। ग्रन्थ की रचना से सम्बन्धित यात्रा का सजीव वर्णन किया। पुस्तक का लोकार्पण मुख्य अतिथि प्रो. अभिराजराजेन्द्र मिश्र, परिसर के निदेशक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, डा. रामकिशोर झा एवं प्रो. हरिदत्त शर्मा तथा प्रो. जनार्दन प्रसाद पाण्डेय के द्वारा सम्पन्न हुआ। मुख्य अतिथि प्रो. अभिराजराजेन्द्र मिश्र ने पुस्तक लोकार्पण की परम्परा को अति प्राचीन बताते हुए संस्कृत के प्रथम लोकार्पण का वर्णन करते हुए आचार्य भरत के नाट्यशास्त्र के प्रथम तीन अध्यायों को लोकार्पण की विस्तृत व्याख्या करने वाला बताया। पुस्तक के लोकार्पण के साथ आदि एवं वैदिक परम्परा को स्मरण करते हुए उन्होंने जीवन का आधार भाव एवं भक्ति को बताया। उन्होंने पुस्तक के सम्पादन में प्रो. हरिदत्त शर्मा के जुड़ने को विशिष्ट घटना बताते हुए उन्हें शुभकामनाएँ प्रदान की। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए परिसर के निदेशक प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी ने अपने संक्षिप्त किन्तु सारगर्भित वक्तव्य में "जो ऋषि नहीं वो कवि नहीं" के द्वारा प्रो. अभिराजराजेन्द्र मिश्र को ऋषि सदृश बताया। संस्कृत की प्राचीन परम्परा एवं समृद्धता के लिए परिसर में लिपि प्रशिक्षण के कार्यक्रम का उल्लेख करते हुए उन्होंने हस्तलेखों एवं भारतीय ज्ञान परम्परा को शोध हेतु प्रोत्साहित करने की व्याख्या की। धन्यवाद ज्ञापन एवं कार्यक्रम का संचालन डा. धीरज कुमार मिश्र ने किया। इस अवसर पर प्रो. देवदत्त सरोदे, प्रो. मनोज कुमार मिश्र, डॉ. सुरेश पाण्डेय, श्री राजेशकान्त तिवारी, श्री अञ्जनी कुमार पुण्डरीक, श्री संजय मिश्र, श्रीमती शुभश्री दास तथा परिसरीय अन्य कर्मचारी गण तथा शोधच्छात्र समुपस्थित रहे।

42. महर्षि अगस्त्य की सिद्ध चिकित्सा पद्धति पर विशेष व्याख्यान - 6.2.2025

मुख्य अतिथि – प्रो. रमेश कुमार पाण्डेय, श्री लाल बहादुर शास्त्री संस्कृत वि.वि.

मुख्य वक्ता – प्रो. मनोज कुमार मिश्र

अध्यक्ष – प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी, निदेशक

संयोजन – श्री राजेशकान्त तिवारी, संगणक विशेषज्ञ।

'सूचना का अधिकार' अधिनियम 2005 के अन्तर्गत प्राप्त/ उत्तरित पत्रों की संख्या -

(i) प्रार्थना पत्र प्राप्त - 03

(ii) उत्तर प्रेषित - 03

4.2.2 श्री सदाशिव परिसर, पुरी (ओड़िशा)

1. परिचय

श्रीसदाशिव परिसर, भारत सरकार के संसदीय अधिनियम द्वारा स्थापित केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के सभी द्वादश परिसरों में सर्वबृहद् परिसर है। श्री सदाशिव परिसर कालक्रम के अधीन पंडित हरिहर दास एवं पंडित सदाशिव मिश्र के द्वारा पाठशाला (टोल) से प्रारम्भ होकर वर्तमान में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के एक गौरवशाली परिसर के रूप में पुष्पित हो रहा है।

श्री सदाशिव परिसर में प्राक्शास्त्री से लेकर विद्यावारिधि तथा दूरस्थशिक्षा के पाठ्यक्रम संचालित किये जाते हैं और इन विविध शैक्षिक उपक्रमों में इस वर्ष 1244 छात्र-छात्राएँ नामांकित हैं। विश्वविद्यालय के इस परिसर में शैक्षिक एवं गैरशैक्षिक दायित्वों का निर्वहन कर रहे आचार्यों एवं कार्मिकों की संयुक्त संख्या 100 से अधिक है। वर्तमान समय में उपरोक्त शैक्षिक-उपक्रमों तथा प्रशासन के समुचित समन्वय से संस्कृत वाङ्मय एवं भाषा की निरन्तर वृद्धि हो रही है।

2. परिसर की स्थान

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,
श्री सदाशिव परिसर,पुरी, चंदन हजुरी मार्ग,
जनपद - पुरी, ओडिशा,
पिन संख्या - 752001,
ई-संकेत – director.puri@csu.co.in
आन्तर्जालिकपता www.csu-puri.edu.in
दूरभाष संख्या (06752) 223439

3. परिसर की अवसंरचना

छात्रावास- श्री सदाशिव परिसर संस्कृत अध्ययन के विकास के लिए अथक प्रयास कर रहा है। संस्कृत विद्या का विकास विद्यार्थियों की बढ़ती संख्या से ही होता है। छात्रों की प्राथमिक आवश्यकता भोजन और आवास की सुविधा है। अगर रहने-खाने की सुविधा हो जाये तो वे पढ़ाई में मन लगायेंगे। इस आवश्यकता को पूरा करने के लिए, श्री सदाशिव कैंपस पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए निःशुल्क छात्रावास सुविधाएं प्रदान कर रहा है। श्री सदाशिव परिसर में महर्षि वाल्मिकी छात्रावास (लड़कों का छात्रावास) और सुभद्रा महिला छात्रावास (महिला छात्रावास) हैं।

क्रीडा एवं व्यायामशाला-श्री सदाशिव कैंपस अपने छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए खेल और जिम सहित विभिन्न सुविधाएं प्रदान कर रहा है। इसमें कई प्रकार की खेल सुविधाएं हैं जो छात्रों की जरूरतों को पूरा करती हैं। परिसर में कुश्ती, बैडमिंटन, कबड्डी, वॉलीबॉल, एथलेटिक्स, शतरंज, टेबल टेनिस और अन्य खेलों की सुविधाएं हैं। बैडमिंटन खिलाड़ियों के लिए सिंथेटिक इनडोर कोर्ट और कबड्डी खिलाड़ियों के लिए सिंथेटिक मैट था। कुश्ती के लिए सिंथेटिक मैट भी मौजूद थे। पहलवानों और अन्य युद्ध स्पर्धाओं के खिलाड़ियों के विभिन्न आयु समूहों के प्रशिक्षण के लिए एक बहुउद्देश्यीय चटाई है। योग प्रशिक्षण के लिए एक योग कक्ष उपलब्ध है। परिसर में खो-खो मैदान भी उपलब्ध है। इसके अलावा छात्रों के लिए एथलेटिक्स स्पर्धाओं जैसे दौड़ना, कूदना, फेंकना और अन्य खेलों में प्रशिक्षण के लिए अधिक संसाधन उपलब्ध हैं। जयदेव हॉल के शीर्ष पर एक व्यायामशाला बनाई गई है। बॉयज हॉस्टल में कच्चा आउटडोर बैडमिंटन कोर्ट और फुटबॉल मैदान भी उपलब्ध था।

कम्प्यूटर प्रयोगशाला- श्री सदाशिव कैंपस में कंप्यूटर लैब्स सॉफ्टवेयर के माध्यम से छात्र-अनुकूल गतिविधियां प्रदान करने के लिए पूरी तरह सुसज्जित है। प्राक्शास्त्री और शास्त्री छात्रों के लिए कंप्यूटर शिक्षा अनिवार्य है और पाठ्यक्रम का अभिन्न अंग है। हमारे पास प्रौद्योगिकी से जुड़े सीखने के माहौल तक निगरानी पहुंच के लिए इंटरनेट सुविधा के साथ सबसे आधुनिक कंप्यूटर हैं।

ज्योतिष प्रयोगशाला-इस ज्योतिष प्रयोगशाला में विभिन्न उपकरण उपलब्ध हैं। जैसे खगोल विज्ञान के लिए गोल यंत्र, अज़ीमुथ यंत्र, चक्र यंत्र, कम्पास, हस्तरेखा विज्ञान का निरीक्षण करने के लिए लेंस, ग्रहण ज्ञान के लिए ग्रहण लिपि, रात के समय ग्रहों को देखने के लिए दूरबीन यंत्र, वर्षा मापने का यंत्र, पवन मापने का यंत्र, ग्रह भूकेन्द्रित सूर्यकेन्द्रित कक्षा क्रम, उच्च -ग्रहों का निम्न चार्ट, साइन गणित करने के लिए उपकरण, वास्तु ज्ञान के लिए वास्तु यंत्र आदि।

ग्रहवाटिका- केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय श्री सदाशिव परिसर ज्योतिष विभाग द्वारा निर्मित एक उद्यान है जहाँ नवग्रहों के वृक्ष लगे हुए हैं। जिसका उपयोग परिसर के सभी परिवारों के साथ-साथ समाज के हर वर्ग के लाभ के लिए किया जाएगा। दुष्ट ग्रहों की शांति के लिए उस पेड़ की जड़ में जल चढ़ा सकते हैं, परिक्रमा कर सकते हैं और पूजा कर सकते हैं। बिना सामान्य प्रयास के भी कोई व्यक्ति इस ग्रह वाटिका का सदुपयोग करके अपने अशुभ ग्रह के फलों से मुक्ति पा सकता है और शुभता प्राप्त कर सकता है।

मनोविज्ञान प्रयोगशाला- मनोविज्ञान प्रयोगशाला की भूमिका बी.एड./एम.एड. की समझ को समृद्ध/सुधारना है। छात्रों के बारे में:-

सीखने, सिखाने, विकास (विभिन्न पहलुओं), माप, मूल्यांकन और मूल्यांकन की कक्षा प्रक्रियाएं और छात्रों, शिक्षकों, प्रिंसिपल और प्रशासनिक कर्मचारियों, माता-पिता, समुदाय आदि सहित अन्य स्कूल कर्मियों की गतिशीलता।

4. मुख्य गतिविधियाँ

- शिक्षण
- आंतरिक मूल्यांकन
- परीक्षा का आयोजन
- नवीन अनुसंधान और अनुसंधान का मार्गदर्शन
- ट्यूटोरियल कक्षाएं और उपचारात्मक कक्षाएं
- नेट/OSTET के लिए कोचिंग
- हिन्दी बोलने और समझने के लिए संभाषण कक्षाएं
- संस्कृत बोलने और समझने के लिए संभाषण कक्षाएं
- अंग्रेजी बोलने और समझने के लिए संभाषण कक्षाएं
- बी.एड छात्रों के लिए इंटर्नशिप
- खेल-कूद और अन्य पाठ्येतर गतिविधियाँ

5. प्रकाशन

श्री सदशिव परिसर में गुणवत्तापूर्ण प्रकाशन की समृद्ध संस्कृति है। परिसर प्रतिवर्ष 'पौर्णमासी जर्नल' प्रकाशित करता है जबकि परिसर के सभी विभाग संबंधित विभागों की ओर से जर्नल प्रकाशित करते हैं।

6. उपलब्ध पाठ्यक्रम

केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालय, श्रीसदाशिव परिसर में अधोलिखित विभागों में प्राक्शास्त्री से विद्यावारिधि (12^{th} – Ph.d) तक अध्ययन-अध्यापन होता है।

वेद, वेदांग एवं वैदिक विज्ञानविद्यास्थान

1. ज्योतिष
2. व्याकरण

शास्त्रीय ज्ञान प्रणाली विद्यास्थान

1. धर्मशास्त्र

दर्शन विद्यास्थान

1. अद्वैत वेदांत
2. न्याय
3. सर्वदर्शन
4. सांख्ययोग

भाषा, साहित्य एवं संस्कृति विद्यास्थान

1. साहित्य
2. पुराणेतिहास

आधुनिक विषय विद्यास्थान

1. हिन्दी
2. उडिया
3. अंग्रेजी
4. इतिहास
5. कम्प्यूटर विज्ञान

शिक्षाशास्त्र विभाग

7. परिसर के द्वारा आयोजित संगोष्ठी, कार्यशाला तथा व्याख्यानमाला

- 20 अप्रैल को फिटनेस कार्यक्रम और समापन समारोह मनाया गया। इस अवसर पर परिसर के निदेशक प्रो. अतुल कुमार नंद, आधुनिक विभाग के विभागाध्यक्ष श्री दुर्गा प्रसाद दास महापात्र, विशिष्ट सूचना प्रसारण अधिकारी, श्री विश्वनाथ पण्डा उपस्थित थे। श्री विश्वनाथ मिश्रा ने धन्यवाद ज्ञापन किया।
- विश्व पर्यावरण दिवस प्रत्येक वर्ष 05 जून को मनाया जाता है। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के श्री सदाशिव परिसर, पुरी में इस वर्ष भी विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया, जिसमे पर्यावरण के महत्त्व एवं उसके विषय के बारे में परिसर के निदेशक प्रो. अतुल कुमार नन्द ने छात्र/छात्राओं को सारगर्भित जानकारी दी तथा परिसर के शिक्षक एवं कर्मचारियों के साथ वृक्षारोपण कर विश्व पर्यावरण दिवस मनाया गया।
- मेजर ध्यानचंद की स्मृति में *"राष्ट्रीय खेल दिवस"* का आयोजन किया गया। छात्रों और शिक्षकों के बीच शतरंज और मैत्रीपूर्ण क्रिकेट मैच आयोजित किए गए। यह प्रतियोगिता डॉ गौतम कुमार चौधरी द्वारा परिसर निदेशक प्रो अतुल कुमार नंद के देख-रेख में आयोजित की गई थी।

- हर साल की तरह इस साल भी 5 सितंबर को केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय श्री सदाशिव परिसर में शिक्षक दिवस बड़े ही उत्साह के साथ मनाया गया। यह उत्सव हमारे परिसर निदेशक आचार्य अतुल कुमार नंद के सफल मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। शिक्षक दिवस के अवसर पर छात्रों के लिए एक निबंध लेखन प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। इस कार्यक्रम में परिसर के विभिन्न विभागों के 35 छात्रों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता का विषय था: "*छात्रवत्सलःगुरुः*" (छात्रप्रेमी शिक्षक)। न केवल छात्रों, बल्कि शिक्षकों ने भी अपने गुरुओं को उनके गुणों का बखान करके याद किया। शिक्षक दिवस के समारोह के दिन पुरस्कार वितरण का आयोजन किया गया।
- 11 नवंबर को केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, श्री सदाशिव परिसर, पुरी द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा दिवस का आयोजन किया गया। स्वतंत्र भारत के प्रथम शिक्षा मंत्री, महान स्वतंत्रता सेनानी, भारत रत्न और प्रसिद्ध शिक्षाविद् मौलाना अबुल कलाम आज़ाद को याद करने के लिए। शिक्षा दिवस के संयोजक सहायक आचार्य डॉ. भाग्यसिंह गुर्जर और श्री रमाकांत सा थे। राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के अवसर पर परिसर के छात्रों के लिए *'मौलाना अबुल कलाम आज़ादवर्यस्य भारतीय शिक्षायामवदानम्'* विषय पर निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई।
- "महिला उत्पीड़न रोकथाम सप्ताह" के अवसर पर, श्री सदाशिव परिसर, पुरी में परिसर निदेशक, प्रो. अतुल कुमार नंद की देखरेख में एक कार्यशाला का आयोजन किया, जिसमें सभी शिक्षक और गैर-शिक्षक महिलाएं एकत्रित हुईं और अपने-अपने दृष्टिकोण से विषय को प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का समन्वयन प्रो. गौराप्रिया दाश और प्रो. निर्मला पाणिग्रही ने किया।
- केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, श्री सदाशिव परिसर पुरी में हमारे परिसर निदेशक आचार्य अतुल कुमार नंद की देखरेख में हमारा 75वां गणतंत्र दिवस मनाया गया। हमने अपने संविधान के आदर्शों को बनाए रखने और एक उज्जवल और अधिक सामंजस्यपूर्ण भारत की दिशा में काम करने का संकल्प लिया।
- युवाओं में मतदान के प्रति आकर्षण उत्पन्न करनें के लिए *"पहला वोट देश के लिए"* अभियान में *'मतदाता प्रतिज्ञा'* लेने पर गर्व है, यह सब हमारे परिसर निदेशक प्रो. अतुल कुमार नंद के मार्गदर्शन में हुआ। देश के लिए हर वोट का महत्त्व है अतः हम सब मिलकर अपने देश का भविष्य सवारें। कार्यक्रम का समन्वय डॉ. गौतम कुमार चौधरी ने किया।

'सूचना का अधिकार' अधिनियम 2005 के अन्तर्गत प्राप्त/ उत्तरित पत्रों की संख्या -

(i) प्रार्थना पत्र प्राप्त - 00

(ii) उत्तर प्रेषित - 00

4.2.3 श्री रणबीर परिसर, जम्मू (जम्मू एवं कश्मीर)

1. परिचय (Introduction)

भारतीय संसद के अधिनियम के अन्तर्गत 30 अप्रैल 2020 को शिक्षा मन्त्रालय, भारत सरकार के अन्तर्गत केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली, (पूर्ववर्ती राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान) की स्थापना हुई। यह विश्व का एकमात्र वृहत्तम एवं बहुपरिसरीय संस्कृत विश्वविद्यालय है। जो कि राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद द्वारा A++ श्रेणी प्रदत्त है। वर्तमान में माननीय प्रो. श्रीनिवास वरखेडी इसके कुलपति हैं। देशभर में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के 13 (मुख्यालय सहित) परिसर हैं। जम्मूस्थित श्री रणवीर परिसर उन्हीं तेरह परिसरों में से एक है। यह परिसर 84 कनाल भूमि पर निर्मित है।

जम्मू-काश्मीर के महाराजाधिराज श्रीरणवीरसिंह ने संस्कृतविद्या के पारम्परिक एवं अगाध-अद्भुतज्ञान के प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से जम्मूप्रान्त में सन् 1800 के उत्तरार्ध में श्रीरघुनाथ संस्कृत महाविद्यालय की स्थापना की थी। दिनांक 01 अप्रैल, 1971 को केन्द्रसरकार ने इसका अधिग्रहण किया तथा इसे "श्रीरणवीर केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ" का नाम दिया। 02 मई, 2002 को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय को वृहत्तम बहुपरिसरीय राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) घोषित किया गया। तब से 29 अप्रैल 2020 तक श्रीरणवीर परिसर राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, (मानित विश्वविद्यालय) के नाम से विख्यात रहा। इस परिसर के प्रथम प्राचार्य डॉ. अनन्त मराल शास्त्री थे तथा क्रमशः डॉ. दयानन्द भार्गव, डॉ. जे. गांगुली, डॉ. जगन्नाथ पाठक, डॉ. राघव प्रसाद चौधरी, डॉ. राम किशोर शुक्ल, डॉ. प्रियतम चन्द्र शास्त्री (कार्यवाहक), प्रो. जी. गंगन्ना, प्रो. विश्वमूर्ति शास्त्री, प्रो. यशपाल खजूरिया (कार्यवाहक), प्रो. एम्. चन्द्रशेखर (कार्यवाहक) , प्रो. पी.एन. शास्त्री (कार्यवाहक), प्रो. रामानुज देवनाथन्, प्रो.बच्चा भारती (कार्यवाहक), प्रो. लोकमान्य मिश्र (कार्यवाहक), श्री शरत् चन्द्र शर्मा (कार्यवाहक), प्रो. फतह सिंह(कार्यवाहक) श्री शरत् चन्द्र शर्मा (कार्यवाहक) एवं प्रो. वासुदेव शर्मा परिसर के (कार्यवाहक) प्राचार्य रहे। 30 अप्रैल 2020 को संसदीय अधिनियम के द्वारा इसे केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के नाम का दर्जा दिया गया, तब से प्राचार्य के स्थान पर निदेशक व्यवस्था प्रारम्भ हुई जिसमें प्रो. वासुदेव शर्मा प्रथम निदेशक रहे और वर्तमान में प्रो. मदन मोहन झा निदेशक हैं

2. परिसर का स्थान

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,
श्री रणबीर परिसर कोट भलवाल, जम्मू (जम्मू-कश्मीर) -181122
दूरभाष- 0191-2623533, 0191-2623090
ई-मेल: director-jammu@csu.co.in
अन्तर्जाल- www.csu-jammu.edu.in

3. परिसर की अवसंरचना

पुस्तकालय (Library) श्री रणबीर परिसर का अपना सुसमृद्ध पुस्तकालय है, जिसमें विविध विषयों की लगभग 46,000 पुस्तकें उपलब्ध हैं।

पुस्तकालय में 72 दुर्लभ पांडुलिपियाँ भी संरक्षित हैं। ये पांडुलिपियाँ शारदा और देवनागरी लिपियों में हैं।

ई-पुस्तकालय (E-Library)

श्री रणबीर परिसर की ग्रन्थात्मक ज्ञाननिधि को परिचयात्मक दृष्टि से सर्वजन सुलभ बनाने के उद्देश्य से परिसर में ई-पुस्तकालय का निर्माण कार्य तेजी से चल रहा है। जिसमें बहुत पुस्तकों का ई पुस्तकालयीकरण कर दिया गया है और वर्तमान में कार्य चल रहा है।

वेधशाला (Planetarium)

विद्यार्थियों को सौविध्यपूर्वक ज्योतिषशास्त्र का सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिकज्ञान प्रदान करने की दृष्टि से श्री रणबीर परिसर में एक लघु वेधशाला भी स्थापित की गई है। इस वेधशाला में लघु तारामण्डल, दूरवीक्षण-यन्त्र, ग्रहकक्षाक्रम- यन्त्र, चन्द्रकला- यन्त्र, सौरचन्द्रग्रहण-यन्त्र तथा गोल-यन्त्र आदि अनेक यन्त्र एवं चित्रफलक विद्यमान हैं।

सम्मेलन कक्ष (Conference Hall)

श्री रणबीर परिसर में एक मन्त्रणा सभागार बनाया गया है, जो कि आधुनिक एवं उत्कृष्ट सुविधाजनक फर्नीचर से सुसज्जित है। इस मन्त्रणा सभागार में 62 व्यक्तियों के बैठने की सुखद व्यवस्था है।

वाणी विलास सभागार (Vani Vilas Auditorium)

विद्वत व्याख्यान तथा विद्यार्थियों की नृत्य-नाट्य-भाषणादि, साहित्यिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के सुचारु से संचालन के लिये श्रीरणबीर परिसर में आधुनिक तकनीकियुक्त ध्वनि प्रकाशादिव्यवस्था से सम्पन्न तथा सुन्दर फर्नीचर से सुसज्जित '*वाणीविलास*' सभागार भी है। इस भव्य सभागार में 500 लोगों के बैठने की पर्याप्त व्यवस्था है।

सङ्गणक-कक्ष (Computer Room)

आधुनिक विषयों के अन्तर्गत शास्त्री स्तर तक विद्यार्थियों को कम्प्यूटर की शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से परिसर में संगणक-कक्ष भी बनाया गया है। इस संगणक-कक्ष में पर्याप्त रूप से उपयोगी फर्नीचर की सुविधा सहित 25 संगणक यन्त्रों की व्यवस्था है। संगणक कक्ष इन्टरनेट सुविधा से परिपूर्ण है।

प्रति विभाग कम्प्यूटर (Departmental Computers)

विभागीय कार्यों को सुचारु रूप से गति देने और अधिक व्यवस्थित ढंग से कार्यों के सम्पन्न करने के लिए परिसर के प्रति विभाग एक-एक कम्प्यूटर, इन्टरनेट की सुविधा सहित लगाये गए हैं। समस्त परिसर में फाईबर इन्टरनैट की व्यवस्था सुचारु रूप से संचालित है। परिसर के प्रत्येक विभाग में एक स्मार्ट कक्षा (स्मार्ट क्लासरुम) की व्यवस्था फाईबर इन्टरनेट के साथ की गई है।

विभागीय पुस्तकालय (Departmental Library)

विद्यार्थियों के जिज्ञासा पठन-पाठन की प्रवृत्ति और उनमें पढ़ने के प्रति रुचि जाग्रत करने के लिए परिसर के प्रत्येक विभाग में 50,000 हजार रूपये की राशि से पुस्तकालय की सुविधा उपलब्ध कराई गई है।

भाषा-प्रयोगशाला (Language Lab)

परिसर के शिक्षाशास्त्र-विभाग (Pedagogy) में भाषा-प्रयोगशाला का शैक्षणिक वर्ष 2016-17 में निर्माण हुआ। इसके लिए 11 कम्प्यूटर प्रदान किए गए है भाषा-कौशल अधिगम के लिए व्यवस्था की गई है। इस में 10 अधिगम संगणक एवं 01 अनुदेशक संगणक व्यवस्थित हैं।

मनोविज्ञान प्रयोगशाला (Psychology Lab)

परिसर के शिक्षाशास्त्र विभाग में मनोविज्ञान-प्रयोगशाला में नवीन उपकरणों की व्यवस्था की गई। जिसमें अत्याधुनिक इलेक्ट्रानिक उपकरण भी सम्मिलित हैं।

आचार्य वर्ग एवं कार्यालयीय कर्मचारी (Teaching & Non Teaching Staff)

परिसर में आचार्य, सह-आचार्य, सहायक आचार्य, अनुबन्धित एवं अतिथि शिक्षक आदि कुल मिलाकर 46 शैक्षणिक सदस्य कार्यरत हैं। परिसर में 38 कार्यालयीय सदस्य, 14 सुरक्षा प्रहरी तथा कर्मचारी कार्यरत हैं। इनकी संख्या में यथासमय इसमें परिवर्तन भी किया जा सकता है।

छात्रावास (Hostel)

दूरदराज के क्षेत्रों तथा अन्य राज्यों से आने वाले विद्यार्थियों के लिये श्रीरणबीर परिसर में छात्र-छात्राओं के लिये अलग-अलग पर्याप्त विस्तृत सुविधा सम्पन्न पुरुष छात्रावास (Boys Hostel) तथा महिला छात्रावास (Girls Hostel) हैं। इन छात्रावासों में कुल 84 आवास कक्ष हैं। जिनमें 168 विद्यार्थियों के रहने की व्यवस्था है। छात्रावासों में उष्णक-यंत्र (गीजर) भी हैं। छात्रावासीय छात्रों एवं छात्राओं की भोजन व्यवस्था के लिये दोनों छात्रावासों में सुविधायुक्त भोजनालय भी बनाए गये हैं।

कर्मचारी आवास (Staff Quarters)

प्राचार्य, छात्रावासीय-अधीक्षक तथा परिसरीय सदस्यों की आवासीय सुविधार्थ परिसर में शिक्षकावास बनाये गए हैं।

व्यायामशाला (Gymnasium)

विद्यार्थियों के मानसिक एवं शारीरिक-स्वास्थ्य के लिए परिसर में योग-क्रीड़ा तथा व्यायाम का भी प्रशिक्षण दिया जाता है। जिस के लिए एक व्यायामशाला का निर्माण किया गया है। इस व्यायामशाला में विविध आधुनिक उपकरण उपलब्ध हैं। ओपन जिम की सुविधा भी है।

क्रीडा-क्षेत्र (Play Ground)

परिसर में एक विशाल खेल का मैदान भी है, जिसमें सभी प्रकार की क्रीडात्मक गतिविधियों का संचालन किया जाता है।

4. मुख्यगतिविधियाँ

श्री रणबीर परिसर में नई शिक्षा नीति आधारित क्रेडिट प्रणाली के अन्तर्गत पारम्परिक शिक्षा के साथ-साथ आधुनिक विषयों का भी सुन्दर सामंजस्य स्थापित कर अध्ययन-अध्यापन किया जाता है। विश्वविद्यालय मुख्यालय के निर्देशानुसार वार्षिक एवं सत्रार्धिक परीक्षा प्रणाली भी लागू है। कक्षानुसार परिसर में अध्ययन-अध्यापन की व्यवस्था इस प्रकार है-

पारम्परिक संस्कृत शिक्षा (Traditional Sanskrit Studies)

पारम्परिक संस्कृत शिक्षा के अन्तर्गत श्रीरणबीर परिसर में क्रेडिट व्यवस्था आधारित प्राक्शास्त्री (सत्रार्द्ध) (इण्टरमीडिएट), शास्त्री (सत्रार्द्ध) (B.A.) तथा आचार्य (सत्रार्द्ध) (M.A.) शैक्षणिक अध्ययन की व्यवस्था है। इन कक्षाओं में व्याकरणशास्त्र, साहित्यशास्त्र, दर्शनशास्त्र, सिद्धान्त एवं फलित ज्योतिषशास्त्र तथा वेदवाङ्मय संस्कृत के पारम्परिक शास्त्रीय विषयों के साथ-साथ हिन्दी, डोगरी, अंग्रेजी, इतिहास, राजनीति शास्त्र, कम्प्यूटर एवं पर्यावरण शिक्षा, योग इत्यादि आधुनिक विषयों का भी अध्ययन करवाया जाता है।

व्यावसायिक-शिक्षा (Professional Education)

श्री रणबीर परिसर में व्यावसायिक शिक्षा के अन्तर्गत शिक्षाशास्त्र-विभाग (Education Department) में दो वर्षीय (सत्रार्द्ध) शिक्षाशास्त्री (B.Ed.) का प्रशिक्षण दिया जाता है।

प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम (Certificate Courses)

वेद कर्मकाण्ड पौरोहित्य विद्याशाखा द्वारा छात्रों के लिए एक वर्षीय प्रमाण-पत्रीय पाठ्यक्रम संचालित है।सत्र 2023-24 में एक वर्षीय योग प्रमाण पत्र पाठ्क्रम संचालित किया जाना है।

शोधकार्य (Research Activities)

संस्कृतविद्या की विविध विद्याओं में प्रासंगिक विषयों में बहु-आयामी शोध के उद्देश्य से श्रीरणबीर परिसर में विद्यावारिधि (Ph.D.) के निर्देशन की भी समुचित व्यवस्था है। गत वर्षों तक इस परिसर में 120 शोधार्थी विद्यावारिधि (Ph.D.) की उपाधि प्राप्त कर चुके हैं। वर्तमान में पंजीकृत शोधार्थियों की संख्या 12 है।

काश्मीर शैव दर्शन (Shaivism of Kashmir)

जम्मू काश्मीर राज्य दो दृष्टिगत रखते हुए दर्शन विद्याशाखा के अंतर्गत आचार्य कक्षा में काश्मीरशैव दर्शन कक्षा का संचालन किया जा रहा है।

5. प्रकाशन (Publications)

विविध ज्ञान-विज्ञान, दर्शन आदि से सम्बन्धित 23 ग्रन्थ परिसर द्वारा प्रकाशित किये जा चुके हैं। इनमें कश्मीरशैवदर्शन से सम्बन्धित ग्रन्थों की माँग सम्पूर्ण देश से की जा रही है। संस्कृत, हिन्दी, डोगरी तथा अंग्रेजी भाषा में गवेषणापूर्ण निबन्धों आदि से सुसज्जित *"श्रीवैष्णवी"* नामक वार्षिक पत्रिका का प्रकाशन भी विगत वर्षों से होता आ रहा है। इस पत्रिका को जनवरी 2022 में *UGC केयर* सूची में शामिल किया गया है तथा ISSN- 7552277906X नंबर एन.आइ.एस.सी.आइ.आर. द्वारा दिया गया है। परिसर के शिक्षा विभाग द्वारा भी *"शिक्षामृतम्"* नामक पत्रिका का प्रकाशन किया जा रहा है। जो वर्तमान में *UGC केयर* सूची में संग्रहीत है।

6. उपलब्ध पाठ्यक्रम

विद्याशाखा (Subjects & Departments)

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, श्री रणबीर परिसर में अध्ययनविषयानुरूप –

1)	वेद कर्मकाण्डपौरोहित्यविद्याशाखा	2)	व्याकरणविद्याशाखा
3)	ज्योतिषविद्याशाखा	4)	संस्कृत-साहित्य-विद्याशाखा
5)	दर्शनविद्याशाखा	6)	भारतीयभाषाविद्याशाखा (हिन्दी, डोगरी)
7)	शिक्षाशास्त्रविद्याशाखा	8)	सामाजिकविज्ञानविद्याशाखा
9)	आंग्लविद्याशाखा	10)	काश्मीर शैव दर्शन

अध्ययन-अध्यापन एवं शोध कार्य (Studies & Research Activities)

श्रीरणवीर परिसर में नई शिक्षा नीति आधारित क्रेडिट प्रणाली के अन्तर्गत पारम्परिक शिक्षा के साथ-साथ आधुनिक विषयों का भी सुन्दर सामंजस्य स्थापित कर अध्ययन-अध्यापन किया जाता है। विश्वविद्यालय मुख्यालय के निर्देशानुसार वार्षिक एवं सत्रार्धिक परीक्षा प्रणाली (Semester System)भी लागू है। कक्षानुसार परिसर में अध्ययन-अध्यापन की व्यवस्था इस प्रकार है-

पारम्परिक संस्कृत शिक्षा (Traditional Sanskrit Studies)

पारम्परिक संस्कृत शिक्षा के अन्तर्गत श्रीरणवीर परिसर में क्रेडिट व्यवस्था आधारित प्राक्शास्त्री (सत्रार्द्ध) (इण्टरमीडिएट), शास्त्री (सत्रार्द्ध) (B.A.) तथा आचार्य (सत्रार्द्ध) (M.A.) शैक्षणिक अध्ययन की व्यवस्था है। इन कक्षाओं में व्याकरणशास्त्र, साहित्यशास्त्र, दर्शनशास्त्र, सिद्धान्त एवं फलित ज्योतिषशास्त्र तथा वेदवाङ्मय संस्कृत के पारम्परिक शास्त्रीय

विषयों के साथ-साथ हिन्दी, डोगरी, अंग्रेजी, इतिहास, राजनीति शास्त्र, कम्प्यूटर एवं पर्यावरण शिक्षा, योग इत्यादि आधुनिक विषयों का भी अध्ययन करवाया जाता है।

व्यावसायिक-शिक्षा (Professional Education)

श्री रणवीर परिसर में व्यावसायिक शिक्षा के अन्तर्गत शिक्षाशास्त्र-विभाग (Education Department) में दो वर्षीय (सत्रार्द्ध) शिक्षाशास्त्री (B.Ed.) का प्रशिक्षण दिया जाता है।

प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम (Certificate Courses)

वेद कर्मकाण्ड पौरोहित्य विद्याशाखा द्वारा छात्रों के लिए एक वर्षीय प्रमाण पत्रीय पाठ्य क्रम संचालित है।सत्र 2023-24 में एक वर्षीय योग प्रमाण पत्र पाठ्क्रम संचालित किया जाना है।

शोधकार्य (Research Activities)

संस्कृत विद्या की विविध विद्याओं में प्रासंगिक विषयों में बहु-आयामी शोध के उद्देश्य से श्रीरणवीर परिसर में विद्यावारिधि (Ph.D.) के निर्देशन की भी समुचित व्यवस्था है। गत वर्षों तक इस परिसर में 120 शोधार्थी विद्यावारिधि (Ph.D.) की उपाधि प्राप्त कर चुके हैं। वर्तमान में पंजीकृत शोधार्थियों की संख्या 12 है।

काश्मीर शैव दर्शन :

जम्मू काश्मीर राज्य दो दृष्टिगत रखते हुए दर्शन विद्याशाखा के अंतर्गत आचार्य कक्षा में काश्मीरशैव दर्शन कक्षा का संचालन किया जा रहा है।

7. अन्य क्रिया कलाप/समारोह/कार्यशालाओं सहित पूर्ण विवरण-

उत्तर क्षेत्रीय रूपक महोत्सव 2024

दिनांक 28-29 नवम्बर 2024 को केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, श्री रणवीर परिसर के नेतृत्व में उत्तर क्षेत्रीय रूपक महोत्सव का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के अन्य परिसर- श्री रघुनाथकीर्ति परिसर, देवप्रयाग एवं वेदव्यास परिसर, बलाहार, तथा विश्वविद्यालय के सम्बद्ध महाविद्यालय यथा एस. डी. आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, हिमांचल आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, डी. के. एस. डी. आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, श्री माता वैष्णव देवी गुरुकुल, महर्षि वाल्मीकि संस्कृत महाविद्यालय, श्री भगवानदास संस्कृत महाविद्यालय ने भाग ग्रहण किया।

इस कार्यक्रम के अंतर्गत दिनांक 28-11-2024 को उद्घाटन समारोह का आयोजन किया गया। इस उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में जम्मू के पुलिस आयुक्त श्री आनंद जैन, विशिष्ट अतिथि के रूप में लाल बहादुर राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के पूर्व संकाय अध्यक्ष प्रो. कमला भारद्वाज एवं सारस्वत अतिथि के रूप में वेदव्यास परिसर की निदेशक प्रो. सत्यम कुमारी उपस्थित थीं।

इस कार्यक्रम के अंतर्गत दिनांक 29-11-2024 को रूपक महोत्सव का समापन समारोह सम्पन हुआ। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जम्मू के उपायुक्त श्री शक्ति पाठक एवं विषिष्ट अतिथि के रूप में जम्मू उत्तर के विधायक श्री श्यामलाल शर्मा उपस्थित थे। इस समापन समारोह में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार का वितरण किया गया।

राष्ट्रीय सेवा योजना

राष्ट्रीय सेवा योजना की विश्वविद्यालय परिसर में दो ईकाई संचालित है, जिसमें लगभग 200 छात्र पंजीकृत हैं। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. योगेन्द्र दीक्षित एवं कार्यक्रम अधिकारी श्री मनीन्दर सिंह है। वर्ष भर राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के अन्तर्गत विभिन्न गतिविधियों का संचालन नियमित रूप से किया जाता है। राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के अन्तर्गत वर्ष भर विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया जाता है।

समारोहादि का आयोजन

- दिनांक 13.08.2024 को श्री रणवीर कैम्पस में "तिरंगा यात्रा" कार्यक्रम आयोजित किया गया। परिसर निदेशक प्रो. श्रीधर मिश्र के नेतृत्व में यह यात्रा परिसर से भलवाल गांव तक सम्पन्न हुई। परिसर के सभी शिक्षक, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

- 14.08.2024 को श्री रणवीर परिसर में "विभाजन विभीषिका दिवस (पार्टिशन हॉरर)" नामक एक कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें विभाजन के दौरान हुई भयानक त्राशदी की विभिन्न तस्वीरें प्रदर्शित की गईं। इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ दयानाथ देवनाथन तथा सहसंयोजक डॉ प्रदीप कुमार मिश्र थे। इसके बाद परिसर के सभागार में विभाजन की भयावहता के लिए एक स्मृति दिवस मनाया गया। यह कार्यक्रम इग्नू क्षेत्रीय केंद्र, जम्मू और केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, श्री रणवीर परिसर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में इग्नू क्षेत्रीय केंद्र के निदेशक जयप्रकाश वर्मा एवं श्रीरणवीर परिसर के निदेशक प्रो. श्रीधर मिश्र मिश्र एवं डॉ. वर्मा ने विभाजन की त्रासदी को देखते हुए अपना वक्तव्य प्रस्तुत किया। तदुपरांत एक पैनल चर्चा का आयोजन किया गया जिसमें क्षेत्रीय केंद्र इग्नू और परिसर के प्राध्यापक उपस्थित थे।

- दिनांक 15.08.2024 को परिसर प्रांगण में परिसर निदेशक प्रो. श्रीधर मिश्र के नेतृत्व में स्वतंत्रता दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर परिसर के सभी शिक्षक, कर्मचारी और छात्र उपस्थित थे। परिसर निदेशक प्रो. श्रीधर मिश्र के हाथों राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। इस अवसर पर परिसर निदेशक अपने संबोधन में सभी को देशभक्ति के प्रति जागरूक रहने का आह्वान करते हुए कहा कि सभी को आगे आना चाहिए, ताकि हम एक समृद्ध भारत की कल्पना कर सकें।

- दिनांक 16.08.2024 को श्री रणवीर परिसर में परिसर निदेशक प्रो. श्रीधर मिश्र की अध्यक्षता में संस्कृत सप्ताह के उद्घाटन समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि राष्ट्रपति पद से सम्मानित पद्मश्री प्रोफेसर विश्वमूर्ति शास्त्री थे। संस्कृत के महत्व और वर्तमान समय में इसकी प्रासंगिकता पर अतिथियों ने अपने विचार व्यक्त किये हैं। कार्यक्रम की अध्यक्षता निदेशक प्रो. श्री श्रीधर मिश्र और संयोजक प्रोफेसर सतीश कुमार कपूर थे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. राजकुमार मिश्र ने किया। स्वागत भाषण डॉ. डी दयानाथ जी ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ तेजनाथ पौडेल जी ने किया।

- दिनांक 23/08/2024 तक चलने वाले इस कार्यक्रम में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें परिसर के छात्र, अध्यापक उत्साहपूर्वक भाग लिए।

- दिनांक 30.08.2024 को परिसर में परिसर निदेशक की अध्यक्षता में एक दिवसीय जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर परिसर की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई की ओर से निदेशक के नेतृत्व में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने परिसर के विभिन्न क्षेत्रों में वृक्षारोपण कार्यक्रम चलाया गया।

- दिनांक 09.09.2024 को परिसर में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा छात्रों के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना एवं भारतीय रेडक्रास सोसायटी द्वारा संयुक्त रूप से किया गया। रेडक्रॉस सोसाइटी की प्रशिक्षुका डॉ. कविता ने राष्ट्रीय सेवा योजना के विद्यार्थियों को विभिन्न परिस्थितियों में आपातकालीन उपचार स्वयं कैसे प्रदान किया जाए, इसका प्रशिक्षण प्रदान किया।

- दिनांक 18.09.2024 को रणवीर परिसर में "हिन्दी पखवाड़ा" कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। पंद्रह दिवसीय कार्यक्रम में भाषण और निबंध लेखन प्रतियोगिताएं शामिल होंगी। 18.09.2024 को उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि श्री निर्मल विनोद एवं परिसर के साहित्य विद्याशाखा के संयोजक प्रो. सतीश कुमार कपूर मुख्य वक्ता थे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर निदेशक प्रो. श्रीधर मिश्र ने किया। सम्पूर्ण पखवाड़ा कार्यक्रम के संयोजक डॉ पवन कुमार सिंह एवं डॉ. रेखा मिश्र थे।

- हिंदी पखवाड़ा के अंतर्गत दिनांक 24.09.2024 को परिसर में कार्यालयी कर्मचारियों के मध्य हिन्दी गीत एवं वर्णमाला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में परिसर निदेशक प्रो. श्रीधर मिश्र की गरिमामय उपस्थिति रही। श्री मिश्र ने कहा कि हिंदी हमारी बहुमूल्य संस्कृति की नींव है।

- 26.09.2024 परिसर में हिन्दी पखवाड़ा कार्यक्रम का समापन समारोह आयोजित किया गया। समापन समारोह परिसर के वाणी विलास सभागार में आयोजित किया गया और इसमें परिसर के छात्रों, कर्मचारियों और शिक्षकों ने भाग लिया। परिसर निदेशक प्रो. श्रीधर मिश्र ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। इन्दिरा गांधी मुक्त विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय डॉ. जयप्रकाश वर्मा मुख्य अतिथि थे। परिसर के साहित्य एवं अध्ययन शाखा के प्रमुख प्रो. सतीश कुमार कपूर उपस्थित थे। समसामयिक संदर्भ में हिंदी का स्थान एवं महत्व बताते हुए डॉ. एस.के. वर्मा ने कहा कि हिन्दी अग्रणी भारतीय भाषा है और संस्कृत के बाद हिन्दी सर्वाधिक गरिमामयी भाषा है। हिन्दी विश्व की सर्वाधिक लोकप्रिय भाषाओं में से एक के रूप में स्थापित होने जा रही है। कार्यक्रम के अंत में निबंध लेखन, वाद-विवाद एवं अंतिम पत्र प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार प्राप्त करने वाले प्रतियोगियों को पुरस्कार प्रदान किये गये।

- दिनांक 27.09.2024 को प्रातः 11:30 बजे परिसर की राष्ट्रीय सेवा योजना एवं इग्नू के संयुक्त तत्वाधान में श्री रणवीर परिसर में "स्वच्छता ही सेवा" अभियान के साथ एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। परिसर निदेशक प्रो. श्रीधर मिश्र के नेतृत्व में शिक्षकों, कर्मचारियों व छात्रों ने परिसर में विभिन्न स्थानों का चयन कर वहां निर्धारित स्थान पर स्वच्छता कार्यक्रम चलाया।

- दिनांक 02/10/2024 को गांधी जयंती के अवसर पर परिसर में स्वच्छता कार्यक्रम चलाया गया, जिसमे परिसर के छात्र, अध्यापक एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

- 8 नवंबर 2024 जम्मू: केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, श्री रणवीर परिसर कोट भलवाल, जम्मू और विज्ञान परिषद प्रान्त, जम्मू कश्मीर के संयुक्त तत्वावधान में, "वेदों में विज्ञान" विषय पर जम्मू कश्मीर में प्रथम वैदिक अंतर्राष्ट्रीय संम्मेलन 9 और 10 नवंबर 2024 को आयोजित किया जा रहा है। जो प्राचीन वैदिक ग्रंथों में निहित गहन वैज्ञानिक ज्ञान को जानने के लिए दुनिया भर के विद्वानों, शोधकर्ताओं और उत्साही लोगों को एकजुट करेगा।

सम्मेलन के उद्घाटन के मुख्यातिथि जम्मू-कश्मीर के माननीय उपराज्यपाल श्री मनोज सिन्हा थे। विशिष्ट अतिथि विज्ञान भारती के राष्ट्रीय संगठन मंत्री डॉ शिवकुमार शर्मा रहेंगें। सारस्वत अतिथि श्री वेंकटेश्वर वैदिक विश्वविद्यालय, तिरुपति के कुलपति प्रो रानी सदाशिव मूर्ति होंगें। कार्यक्रम की अध्यक्षता केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय श्री रणवीर परिसर के निदेशक प्रो. श्रीधर मिश्र ने की। सम्मेलन में आमंत्रित अतिथि के रूप में महर्षि पाणिनि संस्कृत विश्वविद्यालय उज्जैन के कुलपति विजय कुमार सी जी, श्री वेंकेटेश्वर वैदिक विश्वविद्यालय, तिरुपति के कुलपति प्रो रानीसदाशिव मूर्ति, महर्षि सांदीपनी वेद विद्या प्रतिष्ठान के उपाध्यक्ष प्रो प्रफुल्ल कुमार मिश्र, लद्दाख विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो एस के मेहता, मल्ला रेडडी विश्वविद्यालय, हैदराबाद के कुलसचिव प्रो डी प्रसाद, जम्मू केंद्रीय विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो संदीप जैन, सकास्ट के कुलपति प्रो बी एन त्रिपाठी, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के वेद विभाग के अध्यक्ष प्रो मनोज कुमार मिश्र, लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के वेद विभाग के अध्यक्ष प्रो देवेन्द्र मिश्र, बी एच यू के संस्कृत विभाग के प्रो उपेन्द्र त्रिपाठी, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो आर जी मुरली कृष्ण के साथ चीन, यूक्रेन, अमेरिका और मॉरीशस से वेद के विद्वान ने सम्मेलन में भाग ग्रहण किया।

आयोजन सचिव प्रो पवनेश अबरोल ने बताया कि द्विदिवसीय सम्मेलन में भारत और अन्य देशों के शोधकर्ताओं द्वारा संस्कृत, वेद विद्या, आयुर्वेद, कृषि विज्ञान, जीव विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, कंप्यूटर विज्ञान, योग विषयों के लगभग 100 शोधपत्रों का वाचन किया गया।

दिनांक 28-29 नवम्बर 2024 को केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, श्री रणवीर परिसर के नेतृत्व में उत्तर क्षेत्रीय रूपक महोत्सव का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के अन्य परिसर- श्री रघुनाथकीर्ति परिसर, देवप्रयाग एवं वेदव्यास परिसर, बलाहार, तथा विश्वविद्यालय के सम्बद्ध महाविद्यालय यथा एस. डी. आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, हिमांचल आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, डी. के.एस.डी. आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, श्री माता वैष्णव देवी गुरुकुल, महर्षि वाल्मीकि संस्कृत महाविद्यालय, श्री भगवानदास संस्कृत महाविद्यालय ने भाग ग्रहण किया।

इस कार्यक्रम के अंतर्गत दिनांक 28-11-2024 को उद्घाटन समारोह का आयोजन किया गया। इस उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में जम्मू के पुलिस आयुक्त श्री आनंद जैन, विशिष्ट अतिथि के रूप में लाल बहादुर राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के पूर्व संकाय अध्यक्ष प्रो. कमला भारद्वाज एवं सारस्वत अतिथि के रूप में वेदव्यास परिसर की निदेशक प्रो. सत्यम कुमारी उपस्थित थीं।

इस कार्यक्रम के अंतर्गत दिनांक 29-11-2024 को रूपक महोत्सव का समापन समारोह सम्पन हुआ। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जम्मू के उपायुक्त श्री शक्ति पाठक एवं विषिष्ट अतिथि के रूप में जम्मू उत्तर के विधायक श्री श्यामलाल शर्मा उपस्थित थे। इस समापन समारोह में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार का वितरण किया गया।

- दिनांक 05-12-2024 को श्री रणवीर परिसर में योगविज्ञान एवं समग्रस्वास्थ्यचर्या विद्याशाखा द्वारा "मानव जीवन में प्राकृतिक स्वास्थ्य की उपादेयता" विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस विशिष्ट व्याख्यान में व्याख्याता के रूप में प्रख्यात वैद्य श्री राजेश कपूर जी ने अपने व्याख्यान से परिसर को लाभान्वित किया।
- दिनांक 18-12-2024 को श्री रणवीर परिसर, जम्मू, सदाशिव परिसर, पूरी और इंडिया थिंक कौंसिल के संयुक्त तत्वावधान में " महाकुम्भ-2025 का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में गुजरात केंद्रित विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. नीरजा गुप्ता, महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय, राजस्थान के माननीय कुलपति प्रो. मनोज दीक्षित तथा अन्य विद्वत जनों ने महाकुम्भ - 2025 के आयोजन पर अपना महत्वपूर्ण वक्तव्य प्रस्तुत किया।
- दिनांक 11.01.2025 को परिसर में राज्यस्तरीय शास्त्री स्पर्धा का उद्घाटन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्यतिथि के रूप में जम्मू उत्तरीय क्षेत्र के विधायक श्री शाम लाल शर्मा उपस्थित थे। विशिष्टातिथि के रूप में प्रो. रामकुमार शर्मा एवं सारस्वतातिथि के रूप में प्रो. विष्णुकान्त पाण्डेय उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर निदेशक प्रो. श्रीधर मिश्र ने किया एवं संयोजकत्व डॉ. प्रमोद कुमार शुक्ल ने किया।
- दिनांक 12.01.2025 को परिसर में राज्यस्तरीय शास्त्री स्पर्धा के समापन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्यतिथि के रूप में किश्तवाड की विधायक सुश्री सगुन परिहार उपस्थित थी। विशिष्टातिथि के रूप में प्रो. सूर्यमणि रथ एवं सारस्वतातिथि के रूप में प्रो. विष्णुकान्त पाण्डेय एवं रामकुमार शर्मा उपस्थित थे तथा सम्मानित के अतिथि के रूप में डॉ. रामदास शर्मा उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर निदेशक प्रो. श्रीधर मिश्र ने किया एवं संयोजकत्व डॉ. प्रमोद कुमार शुक्ल ने किया।
- दिनांक 13.01.2025 से 19.01.2025 तक परिसर में रघुवंश महाकाव्य पर एक सप्ताह का हेमन्तीय कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें देश के विभिन्न राज्यों से लगभग 30 छात्र उपस्थित थे। कार्यक्रम के अन्तर्गत सप्ताह के प्रत्येक दिवस में रघुवंश महाकाव्य पर व्याख्यान एवं परिचर्चा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के संयोजक प्रो. सतीश कुमार कपूर थे।

- दिनांक 26.01.2025 को परिसर में गणतन्त्र दिवस के उपलक्ष्य में प्रभारी निदेशक प्रो. ऋषि राज की अध्यक्षता में ध्वजारोहण किया गया।
- दिनांक 03.02.2025 को बसन्त पंचमी के उपलक्ष्य में परिसर में सरस्वती पूजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
- दिनांक 07.02.2025 को परिसर के वाणी विलास सभागार में भूमि जल प्रबन्धन एवं संरक्षण हेतु जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। तत्पश्चात परिसर निदेशक प्रो. श्रीधर मिश्र की अध्यक्षता में परिसर के मुख्यद्वार से कोट-भलवाल ग्राम तक जागरुकता हेतु पैदल यात्रा मार्च किया गया। जिसमें समस्त कर्मचारी, प्राध्यापक एवं छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग ग्रहण किया।
- 15.02.2025 से 24.02.2025 तक श्री रणवीर परिसर एवं जम्मू कश्मीर राज्य संस्कृत भारती के संयुक्त तत्त्वावधान में विशेष प्रशिक्षण वर्ग का आयोजन किया गया। इस वर्ग के उद्घाटन समारोह में मुख्यतिथि के रूप में राष्ट्रपति सम्मानित परिसर के पूर्व प्राचार्य प्रो. प्रियतम चन्द्र शास्त्री उपस्थित थे।विशिष्ट तिथि के रूप में संस्कृत भारती उत्तर क्षेत्र के संगण मंत्री श्री नरेन्द्र कुमार उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर निदेशक प्रो. श्रीधर मिश्र ने की। समापन समारोह में मुख्यतिथि के रूप में शेर-ए-कश्मीर कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.बी.एन. त्रिपाठी उपस्थिति रहे।
- दिनांक 18.02.2025 को परिसर से 40 छात्रों को उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में महाकुम्भ में भाग ग्रहण करने हेतु परिसर निदेशक प्रो. श्रीधर मिश्र ने जम्मू परिसर से रवाना किया।
- दिनांक 20 से 21 फरवरी 2025 को परिसर में कौशल निर्माण विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन दिनांक 20 फरवरी 2025 को किया गया। उद्घाटन समारोह के मुख्यातिथि भोपाल परिसर के निदेशक प्रो. रमाकान्त पाण्डेय एवं विशिष्ट तिथि के रूप में जम्मू विश्वविद्यालय के संस्कृत विभाग के अध्यक्ष प्रो. रामबहादुर शुक्ल उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर निदेशक प्रो. श्रीधर मिश्र ने की तथा कार्यक्रम में प्राध्यापक, छात्र-छात्राओं सहित परिसर सह-निदेशक प्रो. सतीश कुमार कपूर उपस्थित थे।
- 01 से 07 मार्च 2025 तक परिसर में राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के अन्तर्गत सप्त दिवसीय रक्त दान शिविर का आयोजन किया गया।
- दिनांक 05.03.2025 को परिसर में जम्मू क्षेत्र की एनडीआरएफ टीम द्वारा विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अन्तर्गत विशेष परिस्थितियों जैसे भूकम्प, अग्नि,जल प्रलय इत्यादि आपदाओं में स्वयं एवं अन्य लोगों की सुरक्षा हेतु प्रशिक्षण प्रदान किया गया।
- दिनांक 26.03.2025 को परिसर में मुख्यालय द्वारा निर्देशित छात्रावास दिवस का आयोजन किया गया।
- दिनांक 26.03.2025 को परिसर में भारतीय ज्ञान परम्परा पर आधारित ऑनलाइन एवं ऑफलाइन दोनों मोड़ में व्याख्यान माला का आयोजन किया गया। जिसमें व्याकरण विषय पर परिसर निदेशक प्रो. श्रीधर मिश्र, शिक्षाशास्त्र विषय प्रो. जे.एन वालिया, वेद विषय पर डॉ. पूरनचन्द्र जोशी, साहित्य विषय पर प्रो. बलराम शुक्ल, ज्योतिष विषय पर डॉ. रामदास शर्मा एवं दर्शन विषय पर प्रो. सुकान्त कुमार सेनापति ने विशिष्ट व्याख्यान दिया।

कार्यक्रम का संचालन डॉ हरिशंकर पाण्डेय ने किया एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ तेजनाथ पौडेल ने किया।

'सूचना का अधिकार' अधिनियम 2005 के अन्तर्गत प्राप्त/ उत्तरित पत्रों की संख्या -

(i) प्रार्थना पत्र प्राप्त - 00

(ii) उत्तर प्रेषित - 00

4.2.4 गुरुवायूर परिसर, पुरनाट्टुकरा, तृश्शूर, केरल

1. परिचय:

केरल, भगवान का अपना देश, जो आदिशंकराचार्य के जन्म से पवित्र है, जगद्गुरु श्री शंकराचार्य के अद्वैत वेदांत के दर्शन से प्रभावित होकर, जाति, रंग, लिंग और पंथ के भेदभाव के बिना रहने वाले स्थान के रूप में शिखर पर है। संस्कृतप्राणयभजनम् पी.टी. कुरियाकोस मास्टर ने 1909 में पावरट्टी में गुरुवायूर साहित्य दीपिका संस्कृत विद्यापीठ की शुरुआत की और 1934 में मद्रास विश्वविद्यालय के तहत यू.जी. और पी.जी. पाठ्यक्रम शुरू किए गए, जिसे बाद में 1972 में राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली ने ले लिया और इसे साहित्य दीपिका संस्कृत विद्यापीठ के रूप में फिर से नामित किया। 1979 में इसका नाम बदलकर गुरुवायूर केंद्रीय संस्कृत विद्यापीठ कर दिया गया और 1983 में इसे वर्तमान स्थान पर स्थानांतरित कर दिया गया। पुरनाट्टुकरा में स्थित नए प्रशासनिक और शैक्षणिक ब्लॉक का उद्घाटन 16 अगस्त 1998 को तत्कालीन माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री डॉ. मुरली मनोहर जोशी ने किया था। राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान को बहुपरिसरीय मानित विश्वविद्यालय का दर्जा दिया गया और 7 मई 2002 को इस संस्थान का नाम बदलकर राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, गुरुवायूर कैंपस कर दिया गया। इसे 2020 वर्ष में संसदीय अधिनियम द्वारा केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय का दर्जा दिया गया है।

2. परिसर का स्थान:

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
गुरुवायूर परिसर, पुराणट्टुकरा पोस्ट, त्रिशूर - 680551
केरल राज्य,भारत
टेलीफ़ोन: +91 487 2307208
टेली फैक्स: +91 087 2307608
ई-मेल: director-thrissur@csu.co.in
अन्तर्जाल: www.csu-guruvayoor.ed.in

3. परिसर की अवसंरचना

पुरानाट्टुकरा का मुख्य केंद्र, चौदह एकड़ के विस्तार के साथ एक सुंदर परिदृश्य पर स्थित है। इसमें मुख्य शैक्षणिक ब्लॉक, प्रशासनिक ब्लॉक, पुस्तकालय, लड़कों और लड़कियों के छात्रावास, गेस्ट हाउस, सभागार, खेल का मैदान, अर्ध कार्यात्मक भवन और कर्मचारी आवास शामिल हैं।

पी.टी. करभवन - का केंद्र 50 सेंट की भूमि पर स्थित है। इस केंद्र का नाम बदलकर दिया गया है।

कुरियाकोस स्मृति भवन- यह एक मंजिला इमारत है जिसमें दो बड़े हॉल, एक प्रशासनिक कक्ष और सभी आधुनिक सुविधाओं से युक्त दस क्लास रूम हैं।

पी.टी. में तीन महीने की अवधि की दीक्षा (गैर औपचारिक संस्कृत शिक्षा) और संस्कृत सीखने के पत्राचार पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। कुरियाकोस स्मृति भवन। यह पांडुलिपि संग्रह के केंद्र के रूप में भी कार्य कर रहा है।

4. मुख्य गतिविधियां:

पारंपरिक विषयों की पेशकश:

व्याकरण - प्राक्-शास्त्री से आचार्य तक
साहित्य - प्राक्-शास्त्री से आचार्य तक
दर्शन - केवल प्राक-शास्त्री पाठ्यक्रम में
वेदांत - शास्त्री से आचार्य तक
न्याय - शास्त्री से आचार्य तक
ज्योतिष - शास्त्री से आचार्य तक

प्रस्तावित आधुनिक विषय –

अनिवार्य पेपर: अंग्रेजी - प्राक-शास्त्री से शास्त्री तक
कम्प्यूटर विज्ञान - प्रका-शास्त्री से शास्त्री तक
पर्यावरण विज्ञान - शास्त्री तृतीय वर्ष में केवल
शारीरिक शिक्षा -सभी कक्षाएँ
आधुनिक विषयों की पेशकश
वैकल्पिक विषय
इतिहास- प्राक-शास्त्री से शास्त्री तक
अंग्रेजी साहित्य - केवल शास्त्री पाठ्यक्रम में।
मलयालम - प्राक-शास्त्री से शास्त्री तक,
हिंदी - प्राक-शास्त्री से शास्त्री तक, केवल शास्त्री तृतीय सत्र में अनिवार्य
कंप्यूटर विज्ञान - प्रका-शास्त्री से शास्त्री तक।
प्राक्शास्त्री- दो वर्षीय पाठ्यक्रम प्राक्शास्त्री
शास्त्री - तीन साल का कोर्स
आचार्य -दो साल का कोर्स
शिक्षा-शास्त्री - दो वर्षीय पाठ्यक्रम
एकीकृत शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम (आई.टी.ई.पी.) बी.ए., बी.एड.- चार वर्षीय पाठ्यक्रम (शैक्षिक वर्ष 2024-25 से प्रभावी)
विद्यावारिधि - न्यूनतम दो वर्ष से अधिकतम पांच वर्ष।
योग और आयुर्वेद साहित्य में डिप्लोमा- एक वर्ष का पाठ्यक्रम।
योगिक विज्ञान में पीजी डिप्लोमा - एक वर्षीय व्यावसायिक पाठ्यक्रम
प्लस टू कोर्स - पावरट्टी सेंटर

5. प्रकाशन

परिसर में प्रकाशन की पुरातन परम्परा ही है, तथा अनेक पुस्तकों का प्रकाशन एवं ई-पुस्तक के रूप में अनावरण भी किया गया है।

6. उपलब्ध पाठ्यक्रम

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, गुरुवायुर परिसर में अधोलिखित विभागों में प्राक्शास्त्री से विद्यावारिधि (12th–Ph.d) तक अध्ययन-अध्यापन होता है।

प्राक्-शास्त्री - दो वर्षीय पाठ्यक्रम

शास्त्री - तीन वर्षीय पाठ्यक्रम

आई.टी.ई.पी. - चार वर्षीय पाठ्यक्रम

आचार्य - दो वर्षीय पाठ्यक्रम

शिक्षा-शास्त्री - दो वर्षीय पाठ्यक्रम

एकीकृत शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम (आईटेप) बी.ए., बी.एड.- चार वर्षीय पाठ्यक्रम (शैक्षणिक वर्ष 2024-25 से प्रभावी)

विद्यावारिधि - न्यूनतम दो वर्ष से अधिकतम पांच वर्ष।

योग और आयुर्वेद साहित्य में डिप्लोमा- एक वर्षीय पाठ्यक्रम।

योगिक विज्ञान में पी.जी. डिप्लोमा - एक वर्षीय व्यावसायिक पाठ्यक्रम

परिसर द्वारा आयोजित संगोष्ठी/कार्यशाला/व्याख्यान और विभिन्न गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण:

क. आउट रीच कार्यक्रमों का विवरण

1. संस्कृतम् मेगा क्विज़ कार्यक्रम जिसमें विभिन्न विद्यालयों से 15000 छात्रों ने भाग लिया। इसका अंतिम स्तर परिसर सभागार में संपन्न हुआ I विजेताओं का पुरस्कार समर्पण भी संपन्न हुआ।
2. पालक्काड, अट्टपाडी में कैंपस ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन हुआ।

7. परिसर द्वारा आयोजित संगोष्ठियों/कार्यशालाओं/व्याख्यानों और विभिन्न गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण:

विश्वविद्यालय और परिसरों का NAAC दौरा अप्रैल 2023 में हुआ था और हम ग्रेड A++ से सम्मानित होने से बहुत खुश हैं। इसके बाद फरवरी 2024 में हमारे विश्वविद्यालय को यूजीसी आयोग के तहत वर्गीकृत स्वायत्तता श्रेणी-I प्रदान की गई है।

1. संस्कृत सप्ताह समारोह।
2. 21 दिवसीय भाषा सीखने की कार्यशाला।
3. शिक्षक दिवस मनाया।
4. केरल पिरवी दिवस मनाया।
5. साहित्य और कला दिवस मनाया।
6. सूत्रों का पाठ।
7. सूक्ष्म शिक्षण आयोजित किया गया।
8. स्थूल शिक्षण आयोजित किया गया।
9. 14वीं पी.टी. कुरियाकोस मास्टर मेमोरियल इंटरनेशनल लेक्चर 21.03.2025 को हमारे संस्थापक की 52वीं पुण्यतिथि पर आयोजित की गई।
10. 12.01.2025 को हमारे परिसर में राष्ट्रीय युवा दिवस मनाया गया।
11. 10.01.2025 को हिंदी विश्व दिवस का आयोजन किया गया।
12. कैंपस फैकल्टी द्वारा नेट/सेट जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं और बी.एड. और पीएच.डी. कार्यक्रमों में प्रवेश के लिए कोचिंग कक्षाएं आयोजित की गयी।
13. शिक्षाशास्त्र विभाग 10.08.2024 को "कला प्रदर्शन" पर कार्यशाला आयोजित की गई।
14. अंग्रेजी साहित्य विभाग द्वारा 19.08.2024 से 23.08.2024 तक "अंग्रेजी संचार में कौशल विकास" पर कार्यक्रम आयोजित किया गया।
15. 03.2025 से 24.03.2025 तक अंग्रेजी पर संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित किया गया।
17. 8-10 नवंबर 2024 को हमारे परिसर में क्षेत्रीय स्तर का अखिल भारतीय कला- संस्कृतिक –क्रीडा महोत्सव का आयोजन हुआ था। हमारे छात्रों ने साहित्यिक, सांस्कृतिक और खेल प्रतियोगिताओं में कई पुरस्कार प्राप्त किए और क्षेत्रीय स्तर पर प्रथम स्थान हासिल कियाएवं प्रतियोगिताओं के वैयक्तिक पुरस्कार गुरुवायूर परिसर ने जीत लिया।
18. 7 दिसंबर 2024 को गुरुवायूर परिसर में क्षेत्रीय स्तर की नाटक प्रतियोगिता आयोजित की गई, हमारे परिसर ने पहला स्थान प्राप्त किया।

19. मार्च 2025 में भोपाल परिसर में आयोजित अखिल भारतीय नाटक प्रतियोगिता में हमारे परिसर के इक्कीस छात्रों ने भाग लिया, उन्हें तीसरा पुरस्कार और सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री, सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेत्री और चार व्यक्तिगत पुरस्कार मिले।

20. हरिद्वार में आयोजित होनेवाले अखिल भारतीय भाषण प्रतियोगिता के लिए केरल राज्य के उम्मीदवारों का चयन कैंपस स्तर पर किया गया।

21. 21,22,23 मार्च 2025 को हरिद्वार में हुए अखिल भारतीय भाषण प्रतियोगिता में केरल राज्य की ओर से गुरुवायूर परिसर के 21 विभिन्न शात्रीय स्पर्द्धथाओं में भाग लिए.परिसर की छात्रा शुभश्री (बी.एड-1),) छात्र अभिजीत दास (बी.एड.-2), को पुरस्कार मिले।

22. व्यक्तिव विकास कक्षाएं आयोजित की गईं।

23. ज्योतिष विभाग द्वारा एक खगोलीय अवलोकन कार्यक्रम (आकाश अवलोकन) आयोजित किया गया।

24. परिसर में विश्वगणित दिवस का आयोजन किया गया।

25. जुलाई 2024 में हमारे कैंपस में प्री-पीए.चडी. कोर्स वर्क कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया।

27. हमारे परिसर की एन.एस.एस. समिति की पहल पर 1 से 15 सितंबर 2024 तक स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन किया गया।

28. 11, 12 अक्टूबर 2024 को खेल दिवस का आयोजन।

29. परिसर में 14 सितंबर से 30 सितंबर तक हिंदी पखवाडा का आयोजन किया गया। विभागीय कर्मचारियों, अध्यापक गण और विद्यार्थियों ने हिंदी पखवाड़ा की विभिन्न प्रतियोगिताएं में भाग लिया।

30. परिसर में 21,फरवरी 2025 को मातृभाषा दिवस के रूप में मनाया। विभागीय कर्मचारियों, अध्यापक गण और विद्यार्थियों ने मातृभाषा दिवस में भाग लिया।

31. 77 वाँ स्वतंत्रता दिवस 15.08.2024 को पुरनाट्टुकरा और पावरट्टी परिसर में मनाया गया। गुरुवायूर परिसर निदेशक प्रोफ.के.के.शाइन ने पुरनाट्टुकारा में और प्रोफ. के. विश्वनाथन, पावरट्टी स्पेशल इन्चार्ज, ऑफिसर ने पावरट्टी में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। माननीय कुलपति ने ऑनलाइन मोड में स्वंतत्रता दिवस संदेश दिया।

32 22.12.2024 को परिसर में उत्साह के साथ भगवत-गीता-जयंती पारायण का आयोजन किया गया।

34. 26.01.2025 को पुरनाट्टुकरा और पावरट्टी परिसर में गणतंत्र दिवस मनाया गया। निदेशक ने पुरनाट्टुकारा में राष्ट्रीय ध्वज फहराया और प्रोफ.के. विश्वनाथन ने पावरट्टी में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। माननीय कुलपति ने ऑनलाइन माध्यम से संदेश दिया।

35. 10 दिवसीय 'कारक 'कार्यशाला का आयोजन 27/01/2025 को बी.एड. विभाग द्वारा आयोजित किया गया।

36. 12 दिवसीय योग कार्यशाला का आयोजन 24 फरवरी से 7 मार्च बी.एड विभाग द्वारा आयोजित किया गया।

37. राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा मालिन्य मुक्त केरलं, लहरी के विरुद्ध कार्यक्रम, स्वच्छता ड्राइव कार्यक्रम, नेत्र -कैंप,' एक पेड़ छात्र के नाम', एक पेड़ मां के नाम', वयोजन दिवस, वृद्धाश्रम का दौरा, वायानाडू भूस्खलन से पीड़ित लोगों के लिए राशि समाहरण, पर्यावरण दिवस आदि का आयोजन समयानुसार किया गया।

38. 24,मार्च 2025 को परिसर में 'छात्रावास दिवस' विभिन्न कार्यक्रमों के साथ धूम-धाम से मनाया गया।

39. 24 मार्च से 27 मार्च 2025 तक 4 दिवसीय अई.सी.टी. कार्यशाला का आयोजन किया गया।

44. सम्प्रति वार्ताः कार्यक्रम का आयोजन 26, 27 मार्च 2025 को आयोजित किया गया। लगभग 50 से अधिक विद्यार्थियाँ इसमें भाग लिए।

परिसर में आयोजित कार्यशालाएँ:

1. “MOOCS पाठ्यक्रम विकसित करने के विषय में” 14.10.2024 से 18.10.2024 तक कार्यशाला का आयोजन किया गया।
2. राष्ट्रीय पांडुलिपि मिशन के साथ संयुक्त सहयोग से पांडुलिपि विज्ञान और पुरालेख विज्ञान पर 15 दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला 01.03.2025 से 14.03.2025 तक आयोजित किया।
3. भारतीय इंजिनीयरिंग और संस्कृत (वास्तु शास्त्र) पर कार्यशाला 25.03.2025 से 28.03.2025 तक आयोजित किया।

पावरट्टी केंद्र में आयोजित कार्यशालाएँ

1. “भारतीय गणित” पर संकाय विकास कार्यक्रम 11.11.2024 से 18.03.2025 तक आयोजित।
2. “ध्वन्यालोक: " विषय पर कार्यशाला दिनांक 25.09.2024 से 27.09.2024 तक आयोजित।
3. राष्ट्रीय कार्यशाला कृष्णगीति और कृष्णनाट्टम पर - पाठ और मंच 26.03.2025 से 27.03.2025 तक आयोजित।
4. 5 मार्च से 10 मार्च 2025 तक कूडियाट्टम पर राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की गई।

नियुक्तियाँ (शैक्षणिक):

1. डॉ. बी. वेंकट लक्ष्मीनारायण, सहायक आचार्य को अगरतला परिसर से इस परिसर में स्थानांतरित किया गया।
2. डॉ. श्रुति के.बी., सहायक आचार्याको नासिक परिसर से इस परिसर में स्थानांतरित किया गया।
3. डॉ. पाणी प्रसाद, डॉ. कार्तिका उन्नित्तान, को नासिक परिसर से इस परिसर में अतिथि संकाय के रूप में स्थानांतरित किया गया।
4. डॉ. रूपेंद्र कुमार तिवारी, श्री नरसिंह गणेश भट, श्री पी.एस. अंगद, डॉ. आशा राजन, श्रीमती ग्रीष्मा एम. एस., डॉ. ग्रन्थी वी. लक्ष्मी कीर्तिसुधा, डॉ. जिजी वी. इस शैक्षणिक वर्ष में अतिथि संकाय के रूप में हमारे परिसर में शामिल हुए हैं।

पदोन्नति:

1. डॉ. उमेशचंद्र मिश्रा, सहाचार्य स्तर पर पदोन्नत हुए और 2024 में एकलव्य परिसर, अगरतला में स्थानांतरित हुए।

स्थानांतरण:

2. प्रो. श्रीगोविंदा पांडे, निदेशक का मई 2024 में नासिक परिसर में स्थानांतरण हो गया।
3. प्रो. के.के. शाइन ने मई 2024 में गुरुवयूर परिसर के निदेशक के रूप में कार्यभार संभाला।
4. डॉ. उमेशचंद्र मिश्रा को सहाचार्य स्तर पर पदोन्नत किया गया और एकलव्य परिसर, अगरतला में स्थानांतरित कर दिया गया।
5. डॉ. विद्याधर प्रभला, सहायक आचार्य का नासिक परिसर में स्थानांतरण हो गया है।

सेवानिवृत्ति:

1. श्रीमती. विजयकुमारी, अनुभाग अधिकारी इस साल सेवा निवृत्त हुई।

‘सूचना का अधिकार’ अधिनियम 2005 के अन्तर्गत प्राप्त/ उत्तरित पत्रों की संख्या -

प्राप्त किए	-	0
उत्तर दिया	-	0

4.2.5. केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर, जयपुर

1. परिचय

राजस्थान राज्य के तत्कालीन मुख्यमंत्री माननीय स्व. श्री शिवचरण माथुर जी के अनुरोध पर पद्मश्री डॉ. मण्डन मिश्र पूर्वनिदेशक के सत्प्रयासों से राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली के प्रथम निदेशक प्रो. रामकरण शर्मा के द्वारा 13.05.1983 को परिसर ''केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ'' के नाम से स्थापित किया गया। कालान्तर में यह परिसर राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर के नाम से प्रसिद्ध हुआ। संसद द्वारा पारित अधिनियम से दिनांक 30 अप्रैल 2020 से यह परिसर केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर के नाम से जाना जाता है। परम्परागत शिक्षा के प्रचार-प्रसार, दुर्लभ पाण्डुलिपियों के संरक्षण, उनके प्रकाशन, संस्कृत-विद्या क्षेत्र में शोध-कार्यों के संवर्धन तथा शास्त्रज्ञान के साथ-साथ आधुनिक, लोकोपयोगी, नूतन विषयों के ज्ञान प्रदान के लिए प्रयासरत यह परिसर इस वर्ष अपनी स्थापना के 40 गौरवपूर्ण वर्ष पूर्ण कर रहा है। सत्रारम्भ से सत्रावसान तक परिसर ने अनेक शैक्षिक उपलब्धियाँ प्राप्त की हैं। उत्कृष्ट शिक्षण, छात्र संख्या सौविध्य की दृष्टि से जयपुर परिसर अनेक सुप्रतिष्ठित संस्कृत विश्वविद्यालयों एवं संस्थानों में अग्रगण्य है।

2. परिसर का स्थान

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
जयपुर परिसर
त्रिवेणी नगर, गोपालपुरा बायपास-302018
दूरभाष – 0141-2761236
ई-मेलः Director-jaipur@csu.co.in
वेबसाइटः http://csu-jaipur.edu.in

3. परिसर की स्थिति

डॉ. सरोजिनी महिषी महोदया के उपाध्यक्ष काल में उनके सत्प्रयासों तथा भारत सरकार के द्वारा दी गई वित्तीय सहायता से राजस्थान की राजधानी जयपुर नगर में केन्द्रीय क्षेत्र त्रिवेणी नगर में 7.27 एकड़ भूखण्ड में 60 कमरों से युक्त संस्थान का यह विशाल भवन अध्यापन कक्षों, प्रशासन खण्ड, व्यायाम शाला, सुसज्जित सभागार, पुस्तकालय, परियोजना खण्ड, कम्प्यूटर प्रयोगशाला, प्राकृत शोध-अध्ययन केन्द्र, स्वाध्याय केन्द्र, छात्र-छात्राओं के पृथक् पृथक् छात्रावास, आचार्य-कर्मचारी आवास, क्रीडांगण, बाग-बगीचे इत्यादि भौतिक सम्पदाओं से युक्त है। इस वर्ष भवन के नवीनीकरण, मरम्मत तथा नवीन सौन्दर्यीकरण जैसे कार्य भी किये गये हैं। छात्रों की संख्या में वृद्धि एवं गुणवत्ता संवर्धन के प्रयोजन से कम्प्यूटर प्रशिक्षण आदि नूतन अत्याधुनिक संगण प्रयोगशाला का निर्माण किया गया।

4. मुख्य गतिविधियाँ

- सत्र 2023-24 में दिनांक 26-27 अप्रैल 2023 को नैक निरीक्षण समिति द्वारा विश्वविद्यालय का आंतरिक गुणवत्ता एवं प्रत्यायन की दृष्टि से निरीक्षण किया गया तथा केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय को अत्यन्त गौरवास्पद 'A++' श्रेणी प्रदान की गई।
- जयपुर परिसर का बी.सी.सी. द्वारा भौतिक निरीक्षण करके तीन वर्षीय एल.एल.बी. (प्रतिष्ठा) पाठ्यक्रम चलाया जाने की अनुमति प्राप्त हो गई है। सत्र 2024-25 से विधिशास्त्र द्वारा यह पाठ्यक्रम (आई टैप) के

लिये (एन.सी.टी.ई.) राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद् द्वारा निरीक्षण करके अनुमति प्रदान की गई तथा सत्र 2024-25 से परिसर द्वारा चतुर्वर्षीय पाठ्यक्रम नियमित रूप से चलाया जाएगा।

सत्र 2023-24 में राशि रु. 34,49,50,276/- की लागत से नवनिर्मित बहूद्देशीय भवन सुसज्जित सभागार, अतिथि गृह, चार लिफ्ट, पार्किंग आदि सभी सुविधाओं से युक्त भवन में सुचारू रूप से कार्य प्रारम्भ किया गया है। नैक निरीक्षण की दृष्टि से सम्पूर्ण परिसर का सुशोभीकरण किया गया तथा नैक द्वारा केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय को 'A++' श्रेणी प्रदान की गई।

5. उपलब्ध पाठ्यक्रम

विद्यास्थानानि विद्याशाखाश्च | Schools & Departments

	प्रकोष्ठसङ्ख्या
वेदवेदाङ्ग-वैदिक-विज्ञानविद्यास्थानम् School of Veda-Vedanga & Vedic Sciences	
वेद-विद्याशाखा Department of Veda	16
व्याकरणशास्त्र-विद्याशाखा Department of Vyakarana Shastra	13
ज्योतिषशास्त्र-विद्याशाखा Department of Jyotisha Shastra	30
दर्शनविद्यास्थानम् School of Darshana	
दर्शनविद्याशाखा Department of Sarva-darshana	20
जैनदर्शन-एवं-प्राकृत-विद्याशाखा Department of Jain Darshan & Prakrit	18
शिक्षाशास्त्र-कौशलप्रशिक्षणविद्यास्थानम् School of Shikshashastra (Education) & Kaushal Prashikshan (Skilling)	
शिक्षाशास्त्रविद्याशाखा Department of Shikshashastra (Education)	113
शारीरिक-शिक्षा-एवं-खेल-विद्याशाखा Department of Physical Education and Sports	21
भाषासाहित्य-संस्कृति-विद्यास्थानम् School of Languages, Literature and Culture	
संस्कृतसाहित्यविद्याशाखा Department of Sanskrit Sahitya	128
आंग्लविद्याशाखा Department of English	30A
हिन्दीभाषाविद्याशाखा Department of Hindi Language	30A
शास्त्रीय-ज्ञानप्रणाली-विद्यास्थानम् School of Shastric Knowledge Systems	
धर्मशास्त्र विद्याशाखा Department of Dharmashastra	117

समकालिकज्ञानप्रणाली-मानविकी-विद्यास्थानम् School of Contemporary Knowledge Systems & Humanities	
सामाजिकविज्ञान विद्याशाखा Department of Social Sciences • राजनीतिविज्ञानम् Political Science • इतिहास History	30B
बहुविषयकविज्ञान-तकनीक-विद्यास्थानम् School of Multidisciplinary Sciences & Technology	
संगणकविज्ञानविद्याशाखा Department of Computer Sciences	122

6. परिसर द्वारा आयोजित संगोष्ठियों/कार्यशालाओं/व्याख्यानों और गतिविधियों का संक्षिप्त विवरणः

क्र. सं.	दिनांक	कार्यक्रम का नाम	अतिथि/ वक्ता	अध्यक्ष	संयोजन
1.	02-06/04/2024	एकीकृतशिक्षकशिक्षाकार्यक्रम (ITEP) के लिये पाठ्यक्रम निर्माण कार्यशाला	प्रो. चान्दकिरण सलूजा	प्रो. वाई. एस्. रमेश	डॉ. रेखा पाण्डेय
2.	05-09/04/2024	पंचदिवसीय यौगिक अभ्यास एवं प्रस्तुति कार्यशाला	डॉ. रानी दाधीच	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	डॉ. नवनीत कुमार
3.	15/04/2024	डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयंती	प्रो. सुधीर कुमार	प्रो. श्रीनिवास वरखेडी	मुख्यालय नई दिल्ली
4.	22/04/2024	परीक्षायाः प्रतीक्षायाम्	प्रो. श्रीनिवास वरखेडी	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	भोपाल परिसर
5.	23/04/2024	महावीर जयंती	प्रो. श्रीयांश कुमार सिंघई	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	डॉ. श्रुति जैन
6.	14/08/2024	हर घर तिरंगा रैली	प्रो. वाई. एस्. रमेश	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	डॉ. राजेन्द्र कुमार शर्मा
7.	14-22/08/24 2024	संस्कृत सप्ताह	प्रो. वाई. एस्. रमेश	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	डॉ. डम्बरूधरपति
8.	15/08/2024	ध्वजारोहण समारोह	प्रो. वाई.एस.रमेश	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	डॉ. राजेन्द्र कुमार शर्मा
9.	19/08/2024	श्रावणी पूजा	प्रो. वाई.एस.रमेश	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	वेद विद्याशाखा
10.	23/08/2024	राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस	प्रो. वाई.एस.रमेश	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	डॉ. सीमा अग्रवाल
11.	29/08/2024	राष्ट्रीय खेल दिवस	डॉ. गजेन्द्र शर्मा	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	डॉ. राजेन्द्र कुमार शर्मा
12.	05/11/2024	ऑनलाइन संस्कृत ओलंपियाड 2024, परिणाम समारोह (आभासीय)	प्रो. मदनमोहनझा	प्रो. श्रीनिवासवरखेड़ी	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा
13.	14/11/2024	बिरसा मुण्डा जयंती	प्रो. धीरज जेफ्. श्री. राहुल राणा	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	डॉ. सुभाष चन्द्र मीणा
14.	15/11/2024	जयपुर परिसर का ऑनलाइन दौरा	श्री एस.के. बर्णवाल	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	प्रो. वाई. एस्. रमेश
15.	11/12/2024	गीता जयंती	प्रो. भगवती सुदेश	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	डॉ. रानी दाधीच

16.	11/12/2024	भारतीय भाषा महोत्सव	परिसर के सभी प्राध्यपक	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	डॉ. डम्बरूधरपति
17.	21-23/12/2024	व्याकरण विद्याशाखा के पाठ्यक्रमों की पुनरीक्षण कार्यशाला	प्रो. श्रीधर मिश्र प्रो. ब्रजभूषण ओझा प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी प्रो. मल्हार कुलकर्णी	प्रो. बोधकुमार झा	डॉ. किरण खींची
18.	22-28/12/2024	7 दिवसीय हेमन्तीय नाट्यलेखन प्रशिक्षण कार्यशाला	प्रो. रमाकांत पाण्डेय प्रो. शशिधर झा प्रो.सदाशिव द्विवेदी डॉ. निरंजन मिश्र प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी	प्रो. वाई. एस्. रमेश	प्रो. रामकुमार शर्मा
19.	28-29/12/2024	श्री अरविंदो के स्वरूप में जीवंत वेद पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	प्रो. अभिराज राजेंद्र मिश्र श्री मकरंद परांजपे अनुराधा चौधरी डॉ. आलोक पांडे	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	डॉ. डम्बरूधरपति
20.	26/01/2025	संविधान दिवस	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	प्रो. वाई. एस्. रमेश	डॉ. राजेन्द्र कुमार शर्मा
21.	07-09/ 01/2025	काष्ठपुत्तलिका निर्माण प्रशिक्षण कार्यशाला	श्री रितिक पटेल (कठपुतली निर्माता)	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	श्री ब्रह्मानन्दप्रधान
22.	22-29/01/2025	एनईपी 2020 के बारे में जागरूकता	डॉ. प्रमोद कुमार बुटोलिया	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	डॉ. डम्बरूधरपति
23.	27-31/01/2025	छन्दोलङ्कारकार्यशाला प्राध्यापक विकास केन्द्र	प्रो. रामकुमार शर्मा प्रो. सतीश कुमार कपूर डॉ. सी.एच्. नागराजु प्रो. काशीनाथ न्यौपाने	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा प्रो. बोधकुमार झा	डॉ. राकेश कुमार जैन
24.	03/02/2025	सरस्वती पूजन	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	डॉ. सुधाकर पाण्डेय
25.	04/02/2025	सूर्य सप्तमी, 108 सूर्य नमस्कार	राज्यपाल हरिभाऊ बागडे	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	डॉ. रेखा पाण्डेय
26.	06/02/2025	महिममयभारतम्	डॉ. कैलाश चन्द्र सैनी	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	डॉ. डम्बरूधरपति
27.	14/02/2025	कार्यस्थल पर महिला उत्पीड़न रोकथाम कार्यक्रम	निधि खण्डेलवाल	प्रो. कृष्णा शर्मा	डॉ. रानी दाधीच
28.	19-21/02/2025	अनुसंधान में नवीन विचार	प्रो. चांदकिरण सलूजा आचार्य अरविन्द कुमार झा	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	डॉ. प्रमोद कुमार बुटोलिया
29.	21/02/2025	मातृभाषा दिवस	प्रो. ईश्वर भट्ट	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	डॉ. रानी दाधीच

30.	22-27/02/2025	अनुवाद कार्यशाला	प्रो. रामकुमार शर्मा डॉ. यज्ञदत्त शर्मा डॉ. सत्यदेव डॉ. अनूप पाण्डेय डॉ. जी नरसिंहलुः डॉ. प्रसाद भिडे	प्रो. वाई. एस्. रमेशः	डॉ. प्रमोद कुमार बुटोलिया
31.	25/02/2025	राजभाषा नीति एवं कार्यान्वयन	श्री जगदीश राम पौरी श्री मुकेश गेट	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	डॉ. लोकेश कुमार गुप्ता
32.	28/02/2025	सौप्रस्थानिक श्री गिरिधर पोपली (अनुभाग अधिकारी)	श्री गिरिधर पोपली	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	डॉ. लोकेश कुमार गुप्ता
33.	01-10/03/2025	10 दिवसीय योग कार्यशाला	डॉ. नवनीत कुमार	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	डॉ. बलवीर सिंह मीना
34.	07/03/2025	अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस	राशि डोगरा, डीएसपी जयपुर	प्रो. कृष्णा शर्मा	डॉ. सीमा अग्रवाल
35.	07/03/2025	एक दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना केम्प	राशि डोगरा, डीएसपी जयपुर	प्रो. कृष्णा शर्मा	डॉ. सीमा अग्रवाल
36.	10-11/03 /2025	2 दिवसीय वार्षिक खेल दिवस	डॉ. गजेंद्र शर्मा	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	डॉ. राजेंद्र शर्मा
37.	17-21/03/2025	कौशल ज्ञान और शिक्षण प्रभावशीलता बढ़ाने पर 5 दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम कार्यशाला	प्रो. जितेंद्र श्रीवास्तव	प्रो. वाई. एस. रमेश	डॉ. रेखा कुमारी
38.	20-25/03/2025	6 दिवसीय संस्कृत प्रौद्योगिकी अल्पकालिक प्रशिक्षण कार्यशाला	डॉ. वेंकेट सुब्रमण्यम डॉ विश्वनाथ	प्रो. वाई. एस. रमेश	डॉ. मौनिका बोला
39.	22-28/03/2025	7 दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर	डॉ. एस्.पी. भटनागर	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	डॉ. सीमा अग्रवाल
40.	23-27/03/2025	5 दिवसीय नाटक पटकथा लेखन कार्यशाला	प्रो. रामकुमार शर्मा प्रो. सूर्यमणिरथ प्रो. राघवेन्द्र भट्ट प्रो. रामलखनपाण्डेय प्रो. रामदेव साहू	प्रो. वाई. एस. रमेश	डॉ. आरती मीणा
41.	25-26/03/2025	भाषा से बाइड्स तक: संस्कृत भाषा और आधुनिक प्रौद्योगिकियों के संगम पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी	प्रो. गिरीश नाथ झा	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	श्री ब्रह्मानंद प्रधान
42.	30/03/2025	हिंदू कैलेंडर नव वर्ष के अवसर पर परिसर से रिद्धि सिद्धि चोराहा तक राष्ट्रीय सेवा योजना रैली	डॉ. एस्.पी. भटनागर	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	डॉ. सीमा अग्रवाल डॉ. सुरेन्द्र कुमार जाखड

राष्ट्रीय सेवा योजना

जयपुर परिसर में सत्र 2024-25 में राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत 02 इकाइयों में कुल 200 स्वयं सेवकों का पंजीकरण किया गया। जिनमें 105 छात्र और 95 छात्राएँ हैं। भारत सरकार के युवा कल्याण एवं खेल मन्त्रालय के सहयोग से परिसर में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत कार्यक्रम समन्वयक डॉ. सीमा अग्रवाल कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सुरेन्द्र कुमार जाखड़ के नेतृत्व में परिसर एवं परिसर के बाहर वृक्षारोपण, स्वच्छता, जनजागरुकता अभियान, रक्तदान आदि अनेक सेवाकार्य इस सत्र में किये गये।

'सूचना का अधिकार' अधिनियम 2005 के अन्तर्गत प्राप्त/ उत्तरित पत्रों की संख्या -

प्रार्थना पत्र	- 09
उत्तर प्रेषित	- 09

4.2.6 केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, लखनऊ परिसर

1. परिसर परिचय

भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मन्त्रालय द्वारा पूर्णरूप से वित्त पोषित राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान की शाखा के रूप में वर्ष 1986 में 'केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ' उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में स्थापित हुआ। 07.05.2002 को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान को मानित विश्वविद्यालय के रूप में प्रतिष्ठा प्राप्त हुई। तब से इसे राष्ट्रिय-संस्कृत-संस्थान 'लखनऊ परिसर' के रूप में जाना जाता रहा। शिक्षा मन्त्रालय, भारत सरकार द्वारा 30 अप्रैल, 2020 को संसद के अधिनियम द्वारा राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित विश्वविद्यालय) 'केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय' के रूप में परिणत हुआ। आज लखनऊ परिसर न केवल भारत अपितु सम्पूर्ण विश्व में अपनी शैक्षणिक गतिविधियों के कारण प्रसिद्धि पा रहा है। इस संस्था को राष्ट्रिय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद् (नैक) द्वारा वर्ष 2023 में A++ श्रेणी प्राप्त है। यहाँ संस्कृत के साथ-साथ पालि एवं प्राकृत के अध्ययन एवं अनुसन्धान भी समानन्तर हो रहे हैं। इस विश्वविद्यालय में वर्तमान कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी जी के शैक्षणिक एवं प्राशासनिक नेतृत्व में 2022 में राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 का पूर्णतः क्रियान्वयन किया और आज उसका परिणाम सम्पूर्ण देश में देखने को मिलता है।

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, लखनऊ परिसर में प्राक् शास्त्री, शास्त्री, शिक्षाशास्त्री, आचार्य एवं विद्यावारिधि पर्यन्त शिक्षा की व्यवस्था है। यहाँ व्याकरणशास्त्र, साहित्य, ज्योतिष, वेद, बौद्धदर्शन, पालि तथा शिक्षाशास्त्र के साथ हिन्दी, अंग्रेजी, राजनीतिशास्त्र, अर्थशास्त्र एवं संगणक आदि विषयों का अध्यापन होता है। लखनऊ परिसर में महिला एवं पुरुष अध्येताओं के लिए पृथक्-पृथक् छात्रावास की व्यवस्था है। प्राध्यापकों और कर्मचारियों हेतु कर्मचारी आवास भी परिसर में हैं, जिनमें कुछ आचार्य एवं कर्मचारी निवास करते हैं। यह परिसर 10 एकड़ भूमि में अवस्थित है। निदेशक कार्यालय, प्राशासनिक अनुभाग, लेखा अनुभाग, केन्द्रीय पुस्तकालय, विभागीय पुस्तकालय एवं शैक्षणिक प्रौद्यौगिकी प्रयोगशाला परिसर में सुसज्जित हैं। परिसर के शैक्षणिक एवं शिक्षा सम्बद्ध गतिविधियों के विस्तार के साथ नवीन भवनों के निर्माण हेतु प्रस्ताव शिक्षा मन्त्रालय में विचाराधीन है।

2. परिसर का स्थान

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, लखनऊ परिसर
विशाल खण्ड-4, गोमती नगर, लखनऊ (226010) उत्तर प्रदेश
फोन सं.- 9455543942, 0522-2393748,
ई-मेल- director-lucknow@csu.co.in
अन्तर्जाल- www.csu-lucknow.edu.in

संस्कृत शिक्षा के क्षेत्र में यह एक सुप्रतिष्ठित संस्था है तथा उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के गोमती नगर में विद्यमान है। वर्ष 2012 में संस्थान को राष्ट्रीय मूल्यांकन प्रत्यायन परिषद् (नैक) द्वारा 'ए' श्रेणी से सुशोभित किया गया था, जिससे शैक्षणिक एवं शिक्षण सम्बद्ध गतिविधियों को विशेष बल मिला। यह परिसर शास्त्रीय विद्याओं के साथ-साथ प्राच्य भाषाओं के शिक्षण व अनुसन्धान का भी केन्द्र है। परिसर संस्कृत शास्त्रों के साथ-साथ पालि के शिक्षण, अनुसन्धान एवं संवर्धन के लिए कृत-संकल्प है। भारतीय संस्कृति का विकास, राष्ट्रीय एकता एवं सर्वधर्म-समन्वय आदि की दृष्टि से अवध क्षेत्र में इस तरह का परिसर होना अपने आप में एक विशिष्ट महत्त्व रखता है।

3. परिसर की अवसंरचना

यह परिसर उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ (गोमती नगर) के विशाल खण्ड-4 में 10 एकड़ के भूखण्ड में गोमती नदी से पूरब दो किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। संयोगवश इस संस्थान के तीनों तरफ प्रशस्त मार्ग हैं। जबकि दो तरफ मुख्य मार्ग हैं। परिसर में 160 शायिका का पुरुष छात्रावास, 80 शायिका का महिला छात्रावास है। जिनमें छात्र-छात्राएँ रहकर विद्याध्ययनन करते हैं। छात्रावास में एक सहकारी परम्परागत भोजनालय है, जिसमें छात्र-छात्राओं के भोजन, जलपान आदि का प्रबन्ध छात्र-छात्राओं के द्वारा ही किया जाता है। शैक्षणिक भवन एवं छात्रावास आदि में निःशुल्क इण्टरनेट सुविधा भी उपलब्ध है।

4. मुख्य गतिविधियाँ

- पालि अध्ययन केन्द्र
- MOOC's-SWAYAM Centre तथा NPTEL Local Chapter IGNOU-Centre
- Placement Cell
- मुक्तस्वाध्यायपीठम्
- छात्रावास
- पुस्तकालय
- सङ्गणक प्रयोगशाला
- स्मार्ट कक्षः
- भाषा प्रयोगशाला
- मनोविज्ञान प्रयोगशाला
- राष्ट्रिय सेवा योजना
- मुक्ताकाशीय मञ्च
- विभागीय पुस्तकालय
- कार्मिक आवास
- व्यायामशाला
- क्रीडाङ्गनम्
- महिला प्रकोष्ठ

5. उपलब्ध पाठ्यक्रम

वेद, वेदांग एवं वैदिक विज्ञान विद्यास्थान

1. ज्योतिष
2. नव्यव्याकरण
3. वेद

दर्शन विद्यास्थान

1. बौद्ध दर्शन एवं पालि

भाषा, साहित्य एवं संस्कृति विद्यास्थान

1. संस्कृत साहित्य
2. आंग्ल भाषा
3. हिन्दी

यौगिकविज्ञान एवं समग्र स्वास्थ्य चर्या विद्यास्थान

1. योग
2. शारीरिक शिक्षा

समकालिक ज्ञानप्रणाली मानविकी विद्यास्थान

1. राजनीति विज्ञान
2. अर्थशास्त्र

बहुविषयक विज्ञान तकनीकी विद्यास्थान

1 . कम्प्यूटर विज्ञान

शिक्षाशास्त्र कौशल प्रशिक्षण विद्यास्थान

शिक्षा शास्त्र विद्याशाखा

6. प्रकाशन

परिसर से अनेक ग्रन्थ एव शोध पत्रिकाएँ प्रकाशित होती है जिनमें प्रमुख "आर्ष सूर्यसिद्धान्तः" "लघुभासकरीयम"; 'गोमती' पत्रिकादि।

7. परिसर द्वारा आयोजित संगोष्ठियों/कार्यशालाओं/व्याख्यानों और विभिन्न गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण:

वार्षिक कार्यक्रम तथा गतिविधियाँ

(शैक्षणिक सत्र 2024-25)

1. दिनांक- 05 जून 2024 को परिसर में "विश्वपर्यावरण दिवस" कार्यक्रम का आयोजन किया गया।
2. दिनांक- 21 जून 2024 परिसर में दसवाँ "अन्तर्राष्ट्रिय योग दिवस" का आयोजन किया गया। इस अवसर पर 6:30 बजे पूर्वाह्न में योगाभ्यास एवं व्याख्यान का आयोजन किया गया।
3. दिनांक 01 जुलाई 2024 से 07 जुलाई 2024 तक पञ्चदिवसीय "संस्कृत बी-लॉग" कार्यशाला का आयोजन किया गया।
4. दिनांक 01 जुलाई 2024 से 15 जुलाई 2024 तक "दीक्षारम्भ" कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता माननीय कुलपति जी ऑनलाइन माध्यम से किये। कार्यक्रम में परिसर के समस्त छात्र/छात्राएँ, प्राध्यापक, अधिकारी गण तथा कर्मचारी उपस्थिति रहे।
5. दिनांक 08 जुलाई 2024 से 18 जुलाई 2024 तक परिसर के बौद्धदर्शन एवं पालि विद्याशाखा के द्वारा "व्यावहारिक पालि व्याकरण शिक्षण" कार्यशाला का आयोजन किया गया।
6. दिनांक 01 अगस्त 2024 को परिसर में लोक शिकायत निवारण कार्यक्रम आयोजन किया गया।
7. दिनांक 08 अगस्त 2024 को "सरल मानक संस्कृत" विषयक विस्तार व्याख्यान कामेश्वर सिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो.लक्ष्मीनिवास पाण्डेय जी द्वारा किया गया।
8. दिनांक- 8 अगस्त 2024 को पूर्वाह्न 11 बजे शिवार्चन एवं "हर घर तिरंगा" कार्यक्रम का आयोजन हुआ, कार्यक्रम के अध्यक्ष परिसर निदेशक प्रो.सर्वनारायण झा जी रहे।
9. दिनांक- 14-26 अगस्त 2024 तक परिसर में "संस्कृत सप्ताह" कार्यक्रम का आयोजन हुआ, कार्यक्रम के अध्यक्ष परिसर निदेशक प्रो.सर्वनारायण झा जी रहे।

10. दिनांक-15 अगस्त 2024 को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, लखनऊ परिसर में 78 वां "**स्वतंत्रता दिवस**" का आयोजन हुआ। जिसके अन्तर्गत परिसर निदेशक महोदय जी ने झण्डा रोहण कर अध्यक्षीय भाषण से परिसर को संबोधित किया। ध्वजारोहण कार्यक्रम में प्राध्यापक, कार्यालय कर्मचारी तथा छात्र उपस्थित रहे।

11. दिनांक 19 अगस्त 2024 को परिसर में "**व्याकरण साहित्य एवं ज्योतिषशास्त्र**" विषयक सत्रार्द्ध सभा का आयोजन किया गया। शास्त्रार्थ की विशेषता यह रही कि कार्यक्रम की अध्यक्षता, सञ्चालन एवं धन्यवाद ज्ञापन छात्रों द्वारा किया गया।

12. दिनांक 23 अगस्त 2024 को परिसर मे प्रथम "**राष्ट्रीय अन्तरिक्ष दिवस**" उत्साह समारोह कार्यक्रम परिसर के कक्ष संख्या- 32 में सम्पन्न की गयी।

13. दिनांक 29 अगस्त 2024 को परिसर में "**संस्कृत सप्ताह सम्पूर्ति**" समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर के निदेशक ने किया।

14. दिनांक- 04 से 19 सितम्बर 2024 तक "**स्वच्छता पखवाड़ा**" का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसरीय निदेशक के द्वारा की गयी।

15. दिनांक 07 सितम्बर को परिसर में आयोजित "**गणेश चतुर्थी उत्सव**" कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

16. दिनांक- 12 सितम्बर 2024 को परिसर में माननीय कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेडी तथा परिसर निदेशक प्रो. सर्वनारायण झा के प्रकल्प को साकार करने हेतु परिसरीय के चयनित छात्रों ने एच.सी.एल. टेक कैरियर शेयर "**उद्योग समर्थित इन्टर्नशिप औरिएन्टेशन**" कार्यक्रम मे भाग लिया। उक्त कार्यक्रम में चयनित विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि भारतीय ज्ञान परम्परा के प्रचार-प्रसार में आधुनिक तकनीकी अत्यधिक आवश्यकता है।

17. दिनांक- 14-25 सितम्बर 2024 तक केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, लखनऊ परिसर में "**हिन्दी पखवाडा**" का आयोजन हुआ, जिसके अन्तर्गत हिन्दी राजभाषा के विषय में महत्त्वपूर्ण जानकारियाँ साझा की गई। तथा हिन्दी भाषा के प्रचार के लिए विभिन्न कार्यक्रम तथा प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों तथा कार्यालय कर्मचारियों ने भाग लिया।

18. दिनांक 24 सितम्बर 2024 को परिसर मे "**एन.एस.एस स्थापना दिवस**" कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

19. दिनांक 27 सितम्बर 2024 को "**स्वच्छता पखवाडा**" के अन्तर्गत नारी सशक्तिकरण विशिष्ट व्याख्यान कक्ष संख्या- 45 में शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा की अध्यक्ष प्रो. अवनीश अग्रवाल ने व्याख्यान दिया।

20. दिनांक 27 सितम्बर 2024 को परिसर में "**साइबर सुरक्षा जागरुकता**" कार्यक्रम का आयोजन किया। उक्त अन्तर्गत "**नारी सशक्तिकरण**" विशिष्ट व्याख्यान कक्ष संख्या- 45 में शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा की अध्यक्ष प्रो. अवनीश अग्रवाल ने व्याख्यान दिया।

22. "**जनजातीय गौरव दिवस**" दिनांक- 15 नवम्बर 2024 को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, लखनऊ परिसर में बिरसा मुण्डा महापुरुष की जयन्ती, हिन्दी पखवाडा, सर्तकता जगरुकता कार्यक्रम के उपलक्ष्य में जनजातीय गौरव दिवस का उत्सव मनाया गया।

23. '**संविधान दिवस**' दिनांक- 26 नवम्बर 2024 केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, लखनऊ परिसर में 'संविधान दिवस' कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

24. 'भारतीय भाषा उत्सव' दिनांक- 11 दिसम्बर 2024 को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, लखनऊ परिसर में भारतीय भाषा उत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसके अन्तर्गत भारतीय भाषा उत्सव प्रतिस्पर्धा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर निदेशक प्रो. सर्वनारायण झा जी रहे।

25. दिनांक 20 दिसम्बर 2024 को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, लखनऊ परिसर में "फिट इण्डिया" कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

26. दिनांक 2-6 दिसम्बर 2024 को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, लखनऊ परिसर में "गीता-जयन्ती" कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अध्यक्ष परिसर के निदेशक प्रो.सर्वनारायण झा जी रहे।

27. 4 एवं 5 जनवरी 2025 परिसर में "राज्यस्तरीयस्पर्धाः" का आयोजन किया गया। जिसके अन्तर्गत भाषणस्पर्धाः, शलाकापरीक्षा, कण्ठपाठ, समस्यापूर्तिः, अक्षरश्लोकी इत्यादि प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

28. 03 फरवरी 2025 को परिसर में स्थित "सरस्वती मन्दिर में पूजन" कार्यक्रम का आयोजन जिसमें परिसर के छात्र/छात्राओं, प्राध्यापकों, कर्मचारियों ने कार्यक्रम में भाग ग्रहण किया।

29. 25 फरवरी 2025 को "राष्ट्रिययुवदिवस के उपलक्ष्य में मातृभाषा" कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

30. 24 फरवरी 01 मार्च 2025 "लघुपराशरीय" कार्यशाला का आयोजन किया गया।

31. 01 से 07 मार्च 2025 को परिसर में आयोजित "लीलावतीकार्यशाला" कार्यशाला कार्यक्रम परिसरीय निदेशक की अध्यक्षता मे सम्पन्न हुआ।

32. दिनांक 17 मार्च 2025 को परिसर में आयोजित भारतीय वास्तुशास्त्रम्, शिक्षाशास्त्रम्, संस्कृतानुवादपरम्परा एवं ब्राह्मणग्रन्थानुशीलनम् पर छात्रों को सम्बोधित किया।

33. 22 से 23 मार्च 2025 परिसर में वार्षिकोत्सवः का आयोजन तथा 23 मार्च को "अन्ताराष्ट्रीयमहिला-सशक्तिकरण" एवं "जलदिवस" कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

34. 25 से 28 मार्च 2025 को परिसर मे ऑनलाइन माध्यम से "भारतीयज्ञानपरम्परा विशिष्टव्याख्यानमाला" का आयोजन किया गया।

'सूचना का अधिकार' अधिनियम 2005 के अन्तर्गत प्राप्त/ उत्तरित पत्रों की संख्या -

प्रार्थनापत्र प्राप्त - 00

उत्तर प्रेषित - 00

4.2.7 राजीव गाँधी परिसर मेनसे, श्रृंगेरी (कर्नाटक)

1. परिचय

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय (राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान) ने कर्नाटक के श्रृंगेरी में श्री राजीव गांधी परिसर की स्थापना की। इस पवित्र स्थान पर परिसर की स्थापना का निर्णय विश्वविद्यालय प्राधिकारियों द्वारा सही ढंग से लिया गया और इस परिसर का उद्घाटन भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति महामहिम आर. वेंकटरमण ने 13 जनवरी 1992 के शुभ दिन दक्षिणाम्नाय श्रृंगेरी श्री शारदापीठ के जगद्गुरु श्री श्री श्री भारती तीर्थ महास्वामीजी के दिव्य आशीर्वाद एवं उपस्थिति से किया।

शास्त्र अध्ययन को बढ़ाने के लिए, परिसर में मीमांसा, वेदांत, व्याकरण, साहित्य, ज्योतिष, शिक्षा शास्त्र, वेदभाष्य, न्याय विभाग हैं।

विश्वविद्यालय ने श्रृंगेरी में परिसर के विकास के लिए कर्नाटक सरकार से 10.2 एकड़ ज़मीन का अधिग्रहण किया है। परिसर का प्रशासनिक-सह-शैक्षणिक खंड 163 लाख रुपये की लागत से पूरा होकर सीपीडब्ल्यूडी को सौंप दिया गया है। दूसरे चरण के निर्माण कार्यों में लड़कों और लड़कियों के लिए दो छात्रावास, क्वार्टर और अतिथि गृह शामिल हैं, जिनका निर्माण 417 लाख रुपये की लागत से पूरा हुआ है। 2015 के दौरान, 9.00 करोड़ रुपये के बजट से शैक्षणिक और प्रशासनिक भवन और दोनों छात्रावासों का विस्तार किया गया। अब एक नया शैक्षणिक और प्रशासनिक खंड निर्माणाधीन है, जिसके लिए पहले चरण में 23 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया गया है।

वर्तमान में, यह परिसर प्राक्-शास्त्री, शास्त्री, आचार्य, शिक्षा-शास्त्री और विद्यावारिधि पाठ्यक्रम प्रदान करता है जो क्रमशः इंटरमीडिएट, बी.ए., एम.ए., बी.एड., और पी.एच.डी. के समकक्ष हैं और विभिन्न विश्वविद्यालयों द्वारा मान्यता प्राप्त हैं। यह विश्वविद्यालय भारतीय विश्वविद्यालयों के संघ का सदस्य भी है।

इन पाठ्यक्रमों के अतिरिक्त, परिसर छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए आधुनिक विषयों की एक श्रृंखला भी प्रदान करता है, जैसे कि इतिहास, अंग्रेजी, कन्नड़, हिंदी, संगणक विज्ञान, योग और पर्यावरण शिक्षा शामिल है।

2. परिसर का स्थान

राजीव गांधी परिसर
मेनसे, भारती नगर पोस्ट,
श्रृंगेरी - 577 139 कर्नाटक राज्य, भारत
टेलीफ़ोन: +91 8265 250258
टेली फैक्स: +91 8265 251763
ई-मेल: director-sringeri@csu.co.in
अन्तर्जाल: www.csu-sringeri.edu.in

3. परिसर की अवसंरचना

विश्वविद्यालय ने श्रृंगेरी में परिसर के विकास के लिए कर्नाटक सरकार से 10.2 एकड़ भूमि अधिग्रहित की है। परिसर का प्रशासनिक-सह-शैक्षणिक खंड 163 लाख रुपये की लागत से पूरा होकर सीपीडब्ल्यूडी को सौंप दिया गया है। दूसरे चरण के निर्माण कार्यों में 417 लाख रुपये की लागत से लड़कों और लड़कियों के लिए दो छात्रावास, क्वार्टर और अतिथि गृह का निर्माण पूरा हो गया है। 2015 के दौरान, 9.00 करोड़ रुपये के बजट से शैक्षणिक और प्रशासनिक भवन और दोनों छात्रावासों का विस्तार किया गया। अब एक नए शैक्षणिक और प्रशासनिक खंड का निर्माण कार्य चल रहा है, जिसके लिए पहले चरण में 23 करोड़ रुपये का बजट आवंटित किया गया है।

4. मुख्यगतिविधियाँ

परिसर में मीमांसा, वेदांत, व्याकरण, साहित्य, ज्योतिष, शिक्षा शास्त्र, वेदभाष्य और न्याय विभाग हैं। वर्तमान में परिसर में प्राक्-शास्त्री, शास्त्री, आचार्य, शिक्षा-शास्त्री और विद्यावारिधि पाठ्यक्रम संचालित होते हैं जो क्रमशः इंटरमीडिएट, बी.ए., एम.ए., बी.एड. और पीएच.डी. के समकक्ष हैं और विभिन्न विश्वविद्यालयों द्वारा मान्यता प्राप्त हैं। विश्वविद्यालय भारतीय विश्वविद्यालय संघ का सदस्य भी है। इन पाठ्यक्रमों के अतिरिक्त, परिसर छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए इतिहास, अंग्रेजी, कन्नड़, हिंदी, कंप्यूटर शिक्षा, योग और पर्यावरण शिक्षा जैसे आधुनिक विषयों की भी पेशकश करता है।

5. प्रकाशन

परिसर ने "जगदगुरु विजयम", "विवेचिनि", "प्रमाण समीक्षा" सहित कई उल्लेखनीय रचनाएँ प्रकाशित की हैं। इसके अतिरिक्त भारती, शारदा और वाक्यार्थ भारती पत्रिका नियमित रूप से प्रकाशित होती है।

6. उपलब्धपाठ्यक्रम

यह परिसर निम्नलिखित संकायों और विभागों के तहत विभिन्न पाठ्यक्रम प्रदान करता है।

1. वेद-वेदांग और वैदिक विज्ञान संकाय (School of Veda-Vedanga & Vedic Sciences)
   - वेदभाष्यम्
   - फलित एवं सिद्धांत ज्योतिषम्
   - व्याकरणम्
2. दर्शन संकाय
   - अद्वैत वेदान्त
   - न्याय
   - मीमांसा
3. भाषा, साहित्य और संस्कृति संकाय
   - साहित्य
4. योग विज्ञान और समग्र स्वास्थ्य पद्धतियाँ संकाय

   योग और समग्र स्वास्थ्य से संबंधित पाठ्यक्रम।
5. आधुनिक विषय (Modern Subjects)

   छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए उपलब्ध विषय-
   - हिंदी
   - कन्नड़
   - अंग्रेजी
   - इतिहास
   - कंप्यूटर विज्ञान
   - पर्यावरण शिक्षा
6. शिक्षा विभाग

7. परिसर के द्वारा आयोजित संगोष्ठी, कार्यशाला तथा व्याख्यानमाला

1. सत्रारंभ पूजा

18/06/2024 को शैक्षणिक सत्र के शुभारंभ के अवसर पर, श्री राजीव गांधी परिसर में श्री शारदाम्बा के चरणों की पूजा भक्तिपूर्वक की गई। परिसर के सभी सदस्य उपस्थित थे। परिसर के निदेशक प्रो. हंसधर झा ने उद्घाटन भाषण दिया। कार्यक्रम का संयोजन प्रो. सूर्यनारायण भट ने किया।

2. अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के आदेशानुसार, अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का समारोह श्री राजीव गांधी परिसर में 21/06/2024 को परिसर निदेशक प्रो. हंसधर झा की अध्यक्षता में आयोजित किया गया। परिसर के मुक्त

स्वाध्याय पीठ के डॉ. गोपाल कृष्ण हँगरी ने योग के महत्व पर व्याख्यान दिया। कार्यक्रम का समन्वय प्रो. रामचन्द्रुल बालाजी ने किया।

3. सेवानिवृत्ति समारोह

श्री राजीव गांधी परिसर में 28-06-2024 को प्रो. सी.एस.एस. नरसिंह मूर्ति का सेवानिवृत्ति समारोह आयोजित किया गया। परिसर के निदेशक और अन्य सदस्यों ने प्रो. सी.एस.एस. नरसिंह मूर्ति को सम्मान और सभी के लिए विशेष भोजन की व्यवस्था की थी।

4. स्वतंत्रता दिवस समारोह

15-08-2024 को श्री राजीव गांधी परिसर, श्रृंगेरी के प्रांगण में 78वाँ स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। परिसर निदेशक प्रो. हंसधर झा ने तिरंगा राष्ट्रीय ध्वज फहराया। ध्वजारोहण और राष्ट्रगान के बाद, शिक्षकों और छात्रों द्वारा भाषण, गीत और नृत्य प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम का समन्वय डॉ. विनय कुमार कोमपेल्ली ने किया।

5. संस्कृतोत्सव

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के आदेशानुसार, 20/08/2024 से 27/08/2024 तक श्री राजीव गांधी परिसर में संस्कृत उत्सव का आयोजन किया गया।

6. राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के आदेशानुसार, श्री राजीव गांधी परिसर में 23/08/2024 को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम के दौरान, प्रो. के.ए. पद्मनाभन ने अंतरिक्ष के महत्व पर और डॉ. ब्रजेश पाठक ने भारत की कालातीत उपलब्धि चंद्रयान-3 पर व्याख्यान दिया। परिसर निदेशक प्रो. हंसधर झा ने छात्रों और प्रतिभागियों को संबोधित किया। कार्यक्रम का समन्वय डॉ. नारायण वैद्य ने किया।

7. शिक्षक दिवस समारोह

परंपरा के अनुसार, 5/9/2024 को परिसर में शिक्षक दिवस समारोह आयोजित किया गया। इसमें, सरकारी हाई स्कूल, श्रृंगेरी के संस्कृत शिक्षक श्री श्रीश अतिथि के रूप में आए और छात्रों को गुरु के महत्व के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर के सह-निदेशक ने की। इस अवसर पर छात्रों ने अपने गुरुजनों को गौरवसमर्पण किया और उन का आशीर्वाद प्राप्त किया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. अरविंद कुमार सोमदत्त और डॉ. उमामहेश्वर राव ने किया।

8. हिंदी दिवस समारोह

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के आदेशानुसार, परिसर निदेशक के मार्गदर्शन में 23/09/2024 को श्री राजीव गांधी परिसर में हिंदी दिवस समारोह आयोजित किया गया। इसमें, एस.एस.एच.एस. बसरीकट्टे के हिंदी शिक्षक आर. भानु प्रकाश मुख्य अतिथि थे और उन्होंने छात्रों को हिंदी साहित्य के बारे में जानकारी दी। इसी तरह, डॉ. धनुर्धर झा (परमाणु ऊर्जा कनिष्ठ महाविद्यालय, मुंबई से) अतिथि के रूप में (ऑनलाइन) आए। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए परिसर निदेशक ने छात्रों को संबोधित किया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. दयानिधि शर्मा ने किया।

9. संस्कृत ओलंपियाड

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के आदेशानुसार, श्री राजीव गांधी परिसर ने श्रृंगेरी के स्कूल और कॉलेज के छात्रों में संस्कृत भाषा के प्रति रुचि जगाने के लिए एक आभासी रस प्रश्न कार्यक्रम (Virtual Rasa Prashna

program) का आयोजन किया। कार्यक्रम का समन्वय प्रो. हरिप्रसाद के और संस्कृत ओलंपियाड समिति के सदस्यों ने किया।

10. स्वच्छता ही सेवा

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के आदेशानुसार, परिसर निदेशक के मार्गदर्शन में 1/10/2024 को श्री राजीव गांधी परिसर में, स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम के तहत परिसर के शिक्षकों, छात्रों और कर्मचारियों ने सेवा भावना के साथ परिसर के अंदर और बाहर सफाई की।

11. शारदा पूजा

प्रत्येक वर्ष की तरह, इस वर्ष भी 14/10/2024 को ज्ञान की देवी शारदा परमेश्वरी की पूजा परिसर के सह-निदेशक प्रो. चंद्रकांत के मार्गदर्शन में संपन्न हुई। परिसर के संकाय सदस्यों और छात्रों की भागीदारी के साथ, प्रो. गणेश ईश्वर भट्ट और श्री आदर्श विनायक भट्ट ने कार्यक्रम का संयोजन किया।

12. सतर्कता जागरूकता कार्यक्रम

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के आदेशानुसार, श्री राजीव गांधी परिसर और सरकारी डिग्री कॉलेज, मेनसे के संयुक्त तत्वावधान में श्री राजीव गांधी परिसर में सतर्कता जागरुकता सप्ताह का आयोजन सार्थक रूप से किया गया। परिसर के कंप्यूटर शिक्षक डॉ. शशिधर के.वी. ने छात्रों को साइबर सुरक्षा और सोशल मीडिया से संबंधित मुद्दों पर संबोधित किया। परिसर निदेशक ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए सोशल मीडिया के महत्व पर जोर दिया।

13. कन्नड़ राजोत्सव

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, श्री राजीव गांधी परिसर, श्रृंगेरी और कार्मिक मित्र बलग, श्रृंगेरी ने संयुक्त रूप से 22/11/2024 को सुदुघा हॉल में कन्नड़ राजोत्सव का समापन समारोह आयोजित किया। श्री जनार्दन मंदगारु अतिथि के रूप में उपस्थित थे। परिसर के निदेशक प्रो. हंसधर झा ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। दोपहर में छात्रों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

14. जनजातीय गौरव दिवस

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के आदेशानुसार, श्री राजीव गांधी परिसर में 26/11/2024 को परिसर निदेशक की अध्यक्षता में जनजातीय गौरव दिवस मनाया गया। इसी व्यवस्था के तहत, भारत के संविधान के उद्देश्यों के अनुरूप शपथ ग्रहण के साथ संविधान दिवस कार्यक्रम भी आयोजित किया गया।

15. भारतीय शिक्षा दिवस

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के आदेशानुसार, श्री राजीव गांधी परिसर में 11/11/2024 को भारतीय शिक्षा दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए परिसर निदेशक ने भारत के पूर्व शिक्षा मंत्री मौलाना अब्दुल कलाम के शैक्षिक योगदान के महत्व पर जोर दिया। कार्यक्रम का समन्वय प्रो. रामचन्द्रुल बालाजी ने किया।

16. कार्तिक दीपोंत्सव

कार्तिक मास के अवसर पर, 20/11/2024 को छात्रों ने परिसर निदेशक के मार्गदर्शन में सुदुघा हॉल में एक संस्कृत दीपोंत्सव का आयोजन किया। सभी शिक्षक वहाँ उपस्थित थे। छात्रों ने उत्साहपूर्वक देवताओं की पूजा की, भजन गाए और स्तोत्र का पाठ किया।

17. गीता जयंती समारोह

परिसर में 11/12/2024 को गीता जयंती समारोह आयोजित किया गया। इसमें, श्री राजीव गांधी परिसर, श्रृंगेरी के शिक्षकों और छात्रों ने श्रीमद्भगवद्गीता के द्वितीय अध्याय का पाठ किया। परिसर के निदेशक प्रो. हंसधर झा ने छात्रों को भगवद्गीता के महत्व पर संबोधित किया। छात्रों ने भगवान कृष्ण की पूजा के बाद प्रसाद वितरण किया।

18. फिट इंडिया वीक-2024

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के आदेशानुसार, स्वास्थ्य, शारीरिक फिटनेस और मानसिक शांति को बढ़ावा देने के लिए श्री राजीव गांधी परिसर में 18/12/2024 से 21/12/2024 तक फिट इंडिया वीक-2024 नामक चार दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें योग, शारीरिक खेल और स्वास्थ्य पर व्याख्यान आयोजित किए गए। कार्यक्रम का समन्वय डॉ. वेंकटरमण भट्ट ने समिति के सदस्यों के साथ किया।

19. एक पेड़ माँ के नाम अभियान

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के आदेशानुसार, श्री राजीव गांधी परिसर में 21/12/2024 को एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत कई छात्रों ने अपनी माँ के नाम पर वृक्षारोपण किया। छात्रों ने लगाए गए वृक्ष की देखभाल और उसे बड़ा करने की जिम्मेदारी ली। परिसर निदेशक ने अपनी उपस्थिति से कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

20. सुशासन दिवस

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के आदेशानुसार, पूर्व प्रधानमंत्री श्री अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती को चिह्नित करने के लिए श्री राजीव गांधी परिसर में 24/12/2024 को सुशासन दिवस मनाया गया। इस संदर्भ में, डॉ. दयानिधि शर्मा ने छात्रों को सुशासन की विशेषताओं और महत्व के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए परिसर निदेशक प्रो. हंसधर झा ने छात्रों को संबोधित किया। कार्यक्रम का समन्वय डॉ. नारायण वैद्य ने किया।

21. राष्ट्रीय गणित दिवस

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के आदेशानुसार, श्री राजीव गांधी परिसर में 23/12/2024 को राष्ट्रीय गणित दिवस मनाया गया। वहाँ, उडुपी पूर्ण प्रज्ञा महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. ए.पी. भट्ट अतिथि के रूप में आए और भारतीय गणित पर अपना वक्तव्य दिया। परिसर निदेशक प्रो. हंसधर झा ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए छात्रों को संबोधित किया। सभी शिक्षकों और छात्रों ने भाग लिया और भारतीय गणित के बारे में जानकारी प्राप्त की। कार्यक्रम का समन्वय डॉ. रामानंद भट्ट ने किया।

22. मातृभाषा दिवस समारोह

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के आदेशानुसार, परिसर निदेशक प्रो. हंसधर झा की अध्यक्षता में श्री राजीव गांधी परिसर के सुदुघा हॉल में 21/02/2024 को मातृभाषा दिवस मनाया गया। वहाँ, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, श्री राजीव गांधी परिसर के पूर्व निदेशक प्रो. सी.एस.एस. नरसिंह मूर्ति ने अतिथि के रूप में छात्रों को संबोधित किया। विभिन्न राज्यों के परिसर के छात्रों ने अपनी-अपनी मातृभाषाओं में कविताएँ, गीत और भाषण प्रस्तुत किए। सभी विद्याशाखा सदस्यों और छात्रों ने भाग लेकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

23. गणतंत्र दिवस समारोह

परिसर में 26/01/2025 को छियासठवाँ (76वाँ) गणतंत्र दिवस मनाया गया। इस शुभ अवसर पर, परिसर के निदेशक प्रो. हंसधर झा ने सुबह 08:30 बजे ध्वजारोहण किया। कार्यक्रम परिसर के सभागार 'सुदुघा' में परिसर निदेशक की अध्यक्षता और गणतंत्र दिवस समिति के समन्वयक प्रो. रामचन्द्रुल बालाजी की उपस्थिति में आयोजित

किया गया। परिसर के शिक्षकों, छात्रों और अन्य कर्मचारियों ने कार्यक्रम में भाग लिया। सभा के दौरान छात्रों ने देशभक्ति गीत, भाषण, कविता पाठ और नृत्य प्रस्तुत किए। शिक्षकों ने भी भाषण दिए और गीत गाए। सभा के अध्यक्ष, परिसर निदेशक प्रो. हंसधर झा ने गणतंत्र दिवस के अवसर पर संबोधित किया और लोगों से संविधान के मूल्यों का पालन करने का आग्रह किया। शिक्षक के संबोधन ने परिसर के छात्रों को देश की प्रगति में योगदान देने के लिए प्रेरित किया। धन्यवाद ज्ञापन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। वाग्वर्धिनी परिषद के छात्रों, कार्यादर्शियों और अन्य ने पूरे कार्यक्रम का संचालन किया।

24. राष्ट्रीय युवा दिवस और युवा सप्ताह कार्यक्रम

राष्ट्रीय युवा दिवस और युवा सप्ताह कार्यक्रम परिसर में 20/01/2025 से 24/1/2025 तक आयोजित किया गया। विशेष रूप से, 22/1/2025 को परिसर के छात्रों के लिए भाषण प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं। 23/1/2025 को परिसर निदेशक की अध्यक्षता में समापन समारोह आयोजित किया गया। वहाँ, श्री सुधीर एच.एम. अतिथि के रूप में आए और छात्रों को संबोधित किया। इसके भाग के रूप में, छात्रों और शिक्षकों ने अपनी क्षमतानुसार धन दान करके "युवा निधि" धन उगाही कार्यक्रम में योगदान दिया।

25. स्तोत्र त्रिवेणी कार्यक्रम

जगद्गुरु शंकराचार्य श्री भारतीतीर्थ महास्वामी जी के स्वर्ण संन्यास महोत्सव के अवसर पर श्रीमठ में स्तोत्र त्रिवेणी अर्पित करने के कार्यक्रम में, दक्षिणाम्नाय श्रृंगेरी शारदा पीठ के प्रमुखों के नेतृत्व में, परिसर के आचार्य प्रो. चंद्रकांत और डॉ. रामचंद्र एच.डी. के मार्गदर्शन में, परिसर के छात्रों ने स्तोत्र पाठकर्ता और कार्यकर्ता के रूप में भाग लिया।

26. अखंड रामचरितमानस पारायण

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, श्री राजीव गांधी परिसर में 22, 23-02-2025 को अखंड रामचरितमानस पारायण का आयोजन किया गया। वहाँ छात्रों ने पूरी श्रद्धा और भक्ति के साथ रामचरितमानस का पाठ किया। शिक्षकों ने भी पाठ में भाग लिया। छात्रों ने भगवान श्री राम की पूजा की और उनके प्रति अपनी भक्ति अर्पित की। डॉ. दुर्गा शरण रथ ने छात्रों को धर्म पर संबोधित किया।

27. अष्टाध्यायी पारायणम

27-02-2025 को महाशिवरात्रि के अवसर पर प्रयोग होने वाले अष्टाध्यायी सूत्रों के पाठ का कार्यक्रम श्री राजीव गांधी परिसर में आयोजित किया गया। व्याकरण विभाग के शिक्षकों और छात्रों ने पाठ में भाग लिया।

28 अखंड रामायण पारायणम

प्रत्येक वर्ष की तरह, इस वर्ष भी 4/4/2024 से 6/4/2024 तक परिसर में श्रीमद् बाल्मीकि रामायण का पाठ परिसर के निदेशक, प्रोफेसरों और छात्रों की भक्तिपूर्ण भागीदारी के साथ आयोजित किया गया। पाठ के अंत में श्री रामचंद्र जी की पूजा और एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम छात्र कल्याण परिषद की ओर से किया गया।

29. राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम

श्री राजीव गांधी परिसर में राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा कई कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। छात्रों के लाभ के लिए जल शक्ति अभियान, तंबाकू निषेध दिवस आदि जैसे कार्यक्रम आयोजित किए गए।

30. भूतपूर्व छात्र संघ कार्यक्रम

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय श्री राजीव गांधी परिसर के भूतपूर्व छात्र संघ द्वारा इस वर्ष रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इसी प्रकार, अखंड रामचरितमानस पारायण और अखंड वाल्मीकि रामायण पारायण में वित्तीय सहायता प्रदान करके छात्र संघ के सदस्यों को धार्मिक कार्यक्रमों में भाग लेने का अवसर दिया गया।

31. कुंभ मेला

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के आदेशानुसार, श्री राजीव गांधी परिसर के 45 छात्रों ने 10/02/2025 से 20/2/2025 तक डॉ. निरंजन भट्ट और विद्वान् ब्रह्मभट्ट नचिकेता संजय कुमार के मार्गदर्शन में प्रयागराज में आयोजित पूर्ण कुंभ मेले में कार्यकर्ता के रूप में भाग लिया।

32. काशी तमिल संगमम

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के आदेशानुसार, श्री राजीव गांधी परिसर के 5 छात्रों ने परिसर के सह-निदेशक प्रो. चंद्रकांत के मार्गदर्शन में, केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा आयोजित "काशी तमिल संगमम" में भाग लिया।

कार्यशालाओं/संगोष्ठियों का विवरण

1. ग्रीष्मकालीन शास्त्र शिविर कार्यक्रम

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति के संकल्प के अनुसार, श्री राजीव गांधी परिसर में 20/05/2024 से 19/06/2024 तक अखिल भारतीय एक माह का आवासीय शास्त्र प्रशिक्षण वर्ग सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। अद्वैत ब्रह्म सिद्धि नामक ग्रंथ पर आधारित इस शास्त्र प्रशिक्षण वर्ग में महामहोपाध्याय प्रो. मणि द्रविड़ शास्त्री सहित पंद्रह से अधिक विद्वान वक्ताओं ने छात्रों को संबोधित किया। पच्चीस से अधिक छात्रों ने इस प्रशिक्षण वर्ग में भाग लिया और लाभ उठाया। परिसर निदेशक ने छात्रों को शास्त्र के अर्थ पर मनन करने के लिए प्रोत्साहित किया। प्रो. गणेश ईश्वर भट्ट के समन्वय में कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया।

2. व्याकरण संगोष्ठी

परिसर के पूर्व निदेशक प्रो. सी.एस.एस. नरसिंह मूर्ति की सरकारी सेवा से सेवानिवृत्ति के अवसर पर, श्री राजीव गांधी परिसर में 26/6/2024 से 28/6/2024 तक व्याकरण विभाग द्वारा धातु-आख्यार्थ विचार विषय पर एक तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। दस से अधिक विद्वानों ने संगोष्ठी में भाग लेकर इसकी शोभा बढ़ाई। संगोष्ठी का आयोजन परिसर निदेशक के मार्गदर्शन और डॉ. प्रमोद भट्ट के समन्वय में किया गया।

3. करियर मार्गदर्शन और जीवन विज़न कार्यशाला

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के आदेशानुसार, श्री राजीव गांधी परिसर ने छात्रों के लाभ के लिए धी अकादमी बैंगलोर के सहयोग से 10, 11/7/2024 को करियर मार्गदर्शन और जीवन विज़न पर एक कार्यशाला का आयोजन किया। धी अकादमी बैंगलोर की श्रीमती काव्य अनंता ने छात्रों के साथ बातचीत की। इसी प्रकार, धी अकादमी बैंगलोर के श्री विनय महाभाग ने प्रतियोगी परीक्षाओं की पूर्णता पर छात्रों को संबोधित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए परिसर निदेशक ने छात्रों को प्रोत्साहित किया। डॉ. सूर्यनारायण भट्ट और डॉ. राघवेंद्र पी. अरोली ने कार्यक्रम का संयोजन किया।

4. शीतकालीन कार्यशाला

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के आदेशानुसार, श्री राजीव गांधी परिसर में 06/1/2025 से 12/1/2025 तक कौटिल्य के अर्थशास्त्र पर एक सप्ताह की कार्यशाला और चिंतन सत्र आयोजित किया गया। प्रो. एच.वी. नागराज, प्रो. टी.वी. सत्यानारायण जैसे अनेक विद्वानों ने छात्रों को कौटिल्य के अर्थशास्त्र का शिक्षण दिया। 34 छात्रों ने इससे लाभ उठाया। कार्यशाला का सफल संचालन परिसर निदेशक के निर्देशन में, प्रो. हरिप्रसाद और डॉ. वेंकटरमण भट्ट के समन्वय में किया गया।

5. एनईपी-2020 कार्यशाला

विश्वविद्यालय के आदेशानुसार, राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुसार संरचित पाठ्यक्रम को समझने के लिए परिसर संकाय के लिए श्री राजीव गांधी परिसर में 20/1/2025 से 24/1/2025 तक एक कार्यशाला आयोजित की गई। सभी प्रतिभागियों ने कार्यशाला से लाभ उठाया। प्रो. सूर्यनारायण भट्ट ने कार्यशाला का समन्वय किया।

6. अनुवाद कार्यशाला

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के आदेशानुसार, श्री राजीव गांधी परिसर में “भारतीय भाषाओं में अनुवाद” पर एक पाँच दिवसीय कार्यशाला (27.01.2025 से 31.01.2025) आयोजित की गई। कार्यशाला का उद्घाटन 27.01.2025 को शाम 04:00 बजे हुआ। उद्घाटन सत्र में परिसर निदेशक प्रो. हंसधर झा ने कार्यशाला का उद्घाटन किया और मुख्य भाषण दिया। सह-निदेशक प्रो. चंद्रकांत ने प्रतिभागियों और अनुवादकों को संबोधित किया। परिसर निदेशक की उपस्थिति में कार्यशाला का समापन हुआ। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में हम सभी शिक्षुता कार्यक्रम के दौरान अनुवाद कार्य के लिए अपने परिसर के छात्रों को ठीक से प्रशिक्षित करने के लिए मिलकर काम करेंगे। छात्रों को विभिन्न ग्रंथों का अनुवाद करने में योग्यता हासिल करनी चाहिए और अनुवाद के क्षेत्र में, विशेष रूप से संस्कृत से भारतीय भाषाओं में, कई ग्रंथों का अनुवाद करना चाहिए। उन्होंने अनुवाद के क्षेत्र में उद्योग के अवसरों को खोजने की भी उम्मीद जताई। इस कार्यशाला के प्रतिभागियों ने हिंदी, कन्नड़ और तेलुगु से संस्कृत में अनुवाद किया। डॉ. नारायण वैद्य ने कार्यशाला का समन्वय किया।

7. ज्योतिष शास्त्रीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, श्री राजीव गांधी परिसर में 20-02-2025 को प्रो. हंसधर झा के समन्वय में ज्योतिष पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित की गई। प्रो. ईश्वर भट्ट ने उद्घाटनकर्ता के रूप में संगोष्ठी में भाग लिया। परिसर के निदेशक प्रो. हंसधर झा ने समारोह की अध्यक्षता की और अपने विचार प्रस्तुत किए।

8. राष्ट्रीय कार्यशाला

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के आदेशानुसार, श्री राजीव गांधी परिसर के निदेशक प्रो. हंसधर झा के निर्देशन में भारतीय दर्शन के सिद्धांतों में सार्वजनिक वैज्ञानिक सिद्धांतों का अवलोकन विषय पर भारतीय दर्शन अध्ययन एवं अनुसंधान केंद्र ने 28/03/2025 से 6/03/2025 तक एक सप्ताह की राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला के दौरान कई विद्वानों ने छात्रों को संबोधित किया। चालीस से अधिक व्युत्पन्न छात्रों ने कार्यशाला में भाग लिया और लाभ उठाया। कार्यशाला का सफल संचालन परिसर निदेशक की अध्यक्षता में, प्रो. नवीन होल्ला के समन्वय और कार्यशाला समिति के सदस्यों के सहयोग से किया गया।

9. साहित्य शास्त्रीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के आदेशानुसार, परिसर निदेशक प्रो. हंसधर झा के मार्गदर्शन में साहित्य विभाग ने काव्य के भौगोलिक आधारित अध्ययन पर एक पाँच दिवसीय कार्यशाला (17/03/2025 से 21/03/2025) का आयोजन किया। इस कार्यशाला का समन्वय प्रो. राघवेंद्र भट्ट के समन्वय में डॉ. श्रीनिवास मूर्ति और डॉ. उमामहेश्वर राव द्वारा किया गया।

10. दर्शन शास्त्रीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के आदेशानुसार, परिसर निदेशक प्रो. हंसधर झा के मार्गदर्शन में भारतीय दर्शन अध्ययन एवं अनुसंधान केंद्र ने दर्शन में प्रत्यक्ष की चर्चा पर एक राष्ट्रीय विद्वत् संगोष्ठी का आयोजन 21/03/2025 से 23/03/2025 तक किया। पंद्रह से अधिक विद्वानों ने प्रत्यक्ष पर शोध प्रस्तुतियों के साथ विद्वत् संगोष्ठी की शोभा बढ़ाई। इसी क्रम में, परिसर के विद्वानों ने विद्वत् संगोष्ठियों में भाग लेकर और शास्त्रों पर चिंतन करके छात्रों को शास्त्रों का अर्थ समझने में मदद की। विद्वत् संगोष्ठी का सफल संचालन निदेशक की अध्यक्षता में, प्रो. नवीन होल्ला के समन्वय और विद्वत् गोष्ठी समिति के सदस्यों के सहयोग से किया गया।

11. व्याकरण शास्त्रीय राष्ट्रीय कार्यशाला

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के आदेशानुसार, परिसर निदेशक प्रो. हंसधर झा के मार्गदर्शन में 10/03/2025 से 12/03/2025 तक महाभाष्य में 'समर्थाह्निकम' विषय पर पठन (लाइन रीडिंग) पर एक तीन दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की गई। व्याकरण विभाग के समन्वयक प्रो. चंद्रशेखर भट ने समिति के सदस्यों के साथ मिलकर कार्यशाला का सुचारू रूप से संचालन किया।

12. लघु कथा लेखन पर राष्ट्रीय कार्यशाला

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के आदेशानुसार, परिसर निदेशक प्रो. हंसधर झा के मार्गदर्शन में 29, 30/03/2025 को लघु कथा लेखन और पठन पर एक दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की गई। वहाँ, डॉ. एच.आर. विश्वास जैसे संस्कृत भाषा के विद्वानों के ज्ञानवर्धक उद्बोधन से प्रतिभागी संतुष्ट हुए। कार्यशाला का समन्वय डॉ. नारायण वैद्य ने किया

'सूचना का अधिकार' अधिनियम 2005 के अन्तर्गत प्राप्त/ उत्तरित पत्रों की संख्या -

प्राप्त - 00

जवाब दिया - 00

4.2.8 वेदव्यास परिसर, बलाहर, कांगडा, हिमाचल प्रदेश

1. परिचय

शिक्षा-मन्त्रालय, भारत सरकार द्वारा संचालित केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भारत का एकमात्र बहु-परिसरीय संस्कृत विश्वविद्यालय है। इसका एक परिसर हिमाचलप्रदेश के कांगडा जिले में बलाहर गांव में वेदव्यास परिसर के नाम से संचालित है। परिसर की स्थापना दिनांक 16.09.1997 को केन्द्रीय संस्कृत विद्यापीठ के नाम से भारत के प्रथम धरोहर ग्राम गरली में हुई थी। वर्ष 2002 में यह परिसर राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान (मानित-विश्वविद्यालय) गरली के नाम से प्रचलित हुआ। दिनांक 28.01.2012 से यह परिसर बलाहर ग्राम में 13.26 करोड रुपये की लागत से अपने नव-निर्मित भवन में संचालित हुआ। 30 अप्रैल, 2020 को इस विश्वविद्यालय को संसद अधिनियम के द्वारा केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के रूप में परिवर्तित होने का गौरव प्राप्त हुआ।

वेदव्यास-परिसर केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के स्वप्न एवं लक्ष्य को वास्तविकता में परिणत करने में सतत प्रगतिशील है। परिसर का लक्ष्य एवं उद्देश्य संस्कृत भाषा एवं उसकी विविध शास्त्रीय परम्पराओं का परिरक्षण एवं संवर्धन करना है। परिसर में वर्ष 1997 से व्याकरण, ज्योतिष, साहित्य विषयों में प्राक्शास्त्री, शास्त्री तथा आचार्य पाठ्यक्रमों को संचालित किया जा रहा है। उपर्युक्त विषयों में विद्यावारिधि (पीएच.डी.) उपाधि के लिए शोध भी प्रगति पर है। इसके अतिरिक्त संगणकविज्ञान, पर्यावरण, हिन्दी, अंग्रेजी एवं इतिहास आदि आधुनिक विषयों को भी स्नातक स्तर तक पढाया जाता है। यह उल्लेखनीय है कि एक ग्रामीण क्षेत्र में संचालित होने के कारण परिसर के विकास एवं संस्कृत भाषा के प्रचार हेतु यहां अधिक सम्भावनाएं हैं। हिमाचल-प्रदेश के लोग अत्यन्त विनम्र एवं उदार प्रकृति के होते हैं तथा धार्मिक परम्पराओं एवं भारतीय संस्कृति में अखण्ड श्रद्धा तथा विश्वास रखते हैं। यह परिसर समीपस्थ जन समुदायों को संस्कृत से जोडने के लिए प्रयासरत है। इस दिशा में परिसर के छात्रों एवं अध्यापकों का योगदान उल्लेखनीय है।

2. परिसर का स्थान

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
वेदव्यास परिसर
बलाहर, कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश – 177108
टेलीफ़ैक्स- 01970-245409
इमेल- directorbalahar@csu.co.in
अन्तर्जाल-www.csu-blahar.edu.in

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, वेदव्यास परिसर, हिमाचल-प्रदेश के कांगडा जिले में देहरा तहसील के पास बलाहर नामक एक लघु ग्राम में व्यासनदी के तट पर अवस्थित है। इस परिसर के निकटवर्ती क्षेत्रों में प्रसिद्ध देवी-देवताओं के मन्दिर यथा कालीनाथकालेश्वर महादेव, माता श्री ज्वालामुखी मन्दिर, माता श्री बगलामुखी मन्दिर, माता श्री चिन्तपूर्णी मन्दिर, माता श्री वज्रेश्वरी मन्दिर, माता श्री चामुण्डा मन्दिर, माता श्री नैनादेवी मन्दिर आदि अवस्थित है।

3. परिसर की अवसंरचना

परिसर में छात्रों के लिए निम्नलिखित सुविधाएं हैं।

1. बालक-छात्रावास
2. बालिका-छात्रावास
3. व्यायाम एवं योग-केन्द्र

4. भाषा प्रयोगशाला
5. मनोविज्ञान प्रयोगशाला
6. ज्योतिष विज्ञान प्रयोगशाला
7. आई. सी. टी. कम्प्यूटर प्रयोगशाला (इन्टरनेट सुविधा)
8. स्मार्ट कक्ष
9. क्रीडा स्थल
10. नाटक आदि हेतु प्रेक्षागृह
11. छात्रों के लिए छात्रवृत्ति
12. परिसर का कार्यक्षेत्र भारत के विभिन्न राज्यों में स्थित विश्वविद्यालयों द्वारा आयोजित होने वाले विभिन्न प्रकार के राष्ट्रिय स्तर के कार्यक्रमों में भाग लेकर अपने छात्रों के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास करने हेतु समुचित अवसर उपलब्ध कराना है।

4. मुख्यगतिविधियाँ

- डॉ. सरोजिनी महिषी महिला अध्ययन अनुसंधान केंद्र - केंद्र का उद्देश्य महिलाओं, नारीवाद, लिंग और कामुकता से संबंधित मुद्दों पर शिक्षण, अनुसंधान, दस्तावेज़ीकरण और प्रकाशन, प्रशिक्षण और परामर्श को बढ़ावा देना है, जिसका उद्देश्य महिलाओं का समर्थन करना है। समाज के सभी वर्गों को अपनी आंतरिक क्षमताओं को समझने और अधिक लिंग-न्यायपूर्ण समाज बनाने की आवश्यकता है। समाज में महिलाओं की भूमिकाओं और महिलाओं के जीवन और स्थिति को प्रभावित करने वाले रुझानों के बारे में ज्ञान विकसित करने, बढ़ावा देने और प्रसारित करने के लिए, केंद्र का लक्ष्य है:

1. महिलाओं और विकास के संबंध में प्राथमिक और व्यावहारिक अनुसंधान करना, प्रयास करना और प्रोत्साहित करना।
2. शैक्षणिक संस्थानों, जमीनी स्तर के संगठनों के साथ-साथ अनुसंधान, वकालत और संबंधित गतिविधियों में लगे व्यक्तियों के साथ सहयोग करना।
3. ग्रामीण महिलाओं के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करना और सहायता करना।
4. समाज के सभी स्तरों पर महिलाओं की पूर्ण और प्रभावी भागीदारी के लिए सामाजिक परिवर्तन में तेजी लाने के उद्देश्य से सेमिनार, सम्मेलन जैसी गतिविधियाँ चलाना।
5. शिक्षण
6. नए प्रवेशित छात्रों के लिये संस्कृत सम्भाषण शिविर

5. प्रकाशन

परिसर अनेक ग्रन्थों एवं पत्रिकाओं का प्रकाशन करता है जिनमें यू.जी.सी केयर लिस्ट में “वेद विपाशा” सम्मिलित है। तथा अन्य पत्रिकाएं भी प्रकाशित करता है।

6. उपलब्ध पाठ्यक्रम

परिसर में अधोलिखित विभागों में प्राक्शास्त्री से विद्यावारिधि (12^{th} – Ph.d) तक अध्ययन-अध्यापन होता है परिसर में निम्नलिखित नियमित पाठ्यक्रम परिचालित हैं।

1. व्याकरण
2. ज्योतिष

3. साहित्य
4. अद्वैत वेदान्त दर्शन (01.07.2011)
5. शिक्षाशास्त्री (वर्ष 2011)
6. कर्मकाण्ड एवं पौरोहित्य पी. जी. डिप्लोमा पाठ्यक्रम (जून, 2023)
7. यौगिक विज्ञान पी. जी. डिप्लोमा पाठ्यक्रम (जून, 2023)

7. परिसर में आयोजित संगोष्ठी, कार्यशाला तथा व्याख्यानमाला –

विद्याभारती संस्था के साथ MoU

परिसर में दिनांक 04.04.2024 को छात्रों के लिए रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाने की दिशा में विद्या भारती संस्था के MoU का आयोजन किया गया, जिसमें विद्या भारती विद्यालय संगठन के पदाधिकारी तथा मुख्यालय के प्रतिनिधियों ने इस MoU के मसौदे पर हस्ताक्षर किये। इसमें परिसर की निदेशक प्रो. सत्यम कुमारी अध्यक्ष एवं डॉ. मुकेश शर्मा संयोजक के रूप में उपस्थित रहे।

नवसंवत्सर कार्यक्रम

परिसर में दिनांक 09.04.2024 को नवसंवत्सर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में प्रो. शीशराम अध्यक्ष के रूप में उपस्थित रहे।

डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयन्ती

परिसर में दिनांक 15.04.2024 को डॉ. भीवराव अम्बेडकर जयन्ती के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में प्रो. शीशराम अध्यक्ष के रूप में उपस्थित रहे।

परीक्षा की प्रतीक्षा कार्यक्रम

परिसर में दिनांक 22.04.2024 को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति महोदय ने परीक्षा की प्रतीक्षा के विषय में परिसरीय छात्रों के साथ ऑनलाइन माध्यम से चर्चा की।

रक्तदान शिबिर

परिसर में दिनांक 15.05.2024 को राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्त्वावधान में संगणक अध्यापक श्री अमिल वालिया के संयोजकत्व में रक्तदान शिबिर का आयोजन किया गया, जिसमें परिसर की स्वयं सेवक इकाई द्वारा 35 यूनिट रक्तदान किया गया।

प्रकाशन विभाग की संगोष्ठी

दिनांक 13.06.2024 को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के प्रकाशन विभाग द्वारा ऑनलाइन माध्यम से संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें परिसर के निदेशक सहित 43 सदस्यों संगोष्ठी में उपस्थित रहे।

अन्तराष्ट्रीय योग दिवस

परिसर में दिनांक 21.06.2024 को अन्तराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में सर्वपरिरसीय आयोजन वेदव्यास परिसर में भव्य रूप से कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी महोदय तथा मुख्यातिथि के रूप में माननीय मुकुल कानिटकर महोदय उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के समस्त परिसरों के लगभग 250 छात्र-छात्राएँ एवं मार्गदर्शक उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर निदेशक प्रो. सत्यम कुमारी तथा संयोजन डॉ. पुरुषोत्तम ने किया।

दीक्षारम्भ कार्यक्रम

दिनांक 02.07.2024 को माननीय कुलपति महोदय जी द्वारा ऑनलाइन माध्यम से दीक्षारम्भ कार्यक्रम का शंखनाद किया गया। वेदव्यास परिसर के सभी छात्र भरतमण्डप में कार्यक्रम के दौरान उपस्थित रहे।

संस्कृत सप्ताह कार्यक्रम

दिनांक 14.08.2024 से 20.08.2024 तक परिसर में संस्कृत सप्ताह कार्यक्रम का आयोजन माननीय कुलपति महोदय के संरक्षण में आयोजित किया गया। इस क्रम में दिनांक 14.08.2024 को परिसर में संस्कृत सप्ताह के उद्घाटन समारोह में डिग्री कॉलेज, हरिपुर जिला कांगड़ा के प्राचार्य डॉ. अश्वनी कुमार पराशर उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर निदेशक प्रो. सत्यम कुमारी एवं संयोजन डॉ. सत्यदेव ने किया। इस सप्ताह के दौरान चारों ओर विद्यमान विविध संस्थाओं में संस्कृत के प्रचार प्रसार के लिए विविध प्रकार की गतिविधियाँ आयोजित की गई। इस कार्यक्रम के समापन कार्यक्रम में हिमाचल प्रदेश के स्थानीय लगभग 20 विद्यालयों के छात्रों ने प्रतियोगिता में प्रतिभागिता की। इस कार्यक्रम के समापन सत्र में दिनांक 20.08.2024 को ज्वाहर लाल नेहरु, विश्वविद्यालय के प्रो. संतोष कुमार शुक्ल मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने संस्कृत की वैज्ञानिकता पर प्रकाश डाला। इस कार्यक्रम में विशिष्टातिथि के रूप में हिमाचल प्रदेश के खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के निदेशक श्री पुष्पेन्द्र ठाकुर ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

स्वतन्त्रता दिवस

दिनांक 15.08.2024 को परिसर में भारत के 78वें स्वतन्त्रता दिवस के उपलक्ष्य ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित हुआ, जिसमें परिसरीय निदेशक प्रो. सत्यम कुमारी ने शहीदों को श्रद्धांजलि देते हुये देश के गौरव गाथा को छात्रों के सामने रखा। इस अवसर पर परिसर के छात्र, प्राध्यापक एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

टांकरी लिपि प्रशिक्षण कार्यशाला

दिनांक 31.08.2024 से 06.09.2024 तक वेदव्यास परिसर में टांकरी लिपि प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें प्रशिक्षक के रूप में प्रो. अनिर्वाण दास उपस्थित थे साथ ही प्रो. जतीन्द्र मोहन मिश्र ने भी बहुमूल्य समय देकर प्रशिक्षुओं का मार्गदर्शन किया। इसकी अध्यक्षता परिसर निदेशक प्रो. सत्यम कुमारी ने की इसके संयोजक डॉ. यज्ञदत्त शर्मा थे।

शिक्षक दिवस

दिनांक 05.09.2024 को वेदव्यास परिसर में शिक्षक दिवस का आयोजन किया गया इसमें मुख्यातिथि के रूप में वन उप-मण्डलाधिकारी उपस्थित रहें। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर की निदेशक प्रो. सत्यम कुमारी ने की। इस अवसर पर परिसर के छात्रों ने सभी अध्यापकों को तिलक लगाकर उपहार प्रदान करते हुए अभिनन्दन किया।

वेदान्त की राष्ट्रीय संगोष्ठी

दिनांक 09.09.2024 को वेदव्यास परिसर के वेदान्त विद्याशाखा ने राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जिसका विषय उपनिषत्सु वर्णितानाम्आख्यानानां दार्शनिकसिद्धान्तानाम् आधुनिकयुगे उपादेयता था। इसमें मुख्यातिथि के रूप में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. के.बी. सुब्बारायुडु उपस्थित रहे। इसकी अध्यक्षता परिसर निदेशक प्रो. सत्यम कुमारी ने की इस संगोष्ठी के समनव्यक वेदान्त विद्याशाखा के संयोजक प्रो. मंजुनाथ एस. जि. थे।

वृक्षारोपण कार्यक्रम

दिनांक 10.09.2024 से वेदव्यास परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम शुरू हुआ यह कार्यक्रम राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वावधान से सम्पन्न हुआ। इसका ध्येय वाक्य था एक पेड़ मां के नाम यह कार्यक्रम परिसर निदेशक प्रो. सत्यम

कुमारी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। इसके संयोजक साहित्य विद्याशाखा के सहायकाचार्य डॉ. योगेश पाण्डेय थे। परिसर के ८०० छात्रों ने वृक्षारोपण करके हरित क्रांति लाने में महनीय योगदान रहा।

हिन्दी-पखवाड़ा

दिनांक 13.09.2024 से दिनांक 27.09.2024 तक वेदव्यास परिसर में हिन्दी-पखवाड़ा कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इसकी अध्यक्षता परिसर की निदेशक प्रो. सत्यम कुमारी ने की। इसके संयोजक आधुनिक विद्याशाखा के सहायकाचार्य डॉ ओमप्रकाश साहनी थे। इस कार्यक्रम के दौरान परिसर में सभी वर्गों के छात्रों के लिए विविध प्रकार की प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। समापन के समय विजयी छात्रों को पुरस्कार प्रदान करके सम्मानित किया गया।

परिसर स्थापना दिवस

दिनांक 16.09.2024 को वेदव्यास परिसर में परिसर स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर परिसर के छात्रों ने विविध सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर निदेशक प्रो. सत्यम कुमारी ने की। इस अवसर पर परिसर के सभी प्राध्यापक, कर्मचारी एवं छात्र उपस्थित रहें।

स्वच्छता-पखवाड़ा

दिनांक 17.09.2024 से 02.10.2024 तक वेदव्यास परिसर में राष्ट्रीय सेवा योजना के सौजन्य से स्वच्छता-पखवाड़ा महोत्सव का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम परिसर निदेशक प्रो. सत्यम कुमारी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। इसके समन्वयक साहित्य विद्याशाखा के सहायकाचार्य श्री पंकज थे। इसमें राष्ट्रीय सेवा योजना के 200 स्वयं सेवियों ने भाग लिया।

राष्ट्रीय सेवा योजना का स्थापना दिवस

दिनांक 24.09.2024 को वेदव्यास परिसर में राष्ट्रीय सेवा योजना का स्थापना दिवस मनाया गया। इस अवसर पर मुख्यातिथि के रूप में उप-मण्डलाधिकारी देहरा श्रीमती शिल्पी बेक्टा उपस्थित रहे। मुख्यवक्ता के रूप में डॉ. स्नेहलता भारद्वाज ने छात्रों का मार्गदर्शन किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के छात्रों ने विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों के द्वारा सभी अभ्यागतों को मंत्र मुग्ध किया यह कार्यक्रम परिसर निदेशक प्रो. सत्यम कुमारी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। इसके संयोजक श्री पंकजवालिया थे।

गांधी जयन्ती

02.10.2024 दिनांक को वेदव्यास परिसर में गांधी जयन्ती के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के सौजन्य से स्वच्छता अभियान चलाया गया। जिसकी अध्यक्षता परिसर के निदेशक महोदया प्रो. सत्यम कुमारी ने की इस अवसर पर परिसर के समस्त प्राध्यापक, कर्मचारी व छात्र उपस्थित रहें।

संस्कृत ग्राम विकास प्रशिक्षण कार्यशाला

दिनांक 12.10.2024 से 13.10.2024 तक वेदव्यास परिसर में मसोट गाँव को संस्कृत ग्राम बनाने के उद्देश्य से एक प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में देश के विभिन्न स्थानों के विद्वानो व शोधार्थियों ने भाग ग्रहण किया इस कार्यशाला की अध्यक्षता परिसर के निदेशक प्रो. सत्यम कुमारी ने की यह कार्यशाला डॉ पुरुषोत्तम के संयोजकत्व में सम्पन्न हुई।

भारतीय ज्ञान परम्परा पर आधारित राष्ट्रीय संगोष्ठी

19,20 अक्टूबर 2024 को वेदव्यास परिसर मे ठाकुर राम सिंह ऐतिहासिक शोध संस्थान, नेरी, हमीरपुर के संयुक्त तत्वावधान में द्विदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया इसका विषय – भारतीय ज्ञान परम्परा में हिमाचल का योगदान था। यह कार्यक्रम परिसर निदेशक की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ इसके संयोजक शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा के आचार्य

डॉ. मुकेश कुमार थे इस अवसर पर डॉ. चेत राम, प्रो. पी.वी. सुब्रह्मण्यम, डॉ. किस्मतकुमार, डॉ. कर्म सिंह आदि विद्वानों ने अपने विचार रखे।

साहित्य विद्याशाखा की व्याख्यान माला 24.10.2024 दिनांक को वेदव्यास परिसर में साहित्य विद्याशाखा की ओर से व्याख्यान माला आयोजित की गई। इसका विषय – नव्यन्यायस्य साहित्यशास्त्रे अनुप्रयोगः था। इसमे मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. नीरज शर्मा, सहायकाचार्य शासकीय संस्कृत महाविद्यालय, देवेन्द्र नगर मध्य प्रदेश से उपस्थित थे। इस अवसर पर साहित्य विद्याशाखा के सभी आचार्य व छात्रों नें व्याख्यान माला का मान बढ़ाया।

संविधान दिवस

26.11.2024 दिनांक को वेदव्यास परिसर में राष्ट्रीय सेवा योजना के सौजन्य से संविधान दिवस का आयोजन किया गया। इसकी अध्यक्षता परिस की निदेशक प्रो. सत्यम कुमारी ने की। इस अवसर पर परिसर के सभी प्राध्यापक एवं छात्र उपस्थित रहे।

विश्व एडस सप्ताह-

दिनांक 01.12.2024 से 07.12.2024 तक वेदव्यास परिसर में राष्ट्रीय सेवा योजना की ओर से अन्तर्राष्ट्रीय एडस सप्ताह के अवसर पर जागरुकता अभियान चलाया गया इससे परिसर के 1000 छात्र लाभान्वित हुए।

गीता जयन्ती

दिनांक 11.12.2024 को वेदव्यास परिसर के वाला त्रिपुर सुन्दरी माता के मन्दिर में अखण्ड गीता पाठ का आयोजन किया गया इस अवसर पर महिला छात्रावास की सभी छात्राएं मार्गदर्शिकाओं सहित उपस्थित रहे इस कार्यक्रम की प्रेरक परिसर निदेशक प्रो. सत्यम कुमारी रही।

स्वास्थ्य परामर्श कार्यक्रम

दिनांक 18.12.2024 को वेदव्यास परिसर में राष्ट्रीय सेवा योजना एवं श्री सत्य सांई मुरलीधर आयुर्वेदिक महाविद्यालय पंजाब के संयुक्त तत्वावधान में स्वास्थ्य परीक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिससे परिसर के 450 सदस्य लाभान्वित हुए।

प्रमाण मीमांसा विषय में व्याख्यान

दिनांक 15.01.2025 को वेदव्यास परिसर में साहित्य विद्याशाखा एवं भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद के संयुक्त तत्वावधान में ऑनलाइन माध्यम से व्याख्यान का आयोजन किया गया। जिसमे डॉ. बिपिन बिहारी दुबे मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर की निदेशक प्रो. सत्यम कुमारी ने की। इस अवसर पर साहित्य विद्याशाखा के सभी प्राध्यापक एवं छात्र उपस्थित रहे।

युवा दिवस

दिनांक 12.01.2025 को वेदव्यास परिसर में युवा दिवस का आयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना के सौजन्य से सम्पन्न हुआ। इसकी अध्यक्षता परिसर निदेशक प्रो. सत्यम कुमारी ने की। इसमे मुख्य वक्ता के रूप में प्रो. शीशराम उपस्थित रहे, उन्होंने स्वामी विवेकानन्द जी के जीवन चरित पर प्रकाश डाला। इसके संयोजक श्री पंकज सहायकाचार्य साहित्य विद्याशाखा थे। विशेष सहयोगी के रूप में श्रीमती अंजु गोस्वामी ने अपनी अहम भूमिका निभाई।

क्रीडा प्रशिक्षण कार्यक्रम

दिनांक 21.01.2025 को वेदव्यास परिसर में विश्वविद्यालय क्रीडा उत्कृष्ट केन्द्र की ओर से क्रीडा प्रशिक्षण कार्यक्रम का आरम्भ हुआ। इसमें श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर देवप्रयाग, श्री रणवीर परिसर जम्मू एवं वेदव्यास परिसर बलाहर के 90 छात्र उपस्थित रहे। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 15 दिन का था इसके उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में प्रो. अशोक चन्द्र

गौड़ ने छात्रों का मार्गदर्शन किया। इसकी अध्यक्षता परिसर निदेशक प्रो. सत्यम कुमारी ने की। यह कार्यक्रम डॉ. संजय कुमार के संयोजकत्व में सम्पन्न हुआ।

गणतन्त्र दिवस

दिनांक 26.01.2025 को वेदव्यास परिसर में गणतन्त्र दिवस के अवसर पर ध्वाजारोहण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम परिसर निदेशक की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। इसके संयोजक डॉ. संजय कुमार थे। इस अवसर पर छात्रों ने देश भक्ति से सम्बन्धित अनेक कार्यक्रम प्रस्तुत किए।

शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा की छात्र संगोष्ठी

दिनांक 27.01.2025 को वेदव्यास परिसर में शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा में छात्र संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य छात्रों का सर्वांगीण विकास था। इसमें शिक्षाशास्त्र द्वितीय वर्ष के छात्रों ने शोध पत्र वाचन किया।

अखिल भारतीय शलाका परीक्षा

दिनांक 01-02 मार्च 2025 को संस्कृत भारती एवं जयराम आश्रम के संयुक्त तत्वावधान में दिल्ली में अखिल भारतीय शलाका स्पर्धा का आयोजन किया गया जहाँ पर परिसर के छात्रा प्रिया कौण्डल ने साहित्य शलाका में तृतीय स्थान एवं व्याकरण शलाका में हरीष शर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा

दिनांक 21.03.2025 को हरिद्वार में आयोजित अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा में वेदव्यास परिसर के तीन छात्रों ने पुरस्कार प्राप्त किए। जिसमे धर्म शास्त्र भाषण में दिव्याश्री मिश्र ने प्रथम पुरस्कार, साहित्य शलाका में प्रीति ने द्वितीय पुरस्कार तथा ज्योतिष शलाका में ओंकार शर्मा ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। छात्रों के संतोष जनक प्रदर्शन से प्रसन्न हो करके परिसर निदेशक ने सभी विजयी छात्रों को शुभकामनाए प्रदान कीं।

राष्ट्रीय एकता शिविर

दिनांक 21-27 मार्च 2025 तक राष्ट्रीय सेवा योजना का एकता शिविर कृषि विश्वविद्यालय हिसार हरियाणा में आयोजित हुआ जिसमें वेदव्यास परिसर के छात्र अभिषेक शर्मा ने हिमाचल का प्रतिनिधित्व किया।

सप्त सिंधु संवाद

दिनांक 05.03.2025 से 07.03.2025 तक वेदव्यास परिसर, बलाहर एवं हिमाचल प्रदेश केन्द्रीय विश्वविद्यालय धर्मशाला के संयुक्त तत्वावधान में त्रि-दिवसीय सप्त सिंधु संवाद आयोजित हुआ। इस कार्यक्रम में अनेक विश्वविद्यालयों के विषय विशेषज्ञ उपस्थित रहे। इसके संयोजक डॉ. योगेश पाण्डेय रहे। इसकी अध्यक्षता परिसर निदेशक प्रो. सत्यम कुमारी ने की।

'सूचना का अधिकार' अधिनियम 2005 के अन्तर्गत प्राप्त/ उत्तरित पत्रों की संख्या -

प्राप्त – 29

उत्तर - 29

4.2.9 केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,भोपाल परिसर, भोपाल, (मध्य प्रदेश)

1. परिचय

भोपाल एक ऐसा शहर है जो प्राचीन काल से ही प्राकृतिक, बौद्धिक, साहित्यिक, ऐतिहासिक और राजनीतिक सम्पदा की दृष्टि से समृद्ध रहा है। इसलिए भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मन्त्रालय ने भोपाल में भोपाल परिसर की स्थापना हेतु स्थापना आदेश क्रमांक- Sanskrit-1-section dated 31st March, 2002 जारी किया। सरकार के इस आदेश के क्रियान्वयन हेतु राष्ट्रिय संस्कृत स्सथान, नई दिल्ली ने पत्र क्रमांक - 37021/2002-admin/1108 कार्यालय आदेश क्रमांक 107/ दिनांक 05.06.2002 के अनुसार प्राचार्य एवं अन्य विभाग आदि उपलब्ध कराने के पश्चात् दिनांक 01 जुलाई, 2002 से भोपाल परिसर का शुभारम्भ किया गया। भोपाल परिसर का औपचारिक उद्घाटन दिनांक 16 सितम्बर, 2002 को म.प्र. के तत्कालीन राज्यपाल माननीय भाई महावीर जी द्वारा प्रो. वेम्पटी कुटुम्ब शास्त्री, तत्कालीन कुलपति, राष्ट्रिय संस्कृत संस्थान, नई दिल्ली की उपस्थिति में घोषित किया गया था। परिसर के संस्थापक प्राचार्य, आचार्य आजाद मिश्र और संस्कृत जगत के अन्य प्रतिष्ठित विद्वानों ने इस परिसर के निर्माण की आधारशिला रखी। उसके बाद तत्कालीन मुख्यमन्त्री माननीय श्री दिग्विजय सिंह ने 27.02.2003 को आवंटित भूमि पर इस परिसर भवन का शिलान्यास किया। परिसर में साहित्य, व्याकरण, ज्योतिष, जैन दर्शन, दर्शन और शिक्षा सहित विभिन्न विषयों के 06 विभाग चल रहे हैं। इनके साथ ही अंग्रेजी, हिन्दी, राजनीति विज्ञान, इतिहास और कंप्यूटर जैसे आधुनिक विषयों की भी शिक्षा दी जाती है। प्रस्तावित पाठ्यक्रमों में प्राक् शास्त्री, शास्त्री, आचार्य, शिक्षाशास्त्र, शिक्षा आचार्य, ज्योतिष में सर्टिफिकेट कोर्स (त्रैमासिक), वास्तु शास्त्र में डिप्लोमा, नाट्यशास्त्र में डिप्लोमा, कर्मकाण्ड और पौरोहित्य में डिप्लोमा और संस्कृत ज्ञान की विभिन्न शाखाओं में विद्यावारिधि (पीएच.डी.) शामिल हैं। शारीरिक शिक्षा के प्रशिक्षण के लिए छात्रों को खेल के मैदान के साथ एक आधुनिक व्यायामशाला भी प्रदान की गई है। मुक्त स्वाध्याय पीठ संस्कृत सीखने के इच्छुक लोगों को संस्कृत शिक्षा प्रदान करने के लिए परिसर में काम कर रहा है। परिसर के वररुचि ग्रन्थागार (केन्द्रीय पुस्तकालय) में हजारों पुस्तकें,कई पत्रिकाएँ,अन्य पत्रिकाएँ और समाचार पत्र उपलब्ध हैं। परिसर में संस्कृत में उन्नत अध्ययन के लिए सुव्यवस्थित एवं सुसज्जित कंप्यूटर, ज्योतिष, भाषा, पाठ्यक्रम और मनोविज्ञान की प्रयोगशालाएँ हैं। परिसर में व्यवस्थित ओपन एयर थिएटर बनाया गया है, जिसमें एक बार में 300 लोग बैठ सकते हैं। भोपाल परिसर में अद्वितीय नाट्यशास्त्र अनुसन्धान केन्द्र चलता है, जो संस्कृत नाटकों की नाट्य प्रस्तुति पर काम करता है। यह संस्कृत गीतों और श्लोकों की ऑडियो सीडी रिकॉर्ड करता है और तैयार करता है। भोपाल परिसर दो ISSN पत्रिकाएँ प्रकाशित करता है, जिनका नाम है राष्ट्री (ISSN 2231-2129) और शास्त्र मीमांसा (ISSN -2321-6948)। परिसर के सभी विभागों में वार्षिक प्रकाशन भी होते हैं। इस प्रकार यह परिसर संस्कृत शिक्षा के विकास के लिए निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रतिबद्ध रहा है।

2. परिसर का स्थान

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
भोपाल परिसर संस्कृत मार्ग, बागसेवनिया,
भोपाल – 462043 मध्य प्रदेश
फोन- 0755-2418043
अन्तर्जाल: www.केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय-bhopal.edu.in
इमेल: director-bhopal@केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय.co.in
rsks_bhopal@yahoo.com

3. परिसर की अवसंरचना

मुख्य भवन का वत्सराज भवन नामकरण हुआ और उसी दिन से अपने वत्सराज भवन में परिसर की सभी गतिविधियाँ प्रारम्भ हो गयी थी। इस समय वत्सराज मुख्यभवन के अन्तर्गत सभी कक्षाएँ, सभी प्रयोगशालाएँ, अनौपचारिक कक्षाएँ, विभागीय पुस्तकालय, दूरस्थशिक्षण केन्द्र, नाट्यशास्त्र अनुसन्धान केन्द्र, सभाकक्ष और सर्वसाधन सम्पन्न सभागार, शोधकक्ष सुव्यवस्थित रूप में उपलब्ध हैं। इनके साथ ही परिसर में व्यवस्थित वररुचि ग्रन्थागार (केन्द्रीय पुस्तकालय) और दृश्य साधन सम्पन्न वातानुकूलित भवभूति प्रेक्षागार भी उपलब्ध है। उसमें अतिथि निवास कक्ष, शिक्षककक्ष और विभागाध्यक्ष कक्ष आदि नियमानुसार प्रकल्पित हैं। इस के अतिरिक्त आवासीय सुविधा उपलब्ध कराने के लिए 333 छात्रों का पुरुष छात्रावास, 108 छात्राओं का महिला छात्रावास, अतिथि निवास, प्राचार्य एवं कर्मचारी आवास के उपलब्ध है

4. मुख्य गतिविधियाँ

- ❖ राष्ट्रीय संगोष्ठी - संस्कृत संवर्धन में अनुसूचित जाति एवं जनजाति का योगदान –
- ❖ स्वच्छता ही सेवा - 01 अक्टूबर, 2023
- ❖ स्पोकन ट्यूटोरियल प्रोजेक्ट
- ❖ नाट्यशास्त्र कार्यशाला
- ❖ भारतीय शैक्षिक मनोविज्ञान पर राष्ट्रीय कार्यशाला

5. प्रकाशन

परिसर अनेक ग्रन्थों तथा शोध पत्रिकाओं का प्रकाशन करता है जिनमें उल्लेखनीय पत्रिकाएं हैं- “राष्ट्री”,“शास्त्रमीमांसा” आदि।

6. उपलब्ध पाठ्यक्रम

परिसर में अधोलिखित विभागों में प्राक्शास्त्री से विद्यावारिधि (12th – Ph.d) तक अध्ययन-अध्यापन होता है

विधास्थान	विधाशाखा एवं केन्द्र	पाठयक्रम
1. वेदवेदांग एवं वैदिक विज्ञान विधास्थान 1.1 (विधावारिधि-पीएच.डी.)	1.व्याकरण शास्त्र विभाग	1. शास्त्री – बी.ए. 2. शास्त्री प्रतिष्ठा – बी.ए. (ऑनर्स) 3. आचार्य – एम.ए.
	2.ज्योतिष शास्त्र विभाग	1. भारतीय ज्योतिष परिचय प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम 2. में स्नातकोत्तर उपाधि पाठयक्रम ज्योतिष एवं वास्तु 3. शास्त्री – बी.ए. (सिद्धान्त/फलित) 4. शास्त्री प्रतिष्ठा – बी.ए. (ऑनर्स) (सिद्धान्त/फलित) 5. आचार्य – एम.ए. (सिद्धान्त/फलित)
	3. वेद, पौरोहित्य एवं कर्मकाण्ड विभाग	1. पौरोहित्य एवं कर्मकाण्ड में प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम
2. शिक्षाशास्त्र एवं कौशल प्रशिक्षण संकाय (विद्या वारिधि–पी.एच.डी.)	1. शिक्षाशास्त्र (एजुकेशन) विभाग	1. एकीकृत शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम (ITEP) 2. शिक्षा शास्त्री – बी.एड.

		3. शिक्षा आचार्य – एम.एड.
3. भाषा, साहित्य एवं संस्कृति संकाय	1. संस्कृत साहित्य विभाग	1. शास्त्री – बी.ए. 2. शास्त्री प्रतिष्ठा – बी.ए. (ऑनर्स) 3. आचार्य – एम.ए. (विद्या वारिधि–पी.एच.डी.)
	2. अंग्रेज़ी विधाशाखा	1. बी.ए. स्तर पर भाषा / साहित्य / कौशल के रूप में
	3. भारतीय भाषा विधाशाखा	1. शास्त्री – बी.ए. में वैकल्पिक विषय के रूप में (हिंदी, बंगाली, ओड़िया, नेपाली, डोगरी, मलयालम, कन्नड़, मराठी, मैथिली, भोटी, मणिपुरी)
	4. नाट्यशास्त्र अध्ययन एवं अनुसंधान केंद्र	1. प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम (गायन) 2. प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम (बांसुरी) 3. प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम (भारतीय शास्त्रीय नृत्य) 4. भारतीय शास्त्रीय रंगमंच में डिप्लोमा 5. एम.ए. (नाट्यशास्त्र एवं भारतीय रंगमंच)
	5. गांधर्वविधाशाखा	1. बी.पी.ए. भारतीय संगीत (गायन) 2. बी.पी.ए. वाद्य संगीत (बांसुरी/सितार) 3. बी.पी.ए. ओडिसी नृत्य
4. दर्शन विधास्थान 5.1(विद्यावारिधि–पी.एच.डी.)	1. जैन दर्शन विधाशाखा	1. शास्त्री – बी.ए. (जैन दर्शन/प्राकृत) 2. शास्त्री प्रतिष्ठा – बी.ए. (ऑनर्स) (जैन दर्शन) 3. आचार्य – एम.ए. (जैन दर्शन/प्राकृत)
6. समकालीन ज्ञान प्रणाली एवं मानविकी संकाय 6.1 (विद्यावारिधि–पी.एच.डी.)	1. सामाजिक विज्ञान विभाग	1. 1. शास्त्री – बी.ए. (राजनीति विज्ञान, अर्थशास्त्र, इतिहास, समाजशास्त्र, भूगोल आदि चयनित विषयों के साथ)
7. बहुविषयक संकाय	1. संगणक विज्ञान और प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण विधाशाखा	
विद्यालय शिक्षा मण्डल	विद्यालयस्तरीय पाठयक्रम	प्राक्-शास्त्री

7. परिसर द्वारा आयोजित संगोष्ठी, कार्यशाला तथा व्याख्यानमाला कार्यक्रमों की सूची

1. नाट्यशास्त्र कार्यशाला, 3–23 जून 2024
2. योग दिवस, 21 जून 2024
3. दीक्षारम्भ कार्यक्रम, 1–15 जुलाई 2024
4. गुरु पूर्णिमा, 21 जुलाई 2024

5. करियर काउंसलिंग एवं लाइफ विज़निंग कार्यशाला, 29/07/2024
6. दीक्षारम्भ कार्यक्रम, 1–15 जुलाई 2024
7. स्वागत एवं विदाई समारोह 2024–25
8. 7-दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम, 1–7 अगस्त 2024
9. संस्कृत सप्ताह महोत्सव, 14–20 अगस्त 2024
10. स्वतंत्रता दिवस समारोह, 15 अगस्त 2024
11. परिसर स्तरीय शास्त्रीय स्पर्धा, 20 अगस्त 2024
12. राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस, 23 अगस्त 2024
13. वाग्वर्धिनी का उद्घाटन, 30 अगस्त 2024
14. एंटी-रैगिंग जागरूकता कार्यक्रम, 30 अगस्त 2024
15. कला धरोहर, 3–4 सितंबर 2024
16. श्री भोजराज राष्ट्रीय पंचांग निर्माण कार्यशाला, 2–4 सितंबर 2024
17. शिक्षक दिवस, 5 सितंबर 2024
18. शोध संक्षेप (सिनॉप्सिस) विकास कार्यशाला, 12–13 सितंबर 2024
19. एक छात्र एक पेड़ – एक पेड़ माँ के नाम कार्यक्रम, 13 सितंबर 2024
20. हिंदी पखवाड़ा, 13–30 सितंबर 2024
21. स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम, 14 सितंबर–1 अक्टूबर 2024
22. वार्षिक प्रतियोगिताएँ, 17–26 सितंबर 2024
23. प्रो. नीलाभ तिवारी की सीएसयू भोपाल में सहायक निदेशक के रूप में नियुक्ति, 18 सितंबर 2024
24. दीक्षारम्भ कार्यक्रम – एकीकृत बी.ए. बी.एड., 19 सितंबर–2 अक्टूबर 2024
25. राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस (एनएसएस) दिवस, 24 सितंबर 2024
26. प्रो. सदाशिव कुमार द्विवेदी का विशेष व्याख्यान, 26/09/2024
27. पीएमकेवीवाई उन्मुखीकरण कार्यक्रम, 30 सितंबर 2024
28. अखिल भारतीय सांस्कृतिक, शैक्षणिक एवं क्रीड़ा प्रतियोगिताएँ, 17, 18 एवं 19 अक्टूबर 2024
29. अखिल भारतीय सांस्कृतिक, शैक्षणिक एवं क्रीड़ा प्रतियोगिताएँ, 17, 18 एवं 19 अक्टूबर 2024
30. पीजीबीटी कॉलेज के एम.एड. छात्रों का भ्रमण, 23/10/2024
31. यक्षगान, 7/11/2024
32. सीपीआर एवं आपातकालीन उपचार प्रशिक्षण, 11/11/2024
33. पर्यावरण विषय पर भाषण प्रतियोगिता, 11/11/2024
34. शोध उपकरण विकास कार्यशाला, 12–14/2024
35. कालिदास महोत्सव, उज्जैन में सहभागिता, 14 नवंबर 2024
36. जनजातीय गौरव दिवस, 15–26 नवंबर 2024
37. परिसर उद्घाटन, 15 नवंबर 2024 (दिल्ली मुख्यालय के अवर सचिव द्वारा निरीक्षण)
38. डॉ. शिवानंद फिलिप का विशेष व्याख्यान, 19/11/2024
39. संविधान दिवस, 26/11/2024
40. लायंस क्लब भोपाल द्वारा लक्ष्य निर्धारण पर विशेष व्याख्यान, 28/11/2024
41. फिट इंडिया कार्यक्रम – 6, 2–5 दिसंबर 2024

42. महाकुंभ कॉन्क्लेव, 19वीं राउंड टेबल कॉन्फ्रेंस, 2/12/2024
43. गीता जयंती महोत्सव, 10, 11 एवं 12 दिसंबर 2024
44. भारतीय भाषा उत्सव में सहभागिता, 11 दिसंबर 2024
45. अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव में सहभागिता, 11 दिसंबर 2024
46. भारतीय भाषा अनुवाद कार्यशाला में सहभागिता, 16–20 दिसंबर 2024
47. जेंडर सेंसिटाइजेशन कार्यशाला, 18/12/2024
48. हैमन्तीय कार्यशाला, 18–24 दिसंबर 2024
49. हैमन्तीय कार्यशाला (तर्कसंग्रह), सीएसयू प्रयागराज में सहभागिता, 18–27 दिसंबर 2024
50. आईटीईपी छात्रा गौरी भावनी का 'विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग: युवा महोत्सव 2025' हेतु राज्य प्रतिनिधि के रूप में चयन
51. संस्कृत भारती, मध्य प्रांत सम्मेलन, 3, 4 एवं 5 जनवरी 2025
52. परिसर स्तरीय शास्त्रीय स्पर्धा, 6–7 जनवरी 2025
53. पंचांग कार्यशाला, 6–8 जनवरी 2025
54. क्षेत्रीय रूपक महोत्सव, 9–10 जनवरी 2025
55. जनचेतना शोभायात्रा, 10 जनवरी 2025
56. नवीन कंप्यूटर प्रयोगशाला का उद्घाटन, 11 जनवरी 2025
57. राष्ट्रीय युवा महोत्सव, 12–19 जनवरी 2025
58. केंद्रीय मूल्यांकन, 12–21 जनवरी 2025
59. मकर संक्रांति, 14/01/2025 (हवन एवं सुंदरकांड)
60. भरतनाट्य प्रशिक्षण कार्यशाला, 15–24 जनवरी 2025
61. कठपुतली निर्माण कार्यशाला (आईटीईपी) में विशेष व्याख्यान, 16 जनवरी 2025
62. नाटक 'द डायमंड नेकलेस' का मंचन, 20 जनवरी 2025
63. राज्य स्तरीय शास्त्रीय स्पर्धा, 22–23 जनवरी 2025
64. महाकुंभ प्रयागराज में सहभागिता, 22–25 जनवरी 2025
65. गणतंत्र दिवस समारोह, 26/01/2025
66. अनुवाद कौशल विकास कार्यशाला, 27–31 जनवरी 2025
67. बी.एड. प्रथम वर्ष के छात्रों द्वारा वीथि नाटक, 28 जनवरी 2025
68. छात्रों की उपलब्धियाँ
69. वसंत पंचमी, 3 फरवरी 2025
70. अखिल भारतीय रूपक महोत्सव, 11–14 फरवरी 2025
71. एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी, 17/02/2025 – 'अगस्त्य मुनि की सिद्धांत प्रणाली का आयुर्वेद में वैशिष्ट्य'
72. थाईलैंड में अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में सहभागिता, 19–23 फरवरी 2025
73. मातृभाषा दिवस, 21 फरवरी 2025
74. अनुवाद प्रशिक्षण में सहभागिता, 22–27 फरवरी 2025
75. व्यावसायिक विकास गतिविधि, बी.एड. द्वितीय वर्ष, 25 फरवरी 2025
76. राष्ट्रीय विज्ञान दिवस कार्यक्रम, 28 फरवरी 2025
77. डॉ. मणि शर्मा एवं डॉ. रवींद्र उनियाल का विदाई समारोह, 1 मार्च 2025

78. छात्रों की उपलब्धियाँ
79. गुरुकुल संदर्शन कार्यक्रम, बी.एड. द्वितीय सेमेस्टर, 4–5 मार्च 2025
80. स्वागत एवं विदाई समारोह
81. अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस, 3–9 मार्च 2025
82. एनएसएस द्वारा 7-दिवसीय शिविर, 7–13 मार्च 2025
83. अंग्रेज़ी में रचनात्मक लेखन प्रतियोगिता, 10 मार्च 2025
84. एनसीएफ अनुवाद कार्यशाला (क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल) में सहभागिता, 8–9 एवं 13 मार्च 2025
85. संस्कृत प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण कार्यक्रम में सहभागिता, 20–25 मार्च 2025
86. सीएसयू जयपुर एफडीपी में सहभागिता, 17–21 मार्च 2025
87. एनएसडी वाराणसी संस्कृत रूपक महोत्सव में सहभागिता, 20 मार्च 2025
88. संस्कृत रूपक महोत्सव में सहभागिता, 21 मार्च 2025
89. अखिल भारतीय वक्तृत्व प्रतियोगिता में सहभागिता, 18–25 मार्च 2025
90. आचार्य प्रथम वर्ष के छात्र श्री नरेंद्र धार द्विवेदी का निधन, 18 मार्च 2025
91. छात्रावास दिवस 'परिस्पंद' समारोह, 22–23 मार्च 2025
92. 'शिक्षक शिक्षा के बदलते परिप्रेक्ष्य' विषय पर चर्चा, 21 मार्च 2025
93. रंगरूपक महोत्सव में सहभागिता
94. द्वि-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी, 28–29 मार्च 2025
95. राधाकृष्णन स्मृति व्याख्यान, 28 मार्च 2025
96. एनईपी 2020 क्रियान्वयन पर कार्यशाला, 29 मार्च 2025
97. नवसंवत्सर कार्यक्रम (चैत्र शुक्ल प्रतिपदा), 30 मार्च 2025

1. नाट्यशास्त्र कार्यशाला (3–23 जून 2024)

"रंगमञ्चस्य मूलतत्त्वानि संस्कृत नाट्यनिर्देशनं च" विषय पर 21 दिवसीय नाट्यशास्त्र कार्यशाला का आयोजन केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय (केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय), भोपाल परिसर, भोपाल में 3 से 23 जून 2024 तक किया गया। इस कार्यक्रम में आमंत्रित वक्ता श्री योगेश सोमन, प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी, श्रीमती ऐश्वर्या हरिश, डॉ. एम. के. सुरेश बाबू, प्रो. पुरु दाधीचि आदि थे। देशभर से विद्यार्थियों ने इस कार्यशाला में सक्रिय रूप से भाग लिया। समापन सत्र के मुख्य अतिथि प्रो. सुरेश जैन, प्रो. विजय कुमार मेनन, श्री हरि तथा प्रो. आर. जी. मुरलीकृष्ण थे। उद्घाटन एवं समापन सत्र की अध्यक्षता केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर के निदेशक प्रो. रमाकांत पाण्डेय ने की। इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ. प्रसाद भिडे थे।

2. योग दिवस (21 जून 2024)

21 जून 2024 को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर, भोपाल में योग दिवस मनाया गया। सभी कर्मचारियों ने केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय बलाहर (हिमाचल प्रदेश) में आयोजित ऑनलाइन कार्यक्रम में भाग लिया। परिसर में विद्यार्थियों एवं शिक्षकों द्वारा योगाभ्यास भी किया गया। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर के निदेशक प्रो. रमाकांत पाण्डेय ने सभी को नियमित रूप से योग अभ्यास करने के लिए प्रेरित किया।

3. दीक्षारम्भ कार्यक्रम (1–15 जुलाई 2024)

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर, भोपाल में दीक्षारम्भ कार्यक्रम 1 से 15 जुलाई 2024 तक आयोजित किया गया। उद्घाटन समारोह 2 जुलाई 2024 को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय मुख्यालय, नई दिल्ली में आयोजित हुआ, जिसमें केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर के सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने ऑनलाइन सहभागिता की। इस कार्यक्रम के अंतर्गत नवप्रवेशित विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम एवं विश्वविद्यालय से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ दी गईं। इस कार्यक्रम के संयोजक प्रो. प्रदीप पाण्डेय थे।

4. गुरु पूर्णिमा (21 जुलाई 2024)

21 जुलाई 2024 को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर, भोपाल में गुरु पूर्णिमा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सभी कर्मचारी एवं विद्यार्थी केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय बलाहर में आयोजित ऑनलाइन कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। विद्यार्थियों ने अपने गुरुओं के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की। इस दिन सभी शिक्षकों एवं विद्यार्थियों के लिए सामूहिक भोज की व्यवस्था भी की गई। इस कार्यक्रम के संयोजक श्री वामदेव मिश्र एवं श्री करुणेश कुमार थे।

5. करियर काउंसलिंग एवं लाइफ विज़निंग कार्यशाला (29 जुलाई 2024)

प्राक्शास्त्री एवं शास्त्री विद्यार्थियों के लिए केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर, भोपाल में एक दिवसीय करियर काउंसलिंग एवं लाइफ विज़निंग कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के अतिथि वक्ता सुश्री काव्या अनंत (निदेशक, DHI अकादमी) तथा श्री विनय आर. (सहायक निदेशक, DHI अकादमी) थे। उद्घाटन एवं समापन सत्र की अध्यक्षता केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर के निदेशक प्रो. रमाकांत पाण्डेय ने की। इस कार्यक्रम की संयोजक सुश्री श्रावणी थीं।

6. स्वागत एवं विदाई समारोह (2024–25)

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर परिवार ने श्री संजय मिश्र एवं डॉ. दरियाब सिंह को विदाई दी तथा प्रो. भारत भूषण मिश्र एवं प्रो. धर्मेन्द्र कुमार सिंहदेव का स्वागत किया।

7. सात दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम (1–7 अगस्त 2024)

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर, भोपाल में 1 से 7 अगस्त 2024 तक कंप्यूटर विषय पर सात दिवसीय संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के सभी परिसरों से कंप्यूटर संकायों ने भाग लिया। कार्यक्रम के संरक्षक प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी, कुलपति, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय नई दिल्ली थे। उद्घाटन एवं समापन समारोह के मुख्य अतिथि प्रो. एन.के. थपाक (कुलपति, LNCT विश्वविद्यालय, भोपाल), प्रो. भारत सारण सिंह (अध्यक्ष, प्राइवेट यूनिवर्सिटी रेगुलेटरी कमीशन, भोपाल) तथा प्रो. मदन मोहन झा (डीन, अकादमिक सर्किल छात्र कल्याण, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय नई दिल्ली) थे। अतिथि वक्ताओं में प्रो. रवि कपूर, डॉ. यशपाल शर्मा, श्री अनिल उपमन्यु, सुश्री स्मृति उपमन्यु, डॉ. मीनाक्षी लोने एवं सुश्री स्वर्णिमा पाण्डेय शामिल थे। उद्घाटन एवं समापन सत्र की अध्यक्षता केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर के निदेशक प्रो. रमाकांत पाण्डेय ने की। इस कार्यक्रम के संयोजक प्रो. नीलाभ तिवारी थे।

8. संस्कृत सप्ताह महोत्सव (14–20 अगस्त 2024)

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर में 14 से 20 अगस्त 2024 तक संस्कृत सप्ताह महोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर वेदपाठ, गीतापाठ, भाषण प्रतियोगिता, अन्य महाविद्यालयों एवं विद्यालयों के विद्यार्थियों के लिए प्रतियोगिताएँ तथा श्रावणी उपाकर्म आयोजित किए गए। इस कार्यक्रम के अतिथि एवं निर्णायक प्रो. रघुवीर प्रसाद गोस्वामी,

प्रो. रैदास, प्रो. जगत नारायण त्रिपाठी, प्रो. गणेश त्रिपाठी, प्रो. हरि प्रसाद दीक्षित, प्रो. नीलाभ तिवारी, प्रो. कैलाश चन्द्र दास, प्रो. धर्मेन्द्र कुमार सिंहदेव, डॉ. दाताराम पाठक, डॉ. कालिका प्रसाद शुक्ल, डॉ. कृष्णकांत तिवारी एवं डॉ. रागिनी शर्मा थे। उद्घाटन एवं समापन समारोह की अध्यक्षता केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर के निदेशक प्रो. रमाकांत पाण्डेय ने की। इस अवसर पर केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर एवं अन्य संस्थानों के विद्वानों को 'संस्कृत भूषण सम्मान' एवं 'विशिष्ट सम्मान' से अलंकृत किया गया। इस कार्यक्रम के संयोजक प्रो. सोमनाथ साहू एवं प्रो. प्रदीप कुमार पाण्डेय थे।

9. स्वतंत्रता दिवस समारोह (15 अगस्त 2024)

15 अगस्त 2024 को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर, भोपाल में स्वतंत्रता दिवस गरिमापूर्ण ढंग से मनाया गया। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर के निदेशक प्रो. रमाकांत पाण्डेय ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। उन्होंने विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों को संबोधित करते हुए भारत के महान स्वतंत्रता संग्राम पर प्रकाश डाला तथा सभी से देश की महान विरासत का सम्मान करने और राष्ट्र की प्रगति एवं एकता के लिए कार्य करने का आह्वान किया। इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ. राकेश कुमार वर्मा, डॉ. विवेक कुमार सिंह एवं डॉ. प्रवेश जाटव थे।

10. परिसर स्तरीय शास्त्रीय स्पर्धा (20 अगस्त 2024)

20 अगस्त 2024 को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर, भोपाल में परिसर स्तरीय शास्त्रीय स्पर्धाओं का आयोजन किया गया। इन स्पर्धाओं के अंतर्गत कण्ठपाठ, भाषण प्रतियोगिता एवं अन्य प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं। इस कार्यक्रम के संयोजक प्रो. सोमनाथ साहू एवं प्रो. प्रदीप कुमार पाण्डेय थे। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय भोपाल परिसर के निदेशक प्रो. रमाकांत पाण्डेय ने विद्यार्थियों को संस्कृत शास्त्रों के क्षेत्र में गहन अभ्यास करने तथा इन प्रतियोगिताओं में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित किया।

11. राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस – 23 अगस्त 2024

प्रथम राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस (23 अगस्त 2024) का आयोजन सीएसयू भोपाल परिसर, भोपाल में किया गया। सभी शिक्षक एवं विद्यार्थियों ने दिल्ली में आयोजित ऑनलाइन कार्यक्रम में सहभागिता की। सभी ने भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रम की सफलता का उत्सव मनाया तथा भारतीय अंतरिक्ष कार्यक्रमों को समृद्ध बनाने के लिए कार्यरत वैज्ञानिकों एवं कर्मियों को शुभकामनाएँ प्रेषित कीं। इस कार्यक्रम के संयोजक सीएसयू भोपाल परिसर, भोपाल में डॉ. राकेश कुमार वर्मा एवं डॉ. विवेक कुमार सिंह थे।

12. प्रतिभापंचामृतम् – प्रो. नीलाभ तिवारी का अभिनंदन समारोह (29 अगस्त 2024)

सीएसयू भोपाल परिसर, भोपाल के शिक्षा विभागाध्यक्ष प्रो. नीलाभ तिवारी को वर्ष 2024 में राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस उपलब्धि के उपलक्ष्य में 29 अगस्त 2024 को 'प्रतिभापंचामृतम्' नामक अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के अतिथि प्रो. मिथिला प्रसाद त्रिपाठी, प्रो. पी.एन. शास्त्री एवं प्रो. लोकमान्य मिश्रा थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सीएसयू नई दिल्ली के कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी ने की। सीएसयू भोपाल परिसर, भोपाल के निदेशक प्रो. रमाकांत पांडेय ने अतिथियों का स्वागत किया। इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ. कालिका प्रसाद शुक्ल, डॉ. रमन मिश्रा एवं सुश्री श्रावणी थीं।

13. वाग्वर्धिनी का उद्घाटन – 30 अगस्त 2024

संस्कृत भाषा प्रयोग संवर्धन हेतु 'वाग्वर्धिनी' बैठकों की श्रृंखला का उद्घाटन 30 अगस्त 2024 को किया गया। सीएसयू भोपाल परिसर, भोपाल के सभी विभागों ने प्रत्येक शुक्रवार को वाग्वर्धिनी बैठकों के आयोजन का निर्णय लिया,

जिससे विद्यार्थियों में संस्कृत भाषा दक्षता का विकास हो सके। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता निदेशक, सीएसयू भोपाल परिसर, भोपाल प्रो. रमाकांत पांडेय ने की। इस कार्यक्रम के संयोजक प्रो. प्रदीप कुमार पांडेय थे।

14. एंटी रैगिंग जागरूकता कार्यक्रम – 30 अगस्त 2024

सीएसयू भोपाल परिसर, भोपाल में 30 अगस्त 2024 को रैगिंग विरोधी जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन कार्यक्रमों के अंतर्गत परिसर में एक सेल्फी प्वाइंट स्थापित किया गया, जहाँ विद्यार्थियों ने सेल्फी लेकर रैगिंग के विरुद्ध शपथ ली। साथ ही निबंध लेखन, लघु वीडियो निर्माण, रंगोली, पोस्टर निर्माण एवं नारा लेखन जैसी प्रतियोगिताएँ भी आयोजित की गईं। इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ. राकेश कुमार वर्मा थे।

15. कला धरोहर – 3–4 सितंबर 2024

सीएसयू भोपाल परिसर, भोपाल में 3–4 सितंबर 2024 को 'कला धरोहर' के अंतर्गत मीरा बाई के भजनों पर आधारित द्विदिवसीय कार्यशाला एवं प्रस्तुति का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम संत शिरोमणि मीराबाई की 525वीं जयंती के अवसर पर आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के अतिथि वक्ता एवं प्रशिक्षक श्री सुभद्रा देसाई थे। यह कार्यक्रम सीएसयू भोपाल परिसर, भोपाल द्वारा संगीत नाटक अकादमी, नई दिल्ली के सहयोग से आयोजित किया गया। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. प्रसाद रमेश भिड़े एवं डॉ. संगीता गुंडेचा थे।

16. श्री भोजराज राष्ट्रीय पंचांग निर्माण कार्यशाला – 2–4 सितंबर 2024

सीएसयू भोपाल परिसर, भोपाल में 2 से 4 सितंबर 2024 तक तीन दिवसीय श्री भोजराज राष्ट्रीय पंचांग निर्माण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में आमंत्रित विद्वान प्रो. हंसधर झा, प्रो. पी.वी.बी. सुब्रमण्यम, प्रो. विजयानंद आडिग एवं प्रो. अशोक थपलियाल थे। इस कार्यक्रम के संयोजक प्रो. भारत भूषण मिश्रा थे।

17. शिक्षक दिवस – 5 सितंबर 2024

सीएसयू भोपाल परिसर, भोपाल में 5 सितंबर 2024 को शिक्षक दिवस मनाया गया। सभी विद्यार्थियों ने अपने जीवन में शिक्षकों के विशेष योगदान के प्रति सम्मान प्रकट करते हुए भव्य कार्यक्रम प्रस्तुत किया। इसी अवसर पर अपराह्न में सीएसयू भोपाल परिसर परिवार ने सीएसयू मुख्यालय, नई दिल्ली में आयोजित शिक्षक दिवस कार्यक्रम में वर्चुअल माध्यम से सहभागिता की। माननीय कुलपति, सीएसयू नई दिल्ली प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी के संबोधन से सभी अत्यंत प्रेरित हुए।

18. शोध संक्षेप विकास कार्यशाला – 12–13 सितंबर 2024

सीएसयू भोपाल परिसर, भोपाल के शिक्षा विभाग द्वारा 12–13 सितंबर 2024 को द्विदिवसीय शोध सिनॉप्सिस विकास कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के विषय विशेषज्ञ डॉ. संजय शर्मा (डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर, मध्य प्रदेश) थे। इस कार्यक्रम के संयोजक प्रो. सोमनाथ साहू एवं डॉ. कृष्ण कांत तिवारी थे।

19. एक छात्र एक पेड़ – एक पेड़ माँ के नाम कार्यक्रम – 13 सितंबर 2024

सीएसयू भोपाल परिसर, भोपाल में 'एक छात्र एक पेड़ – एक पेड़ माँ के नाम' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत सीएसयू परिसर, ग्राम रापड़िया, ज्ञानोदय दिवंगंज तथा सुभाष एक्सीलेंस, महारानी लक्ष्मीबाई आदि विद्यालय परिसरों में विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों द्वारा 500 से अधिक पौधे लगाए गए। इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ. राकेश कुमार वर्मा थे।

20. हिंदी पखवाड़ा – 13 से 30 सितंबर 2024

सीएसयू भोपाल परिसर, भोपाल में 13 से 30 सितंबर 2024 तक हिंदी पखवाड़ा मनाया गया। इसके अंतर्गत निबंध प्रतियोगिता, वाद-विवाद प्रतियोगिता, हिंदी साहित्यिक गीत प्रतियोगिता एवं कवि सम्मेलन आयोजित किए गए। इस कार्यक्रम के अतिथि वक्ता श्री पलाश सुरजन, अध्यक्ष, हिंदी साहित्य सम्मेलन, मध्य प्रदेश थे। कार्यक्रम के संयोजक प्रो. अर्चना दुबे एवं डॉ. सुभाष चंद्र थे।

20. स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम – 14 सितंबर से 1 अक्टूबर 2024

सीएसयू भोपाल परिसर, भोपाल में 14 सितंबर से 1 अक्टूबर 2024 तक 'स्वच्छता ही सेवा' कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस श्रृंखला के अंतर्गत स्वच्छता बनाए रखने हेतु विभिन्न गतिविधियाँ संचालित की गईं। 20 सितंबर को प्रो. मदनमोहन झा का विशेष ऑनलाइन संबोधन सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों द्वारा सुना गया। इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ. राकेश कुमार वर्मा, डॉ. विवेक कुमार सिंह एवं डॉ. प्रवेश जाटव थे।

21. वार्षिक प्रतियोगिताएँ – 17 से 26 सितंबर 2024

सीएसयू भोपाल परिसर, भोपाल में 17 से 26 सितंबर 2024 तक वार्षिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं में योग, कबड्डी, वॉलीबॉल, लंबी कूद, रंगोली, लघु वीडियो निर्माण, एकल गीत, समूह गीत, समूह नृत्य, संस्कृत वार्ता लेखन, अनुवाद एवं संगणक आदि प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं। कार्यक्रम के संयोजक प्रो. प्रदीप कुमार पांडेय, प्रो. धर्मेंद्र कुमार सिंहदेव एवं डॉ. विवेक कुमार सिंह थे।

22. प्रो. नीलाभ तिवारी की सहायक निदेशक के रूप में नियुक्ति – 18 सितंबर 2024

18 सितंबर 2024 को प्रो. नीलाभ तिवारी को सीएसयू भोपाल परिसर, भोपाल का सहायक निदेशक नियुक्त किया गया। इस अवसर पर निदेशक प्रो. रमाकांत पांडेय एवं समस्त कर्मचारियों ने उन्हें बधाई दी।

23. दीक्षारंभ कार्यक्रम – एकीकृत बी.ए.-बी.एड. (19 सितंबर से 2 अक्टूबर 2024)

सीएसयू भोपाल परिसर, भोपाल में 19 सितंबर से 2 अक्टूबर 2024 तक एकीकृत बी.ए.-बी.एड. (आईटीईपी) के लिए दीक्षारंभ कार्यक्रम आयोजित किया गया। विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम की संरचना, उद्देश्य एवं पाठ्यचर्या से संबंधित अन्य जानकारियाँ दी गईं। इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ. दाताराम पाठक थे।

24. तंबाकू मुक्त अभियान 2.0

सीएसयू भोपाल परिसर, भोपाल में तंबाकू मुक्त अभियान 2.0 का संचालन सितंबर माह से किया गया। इस श्रृंखला में पोस्टर निर्माण, भाषण एवं जागरूकता सत्र जैसी अनेक गतिविधियाँ आयोजित की गईं। इस समिति के अध्यक्ष प्रो. सुबोध शर्मा थे।

25. राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) दिवस – 24 सितंबर 2024

सीएसयू भोपाल परिसर, भोपाल में 24 सितंबर 2024 को एनएसएस दिवस मनाया गया। इस अवसर पर प्रो. सुबोध शर्मा एवं प्रो. नीलाभ तिवारी द्वारा विशेष व्याख्यान आयोजित किए गए। समर्पित एनएसएस स्वयं सेवकों को सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ. राकेश कुमार वर्मा थे।

28. वार्षिक प्रतिवेदन विशेष व्याख्यान – 26 सितंबर 2024

सीएसयू भोपाल परिसर, भोपाल में 26 सितंबर 2024 को काशी हिंदू विश्वविद्यालय के प्रो. सदाशिव कुमार द्विवेदी द्वारा 'ध्वनेः स्वरूपं तद्भेदाश्च' विषय पर विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ. कृपा शंकर शर्मा थे।

29. पीएमकेवीवाई अभिमुखीकरण कार्यक्रम – 30 सितंबर 2024

सीएसयू भोपाल परिसर, भोपाल में 30 सितंबर 2024 को प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना (पीएमकेवीवाई) के अंतर्गत अभिमुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। वक्ताओं ने विद्यार्थियों को कौशल विकास हेतु प्रेरित किया। इस कार्यक्रम के मुख्य वक्ता श्री सर्वेंद्र कुमार पांडेय, उप निदेशक, सिटी डेवलपमेंट अथॉरिटी, मध्य प्रदेश थे। कार्यक्रम के संयोजक श्री सुमित सक्सेना थे।

30. अखिल भारतीय सांस्कृतिक, शैक्षणिक एवं खेल प्रतियोगिताएँ – 17, 18 एवं 19 अक्टूबर 2024

सीएसयू भोपाल परिसर, भोपाल में 17, 18 एवं 19 अक्टूबर 2024 को अखिल भारतीय सांस्कृतिक, शैक्षणिक एवं खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं में केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के जयपुर, लखनऊ एवं भोपाल परिसरों के साथ-साथ राजस्थान, हरियाणा, नई दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश के 6 अन्य संबद्ध संस्थानों ने सहभागिता की। लगभग 40 प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं, जिनमें संस्कृत गीत, समूह नृत्य, संस्कृत वार्ता लेखन, संस्कृत ब्लॉग निर्माण, एथलेटिक्स, कबड्डी, खो-खो, कुश्ती, रंगोली आदि शामिल थे। उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि मध्य प्रदेश के माननीय राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल थे। अन्य अतिथियों में प्रो. अभिराज राजेंद्र मिश्रा, प्रो. शिशिर कुमार पांडेय, प्रो. मदन मोहन झा, प्रो. मिथिला प्रसाद त्रिपाठी, प्रो. आर. जी. मुरली कृष्ण, श्री आशुतोष जोशी एवं श्री सत्यजीत पांडेय शामिल थे। समापन सत्र की अध्यक्षता निदेशक प्रो. रमाकांत पांडेय ने की। इस प्रतियोगिता में सीएसयू भोपाल परिसर, भोपाल के विद्यार्थियों ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम के संयोजक प्रो. भारत भूषण मिश्रा थे। खेल प्रतियोगिताओं के सह-संयोजक प्रो. अशोक कुमार कच्छवाहा, शैक्षणिक प्रतियोगिताओं के सह-संयोजक प्रो. धर्मेंद्र कुमार सिंहदेव एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के सह-संयोजक डॉ. प्रसाद भिड़े थे।

31. वार्षिक प्रतिवेदन – पीजीबीटी कॉलेज के एम.एड. विद्यार्थियों का भ्रमण (23 अक्टूबर 2024)

23 अक्टूबर 2024 को पीजीबीटी कॉलेज के एम.एड. विद्यार्थियों ने सीएसयू भोपाल परिसर, भोपाल का भ्रमण किया। उन्होंने प्रयोगशालाओं, कक्षाओं, सभागार, खेल मैदान एवं परिसर के अन्य महत्वपूर्ण स्थलों का अवलोकन किया। इस भ्रमण के संयोजक प्रो. सोमनाथ साहू एवं डॉ. राकेश कुमार वर्मा थे।

32. यक्षगान – 7 नवंबर 2024

सीएसयू भोपाल परिसर, भोपाल में 7 नवंबर 2024 को स्पिक मैके के माध्यम से यक्षगान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में प्रसिद्ध कलाकार श्री के. शिवानंद हेगड़े ने अपने दल के साथ 'पंचवटी प्रसंग' की प्रस्तुति दी। इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ. कृपा शंकर शर्मा थे।

31. सीपीआर एवं आपातकालीन उपचार प्रशिक्षण (11/11/2024)

11 नवम्बर 2024 को सीएसयू भोपाल परिसर, भोपाल में 108 एम्बुलेंस सेवा द्वारा छात्रों एवं शिक्षकों को सीपीआर तथा आपातकालीन उपचार का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ. राकेश कुमार वर्मा थे।

33. पर्यावरण पर भाषण प्रतियोगिता (11/11/2024)

"पर्यावरण प्रदूषण रोकथाम में युवाओं की भूमिका" विषय पर भाषण प्रतियोगिता 11/11/2024 को सीएसयू भोपाल परिसर, भोपाल में आयोजित की गई। इस प्रतियोगिता के विजेता 2025 में जयपुर में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय पर्यावरण युवा संसद में भाग लेंगे। इस कार्यक्रम के संयोजक प्रो. अशोक कुमार कच्छवाहा एवं डॉ. राकेश कुमार वर्मा थे।

34. शोध उपकरण विकास कार्यशाला (12–14 नवम्बर 2024)

तीन दिवसीय शोध उपकरण विकास कार्यशाला 2024 का आयोजन शिक्षा विभाग द्वारा 12 से 14 नवम्बर 2024 तक सीएसयू भोपाल परिसर, भोपाल में किया गया। इस कार्यशाला के अतिथि वक्ता सांची–बौद्ध भारतीय ज्ञान अध्ययन विश्वविद्यालय, भोपाल के डॉ. प्रभाकर पांडेय थे। इस कार्यक्रम के संयोजक प्रो. सोमनाथ साहू थे।

35. कालिदास महोत्सव, उज्जैन में सहभागिता (14 नवम्बर 2024)

नाट्यशास्त्र अनुसंधान केंद्र के कलाकारों ने 14 नवम्बर 2024 को उज्जैन में आयोजित कालिदास महोत्सव में 'वसंतसेना' नाटक का मंचन किया।

36. जनजातीय गौरव दिवस (15–26 नवम्बर 2024)

सीएसयू भोपाल परिसर, भोपाल में 15 नवम्बर 2024 को जनजातीय गौरव दिवस मनाया गया। जनजातीय गौरव के उपलक्ष्य में 14 नवम्बर 2024 से विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें चित्रकला, गायन, नृत्य एवं जनजातीय जीवन व कथाओं पर आधारित कहानी लेखन प्रतियोगिताएँ शामिल थीं। समापन सत्र के अतिथि पुलिस सेवा के श्री विवेक धुर्वे थे। इस कार्यक्रम के संयोजक प्रो. अशोक कुमार कच्छवाहा थे।

37. परिसर खुला (15 नवम्बर 2024) – दिल्ली मुख्यालय में निरीक्षण

मुख्यालय, नई दिल्ली के आदेशानुसार 15 नवम्बर 2024 को सीएसयू भोपाल परिसर सामान्य कार्यदिवस के रूप में खुला रहा। ये आदेश शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के अवर सचिव श्री एस. के. बरनवाल द्वारा मुख्यालय सीएसयू, नई दिल्ली में किए गए निरीक्षण के संदर्भ में जारी किए गए थे। सभी शिक्षकों ने मुख्यालय में आयोजित निरीक्षण समिति की ऑनलाइन बैठक में भाग लिया।

38. डॉ. शिवानंद फिलिप का विशेष व्याख्यान (19/11/2024)

19 नवम्बर 2024 को "विदेशेषु संस्कृत साहित्य भारतीय संस्कृतिश्च" विषय पर डॉ. शिवानंद फिलिप (पोलैंड) द्वारा विशेष व्याख्यान का आयोजन सीएसयू भोपाल परिसर में किया गया। यह कार्यक्रम साहित्य विद्यालय द्वारा आयोजित किया गया था। इसके संयोजक प्रो. धर्मेन्द्र कुमार सिंहदेव थे।

39. संविधान दिवस (26/11/2024)

26 नवम्बर 2024 को सीएसयू भोपाल परिसर में संविधान दिवस मनाया गया। सर्वप्रथम संविधान के पालन की शपथ दिलाई गई, तत्पश्चात कनिष्ठ एवं वरिष्ठ वर्ग में निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई। विद्यार्थियों ने अपनी संबंधित तस्वीरें 'माय भारत पोर्टल' पर अपलोड कीं। इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ. आशीष कुमार चौधरी एवं डॉ. रजनीश शुक्ला थे।

40. लायंस क्लब भोपाल द्वारा लक्ष्य निर्धारण पर विशेष व्याख्यान (28/11/2024)

28 नवम्बर 2024 को लायंस क्लब भोपाल द्वारा "लक्ष्य निर्धारण" विषय पर विशेष व्याख्यान का आयोजन सीएसयू भोपाल परिसर में किया गया। इस व्याख्यान के अतिथि वक्ता श्री संदीप खंडेलवाल थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता निदेशक, सीएसयू भोपाल परिसर, प्रो. रमाकांत पांडेय ने की।

41. फिट इंडिया कार्यक्रम–6 (2–5 दिसम्बर 2024)

फिट इंडिया कार्यक्रम–6 का आयोजन 2 से 5 दिसम्बर 2024 तक सीएसयू भोपाल परिसर में किया गया। इस अंतर्गत शपथ ग्रहण, फिट इंडिया जागरूकता रैली, खो-खो, योग एवं लंबी कूद प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं। इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ. विवेक कुमार सिंह एवं डॉ. प्रवेश जाटव थे।

42. महाकुंभ कॉन्क्लेव – 19वां गोल मेज सम्मेलन (19/11/2024)

महाकुंभ कॉन्क्लेव पर 19वां राउंड टेबल सम्मेलन 19 नवम्बर 2024 को सीएसयू भोपाल परिसर में आयोजित हुआ। इस अवसर पर अतिथि वक्ता श्री सौरभ पांडेय, डॉ. अमिताभ पांडेय, प्रो. धनंजय चोपड़ा, प्रो. हर्षवर्धन त्रिपाठी, प्रो. आनंद शंकर सिंह एवं श्री मुकेश मेश्राम थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता निदेशक प्रो. रमाकांत पांडेय ने की। सभी शिक्षकों ने इस सम्मेलन में भाग लिया। इसके संयोजक प्रो. कृपा शंकर मिश्रा थे।

43. गीता जयंती महोत्सव (10, 11 एवं 12 दिसम्बर 2024)

मार्गशीर्ष एकादशी के अवसर पर 11 दिसम्बर 2024 को सीएसयू भोपाल परिसर में गीता जयंती मनाई गई। तीन दिवसीय गीता जयंती महोत्सव 10, 11 एवं 12 दिसम्बर 2024 को आयोजित हुआ। 12 दिसम्बर को डॉ. शशिकांत त्रिपाठी का विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के संयोजक प्रो. सनंदन कुमार त्रिपाठी थे।

44. भारतीय भाषा उत्सव में सहभागिता (11 दिसम्बर 2024)

सीएसयू भोपाल परिसर ने 11 दिसम्बर 2024 को एकलव्य परिसर, सीएसयू अगरतला, त्रिपुरा द्वारा आयोजित भारतीय भाषा उत्सव में ऑनलाइन माध्यम से सहभागिता की। इस कार्यक्रम में सीएसयू भोपाल परिसर का प्रतिनिधित्व प्रो. प्रदीप कुमार पांडेय ने किया।

45. अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव में सहभागिता (11 दिसम्बर 2024)

सीएसयू भोपाल परिसर के तीन शिक्षकों—प्रो. कृपा शंकर शर्मा, डॉ. जी. नरसिंहुलु एवं डॉ. एस. कृष्णा—ने 11 दिसम्बर 2024 को मध्य प्रदेश सरकार के संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव में भाग लिया तथा गीता पाठ का सत्यापन किया।

46. भारतीय भाषा अनुवाद कार्यशाला में सहभागिता (16–20 दिसम्बर 2024)

सीएसयू भोपाल परिसर के चार शिक्षक—डॉ. प्रसाद भिड़े, डॉ. जी. नरसिंहुलु, डॉ. रजनी वी. जी. एवं डॉ. ललित मोहन पंतोला—को माननीय कुलपति, सीएसयू नई दिल्ली, प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी द्वारा 16–20 दिसम्बर 2024 को अक्षरम, बेंगलुरु द्वारा आयोजित भारतीय भाषा अनुवाद कार्यशाला में भाग लेने हेतु नामित किया गया।

47. स्वागत एवं विदाई

डॉ. मोहिनी अरोड़ा को साहित्य विषय में प्रोफेसर पद पर पदोन्नति के पश्चात गराली परिसर में स्थानांतरित किया गया। डॉ. कालिका प्रसाद शुक्ल का स्थानांतरण सीएसयू लखनऊ परिसर में हुआ। डॉ. गोविंद सरकार का स्थानांतरण

अगरतला परिसर में हुआ। श्रीमती एकता शर्मा, श्रीमती भारती तिवारी, श्री सचिन साहू, श्री कृष्णकांत मिश्रा, डॉ. ज्ञान सिंधु, डॉ. प्रदीप कुमार, डॉ. परमेश्वर एवं श्री गणेश भट्ट ने सत्र 2024–25 में सीएसयू भोपाल परिसर में कार्यभार ग्रहण किया।

48. जेंडर सेंसिटाइजेशन कार्यशाला (18/12/2024)

18 दिसम्बर 2024 को सीएसयू भोपाल परिसर में जेंडर सेंसिटाइजेशन कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के अतिथि वक्ता श्री आर. के. स्वर्णाकर एवं श्री राज सक्सेना थे। इसके संयोजक प्रो. सोमनाथ साहू थे।

49. हैमंतिया कार्यशाला (18–24 दिसम्बर 2024)

18 से 24 दिसम्बर 2024 तक सीएसयू भोपाल परिसर में सात दिवसीय हैमंतिया कार्यशाला आयोजित की गई। यह कार्यशाला नाट्य ग्रंथ 'नाट्यकुंश' एवं 'अभिनय दर्पण' पर आधारित थी। अतिथि विशेषज्ञों में प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी, डॉ. स्मृति वाघेला, श्रीमती अल्पना वाजपेयी, कलामंडलम सुजीत एवं श्रीमती कल्याणी फाग्रे शामिल थे। इस कार्यक्रम के संयोजक प्रो. सनंदन कुमार त्रिपाठी थे।

50. हैमंतिया कार्यशाला – तर्कसंग्रह, सीएसयू प्रयागराज में सहभागिता (18–27 दिसम्बर 2024)

सीएसयू भोपाल परिसर के आईटीईपी के पाँच विद्यार्थियों—श्रेष्ठा, आद्या तिवारी, विधि पचौरी, आर्ची स्थापक एवं सारिका विश्वकर्मा—ने 18–27 दिसम्बर 2024 को सीएसयू प्रयागराज में आयोजित 'हैमंतिया कार्यशाला – तर्कसंग्रह' में भाग लिया।

51. आईटीईपी छात्रा गौरी भवानी का चयन

सीएसयू भोपाल परिसर की आईटीईपी छात्रा गौरी भवानी का चयन युवा कार्य एवं खेल मंत्रालय द्वारा आयोजित 'विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग: यूथ फेस्टिवल 2025' के लिए राज्य प्रतिनिधि के रूप में हुआ। इस कार्यक्रम का विषय "भारत को वैश्विक विनिर्माण शक्ति बनाना" था।

52. संस्कृत भारती मध्य प्रांत सम्मेलन (3, 4 एवं 5 जनवरी 2025)

संस्कृत भारती मध्य प्रांत द्वारा सीएसयू भोपाल परिसर के सहयोग से 3, 4 एवं 5 जनवरी 2025 को संस्कृत भारती मध्य प्रांत सम्मेलन का आयोजन सीएसयू भोपाल परिसर में किया गया। इस कार्यक्रम के अतिथियों में श्री नरेंद्र शिवाजी पटेल (राज्य मंत्री, म.प्र.), श्रीमती मालती राय (महापौर, भोपाल), श्री दत्तात्रेय ब्राज़ल्ली, प्रो. रमाकांत पांडेय एवं डॉ. अशोक सिंह भदौरिया शामिल थे।

53. परिसर स्तरीय शास्त्रीय स्पर्धा (6–7 जनवरी 2025)

6–7 जनवरी 2025 को सीएसयू भोपाल परिसर में परिसर स्तरीय शास्त्रीय स्पर्धाओं का आयोजन किया गया। इन प्रतियोगिताओं के विजेताओं ने राज्य स्तरीय शास्त्रीय स्पर्धा में सीएसयू भोपाल परिसर का प्रतिनिधित्व किया। इस कार्यक्रम के संयोजक प्रो. प्रदीप कुमार पांडेय थे।

53. पंचांग कार्यशाला (6–8 जनवरी 2025)

6 से 8 जनवरी 2025 तक सीएसयू भोपाल परिसर में तीन दिवसीय पंचांग कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में आमंत्रित विद्वानों में प्रो. हंसधर झा, प्रो. पी.वी.बी. सुब्रमण्यम, प्रो. ईश्वर भट्ट एवं डॉ. विजयन अरिक शामिल थे।

54. क्षेत्रीय रूपक महोत्सव (9–10 जनवरी 2025)

9–10 जनवरी 2025 को सीएसयू भोपाल परिसर में क्षेत्रीय रूपक महोत्सव का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में मैनपुरी, भीलवाड़ा, नासिक, जयपुर, लखनऊ, नागपुर, दिल्ली, बघोला (हरियाणा) एवं भोपाल की संस्कृत नाट्य मंडलियों ने भाग लिया। सीएसयू भोपाल परिसर को प्रथम पुरस्कार, सीएसयू लखनऊ एवं जयपुर परिसरों को द्वितीय पुरस्कार तथा कवि कुलगुरु कालिदास संस्कृत विश्वविद्यालय, नागपुर (महाराष्ट्र) एवं श्री एकरसानंद आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, मैनपुरी (उ.प्र.) को तृतीय पुरस्कार प्राप्त हुआ। इस कार्यक्रम के संयोजक प्रो. कृपाशंकर शर्मा थे।

55. जनचेतना शोभायात्रा (10 जनवरी 2025)

सीएसयू भोपाल परिसर के शिक्षा विभाग के छात्रों ने 10 जनवरी 2025 को जनचेतना शोभायात्रा का आयोजन किया। उन्होंने बाग सेवनीय क्षेत्र में संस्कृत भाषा एवं उसकी समृद्ध विरासत के प्रति जागरूकता फैलाने हेतु यात्रा निकाली। इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ. राकेश वर्मा, डॉ. रजनी वी.जी. एवं डॉ. गोकुलानंद तिवारी थे।

55. नवीन कंप्यूटर लैब का उद्घाटन (11 जनवरी 2025)

शिक्षा विभाग में नवीन कंप्यूटर लैब का उद्घाटन 11 जनवरी 2025 को किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सीएसयू नई दिल्ली के परीक्षा नियंत्रक प्रो. पवन कुमार थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता निदेशक, सीएसयू भोपाल परिसर, प्रो. रमाकांत पांडेय ने की। इसके संयोजक डॉ. दाताराम पाठक थे।

56. राष्ट्रीय युवा महोत्सव (12–19 जनवरी 2025)

12 से 19 जनवरी 2025 तक सीएसयू भोपाल परिसर में राष्ट्रीय युवा महोत्सव मनाया गया। इस दौरान अनेक गतिविधियाँ आयोजित की गईं, जिनमें 12 जनवरी को सभी छात्रों के लिए भाषण प्रतियोगिता भी शामिल थी। संपूर्ण परिसर परिवार ने भारत मंडपम से माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सजीव संबोधन को सुना। इस कार्यक्रम के भोपाल परिसर संयोजक डॉ. राकेश वर्मा थे।

57. केंद्रीय मूल्यांकन (12–21 जनवरी 2025)

12 से 21 जनवरी 2025 तक सीएसयू भोपाल परिसर में केंद्रीय मूल्यांकन का आयोजन किया गया। इसमें भोपाल परिसर एवं अन्य संस्थानों के लगभग 80 विद्वान मूल्यांकनकर्ता शामिल थे। सीएसयू भोपाल परिसर की ओर से इस कार्यक्रम के संयोजक प्रो. प्रदीप कुमार पांडेय थे।

58. मकर संक्रांति (14/01/2025) – हवन एवं सुंदरकांड

मकर संक्रांति एवं उत्तरायण के अवसर पर 14 जनवरी 2025 को सीएसयू भोपाल परिसर में हवन एवं सुंदरकांड का आयोजन किया गया।

59. भरतनाट्य प्रशिक्षण कार्यशाला (15–24 जनवरी 2025)

15 से 24 जनवरी 2025 तक सीएसयू भोपाल परिसर में भरतनाट्य प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला की अतिथि प्रशिक्षक एवं वक्ता श्रीमती मेधनिवि वरखेड़ी थीं। इस कार्यक्रम की संयोजक डॉ. संगीता गुंडेचा थीं।

60. कठपुतली निर्माण कार्यशाला (समेकित शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम) में विशेष व्याख्यान – 16 जनवरी 2025

शिक्षा विभाग, ITEP के अंतर्गत आयोजित कठपुतली निर्माण कार्यशाला में 16 जनवरी 2025 को 'सम्प्रति भारतीय संस्कृति का पुनर्जागरण' विषय पर मध्य प्रदेश के मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री मनोज श्रीवास्तव द्वारा विशेष व्याख्यान दिया

गया। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता सीएसयू भोपाल परिसर, भोपाल के निदेशक प्रो. रमाकांत पांडेय ने की। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. दाताराम पाठक थे।

61. नाटक 'द डायमंड नेकलेस' की प्रस्तुति – 20 जनवरी 2025

20 जनवरी 2025 को ITEP के छात्रों द्वारा अंग्रेज़ी नाटक द डायमंड नेकलेस' की प्रस्तुति दी गई। इस कार्यक्रम की निर्देशक एवं संयोजक सुश्री श्राविणी थीं।

62. राज्य स्तरीय शास्त्रीय स्पर्धा – 22–23 जनवरी 2025

22 एवं 23 जनवरी 2025 को सीएसयू भोपाल परिसर, भोपाल में राज्य स्तरीय शास्त्रीय स्पर्धा का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ के छात्रों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया। इन प्रतियोगिताओं के विजेताओं ने अखिल भारतीय शास्त्रीय स्पर्धा में सहभागिता की। इस कार्यक्रम के संयोजक प्रो. प्रदीप कुमार पांडेय थे।

63. महाकुंभ प्रयागराज में सहभागिता – 22–25 जनवरी 2025

22 से 25 जनवरी 2025 तक तीन शिक्षकों एवं 45 छात्रों का एक दल महाकुंभ में सहभागिता हेतु प्रयागराज गया। छात्रों के साथ डॉ. राकेश कुमार वर्मा, डॉ. रजनी तथा डॉ. रविन्द्र कुमार उनियाल अनुरक्षक के रूप में उपस्थित थे।

64. गणतंत्र दिवस समारोह – 26 जनवरी 2025

26 जनवरी 2025 को सीएसयू भोपाल परिसर, भोपाल में गणतंत्र दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। परिसर के निदेशक प्रो. रमाकांत पांडेय ने ध्वजारोहण किया तथा सभी को शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने राष्ट्र की एकता, अखंडता एवं संप्रभुता बनाए रखने के लिए सभी को प्रेरित किया। इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ. राकेश वर्मा थे।

65. अनुवाद कौशल विकास कार्यशाला – 27–31 जनवरी 2025

शिक्षकों के लिए अनुवाद कौशल विकास हेतु 27 से 31 जनवरी 2025 तक सीएसयू भोपाल परिसर, भोपाल में तीन दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विशेषज्ञ डॉ. गिरिधर राव थे तथा प्रशिक्षक डॉ. प्रसाद भिड़े, डॉ. जी. नरसिंहुलु, डॉ. रजनी वी.जी. एवं डॉ. ललित मोहन पंतोला थे।

66. बी.एड. प्रथम वर्ष के छात्रों द्वारा वीथी नाटक – 28 जनवरी 2025

28 जनवरी 2025 को बी.एड. प्रथम वर्ष के छात्रों द्वारा भोपाल नगर के विभिन्न क्षेत्रों में वीथी नाटकों का मंचन किया गया। ये लघु नाटक पर्यावरण, महाकुंभ, स्वदेशी वस्तुओं के उपयोग एवं सामाजिक जागरूकता जैसे विषयों पर आधारित थे। इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ. राकेश वर्मा, डॉ. रजनी वी.जी. एवं डॉ. दन्नाना थे।

67. छात्रों की उपलब्धि

सीएसयू भोपाल परिसर के पूर्व छात्र श्री शुभम पाठक एवं श्री राहुल दुबे का चयन एमपीपीएससी द्वारा आयोजित सहायक प्राध्यापक (संस्कृत) परीक्षा में हुआ। परिसर के निदेशक प्रो. रमाकांत पांडेय एवं परिसर परिवार ने उन्हें बधाई दी तथा उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

68. वसंत पंचमी – 3 फरवरी 2025

3 फरवरी 2025 को मुख्यालय के निर्देशानुसार सीएसयू भोपाल परिसर के निदेशक, सभी शिक्षक एवं छात्र ऑनलाइन सरस्वती पूजा कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। इसके पश्चात परिसर में सरस्वती पूजा का आयोजन किया गया, जिसमें निदेशक, कर्मचारी एवं छात्र उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम के संयोजक श्री अंकुर पांडेय थे।

69. अखिल भारतीय रूपक महोत्सव – 11–14 फरवरी 2025

11 से 14 फरवरी 2025 तक रविन्द्र भवन, भोपाल में सीएसयू भोपाल परिसर द्वारा आयोजित अखिल भारतीय रूपक महोत्सव संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में देशभर से 18 नृत्य दलों ने अपनी प्रस्तुतियाँ दीं। इसमें सीएसयू भोपाल परिसर ने प्रथम स्थान, सीएसयू श्री राजीव गांधी परिसर, श्रृंगेरी ने द्वितीय स्थान तथा सीएसयू गुरुवायूर परिसर एवं कविकुलगुरु कालिदास संस्कृत विश्वविद्यालय, नागपुर ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस कार्यक्रम के संयोजक प्रो. नीलाभ तिवारी थे।

70. एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी – 17 फरवरी 2025

(विषय: अगस्त्य मुनि की सिद्धांत प्रणाली का आयुर्वेद में वैशिष्ट्य)

17 फरवरी 2025 को सीएसयू भोपाल परिसर, भोपाल में 'अगस्त्य मुनि की सिद्धांत प्रणाली का आयुर्वेद में वैशिष्ट्य' विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में प्रो. सी. रंगनाथ एवं प्रो. बी.एम. गुप्ता मुख्य अतिथि थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर के निदेशक प्रो. रमाकांत पांडेय ने की। संयोजक प्रो. प्रदीप कुमार पांडेय थे।

71. थाईलैंड में अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में सहभागिता – 19–23 फरवरी 2025

सीएसयू भोपाल परिसर के चार शिक्षकों ने 19 से 23 फरवरी 2025 तक थाईलैंड के धोनबुरी विश्वविद्यालय, बैंकॉक द्वारा आयोजित 'पाली एवं बौद्ध अध्ययन की चुनौतियाँ एवं संभावनाएँ' विषयक अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में शोधपत्र प्रस्तुत किए। ये शिक्षक डॉ. संगीता गुंडेचा, डॉ. कृष्णकांत तिवारी, डॉ. विवेक कुमार सिंह एवं डॉ. मंजू सिंह थे। परिसर परिवार ने उनकी उपलब्धि पर उन्हें सम्मानित किया तथा निदेशक ने अभिनंदन किया।

72. मातृभाषा दिवस – 21 फरवरी 2025

21 फरवरी 2025 को सीएसयू भोपाल परिसर, भोपाल में मातृभाषा दिवस मनाया गया। इस अवसर पर छात्रों एवं शिक्षकों ने अपनी-अपनी मातृभाषाओं में कविताएँ एवं गीत प्रस्तुत किए। इस कार्यक्रम के संयोजक प्रो. अर्चना दुबे, डॉ. सुभाष चंद्र एवं सुश्री श्राविणी थीं।

73. अनुवाद प्रशिक्षण में सहभागिता – 22–27 फरवरी 2025

सीएसयू भोपाल परिसर के संकाय सदस्यों ने 22 से 27 फरवरी 2025 तक सीएसयू जयपुर परिसर में आयोजित अनुवाद प्रशिक्षण कार्यक्रम में अतिथि प्रशिक्षक के रूप में सहभागिता की। इनमें डॉ. प्रसाद भिड़े, डॉ. जी. नरसिंहुलु, डॉ. रजनी वी.जी. एवं डॉ. ललित मोहन पंतोला शामिल थे।

74. व्यावसायिक विकास गतिविधि (बी.एड. द्वितीय वर्ष) – 25 फरवरी 2025

25 फरवरी 2025 को सीएसयू भोपाल परिसर, भोपाल में बी.एड. द्वितीय वर्ष के छात्रों हेतु व्यावसायिक विकास गतिविधियों का आयोजन किया गया। सभी छात्रों ने समूहों में अपनी प्रस्तुतियाँ दीं। साथ ही 18 से 28 फरवरी 2025 तक छात्रों को योगासन प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया।

75. राष्ट्रीय विज्ञान दिवस – 28 फरवरी 2025

28 फरवरी 2025 को राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर सीएसयू भोपाल परिसर, भोपाल में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की आयोजन समिति में श्री सचिन साहू, श्री कृष्णकांत मिश्रा, श्रीमती एकता शर्मा एवं श्रीमती भारती तिवारी शामिल थे।

76. डॉ. मणि शर्मा एवं डॉ. रविन्द्र उनियाल का विदाई समारोह – 1 मार्च 2025

1 मार्च 2025 को सीएसयू भोपाल परिसर, भोपाल में सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. मणि शर्मा के सेवानिवृत्त होने तथा संविदा सहायक प्राध्यापक डॉ. रविन्द्र उनियाल के देवप्रयाग परिसर स्थानांतरण के अवसर पर विदाई समारोह आयोजित किया गया। निदेशक प्रो. रमाकांत पांडेय ने दोनों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं।

77. छात्रों की उपलब्धियाँ

सीएसयू भोपाल परिसर की एम.एड. प्रथम वर्ष की छात्रा दीपिका कौशल ने उत्कृष्ट अंकों के साथ नेट परीक्षा उत्तीर्ण की। परिसर के पूर्व छात्र सतीश दीक्षित का चयन भारतीय सेना में धर्म गुरु (जेसीओ) पद हेतु हुआ। परिसर के द्वितीय वर्ष के शिक्षा शास्त्री छात्र अभिषेक रिछारिया का चयन राज्य स्तरीय एनएसएस शिविर हेतु हुआ, जिसमें उन्होंने 2 से 8 मार्च 2025 तक अमरकंटक, जिला अनूपपुर में बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय भोपाल की टीम के साथ सहभागिता की। इन सभी उपलब्धियों पर परिसर परिवार द्वारा हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ दी गईं।

78. गुरुकुल संदर्शन कार्यक्रम (बी.एड. द्वितीय सेमेस्टर) – 4–5 मार्च 2025

बी.एड. द्वितीय सेमेस्टर के छात्रों हेतु 4 एवं 5 मार्च 2025 को शिक्षा विभाग, सीएसयू भोपाल परिसर द्वारा गुरुकुल संदर्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत छात्रों ने उज्जैन एवं ओंकारेश्वर का भ्रमण किया। इस कार्यक्रम के संयोजक प्रो. अशोक कुमार कच्छवाहा थे।

79. स्वागत एवं विदाई

जनवरी माह में डॉ. राहुल शर्मा का स्थानांतरण होकर भोपाल परिसर में आगमन हुआ तथा डॉ. आशा खरे ने चिकित्सक के रूप में कार्यभार संभाला। फरवरी माह में डॉ. निरुपमा सिंह देव, डॉ. अश्वनी पांडेय, डॉ. स्वीटी रानी, श्री जानी ऋत्विक कुमार, डॉ. वीरेंद्र सिंह, डॉ. रेनू एवं डॉ. गोविंद दास ने परिसर में कार्यभार ग्रहण किया। इसी माह डॉ. मणि शर्मा सेवानिवृत्त हुईं तथा डॉ. रविन्द्र उनियाल का देवप्रयाग परिसर में स्थानांतरण हुआ। मार्च माह में श्री मनीष लोहानी ने भोपाल परिसर में अनुभाग अधिकारी के रूप में कार्यभार संभाला।

80. अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस (3–9 मार्च 2025)

सीएसयू भोपाल परिसर, भोपाल में 3 से 9 मार्च 2025 तक अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस अवसर पर छात्राओं की दो टीमों के बीच क्रिकेट मैच तथा 'पिंक संडे ऑन साइकिल' का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की संयोजक प्रो. अर्चना दुबे थीं।

81. एनएसएस द्वारा 7 दिवसीय शिविर (7–13 मार्च 2025)

बी.एड. द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों के लिए 7 से 13 मार्च 2025 तक ग्राम इमालिया में 7 दिवसीय एनएसएस शिविर आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ. राकेश कुमार वर्मा थे।

82. अंग्रेज़ी में रचनात्मक लेखन प्रतियोगिता (10 मार्च 2025)

सीएसयू भोपाल परिसर, भोपाल में अंग्रेज़ी में रचनात्मक लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें विद्यार्थियों ने अपनी स्व-रचित लेख एवं कविताएँ प्रस्तुत कीं। प्रतियोगिता के निर्णायक डॉ. योगेश कुमार जैन, डॉ. जी. नरसिंहुलु तथा डॉ. ए. पवन कुमार थे। इस कार्यक्रम का आयोजन अंग्रेज़ी विभाग द्वारा किया गया।

83. एनसीएफ अनुवाद कार्यशाला में सहभागिता, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल (9–13 मार्च 2025)

सीएसयू भोपाल परिसर, भोपाल के संकाय सदस्यों ने 9 से 13 मार्च 2025 तक क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल में आयोजित अनुवाद कार्यशाला में सहभागिता की। सहभागी संकाय सदस्य डॉ. प्रताप शास्त्री, डॉ. रागिनी शर्मा, डॉ. जितेंद्र तिवारी तथा डॉ. परमेश्वर थे।

84. संस्कृत प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण कार्यक्रम में सहभागिता (20–25 मार्च 2025)

सीएसयू भोपाल परिसर, भोपाल के संकाय सदस्यों एवं विद्यार्थियों ने 20 से 25 मार्च 2025 तक केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर के संकाय विकास केंद्र द्वारा आयोजित संस्कृत प्रौद्योगिकी प्रशिक्षण कार्यक्रम में सहभागिता की। इस समूह में डॉ. गणेश तिमन्ना भट्ट, श्री अखिलेश बसेडिया, सुश्री आशालता राणा तथा श्री पुष्कर तिवारी सम्मिलित थे।

85. सीएसयू जयपुर एफडीपी में सहभागिता (17–21 मार्च 2025)

आधुनिक विषयों के शिक्षकों ने 17 से 21 मार्च 2025 तक सीएसयू जयपुर में आयोजित एफडीपी कार्यक्रम में सहभागिता की। यह कार्यक्रम ऑफलाइन एवं ऑनलाइन दोनों माध्यमों में आयोजित किया गया।

86. एनएसडी वाराणसी संस्कृत रूपक महोत्सव में सहभागिता (20 मार्च 2025)

नाट्यशास्त्र अनुसंधान केंद्र के कलाकारों ने 20 मार्च 2025 को एनएसडी वाराणसी में 'नाट्योत्पत्ति कथा' नाटक का मंचन किया।

87. संस्कृत रूपक महोत्सव में सहभागिता (21 मार्च 2025)

नाट्यशास्त्र अनुसंधान केंद्र के कलाकारों ने 21 मार्च 2025 को आईजीएनसीए एवं सीएसयू द्वारा आयोजित, बीएचयू वाराणसी के प्रदर्शन कला संकाय में 'नाट्योत्पत्ति कथा' एवं 'देवशूनी' नाटकों का मंचन किया।

88. अखिल भारतीय वाक्पटुता प्रतियोगिता में सहभागिता (18–25 मार्च 2025)

सीएसयू भोपाल परिसर, भोपाल के विद्यार्थियों ने 18 से 25 मार्च 2025 तक हरिद्वार में आयोजित अखिल भारतीय वाक्पटुता प्रतियोगिता में सहभागिता की। श्री चंद्रमणि शर्मा, श्री मेवाप्रसाद तिवारी, श्री प्रशांत तिवारी, श्री दीपेश दुबे तथा सुश्री प्रेक्षा जैन ने इन प्रतियोगिताओं में पदक प्राप्त किए। विद्यार्थियों के साथ डॉ. रागिनी शर्मा एवं डॉ. जितेंद्र तिवारी एस्कॉर्ट के रूप में उपस्थित थे।

89. आचार्य प्रथम वर्ष के छात्र श्री नरेंद्र धर द्विवेदी का निधन (18 मार्च 2025)

सीएसयू भोपाल परिसर, भोपाल के आचार्य प्रथम वर्ष के छात्र श्री नरेंद्र धर द्विवेदी का सड़क दुर्घटना में निधन हो गया। परिसर परिवार ने दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की तथा परिवार को शोक-संदेश प्रेषित किया गया।

90. छात्रावास दिवस 'परिस्पंद' समारोह (22–23 मार्च 2025)

सीएसयू भोपाल परिसर, भोपाल के बालक एवं बालिका छात्रावासों के विद्यार्थियों ने 22–23 मार्च 2025 को छात्रावास दिवस 'परिस्पंद' का आयोजन किया। इस अवसर पर उन्होंने सभी शिक्षकों को आमंत्रित किया तथा विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया।

91. 'शैक्षिक शिक्षा के बदलते परिप्रेक्ष्य' विषय पर चर्चा (21 मार्च 2025)

21 मार्च 2025 को सीएसयू भोपाल परिसर, भोपाल में 'शैक्षिक शिक्षा के बदलते परिप्रेक्ष्य' विषय पर चर्चा आयोजित की गई। इस कार्यक्रम की मुख्य वक्ता प्रो. मोना खरे थीं। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. राकेश वर्मा एवं डॉ. रजनी वी.जी. थे।

92. रंगरूपक महोत्सव में सहभागिता (27 मार्च 2025), एमआईटी विश्वविद्यालय, पुणे

नाट्यशास्त्र अनुसंधान केंद्र के कलाकारों ने 27 मार्च 2025 को एमआईटी विश्वविद्यालय, पुणे में आयोजित रंगरूपक महोत्सव में 'नाट्योत्पत्ति कथा' एवं 'देवशूनी' नाटकों का मंचन किया।

93. द्विदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी (28–29 मार्च 2025)

28 एवं 29 मार्च 2025 को सीएसयू भोपाल परिसर, भोपाल में 'भारतीय ज्ञान परंपरा में अनुसंधान प्रक्रिया' विषय पर द्विदिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी में 75 से अधिक प्रतिभागियों ने सहभागिता की। कार्यक्रम के संयोजक प्रो. सोमनाथ साहू थे। सीएसयू भोपाल परिसर, भोपाल के निदेशक प्रो. रमाकांत पांडेय ने अध्यक्षता की।

94. राधाकृष्णन स्मृति व्याख्यान (28 मार्च 2025)

28 मार्च 2025 को सीएसयू भोपाल परिसर, भोपाल में 'न्यायशास्त्र की दृष्टि में शोधपद्धति' विषय पर राधाकृष्णन स्मृति व्याख्यान का आयोजन किया गया। यह व्याख्यान प्रो. अरविंद झा, प्रोफेसर, शिक्षा विभाग, इग्नू, नई दिल्ली द्वारा दिया गया। इस अवसर पर सभी छात्र एवं शिक्षक उपस्थित थे। कार्यक्रम के संयोजक प्रो. सोमनाथ साहू थे तथा अध्यक्षता निदेशक प्रो. रमाकांत पांडेय ने की।

95. एनईपी 2020 कार्यान्वयन पर कार्यशाला (29 मार्च 2025)

29 मार्च 2025 को सीएसयू भोपाल परिसर, भोपाल में एनईपी 2020 एवं एनसीआरएफ के प्रभावी कार्यान्वयन एवं जागरूकता पर एक कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यक्रम में विषय विशेषज्ञ के रूप में प्रो. वाई. एस. रमेश तथा प्रो. सर्वनारायण झा उपस्थित थे। इस कार्यक्रम से सभी छात्र एवं शिक्षक लाभान्वित हुए।

96. नवसंवत्सर कार्यक्रम (चैत्र शुक्ल प्रतिपदा, 30 मार्च 2025)

30 मार्च 2025 को चैत्र शुक्ल प्रतिपदा के अवसर पर सीएसयू भोपाल परिसर, भोपाल में हिंदू पंचांग के अनुसार नवसंवत्सर का आयोजन किया गया। इस दिन शंखनाद, दुर्गासप्तशती पाठ, शतचंडी महायज्ञ एवं हवन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ. जी. नरसिंहुलु थे।

'सूचना का अधिकार' अधिनियम 2005 के अन्तर्गत प्राप्त/ उत्तरित पत्रों की संख्या -

(i) प्रार्थना पत्र प्राप्त - 00

(ii) उत्तर प्रेषित - 00

4.2.10 नासिक परिसर, नासिक, महाराष्ट्र – 422003

1. परिचय-

यह परिसर पूर्व में मुम्बई महानगर में दिनांक 16 मई 2002 से सुप्रतिष्ठित था। तत्कालीन भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मन्त्री डॉ. मुरली मनोहर जोशी जी के कर कमलों से इस मुम्बई परिसर का शुभारम्भ हुआ था, जिसका नाम नासिक परिसर था। अभी यह परिसर राष्ट्रीय शिक्षा नीति - 2020 के तहत विभिन्न पाठ्यक्रमों को संचालित करने के लिए नूतन विशाल एवं भव्य परिसर बनाने के सत्संकल्प के साथ 31 जुलाई 2024 को मुम्बई से पुण्य नगरी नासिक स्थानांतरित होकर नासिक परिसर नाम से सुप्रतिष्ठित है। वर्तमान में इस परिसर में व्याकरण, साहित्य, ज्योतिष, वेदान्त एवं शिक्षाशास्त्र पाठ्यक्रमों के साथ प्राक्शास्त्री (Intermediate), शास्त्री (B.A.), आचार्य (M.A.), विद्यावारिधि (Ph.D.) एवं शिक्षाशास्त्री (B.Ed.) की कक्षाएँ संचालित हैं। इसमें उपर्युक्त पारम्परिक विषयों के साथ-साथ हिन्दी, अंग्रेजी, मराठी, राजनीति विज्ञान, संगणक विज्ञान आदि आधुनिक विषयों का भी अध्ययन-अध्यापन किया जा रहा है। पी. जी. डिप्लोमा - कर्मकाण्ड एवं पौरोहित्य, पी. जी. डिप्लोमा – योग, प्राकृतिक चिकित्सा एवं आहार विज्ञान विषयों पर प्रमाणपत्रीय पाठ्यक्रम भी संचालित हो रहे हैं। यह परिसर देश के विभिन्न राज्यों से आए हुए प्राध्यापक, कर्मचारी एवं छात्र छात्राओं के कारण लघु भारत की भांति प्रतीयमान हो रहा है।

2. परिसर का स्थान:

यह परिसर महाराष्ट्र राज्य की सांस्कृतिक नगरी नासिक में प्रतिष्ठित है। नगर के केन्द्र से 12 कि. मी. दूरी में मुम्बई – इन्दौर राष्ट्रीय महामार्ग से 1.7 कि. मी. अन्दर सिद्ध पिंप्री गांव में ओझर के पास अवस्थित है।

नासिक शहर का यह भाग सड़क, रेल और वायु — तीनों मार्गों से सरलतापूर्वक पहुंच योग्य है।

निकटतम रेलवे स्टेशन: नासिक रोड (लगभग 18 किलोमीटर)
निकटतम बस स्टैंड: सेंट्रल बस स्टैंड (CBS), नासिक (लगभग 12 किलोमीटर)
निकटतम हवाई अड्डा: ओझर एयरपोर्ट, नासिक (लगभग 9.4 किलोमीटर)

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
नासिक परिसर,
प्लॉट नं- 701, ग. नं. 1536 & 1399
टाकेकर शिक्षा संकुल, बफना वेअर हाउस के समीप,
सिद्ध पिंपरी, नासिक, महाराष्ट्र – 422003
फ़ोन:022 2102 5452/82
ई-मेल: rsksmumbai@yahoo.com /केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालयmumbai12@gmail.com

3. परिसर की अवसंरचना

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नासिक परिसर महाराष्ट्र राज्य के नासिक शहर में स्थित है। वर्तमान में नासिक परिसर में शिक्षण-अधिगम गतिविधियाँ, शास्त्र कक्षाएं एवं शोध कार्य चल रहे हैं। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय का नासिक परिसर महाराष्ट्र राज्य के उत्तर-पश्चिम भाग में स्थित नासिक शहर में अवस्थित है। यह परिसर सिद्ध पिंपरी क्षेत्र में, टाकेकर शिक्षा

संकुल भवन में स्थित है, जो शहर के प्रमुख क्षेत्रों में से एक है। यह परिसर हरित, शांतिपूर्ण और अध्ययन के लिए उपयुक्त वातावरण से घिरा हुआ है। पुस्तकालय की सुविधा प्रथम तल में व्यवस्थित की गई है। नासिक परिसर महिला एवं पुरुष छात्रावास में कमरे छात्रों की सुविधा के लिए आवंटित किए गए हैं। प्राशासनिक भवन तथा शैक्षिक भवन में कार्यकलाप चल रहे हैं।

4. मुख्य गतिविधियाँ

- शिक्षण
- आन्तरिक मूल्यांकन
- परीक्षा का आयोजन
- नवीन अनुसंधान और अनुसंधान का मार्गदर्शन
- ट्यूटोरियल कक्षाएँ
- आभासीय कक्षाएँ

5. प्रकाशन

परिसर में अनेक ग्रंथों का प्रकाशन होता है जिनमें, व्याकरण विद्याशाखा में - "वाग्वैब्रह्म", परिसरीय पत्रिका - "विद्यारश्मिः" शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा में वार्षिक शोध पत्रिका - "शिक्षारश्मिः" तथा छात्रों की वार्षिक पत्रिका – "शैक्षिकचन्द्रिका" पत्रिकाएं विशेष रूप से उल्लेखनीय हैं।

6. उपलब्ध पाठ्यक्रम

परिसर में अधोलिखित विभागों में प्राक्शास्त्री से विद्यावारिधि (12^{th}–Ph.d) तक अध्ययन-अध्यापन होता है। परिसर में नियमित आधार पर चार विभाग व्याकरण साहित्य ज्योतिष शिक्षाशास्त्र चल रहे हैं। इसके अलावा परिसर में अंग्रेजी, हिंदी, मराठी, राजनीति विज्ञान, पर्यावरण विज्ञान, कंप्यूटर विज्ञान और शारीरिक शिक्षा जैसे आधुनिक विषयों की पढ़ाई भी चल रही है। सभी पाठ्यक्रम राष्ट्रिय शिक्षनीति – २०२० के अनुसार चल रहे हैं, जिनका विवरण इस प्रकार है:

- प्राक-शास्त्री (10+2, दो वर्षीय पाठ्यक्रम, सेमेस्टर प्रणाली)
- शास्त्री (B.A., तीन वर्षीय पाठ्यक्रम, सेमेस्टर प्रणाली लागू)
- आचार्य (M.A., दो वर्षीय पाठ्यक्रम, सेमेस्टर प्रणाली लागू)
- शिक्षा-शास्त्री (B. Ed., दो वर्षीय पाठयक्रम, सेमेस्टर प्रणाली)
- विद्यावारिधि (Ph. D.) (विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के नियमानुसार)

7. परिसर के द्वारा आयोजित संगोष्ठी, कार्यशाला तथा व्याख्यानमाला

दीक्षारम्भ कार्यक्रम

परिसर में दिनांक 02.07.2024 से 15.07.2024 तक नवागन्तुक विद्यार्थियों के लिए दीक्षारम्भ कार्यक्रम आयोजित किया गया। दिनांक 02.07.2024 को कार्यक्रम का उद्घाटन परिसर निदेशक द्वारा किया गया। परिसर के शिक्षकों ने विद्यार्थियों को तत्संबंधी ग्रंथों की जानकारी दी।

विशिष्ट व्याख्यान NEP 2020 & ITEP 08.07.2024

शिक्षाशास्त्र विभाग के द्वारा NEP 2020 & ITEP इस विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में प्रो.अश्विनी हल्बे उपस्थित थी। कार्यक्रम का संचालन डॉ. कुमार ने किया।

गुरुपूजन महोत्सव 23.07.2024

दिनांक 23.07.2024 को व्यासपूर्णिमा के निमित्त गुरुपूजन महोत्सव आयोजित किया गया। परिसर के छात्रों ने गुरुजनों का पूजन किया। इस संदर्भ में शिक्षकों ने मार्गदर्शन किया।

परिसर उद्घाटन कार्यक्रम: 31.07.2024

मुंबई परिसर को नासिक परिसर में स्थानांतरित कर दिया गया। नवीन परिसर का भवन प्रवेश कार्यक्रम दिनांक 31.07.2024 को आयोजित किया गया। कार्यक्रम में श्रीमद् जगद्गुरु रामानुजाचार्य स्वामी वासुदेवाचार्य स्वामीपाद उपस्थित थे। मा.निदेशक महोदय के द्वारा पूजन कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

सद्भावना दिवस

दिनांक 08.08.2024 को पर्यावरण पर सद्भावना दिवस आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि श्री संजय गवली थे। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. इंद्र कुमार मिना थे। परिसर निदेशकमहोदय ने सभी को शपथ ग्रहण करायी।

संस्कृत सप्ताह

दिनांक 19.08.2024 से संस्कृत सप्ताह का आयोजन किया गया। सप्ताह में विभिन्न प्रतियोगिताएं, सम्भाषण शिबीर व्याख्यान आदि का आयोजन किया गया। श्री प्रो. रामचन्द्र ने एक समन्वयक के रूप में अपने कार्य का निर्वहन किया है। डॉ.संदीप जोशी कार्यक्रम के सहसंयोजक थे। कार्यक्रम में वे.मू.कृष्णशास्त्री पलस्कर, संदीप देशमुख, डॉ. शेष नारायण त्रिपाठी, डॉ. गजानन अंभोरे व अन्य शामिल थे।

स्वतन्त्रता दिवस

15.08.2024 को पर्यावरण में स्वतंत्रता दिवस मनाया गया। परिसर निदेशकों के हाथों से ध्वजारोहण किया गया। कार्यक्रम में परिसर के शिक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

शिक्षक दिवस

परिसर में दिनांक 05.09.2024 को शिक्षक दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रो.श्रीमती अश्विनहाल्वे उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का संचालन डॉ. दशरथ भारसागर ने किया।

हिन्दी पखवडा

नांक 14.09.2024 से हिन्दी पखवाड़ा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. कैलास भामरे उपस्थित रहें। परिसर के निदेशकश्रीगोविंद पांडेजी की अध्यक्षता मे कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. लक्ष्मणेन्द्र थे।

युव महोत्सव झोन-1

राष्ट्रीय शिक्षा दिवस

दिनांक 11/11/2024 को श्रीमती श्रीदेवी कदली जी के मुख्यातिथ्य में परिपालन किया गया। डॉ. कुमार (सहायक आचार्य एवं समन्वयक, शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा) जी संयोजक रहे।

जनजातीय गौरव दिवस

दिनांक 15/11/2024 को श्री. भास्कर खांडवी जी के मुख्यातिथ्य में तथा डॉ. इन्द्र कुमार मीना (सहायक आचार्य एवं समन्वयक, व्याकरण विद्याशाखा) जी के संयोजन मे यह कार्यक्रम आयोजित हुआ।

बाल यौन शोषण रोकने के लिए पोक्सो अधिनियम पर वेबिनार

यह कार्यक्रम दिनांक 22.11.2024 को डॉ. दशरथ भरासागर (सहायक आचार्य, शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा) जी के संयोजकत्व में मनाया गया है। इसमें श्रीमती भारती गोस्वामी मुख्यवक्री के रूप में उपस्थित थीं।

संविधान दिवस

दिनांक 26/11/2024 को डॉ. बी. बी. कदम जी के मुख्यातिथ्य में तथा डॉ. रञ्जय कुमार सिंह (सहायक आचार्य, राजनीति विज्ञान) जी के समन्वयकत्व में एवं डॉ. शैलेश पवार जी के संयोजकत्व में यह कार्यक्रम अनुष्ठित हुआ।

द्वि-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी

द्वि-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी दिनांक 03/12/2024 से 04/12/2024 तक 'भारतीय ज्ञानपरम्परायां मनोवैज्ञानिक-सिद्धान्ताः तत्समसामयिकोपयोगिता च' इस विषय पर शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा द्वारा आयोजित हुई। इसमें प्रो. गीरिश्वर मिश्र जी का मुख्यातिथि के रूप में महनीय उपस्थिति रही। इसमें विभिन्न विद्वानों ने अपने शोधपत्र प्रस्तुत किए।

गीता जयन्ती

गीता जयन्ती दिनांक 11/12/2024 को डॉ. दशरथ भरासागर (सहायक आचार्य, शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा) जी के समन्वयकत्व में तथा श्री लक्ष्मणेन्द्र (सहायक आचार्य, शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा) जी के संयोजकत्व यह कार्यक्रम हुआ। छात्र तथा अध्यापकों के द्वारा श्रीमद्भगवद् गीता पारायण हुआ।

भारतीय भाषा दिवस 13/12/2024

भारतीय भाषा दिवस दिनांक 13/12/2024 को प्रो.वि.एस्.वि.भास्कर रेड्डी जी के मुख्यातिथ्य में यह कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। सम्पूर्ण कार्यक्रम का समन्वयक डॉ. कार्तिक भागवत (सहायक आचार्य, व्याकरण विद्याशाखा) एवं संयोजक डॉ. वीरेन्द्र सिंह चौधरी (सहायक आचार्य, शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा) रहे।

विश्व हिंदी दिवस 10.01.25

दिनांक 10.01.25 को केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नासिक परिसर में यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के संयुक्त तत्वाधान में विश्व हिंदी दिवस का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के प्रबंधक श्री जगमोहन दुबे उपस्थित थे। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं द्वारा गीत गायन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अध्यक्ष प्रोफेसर रामचन्द्र, श्री जोइस थे। कार्यक्रम के संचालक एवं समन्वयक डॉ. शंकर आंधले थे। वीरेंद्र सिंह चौधरी ने स्वागत भाषण और डॉ. विद्याधर प्रभल ने धन्यवाद भाषण दिया।

राष्ट्रीय युवा दिवस

स्वामी विवेकानन्द जयंती के अवसर पर दिनांक 12.01.25 से राष्ट्रीय युवा सप्ताह का आयोजन किया गया। सप्ताह में भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। दिनांक 14.01.2025 को एक विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में कैलाशमठ के ट्रस्टी सत्यप्रकाश ब्रह्मचारी उपस्थित थे। परिसर के निदेशक प्रोफेसर श्रीगोविंद पांडे ने कार्यक्रम की अध्यक्षता का निर्वहन किया। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. विद्याधर प्रभल थे।

राज्य स्तरीय प्रतियोगिता

दिनांक 17.01.25 को राज्य स्तरीय प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में 48 विद्यार्थी प्रतिभागी थे। निर्णायक के रूप में विभिन्न विषयों के सात निर्णायक उपस्थित थे। अखिल भारतीय स्तर पर 21 विद्यार्थियों का चयन हुआ। यह प्रतियोगिता कैलासमठ की सहायता से कैलासमठ में आयोजित की गई थी। स्वामी संविदानन्द सरस्वतीजी ने समापन समारोह में छात्र एवं विश्वविद्यालय के कार्य की प्रशंसा की। प्रतियोगिता के संयोजक के रूप में प्रो. रामचन्द्र जोइसा थे, संचालन एव सह संयोजन डॉ.संदीप जोशी ने किया।

अखिल भारतीय शास्त्रसभा

दिनांक 26.01.2025 को महर्षि गौतम गोदावरी वेदविद्या प्रतिष्ठान के सहयोग से अखिल भारतीय शास्त्र सभा का आयोजन श्री पं. देवदत्त पाटिल की अध्यक्षता में किया गया। सभा में भारत के विभिन्न प्रांतों से 22 विद्वानों ने वाक्यार्थ प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के समन्वयक डॉ. कुमार एवं वे.मू. रवीन्द्र पैठणे थे।

संक्षिप्त रामायण कार्यशाला

दिनांक 30.01.2025 से दिनांक 30.01.2025 तक केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में संक्षिप्त रामायण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें 30 विद्यार्थी उपस्थित थे। कार्यशाला में 5 मार्गदर्शक उपस्थित थे। प्रोफेसर रामचन्द्र जोइस कार्यशाला के समन्वयक थे। संयोजक डॉ. संदीप जोशी एवं डॉ. विद्याधरप्रभल थे। उद्घाटन सत्र में विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेडी जी ने छात्रों को मार्गदर्शन किया। समापन सत्र में डेक्कन विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. प्रसाद जोशी ने उद्बोधन किया। यह कार्यक्रम रामचन्द्र मठ में सम्पन्न हुआ।

सरस्वती पूजा महोत्सव

दिनांक 03.02.2025 को सरस्वती पूजा महोत्सव आयोजित किया गया। परिसर के निदेशक प्रोफेसर श्रीगोविंद पांडे ने सरस्वती पूजन किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. दीपान्विितादास ने किया।

वार्षिक प्रतियोगिताएं

17.02.2025 को परिसर में वार्षिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। शैक्षणिक सांस्कृतिक खेल प्रतियोगिताएं भी हुईं। शैक्षणिक प्रतियोगिताओं में छह प्रतियोगिताएं, सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में पांच प्रतियोगिताएं, खेल में पंद्रह प्रतियोगिताएं। विभिन्न प्रतियोगिताओं में कैम्पस के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

श्री शिवजन्मोत्सव

19.02.2025 को केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में श्री शिवाजी महाराज का जन्मदिन मनाया गया। डॉ. गजानन अंभोरे मुख्य अतिथि और श्री संदीप जोशी मुख्य वक्ता थे। कैम्पस के विद्यार्थियों ने भाषण में शिवचरित्र प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के अध्यक्ष निदेशक प्रोफेसर श्रीगोविंद पांडे थे। कार्यक्रम का संचालन विश्वादीप थिटे द्वारा किया गया। कार्यक्रम के संयोजक एवं समन्वयक श्री डॉ. शंकर आंधले थे।

मातृभाषा दिवस

दिनांक 21.02.2025 को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के प्रांगण में मातृभाषा दिवस मनाया गया। श्री पं. किशोरलिमये मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। इस संदर्भ में निबंध लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई। कार्यक्रम के अध्यक्ष निदेशक प्रोफेसर श्री गोविंद पांडे जी थे। कार्यक्रम के संयोजक एवं संचालक डॉ. शैलश पवार थे।

संस्कृतसम्भाषण कौशलवर्ग

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के नासिक परिसर द्वारा दिनांक 24.02.2025 तक संस्कृत संभाषण कौशल वर्ग का आयोजन किया गया जिसमें परिसर के विभिन्न ज्ञान शाखाओं के सभी विद्यार्थी उपस्थित रहे। कक्षा के मार्गदर्शक डॉ. संदीप जोशी एवं डॉ. विद्याधरप्रभल थे। कक्षा में शिक्षक के रूप में श्री केयूर कुलकर्णी, श्री. विश्वदीप थिटे उपस्थित थे। समापन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि संस्कृत भारती के संयोजक श्री संदीप देशमुख, पश्चिमी प्रांत क्षेत्र के मंत्री डॉ. गजानन अंभोरे और पश्चिमी मध्य क्षेत्र के मंत्री श्री संजीव कुमार थे।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

परिसर में दिनांक 10.03.2025 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में श्री कवितापाटिल मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. विद्याधर प्रभल थे। परिसर के सह-निदेशक प्रोफेसर रामचंद्र जोइस ने अध्यक्षता की।

रक्तदान शिविर

दिनांक 17.03.2025 को राष्ट्रीय सेवा योजना एनएसएस सेल द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम अर्पण रक्तदान संस्था नासिक के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित हुआ। इसमें परिसर के छात्र-छात्राओं और शिक्षकों ने उत्साह से भाग लेकर रक्तदान किया। रक्तदान करने वालों को सर्टिफिकेट टोपी आदि से सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ. विद्याधर प्रभाला, संयोजक डॉ. दशरथ भारसागर थे।

वार्षिक उत्सव

दिनांक 24.03.2025 को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के प्रांगण में वार्षिकोत्सव मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में महंत सुधीरदास महाराज और टाकेकर शिक्षा संकुल के प्रमुख श्री भरत टाकेकर उपस्थित थे। कार्यक्रम में विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रतिभागिओं को पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। विद्यार्थियों ने नृत्य गीत एवं अन्य विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर निदेशक प्रो. श्रीगोविंद पांडे ने की। कार्यक्रम में प्रो.रामचंद्र जोइस, डॉ. कुमार और डॉ. गणपति हेगड़े उपस्थित थे।

छात्रावास दिवस

दिनांक 25.03.2025 को केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के प्रांगण में छात्रावास दिवस मनाया गया। मुख्य अतिथि के रूप में नवोदय विद्यालय के सेवानिवृत्त प्राचार्य श्री जालंदर हुले उपस्थित थे। श्री जालन्दरजी ने अपने भाषण में अपने छात्रावास के अनेक लाभों को अपने सम्बोधन में प्रस्तुत किया। प्रोफेसर रामचन्द्र जोईस जी ने छात्रावास रिपोर्ट प्रस्तुत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर निदेशक प्रो.श्रीगोविंद पांडे ने की।

अन्य गतिविधियाँ

खेल

युव महोत्सव झोन-1

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित युव महोत्सव झोन-1 गुरुवायूर परिसर त्रिशूर, केरला में दिनांक 08-10.11.2024 में संपन्न हुआ है। नाशिक परिसर कार्यालय आदेश क्र. 126 के तहत परिसर से दो (2) मार्गदर्शक 1. डॉ. शंकर आंधळे 2. श्री सी. आर. जोशी एवं एक (1) मार्गदर्शिका 3. डॉ. दिपान्विता दास एवं 20 छात्र, 20 छात्रा कुल 40 छात्र युव महोत्सव के लिये मंगला एवं नेत्रावती रेल से दिनांक 06.11.2024 नाशिक एवं लोकमान्य तिलक टर्मिनल से रवाना हुवे नाशिक परिसर के सभी छात्रो ने अपने अपने क्रीडा एवं शैक्षिक, सांस्कृतिक प्रतियोगिता में अच्छा प्रदर्शन दिखाया है युव महोत्सव झोन-1 प्रतियोगिता में नाशिक परिसर के छात्रो ने 01 गोल्ड, 8 सिल्वर एवं 14 ब्रॉंझ पदक हासिल किया है पदक विवरण निम्नलिखित है :-

अ.क्र.	छात्र का नाम	प्रतियोगिता का नाम	प्राप्त पदक	कक्षा
1	महेश थिटे	61 किलोग्राम कुश्ती	सुवर्ण	शास्त्री-II
2	अभिजित थिटे	57 किलोग्राम कुश्ती	रजत	शास्त्री-III
		गोला फेक	कांस्य	

3	रोहित खोमणे	65 किलोग्राम कुश्ती	रजत	शास्त्री-III
4	विश्वदीप थिटे	लघुचलचित्र	रजत	आचार्य-II
5	तरुबाला प्रधान	400 मी धावन	रजत	शिक्षा शास्त्री-II
		लम्बी कूद	रजत	
6	सुचीस्मिता नायक	200 मी धावन	रजत	शिक्षा शास्त्री-I
7	राजन मिश्रा	70 किलोग्राम कुश्ती	रजत	शास्त्री-II
8	शेषा सुधामाधुरी एस वी	वार्तालेखन	रजत	शिक्षा शास्त्री-I
		एकक गान	कांस्य	
		समूह गान	कांस्य	
9	कान्हू चरण पती	70 किलोग्राम कुश्ती	कांस्य	शिक्षा शास्त्री-I
10	बर्षाराणी पती	रंगोली	कांस्य	शिक्षा शास्त्री-I
11	रीना लोई	योगासन	कांस्य	शिक्षा शास्त्री-I
12	अश्रीता किशन	गोला फेक	कांस्य	शिक्षा शास्त्री-I
13	अमित साहू	लम्बी कूद	कांस्य	शिक्षा शास्त्री-II
		100 मी धावन	कांस्य	
14	रोहित धांडे	800 मी धावन	कांस्य	शास्त्री-II
		1500 मी धावन	कांस्य	
15	रोशन शेळके	400 मी धावन	कांस्य	शिक्षा शास्त्री-I
		समूह गान	कांस्य	
16	विश्वंभर साहू	200 मी धावन	कांस्य	शिक्षा शास्त्री-I
17	पुष्पलता मोहराना	100 मी धावन	कांस्य	शिक्षा शास्त्री-I
18	मनस्विनी दास	समूह गान	कांस्य	शिक्षा शास्त्री-I
	प्रशांत झा			शिक्षा शास्त्री-I
	दिपाली कर			शिक्षा शास्त्री-I

'सूचना का अधिकार' अधिनियम 2005 के अन्तर्गत प्राप्त/ उत्तरित पत्रों की संख्या -

आरटी आई प्राप्त : 00

उत्तर दिया गया : 00

4.2.11 एकलव्य परिसर, लेम्बुचेरा, त्रिपुरा

1. परिचय-

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय पूर्णतः एक केंद्रीय विश्वविद्यालय है, पूरे भारत में इसके कुल 13 परिसर हैं। इस विश्वविद्यालय को हाल ही में NAAC द्वारा A++ ग्रेड से मान्यता दी गई है। इस प्रकार त्रिपुरा के पास अपने शैक्षिक केंद्र के हिस्से के रूप में NAAC द्वारा A++ ग्रेड वाला एक परिसर है। केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, अगरतला ने 04-06-2013 से त्रिपुरा में अपनी यात्रा शुरू की है।

इसे त्रिपुरा सरकार द्वारा दो परिसर आवंटित किए गए हैं- एक परिसर लेम्बुचेरा में 3.25 एकड़ और दूसरा तारानगर मोहनपुर में 9.22 एकड़। लेम्बुचेरा के 3.25 एकड़ के परिसर में, परिसर की शैक्षणिक और प्रशासनिक शाखाएँ चलाई जा रही हैं।

वर्तमान में यह परिसर शिक्षार्थियों के लिए प्राक्-शास्त्री (ग्यारहवीं और बारहवीं), शास्त्री (बी.ए), शास्त्री प्रतिष्ठा (बी.ए. ऑनर्स), शिक्षाशास्त्री (बी.एड.), आचार्य (एम.ए.) और विद्यावारिधि (पी एच डी) पाठ्यक्रम प्रदान करता है।

कुल 08 कार्यक्रम प्रस्तुत करने वाले विभाग हैं, अर्थात् व्याकरण, साहित्य, ज्योतिष, धर्मशास्त्र, वेदांत, बौद्ध दर्शन, वेद-

पौरिहित्य और कर्मकांड और शिक्षाशास्त्र विभाग।

इन पारंपरिक विभागों के अलावा, आधुनिक विषयों और भाषाओं को अंग्रेजी (अंग्रेजी भाषा और साहित्य), भारतीय भाषाओं (हिंदी और बंगाली), सामाजिक विज्ञान (राजनीति विज्ञान) विभागों के माध्यम से प्राक्-शास्त्री और शास्त्री शिक्षार्थियों के लिए पाठ्यक्रम के हिस्से के रूप में पेश किया जा रहा है। और समकालीन विज्ञान और प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण (पर्यावरण विज्ञान और कंप्यूटर शिक्षा) विभाग।

हाल ही में शैक्षणिक सत्र 2022-23 से योग विज्ञान और अध्यात्म विभाग भी शुरू किया गया है और यह विभाग शिक्षार्थियों के शारीरिक और मनोवैज्ञानिक स्वास्थ्य को बनाए रखने में सहायक साबित होता है।

इसके अलावा, यह उल्लेख किया जाना चाहिए कि इस विश्वविद्यालय ने पाठ्यक्रम संरचना में अपने मूल सिद्धांत के साथ एनईपी-2020 को लागू किया है।

सभी संस्कृत विषयों को सरल मानक संस्कृत (Simple Standard Sanskrit) के रूप में पढ़ाया जा रहा है।

2. परिसर का स्थान

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
(पूर्व में राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, मानित विश्वविद्यालय)
शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार के अन्तर्गत
एकलव्य परिसर, ग्राम- सिपाई पारा,
पी.ओ.- लेम्बुचेर्रा,पश्चिम त्रिपुरा-799210
फोन- 0381-2907855
इमेल- director-agartala.csu.co.in
अन्तर्जाल- www.csu-agartala.edu.in

3. परिसर की अवसंरचना

इसे त्रिपुरा सरकार द्वारा दो परिसर आवंटित किए गए हैं – एक परिसर लेम्बुचेरा में 3.25 एकड़ और दूसरा तारानगर मोहनपुर में 9.22 एकड़। लेम्बुचेरा के 3.25 एकड़ के परिसर में, परिसर की शैक्षणिक और प्रशासनिक शाखाएँ चलाई जा रही हैं तथा व्यायामशाला इन्टरनेट की सुविधा उपलब्ध है। महिला छात्रावास- इसमें 167 छात्राओं के आवास की व्यवस्था है तथा व्यायामशाला इन्टरनेट की सुविधा उपलब्ध है।

पुरुषछात्रावास- इसमें 167 छात्रों के आवास की व्यवस्था है।

4. मुख्य गतिविधियाँ

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, लिम्बुचरा, त्रिपुरा में 21 जून 2024 को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस बड़े ही श्रद्धा एवं उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर परिसर में श्री काली नारायण घोष, योग प्रशिक्षक, मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। अपने संबोधन में श्री काली नारायण घोष ने कहा कि योग शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक कल्याण प्राप्त करने की कुंजी है। इसके अलावा, उन्होंने व्यक्तित्व के समग्र कल्याण हेतु कुछ योगिक क्रियाओं का प्रदर्शन भी किया।

इस सत्र की अध्यक्षता परिसर के निदेशक प्रो. प्रभात कुमार महापात्रा ने की। अपने संबोधन में प्रो. महापात्रा ने सभी छात्रों से प्रतिदिन प्रातःकाल योगाभ्यास करने का आग्रह किया, जिससे वे शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ रह सकें। उन्होंने योग के प्राचीन इतिहास तथा भारत के महान ऋषियों के योग को मानव कल्याण के लिए प्रस्तुत करने में दिए गए अमूल्य योगदान को भी रेखांकित किया। इस अवसर पर परिसर के सभी शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र उपस्थित थे।

गुरुपूजन समारोह का आयोजन

गुरुपूर्णिमा के अवसर पर 21 जुलाई 2024 को केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, लेम्बुचेड़ा (त्रिपुरा) में गुरुपूजन समारोह आयोजित किया गया। इसी दिन केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा केंद्रीय स्तर पर वेदव्यास परिसर, बलाहर के सक्रिय समन्वय में गुरुपूर्णिमा समारोह आयोजित किया गया, जिसमें विश्वविद्यालय के सभी परिसर एवं संबद्ध संस्थान सम्मिलित हुए। तत्पश्चात परिसर स्तर पर आयोजित गुरुपूजन कार्यक्रम में परिसर के सभी शिक्षक, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। गुरुपूर्णिमा एवं गुरुपूजन के अवसर पर त्रिपुरा के जगन्नाथ मंदिर से श्री श्याम सुंदर ब्रह्मचारी 'अतिथि–विशेष' के रूप में उपस्थित थे। अपने संबोधन में स्वामीजी ने कहा कि गुरु–शिष्य परंपरा भारतीय शिक्षा प्रणाली का अभिन्न अंग है और यह पवित्र संबंध शिक्षकों पर विद्यार्थियों में मूल्य–आधारित शिक्षा का संस्कार करने का नैतिक दायित्व रखता है।

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर में आयोजित गुरुपूजन कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर के निदेशक प्रोफेसर प्रभात कुमार मोहापात्र ने की। अपने उद्बोधन में प्रो. मोहापात्र ने हमारी संस्कृति में प्रचलित गुरु–परंपरा प्रणाली के इतिहास तथा उसके शिक्षा प्रणाली पर पड़े सकारात्मक प्रभावों को रेखांकित किया। इस अवसर पर शिक्षाशास्त्र विभाग के अध्यक्ष प्रो. बी.पी.एम. श्रीनिवास 'विशिष्ट अतिथि' के रूप में उपस्थित रहे। इस गुरुपूजन कार्यक्रम का सफल समन्वयन डॉ. बिचित्र रंजन पाण्डा एवं डॉ. प्रकाश रंजन मिश्र द्वारा किया गया।

गणेश पूजा का आयोजन किया गया

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, लेम्बुचेड़ा में 7 अगस्त 2024 को गणेश पूजा का आयोजन किया गया। इस अवसर पर परिसर के सभी शिक्षक, कर्मचारी एवं विद्यार्थियों ने भगवान गणेश की पूजा-अर्चना कर मानवता के

कल्याण हेतु आर्शीवाद की कामना की। परिसर के निदेशक प्रोफेसर प्रभात कुमार मोहापात्र ने इस अवसर पर सभी की सहभागिता की सराहना की।

संस्कृत सप्ताह मनाया गया

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, लेम्बुचेड़ा (त्रिपुरा) में 16 अगस्त 2024 से 23 अगस्त 2024 तक संस्कृत सप्ताह मनाया गया। इसके उद्घाटन सत्र का आयोजन 16 अगस्त 2024 को किया गया, जिसमें त्रिपुरा सरकार के लोकपाल श्री कल्याण नारायण भट्टाचार्य मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि संस्कृत विश्व की सबसे सुव्यवस्थित और तार्किक रूप से निर्मित भाषा है।

समापन सत्र के अवसर पर त्रिपुरा स्थित बी.बी.एम.सी. महाविद्यालय के संस्कृत विभाग के पूर्व अध्यक्ष श्री योगेश चन्द्र देबनाथ मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। अपने उद्बोधन में उन्होंने संस्कृत शास्त्रों में निहित विशाल ज्ञान–संपदा को रेखांकित करते हुए कहा कि संस्कृत सबसे वैज्ञानिक भाषा है, जो कंप्यूटर एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता के लिए सर्वथा उपयुक्त है। इसके अतिरिक्त बंगला साहित्य अकादमी के अध्यक्ष डॉ. भास्कर रॉय बर्मन 'अतिथि–विशेष' के रूप में उपस्थित रहे।

कैंपस के निदेशक प्रोफेसर प्रभात कुमार महापात्रा ने दोनों सत्रों की अध्यक्षता की। अपने संबोधन में उन्होंने समस्त उत्तर-पूर्व में संस्कृत के संवर्धन में केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर के योगदान को रेखांकित किया तथा यह भी मत प्रकट किया कि यह भाषा भारतीय संस्कृति की मूर्त प्रतीक है।

इस अवसर पर 19-08-2024 को परिसर द्वारा अगरतला नगर में एक भव्य संस्कृत जागरूकता रैली का आयोजन किया गया, जिसमें सभी विद्यार्थी एवं कर्मचारीगण सम्मिलित हुए। इसके अतिरिक्त भगवद्गीता कण्ठपाठ, संस्कृत गीत, संस्कृत नृत्य, संस्कृत निबंध लेखन प्रतियोगिता इत्यादि विविध प्रकार की संस्कृत साहित्यिक प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया, जिनमें परिसर के साथ-साथ त्रिपुरा राज्य के अन्य संस्थानों के विद्यार्थियों ने भी भाग लिया।

तंबाकू मुक्त अभियान 2.0 का आयोजन

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, लेम्बुच्छेरा में 27-08-2024 को तंबाकू मुक्त अभियान 2.0 का आयोजन परिसर में NSS (राष्ट्रीय सेवा योजना) इकाई के सहयोग से किया गया। इस अवसर पर तंबाकू सेवन के विरुद्ध एक जागरूकता रैली का भी आयोजन किया गया, जिसमें समस्त अधिकारी, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। इसके बाद तंबाकू-मुक्त समाज के निर्माण हेतु सभी ने सामूहिक रूप से शपथ ली।

कार्यक्रम के पश्चात् डॉ॰ एच. के. प्रतिहारी, निदेशक, एनएफएसयू त्रिपुरा परिसर ने मुख्य अतिथि के रूप में तंबाकू की लत के दुष्प्रभावों पर एक विस्तार व्याख्यान प्रस्तुत किया। अपने संबोधन में उन्होंने बताया कि तंबाकू या किसी भी प्रकार के नशे का समाज पर कितना घातक प्रभाव पड़ता है।

इस सत्र की अध्यक्षता प्रो॰ प्रभात कुमार मोहापात्र, निदेशक, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर द्वारा की गई। अपने भाषण में उन्होंने नशे के व्यापार को समाज का कैंसरजन्य कारण बताते हुए उसकी कड़ी निंदा की तथा छात्रों को तंबाकू एवं किसी भी प्रकार के नशे से दूर रहने की प्रेरणा दी।

संपूर्ण कार्यक्रम में सभी अधिकारी, शिक्षक एवं छात्रगण अत्यंत रुचि और गंभीरता के साथ उपस्थित रहे। इस आयोजन का समन्वय डॉ. नंददु लाल मंडल,सहायक आचार्य (शिक्षा शास्त्र) एवं डॉ॰ ब्रह्मानंद मिश्र, सहायक आचार्य (हिंदी) द्वारा किया गया।

हिंदी पखवाड़ा का आयोजन

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर में हिंदी पखवाड़ा का उद्घाटन 14-09-2024 को किया गया। इस अवसर पर प्रो॰ अरुण भाई पटेल, अधिष्ठाता, कॉलेज ऑफ फिशरीज़, लेम्बुच्छेरा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

अपने संबोधन में उन्होंने हिंदी भाषा को भारत की संपर्क भाषा के रूप में उसकी महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने यह भी मत व्यक्त किया कि हिंदी के प्रयोग को सभी संस्थानों में अधिकाधिक बढ़ाया जाना चाहिए, ताकि हिंदी को राष्ट्रीय भाषा का गौरव प्राप्त हो सके।

इस समारोह में प्रो॰ बी.पी.एम. श्रीनिवास, विभागाध्यक्ष (शिक्षा शास्त्र) विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे तथा सत्र की अध्यक्षता प्रो॰ अवधेश कुमार चैबे, निदेशक (प्रभारी) द्वारा की गई। इस कार्यक्रम का समन्वय डॉ॰ ब्रह्मानंद मिश्र, सहायक आचार्य (हिंदी) ने किया। इस अवसर पर समस्त अधिकारीगण, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएँ उपस्थित थे।

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर में हिंदी पखवाड़ा का समापन समारोह 30-09-2024 को परिसर में आयोजित किया गया। इस अवसर पर डॉ॰ कालीचरण झा, सहायक आचार्य (हिंदी), त्रिपुरा केंद्रीय विश्वविद्यालय मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अपने संबोधन में उन्होंने हिंदी भाषा के राष्ट्रव्यापी संपर्क एवं एकता के साधन के रूप में उसके महत्व पर प्रकाश डाला। साथ ही उन्होंने यह भी मत व्यक्त किया कि हिंदी के प्रयोग को सभी संस्थानों में और अधिक बढ़ावा दिया जाना चाहिए, ताकि यह देश की वास्तविक राष्ट्रीय भाषा के रूप में प्रतिष्ठित हो सके।

इस सत्र की अध्यक्षता प्रो॰ प्रभात कुमार मोहापात्र, निदेशक, एकलव्य परिसर द्वारा की गई। इस कार्यक्रम का समन्वय पुनः डॉ॰ ब्रह्मानंद मिश्र, सहायक आचार्य (हिंदी) ने किया। इस अवसर पर सभी अधिकारी, शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

प्राक्षरोत्सव का आयोजन किया गया

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, लेम्बुच्छेरा के धर्मशास्त्र विभाग द्वारा दिनांक 25-09-2024 को प्राक्षरोत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर 'पितृपक्षश्राद्धम्' विषय पर एक विशेष व्याख्यान सत्र का आयोजन किया गया, जिसमें प्रो॰ सुदर्शन भूषण पाण्डा, धर्मशास्त्र विभाग, श्री लालबहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली मुख्य अतिथि तथा वक्ता के रूप में उपस्थित रहे।

इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न साहित्यिक प्रस्तुतियों के माध्यम से इस पर्व के सांस्कृतिक महत्व का विशेष रूप से प्रदर्शन किया गया। सत्र की अध्यक्षता प्रो॰ प्रभात कुमार मोहापात्र, निदेशक, एकलव्य परिसर द्वारा की गई, जबकि प्रो॰ बी.पी.एम. श्रीनिवास, विभागाध्यक्ष (शिक्षा शास्त्र) विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

अपने उद्बोधन में प्रो॰ प्रभात कुमार मोहापात्र ने इस उत्सव के सामाजिक एवं सांस्कृतिक महत्व को भारतीय संस्कृति के परिप्रेक्ष्य में रेखांकित किया। इस अवसर पर समस्त शिक्षकगण, कर्मचारी एवं छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, लेम्बुच्छेरा में NSS इकाई द्वारा 28-10-2024 को सतर्कता जागरूकता सप्ताह का उद्घाटन किया गया तथा सतर्कता जागरूकता सप्ताह एवं स्वच्छता ही सेवा 4.0 अभियान के अंतर्गत 'साइबर सुरक्षा पर जागरूकता', 'सतर्कता जागरूकता का महत्व' एवं 'महिला-नेतृत्व विकास नीति एवं क्रियान्वयन' विषयों पर विशेष व्याख्यान आयोजित किए गए।

डॉ॰ राजेश कांत तिवारी, सहायक आचार्य (कंप्यूटर विज्ञान), गंगानाथ झा परिसर ने 'साइबर सुरक्षा पर जागरूकता' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत किया और सभी से साइबर अपराधों के प्रति सजग रहने का आह्वान किया। डॉ॰ चेतना वेदी, सहायक आचार्य, वेद योग धनमंदिरम्, पुणे ने ऑनलाइन माध्यम से 'महिला-नेतृत्व विकास नीति एवं क्रियान्वयन' विषय पर विद्वत् सभा को संबोधित किया। अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि प्राचीन काल से महिलाएँ विश्व को प्रेमपूर्ण एवं जीवनोपयोगी बनाने में अनिवार्य योगदान देती आई हैं। आज के युग में भी उनका योगदान प्रत्येक क्षेत्र में उल्लेखनीय एवं

प्रशंसनीय है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार द्वारा उठाए गए विभिन्न प्रगतिशील कदमों ने निर्णय प्रक्रिया में महिलाओं की सक्रिय भागीदारी को और सुदृढ़ किया है।

इसके अतिरिक्त, प्रो॰ अवधेश कुमार चौबे, अध्यक्ष, दर्शनशास्त्र विभाग, एकलव्य परिसर ने 'भ्रष्टाचार के प्रति सतर्कता का महत्व' विषय पर व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए आर्थिक भ्रष्टाचार को रोकने हेतु प्रभावी तंत्र विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

इस सत्र की अध्यक्षता प्रो॰ प्रभात कुमार मोहापात्र, निदेशक, एकलव्य परिसर द्वारा की गई। उन्होंने अपने संबोधन में वर्तमान समाज में महिलाओं की विविध भूमिकाओं पर प्रकाश डालते हुए उन्हें तनाव, कार्य एवं समय प्रबंधन का उत्कृष्ट उदाहरण बताया तथा साइबर अपराध एवं भ्रष्टाचार के प्रति सजग रहने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया।

प्रो॰ प्रभात कुमार मोहापात्र ने सतर्कता जागरूकता सप्ताह के अवसर पर संस्थान के समस्त सदस्यों को सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञा भी दिलाई। सत्र का समन्वय डॉ॰ नंद दुलाल मंडल, सहायक आचार्य (शिक्षा शास्त्र) द्वारा किया गया तथा मंच संचालन श्री हांजबम रंगराज शर्मा, विद्यार्थी, शिक्षा शास्त्र (बी.एड.) द्वारा किया गया। इस अवसर पर सभी अधिकारी, शिक्षक एवं छात्र-छात्राएँ सक्रिय रूप से उपस्थित रहे।

एकलव्य परिसर के छात्रों द्वारा विजय वैजयंती की उपलब्धि

प्रत्येक वर्ष की भाँति केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा 14 से 16 नवम्बर 2024 तक पुरी, ओडिशा में क्षेत्रीय युवा महोत्सव का आयोजन किया गया। इस युवा महोत्सव में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के सभी परिसरों एवं संबद्ध संस्थानों के प्रतिभागियों ने विभिन्न सांस्कृतिक एवं क्रीड़ा प्रतियोगिताओं में भाग लिया।

इन सांस्कृतिक एवं क्रीड़ा प्रतियोगिताओं में अनुवाद स्पर्धा, संस्कृत समूहगान, नृत्य, रंगोली, लघु फिल्म निर्माण, लॉन्ग जंप, हाई जंप, स्प्रिंट, शतरंज, कबड्डी, कुश्ती आदि प्रमुख रहे।

विजय वैजयंती वह सर्वोच्च सम्मान है, जो उस परिसर को प्रदान किया जाता है जिसने सभी स्पर्धाओं में सर्वाधिक स्वर्ण पदक प्राप्त किए हों। इस वर्ष केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, त्रिपुरा के विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में कुल 17 स्वर्ण पदक अर्जित कर इस गौरवपूर्ण 'विजय वैजयंती' उपाधि को प्राप्त किया और परिसर को गौरवान्वित किया।

इस अवसर पर परिसर के निदेशक प्रो॰ प्रभात कुमार मोहापात्र ने सभी प्रतिभागियों एवं मार्गदर्शक शिक्षकों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

संविधान दिवस एवं जनजातीय गौरव दिवस का आयोजन किया गया

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, लेम्बुच्छेरा में संविधान दिवस एवं जनजातीय गौरव दिवस का उत्सव 26-11-2024 को बड़े उत्साह एवं गरिमा के साथ मनाया गया। इस कार्यक्रम में त्रिपुरा केंद्रीय विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग के प्राध्यापक प्रो॰ अलक भट्टाचार्य मुख्य अतिथि के रूप में तथा प्रो॰ प्रभात कुमार मोहापात्र, निदेशक, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर अध्यक्ष के रूप में उपस्थित रहे। परिसर के विद्यार्थियों एवं कर्मचारियों ने इस कार्यक्रम में सक्रिय रूप से भाग लिया।

कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं वैदिक मंगलाचरण से हुआ। उद्घाटन सत्र में अपने संबोधन में प्रो॰ प्रभात कुमार मोहापात्र ने संविधान दिवस के महत्व एवं भारतीय संविधान में निहित न्याय, स्वतंत्रता, समानता एवं बंधुत्व के सार्वभौमिक मूल्यों पर प्रकाश डालते हुए सभी से उन्हें जीवन में आत्मसात करने का आह्वान किया।

मुख्य अतिथि प्रो॰ अलक भट्टाचार्य ने अपने उद्बोधन में एक प्रगतिशील समाज के निर्माण में संवैधानिक जागरूकता की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने युवाओं में सांस्कृतिक एवं शिक्षण मूल्यों के प्रसार हेतु केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के सतत प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि, अध्यक्ष एवं सभी प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय ने संविधानिक मूल्यों के संवर्द्धन एवं राष्ट्रनिर्माण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को पुनः अभिव्यक्त किया।

इसी क्रम में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, लेम्बुच्छेरा में 15 से 26 नवम्बर 2024 तक जनजातीय गौरव दिवस का आयोजन उत्साहपूर्वक किया गया। इस आयोजन में भारत की समृद्ध जनजातीय संस्कृति एवं पर्यावरणीय-सांस्कृतिक संरक्षण की भावना को विशेष रूप से प्रदर्शित किया गया। 17-11-2024 को परिसर में स्वच्छता एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया, वहीं 18-11-2024 को जनजातीय फूड फेस्ट का आयोजन हुआ, जिसमें शिक्षकों, कर्मचारियों एवं छात्रों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। इस फूड फेस्ट में भारत की जनजातीय समुदायों की पाक विविधता का उत्सव मनाया गया तथा उनकी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को जानने का अवसर मिला।

इस उत्सव के समापन अवसर पर 26-11-2024 को स्वामी विवेकानंद महाविद्यालय के सहायक प्राध्यापक डा॰ सिंह क्वारक सन्तुआ जमातिया मुख्य अतिथि के रूप में तथा प्रो॰ प्रभात कुमार मोहापात्र, निदेशक, अध्यक्ष के रूप में उपस्थित रहे। छात्रों एवं कर्मचारियों ने दिनभर की गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी की।

अपने उद्बोधन में डा॰ सिंह क्वारक सन्तुआ जमातिया ने जनजातीय परंपराओं को आधुनिक पर्यावरणीय व्यवहारों के साथ समायोजित करने की आवश्यकता को रेखांकित किया। समापन सत्र में प्रो॰ प्रभात कुमार मोहापात्र ने विश्वविद्यालय की भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि शिक्षा एवं ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से जनजातीय संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्द्धन में विश्वविद्यालय की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के प्रयासों की सराहना की जिन्होंने इस आयोजन को सफल बनाया।

कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ जिसमें मुख्य अतिथि, शिक्षकों, कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों के योगदान के प्रति आभार व्यक्त किया गया। इस दिवस ने जनजातीय गौरव को सम्मान देने एवं सतत विकास की भावना को सुदृढ़ करने के लिए विश्वविद्यालय की प्रतिबद्धता को पुनः पुष्ट किया। दोनों कार्यक्रमों का संयोजन डॉ॰ नंददु लाल मंडल, सहायक प्राध्यापक (शिक्षा शास्त्र) एवं सुश्री पर्विन देबबर्मा, सहायक प्राध्यापक (कंप्यूटर विज्ञान) के द्वारा किया गया।

भारतीय भाषा उत्सव का आयोजन किया गया

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, त्रिपुरा में 11 दिसम्बर 2024 को परिसर के जनजातीय अनुसंधान केन्द्र के तत्वावधान में भारतीय भाषा उत्सव का भव्य आयोजन किया गया। इस आयोजन में विश्वविद्यालय के सभी 12 परिसरों एवं आदर्श महाविद्यालयों की सक्रिय सहभागिता रही। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली ने त्रिपुरा स्थित एकलव्य परिसर को जनजातीय अनुसंधान केंद्र के रूप में नामित किया है, ताकि जनजातीय सांस्कृतिक विरासत पर गहन विश्लेषणात्मक अनुसंधान किया जा सके और इस ज्ञान-संपदा का समुचित समन्वय आधुनिक शिक्षा प्रणाली के साथ स्थापित किया जा सके।

इस कार्यक्रम का उद्देश्य भारत की समृद्ध भाषाई एवं सांस्कृतिक विविधता का उत्सव मनाना तथा देश के विभिन्न भाषाई एवं पारंपरिक स्वरूपों में एकता एवं राष्ट्रीय गर्व की भावना को प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ सायं 4:00 बजे दीप प्रज्वलन से हुआ, जिसका शुभारंभ मुख्य अतिथि प्रो॰ मिलन रानी जमातिया, हिंदी विभाग, त्रिपुरा केंद्रीय विश्वविद्यालय तथा विशिष्ट अतिथि डा॰ मलय देब, सहायक प्राध्यापक, बांग्ला विभाग, त्रिपुरा केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा

किया गया। उसके उपरांत विद्यार्थियों द्वारा वैदिक मंगलाचरण एवं लौकिक मंगलाचरण का सुन्दर प्रस्तुतीकरण किया गया तथा विश्वविद्यालय का कुलगीत गाया गया।

परिसर के निदेशक प्रो॰ प्रभात कुमार मोहापात्र ने स्वागत भाषण रखते हुए आधुनिक भारत में भाषाई एवं सांस्कृतिक समरसता के महत्व पर प्रकाश डाला। तत्पश्चात् प्रो॰ मदन मोहन झा, अधिष्ठाता (शैक्षणिक कार्य), केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली ने क्षेत्रीय भाषाओं के संरक्षण एवं संवर्द्धन पर अपने विचार व्यक्त किए।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि डा॰ मलय देब ने बांग्ला भाषा के साहित्यिक एवं सांस्कृतिक योगदान पर प्रकाश डाला, वहीं मुख्य अतिथि प्रो॰ मिलन रानी जमातिया ने भाषाई विविधता को राष्ट्रीय एकता को सुदृढ़ बनाने का माध्यम बताया।इस अवसर पर भारत की भाषाई विविधता को दर्शाने हेतु केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के विभिन्न परिसरों द्वारा देश की प्रमुख भाषाओं में प्रस्तुतियाँ दी गईं, जिनमें डोगरी (श्री रणबीर परिसर, जम्मू), पंजाबी (श्री वेदव्यास परिसर, बलहेर), मैथिली (श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर, देवप्रयाग), गुजराती (जयपुर परिसर), ओड़िया (श्री सदाशिव परिसर, पुरी), मराठी (नासिक परिसर, मुंबई), भोजपुरी (लखनऊ परिसर), हिंदी (गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज), संस्कृत (भोपाल परिसर), मलयालम (गुरुवायूर परिसर, त्रिशूर), कन्नड़ एवं तमिल (राजीव गांधी परिसर, श्रृंगेरी), तथा बांग्ला, तेलुगु एवं असमिया भाषाएँ (एकलव्य परिसर, अगरतला) शामिल थीं।

इसके अतिरिक्त, सांस्कृतिक कार्यक्रम के अंतर्गत बीहू नृत्य, कोकबोरोक गीत पर नृत्य, बांग्ला गीत पर नृत्य, तथा कोकबोरोक एवं बांग्ला गीतों की प्रस्तुति ने समारोह को रंगारंग रूप प्रदान किया। साथ ही, 'माँ-बोली हस्ताक्षर अभियान' का भी आयोजन किया गया, जिसमें समस्त शिक्षक, कर्मचारी एवं विद्यार्थियों ने भाग लिया।

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के कुलपति प्रो॰ श्रीनिवास वरखेड़ी ने ऑनलाइन माध्यम से संबोधित करते हुए संस्कृत एवं क्षेत्रीय भाषाओं के संरक्षण और प्रसार में विश्वविद्यालय की भूमिका पर बल दिया। कार्यक्रम का समापन प्रो॰ अवधेश कुमार चौबे, अध्यक्ष, दर्शनशास्त्र विभाग के धन्यवाद ज्ञापन तथा राष्ट्रगान के साथ हुआ।

महाकुंभ अभियान का आयोजन

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के कुलपति प्रो॰ श्रीनिवास वरखेड़ी के सक्रिय नेतृत्व और पहल के अंतर्गत केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, अगरतला के 48 विद्यार्थियों के दल ने महाकुंभ मेले की एक विशेष शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक यात्रा आरंभ की। प्रबुद्ध मार्गदर्शकों एवं संकाय सदस्यों के सहयोग से यह शैक्षणिक भ्रमण विद्यार्थियों को भारत की आध्यात्मिक तथा भाषाई विरासत का सजीव अनुभव प्रदान करने हेतु आयोजित किया गया।

महाकुंभ मेला, जो विश्व का सबसे विशाल धार्मिक एवं आध्यात्मिक समागम है, विद्यार्थियों के लिए संस्कृत परंपरा, वैदिक अनुष्ठानों तथा भारतीय दर्शन की जीवंत झलक का साक्षात्कार कराने का सुदृढ़ माध्यम बना। विद्यार्थियों ने विद्वानों, साधुओं एवं आचार्यों से संवाद के माध्यम से धार्मिक विमर्श में संस्कृत की भूमिका तथा प्राचीन भारतीय ज्ञान परंपरा के संरक्षण में इसकी महत्ता को प्रत्यक्ष रूप से अनुभव किया।

यह अभियान प्रो॰ श्रीनिवास वरखेड़ी की शिक्षा-दृष्टि से प्रेरित है, जो संस्कृत अध्ययन को कक्षा की सीमाओं से परे ले जाकर अनुभवात्मक शिक्षा को प्रोत्साहित करता है। इस प्रकार के उपक्रम विद्यार्थियों में सांस्कृतिक चेतना का विकास करते हुए उन्हें भारतीय जीवन-मूल्यों एवं संस्कृत भाषा के प्रचार-प्रसार में सक्रिय योगदान हेतु प्रेरित करते हैं।

इस पहल की सराहना करते हुए प्रो॰ प्रभात कुमार मोहापात्र, निदेशक, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, अगरतला ने कहा—

"यह महाकुंभ अभियान हमारे विद्यार्थियों के लिए भारतीय संस्कृति एवं संस्कृत परंपरा के जीवंत रूप का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त करने का एक अनुपम अवसर है। मैं इस प्रयास को संभव बनाने हेतु कुलपति प्रो॰ श्रीनिवास बरखेड़ी का हार्दिक आभार प्रकट करता हूँ और हमारे विद्यार्थियों को इस यात्रा से समृद्ध एवं प्रेरणादायक अनुभव प्राप्त होने की शुभकामनाएँ देता हूँ।"

यह अभियान 22 फरवरी 2025 से आरंभ हुआ, जो प्रतिभागियों के लिए संस्कृत अध्ययन को व्यवहारिक जीवन से जोड़ने का एक रूपांतरकारी अनुभव बना।

5. प्रकाशन-

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर में जर्नल, पत्रिका, पुस्तकों आदि के रूप में विद्वत लेखन के प्रकाशन की पहल की जाती है।

6. उपलब्ध पाठ्यक्रम

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर में निम्नलिखित पाठ्यक्रम संचालित हैं –

क्रम सं.	पाठ्यक्रम का नाम	प्रकार	अवधि
1.	प्राक्-शास्त्री	नियमित	2 वर्ष
2.	शास्त्री प्रतिष्ठा	नियमित	4 वर्ष
3.	शिक्षाशास्त्री	नियमित	2 वर्ष
4.	आचार्य	नियमित	2 वर्ष
5.	विद्यावारिधि	यूजीसी के नियमों के अनुसार	यूजीसी के नियमों के अनुसार
6.	योगिक विज्ञान में पी.जी. डिप्लोमा	हाइब्रिड	1 वर्ष
7.	कर्मकांड एवं पौरोहित्य में पी.जी. डिप्लोमा	हाइब्रिड	1 वर्ष
8.	पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान में पी.जी. डिप्लोमा	हाइब्रिड	1 वर्ष

8. एकलव्य परिसर द्वारा आयोजित संगोष्ठी, कार्यशाला तथा व्याख्यानमाला

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर में अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

वेदान्त विभाग, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, लेम्बुच्छेरा के तत्वावधान में भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद (ICPR), नई दिल्ली के सहयोग से 26 एवं 27 जुलाई 2024 को 'समकालीन युग में शंकराचार्य दर्शन की प्रासंगिकता' विषय पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

इस संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में प्रो॰ मदन मोहन झा, अधिष्ठाता (शैक्षणिक कार्य), केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अपने उद्घाटन भाषण में उन्होंने आदि शंकराचार्य के दर्शन के सूक्ष्म पहलुओं

पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह दर्शन आज भी मानव समाज को कल्याणकारी जीवन-पथ की ओर अग्रसर होने की प्रेरणा देता है। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता प्रो॰ प्रभात कुमार मोहापात्र, निदेशक, एकलव्य परिसर द्वारा की गई।

दो दिवसीय इस संगोष्ठी में डा॰ दाबे राजेन्द्र कुमार (व्याख्याता एवं प्रमुख, स्कूल ऑफ इंडोलॉजिकल स्टडीज़, महात्मा गांधी इंस्टीट्यूट, मोका, मॉरिशस), श्री राउटगर कार्थार्नस्ट (नीदरलैंड), एवं डा॰ सोमनाथ सरकार (कल्याणी विश्वविद्यालय, कोलकाता) जैसे प्रतिष्ठित दार्शनिकों ने विभिन्न शोध-पत्र सत्रों की अध्यक्षता की।

इस संगोष्ठी में कुल 72 प्रतिभागियों ने अपने शोध-पत्र प्रस्तुत किए। भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद (ICPR) की ओर से डा॰ सच्चिदानंद मिश्र, सदस्य सचिव ने आयोजन के सुचारु संचालन में सक्रिय सहयोग प्रदान किया। इस संगोष्ठी के संयोजक डा॰ नेपाल दास, सहायक प्राध्यापक (वेदांत विभाग) रहे तथा संयुक्त संयोजक की भूमिका डा॰ पलाश सॉंतरा ने निभाई।

बौद्ध दर्शन पर सात दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, अगरतला के बौद्धदर्शन विभाग द्वारा अष्टादशी परियोजना के अंतर्गत "आचार्य वसुबन्धु की विज्ञानवाद सिद्धि के दो अध्याय" विषय पर सात दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का शुभारंभ 3 फरवरी 2025 को आचार्य द्रोणाचार्य सभा भवन में किया गया। यह कार्यशाला 3 से 9 फरवरी 2025 तक आयोजित की गई।

उद्घाटन समारोह की शुरुआत दीप प्रज्वलन के साथ हुई। तत्पश्चात् डॉ॰ प्रकाश रंजन मिश्र द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार, विभागीय विद्यार्थियों द्वारा पाली भाषा में बुद्ध वंदना तथा श्री ताशी नामग्याल द्वारा भोटी भाषा में बुद्ध वंदना प्रस्तुत की गई। इसके उपरांत सभी गणमान्य अतिथियों, प्रतिभागियों एवं छात्रों ने विश्वविद्यालय के कुलगीत के साथ कार्यक्रम का औपचारिक शुभारंभ किया।

कार्यक्रम का स्वागत भाषण प्रो॰ अवधेश कुमार चौबे, अध्यक्ष, दर्शनशास्त्र संकाय, द्वारा प्रस्तुत किया गया। उन्होंने आचार्य वसुबन्धु की विज्ञानवाद सिद्धि को भारतीय दार्शनिक परंपरा के व्यापक परिप्रेक्ष्य में अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए इसकी आधुनिक प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला।

मुख्य अतिथि के रूप में प्रो॰ वांगचुक दोरजे नेगी, कुलपति, केंद्रीय उच्च तिब्बती अध्ययन संस्थान, सारनाथ उपस्थित रहे। अपने संबोधन में उन्होंने कहा – "विज्ञानवाद का सिद्धांत भारतीय एवं बौद्ध ज्ञानमीमांसा में अत्यंत गहन दार्शनिक योगदान है। यह कार्यशाला विद्वानों के लिए इस जटिल विषय की गहराई और उसकी समकालीन उपयोगिता को समझने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगी।"

विशिष्ट अतिथि के रूप में भगवंत भंते क्षेमसार, प्रधान भिक्षु, वेनुबन विहार, अगरतला उपस्थित थे। उन्होंने कहा – "बौद्ध दर्शन केवल बौद्धिक चिंतन का विषय नहीं, बल्कि जीवन जीने की एक कला है। आचार्य वसुबन्धु का उपदेश आत्म-जागृति और प्रज्ञा का मार्ग प्रदान करता है। मैं विश्वविद्यालय को इस प्रकार की अमूल्य शैक्षणिक पहल के लिए बधाई देता हूँ।"

सत्र की अध्यक्षता प्रो॰ प्रभात कुमार मोहापात्र, निदेशक, एकलव्य परिसर द्वारा की गई। अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में उन्होंने कहा - "ऐसी कार्यशालाएँ भारत की समृद्ध दार्शनिक परंपराओं के संरक्षण और संवर्द्धन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। बौद्ध ज्ञानमीमांसा के गहन अध्ययन से विद्यार्थियों में विश्लेषणात्मक चिंतन और शोधपरक दृष्टिकोण का विकास होता है, जो शैक्षणिक प्रगति के लिए अनिवार्य है।"

धन्यवाद ज्ञापन डॉ॰ श्रीकर जी.एन. द्वारा प्रस्तुत किया गया। इस कार्यक्रम का कुशल संचालन एवं समन्वय डॉ॰ प्रदीप कुमार द्विवेदी द्वारा किया गया। समारोह का समापन शान्ति मन्त्र के सामूहिक उच्चारण के साथ हुआ, जिसमें सभी के कल्याण एवं ज्ञान-संपन्नता की मंगल कामना की गई।

सात दिवसीय हिमान्तीय कार्यशाला का आयोजन किया गया

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर द्वारा 10 फरवरी 2025 से 16 फरवरी 2025 तक सात दिवसीय हिमान्तीय कार्यशाला का आयोजन किया गया, जिसका विषय था 'कुमारसम्भवः', महाकवि कालिदास की एक प्रसिद्ध संस्कृत महाकाव्य। इस कार्यशाला का उद्देश्य इस शास्त्रीय ग्रंथ के साहित्यिक, दार्शनिक और काव्यगत सूक्ष्मताओं का गहन अध्ययन करना था।

उद्घाटन समारोह में कामेश्वरसिंह दरभंगा संस्कृत विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति, प्रो॰ देव नारायण झा मुख्य अतिथि थे। विशिष्ट अतिथि के रूप में बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के पूर्व विभागाध्यक्ष, प्रो॰ शिवराम शर्मा उपस्थित थे। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता परिसर के निदेशक प्रो॰ प्रभात कुमार मोहापात्र ने की। इस ज्ञानवर्धक संगोष्ठी के समन्वयक डॉ॰ परितोष दास, भाषाएँ, साहित्य एवं संस्कृति विभाग के प्रमुख थे।

प्रो॰ देव नारायण झा ने कहा कि कुमारसम्भवः न केवल भगवान शिव एवं पार्वती के दिव्य विवाह की कथा प्रस्तुत करता है, बल्कि गहरे दार्शनिक विचार भी प्रदान करता है। प्रो॰ शिवराम शर्मा ने संस्कृत साहित्य के आधुनिक युग में महत्व को रेखांकित किया और कार्यशालाओं के माध्यम से इसकी प्रासंगिकता बनाए रखने पर बल दिया। प्रो॰ प्रभात कुमार मोहापात्र ने विभाग के प्रयासों की सराहना करते हुए इस पहल की सफलता में विश्वास व्यक्त किया।कार्यशाला में काव्य-लेखक, शोधकर्ता और छात्र विभिन्न व्याख्यान, चर्चाएँ एवं परस्पर संवाद के माध्यम से इस महाकाव्य का समग्र विश्लेषण कर रहे हैं। समापन भाषण डॉ॰ स्वर्ग कुमार मिश्र ने प्रस्तुत किया, जिन्होंने विश्वविद्यालय की प्रशासनिक और शैक्षणिक सहायता का आभार प्रकट किया।यह कार्यशाला संस्कृत साहित्य के प्रति गहरी समझ और नए व्याख्यात्मक दृष्टिकोणों को विकसित करने का महत्वपूर्ण मंच प्रदान करती है।

"अगस्त्यर" विषयक एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, अगरतला ने चिकित्सा ज्योतिष अनुसंधान समूह के सहयोग से 13 फरवरी 2025 को "अगस्त्यर" विषयक एक संगोष्ठी आयोजित की। यह कार्यक्रम काशी तमिल संगम के अवसर पर आयोजित किया गया था, जिसमें त्रिपुरा के प्रमुख तमिल विद्वानों, शोधकर्ताओं और अकादमिकों ने भाग लिया। संगोष्ठी का उद्देश्य अगस्त्यर के संस्कृत और चिकित्सा ज्योतिष के क्षेत्र में योगदान की महत्ता का विश्लेषण करना था।

कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक दीप प्रज्वलन, वैदिक श्लोक जाप, और छात्रों द्वारा लौकिक श्लोक पाठ के साथ हुई। सभी उपस्थित जनों ने विश्वविद्यालय के कुलगीत का गायन कर कार्यक्रम की शुभारंभ किया।

स्वागत भाषण में डॉ॰ सम्बित महापात्रा, सहायक प्राध्यापक (अद्वैत वेदांत विभाग), ने अगस्त्यर की प्राचीन भारतीय ज्ञान व्यवस्थाओं में भूमिका की महत्ता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि अगस्त्यर पारंपरिक ज्ञान के प्रकाशस्तंभ हैं, जिनका साहित्यिक और चिकित्सा ज्योतिषीय योगदान आज भी प्रभावशाली है।

मुख्य अतिथि डॉ॰ के. एस. सुमन, संस्कृत विभाग, त्रिपुरा विश्वविद्यालय के एसोसिएट प्रोफेसर ने अगस्त्यर के शिक्षाओं की आज की प्रासंगिकता पर बल दिया। विशिष्ट अतिथि डॉ॰ पन्ना साहा, प्रधानाचार्य, कॉलेज ऑफ ज्योतिष ने वैदिक ज्योतिष और आयुर्वेद के बीच के गहरे संबंधों को रेखांकित किया। डॉ॰ प्रणव शेखर चौधरी, सनातन ज्योतिष कॉलेज के अध्यक्ष, ने ज्योतिष शास्त्र की चिकित्सा में उपयोगिता पर जोर दिया। डॉ॰ सोमा चौधरी, आयोजन समिति की उपाध्यक्ष एवं चिकित्सा ज्योतिष अनुसंधान समूह की सचिव ने संस्कृत अध्ययन में अंतःविषयात्मक शोध की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

परिसर के निदेशक प्रो॰ प्रभात कुमार मोहापात्र ने सभी प्रतिभागियों के योगदान की प्रशंसा की और संस्कृत ज्ञान के संरक्षण को विश्वविद्यालय का दायित्व बताया। धन्यवाद प्रस्ताव डॉ॰ सौम्यज्योति साहा ने प्रस्तुत किया, जबकि कार्यक्रम का

संचालन डॉ॰ अलोक कुमार पांडेय ने कुशलता से किया।यह संगोष्ठी अगस्त्यर की विरासत तथा उनके संस्कृत साहित्य, वेदांत और चिकित्सा ज्योतिष पर प्रभावों पर ज्ञानवर्धक संवाद और विचार-विमर्श का उत्कृष्ट मंच रही।

पाँच दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (FDP) का आयोजन किया गया

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, लेम्बुच्छेरा द्वारा 17 से 21 फरवरी 2025 तक पाँच दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (FDP) का आयोजन किया गया जिसका विषय था "आधुनिक शिक्षा प्रणाली के साथ भारतीय ज्ञान प्रणाली का एकीकरण"। इस कार्यशाला में गुजरात, असम, पश्चिम बंगाल एवं त्रिपुरा के 30 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम के प्रथम दिवस से ही डॉ. गोपिकृष्णन रघु, डॉ. पुष्कर देव पुजारी, डॉ. दिनकर मारठे, डॉ. सुमन के.एस., डॉ. सत्यदेव मिश्रा और डॉ. विनायक रजत भट्ट जैसे विशिष्ट वक्ताओं ने भारतीय ज्ञान परंपरा के विभिन्न पहलुओं पर ज्ञानवर्धक व्याख्यान प्रस्तुत किए। इस एफडीपी के माध्यम से प्रतिभागियों को भारतीय ज्ञान परंपरा के अद्वितीय तत्वों की गहरी जानकारी प्राप्त हुई।

कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. बुलुसु पद्मामित्र श्रीनिवास, संयोजक श्री सुब्रह्मण्य भट्ट और सह-संयोजक डॉ. प्रकाश रंजन मिश्र थे। परिसर निदेशक प्रो॰ प्रभात कुमार महापात्र के मार्गदर्शन में यह कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।इस कार्यक्रम ने शिक्षकों को भारतीय ज्ञान प्रणाली की बोधगम्यता बढ़ाने और उसे समकालीन शिक्षा प्रणाली में प्रभावी रूप से सम्मिलित करने का सशक्त मंच प्रदान किया।

पाँच दिवसीय आवासीय संस्कृत भाषा शिक्षण प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, लेम्बुच्छेरा द्वारा 24 फरवरी 2025 से 28 फरवरी 2025 तक पाँच दिवसीय आवासीय संस्कृत भाषा शिक्षण प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम त्रिपुरा राज्य के स्कूलों में कार्यरत संस्कृत शिक्षकों के लिए था। कार्यक्रम का उद्घाटन 24 फरवरी 2025 को परिसर के श्रोताकक्ष में प्रो॰ प्रभात कुमार मोहापात्र, निदेशक, एकलव्य परिसर की अध्यक्षता में हुआ। मुख्य अतिथि प्रो॰ अभय कुमार झा, IIIT, अगरतला थे। साथ ही, प्रो॰ अवधेश कुमार चौबे, दर्शनशास्त्र संकायाध्यक्ष भी समारोह में उपस्थित थे।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में त्रिपुरा के विभिन्न स्कूलों के 21 शिक्षकों एवं परिसर के शोधार्थियों ने भाग लिया। विषय विशेषज्ञों के रूप में प्रो॰ चंद्रकिरण सलुजा, प्रो॰ देबराज पाणिग्रही, डॉ॰ विश्वबन्धु मिश्रा, श्रीमती कृष्णा बसुंधरा, श्री नयनज्योति शर्मा और श्री विक्रम बिस्वास ने विभिन्न विषयों पर व्याख्यान दिए। इसके साथ ही परिसर के संकाय सदस्य प्रो॰ बी.पी.एम. श्रीनिवास, डॉ॰ मंजु थेमडिओ, श्री सुब्रह्मण्या भट्ट और डॉ॰ सुकान्त प्रमाणिक ने भी विभिन्न विषयों पर सत्र संचालित किए।

कार्यक्रम का समापन 28 फरवरी 2025 को हुआ। समापन सत्र में मुख्य अतिथि श्री जयप्रकाश गौतम, मंत्री, ऑल इंडिया ऑर्गनाइजेशन ऑफ संस्कृत भारती थे, जबकि विशेष अतिथि के रूप में श्री मोहन कन्नन, क्षेत्रीय मंत्री, नॉर्थ ईस्ट रीजन ऑफ संस्कृत भारती उपस्थित थे। इस कार्यक्रम के समन्वयक डॉ॰ श्रीकृष्ण जी.एन. और डॉ॰ अपूर्वा शर्मा थे।यह प्रशिक्षण कार्यक्रम संस्कृत शिक्षकों को उनके शैक्षणिक एवं व्यावसायिक कौशलों के विकास के लिए एक प्रभावी मंच प्रदान करता है।

एनईपी–2020 पर सप्ताह–भर का कार्यशाला

"उच्च शिक्षा प्रणाली के पुनर्गठन में एनईपी–2020 की संभावनाएँ" विषय पर एक सप्ताह–लंबी कार्यशाला 3 मार्च से 9 मार्च 2025 तक आयोजित की गई। इस आयोजन में प्रतिष्ठित विद्वानों, शिक्षाविदों तथा शोधकर्ताओं ने भाग लिया और राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के भारतीय उच्च शिक्षण क्षेत्र पर पड़ने वाले रूपांतरणकारी प्रभाव पर विचार–विमर्श किया।

कार्यक्रम का उद्घाटन तथा प्रथम सत्र 3 मार्च 2025 को प्रो॰ ए॰ श्रीपाद भट के नेतृत्व में भारतीय ज्ञान प्रणाली विषय पर हुआ, जिसमें पारंपरिक ज्ञान और आधुनिक शिक्षा के एकीकरण पर बल दिया गया। प्रत्येक दिन उच्च शिक्षा तथा नीतिगत क्रियान्वयन से जुड़े विशिष्ट विषय पर केंद्रित रहा।

कार्यक्रम के अंतिम दिन 9 मार्च 2025 को त्रिपुरा केंद्रीय विश्वविद्यालय के प्रो॰ देवराज पाणिग्रही द्वारा अनुसंधान एवं विकास विषय पर सत्र आयोजित किया गया। इसके उपरांत समापन सत्र के साथ यह कार्यशाला सफलतापूर्वक पूर्ण हुई।

इस आयोजन ने शिक्षकों, शोधकर्ताओं और नीति–निर्माताओं को एक ऐसा व्यापक मंच प्रदान किया, जहाँ वे एनईपी–2020 के अंतर्गत उच्च शिक्षा के भविष्य पर विचार–मंथन कर सके। सक्रिय सहभागिता और विचारोत्तेजक चर्चाओं के साथ कार्यक्रम का समापन उत्साहपूर्ण वातावरण में हुआ, जिसने शिक्षा सुधार और नवाचार के प्रति प्रतिबद्धता को और सुदृढ़ किया।

संगोष्ठी/कार्यशाला/विशिष्ट व्याख्यान

मुख्यालय पत्रांक 17-2/Acd/केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय/Academic/2024/1957 दिनांक 05.03.2025 के अनुपालन में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, अगरतला परिसर में मार्च 2025 माह में विभिन्न विभागों में भारतीय ज्ञान परम्परा(आई.के.एस.) से संबंधित विशिष्ट व्याख्यानमालाओं का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। प्रत्येक विभाग में विषयानुसार विद्वानों को आमंत्रित किया गया तथा अध्यापकों एवं विद्यार्थियों ने सक्रिय रूप से सहभागिता की। जिसका विस्तृत विवरण निम्नलिखित है-

1. साहित्य विद्याशाखा द्वारा 19 मार्च 2025 को "अभावपक्षखण्डनपुरस्सरं ध्वनिस्थापनम्" विषय पर विशिष्ट व्याख्यान माला का आयोजन अन्तर्जाल(Online) माध्यम से किया गया, जिसमें मुख्यवक्ता के रूप में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, श्री सदाशिव परिसर के पूर्व साहित्यविभागाध्यक्ष प्रो. सूर्यमणि रथ महोदय ने संस्कृत काव्यशास्त्र की सूक्ष्मता एवं ध्वनि सिद्धान्त के माध्यम से भावानुभूति की व्याख्या की। परिसर के माननीय निदेशक सहित अध्यापकों तथा विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की और व्याख्यानोपरान्त प्रतिपादित विषय पर गहन प्रश्नोत्तर सत्र भी हुआ।
2. व्याकरण विद्याशाखा द्वारा 20 मार्च 2025 को "कारकविमर्शः" विषय पर विशिष्ट व्याख्यान माला का आयोजन परिसर के गुरु द्रोणाचार्य सभागार में किया गया। इस व्याख्यान माला का मुख्यवक्ता के रूप में श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति प्रो. किशोरचन्द्र पाढी महोदय ने अत्यंत प्रबुद्ध व्याख्यान दिया। उन्होंने पाणिनीय कारकप्रणाली की संरचना और आधुनिक भाषाविज्ञान में उसकी प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। परिसर के माननीय निदेशक सहित अध्यापकों तथा विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।
3. धर्मशास्त्र विद्याशाखा द्वारा 20 मार्च 2025 को "कालतत्त्वविमर्शः" विषय पर विशिष्ट व्याख्यान माला का आयोजन परिसर के गुरु द्रोणाचार्य सभागार में किया गया। इस व्याख्यानमाला में मुख्यवक्ता के रूप में श्री जगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, धर्मशास्त्र विभाग के पूर्व आचार्य प्रो. श्रीकृष्ण मिश्र महोदय ने अत्यंत महत्वपूर्ण व्याख्यान प्रदान किये। उन्होंने समयानुसार धर्मशास्त्र के विशेष नियम एवं धर्म पालन की आवश्यकता पर विचार प्रस्तुत किए। परिसर के माननीय निदेशक सहित अध्यापकों तथा विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।
4. ज्योतिष विद्याशाखा द्वारा 21 मार्च 2025 को "ज्योतिःशास्त्रे आर्. एन्. अय्यङ्गारवर्यस्य अभिनवानि अनुसन्धानानि" विषय पर विशिष्ट व्याख्यान माला का आयोजन अन्तर्जाल (Online) माध्यम से किया गया,

जिसमे मुख्यवक्ता के रूप में चाणक्य विश्वविद्यालय के सहाचार्य डॉ. रामकृष्ण पेजत्ताय महोदय का व्याख्यान हुआ। उन्होंने आधुनिक वैज्ञानिक दृष्टि से ज्योतिष के गणितीय पक्ष का विवेचन किया तथा विद्यार्थियों को अनुसंधान की दिशा सुझाई। परिसर के माननीय निदेशक सहित अध्यापकों तथा विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

5. वेद कर्मकाण्ड एवं पौरोहित्य विद्याशाखा द्वारा 21 मार्च 2025 को "वेदमन्त्रोच्चारण प्रक्रिया विमर्श" विषय पर विशिष्ट व्याख्यान माला का आयोजन अन्तर्जाल(Online) माध्यम से किया गया, जिसमे मुख्यवक्ता के रूप में श्रीलालबहादुरशास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के पूर्व वेदविभागाध्यक्ष डॉ. रामानुज उपाध्याय ने विद्वत्तापूर्ण व्याख्यान दिया। उन्होंने यज्ञपरम्परा और मन्त्रार्थ-व्याख्या के शास्त्रीय मूल्यों पर प्रकाश डाला। परिसर के माननीय निदेशक सहित अध्यापकों तथा विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।
6. वेदान्त विद्याशाखा द्वारा 24 मार्च 2025 को "भारतीयज्ञानपरम्परायां श्रीमद्भगवद्गीतायाः स्थानं महत्वञ्च" विषय पर विशिष्ट व्याख्यान माला का आयोजन परिसर के गुरु द्रोणाचार्य सभागार में किया गया। इस व्याख्यान माला में मुख्यवक्ता के रूप में रामकृष्ण मिशन विवेकानन्द शैक्षणिक एवं अनुसन्धान संस्था, संस्कृत एवं दर्शनशास्त्र विभाग के सहायक आचार्य डॉ. स्वामी जपसिद्धानन्द ने प्रेरणादायी व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने गीता के दार्शनिक व व्यावहारिक पक्षों के माध्यम से जीवन-मूल्यों का विवेचन तथा वेदान्त दर्शन के आध्यात्मिक एवं व्यावहारिक पक्षों का अद्भुत समन्वय प्रस्तुत किया। परिसर के माननीय निदेशक सहित अध्यापकों तथा विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।
7. बौद्धदर्शन एवं पाली विद्याशाखा द्वारा 24 मार्च 2025 को "श्रावस्ती से साकेत तक भगवान् बुद्ध, दक्षिण-पूर्वी एशिया के संदर्भ में" विषय पर विशिष्ट व्याख्यान माला का आयोजन अन्तर्जाल(Online) माध्यम से किया गया, जिसमे मुख्यवक्ता के रूप में अन्तर्राष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान, लखनऊ के निदेशक डॉ. राकेश सिंह ने प्रेरणादायी व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने बुद्धचरित, तीर्थ-परम्परा और दक्षिण-पूर्वी एशिया में बौद्ध संस्कृति के प्रचार प्रसार पर प्रकाश डाला। परिसर के माननीय निदेशक सहित अध्यापकों तथा विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।
8. शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा द्वारा 27 मार्च 2025 को "Employment Opportunities in IKS for Sanskrit Students" विषय पर विशिष्ट व्याख्यान माला का आयोजन अन्तर्जाल(Online) माध्यम से किया गया, जिसमे मुख्यवक्ता के रूप में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT) खड़गपुर के सहायक प्राध्यापक डॉ. दीपेश विनोद कतिरा ने प्रेरणादायी व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने संस्कृत विद्यार्थियों के लिए आई.के.एस., कृत्रिम बुद्धिमत्ता, भाषा-प्रौद्योगिकी, शोध, और सरकारी व निजी क्षेत्र में उपलब्ध अवसरों की विस्तृत जानकारी दी। परिसर के माननीय निदेशक सहित अध्यापकों तथा विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की।

इन सभी व्याख्यानों से विद्यार्थियों को भारतीय ज्ञान परम्परा की गहराई को समझने का अवसर प्राप्त हुआ तथा आई.के.एस. की अवधारणाओं को अपने अध्ययन में समाहित करने की प्रेरणा मिली।

आरटीआई अधिनियम-2005 के अंतर्गत प्राप्त प्रश्नों/दिए गए उत्तरों की संख्या

- प्राप्त – 04
- उत्तर दिया – 04

4.2.12 श्रीरघुनाथ कीर्ति परिसर, देवप्रयाग, उत्तराखण्ड

1. परिचय

ऋषिकेश-श्रीनगर-बद्रीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर देवप्रयाग में स्थित इस परिसर का उद्घाटन 20 फरवरी 2024 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था। 22 जून, 2023 को परिसर में धर्मसम्राट करपात्री जी महाराज वेदशास्त्र अनुसंधान केंद्र का उद्घाटन उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्करसिंह धामी जी ने किया था। भागीरथी-अलकनंदा के संगम और प्रसिद्ध श्री रघुनाथ भगवान के मंदिर के निकट स्थित श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर संस्कृत शिक्षा के संरक्षण, प्रचार-प्रसार के लिए प्रतिबद्ध है। परिसर का उद्देश्य शास्त्र शिक्षा देने के साथ ही छात्रों और समाज को स्वास्थ्य, स्वच्छता, पर्यावरण और संस्कृति संरक्षण के प्रति जागरूक करना भी है। समय-समय पर विभिन्न गांवों और संस्थानों में परिसर के छात्र नाटक और गीत इत्यादि रचनाओं के माध्यम से इस प्रकार के संदेश प्रसारित करते रहते हैं। परिसर की राष्ट्रीय सेवा योजना (इकाई) छात्रों को राष्ट्र सेवा की प्रेरणा देने के साथ ही समाज और राष्ट्र के प्रति समर्पण का पाठ पढ़ाती है।

श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर में ज्योतिष, वेद, वेदांत, साहित्य, व्याकरण, न्याय के अध्ययन तथा इन विषयों में पीएचडी की सुविधा है। खेल, संगीत, योग, अध्यापन आदि क्षेत्रों में जाने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए यहां विशेष सुविधाएं हैं। लगभग आठ वर्षों के यात्राकाल में इस परिसर ने उत्तराखण्ड के संस्कृत शिक्षा केंद्रों में श्रेष्ठ स्थान बना लिया है। विशेष बात यह है कि पलायन पीड़ित उत्तराखंड में इस परिसर ने छात्रों के संस्कृत की उच्च शिक्षा के लिए किए जाने वाले पलायन पर बड़ी सीमा तक रोक लगा दी है। अब सुदूर पहाड़ के छात्रों को संस्कृत शिक्षा ग्रहण करने के लिए हरिद्वार, वाराणसी इत्यादि स्थानों पर जाने की आवश्यकता नहीं रह गयी है।

परिसर में योग विज्ञान में बीएससी और एमएससी तथा पौरोहित्य कर्मकाण्ड में डिप्लोमा की भी सुविधा है। लगभग 600 विद्यार्थियों की आवासीय सुविधा बहुत कम शुल्क पर उपलब्ध है। बालक-बालिकाओं के लिए अलग-अलग छात्रावास हैं। बारह घंटे खुले रहने वाला विशाल केंद्रीय पुस्तकालय में घर के लिए भी पुस्तकों की व्यवस्था तथा ई-लाइब्रेरी की सुविधा है। अधिकांश प्राध्यापकों के आवास परिसर में ही हैं। नेट तथा अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी परिसर में ही करवाई जाती है। प्रत्येक शुक्रवार को परिसर के छात्र गंगा घाट पर सफाई अभियान चलाकर आरती करते हैं। पर्यावरण दिवस, अंतरराष्ट्रीय योग दिवस, संस्कृत सप्ताह, सतर्कता जागरूकता सप्ताह, हिंदी दिवस, मातृभाषा दिवस इत्यादि दिवसों में विशेष ज्ञानपरक कार्यक्रम आयोजित कर उनमें छात्रों की भागीदारी सुनिश्चित की जाती है।

2. परिसर का स्थान

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर
देवप्रयाग, पौडी गढ़वाल, उत्तराखंड 249301
फोन नंबर - 7217080118, 01378-266028 फैक्स नंबर - 01378-266028
ईमेल-director-devprayag@csu.co.in
अन्तर्जाल: www.csu-devprayag.edu.in

3. परिसर की अवसंरचना

श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर 9.228 हेक्टेयर (23 एकड़) क्षेत्र में फैला है। सीपीडब्ल्यूडी, श्री नगर शाखा को लेआउट योजना सौंपी गई है और उसने शैक्षणिक, प्रशासनिक और आवासीय (लड़कों और लड़कियों के छात्रावास, गेस्ट हाउस और स्टाफ क्वार्टर) ब्लॉक के विभिन्न परिसर भवनों के निर्माण कार्य का 70% पहले ही पूरा कर लिया है।

4. मुख्य गतिविधियाँ

- परिसर को पूर्ण रूप से हरा-भरा बनाना। इसके अंतर्गत बांज, देवदार जैसी पहाड़ी वनस्पति आंवला, नीम जैसे औषधीय पौधों और आम, अमरूद जैसे फलदार पौधों का रोपण करना
- परिसर को प्लास्टिकमुक्त रखना
- परिसर के पारिस्थिकीय संतुलन के दृष्टिगत परिसर में कुत्ते, गाय आदि जानवरों के रहने और भोजन की व्यवस्था
- परिसर में उच्च कोटि की शिक्षण व्यवस्था के साथ ही छात्रों के बीच सामाजिक सौहार्द्र और भाईचारा स्थापित करने की प्रेरणा के कार्य करना
- परिसर में पूरी तरह से संस्कृत व्यवहार का वातावरण उत्पन्न करना
- छात्रों में बेहतर प्रबंधक, जिम्मेदार नागरिक के गुण विकसित करना, भारतीय संस्कृति, सभ्यता और संस्कारों का संपूर्ण ज्ञान कराना तथा नैतिक मूल्यों का विकास करना
- परिसर के माध्यम से अधिक से अधिक स्थानीय लोगों को रोजगार उपलब्ध कराना
- सामाजिक दायित्व के अंतर्गत पौधरोपण, गंगा सफाई अभियान समेत विभिन्न जागरूकता अभियानों का हिस्सा बनना।

5. प्रकाशन

परिसर लाइब्रेरी में भौतिक और डिजिटल दोनों रूपों में 4000 से अधिक पुस्तकें और पांडुलिपियाँ हैं। छात्रों के दिमाग को समृद्ध और संलग्न करने के लिए, एक वार्षिक कैंपस जर्नल (रघुनाथकीर्तिपताका), एक त्रैमासिक समाचार पत्र (रघुनाथवार्तावली) विभाग-वार पत्रिकाओं में विभिन्न शोध पत्रों और पत्रिकाओं के साथ प्रकाशित किया जा रहा है। निकट भविष्य में एक वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय अनुसंधान जर्नल (देवभूमिसौरभम) प्रकाशित करने का प्रस्ताव है।

6. उपलब्ध पाठ्यक्रम

परिसर में अधोलिखित विभागों में प्राकशास्त्री से विद्यावारिधि (12^{th} – Ph.d) तक अध्ययन-अध्यापन होता है-

वेद, वेदांग एवं वैदिक विज्ञान संस्थान

1. वेद-कर्मकाण्ड-पौरोहित्य
2. नव्यव्याकरण
3. ज्योतिष

भाषा, साहित्य एवं संस्कृति संस्थान

1. साहित्य

दर्शन

1. सर्वदर्शन
2. नव्य न्याय

यौगिक विज्ञान एवं समग्र स्वास्थ्य पद्धतियों का संस्थान

आधुनिक विषय संस्थान

1. हिन्दी
2. अंग्रेजी
3. राजनीति विज्ञान

4. कम्प्यूटर विज्ञान
5. पुस्तकालय विज्ञान

7. परिसर के द्वारा आयोजित संगोष्ठी, कार्यशाला तथा व्याख्यानशाला

गङ्गा समर्चनाप्रतिवेदन केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, श्रीरघुनाथ कीर्ति परिसर द्वारा प्रति सप्ताह शुक्रवार को गङ्गा समर्चना की जाती है। यह गङ्गा समर्चना कुलपति महोदय के निर्देशानुसार सत्र-2022 से निरन्तर चली आ रही है, अब तक गङ्गा समर्चना के 108 कुसुम पूर्ण हो चुके हैं। इस कार्यक्रम की विशेष उपलब्धि यह है कि गङ्गा समर्चना के द्वारा सामान्य जन मानस में भक्ति भाव उत्पन्न करना, धार्मिक चेतना का विकास करना आदि।परिसर में समय-समय पर चल रहे 10 दिवसीय संस्कृत संभाषण शिविर एवं विविध कार्यशालाओं के दौरान यह गङ्गा समर्चना अन्य स्थानों से आए हुए शोध छात्रों एवं अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति में परिसरीय समस्त आचार्य और छात्र छात्राएं विविध स्तोत्र पाठ पूर्वक गङ्गा आरती सविधि सम्पन्न किया करते हैं। यह कार्य परिसर के माननीय निदेशक प्रो.पी.बी.बी. सुब्रह्मण्यम जी के सान्निध्य एवं सत्प्रेरणा तथा वेद विभाग के आचार्य डा.अमन्द मिश्र जी के संयोजकत्व में सम्पन्न होता है।

उपलब्धियां:

1. स्वर्ण पदक:
   - आरती, एम.एससी. प्रथम वर्ष, व्यक्तिगत महिला श्रेणी में।
   - चिराग शर्मा, एम.एससी. प्रथम वर्ष, व्यक्तिगत पुरुष श्रेणी में।
2. रजत पदक:
   - प्रतीक सिंह चौहान, एम.एससी. प्रथम वर्ष।
3. कांस्य पदक:
   - गौरव शर्मा, एम.एससी. प्रथम वर्ष।
   - रजत शर्मा, एम.एससी. प्रथम वर्ष।

परिणाम:

- टीम ने प्रतियोगिता में कुल पाँच पदक जीते।
- सभी पाँच पदक विजेताओं का चयन राष्ट्रीय योगासन चैंपियनशिप के लिए हुआ, जो उनकी असाधारण प्रतिभा और कड़ी मेहनत को दर्शाता है। टीम को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए हार्दिक बधाई!
- शिशा पद्मासन में इंटरनेशनल बुक ऑफ रिकॉर्ड्स धारक विषाल भारद्वाज, बी.एससी. छात्र, एसआरकेसी का सम्मान समारोह
- योग विज्ञान और अध्यात्म विभाग ने शिशा पद्मासन में इंटरनेशनल बुक ऑफ रिकॉर्ड्स धारक विषाल भारद्वाज, बी.एससी प्रथम वर्ष के छात्र, के लिए सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया। विषाल ने 33 मिनट और 26 सेकंड तक इस विशेष आसन को इंटरनेशनल बुक ऑफ रिकॉर्ड्स कार्यालय, दिल्ली में करके यह उपलब्धि हासिल की।
- विषाल, जो उत्तर प्रदेश के बागपत से हैं, 7वीं कक्षा से योग का अभ्यास कर रहे हैं। उन्होंने योगासन के कई प्रतियोगिताओं और चैंपियनशिप में भाग लिया है और 61 पदक और 35 ट्रॉफियाँ जीत चुके हैं।
- कैम्पस निदेशक प्रो. पी.वी.बी. सुब्रह्मण्यम ने विषाल भारद्वाज को शॉल, स्मृति चिह्न और फल भेंट कर सम्मानित किया और छात्रों को जीवन में मजबूत लक्ष्य निर्धारित करने और कड़ी मेहनत से ऊंचाई हासिल करने के लिए प्रेरित किया।

- विषाल की उपलब्धि और सम्मान सभी के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगा। विभाग के सभी संकाय सदस्यों और छात्रों ने उन्हें उनकी इस उपलब्धि के लिए बधाई दी और उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएँ दीं।

अखण्डरामचरितमानसपरायण

परिसर में वैशाख-शुद्ध-एकादशी दिनांक 01 मई 2024 से वैशाख-शुद्ध-द्वादशी दिनांक 02 मई 2024 तक 'अखण्ड रामचरित मानस पारायण' नामक दो दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें परिसर के छात्र-छात्राओं, प्राध्यापकों तथा कार्यालयीय कर्मचारियों द्वारा विशिष्ट भाग लिया गया। परिसर के निदेशक प्रो. हंसधर झा महोदय के कुशल मार्गदर्शन में कार्यक्रम का सफल आयोजन किया गया। इसमें छात्र-कल्याण परिषद के सदस्यों की भूमिका सराहनीय थी।

शीश पद्मासन में इंटरनेशनल बुक ऑफ रिकॉर्ड्स होल्डर का अभिनंदन, एसआरकेसी के बीएससी छात्र विशाल भारद्वाजयोग विज्ञान और अध्यात्म विभाग ने शीश पद्मासन में इंटरनेशनल बुक ऑफ रिकॉर्ड धारक विशाल भारद्वाज, बीएससी प्रथम वर्ष के लिए एक अभिनंदन कार्यक्रम आयोजित किया। उन्होंने इंटरनेशनल बुक ऑफ रिकॉर्ड्स ऑफिस, दिल्ली में इस विशेष आसनम को 33 मिनट और 26 सेकंड तक धारण किया। श्री विशाल उत्तर प्रदेश के बागपत से हैं, 7वीं कक्षा से योग का अभ्यास कर रहे हैं और उन्होंने योगासन की कई प्रतियोगिताओं और चैंपियनशिप में भाग लिया है, और उनके पास 61 पदक और 35 ट्राफियां हैं।

आरटीआई अधिनियम-2005 के अंतर्गत प्राप्त प्रश्नों/दिए गए उत्तरों की संख्या

प्राप्त पत्रों की संख्या	-	00
उत्तरदिये गए पत्रों की संख्या	-	00

5. वर्ष 2024-25 की प्रमुख गतिविधियाँ

5. वर्ष 2024-25 की प्रमुख गतिविधियाँ

5.1 संस्कृत दिवस उत्सव-

विश्वविद्यालय ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, के सहयोग से 31अगस्त, 2024 को संस्कृत दिवस मनाया। इसमें मुख्यातिथि प्रो. सच्चिदानन्द मिश्र थे। विश्वविद्यालय के कुलपति ने 'संस्कृतं संस्कृतेर्मूलं विद्यामूलं च संस्कृतम्' विषय का संदेश दिया।

5.2 62वीं अखिल भारतीय शास्त्रीयस्पर्धा-

62वीं अखिल भारतीय वाद-विवाद प्रतियोगिता 18.3.2025 से 21.3.2025 तक पतंजलि विश्वविद्यालय, हरिद्वार, उत्तराखंड में आयोजित की गई। इस प्रतियोगिता में सोलह से अधिक राज्यों ने भाग लिया, जहाँ कर्नाटक को विजय-वैजयंती से सम्मानित किया गया।

5.3 अखिल भारतीय रूपक महोत्सव-

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली द्वारा अखिल भारतीय रूपक महोत्सव जयपुर परिसर में दिनांक 6से 9 मार्च, 2024 तक आयोजित किया गया।

5.4 अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस-

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा नौवाँ अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस आयोजित किया गया। इस सन्दर्भ में विश्वविद्यालय के माननीय कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी ने श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर, देवप्रयाग में सभी समुपस्थित प्राध्यापकों, कर्मचारियों और छात्र- छात्राओं को योग का महत्त्व समझाया।

5.5 स्थापना दिवस

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय का स्थापना दिवस 15 अक्टूबर 2024 को बड़े उत्साह के साथ मनाया गया। इस कार्यक्रम की विशेष अतिथि शिक्षा मंत्रालय के भाषा विभाग की संयुक्त सचिव श्रीमती नीता प्रसाद थीं तथा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. श्रीनिवास वर्खेड़ी भी कार्यक्रम में उपस्थित थे।

5.6 तीन दिवसीय संगोष्ठी

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय ने 26 से 28 मार्च, 2025 तक नई दिल्ली में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (IGNCA) के सहयोग से “एनईपी 2020 के संदर्भ में संस्कृत पुस्तकालयों के रूपांतरण” विषय पर तीन दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया।

5.7 संस्कृत सप्ताह समारोह

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय ने 16 से 21 अगस्त, 2024 तक सीएसयू मुख्यालय में संस्कृत सप्ताह मनाया। इस अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

5.8 ऑस्ट्रेलिया में संस्कृत सम्मेलन

5.9 भारत–नेपाल सम्मेलन

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय द्वारा 19 मार्च , 2025 को उत्तराखंड के हरिद्वार स्थित पतंजलि विश्वविद्यालय में भारत– नेपाल सम्मेलन का आयोजन किया गया।

5.10 अखिल भारतीय प्राच्यविद्या सम्मेलन, 2024

51वीं अखिल भारतीय प्राच्यविद्या सम्मेलन, 2024 का आयोजन उडुपी (कर्नाटक) में 23 अक्टूबर से 26 अक्टूबर, 2024 तक किया गया। इस सम्मेलन में बहु-विषयक दृष्टिकोण के संदर्भ में भारतीय ज्ञान प्रणाली के विस्तार पर विशेष बल दिया गया। स्वामी रामदेव, आचार्य बालकृष्ण, उडुपी मठ के स्वामीजी, प्रो. श्रीनिवास वरखेडी, पद्मश्री चम्मू कृष्ण शास्त्री, प्रो. काशीनाथ न्यौपाने, प्रो. मुरली मनोहर पाठक, प्रो. लक्ष्मी निवास पाण्डेय, प्रो. सुकान्त कुमार सेनापति, प्रो. प्रह्लाद जोशी, प्रो. कविता सुनील होले तथा प्रो. शिवानी वी. आदि प्रमुख विद्वानों तथा विदुषियों इस सम्मेलन में समुपस्थित रहें।

इस सम्मेलन में संस्कृत अध्ययन के विभिन्न क्षेत्रों से सम्बंधित अनेक नवीन प्रकाशित पुस्तकों का विमोचन भी किया गया जिनमें प्रो. श्रीनिवास वरखेडी द्वारा रचित प्रसिद्ध ग्रन्थ 'शास्त्रपद्धतिः' भी सम्मिलित था। इसका हिंदी अनुवाद प्रो. अजय कुमार मिश्र द्वारा किया गया है।

5.11 संस्कृत रंगमंडल

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर के संस्कृत रंगमंडल द्वारा संस्कृत नाटक 'नाट्योत्पत्ति कथा' का देश के प्रतिष्ठित उत्सवों/स्थलों में प्रदर्शन किया गया :

1. अखिल भारतीय रूपक महोत्सव, रवीन्द्र भवन, भोपाल
   दिनांक – 11.02.2024
2. नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा, वाराणसी
   दिनांक – 20.03.2024
3. बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी
   दिनांक – 21.03.2024
4. हरिहर राष्ट्रीय नाट्य महोत्सव, संस्कृति विभाग, भोपाल
   दिनांक – 26.07.2025
5. प्रशासनिक अकादमी, भोपाल (आईकेएस के अंतर्गत प्रशिक्षु उप जिलाधिकारियों आदि हेतु विशेष प्रदर्शन)
   दिनांक – 21.08.2025
6. राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर, जयपुर
   दिनांक- 12.10.2025

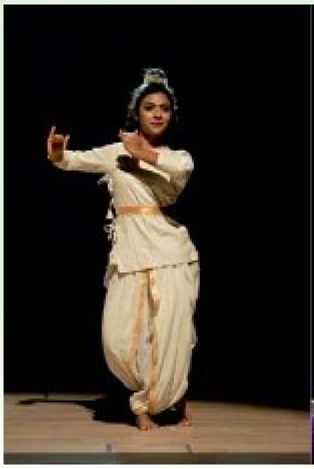

CENTRE OF IKS-EDS

5.12 केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली अंतर्राष्ट्रीय मामलें और सहयोग कार्यालय वार्षिक रिपोर्ट

1. कार्यक्रम: धर्मिक सिद्धांतों के आलोक में अर्थव्यवस्था, पारिस्थितिकी और इक्विटी पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन: ट्रिपल ई एंड डी, संस्कृति संरक्षण और सतत विकास।

दिनांक: 27 से 30 मई 2024

स्थान: सिंगापुर

सहयोग

इस कार्यक्रम का आयोजन श्री अरविंद योग और ज्ञान फाउंडेशन, रायपुर के सहयोग से किया गया, जिसने शैक्षणिक सत्रों के समन्वय और संस्थागत जुड़ाव को सुविधाजनक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

भागीदारी

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कुल 20 सदस्यों ने सम्मेलन में भाग लिया, जिसमें शामिल हैं:-

- 03 सीएसयू अधिकारी,
- विश्वविद्यालय के 7 परिसरों का प्रतिनिधित्व करने वाले 17 चयनित संकाय सदस्य।

उनकी भागीदारी ने स्थिरता और सांस्कृतिक संरक्षण पर अंतर्राष्ट्रीय संवादों में अकादमिक आदान-प्रदान और संस्कृत-आधारित धार्मिक दृष्टिकोण को बढ़ावा देने में योगदान दिया।

व्यय

विश्वविद्यालय ने प्रतिनिधियों के लिए यात्रा, आवास, पंजीकरण और अन्य लॉजिस्टिक व्यवस्था के लिए लगभग 17,71,000 रुपये व्यय किया।

उपलब्धि

सम्मेलन ने सीएसयू संकाय सदस्यों के लिए अंतर्राष्ट्रीय एक्सपोजर और सहयोग की सुविधा को सक्षम किया, उन्हें धर्मिक सिद्धांतों में निहित विचारों को प्रस्तुत करने और विभिन्न देशों के विशेषज्ञों के साथ जुड़ने के लिए एक वैश्विक मंच प्रदान किया। भागीदारी ने विश्वविद्यालय की अंतर्राष्ट्रीय शैक्षणिक उपस्थिति को मजबूत किया और सतत विकास, संस्कृति संरक्षण और समग्र ज्ञान प्रणालियों से संबंधित चल रही पहलों का समर्थन किया।

2. इवेंट: ऑस्ट्रेलिया की शैक्षणिक यात्रा

दिनांक: 5 से 16 सितंबर 2024

स्थान: ऑस्ट्रेलिया

बीएपीएस स्वामीनारायण रिसर्च सेंटर, सिडनी के सहयोग से अकादमिक संबंधों को मजबूत करने, संस्कृत अध्ययन को बढ़ावा देने और भविष्य के सहयोग के लिए रास्ते तलाशने के उद्देश्य से यह यात्रा की गई।

भागीदारी

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय (सीएसयू) के चार अधिकारियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने इस यात्रा में भाग लिया। दौरे के दौरान, प्रतिनिधिमंडल ने आयोजित तीन एक दिवसीय संगोष्ठियों में भाग लिया:

- ब्रिस्बेन
- कैनबरा
- सिडनी

इन संगोष्ठियों में संस्कृत शिक्षाशास्त्र, ज्ञान परंपराओं और सहयोगी अनुसंधान अवसरों पर ध्यान केंद्रित किया गया।

उपलब्धियां

शैक्षणिक यात्रा के परिणामस्वरूप कई महत्वपूर्ण उपलब्धियां हुईं:

- सीएसयू को संस्कृत ज्ञान परंपराओं को बढ़ावा देने में इसके निरंतर योगदान के लिए 'संस्कृत का राजदूत' शीर्षक से सम्मानित किया गया था।
- विभिन्न ऑस्ट्रेलियाई विश्वविद्यालयों के संकाय सदस्यों के साथ उत्पादक बातचीत, जिससे शिक्षण, अनुसंधान और सांस्कृतिक आदान-प्रदान में संभावित सहयोग पर चर्चा हुई।
- वैश्विक आउटरीच को बढ़ाने के लिए संस्कृत विद्वानों और सामुदायिक हितधारकों के साथ जुड़ना।
- तीन एक-दिवसीय संगोष्ठियों का सफल संचालन, छात्रों, शोधकर्ताओं और भारतीय प्रवासियों के बीच संस्कृत में रुचि पैदा करना।
- भारत की बौद्धिक और सांस्कृतिक विरासत को प्रदर्शित करने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भागीदारी।
- संयुक्त पहलों, प्रशिक्षण कार्यक्रमों और आदान-प्रदान की संभावनाओं का पता लगाने के लिए कई शैक्षणिक चर्चाएं आयोजित की गईं।

3. कार्यक्रम: पाली और बौद्ध अध्ययन की चुनौतियों और संभावना पर अकादमिक यात्रा और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

दिनांक: 19 से 23 फरवरी 2025

स्थान: थाईलैंड

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय (सीएसयू), श्री अरबिंदो योग और ज्ञान फाउंडेशन, रायपुर के सहयोग से, 19 से 23 फरवरी 2025 तक थाईलैंड में आयोजित "पाली और बौद्ध अध्ययन की चुनौतियां और संभावनाएं" पर एक शैक्षणिक यात्रा और अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया।

सहयोग

इस कार्यक्रम का आयोजन श्री अरविंद योग और ज्ञान फाउंडेशन, रायपुर के संयुक्त तत्वावधान में सीएसयू के सक्रिय समन्वय और भागीदारी के साथ किया गया था।

भागीदारी

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के 05 अधिकारियों और 8 परिसरों के 16 चयनित संकाय सदस्यों वाले एक प्रतिनिधिमंडल ने शैक्षणिक यात्रा और सम्मेलन में भाग लिया।

व्यय

यात्रा और सम्मेलन से संबंधित यात्रा, आवास, भागीदारी शुल्क और अन्य लॉजिस्टिक व्यवस्थाओं पर लगभग 20,20,000 रुपये का व्यय किया गया था।

उपलब्धियां

विभिन्न थाई उच्च शिक्षा संस्थानों (एचईआई) के विद्वानों, संकाय सदस्यों और प्रशासकों के साथ लगे शैक्षणिक प्रतिनिधिमंडल। प्रमुख उपलब्धियों में शामिल हैं:

- संस्कृत अध्ययन केंद्र, सिलपाकॉर्न विश्वविद्यालय, बैंकॉक के साथ उत्पादक बातचीत, अकादमिक आदान-प्रदान, अनुसंधान सहयोग और संस्कृत, पाली और बौद्ध अध्ययन में संयुक्त कार्यक्रमों पर ध्यान केंद्रित करना।
- भविष्य के शैक्षणिक सहयोग, संकाय आदान-प्रदान और सहयोगी अनुसंधान के लिए थाईलैंड में कई अन्य प्रमुख एचईआई के साथ संभावित साझेदारी की खोज।

- संस्कृत, पाली और बौद्ध अध्ययन के क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय शैक्षणिक संबंधों को मजबूत करना, जिससे सीएसयू की वैश्विक भागीदारी पहलों में योगदान मिलता है।

4. इवेंट: संस्कृत प्रचार की संभावनाओं का पता लगाने के लिए अकादमिक यात्रा

दिनांक: 4 से 6 मार्च 2025

स्थान: बाली, इंडोनेशिया

परिचय

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय (सीएसयू) के एक शैक्षणिक प्रतिनिधिमंडल ने अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के माध्यम से संस्कृत को बढ़ावा देने के रास्ते तलाशने के लिए 4 से 6 मार्च 2025 तक बाली, इंडोनेशिया का दौरा किया। इस यात्रा का उद्देश्य शैक्षिक संबंधों को मजबूत करना, इंडोनेशिया में संस्कृत की स्थिति को समझना और संयुक्त पहलों के अवसरों की पहचान करना था।

सहयोगात्मक संस्थान - यायासन द्विपंतर संस्कृतम (वाईडीएस), बाली का दौरा वाईडीएस के सहयोग से आयोजित किया गया था, जो एक प्रतिष्ठित संस्थान है जो इंडोनेशिया में संस्कृत सीखने और पारंपरिक ज्ञान को बढ़ावा देने में सक्रिय रूप से लगा हुआ है।

सहभागिता

प्रतिनिधिमंडल में सीएसयू टीम के सदस्य और इंडोनेशिया में संस्कृत शिक्षा और संवर्धन से जुड़े विभिन्न हितधारक शामिल थे। बातचीत में संकाय सदस्यों, संस्कृत चिकित्सकों, सांस्कृतिक विद्वानों और सामुदायिक प्रतिनिधियों के साथ बैठकें शामिल थीं।

व्यय

अकादमिक यात्रा के लिए कुल व्यय लगभग ₹3,00,000 था, जिसमें यात्रा, आवास, रसद और संबंधित व्यय शामिल थे।

प्रमुख उपलब्धियां

- सहयोग के संभावित क्षेत्रों की पहचान: सीएसयू टीम ने शैक्षिक परिदृश्य का आकलन किया और सार्थक क्षेत्रों की पहचान की जहां द्विपक्षीय सहयोग इंडोनेशिया में संस्कृत सीखने और अनुसंधान को काफी बढ़ा सकता है।
- वाईडीएस के साथ एक समझौता ज्ञापन की शुरुआत: केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय और यासन द्विपंतर संस्कृतम के बीच सहयोग को औपचारिक रूप देने के लिए एक पारस्परिक समझ पर पहुंचा गया था। प्रस्तावित समझौता ज्ञापन से संयुक्त शैक्षणिक कार्यक्रमों, संकाय आदान-प्रदान, प्रशिक्षण कार्यशालाओं, संस्कृत वार्तालाप शिविरों और अनुसंधान पहलों की सुविधा मिलने की उम्मीद है।
- सांस्कृतिक और शैक्षणिक संबंधों को मजबूत करना: इस यात्रा ने शैक्षणिक और सांस्कृतिक संबंधों को गहरा करने में मदद की, जिससे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संस्कृत ज्ञान परंपराओं को बढ़ावा देने में दीर्घकालिक जुड़ाव का मार्ग प्रशस्त हुआ।

निष्कर्ष

बाली की शैक्षणिक यात्रा अत्यधिक उत्पादक थी और संस्कृत प्रचार के लिए वैश्विक साझेदारी का विस्तार करने के सीएसयू के दृष्टिकोण के साथ संरेखित थी। सहयोगात्मक संभावनाओं की पहचान और वाईडीएस के साथ समझौता ज्ञापन की शुरुआत संस्कृत अध्ययन के क्षेत्र में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

5. कार्यक्रम: नेपाली गुरुकुल छात्रों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम

डेयर: 10 से 16 मार्च, 2025

स्थान: सीएसयू श्री रघुनाथ कीर्ति परिसर, देवप्रयाग

सहयोग

पारंपरिक गुरुकुल शिक्षा के क्षेत्र में नेपाल और भारत के बीच शैक्षणिक और सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करने के उद्देश्य से एनईईटीआई अनुसन्धान प्रतिष्ठान नेपाल, काठमांडू के सहयोग से आयोजित किया गया था।

भागीदारी

नेपाल के कुल 28 गुरुकुल छात्रों और 2 शिक्षकों ने सप्ताह भर के प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया।

व्यय

कार्यक्रम के लिए किया गया कुल व्यय लगभग ₹5,00,000 था।

उपलब्धता: प्रशिक्षण कार्यक्रम ने पारंपरिक शिक्षण प्रणाली, संस्कृत भाषा क्षमता और सांस्कृतिक विरासत अध्ययन के लिए संरचित एक्सपोजर प्रदान किया। छात्रों को इंटरैक्टिव सत्र, व्यावहारिक शिक्षण मॉड्यूल और परिसर के संकाय सदस्यों के साथ सीधे जुड़ाव के माध्यम से लाभ हुआ।

कुल मिलाकर, इस पहल ने संस्कृत सीखने को बढ़ावा देने और नेपाली संस्थानों के साथ शैक्षणिक सहयोग बढ़ाने में योगदान दिया।

6. इवेंट: अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

दिनांक: 21 से 22 मार्च 2024

स्थान: हरिद्वार।

भारत और नेपाल के बीच शैक्षणिक संबंधों को मजबूत करने और दोनों देशों में संस्कृत अध्ययन को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित करते हुए हरिद्वार में 21 से 22 मार्च 2024 तक एक अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया था।

सहयोग

इस कार्यक्रम का आयोजन संयुक्त रूप से निम्नलिखित के सहयोग से किया गया:

- नीती अनुसन्धान प्रतिष्ठान नेपाल, काठमांडू
- पतंजलि विश्वविद्यालय, हरिद्वार

इस सहयोगात्मक पहल का उद्देश्य सीमा पार शैक्षणिक आदान-प्रदान को प्रोत्साहित करना और संस्कृत ज्ञान परंपराओं की आपसी समझ को बढ़ाना है।

भागीदारी

भारत-नेपाल संस्कृत सम्मेलन 2025 में कुल 26 नेपाली संस्कृत विद्वानों ने भाग लिया। उनकी भागीदारी ने एक जीवंत शैक्षणिक वातावरण बनाया, जिससे दोनों देशों के विद्वानों, शोधकर्ताओं और संस्कृत के पारंपरिक चिकित्सकों के बीच सार्थक संवाद की सुविधा मिली।

व्यय

कार्यक्रम 13,00,000 रुपये के अनुमानित व्यय के साथ आयोजित किया गया था।

उपलब्धि

सम्मेलन ने निम्नलिखित परिणामों को सफलतापूर्वक प्राप्त किया:

- नेपाली पारंपरिक और आधुनिक संस्कृत छात्रवृत्ति को बढ़ावा देना, प्रतिष्ठित नेपाली विद्वानों को अपना अनुसंधान और बौद्धिक योगदान प्रस्तुत करने के लिए एक मंच प्रदान करना।
- भारतीय संस्कृत विद्वानों और नेपाली संस्कृत विद्वानों के बीच अकादमिक बातचीत को मजबूत किया, जिससे संस्कृत शिक्षा, अनुसंधान और सांस्कृतिक अध्ययन के क्षेत्र में दीर्घकालिक सहयोग को बढ़ावा मिला।
- अंतर-सांस्कृतिक संवाद को प्रोत्साहित करना, संस्कृत ज्ञान प्रणालियों में निहित भारत और नेपाल की साझा बौद्धिक विरासत को मजबूत करना।

6. विश्वविद्यालय खेल उत्कृष्टता केंन्द्र, वेदव्यास परिसर

विश्वविद्यालय खेल उत्कृष्टता केंद्र
केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, वेदव्यास परिसर, बलाहर, हिमाचल प्रदेश

केंद्र के बारे में

विश्वविद्यालय खेल उत्कृष्टता केंद्र (USEC) की स्थापना 19 जुलाई 2023 को केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, वेदव्यास परिसर, बलाहर, हिमाचल प्रदेश में माननीय कुलपति प्रो० श्रीनिवास वरखेड़ी के दूरदर्शी मार्गदर्शन तथा डीन, छात्र कल्याण के सक्रिय सहयोग से की गई। केंद्र ने अपनी खेल यात्रा की शुरुआत छात्राओं के लिए खो-खो और छात्रों के लिए कबड्डी जैसे खेलों से की, जो विश्वविद्यालय की पहली आधिकारिक खेल पहल रही।

यह केंद्र विद्यार्थियों में शारीरिक स्वास्थ्य, टीम भावना तथा खेल कौशल को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से समर्पित है। इसका लक्ष्य शिक्षा के साथ-साथ खेल संस्कृति का विकास करना है। केंद्र में आधुनिक खेल सुविधाएँ उपलब्ध हैं तथा योग्य खेल प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में छात्रों की प्रतिभा को जमीनी स्तर से लेकर व्यावसायिक स्तर तक निखारा जाता है।

उद्देश्य एवं लक्ष्य (Aim & Objectives)

खेल उत्कृष्टता केंद्र के उद्देश्य:

- विद्यार्थियों और कर्मचारियों में शारीरिक तंदुरुस्ती एवं स्वास्थ्य जागरूकता को बढ़ावा देना।
- प्रतिभाशाली खिलाड़ियों की पहचान कर उन्हें विशेषज्ञ प्रशिक्षण, मार्गदर्शन एवं एआईयू प्रतियोगिताओं में भागीदारी के माध्यम से प्रोत्साहित करना।
- प्रतियोगी भावना विकसित करने हेतु नियमित टूर्नामेंट, कार्यशालाएँ एवं प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन करना।
- आधुनिक खेल अवसंरचना का निर्माण कर परिसर स्तर पर खेलों को सशक्त बनाना।
- योग और पारंपरिक शारीरिक अनुशासन को आधुनिक खेल विज्ञान के साथ समन्वित करना।

हमारा संकल्प है कि प्रत्येक विद्यार्थी अपनी क्षमता को मैदान में, खेल परिसर में और जीवन के हर क्षेत्र में पहचान सके।

आइए, हम सब मिलकर एक सशक्त खेल संस्कृति का निर्माण करें, जो उत्कृष्टता की भावना और केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय की गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ाए।

लक्ष्य (Aim):

विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों में समग्र विकास, शारीरिक फिटनेस तथा राष्ट्रीय स्तर की उत्कृष्टता को बढ़ावा देने वाली एक सुदृढ़ खेल संस्कृति का निर्माण करना।

उद्देश्य (Objectives):

- परिसर के भीतर खेल प्रतिभाओं की पहचान एवं उनका संवर्धन करना।
- विद्यार्थियों को अंतर-विश्वविद्यालय, राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में नियमित भागीदारी के लिए प्रोत्साहित करना।
- संरचित प्रशिक्षण कार्यक्रम, फिटनेस योजनाएँ और विशेषज्ञ कोचिंग की सुविधा प्रदान करना।

- खेलों के माध्यम से अनुशासन, टीम भावना और नेतृत्व गुणों का विकास करना।
- राष्ट्रीय खेल संस्थाओं के साथ सहयोग कर विद्यार्थियों को प्रशिक्षण एवं अनुभव का अवसर प्रदान करना।

भविष्य की योजनाएँ (Future Plan):

- चयनित खेलों (एथलेटिक्स, कुश्ती, बैडमिंटन, बास्केटबॉल, योग आदि) के लिए विशेष प्रशिक्षण अकादमियों की स्थापना।
- इनडोर एवं आउटडोर खेल सुविधाओं का उन्नयन, ताकि वे राष्ट्रीय मानकों के अनुरूप हों।
- खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों के लिए छात्रवृत्ति योजनाओं की शुरुआत।
- वार्षिक खेल महोत्सव एवं ऑल इंडिया प्रतियोगिताओं का आयोजन।
- भारतीय खेल प्राधिकरण (SAI) एवं मान्यता प्राप्त खेल महासंघों के साथ प्रशिक्षण एवं प्रमाणन हेतु समझौते (MoU)।
- विद्यार्थियों के स्वास्थ्य को बढ़ावा देने हेतु वेलनेस एवं फिटनेस अभियान का शुभारंभ।
- राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सेमिनारों का आयोजन।
- जिम इंस्ट्रक्टर, फिटनेस ट्रेनर, योग प्रशिक्षक तथा स्वास्थ्य एवं फिटनेस विषयों पर प्रमाणपत्र पाठ्यक्रमों की शुरुआत।

वार्षिक योजना (2025–2026):

माह	नियोजित गतिविधियाँ
अगस्त	फिट इंडिया अभियान के अंतर्गत फिटनेस मूल्यांकन शिविर, छात्र पंजीकरण अभियान एवं राष्ट्रीय खेल दिवस का आयोजन
सितंबर	युवा महोत्सव एवं एआईयू प्रतियोगिता हेतु परिसर स्तरीय खेल चयन परीक्षण
अक्टूबर	फिट इंडिया अभियान के अंतर्गत विभागीय खेल प्रतियोगिताएँ
नवंबर	अखिल भारतीय खेल-सांस्कृतिक-शैक्षणिक प्रतियोगिता (युवा महोत्सव) एवं एआईयू प्रतियोगिता में भागीदारी
दिसंबर	फिट इंडिया अभियान के अंतर्गत पेशेवर खिलाड़ियों के साथ अतिथि व्याख्यान एवं कार्यशालाएँ
जनवरी	शीतकालीन फिटनेस बूट कैंप एवं खो-खो व कबड्डी कोचिंग शिविर का शुभारंभ
फरवरी	अंतर-विश्वविद्यालय खेल प्रतियोगिताओं में भागीदारी एवं प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन
मार्च	फिट इंडिया अभियान के अंतर्गत वार्षिक खेलकूद एवं एथलेटिक्स मीट का आयोजन
अप्रैल – मई	ऑफ-सीजन प्रशिक्षण एवं कौशल विकास कार्यशालाएँ
जून – जुलाई	खेल सुविधाओं का रख-रखाव एवं उन्नयन कार्य

गत वर्ष 2024-25 की गतिविधियाँ (Last Year Activities):

a. खो-खो प्रशिक्षण शिविर (21 जनवरी, 2025 से 13 अप्रैल, 2025 तक)

b. कबड्डी प्रशिक्षण शिविर (21 जनवरी, 2025 से 13 अप्रैल, 2025 तक)

पिछले वर्ष की गतिविधियों की एक झलक

7. पालि अध्ययन एंव अनुसंधान केंन्द्र, लखनऊ परिसर

पालि भाषा के शिक्षण, अनुसंधान, प्रचार एवं संरक्षण के उद्देश्य से शिक्षा मंत्रालय के पत्रांक 11-13/2007-Skt.-II दिनांक 27-02-2008 के अनुमोदन से वर्ष 2009 में 'पालि अध्ययन केन्द्र' की स्थापना हुई। 11वीं पंचवर्षीय योजना में इसके लिए विशेष बजट आवंटित किया गया। 22 जनवरी 2010 को उत्तर प्रदेश के तत्कालीन राज्यपाल महामहिम श्री बी.एल. जोशी के मुख्य अतिथित्व में इस केन्द्र का उद्घाटन संपन्न हुआ। इस अवसर पर तत्कालीन संयुक्त सचिव (भाषा), भारत सरकार डॉ. अनिता भटनागर जैन, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय (पूर्व नाम: राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान), नई दिल्ली के माननीय कुलपति प्रो. राधावल्लभ त्रिपाठी, परिसर निदेशक प्रो. सर्वनारायण झा तथा बौद्ध दर्शन विभागाध्यक्ष प्रो. विजय कुमार जैन सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

स्थापना के साथ ही केन्द्र में JRF/SRF की नियुक्ति की गई। सत्र 2024-25 में केन्द्र में एक पालि विकास अधिकारी (संविदा) एवं एक रिसर्च एसोसिएट कार्यरत हैं। केन्द्र के अध्येताओं द्वारा अब तक 20 त्रिपिटक ग्रन्थों का सम्पादन कर उनका संस्कृत छाया अनुवाद एवं हिंदी अनुवाद प्रकाशित किया जा चुका है।

वर्ष 2014 से 'पालि-प्राकृत-अनुशीलनम्' नामक षाण्मासिक शोध-पत्रिका का प्रकाशन प्रारम्भ हुआ। वर्ष 2016-17 में इस शोध-पत्रिका को UGC द्वारा सूचीबद्ध किया गया। सत्र 2024-25 में इसका 8वाँ अंक दिल्ली से प्रकाशित हुआ। ध्यातव्य है कि इस पत्रिका के प्रथम 7 अंकों का प्रकाशन लखनऊ परिसर से हुआ था, किंतु 8वें अंक से आगे के अंकों का प्रकाशन दिल्ली मुख्यालय से किए जाने का निर्णय लिया गया। तथापि, लेख संकलन, सम्पादन आदि कार्य लखनऊ परिसर की बौद्धदर्शन विद्याशाखा के प्राध्यापकों तथा लखनऊ परिसर के पालि अध्ययन एवं अनुसंधान केन्द्र एवं जयपुर परिसर के प्राकृत अध्ययन एवं अनुसंधान केन्द्र के अध्येताओं द्वारा किए जाते हैं।

दिल्ली मुख्यालय द्वारा जारी अधिसूचना क्रमांक 08-05/केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय/Acd./School & Dept./2022/39 दिनांक 07 अप्रैल 2025 के अनुसार, अब इस केन्द्र का नामकरण 'पालि अध्ययन एवं अनुसंधान केन्द्र' (Center for Pali Study and Research) किया गया है। साथ ही, इसे दर्शन विद्यास्थान के बजाय भाषा, साहित्य एवं संस्कृति विद्यास्थान के अंतर्गत रखने का निर्णय लिया गया। उक्त अधिसूचना द्वारा एम.ए. पालि पाठ्यक्रम को भी अब इस केन्द्र के माध्यम से संचालित करने का निर्णय हुआ है। तदनुसार, सत्र 2024-25 में यह पाठ्यक्रम केन्द्र के माध्यम से संचालित हो रहा है। इस सत्र में प्रथम वर्ष के लिए 31 विद्यार्थियों ने प्रवेश लिया है। केन्द्र में अध्यापन का दायित्व बौद्धदर्शन विद्याशाखा के प्राध्यापकों के साथ-साथ केन्द्र में कार्यरत विकास अधिकारी एवं रिसर्च एसोसिएट द्वारा निर्वहन किया जा रहा है। सत्र 2024-25 में प्रो. गुरुचरण सिंह नेगी, अध्यक्ष, बौद्धदर्शन विद्याशाखा (केन्द्रीय), पालि अध्ययन एवं अनुसंधान केन्द्र के अध्यक्ष का कार्यभार भी संभाल रहे हैं। सत्र 2020-21 से ही वे परिसर निदेशक के निर्देशानुसार इस केन्द्र के प्रभारी के रूप में भी कार्य कर रहे हैं। केन्द्र के समस्त वित्तीय मामले परिसर निदेशक के अधीन रहते हैं।

28 जून 2025 को केन्द्र की समीक्षा हेतु मुख्यालय द्वारा गठित एक उच्च स्तरीय त्रिसदस्यीय समिति का परिसर में आगमन हुआ। समिति के सदस्य निम्नानुसार थे:- प्रो. विजयकुमार जैन (निदेशक, भोगीलाल लेहरचन्द इंस्टिट्यूट, दिल्ली), प्रो. जितेन्द्र भाई शाह (पूर्व निदेशक, एल.डी. इन्स्टीट्यूट ऑफ इन्डोलॉजी, अहमदाबाद) एवं प्रो. कुलदीप शर्मा (केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली)।

केन्द्र के अध्येताओं द्वारा सत्र 2024-25 में सम्पादित कार्य:- पालि भाषा के सर्वव्यापी शिक्षण की दृष्टि से 'संस्कृत प्रथमा दीक्षा' की तर्ज पर 'पालि पठमा दिक्खा' नामक ग्रन्थ श्रृंखला तैयार करने का निर्देश मुख्यालय से प्राप्त हुआ था। इसके अनुपालन में 'पालि पठमा दिक्खा' के 5 ग्रन्थों की रचना एवं टाइपिंग कार्य पूर्ण हो चुका है।

ग्रन्थों के नाम निम्नानुसार हैं-

क्र.	पालि शिक्षण ग्रंथ	पूर्वतन संस्कृत शिक्षण ग्रंथ	पृष्ठ संख्या
1.	वण्णमाला	वर्णमाला	40
2.	पालिवाक्यवोहारो	वाक्यव्यवहारः	300
3.	वाक्यवित्थरो	वाक्यविस्तरः	66
4.	पालिसल्लापो	संस्कृतसम्भाषणम्	53
5.	परिसिट्ठं	परिशिष्टम्	151

उपर्युक्त पाँचों ग्रन्थों को बौद्ध परम्परा के अनुसारी आकर्षक ग्राफ़िक्स के माध्यम से सुन्दर एवं व्यवस्थित स्वरूप प्रदान करके प्रकाशित किये जाने की योजना है। उक्त ग्रन्थों के अतिरिक्त अन्य ग्रन्थ, यथा- अपदानपालि भाग-3, चूळवंसपालि, चूळनिद्देसपालि, धम्मसङ्गणिपालि भाग- 2, कथावत्थुपालि, विभङ्गपालि भाग- 1- इन 6 ग्रन्थों की संस्कृतच्छाया/हिन्दी अनुवाद का कार्य अध्येताओं ने अपने स्तर पर सम्पन्न कर लिया है। अब विषयविशेषज्ञों से संशोधन कराना शेष है।

8. जनजातीय अनुसंधान केन्द्र, एकलव्य परिसर

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर, इस बात का गौरव अनुभव करता है कि उसके पास अपना जनजातीय अनुसंधान केन्द्र है, जो जनजातीय भाषा और संस्कृति पर गहन एवं विस्तृत शोध के लिए एक मंच प्रदान करता है।यह केंद्र,केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली के सक्षम प्राधिकारी से प्राप्त पत्र (पत्र संख्या 8-4/केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय/Acd/AC/Oct./2024/1527, दिनांक 04-12-2024) के अनुपालन में परिसर में स्थापित किया गया है। यह केन्द्र अपने उद्देश्यों की प्रभावी पूर्ति एवं क्रियान्वयन के लिए विविध प्रकार की पहल करने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रारम्भिक स्तर पर निम्नलिखित पहल की गई है –

सरल मानक संस्कृत प्रशिक्षण कार्यक्रम (जनजातीय विद्यार्थियों के लिए)

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, एकलव्य परिसर के जनजातीय अनुसंधान केन्द्र द्वारा अनुसूचित जनजाति विद्यार्थियों हेतु 17 मार्च 2025 से 23 मार्च 2025 तक सरल मानक संस्कृत प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों के बीच संस्कृत भाषा और साहित्य को प्रोत्साहित करना था। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में 89 विद्यार्थियों ने गूगल फॉर्म पंजीकरण के माध्यम से भाग लिया, जिनमें से 58 विद्यार्थी सभी सत्रों में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र (17 मार्च 2025) में संस्कृत भारती के अखिल भारतीय सचिव, विद्यावाचस्पति डॉ. नंद कुमार जी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। त्रिपुरा की प्रख्यात समाजसेविका श्रीमती दीपाली देबबर्मा विशेष अतिथि के रूप में सम्मिलित हुईं। एकलव्य परिसर के निदेशक प्रो. प्रभात कुमार मोहापात्रा ने उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता की।

सम्पूर्ण प्रशिक्षण कार्यशाला में संस्कृत भाषा शिक्षण हेतु श्री नयन ज्योति शर्मा, श्री बिक्रम विश्वास, सुश्री शिप्रा घोष और डॉ. तपन शिल प्रशिक्षक के रूप में उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त डॉ. मोहनलाल वर्मा, डॉ. मंजुथेमदेव, प्रो. के.सी. पाधी, प्रो. जयकृष्ण मिश्र, डॉ. रामामूर्ति, डॉ. श्रीकरा जी.एन. एवं प्रो. विजय करण विशेषज्ञ के रूप में उपस्थित थे।

23 मार्च 2025 को दोपहर 12 बजे हुए समापन सत्र में प्रो. विजय करण जी मुख्य अतिथि तथा डॉ. रंजीत तिवारी विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस सत्र की अध्यक्षता शिक्षा शास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. बुलुसु पद्ममित्र श्रीनिवास ने की। इस कार्यक्रम के संयोजक डॉ. बिजॉय कुमार जेना तथा सह-संयोजक श्रीमती परविन देबबर्मा और डॉ. अपूर्वा शर्मा थे।

इस प्रशिक्षण कार्यक्रम ने जनजातीय विद्यार्थियों के मन में संस्कृत भाषा का मूलभूत ज्ञान विकसित किया, जो भविष्य में

भारतीय ज्ञान प्रणाली के संवर्धन और प्रसार का प्रभावशाली माध्यम सिद्ध होगा।

केन्द्रीयसंस्कृतविश्वविद्यालयः
एकलव्यपरिसरः, अगरतला
जनजातीयशोधकेन्द्रम्
सरल-मानक-संस्कृत-
प्रशिक्षणकार्यशाला
दिनाङ्कः

९. संलग्नक

कार्य परिषद के सदस्यों की सूची

(01.04.2024 से 31.03.2025 तक)

1.	प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी कुलपति केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली	अध्यक्ष (पदेन)
2.	प्रो. मोहन लाल छीपा पूर्व कुलपति, अटल बिहारी वाजपेयी हिन्दी विश्वविद्यालय, भोपाल; वर्तमान पता– 483, एकता ब्लॉक, महावीर नगर, टोंक रोड, जयपुर–302018	सदस्य (माननीय आगंतुक द्वारा नामित प्रतिष्ठित शिक्षाविद)
3.	प्रो. यशवीर सिंह धर्मशास्त्र के प्राध्यापक, श्री लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, बी-4, कुतुब संस्थागत क्षेत्र, शहीद जीत सिंह मार्ग, कटवारिया सराय, नई दिल्ली–110016	सदस्य (माननीय आगंतुक द्वारा नामित प्रतिष्ठित शिक्षाविद)
4.	प्रो. चंद्र भूषण शर्मा निदेशक, शिक्षा संकाय, इग्नू, नई दिल्ली; पूर्व अध्यक्ष, एनआईओएस, उत्तर प्रदेश	सदस्य (माननीय आगंतुक द्वारा नामित प्रतिष्ठित शिक्षाविद)
5.	संयुक्त सचिव (भाषाएँ) शिक्षा मंत्रालय, उच्च शिक्षा विभाग, भारत सरकार शास्त्री भवन, नई दिल्ली–110001	सदस्य (पदेन)
6.	प्रो. हरे राम त्रिपाठी कुलपति, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी–221001 (उ.प्र.) (दिनांक 05.08.2024 तक)	सदस्य (यूजीसी नामित)
7.	प्रो. प्रसाद प्रकाश जोशी कुलपति, डेक्कन कॉलेज स्नातकोत्तर एवं अनुसंधान संस्थान, पुणे–411006 (महाराष्ट्र) (दिनांक 05.09.2024 से)	

<table>
<tr><td>8.</td><td>प्रो. लोकमान्य मिश्र
शिक्षा शास्त्र के वरिष्ठ प्राध्यापक,
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,
लखनऊ परिसर, विशाल खंड-4, गोमती नगर,
लखनऊ–226010 (उ.प्र.)</td><td>सदस्य</td></tr>
<tr><td>9.</td><td>प्रो. सर्व नारायण झा
ज्योतिष के वरिष्ठ प्राध्यापक,
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,
लखनऊ परिसर, विशाल खंड-4,
गोमती नगर
(दिनांक 24.10.2024 तक)</td><td rowspan="2">सदस्य</td></tr>
<tr><td>10.</td><td>प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी
व्याकरण के वरिष्ठ प्राध्यापक,
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,
गंगानाथ झा परिसर,
आज़ाद पार्क, प्रयागराज,
उत्तर प्रदेश–211001
(दिनांक 28.01.2025 से</td></tr>
<tr><td>11.</td><td>प्रो. शिव कांत झा
व्याकरण के वरिष्ठ प्राध्यापक,
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय,
जयपुर परिसर, गोपालपुरा बाइपास,
त्रिवेणी नगर, जयपुर–302018 (राजस्थान)
(दिनांक 30.04.2024 तक)</td><td rowspan="2">सदस्य</td></tr>
<tr><td>12.</td><td>प्रो. वाई. एस. रमेश
शिक्षा शास्त्र के वरिष्ठ प्राध्यापक,
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय – जयपुर परिसर,
गोपालपुरा बाइपास, त्रिवेणी नगर,
जयपुर–302018 (राजस्थान)
(दिनांक 02.05.2024 से)</td></tr>
<tr><td>13.</td><td>डॉ. विष्णु कुमार निमल
ज्योतिष के सह-प्राध्यापक,
केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय – जयपुर परिसर,
गोपालपुरा बाइपास, त्रिवेणी नगर,
जयपुर–302018 (राजस्थान)
(दिनांक 01.01.2025 तक)</td><td>सदस्य</td></tr>
</table>

14.	डॉ. वेंकटारमन एस. भट्ट शिक्षा शास्त्र के सह-प्राध्यापक, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय – राजीव गांधी परिसर, मेनासे, भारती नगर पोस्ट, श्रृंगेरी (कर्नाटक)–577139 (दिनांक 28.01.2025 से)	सदस्य
15.	प्रो. आर. जी. मुरली कृष्णा कुलसचिव (प्रभारी), केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जनकपुरी, नई दिल्ली–110058	सचिव (पदेन)

विद्वत् परिषद् के सदस्यों की सूची

(1 अप्रैल, 2024 से 31 मार्च, 2025 तक)

1.	प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी, कुलपति	
2.	प्रो० सर्व नारायण झा बहुविषयक विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, लखनऊ परिसर	snjha62@gmail.com
3.	प्रो० बनमाली बिस्वाल वेद-वेदांग एवं वैदिक विज्ञान, सदाशिव परिसर, पुरी	banamali7@gmail.com
4.	प्रो० सुदेश कुमार शर्मा समकालिक ज्ञान प्रणाली एवं मानविकी, लखनऊ परिसर	skjpr15@yahoo.com
5.	प्रो० लोकमान्य मिश्र शिक्षाशास्त्र एवं कौशल प्रशिक्षण, लखनऊ परिसर	lokamanyamishra@gmail.com
6.	प्रो० ललित कुमार त्रिपाठी अनुसंधान संकाय, प्रयागराज परिसर	prof.lalit.tripathi@केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय.co.in
7.	प्रो० रामकांत पांडेय भाषा, साहित्य एवं संस्कृति, भोपाल परिसर	director-balahar@केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय.co.in, ramakantpandey2010@gmail.com
8.	प्रो० सत्यं कुमारी दर्शन, वेदव्यास परिसर	satyamshree64@gmail.com
9.	प्रो० पी.वी.बी. सुब्रह्मण्यं योगिक विज्ञान एवं समग्र स्वास्थ्य पद्धतियाँ, सीएसयू, देवप्रयाग	prof.pvbs@केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय.co.in
10.	प्रो० ललित कुमार साहू शास्त्रीय ज्ञान प्रणाली अध्ययन संकाय, सीएसयू, श्री सदाशिव परिसर, पुरी	lalitakumarsahoo775@gmail.com
11.	प्रो० मदन मोहन झा अधिष्ठाता (शैक्षणिक कार्य)	prof.madanmohan.jha@केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय.co.in
12.	प्रो० वाई.एस. रमेश विभागाध्यक्ष शिक्षाशास्त्र	ysrhrk@gmail.com

13.	प्रो. श्रीधर मिश्र, व्याकरण शास्त्र, जम्मू परिसर	Shreedharmishra0@gmail.com
14.	प्रो. जनार्दन प्रसाद पाण्डेय, साहित्य, गंगानाथ झा परिसर	Prof.janardan.prasad@csu.co.in janardanmani@gmail.com
15.	प्रो॰ कमलेश कुमार जैन जैन दर्शन एवं प्राकृत, जयपुर परिसर	kamleshrssjpr@rediffmail.com
16.	प्रो. रामकृष्ण पाण्डेय 'परमहंस' धर्मशास्त्र, प्रयागराज परिसर	Prof.ram.krishna@csu.co.in paramhansrk@gmail.com
17.	प्रो॰ सुब्राय वेंकट्रायण भट्ट मीमांसा, श्रींगेरी परिसर	subrayvbhatta@gmail.com
18.	प्रो॰ ईश्वर भट्ट ज्योतिष शास्त्र, जयपुर परिसर	bhatishwar66@gmail.com
19.	प्रो॰ मनोज कुमार मिश्र वेद, रणबीर परिसर	vedanga.mkmishra@gmail.com
20.	प्रो॰ प्रतिभा आर. वेदान्त, गुरुवायूर परिसर	prof.R.Prathibha@केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय.co.in
21.	प्रो॰ अर्चना दुबे भारतीय भाषाएँ, भोपाल परिसर	prof.archana.dubey@केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय.co.in
22.	प्रो॰ राम नन्दन सिंह (21 अक्टूबर, 2024) तक बौद्ध दर्शन एवं पाली, लखनऊ परिसर	rnsingh.in@gmail.com
23.	प्रो॰ गुरुचरण नेगी बौद्ध दर्शन एवं पाली, लखनऊ परिसर	gcsnegi69@gmail.com
24.	प्रो॰ सूर्यनारायण भट्ट वेदांग एवं वेद भाष्य, श्रींगेरी परिसर	surya2narayan@gmail.com
25.	प्रो॰ मखलेश कुमार पुराणेतिहास, पुरी परिसर	drmakhlesh@gmail.com
26.	प्रो॰ (श्रीमती) गौरी प्रिया दास दर्शन, पुरी परिसर	sriji.gp@gmail.com
27.	प्रो॰ के.ई. मधुसूदनन न्याय, गुरुवायूर परिसर	kem1974@gmail.com

28.	डा० अपराजिता मिश्र पाण्डुलिपिविज्ञान एवं लिपिविज्ञान, प्रयागराज परिसर	aprajitamishra1977@gmail.com
29.	डा० अशोक कुमार मीना सांख्य योग दर्शन, पुरी परिसर	shriakmeena@gmail.com
30.	डा० जगन्नाथ झा संयोजक, समाज विज्ञान, दिल्ली मुख्यालय	jnjha.rsks@gmail.com
31.	डा० एम.के. सीबा संयोजक, अंग्रेजी, गुरुवायूर परिसर	sheebs.mk@gmail.com
32.	डा० बुलुसु पद्म मित्रश्रीनिवास शिक्षाशास्त्र, एकलव्य परिसर	pmsrinivas.edn@gmail.com
33.	डा० गणेश टी. पंडित शिक्षाशास्त्र, श्रृंगेरी परिसर	manovinodini@gmail.com
34.	डा० विश्वरंजन पति ज्योतिष, पुरी परिसर	ranjanbiswa2016@gmail.com
35.	डा० गणपति शुक्ल न्याय, पुरी परिसर	gshukla397@gmail.com
36.	डा० एस.पी. सिंह अर्थशास्त्र, लखनऊ परिसर	spsinghrskslko@gmail.com
37.	प्रो० ओमनाथ बिमाली, दिल्ली विश्वविद्यालय	bimaliomnath@gmail.com
38.	प्रो० सुदेष्णा भट्टाचार्य, असम विश्वविद्यालय	sbmgu2010@gmail.com
39.	प्रो० अरविन्द मल्हार कुलकर्णी, आईआईटी मुंबई	malhar@hss.iitb.ac.in
40.	प्रो० आर.जी. मुरलीकृष्ण, कुलसचिव	registrar@केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय.co.in

वित्त समिति के सदस्यों की सूची

(01.04.2024 से 31.03.2025 तक)

1.	प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी कुलपति केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली	अध्यक्ष (पदेन)
2.	प्रो. सर्व नारायण झा ज्योतिष के वरिष्ठ प्राध्यापक, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, लखनऊ परिसर, विशाल खंड - 4, गोमती नगर, लखनऊ - 226010 (उ.प्र.) (दिनांक 24.10.2024 तक)	सदस्य (कार्यकारी परिषद् द्वारा नामित)
	प्रो. लोकमान्य मिश्र शिक्षा शास्त्र के वरिष्ठ प्राध्यापक, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, लखनऊ परिसर, विशाल खंड-4, गोमती नगर, लखनऊ – 226010 (उ.प्र.) (दिनांक 25.11.2024 से)	सदस्य (कार्यकारी परिषद् द्वारा नामित)
3.	डॉ. रामचन्द्र जोशी [सेवानिवृत्त कुलसचिव एवं वित्त अधिकारी, कविकुलगुरु कालिदास संस्कृत विश्वविद्यालय, रामटेक, नागपुर, महाराष्ट्र] हिरण्यमयी, प्लॉट नं. 55, छोरिया कॉलोनी, आनंदनगर, रामटेक, नागपुर, महाराष्ट्र – 441106	सदस्य (कार्यकारी परिषद् द्वारा नामित)
4.	श्री किरण डी.एम. मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ), ओएनजीसी फ़ाउंडेशन, नई दिल्ली	सदस्य (कार्यकारी परिषद् द्वारा नामित)
5.	संयुक्त सचिव एवं वित्तीय सलाहकार, उच्च शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार, शास्त्री भवन, नई दिल्ली – 110001	सदस्य (पदेन)
6.	प्रो. पवन कुमार वित्त अधिकारी (प्रभारी), केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली	सदस्य–सचिव (पदेन)

योजना एवं अनुश्रवण (निगरानी) बोर्ड के सदस्यों की सूची
(01.04.2024 से 31.03.2025)

1.	प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी कुलपति केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, नई दिल्ली	अध्यक्ष (पदेन)
2.	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा प्राध्यापक एवं डीन, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर, जयपुर, राजस्थान	सदस्य (कार्यकारी परिषद द्वारा नामित तीन आंतरिक सदस्य)
	प्रो. पी. वी. बी. सुब्रह्मण्यम प्रोफेसर (ज्योतिष), केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, भोपाल परिसर, भोपाल (म. प्र.)	
	प्रो. लीना सक्करवाल प्रोफेसर (शिक्षा शास्त्र), केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर, जयपुर, राजस्थान	
3.	प्रो. विजयकुमार सी. जी. कुलपति, महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय, देवास रोड, उज्जैन, म. प्र. – 456010	सदस्य (कार्यकारी परिषद द्वारा नियुक्त विश्वविद्यालय नियोजन के विशेष ज्ञान वाले तीन प्रख्यात शिक्षाविद्)
	प्रो. शशि प्रभा कुमार पूर्व कुलपति, सांची विश्वविद्यालय, बौद्ध-भारतीय अध्ययन, म. प्र.	
	प्रो. अमी यू. उपाध्याय कुलपति, डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मुक्त विश्वविद्यालय, ज्योतिर्मय परिसर, सरखेज–गांधीनगर हाईवे, छारोड़ी, अहमदाबाद – 382481	
4.	प्रो. पवन कुमार वित्त अधिकारी (प्रभारी), केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जनकपुरी, नई दिल्ली – 110058	सदस्य (पदेन)

5.	प्रो. आर. जी. मुरली कृष्णा कुलसचिव (प्रभारी), केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, जनकपुरी, नई दिल्ली – 110058	सदस्य-सचिव (पदेन)

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के परिसरवार संकाय सदस्यों/ गैर- शैक्षणिक स्टाफ एवं मुख्यालय में पदस्थ शैक्षणिक/गैर- शैक्षणिक स्टाफ का विवरण

(31 मार्च 2025 के अनुसार)

01. मुख्यालय, नई दिल्ली

(शैक्षणिक कर्मचारी)			
क्र.	नाम	पदकानाम	विभाग
1.	प्रो. आर.जी. मुरली कृष्ण	प्रोफेसर	रजिस्ट्रार (प्रभारी)
2.	प्रो. काशीनाथ न्यौपाने	चेयर प्रोफेसर	निदेशक (प्रकाशन)
3.	प्रो. मदन मोहन झा	वरिष्ठ प्रोफेसर	अधिष्ठाता (शैक्षणिक मामले)
4.	सुज्ञान कुमार महंती	प्रोफेसर	संयुक्त निदेशक (विश्वविद्यालय प्रकाशन)
5.	प्रो. रत्ना मोहन झा	प्रोफेसर	निदेशक (मुक्त स्वाध्याय पीठम्)
6.	प्रो. आर.एल. नारायण सिम्हा	प्रोफेसर	सह -अधिष्ठाता (शैक्षणिक)
7.	प्रो. मधुकेश्वर भट	प्रोफेसर	निदेशक (केंद्रीय योजनाएं) निदेशक (कार्यक्रम) और माननीय कुलपति के ओएसडी
8.	प्रो. कुलदीप शर्मा	प्रोफेसर	स्पेशल ऑफिसर - रिक्रूटमेंट सेल, इंचार्ज - आदर्श स्कीम
9.	प्रो. अजय कुमार मिश्रा	प्रोफेसर	संयुक्त निदेशक (प्रकाशन)
10.	प्रो. गणेश टी. पंडित	प्रोफेसर	संयुक्त निदेशक (शैक्षणिक परियोजनाएं), प्रकाशन और विक्रय
11.	डॉ. पवन व्यास	एसोसिएट प्रोफेसर	मुक्त स्वाध्याय पीठम्
12.	डॉ. जी. सूर्य प्रसाद	सहायक प्रोफेसर	मुख्य समन्वयक (एलओसीएफ-संस्कृत)
13.	डॉ. नितिन कुमार जैन	सहायक प्रोफेसर	परीक्षा विभाग
14.	डॉ. जितेंद्र कुमार रायगुरु	सहायक प्रोफेसर	परियोजना अधिकारी (प्रभारी)
15.	डॉ. चक्रधर मेहर	सहायक प्रोफेसर	प्रभारी अधिकारी (योजना अनुभाग - III)
16.	डॉ. अमृता कौर	सहायक प्रोफेसर	प्रभारी - एमओओसी और एलएमएस छात्र कल्याण

17.	डॉ. डी. दयानाथ	सहायक प्रोफेसर	संयोजक (आईकेएस सेल)
18.	डॉ. सुनीता	सहायक प्रोफेसर	प्रभारी अधिकारी (योजना अनुभाग - I)
19.	विजय कुमार दाधीच	सहायक प्रोफेसर	शैक्षणिक विभाग
20.	डॉ. प्रसाद भट्ट	सहायक प्रोफेसर	मुक्त स्वाध्याय पीठम्
21.	डॉ. यशवंत कुमार त्रिवेदी	सहायक प्रोफेसर	मुक्त स्वाध्याय पीठम्
22.	डॉ. नक्का शैलजा	सहायक प्रोफेसर	मुक्त स्वाध्याय पीठम्
23.	सुश्री रितेश	सहायक प्रोफेसर	मुक्त स्वाध्याय पीठम्
24.	श्री जगन्नाथ झा	सहायक प्रोफेसर	सह -अधिष्ठाता (छात्रा कल्याण)
25.	डॉ. (श्रीमती) छोटी बाई मीणा	सहायक प्रोफेसर	सहायक निदेशक (प्रकाशन और विक्रय)
(गैर शैक्षणिक कर्मचारी)			
1.	प्रो. पवन कुमार	परीक्षा नियंत्रक	परीक्षा विभाग
2.	डॉ. पूरन मल गुप्ता	लाइब्रेरियन	पुस्तकालय
3.	डॉ. मंथा श्रीनिवासु	परियोजना अधिकारी	यूजीसी में संयुक्त सचिव के रूप में प्रतिनियुक्ति पर
4.	श्री रोहतास सिंह	उप नियंत्रक (परीक्षा)	परीक्षा विभाग
5.	डॉ. देवानंद शुक्ल	उप निदेशक (अकादमिक)	केकेएसयू, रामटेक में रजिस्ट्रार के रूप में प्रतिनियुक्ति पर
6.	श्री के टी कृष्ण कुमार	उप निदेशक (प्रशासन)	प्रशासन विभाग
7.	श्री शशि कांत	उप निदेशक (वित्त)	वित्त विभाग
8.	श्री जितेंद्र कुमार	सहायक निदेशक	छात्रवृत्ति विभाग
9.	श्री रामजी लाल मीणा	सहायक निदेशक	प्रशासन विभाग
10.	श्री अनिल कुमार नौरियाल	सहायक निदेशक	वित्त विभाग
11.	डॉ. स्नेहलता उपाध्याय	सहायक लाइब्रेरियन	पुस्तकालय
12.	श्री राजेश कुमार मिश्रा	अनुभाग अधिकारी	योजना विभाग
13.	श्री शंकर जयकिशन	अनुभाग अधिकारी	वित्त विभाग
14.	श्री सुरेशा नंद	अनुभाग अधिकारी	शैक्षणिक विभाग
15.	श्री नवनीत चतुर्वेदी	अनुभाग अधिकारी	FSSAI में प्रशासनिक अधिकारी के रूप में प्रतिनियुक्ति पर

16.	श्री आशीष कुमार	अनुभाग अधिकारी	आदर्श विभाग
17.	श्री सोनराज पाटीदार	अनुभाग अधिकारी	प्रशासन विभाग
18.	श्रीमती पापिया दास	अनुभाग अधिकारी	प्रशासन विभाग
19.	श्रीमती आभा रानी	अनुभाग अधिकारी	योजना विभाग
20.	श्री भुवनेश कुमार मौर्य	अनुभाग अधिकारी	परीक्षा विभाग
21.	श्री वरुण कौशिक	अनुभाग अधिकारी	भर्ती प्रकोष्ठविभाग
22.	श्री ज्योतिष कुमार	लेखा अधिकारी	वित्त विभाग
23.	डॉ. अनीता शर्मा	अनुदेशक	मुक्त स्वाध्याय पीठम्
24.	डॉ. भवानी शंकर शर्मा	अनुदेशक (तदर्थ)	परीक्षा विभाग
25.	श्री संजय कुमार शर्मा	पुस्तकालय पंडित	कुलपति कार्यालय
26.	श्रीमती अनीता रानी	सहायक	मुक्त स्वाध्याय पीठम्
27.	श्री प्रमोद कुमार पंवार	सहायक	वित्त विभाग
28.	डॉ. काशी नाथ द्विवेदी	सहायक	प्रशासन विभाग
29.	श्रीमती संगीता	सहायक	वित्त विभाग
30.	श्री राम निवास	सहायक	आदर्श विभाग
31.	श्री देवेंद्र सिंह	सहायक	वित्त विभाग
32.	श्री के.के.पचौली	सहायक	प्रशासन विभाग
33.	श्री राजीव कुमार सिंह	सहायक	मुक्त स्वाध्याय पीठम्
34.	श्री अनूप सिंह भंडारी	सहायक	वित्त विभाग
35.	श्री आदित्य कुमार	सहायक	प्रशासन विभाग
36.	सुश्री कंचन सैनी	स्टेनोग्राफर ग्रेड-I	प्रशासन विभाग
37.	श्री दीपक वर्मा	स्टेनोग्राफर ग्रेड-I	प्रकाशन विभाग
38.	श्री प्रकाश कुमार कुशवाहा	तकनीकी सहायक	शैक्षणिक विभाग
39.	श्री अनुज शर्मा	तकनीकी सहायक	परीक्षा विभाग
40.	श्री आशा राम नौटियाल	तकनीकी सहायक	भर्ती प्रकोष्ठ शैक्षणिक
41.	श्री मनोज मिश्रा	तकनीकी सहायक	मीडिया सेल
42.	श्री विकास	तकनीकी सहायक	मुक्त स्वाध्याय पीठम्
43.	श्रीमती विनीता	उच्च श्रेणी लिपिक	शिक्षा मंत्रालय
44.	श्री अशोक कुमार	उच्च श्रेणी लिपिक	परीक्षा विभाग
45.	श्रीमती हेमा ठाकुर	उच्च श्रेणी लिपिक	परीक्षा विभाग
46.	श्री विजय नेत्रीवाल	उच्च श्रेणी लिपिक	छात्रवृत्ति शैक्षणिक
47.	श्री लक्ष्मण झा	उच्च श्रेणी लिपिक	परीक्षा विभाग
48.	श्री उमेश ठाकुर	उच्च श्रेणी लिपिक	योजना विभाग
49.	श्रीमती अनीता नेगी	उच्च श्रेणी लिपिक	योजना विभाग

50.	श्रीमती मोनिका मल्होत्रा	उच्च श्रेणी लिपिक	शैक्षणिक शैक्षणिक
51.	श्री सत्येन्द्र सिंह उनियाल	उच्च श्रेणी लिपिक	शिक्षा मंत्रालय
52.	श्री विनोद कुमार	उच्च श्रेणी लिपिक	शैक्षणिक शैक्षणिक
53.	श्री सुख लाल	उच्च श्रेणी लिपिक	परीक्षा विभाग
54.	डॉ. श्वेता सिंह	उच्च श्रेणी लिपिक	परीक्षा विभाग
55.	श्री अनिल कुमार	उच्च श्रेणी लिपिक	परीक्षा विभाग
56.	श्री मनीष गुप्ता	उच्च श्रेणी लिपिक	प्रशासन शैक्षणिक
57.	श्री उदय भान आर्य	उच्च श्रेणी लिपिक	योजना विभाग
58.	श्री आलोक रंजन सिंह	उच्च श्रेणी लिपिक	प्रशासन शैक्षणिक
59.	श्री तरुण कुमार सिंह	उच्च श्रेणी लिपिक	प्रशासन शैक्षणिक
60.	श्री पवन कुमार	उच्च श्रेणी लिपिक	वित्त शैक्षणिक
61.	श्री सुमित नागर	उच्च श्रेणी लिपिक	प्रशासन शैक्षणिक
62.	श्री हरि बहादुर थापा	उच्च श्रेणी लिपिक	परीक्षा विभाग
63.	श्री चंदन सिंह रावत	उच्च श्रेणी लिपिक	प्रशासन शैक्षणिक
64.	श्रीमती दिव्या	स्टेनोग्राफर ग्रेड- II	भर्ती प्रकोष्ठ शैक्षणिक
65.	श्री ऋषभ सैनी	स्टेनोग्राफर ग्रेड- II	कुलसचिव कार्यालय
66.	श्री अनिल	स्टेनोग्राफर ग्रेड- II	शैक्षणिक शैक्षणिक
67.	श्री प्रभात कुमार	स्टेनोग्राफर ग्रेड- II	परीक्षा विभाग
68.	श्री टिंकू कुमार	अवर श्रेणी लिपिक	योजना विभाग
69.	श्री आशीष	अवर श्रेणी लिपिक	योजना विभाग
70.	श्रीमती आरती	अवर श्रेणी लिपिक	आदर्श शैक्षणिक
71.	श्री राना गाड सिंह	अवर श्रेणी लिपिक	प्रशासन शैक्षणिक
72.	श्री अरुण कुमार	अवर श्रेणी लिपिक	प्रशासन शैक्षणिक
73.	श्री रोहित दहिया	अवर श्रेणी लिपिक	वित्त विभाग
74.	श्री अशोक कुमार	अवर श्रेणी लिपिक	प्रशासन विभाग
75.	श्री सुशांत कुमार झा	अवर श्रेणी लिपिक	प्रशासन विभाग
76.	श्री अमर सिंह	अवर श्रेणी लिपिक (तदर्थ)	विक्रय विभाग
77.	श्री कृष्ण कुमार	स्टाफ कार चालक	कुलपति कार्यालय
78.	श्री पवन सोनी	स्टाफ कार चालक	कुलसचिव कार्यालय
79.	श्री संदीप चन्द्र पोखरियाल	पुस्तकालय परिचर	पुस्तकालय
80.	श्री ब्रह्म प्रकाश	मल्टी टास्किंग स्टाफ	शिक्षा मंत्रालय
81.	श्री दिनेश कुमार	मल्टी टास्किंग स्टाफ	विक्रय विभाग
82.	श्रीमती नीरज	मल्टी टास्किंग स्टाफ	प्रशासन विभाग
83.	श्रीमती अलका वर्मा	मल्टी टास्किंग स्टाफ	भर्ती प्रकोष्ठ विभाग

84.	श्री नवीन कुमार राणा	मल्टी टास्किंग स्टाफ	प्रशासन विभाग
85.	श्री भीम सिंह	मल्टी टास्किंग स्टाफ	शिक्षा मंत्रालय
86.	श्री वृंदावन	मल्टी टास्किंग स्टाफ	कुलसचिव कार्यालय
87.	श्री के के पांडे	मल्टी टास्किंग स्टाफ	शिक्षा मंत्रालय
88.	श्री सुजात सामी	मल्टी टास्किंग स्टाफ	वित्त विभाग
89.	श्री बीनिल सिंह भंडारी	मल्टी टास्किंग स्टाफ	रिकॉर्ड रूम
90.	श्री अशोक महतो	मल्टी टास्किंग स्टाफ	प्रशासन विभाग
91.	श्रीमती सुमन	मल्टी टास्किंग स्टाफ	शैक्षणिक अनुभाग
92.	श्री मनोज पहारी	मल्टी टास्किंग स्टाफ	कुलपति कार्यालय
93.	श्री रमेश अधिकारी	मल्टी टास्किंग स्टाफ	कुलपति कार्यालय
94.	श्री महेश कुमार	मल्टी टास्किंग स्टाफ (तदर्थ)	परीक्षा विभाग

2. श्री गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज (उ.प्र.)

क्रमांक	नाम	पद का नाम	विभाग
		(शैक्षणिक कर्मचारी)	
1.	प्रो. ललित कुमार त्रिपाठी	निदेशक	व्याकरण
2.	प्रो. बनमाली विश्वाल	वरिष्ठ आचार्य	व्याकरण
3.	प्रो. राम कृष्ण पाण्डेय	आचार्य	धर्म शास्त्र
4.	प्रो. जनार्दन प्रसाद पाण्डेय	आचार्य	साहित्य
5.	प्रो. मनोज कुमार मिश्रा	आचार्य	वेद
6.	प्रो. देवदत्त सरोदे	आचार्य	शिक्षा शास्त्र
7.	प्रो. अपराजिता मिश्रा	आचार्य	साहित्य
8.	डॉ. सुरेश पाण्डेय	एसोसिएट प्रोफेसर	व्याकरण
9.	डॉ. राजकुमार मिश्र	सहायक प्रोफेसर	साहित्य
10.	डॉ. मोनाली दास	सहायक प्रोफेसर	साहित्य
11.	यशवन्त कुमार त्रिवेदी	सहायक प्रोफेसर	दर्शन
		(गैर शैक्षणिक कर्मचारी)	
9.	संजय कुमार मिश्र	अनुभाग अधिकारी	
10.	सुश्री अश्विनी राजेश लंके	क्यूरेटर (संग्रहालयाध्यक्ष)	
12.	डॉ. श्याम सुंदर पांडे	प्रोफेसनल असिस्टेंट	
13.	श्रीमती अंजू मिश्रा	प्रोफेसनल असिस्टेंट	
14.	श्री शैलेन्द्र कुमार पाण्डेय	पाण्डुलिपि पंडित	
17.	डॉ. विपिन द्विवेदी	प्रतिलिपिक	
18.	कुमारी शालू कुमारी	यू.डी.सी	
19.	सुश्री मंजू देवी	पुस्तकालय अटेंडेंट	

20.	श्री आनंद कुमार	मल्टी टास्किंग स्टॉफ	
21.	श्री अर्जुन कुमार मंडल	मल्टी टास्किंग स्टॉफ	
22.	श्री नंद कुमार	मल्टी टास्किंग स्टॉफ	
23.	श्री द्वारिका प्रसाद कुशवाहा	मल्टी टास्किंग स्टॉफ	
24.	श्री अखिलेश मिश्रा	मल्टी टास्किंग स्टॉफ	

3. श्रीसदाशिव परिसर पुरी (ओडिशा)

क्रमांक	नाम	पद का नाम	विभाग
		(शैक्षणिक स्टाफ)	
1.	प्रो. प्रभात कुमार महापात्र	निदेशक	ज्योतिष
2.	प्रो. ललित कुमार साहू	वरिष्ठ प्रोफेसर	धर्मशास्त्र
3.	प्रो. (श्रीमती) मिनती रथ	वरिष्ठ प्रोफेसर	पुराणेतिहास
4.	प्रो. (श्रीमती) अनुपमा पृष्टि	वरिष्ठ प्रोफेसर	नव्यव्याकरण
5.	प्रो. (श्रीमती) गौरप्रिया दाश	प्रोफेसर	सर्वदर्शन
6.	प्रो. विजय पाल कछवाह	प्रोफेसर एवं सह निदेशक	शिक्षाशास्त्र
7.	प्रो. रमाकांत मिश्र	प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र
8.	प्रो. (श्रीमती) निर्मला पाणिग्रही	प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र
9	प्रो. शंभुनाथ महालिक	प्रोफेसर	वेदांत
10.	प्रो. किशोर कुमार दलाई	प्रोफेसर	साहित्य
11	प्रो. भगवान सामन्तराय	प्रोफेसर	वेदांत
12	प्रो. वी. एस. वी. भास्कर रेड्डी	प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र
13	प्रो. विश्वरंजन पति	प्रोफेसर	ज्योतिष
14	डॉ. गणपति शुक्ल	प्रोफेसर	न्याय
15.	डॉ.अशोक कुमार मीणा	सह-प्रोफेसर	सांख्य योग
16.	श्री अजय कुमार गंधा	सहायक-प्रोफेसर	वेदांत
17.	डॉ. सुशांत कुमार राय	सहायक-प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र
18.	डॉ. ओम नारायण मिश्र	सहायक-प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र
19.	डॉ. सागरिका नंद	सहायक-प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र
20.	डॉ. भाग्य सिंह गुर्जर	सहायक-प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र
21.	डॉ. जितेन्द्र कुमार रायगुरू	सहायक-प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र
22.	श्री रमाकांत सा	सहायक-प्रोफेसर	शिक्षाशास्त्र
23.	डॉ. नंदीघोष महापात्र	सहायक-प्रोफेसर	दर्शन
24.	डॉ. (श्रीमती) विजय लक्ष्मी महापात्र	सहायक-प्रोफेसर	ज्योतिष
25.	संजय कुमार	सहायक निदेशक	शारीरिक शिक्षा एवं खेल

		(गैर शैक्षणिक कर्मचारी)	
26.	श्री सुरेन्द्र कुमार महापात्र	एस. ओ	--
27.	श्री देबी प्रसाद दास मोहपात्र	सहायक	लेखा विभाग
28	श्री पुर्ण चन्द्र मिश्र	यू.डी.सी	लेखा विभाग
29	सुश्री नित्या राही	प्रोफेशनल असिस्टेंट	पुस्तकालय
30.	श्री राहुल यादव	एल. डी. सी	शैक्षणिक विभाग
31	श्रीमती वासंती नायक	एम. टी. एस (हाउस कीपिंग)	पुस्तकालय
32.	श्री संतोष कुमार मोहन्ति	मल्टी टास्किंग स्टॉफ	शैक्षणिक विभाग
33.	श्री प्रताप चंद्र बेहरा	मल्टी टास्किंग स्टॉफ	प्रशासन विभाग
33.	श्री दिनेश कुमार कठुआ	मल्टी टास्किंग स्टॉफ	प्रशासना विभाग

4. श्री रणबीर परिसर, जम्मू (जम्मू और कश्मीर)

क्रमांक	नाम	पद का नाम	विभाग
		(शैक्षणिक कर्मचारी)	
1.	प्रो. श्रीधर मिश्र	प्रोफेसर एवं निदेशक	व्याकरण
2.	प्रो. सतीश कुमार कपूर	प्रोफेसर	साहित्य
3.	प्रो. ऋषि राज	प्रोफेसर	शिक्षा शास्त्र
4.	डॉ. प्रमोद कुमार शुक्ल	असि. प्रोफेसर	व्याकरण
5.	डॉ. घनश्याम मिश्र	असि. प्रोफेसर	सर्व दर्शन
6.	डॉ. मदन कुमार झा	असि. प्रोफेसर	व्याकरण
7.	डॉ. देवेंद्र कुमार मिश्र	असि. प्रोफेसर	व्याकरण
8.	डॉ. राज कुमार मिश्र	असि. प्रोफेसर	साहित्य
9.	डॉ. रतन कुमार पांडे	असि. प्रोफेसर	ज्योतिष
10.	डॉ. गोपाल वर्मा	असि. प्रोफेसर	अग्रेंजी
11.	डॉ. पुनीता गुप्ता	असि. प्रोफेसर	ज्योतिष
		(गैर शैक्षणिक कर्मचारी)	
1.	श्री कुमार रोहित	Assistant Librarian	
2.	श्री सव्यसाची	U.D.C	
3.	श्री हितेश	L.D.C	
4.	श्री शेखर साहू	L.D.C	
5.	श्री बोध राज	Group-C (MTS)	
6.	श्रीमती प्रीति देवी	MTS	
7.	श्री निशांत	MTS	
8.	राज मोहम्मद	सफाई कर्मचारी (MTS)	
9.	श्री टेक चंद	चौकीदार (Adhoc)	

5. गुरुवायूर परिसर, त्रिचूर (केरल)

क्रमांक	नाम	पदकानाम	विभाग
(शैक्षणिक स्टाफ)			
1.	प्रो. के. के. शैन	निदेशक एवं आचार्य	शिक्षाशास्त्र
2.	प्रो. के. के. हर्ष कुमार	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
3.	प्रो. के.ई. मधुसूदनन	आचार्य	न्याय
4.	प्रो. आर. प्रतिभा	आचार्य	अद्वैत वेदांत
5.	प्रो. आर. बालामुरुगन	आचार्य	न्याय
6.	प्रो. एन.आर. श्रीधरन	आचार्य	साहित्य
7.	प्रो. के. विश्वनाथन	आचार्य	साहित्य
8.	प्रो. ई. आर. नारायणन	आचार्य	साहित्य
9.	डॉ. ओ. आर. विजयराधवन्	सह-आचार्य	न्याय
10.	श्रीमती के. ए. जेसी	सहायकाचार्य	मलयालम
11.	डॉ. राधिका पी आर	सहायकाचार्य	अद्वैत वेदांत
12.	डॉ. डी. वेणुगोपाल राव	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
13.	डॉ. श्यामराज सी	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
14.	डॉ. एम. के शीबा	सहायकाचार्य	अंग्रेजी
15.	डॉ. बी. वेंकट लक्ष्मी नारायण	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
16.	डॉ. श्रीनिवासन पी. के	सहायकाचार्य	फलित ज्योतिस
17.	डॉ. बी. नरेश कुमार नाइक	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
18.	डॉ. शिवाजी वी. एन.	सहायकाचार्य	साहित्य
19.	डॉ. श्रुति के. बी.	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
20.	डॉ. धनेश पी. वी.	सहायकाचार्य	योग
(गैर शैक्षणिक कर्मचारी)			
21.	डॉ. राउतमाले आनंद एस	सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष	
22.	श्री के. एम. रविन्द्रन	अनुभाग अधिकारी	
23.	श्रीमती रेशमा सी. आर	अवर श्रेणी लिपिक	
24.	श्रीमती शरण्या के. वी	अवर श्रेणी लिपिक	
25.	श्री. नंदू पंकज	पुस्तकालय परिचारक	
26.	श्री. पी. वी. विनेश	मल्टी टास्किंग स्टॉफ (तदर्थ)	
27.	श्री. विपिन	मल्टी टास्किंग स्टॉफ	

6. जयपुर परिसर, जयपुर (राजस्थान)

क्र.सं.	नाम	पद का नाम	विभाग
		शैक्षणिक कर्मचारी	
1.	प्रो. सुदेश कुमार शर्मा	निदेशक एवं आचार्य	शिक्षाशास्त्र
2.	प्रो. वाय्. एस्. रमेश	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
3.	प्रो. शिवकांत झा	आचार्य	व्याकरण
4.	प्रो. राम कुमार शर्मा	आचार्य	साहित्य
5.	प्रो. ईश्वर भट्ट	आचार्य	ज्योतिष
6.	प्रो. कमलेश कुमार जैन	आचार्य	जैनदर्शन
7.	प्रो. विष्णुकांत पाण्डेय	आचार्य	व्याकरण
8.	प्रो. शुभस्मिता मिश्रा	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
9.	प्रो. कुलदीप शर्मा	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
10.	प्रो. लीना सक्करवाल	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
11.	प्रो. गौरांग बाघ	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
12.	प्रो. कृष्णा शर्मा	आचार्य	धर्मशास्त्र
13.	डॉ. विष्णु कुमार निर्मल	सह-आचार्य	ज्योतिष
14.	डॉ. रेखा कुमारी	सह-आचार्य	हिन्दी
15.	डॉ. सीमा अग्रवाल	सह-आचार्य	सामाजिक विज्ञान
16.	डॉ. बत्ती लाल मीणा	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
17.	डॉ. ओमप्रकाश	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
18.	डॉ. सुभाष चंद्र मीणा	सहायकाचार्य	व्याकरण
19.	डॉ. दाम्बरुधर पति	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
20.	डॉ. मनीष कुमार चांडक	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
21.	डॉ. कैलाश चंद्र सैनी	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
22.	डॉ. अंजू चौधरी	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
23.	डॉ. बलबीर सिंह मीणा	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
24.	डॉ. आरती मीणा	सहायकाचार्य	साहित्य
25.	डॉ. रानी दाधीच	सहायकाचार्य	दर्शन
26.	डॉ. किरण खिंची	सहायकाचार्य	व्याकरण
27.	श्री राजेन्द्र कुमार शर्मा	सहायकाचार्य	शारीरिक शिक्षा
		गैर शैक्षणिक कर्मचारी	
28.	डॉ. लोकेश कुमार गुप्ता	अनुभाग अधिकारी	
29.	श्री गिरधर गोपाल पोपली	अनुभाग अधिकारी	
30.	श्री जयसिंह	सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष	
31.	श्रीमती मीना कुमारी	व्यावसायिक सहायक	
32.	श्री योगेश छोलक	व्यावसायिक सहायक	

33.	श्री सुरेश कुमार सैनी	अवर श्रेणी लिपिक	
34.	श्री गिर्राज सिंह	अवर श्रेणी लिपिक	
35.	श्री लक्ष्मी नारायण मीना	अवर श्रेणी लिपिक	
36.	श्री देवेश मीना	अवर श्रेणी लिपिक	
37.	श्री परमेश्वर दयाल शर्मा	मल्टी टास्किंग स्टॉफ	
38.	श्री राजेश कुमार शर्मा	मल्टी टास्किंग स्टॉफ	
39.	श्री जसवंत कुमार	मल्टी टास्किंग स्टॉफ	
40.	श्री अनिल कुमार मीना	पुस्तकालय परिचायक	
41.	श्रीमती ललिता देवी	मल्टी टास्किंग स्टॉफ	
42.	श्री अजय सिंह मीना	मल्टी टास्किंग स्टॉफ	
43.	श्री केशराम मीना	मल्टी टास्किंग स्टॉफ	
44.	श्री दीपक वर्मा	आशुलिपिक (प्रथम)	
45	श्री सांवर मल यादव	तकनीकी सहायक	
46	श्री एनवीवीएस कार्तिकेय	तकनीकी सहायक	
47	श्री महेश शर्मा	वित्त सलाहकार	
48	श्री मनीष सैनी	संपदा अधिकारी	

7. लखनऊ परिसर, लखनऊ (उ.प्र.)

क्रमांक	नाम	पद का नाम	विभाग
		(शैक्षणिक कर्मचारी)	
1.	प्रो. सर्व नारायण झा	वरिष्ठ आचार्य एवं निदेशक	ज्योतिष शास्त्र
2.	प्रो. मदन मोहन पाठक	वरिष्ठ आचार्य	ज्योतिष शास्त्र
3.	प्रो. अवनीश अग्रवाल	वरिष्ठ आचार्य	शिक्षाशास्त्र
4.	प्रो. देवी प्रसाद द्विवेदी	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
5.	प्रो. भारत भूषण त्रिपाठी	आचार्य	व्याकरण
6.	प्रो. धनीन्द्र कुमार झा	आचार्य	व्याकरण
7.	प्रो. श्याम देव मिश्रा	आचार्य	ज्योतिष
8.	प्रो. ग़ज़ाला अंसारी	आचार्या	साहित्य
9.	प्रो. गणेश शंकर विद्यार्थी	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
10	प्रो. पवन कुमार	आचार्य	साहित्य
11.	प्रो. गुरुचरण सिंह नेगी	आचार्य	बौद्ध दर्शन एवं पालि
12.	डॉ. हरिनारायणधर द्विवेदी	सहाचार्य	ज्योतिष
13.	डॉ. परितोष दास	सहाचार्य	साहित्य
14.	डॉ. प्रफुल्ल गडपाल	सहायकाचार्य	साहित्य
15.	डॉ. नीरज तिवारी	सहायकाचार्य	साहित्य
16.	डॉ. कालिका प्रसाद शुक्ल	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र

17.	डॉ. कविता बिसारिया	सहायकाचार्य	अंग्रेज़ी
18.	डॉ. कृष्णा कुमारी	सहायकाचार्या	बौद्ध दर्शन एवं पालि
(गैर शैक्षणिक कर्मचारी)			
22.	डॉ. रामरूप	उप-पुस्तकालयाध्यक्ष	पुस्तकालय
23.	डॉ. घनानन्द त्रिपाठी	व्यवसात्रयक सहायक	पुस्तकालय
24.	श्री गुरु प्रसाद	सहायक	लेखा
25.	श्री वेद प्रकाश	अवर श्रेणी त्रलत्रपक	प्रशासन
26.	श्री प्रशान्त कुमार श्रीवास्तव	अवर श्रेणी त्रलत्रपक(तदर्थ)	लेखा
27.	श्री रजनीकान्त चतुवेदी	लाइब्रेरी अटेडेंट	पुस्तकालय
28.	श्री सहजराम	एम.टी.एस.	
29.	श्री मुकेश कुमार	एम.टी.एस.	
30.	श्री गोपाल ककशोर मेहरोत्रा	एम.टी.एस.	
31.	श्री संतोष कुमार	एम.टी.एस.	
32.	श्री हर्षथत त्रनगम	एम.टी.एस.	

8. श्री राजीव गांधी परिसर, श्रृंगेरी (कर्नाटक)

क्रमांक	नाम	पदकानाम	विभाग
(शैक्षणिक कर्मचारी)			
1.	प्रो. सुब्राय वी. भट्ट	आचार्य	मीमांसा
2.	प्रो. चंद्रकांत	आचार्य /विभागाध्यक्ष	शिक्षाशास्त्र
3.	प्रो. रामचंद्रुल बालाजी	आचार्य /विभागाध्यक्ष	शिक्षाशास्त्र
4.	प्रो. हरि प्रसाद के.	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
5.	प्रो. नवीन होल्ला	आचार्य /विभागाध्यक्ष	नव्य न्याय
6.	प्रो. सूर्य नारायण भट्ट	आचार्य /विभागाध्यक्ष	मीमांसा
7.	प्रो गणेश ईश्वर भट्ट	आचार्य /विभागाध्यक्ष	अद्वैत वेदांत
8.	प्रो. चन्द्रशेखर भट्ट	आचार्य /विभागाध्यक्ष	नव्यव्याकरण
9.	प्रो. राघवेंद्र भट्ट	आचार्य /विभागाध्यक्ष	साहित्य
10.	डॉ. के.ए. पद्मनाभम	सहाचार्य	व्याकरण
11.	प्रो. रामचंद्र जोइस एच	आचार्य	साहित्य
12.	डॉ. वेंकटरामन एस भट्ट	सहाचार्य	शिक्षाशास्त्र
13.	डॉ. एस वेंकटेशताताचार्य	आचार्य	मीमांसा
14.	श्री. के. वेंकटेशमूर्ति	सहायकाचार्य	संयुक्त निदेशक–मु.स्वा.पीठ
15.	डॉ. दयानिधि शर्मा	सहायकाचार्य	शिक्षा शास्त्र
16.	डॉ. नारायण वैद्य	सहायकाचार्य	शिक्षा शास्त्र
17.	डॉ.पी.अरविन्द कुमार सोम दत्त	सहायकाचार्य	शिक्षा शास्त्र

18.	डॉ. विजयानंद अडिग बी.	सहायकाचार्य /विभागाध्यक्ष	ज्योतिष
19.	डॉ. श्रीकर जी एन	सहायकाचार्य	
20.	डॉ. विश्वनाथ हेगड़े	सहायकाचार्य	अद्वैत वेदान्त
21.	डॉ. प्रमोद भट्ट	सहायकाचार्य	व्याकरण
22.	डॉ. कोम्पेली विनय कुमार	सहायकाचार्य	साहित्य
23.	डॉ. रामचन्द्र.हेच.डी.	सहायक निदेशक	निदेशक शारीरिक शिक्षा
24.	डॉ. नारायण बी. रायकर	सहायकाचार्य	नव्य न्याय
25.	डॉ. अनिल कुमार	सहायकाचार्य	एन.एल.पी.
26.	डॉ. आकाश बाबू जैन	सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष	पुस्तकालय
	(गैर शैक्षणिक कर्मचारी)		
27.	श्री गुरुराज भट	अनुभाग अधिकारी	
28.	श्रीमति एस. मञ्जुला	प्रवर श्रेणी लिपिक	
29.	श्री गुंजन राठी	अवर श्रेणी लिपिक	
30.	श्री सुनील	अवर श्रेणी लिपिक	
31.	श्री एच. कुमार	मल्टी टास्किंग स्टॉफ	
32.	श्री एस. दिनेश	मल्टी टास्किंग स्टॉफ	
33.	श्री एस. शिवन्ना	मल्टी टास्किंग स्टॉफ	
34.	श्रीमति सिद्धम्मा	मल्टी टास्किंग स्टॉफ	
35.	श्री एम. मोहम्मद रफीक	मल्टी टास्किंग स्टॉफ	
36.	श्रीमति जयम्मा	मल्टी टास्किंग स्टॉफ	
37.	श्री हिमांशु	मल्टी टास्किंग स्टॉफ	
38.	श्री नवीन कुमार	मल्टी टास्किंग स्टॉफ	

9. वेदव्यास परिसर, बलाहर (हिमाचल प्रदेश)

क्रमांक	नाम	पदकानाम	विभाग
	(शैक्षणिक कर्मचारी)		
1.	प्रो. सत्यम् कुमारी	निदेशक	दर्शन
2.	प्रो. शीश राम	आचार्य	शिक्षाशास्त्र
3.	प्रो. मंजुनाथ एस.जि.	आचार्य	वेदान्त
4.	प्रो. मोहिनी अरोड़ा	आचार्य	साहित्य
5.	डॉ. विजेन्द्र कुमार शर्मा	सहाचार्य	ज्योतिष
6.	डॉ. संजय कुमार	सहायक निदेशक	शारीरिक शिक्षा
7.	डॉ. श्याम बाबू	सहायकाचार्य	साहित्य
8.	डॉ. सत्य देव	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
9.	डॉ. प्रतिज्ञा आर्या	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र

10.	डॉ. श्रीनाथधर द्विवेदी	सहायकाचार्य	व्याकरण
11.	डॉ. महीपाल सिंह	सहायकाचार्य	साहित्य
12.	डॉ. ओम प्रकाश साहनी	सहायकाचार्य	हिन्दी
13.	डॉ. पंकज	सहायकाचार्य	साहित्य
14.	डॉ. मनोज श्रीमाल	सहायकाचार्य	ज्योतिष
15.	डॉ. पुरुषोत्तम	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र
16.	डॉ. विजय सिंह मीणा	सहायकाचार्य	साहित्य
(गैर शैक्षणिक कर्मचारी)			
18.	श्रीमती अनुराधा	अनुभागाधिकारी	
19.	श्री विक्रमजीत	प्रोफेशनल असिस्टेंट, पुस्तकालय	
20.	श्री प्रमोद कुमार	तकनीकी सहायक (प्रयो.) शिक्षाशास्त्र	
21.	श्री अंजू गोस्वामी	प्रवर श्रेणी लिपिक	
22.	श्री जगदीश कुमार	प्रवर श्रेणी लिपिक	
23	श्री प्यारे लाल शर्मा	प्रवर श्रेणी लिपिक	
24.	श्री हरेन्द्र	अवर श्रेणी लिपिक	
25.	श्री नमन	अवर श्रेणी लिपिक	
26.	श्री जतिन	अवर श्रेणी लिपिक	
27.	श्री अनिल कुमार	मल्टी टास्किंग स्टॉफ	
28.	श्री रतन चन्द	मल्टी टास्किंग स्टॉफ	
29.	श्रीमती स्वागना देवी	मल्टी टास्किंग स्टॉफ	
30.	श्रीमती मनीषा	मल्टी टास्किंग स्टॉफ	
31.	श्री राजेश कुमार	स्टाफ कार ड्राइवर (तदर्थ)	
32.	श्री संदीप कुमार	मल्टी टास्किंग स्टॉफ (तदर्थ)	
33.	श्री कमल कौशल	मल्टी टास्किंग स्टॉफ (तदर्थ)	

10. भोपाल परिसर, भोपाल (मध्यप्रदेश)

क्रमांक	नाम	पद का नाम	विभाग
(शैक्षणिक कर्मचारी)			
1.	प्रो. हंसधर झा	निदेशक	ज्योतिष विद्याशाखा
2.	प्रो. सुबोध शर्मा	आचार्य	व्याकरण विद्याशाखा
3.	प्रो. भारतभूषण मिश्र	आचार्य	ज्योतिष विद्याशाखा
4.	प्रो. सनन्दन कुमार त्रिपाठी	आचार्य	साहित्य विद्याशाखा
5.	प्रो. श्रीगोविन्द्र पाण्डेय	आचार्य/सह-निदेषक	शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा
6.	प्रो. अर्चना दुबे	आचार्य	भारतीय भाषा विद्याशाखा
7.	प्रो. सोमनाथ साहु	आचार्य	शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा
8.	प्रो. अषोक कुमार कछवाह	आचार्य	शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा
9.	प्रो. प्रदीप कुमार पाण्डेय	आचार्य	व्याकरण विद्याशाखा

10.	प्रो. कैलास चन्द्र दास	आचार्य	व्याकरण विद्याशाखा
11.	प्रो. कृपाशंकर शर्मा	आचार्य	साहित्य विद्याशाखा
12.	प्रो. योगेश कुमार जैन	आचार्य	जैन दर्शन विद्याशाखा
13.	डा. नरेष कुमार पाण्डेय	सहाचार्य	व्याकरण विद्याशाखा
14.	डा. संगीता गुन्देचा	सहाचार्य	साहित्य विद्याशाखा
15.	डा. पवन व्यास	सहाचार्य	दर्शन विद्याशाखा
16.	डा. नन्द किशोर तिवारी	सहाचार्य	व्याकरण विद्याशाखा
17.	डा. प्रताप	सहायकाचार्य	जैन दर्शन विद्याशाखा
18.	डा. जि. नरसिंहुलु	सहायकाचार्य	दर्शन विद्याशाखा
19.	डा. नितिन कुमार जैन	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा
20.	डा. कृष्णाकान्त तिवारी	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा
21.	डा. रजनी वी. जी	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा
22.	डा. एस. कृष्णा	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा
23.	डा. गोविन्द सरकार	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा
24.	डा. राकेश कुमार वर्मा	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा
25.	डा. कृष्णानन्द दन्नाना	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा
26.	डा. रागिनी शर्मा	सहायकाचार्य	शिक्षाशास्त्र विद्याशाखा
27.	डा. रजनी	सहायकाचार्य	ज्योतिष विद्याशाखा
28.	डा. घनश्याम मिश्र	सहायकाचार्य	दर्शन विद्याशाखा
(गैर शैक्षणिक कर्मचारी)			
29.	श्री कुमार रोहित	सहायक पुस्तकालय	
30.	श्री मनीष लोहनी	अनुभाग अधिकारी	
31.	श्री वामदेव मिश्र	सहायक	
32.	श्रीमती नम्रता माथुर	प्रवर श्रेणी लिपिक	
33.	श्री आषु	अवर श्रेणी लिपिक	
34.	श्री करूणेष कुमार	अवर श्रेणी लिपिक	
35.	श्री प्रेमशंकर राम	मल्टी टास्किंग स्टॉफ	
36.	श्री अजीत सिंह	मल्टी टास्किंग स्टॉफ	
37.	श्री बसन्त नायक	मल्टी टास्किंग स्टॉफ	
38.	श्री अमित सैनी	मल्टी टास्किंग स्टॉफ	
39.	श्री संजय	मल्टी टास्किंग स्टॉफ	
40.	श्री सुधांपु कनौजीया	मल्टी टास्किंग स्टॉफ	

11. नासिक परिसर, मुंबई (महाराष्ट्र)

क्रमांक	नाम	पदकानाम	विभाग
		(शैक्षणिक कर्मचारी)	
1.	प्रो. नीलाभ तिवारी	निदेशक	शिक्षा शास्त्र
2.	डॉ. कुमार	सहायक आचार्य	शिक्षा शास्त्र
3.	डॉ. दाताराम पाठक	सहायक आचार्य	शिक्षा शास्त्र
4.	डॉ. विद्याधर प्रभल	सहायक आचार्य	शिक्षा शास्त्र
5.	डॉ. दशरथ भारासागर	सहायक आचार्य	शिक्षा शास्त्र
		(गैर शैक्षणिक कर्मचारी)	
6	श्री. सी. आर. जोशी	अनुभाग अधिकारी	
7.	श्री. शुभम चौरसिया	कनिष्ठ श्रेणी लिपिक	
8.	श्री. इसम सिंह	एम्.टी.एस.	
9.	श्री. जीतेश कुमार मीना	एम्.टी.एस.	

12. एकलव्यपरिसर, अगरतला, (पश्चिम त्रिपुरा)

क्रमांक	नाम	पदकानाम	विभाग
		(शैक्षणिक कर्मचारी)	
1.	प्रो. प्रभात कुमार महापात्र	निदेशक	
2.	प्रो. अवधेश कुमार चौबे	आचार्य	
3.	प्रो. डॉ. बुलुसु पद्म मित्र श्रीनिवास	आचार्य	
4.	प्रो. बिश्व रंजन पति	सह आचार्य	दिनांक 12/06/2024 तक कार्यरत थे, उसके बाद स्थानांतरण हो गया
5.	डॉ. उमेश चन्द्र मिश्र,	सह आचार्य	
6.	डॉ. परितोष दास	सह आचार्य	
7.	डॉ. बि.वेंकट लक्ष्मीनारयण	सहायक आचार्य	दिनांक 22/10/2024 तक कार्यरत थे, उसके बाद स्थानांतरण हो गया
8.	डॉ. आर्. शिवरामकृष्ण सिंह	सहायक आचार्य	
9.	डॉ. नन्ददुलाल मण्डल	सहायक आचार्य	
10.	डॉ. अनुप विश्वास	सहायक आचार्य	
11.	डॉ. विजय कुमार जेना	सहायक आचार्य	
12.	डॉ. गणेश्वर नाथ झा	सहायक आचार्य	दिनांक 25/10/2024 तक कार्यरत थे, उसके बाद स्थानांतरण हो गया

13.	डॉ. श्रीकर जि.एन्	सहायक आचार्य	
14.	डॉ. मनोज कुमार साहु	सहायक आचार्य	
15.	डॉ. नेपाल दास	सहायक आचार्य	
16.	डॉ. स्वर्ग कुमार मिश्र	सहायक आचार्य	
17.	डॉ. सुमन आचार्य	सहायक आचार्य	
18.	डॉ.गोविंद सरकार	सहायक आचार्य	
		(गैर शैक्षणिक कर्मचारी)	
19.	श्री पूर्ण चन्द्र मिश्रा	उच्च श्रेणी लिपिक	दिनांक 25/05/2024 तक कार्यरत थे, उसके बाद स्थानांतरण हो गया
20.	श्री सुधांशु सोनी	पुस्तकालय सहायक	
21.	श्री सिद्धनाथ कुमार	निम्न श्रेणी लिपिक	
22.	श्री सतीश कुमार मीना	निम्न श्रेणी लिपिक	
23.	श्री मृणाल स्वाल	मल्टी-टास्किंग स्टाफ	
24.	श्री रमेश	मल्टी-टास्किंग स्टाफ	
25.	श्री कर्मबीर	मल्टी-टास्किंग स्टाफ	
26.	श्री बिट्टू कुमार	मल्टी-टास्किंग स्टाफ	

13. श्री रघुनाथकीर्ति परिसर, देवप्रयाग, पौडी गढ़वाल (उत्तराखण्ड)

क्रमांक	नाम	पदकानाम	विभाग
		(शैक्षणिक कर्मचारी)	
1.	प्रो. पी.वी.बी. सुब्रह्मण्यम	आचार्य/ निदेशक	ज्योतिष
2.	प्रो. चंद्रकला आर. कोंडी	आचार्या	साहित्य
3.	प्रो. विजयपाल शास्त्री	आचार्य	साहित्य
4.	डॉ. सच्चिदानंद स्नेही	सहाचार्य	न्याय
5.	डॉ. अनिल कुमार	सहायकाचार्य	साहित्य
6.	डॉ. ब्रह्मानंद मिश्रा	सहायकाचार्य	ज्योतिष
7.	डॉ. गणेश्वरनाथ झा	असिस्टेंट प्रोफेसर	व्याकरणविधाशाखा
8.	डॉ. शैलेन्द्र उनियाल	असिस्टेंट प्रोफेसर	वेद विधाशाखा
9.	डॉ. शैलेन्द्र नारायण कोटियाल	असिस्टेंट प्रोफेसर	साहित्यविधाशाखा
10.	डॉ. सुशील बडोनी	असिस्टेंट प्रोफेसर	साहित्यविधाशाखा
11.	डॉ. सूर्यमणि भण्डारी	असिस्टेंट प्रोफेसर	व्याकरणविधाशाखा
12.	डॉ० रश्मिता	असिस्टेंट प्रोफेसर	योगविज्ञानविधाशाखा
		(गैर शैक्षणिक कर्मचारी)	
13.	श्री नवीन डोबरियाल	पुस्तकालयाध्यक्ष	
14.	श्री सम्पूर्णा नन्द नौरियाल	स्टेनोग्राफर	

15.	श्री राहुल	अवर श्रेणी लिपिक	
16.	श्री हितेश	अवर श्रेणी लिपिक	
17.	श्री दीपक	मल्टी टास्किंग स्टाफ	
18.	श्री जयदीप वत्स	मल्टी टास्किंग स्टाफ	
19.	श्री सुखबीर	मल्टी टास्किंग स्टाफ	
20.	श्री पंकज कुमार	मल्टी टास्किंग स्टाफ	

विद्यावारिधि (पीएचडी) उपाधि प्राप्त शोध छात्रों का विवरण (01.04.2024 से 31.03.2025 तक)

Sr. No.	Name of Scholar	Roll No.	Name of Campus	Title of Thesis	Subject
1.	मनीष मोदगिल	16-2248	वेदव्यास परिसर, बलाहर	संस्कृत-संस्कृतेत्तरछात्राध्यापकानां शिक्षणाभिक्षमता-नेतृत्ववरीयस्त्वं-समायोजनं-निर्णयक्षमतानां तुलनात्मकमध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
2.	अम्बिका महारणा	16-2243	वेदव्यास परिसर, बलाहर	पञ्चदश्याः कल्याणपीयूष-व्याख्यायाः पञ्चदीपप्रकरणानां समीक्षात्मकमध्ययनम्	अद्वैतवेदान्त
3.	मणेर मैत्रेयी नन्दकुमार	16-2266	नासिक परिसर, नासिक	अप्पादीक्षितविरचितस्य पाणिनिसूत्रप्रकाश इत्याख्यस्य पाण्डुलिपिग्रन्थस्य प्रथमाद्वितीयतृतीयाध्यायानां सम्पादनम् अनुशीलनञ्च	नव्यव्याकरण
4.	नितिन शर्मा	16-2193	श्री रणवीर परिसर, जम्मू	भट्टिकाव्ये प्रयुक्तानां धातुप्रत्ययानां सङ्गणकसहकृतम् अध्ययनम्	व्याकरण
5.	अनुराग	16-2264	वेदव्यास परिसर, बलाहर	ग्रहपीडोपशमने वनस्पतीनां प्रयोगसन्दर्भे पर्यावरणशिक्षायाः योगदानम्	ज्यौतिष
6.	अभिषेक कुमार	16-2249	जयपुर परिसर, जयपुर	कन्दालयार्यविरचितालङ्कारशिरो-भूषणस्य सम्पादनं समीक्षणञ्च	साहित्य
7.	ज्योतिर्मयी परिडा	16-2258	श्री सदाशिव परिसर, पुरी	श्रीमद्भागवते ऋग्वेदीयदेवतत्त्वस्य स्वरूपपर्यालोचनम्	वेद
8.	योगिता दिलीप छत्रे	16-2269	राजीव गांधी परिसर, श्रृंगेरी	श्रीहर्षकीर्तिसूरिविरचितायाः धातुतरङ्गिण्याः पाठसमीक्षात्मकं सम्पादनमध्ययनं च	नव्यव्याकरण
9.	उषा शर्मा	16-2217	भोपाल परिसर, भोपाल	संस्कृताध्यापकानामाधुनिकाध्यापकानाञ्च जनसंख्याशिक्षाविषयकाभि-वृत्तेः तुलनात्मकमध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
10.	कमल कृष्ण पाल	16-2221	एकलव्य परिसर, अगरतला	प्रो. सुधीकान्तभारद्वाजविरचितस्य परशुरामोदयमहाकाव्यस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	साहित्य
11.	उमेश कुमार	16-2245	वेदव्यास परिसर, बलाहर	भारतीयज्योतिषे मन्दिरप्रसङ्गः हिमाचलप्रदेशपरिप्रेक्ष्ये तत्समीक्षणञ्च	ज्योतिष

12.	मुकेश कुमार	16-2255	भोपाल परिसर, भोपाल	बृहत्संहितायां वास्तुविद्याध्याय-प्रासादलक्षणाध्याययोः समीक्षात्मकमध्ययनम्	ज्योतिष
13.	वैजयन्ती माला	16-2283	श्री रघुनाथकीर्ति परिसर, देवप्रयाग	वृष्ट्याधारितानामुत्पातानां ज्योतिषशास्त्रीयं समीक्षणम्	ज्योतिष
14.	सुभाषिनी उमराव	16-2272	लखनऊ परिसर, लखनऊ	रामायणस्य अरण्यकाण्डस्य देवरामभट्टकृतविषमपदार्थव्याख्यान टीकायाः समीक्षात्मकं सम्पादनम्	साहित्य
15.	दिव्यान्शु शर्मा	16-2247	जयपुर परिसर, जयपुर	ज्योतिः शास्त्रदृशा पारस्करगृह्यसूत्रस्यानुशीलनम्	वेद
16.	आशीष शर्मा	16-2256	जयपुर परिसर, जयपुर	बलभद्रविरचितस्य हायनरत्नग्रन्थस्य सम्पादनं समीक्षणञ्च	ज्योतिष
17.	तन्मय राय	16-2285	एकलव्य परिसर, अगरतला	श्रीजीवन्यायतीर्थप्रणीतपाण्डव-विक्रममहाकाव्यस्य काव्यशास्त्रीयसमीक्षणम्	साहित्य
18.	विकाश चन्द्र पाण्डेय	16-2196	गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज	शौनककृतऋग्विधानस्य सुबोधपद-पञ्जिकाटीकायाः सम्पादनं साहित्यिकं सामाजिकञ्चाध्ययनम्	वेद
19.	राम देव	16-2250	राजीव गांधी परिसर, श्रृंगेरी	भवानन्दीयस्य महादेवपुणतामकर-विरचितसर्वोपकारिणीव्याख्यायाः पाठसमीक्षात्मकं सम्पादनम्	नव्यन्याय
20.	अमरीश कुमार	16-2209	लखनऊ परिसर, लखनऊ	पारम्परिकाधुनिकशैक्षिकमूल्यांकन-प्रणाल्योः तुलनात्मकमध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
21.	गोपाल कृष्ण मिश्र	16-2292	श्री सदाशिव परिसर, पुरी	पण्डितश्रीचन्द्रमाधवझाशर्मप्रणीत-प्रायश्चित्तनिर्णयस्य समीक्षात्मकं सम्पादनम्	धर्मशास्त्र
22.	अनिल कुमार	16-2246	वेदव्यास परिसर, बलाहर	कालिदासकृतिषु ज्यौतिषतत्त्वानां मनोवैज्ञानिकम् अनुशीलनम्	ज्योतिष
23.	जया टण्डन	16-2270	मुख्यालय परिसर, नई दिल्ली	स्वामिश्रीभारतीकृष्णतीर्थविरचितस्य स्तोत्रभारतीकण्ठहारस्य स्तोत्राणां समीक्षात्मकमनुशीलनम्	साहित्य
24.	सम्राट गाङ्गुली	16-2275	गुरूवायूर परिसर, केरल	वङ्गप्रदेशस्थ-प्राचीनसंस्कृत-शिक्षायाः समीक्षा, वर्तमानकाले तत्प्रासङ्गिकता च	शिक्षाशास्त्र
25.	आशीष कुमार शर्मा	16-2286	जयपुर परिसर, जयपुर	वरिष्ठोपाध्यायकक्षाध्येतृषु संस्कृतभाषाभ्यासपाठ्यक्रमस्य प्रायोगिकमध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
26.	नागपति हेगड़े	16-2252	राजीव गांधी परिसर, श्रृंगेरी	केशवीयजातकपद्धतेः नारायण. दैवज्ञकृतस्य जातककौस्तुभाख्यस्य व्याख्यानस्य पाठसमीक्षात्मकं सम्पादनम् अध्ययनञ्च	ज्योतिष
27.	अक्षय शर्मा	16-2293	गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज	नन्दसमुच्चयस्य साहित्यकं सांस्कृतिकाञ्चाध्ययनम्	साहित्य

28.	अलका यादव	16-2260	गंगानाथ झा परिसर, प्रयागराज	आचार्याभिराजराजेन्द्रमिश्रविरचितगीतभारतस्य समीक्षात्मकम् अध्ययनम्	साहित्य
29.	मीनाक्षी गौतम	16-2207	लखनऊ परिसर, लखनऊ	अभिराजराजेन्द्रमिश्रप्रणीतनाट्य-नवरत्नस्य नाट्यशास्त्रीयमध्ययनम्	साहित्य
30.	मनीषा आर्या	16-2282	जयपुर परिसर, जयपुर	कविवरजयदेवप्रणीतगीतगोविन्दस्य नारायणीटीकाया: समीक्षात्मकं सम्पादनम्	साहित्य
31.	पद्मराज रेग्मी	16-2279	नासिक परिसर, नासिक	माध्यन्दिनसंहितामन्त्रेषु कृष्योषधिविज्ञानस्य अध्ययनम्	वेद
32.	सम्प्रीति घोष	16-2280	श्री सदाशिव परिसर, पुरी	कालीपदतर्काचार्यकृतस्य नाटकचक्रस्य समालोचनात्मक-मध्ययनम्	साहित्य
33.	शिक्षा	16-2273	जयपुर परिसर, जयपुर	सुबन्धुप्रणीतवासवदत्तायास्तत्त्व-दीपिनीटीकाया: समीक्षात्मकं सम्पादनम्	साहित्य
34.	स्वागतिका महारणा	16-2277	श्री सदाशिव परिसर, पुरी	रामचरितमानसस्य अद्वैतवेदान्तदृशा ज्ञान-कर्म-भक्तिसमुच्चयविमर्श:	अद्वैतवेदान्त
35.	वेंङ्कटेश्वर पाण्डेय	16-2271	लखनऊ परिसर, लखनऊ	आदितस्त्रिप्रश्नाधिकारपर्यन्तं सूर्यसिद्धान्तस्य समीक्षात्मक-मध्ययनम्	ज्योतिष
36.	बालचन्द्र कृष्ण भट्ट	16-2281	राजीव गांधी परिसर, श्रृंगेरी	रघुवंशस्य श्रीमक्किभट्टविरचित-विवरणव्याख्याया: आदिमसर्ग-पञ्चकस्य पाठसमीक्षात्मकं सम्पादनम् अध्ययनञ्च	साहित्य
37.	सन्नी शर्मा	16-2265	वेदव्यास परिसर, बलाहर	शुक्रनीते: पृष्ठभूमौ आधुनिक-समाजस्य मूल्यबोधनिर्धारणम्	साहित्य
38.	रश्मिता जेना	16-2229	श्री सदाशिव परिसर, पुरी	श्रीमद्विश्वनाथपञ्चाननभट्टाचार्य-प्रकाशानन्दयतिकृतमुक्तावल्यो: समीक्षणात्मकमध्ययनम्	नव्यन्याय
39.	रेखा शर्मा	16-2290	जयपुर परिसर, जयपुर	नेपालदेशे साम्प्रतिकसंस्कृत-साहित्यप्रणयनपरम्परा	साहित्य
40.	टुइङ्किल राउत	16-2298	श्री सदाशिव परिसर, पुरी	श्रीमहामहोपाध्यायराघवोपाध्याय-विरचिततिथितत्त्वनिर्णयस्य समीक्षात्मकं सम्पादनम्	धर्मशास्त्र
41.	सीतांशु रंजन दाश	16-2278	श्री सदाशिव परिसर, पुरी	चन्द्रिकाकातन्त्रव्याकरण-योस्तुलनात्मकमध्ययनम्	व्याकरण
42.	संघमित्रा साहु	16-2094	श्री सदाशिव परिसर, पुरी	गोविन्दचन्द्रमिश्रप्रणीतस्य श्रीजगन्नाथविलासनाटकस्य नाट्यशास्त्रीयमध्ययनम्	साहित्य

43.	सुनील भट्ट	16-2251	राजीव गांधी परिसर, श्रृंगेरी	श्रीनीलकंठवाजपेयिविरचित-सिद्धान्तकौमुदीव्याख्याया: सुखबोधिन्याख्याया: तिङ्न्तप्रकरणस्य पाठसमीक्षात्मकं सम्पादनमध्ययञ्च	व्याकरण
44.	बीथिका कुण्डु	16-2303	जयपुर परिसर, जयपुर	अलिविलासिसंलापग्रन्थस्य (पूर्वार्धनास्तिकभागस्य) शब्दशास्त्रीयाध्ययनम्	व्याकरण
45.	प्रियङ्का नायक	16-2299	श्री सदाशिव परिसर, पुरी	कृष्णमाधवज्ञाप्रणीतस्य मलमास-विचारस्य सम्पादनमनुशीलनञ्च	धर्मशास्त्र
46.	विनायक शर्मा	16-2302	लखनऊ परिसर, लखनऊ	जातककर्मपद्धते: हर्षदैवज्ञकृत-व्याख्याया: समीक्षात्मकं सम्पादनम् परिशीलनञ्च	ज्योतिष
47.	जयन्त मण्डल	16-2295	श्री सदाशिव परिसर, पुरी	पुरुषार्थचतुष्ट्यविचारे अथर्ववेद-श्रीमद्भागवतयो: तुलनात्मकमध्ययनम्	वेद
48.	मोहित जोशी	16-2301	श्री रघुनाथकीर्ति परिसर, देवप्रयाग	कच्छवंशमहाकाव्यस्य काव्यशास्त्रीयमध्ययनम्	साहित्य
49.	मणिदीपा भट्टाचार्जी	16-2284	एकलव्य परिसर, अगरतला	वेदान्तदर्शनस्य प्रभावेण प्रभावितो महाकवि: कालिदास:	साहित्य
50.	निहारिका महापात्र	16-2276	श्री सदाशिव परिसर, पुरी	त्रिपुराराज्यस्थमाध्यमिकविद्यालयेषु अधीयानच्छात्राणां संस्कृतोपलब्धौ शिक्षणक्षमता-अध्ययनाभ्यासयो: प्रभावस्याध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
51.	मधुमिता दास	16-2311	श्री सदाशिव परिसर, पुरी	मोक्षाकरगुप्तकृतबौद्धतर्कभाषाया: रैखिकप्रतिनिरूपणम्	सर्वदर्शन
52.	भास्कर च्याटार्जी	16-2287	भोपाल परिसर, भोपाल	स्वातन्त्र्योत्तरवङ्गभूमौ विरचितानां राजनैतिकसमस्याधारितरूपकाणां समीक्षणम्	साहित्य
53.	प्रताप	16-2318	भोपाल परिसर, भोपाल	आचार्यकुन्दकुन्दकृतप्रवचन-सारग्रन्थस्य दार्शनिकतत्त्वानां सामाजिकोपयोगित्वसमीक्षणम्	जैनदर्शन
54.	विपिन कुमार	16-2261	वेदव्यास परिसर, बलाहर	प्रारब्धफलकथनस्य समसामयिक. विमर्श: शैक्षिकदृष्ट्या तत् समीक्षणं च	ज्योतिष
55.	भुवनेश शर्मा	16-2300	जयपुर परिसर, जयपुर	श्रीश्यामसाहगुरु.शंकरविरचितवास्तु. शिरोमणिग्रन्थस्य सम्पादनं समीक्षणञ्च	ज्योतिष
56.	निरंजन भट्ट	16-2253	श्री राजीव गांधी परिसर, श्रृंगेरी	गणेशपुराणोक्तानाम् अद्वैतसिद्धान्तानां समीक्षात्मकमध्ययनम्	अद्वैतवेदान्त
57.	नेहा श्रीवास्तव	16-2289	लखनऊ परिसर, लखनऊ	पारम्परिकाधुनिकच्छात्राध्यापकानां व्यक्तित्वविद्यालयपरिवेश-समायोजनानां जीवनकौशलाधृत. शिक्षायां प्रभावस्याध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र

58.	नेहा बाजपेयी	16-2291	लखनऊ परिसर, लखनऊ	काशिकायाः सप्तमाष्टमाध्याययोः प्रत्युदाहरणानां व्याकरणदृष्ट्या प्रक्रियाविमर्शः	व्याकरण
59.	विनयकिरण एच.	16-2238	श्री राजीव गांधी परिसर, श्रृंगेरी	श्रीरामेश्वरभारतीविरचितस्य वैयासिकसूत्रोपन्यासस्य समीक्षात्मकं सम्पादनम् अध्ययनञ्च	अद्वैतवेदान्त
60.	खेम राज	16-2317	वेदव्यास परिसर, बलाहर	हिमाचलप्रदेशस्य मण्डीकुल्लू जनपदयोः प्रचलितपर्वतीयभाषायां संस्कृतप्रभावः	व्याकरण
61.	अवधेश कुमार पाण्डेय	16-2274	लखनऊ परिसर, लखनऊ	आचार्यक्षेमेन्द्रप्रणीतस्य नर्ममालादेशोपदेशकाव्यद्वयस्य पर्यालोचनम्	साहित्य
62.	रत्नेश कुमार त्रिपाठी	16-2294	लखनऊ परिसर, लखनऊ	सांख्यबौद्धदर्शनयोः तुलनात्मकमध्ययनम्	दर्शन
63.	चुनी लाल	16-2263	वेदव्यास परिसर, बलाहर	ज्योतिषशास्त्रीयवृक्षायुर्वेदविमर्शः पर्यावरणशिक्षादृष्ट्या तत्समीक्षणञ्च	ज्योतिष
64.	मुरलीकृष्ण. वि	16-2308	श्री राजीव गांधी परिसर, श्रृंगेरी	होराकृष्णीयस्य प्रश्नशास्त्रदृष्ट्या समीक्षात्मकमध्ययनम्	ज्योतिष
65.	संदीप कुमार शर्मा	16-2297	जयपुर परिसर, जयपुर	जयपुरमण्डलस्य पारम्परिकाधुनिक विद्यालययोश्छात्राणां नैतिकाध्यात्मिकमूल्यानां तुलनात्मकमध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
66.	शर्मिष्ठा मिश्र	16-2296	श्री सदाशिव परिसर, पुरी	श्रीकाश्मीरिकसदानन्दयतिविरचितस्य स्वरूपप्रकाशग्रन्थस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	अद्वैतवेदान्त
67.	जनार्दन सुवेदी	16-2315	श्री राजीव गांधी परिसर, श्रृंगेरी	तत्त्वचिन्तामणिव्याख्यापरम्परायां व्याप्तिपक्षतावयवप्रकरणेषु उल्लिखितानां न्यायानां विमर्शः	नव्यन्याय
68.	चारुलता राउत	16-2288	श्री सदाशिव परिसर, पुरी	दत्तात्रेयकृतयोगशास्त्रस्य समीक्षात्मकमध्ययनम्	सांख्ययोग
69.	गणेश भट्ट	16-2307	श्री राजीव गांधी परिसर, श्रृंगेरी	केशवीयजातकपद्धतेः विश्वनाथ भट्टकृतव्याख्यानस्य पाठसमीक्षात्मकं सम्पादनम् अध्ययनञ्च	ज्योतिष
70.	प्रदीप कुमार पाण्डेय	16-2312	जयपुर परिसर, जयपुर	प्राथमिकात् स्नातकान्तस्तरेषु संस्कृतभाषाशिक्षणे कथानां प्रभावस्य परिशीलनात्मकमध्ययनम्	शिक्षाशास्त्र
71.	जुबुलि षडङ्गी	16-2309	श्री सदाशिव परिसर, पुरी	श्रीमद्भागवतीयस्तुतीनां दार्शनिकं विश्लेषणम्	अद्वैतवेदान्त
72.	नागकौमुदी आर.	16-2267	श्री राजीव गांधी परिसर, श्रृंगेरी	सिद्धान्तकौमुद्याः व्याख्ययोः शरद्रात्रि – बालमनोरमयोः अव्ययप्रकरणान्त भागस्य तुलनात्मकम् अध्ययनम्	व्याकरण
73.	देबाशिष पाणिग्राही	16-2305	श्री सदाशिव परिसर, पुरी	कृष्णसिंहठाकुर-पण्डितराज जगन्नाथप्रणीतयोः गङ्गालहर्योः तुलनात्मकमध्ययनम्	साहित्य

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय सबद्ध संस्थाएं

अरुणाचल प्रदेश

1. सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ हिमालयन कल्चर स्टडीज, दाहुंग, पीओ - टेंगा मार्केट, कामेंग जिला, अरुणाचल प्रदेश - 790116

बिहार

2. जगदीश नारायण ब्रह्मचारी आश्रम संस्कृत विद्यालय, एटी/पीओ- लगमा (राम भद्रपुर), वाया- लोहना रोड, जिला। दरभंगा - 847407 (बिहार)
3. देवराहा बाबा भक्तशिव शंकर संस्कृत महाविद्यालय, (संस्कृत नगर), रामचन्द्रपुर, अंधैल, पो.- पटैली, वाया- उजियारपुर, जिला, समस्तीपुर - 848132
4. डॉ. रामजी मेहता आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, मालीघाट, मुजफ्फरपुर - 842001
5. राजकुमारी गणेश शर्मा आदर्श संस्कृत विद्यापीठ, पीओ कोल्हांटा पटोरी, जिला-दरभंगा - 846003 (बिहार)
6. सरस्वती आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, जिला. बेगुसराय - 851101 (बिहार)
7. श्री राम सुन्दर संस्कृत विश्व विद्या प्रतिष्ठान, लक्ष्मीनाथ नगर, रामौली बेलोन वाया- बहेड़ा, जिला - दरभंगा - 847201
8. डॉ. मंडन मिश्र संस्कृत महाविद्यालय, संजात, जिला बेगुसराय, (बिहार)-851120
9. लक्ष्मी हरिकांत संस्कृत प्राथमिक साह - मध्यमिक विद्यालय, झंझारपुर, जिला-मधुबनी-847404 (बिहार)
10. दीनानाथ मिथिला संस्कृत विद्यापीठ, ग्राम- कालीधाम, पोस्ट। कथारा, जिला-दरभंगा-847423 (बिहार)
11. अजीत कुमार संस्कृत शिक्षण संस्थान, उमाकांत नगर, पीओ लधौरा, जिला-समस्तीपुर – 848302 (बिहार)
12. जगदीश नारायण ब्रह्मचार्य आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, एटी/पीओ- लगमा, वाया लोहना रोड, जिला। दरभंगा - 847407 (बिहार)

दिल्ली

13. श्री मोतीनाथ संस्कृत महाविद्यालय, रमेश नगर, नई दिल्ली-110015
14. वसंत ग्राम आदर्श संस्कृत विद्यालय, वसंत विहार, नई दिल्ली-110057
15. शारदा देवी संस्कृत विद्यापीठ, गली नंबर 1021-1024, शक्ति मंदिर, दरिया गंज, नई दिल्ली-110002
16. श्री महावीर विश्व विद्यापीठ, ए-6, पश्चिम विहार, चौधरी बलबीर सिंह मार्ग, नई दिल्ली-110063
17. श्री हनुमान संस्कृत महाविद्यालय, एफ-487/3, रघुबीर नगर, नई दिल्ली-110027
18. आर्य कन्या गुरुकुल, न्यू राजेंद्र नगर, नई दिल्ली-110060
19. राम ऋषि संस्कृत महाविद्यालय, कराला, दिल्ली-110081
20. आदर्श संस्कृत विद्यापीठ, हरेवली, दिल्ली-110039
21. बाल विद्या मंदिर, (रोहिणी के पास, सेक्टर-20), पूठ कला, दिल्ली-110041
22. कार्यकारी अधिकारी, संस्कृत प्रमोशन फाउंडेशन वेद भवनम, 11204/5, दूसरी मंजिल गौशाला मार्ग, डोरीवालान दिल्ली - 110006

23. महर्षि वेद व्यास विद्यापीठ, आनंद धाम आश्रम, बक्करवाला, मार्ग नांगलोई, नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली
24. वेदव्यास-गुरुकुलम, श्री कृष्ण धाम, प्लॉट - 3, चरण -II, इंस्टीट्यूशन एरिया वसंतकुज, नई दिल्ली
25. श्री स्वामी सर्वानंद संस्कृत महाविद्यालय, श्री गुरु राम राय उदासीन अशर्मा, आरामबाग, नई दिल्ली - 110055
26. लक्ष्मी नारायण संस्कृत विद्यालय, गली नं.-5, भगवान परशुराम चौक, शिव मंदिर के पास, स्वरूप विहार, दिल्ली - 110036
27. विश्व जागृति मिशन इंटरनेशनल योग स्कूल, आनंद धाम आश्रम, बक्करवाला, मार्ग नांगलोई, नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली-110041

गुजरात

28. श्री रघुवर रामानन्द वेदांत महाविद्यालय, श्री कौशलेंद्र मठ, सुरखेज रोड, पीओ प्लाडी, अहमदाबाद-380007 (गुजरात)
29. हेमचंद्राचार्य संस्कृत पाठशाला, साबरमती अहमदाबाद, नीरा जैन सोसायटी के पास, रामनगर, अहमदाबाद, गुजरात - 380005

हरियाणा

30. आलोक संस्कृत महाविद्यालय, महेंद्रगढ़, (मौहल्ला) पडावा, हरियाणा–123039
31. हरियाणा संस्कृत विद्यापीठ, डाकघर - बघोला, पलवल, जिला-फरीदाबाद- 121102 हरियाणा
32. श्री राम नंद ब्रह्मर्षि संस्कृत महाविद्यालय, विराट नगर, पिंजौर-134102 (हरियाणा)
33. श्री लज्जाराम संस्कृत विद्यालय, तीर्थ, पांडु पिंडारा, जिंद (हरियाणा)-126102
34. श्री लज्जाराम संस्कृत महाविद्यालय, तीर्थ, पांडु पिंडारा, जिंद (हरियाणा)-126102
35. डी.के.के.एस.डी आदर्श संस्कृत कॉलेज, अंबाला कैंट (लाहौर), जगाधरी रोड अंबाला कैंट। (लाहौर), हरियाणा - 133001
36. श्री सनातन धर्म संस्कृत महाविद्यालय, गौशाला मार्बिट के पास, शिक्षा मार्ग, भिवानी हरियाणा
37. श्री जयराम विद्यापीठ, कुरुक्षेत्र, भर्मसरोवर, थानेसर, कुरुक्षेत्र, हरियाणा - 136118

हिमाचल प्रदेश

38. श्री अरविन्द संस्कृत महाविद्यालय, शांत शिक्षा एवं सामाजिक वेलफेयर सोसायटी, सनारली, पीओ भंथा, तहसील, करसोग, जिला मंडी, हिमाचल प्रदेश

जम्मू और कश्मीर

39. श्री गुरु गंगादेवजी संस्कृत महाविद्यालय, शिवकाशी, सुंदरवाणी, जिला। राजौरी, (जम्मू)-185153
40. श्री माता वैष्णो देवी गुरुकुल, चरणपादुका, पुराण दारूर, तहसील- कटरा, जिला। रियासी, जम्मू-कश्मीर - 182301

झारखंड

41. लक्ष्मी देवी श्रॉफ आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, हरिशरणम कुटीर, काली रेखा, जिला-देवघर -814112 (झारखंड)।

केरल

42. भारतीय संस्कृत महाविद्यालय, पिल्थारा रोड, वाया- मंडूर, जिला। कन्नूर-670501 (केरल)
43. श्री राम कृष्ण आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, रामकृष्ण मठ, पोअरुणापुरम, पल्ले, जिला कोट्टायम-686574 (केरल)
44. श्री शंकर संस्कृत विद्यापीठ, पीओ इदकोडुम, वाया- इज़ुकोन, जिला। किवलॉन-691505 (केरल)
45. कालीकट आदर्श संस्कृत विद्यापीठ, पीओ बालुसेरी, जिला। कालीकट-673612 (केरल)
46. कोडुन्गल्लुर विद्यापीठ्म, पैलेस रोड, पीओ कोंडगलूर, जिला। त्रिशूर-680664 (केरल)।

47. माहेश्वरी संस्कृत कॉलेज, ग्राम एवं डाकघर कन्नूर, जिला-कोझिकोड-673619 (केरल)
48. चिन्मय इंटरनेशनल फाउंडेशन आदि शंकर निलयम, वेलियानाड एर्नाकुलम, केरल - 682313
49. विघ्नेश्वर संस्कृत महाविद्यालय, पोंगिनी, कनियमबेट्टा, पीओ वेयनाड, केरल - 670124
50. थंथरा विद्यापीठ्म, यूसी कॉलेज, पीओ अलुवा, केरल - 683102
51. शारदा गुरुकुलम, नागार्जुन चैरिटीज़, चेम्मांडा, केरलम, त्रिशूर- जिला, केरल-680711
52. वेद गुरुकुलम, करालमन्ना (पीओ), पलक्कड़ (जिला), केरल - 679506

मध्य प्रदेश

53. स्वामी संत शरण संस्कृत विद्यापीठ, श्री हनुमंत कुंज शिवपुरी छपडौर, मानपुर, जिला। उमरिया - 484665 (मध्य प्रदेश)

महाराष्ट्र

54. मुंबा देवी आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, सी/ओ भारतीय विद्या भवन, के.एम. मुंशी मार्ग, मुंबई 400 007 (महाराष्ट्र)

मणिपुर

55. मणिपुर संस्कृत महाविद्यालय, संगाइपेट, रेशम उत्पादन परियोजना, इंफाल पूर्व -795 001 (मणिपुर)
56. राधा माधव आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, पीओ नम्बोल, मणिपुर-795134

ओडिशा

57. गुरुकुल नवप्रभात वैदिक विद्यापीठ, ग्राम- नुवापाली, जिला- बरगड़ (ओडिशा)। 768036

पंजाब

58. श्री बाबा हरदित गिरि संस्कृत महाविद्यालय, श्री दसनामी अखाड़ा, सरहिंद शहर, जिला। फतेहगढ़ साहिब-140406 (पंजाब)
59. श्री सरस्वती संस्कृत कॉलेज, पीओ खन्ना, जिला। लुधियाना-141 401 (पंजाब)

राजस्थान

60. श्री दिगंबर जैन आचार्य संस्कृत महाविद्यालय, जैन नसिया रोड, सांगानेर जयपुर, राजस्थान - 302019
61. नरसी लाल पंचौली महाविद्यालय, बोलखेड़ा, कामां, जिला। - डीग (भरतपुर), राजस्थान - 321022
62. श्री अग्रदेवाचार्य शास्त्री संस्कृत महाविद्यालय, रेवासा, ग्राम। रैवासा थेसिल दांतारामगढ़, जिला। सीकर, राजस्थान - 332403
63. वागीश संस्कृत विद्यापीठ, वागीश कॉलोनी, सेक्टर 9 एल, गांधी नगर, हनुमानगढ़ जंक्शन, राजस्थान-335512
64. बजरंग महाविद्यालय, ग्राम + पोस्ट- लवाण, तहसील- लवाण, जिला- दौसा, राजस्थान-303004
65. श्रीमती लाड देवी शर्मा पंचोली आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, बरूंदनी, तह - मांडलगढ़ जिला - भीलवाड़ा, राजस्थान-311604

तेलंगाना

66. बालाजी गुरुकुलम, क्रमांक . 184 डी.नं. 8-79बी, पर्पीरेड्डीगुडा, केशमपेट, रंगारेड्डी, तेलंगाना-509216

उत्तर प्रदेश

67. रानी पद्मावती तारा योग तंत्र आदर्श महाविद्यालय, इंदरपुर (शिवपुर) जिला -वाराणसी (यूपी)-221003
68. श्री बटुकनाथ संस्कृत महाविद्यालय, बी-22/195, द्वारकाधीश मंदिर, शंकुधारा, वाराणसी - 221010 (यूपी)
69. गिन्नी देवी मोदी संस्कृत विद्यापीठ, मोदी नगर, जिला। गाज़ियाबाद - 201204 (यूपी)

70. श्री तिबरीनाथ सांगवेद संस्कृत महाविद्यालय, नैनीताल रोड, बरेली - 248005 (यूपी)
71. रानी पद्मावती तारायोग तंत्र उच्च माध्यमिक विद्यालय, इंदरपुर (शिवपुर) वाराणसी - (यूपी)
72. श्रीमद् दयानंद कन्या गुरुकुल, चोटीपुरा, डाकघर रजबपुर, जनपद अमोरा, उत्तर प्रदेश - 244366
73. भारतीय प्राच्य विज्ञान संस्थान, ग्राम - बिरुरा, पोस्ट - कल्ली पश्चिम, जिला-लखनऊ, उत्तर प्रदेश-226301
74. सावित्री दयाराम पांडे, संस्कृत मध्यमा विद्यालय, बाल शिक्षा निकेतन, हनुमान नगर, नारंगपुर, पोस्ट बेलारामपुर, तहसील, पट्टी, जिला। प्रतापगढ़, उत्तर प्रदेश-230135
75. संस्कृति विद्या संस्थान, गांव- कोठा, डाकघर सोहनपुर, जिला। देवरिया - 274704 उत्तर प्रदेश
76. डॉ. राम महाविद्यालय, बड़ागांव, वाराणसी, यूपी-221201
77. माता सहाय देवी स्वामी परमहंस बालकानंद योगेश्वर जी महाराज संस्कृत विद्यालय, बन्नापुर, मैथा, कानपुर, देहात यूपी -209204
78. देवमाया द्वारिका प्रसाद ब्रह्मचारी संस्कृत महाविद्यालय, ग्राम- बझा खुर्रमपुर, पोस्ट- रक्सवारा, कौशांबी, यूपी-212206
79. श्री माँ दुर्गा जगरानी देवी संस्कृत महाविद्यालय, धर्मपुर, (भीरा) खीरी, उत्तर प्रदेश-262901
80. महर्षि पाणिनि वेद वेदांग विद्यापीठ, एम/एस महर्षि पाणिनि धर्मार्थ ट्रस्ट (पंजीकृत), बी-14, सेक्टर एटा-1, ग्रेटर नोएडा, उत्तर प्रदेश-201310 द्वारा संचालित गुरुकुल
81. बापू महाविद्यालय, छितौनी रसड़ा, बलिया, यूपी – 221712
82. ज्ञानदा इंटर कॉलेज, ग्राम - थुलमा, पोस्ट - आसेपुर, ब्लॉक - साईबाबाद, जिला - प्रयागराज, यूपी - 221508
83. पाणिनि कन्या महाविद्यालय, बी38/77ए, तुलसीपुर, महमूरगंज, वाराणसी (यूपी) - 221010
84. मुकुलारण्यम संस्कृत महाविद्यालय, डी 57/32 सिद्धगिरि बाग, वाराणसी - 221010
85. त्रिलोकी नाथ गुरुकुल संस्कृत विद्यालय, जिला- प्रयागराज, (यूपी)। 221505
86. श्री एकरसानंद आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, पंजाबी कॉलोनी, मैनपुरी, यूपी - 205001
87. वाराणसी आश्रम संस्कृत उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, रामनगर, बड़ागांव, वाराणसी, यूपी- 221204

उत्तराखंड

88. आदर्श संस्कृत विद्यापीठ, सल्ट महादेव, तहसील- धुमाकोट, जिला, पौडी गढ़वाल-246279 (उत्तराखंड)
89. ज्वालपा देवी आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, शा. ज्वालपाधाम, पीओ - पाटी सेन जिला पौड़ी गढ़वाल - 246167
90. आचार्य अमलानन्द जुयाल आदर्श संस्कृत विद्यालय, किष्किंधा - बलौदी, श्रीनगर गढ़वाल (उत्तराखंड) - 246174
91. श्री भगवान दास आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, गुरुकुल, कांगड़ी, हरिद्वार (उत्तराखंड)
92. श्री ऋषि संस्कृत महाविद्यालय, निर्धन नीकतन, खरखरी हरिद्वार (उत्तराखंड) 249401
93. वैदिक संस्कृत महाविद्यालय, खुब्बनपुर, भगवानपुर हरिद्वार - 247661

पश्चिम बंगाल

94. पगलानंद संस्कृत महाविद्यालय, ब्राह्मणशानसन, एट/पो- दारुआ कोंटाई, पूर्ब मेदिनीपुर, डब्ल्यूबी-721401
95. श्री सीताराम वैदिक आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, 7/2, पीडब्ल्यूडी रोड, कोलकाता - 700 035 (पश्चिम बंगाल)
96. हरेश्वर संस्कृत महाविद्यालय, लिंगसे, दार्जिलिंग हरलोक, लिंगसे - 737133 (पश्चिम बंगाल)
97. कालियाचक बिक्रम किशोर आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, ग्राम - कालियाचक, पीओ हेरिया, जिला- पुरबा मेदिनीपुर - 721430 (पश्चिम बंगाल)

98. माँ उषा मेमोरियल ओरिएंटल सेंट्रल (संस्कृत) संस्थागत एवं आगम (तंत्र) अनुसंधान केंद्र, ग्राम+पोस्ट – तेनोहारी, जिला-उत्तर दिनाजपुर – 733123 (पश्चिम बंगाल)
99. भारती चतुस्पति संस्कृत महाविद्यालय, श्री श्री गुरुकरुणा निकेतन, अमुलियापारा, नबद्वीप, नादिया - 741 302 (पश्चिम बंगाल)।
100. ठाकुर गदाधर संस्कृत महाविद्यालय, पीओ आरामबाग (कालीपुर), जिला - हुगली - 712601 (पश्चिम बंगाल)
101. कैकला संस्कृत विद्यापीठ, ग्राम एवं पी.ओ. कैकला, पीएस हरिपाल, जिला। हुगली - 712405
102. कृष्णागंज देबाबानी मंदिर, पोस्ट ऑफिस फुलुई, जिला हुगली, पश्चिम बंगाल - 712122
103. श्री भक्त बाला संस्कृत कॉलेज, वि. एवं पीओ तेलकपुर, पीएस छपरा, जिला। नादिया, पश्चिम बंगाल - 741164
104. नेशनल कॉलेज ऑफ एजुकेशन, कमरबारी, कलबेरिया। राजारहाट, कोलकाता - 700135
105. विवेकानन्द संस्कृत अकादमी, ग्राम -पीओ - कामारपुकुर, जिला - हुगली, पीएस- गोघाट, पश्चिम बंगाल - 712612
106. कोलफील्ड कॉलेज ऑफ एजुकेशन, पांडवेश्वर, पो.ओ. पांडवेश्वर, जिला-पश्चिम बर्धमान, पश्चिम बंगाल - 713346

परीक्षाओं को मान्यता देने वाली सरकारें

क्रमांक	सरकार/विभाग का नाम	स्वीकृत पाठ्यक्रम
1.	भारत सरकार कैबिनेट सचिवालय कार्मिकविभाग नईदिल्ली संख्या 6/12/71/ईट. (ई)	1. प्रथमा-मिडिलस्कूल 2. मध्यमा- हायरसेकेंडरी 3. शास्त्री- बीए, आचार्य- एमए 5. शिक्षाशास्त्री- बी.एड. 6. विद्यावारिधि पीएच.डी. 7. वाचस्पति- डी.लिट
2.	मध्यप्रदेश शासन सामान्य प्रशासन विभाग संख्या 796/786/1(3)772 दिनांक 5.12.72	-वही-
3.	पंजाब सरकार सं. 472-468-11/72/2686 दिनांक जनवरी 1971	- वही -
4.	गोवा, दमन और दीव एसपीएल. ईएसटी 2065 टीटी, डी. 230, 1972	- वही -
5.	भारत सरकार, मानवसंसाधनविकास/शिक्षामंत्रालय नई दिल्ली, संख्या 17-2/85-एसयू-2 दि. 31-12-1992	शिक्षाआचार्य- एम.एड.
6.	तमिलनाडु सरकार मेनोनं 94120/11- 172-2-आरडन.लेट. नं.एलडीआईएस 35033/04 दिनांक 2 जनवरी 1973	1 शिक्षाशास्त्री- बी.एड 2. प्रथमा-मिडिलस्कूल 3. मध्यमा-उच्चतरमाध्यमिक 4. पूर्वमध्यमा-मैट्रिक
7.	महाराष्ट्र सरकार 82/दिनांक 24.9.92 परिशिष्ट संख्या एसएसएन 3371/137427-ई दिनांक 23 अक्टूबर 1972	1. उत्तरमध्यमा/ प्राकशास्त्री सेंटस्कूलप्रमाणपत्र
8.	उत्तरप्रदेश सरकार सं. 10/3/1972 नियुकी/(4) लखनऊ दिनांक 27 अगस्त 1973	1. प्रथमा- मिडलस्कूल (८वी) 2. पूर्वमध्यमा- हाईस्कूल 3. उत्तरमध्यमा- इंटर 4. शास्त्री- बी.ए. 5. आचार्यएम.ए. 6. शिक्षाशास्त्री-बी.एड. 7. विद्यावारिधि- पीएचडी. 8. वाचस्पति - डी.लिट.

9.	हरियाणा सरकार संख्या 278-जीशिलोहा (4ई) 74/14620 चंडीगढ़ दिनांक 13.5.74 ज्ञापनसंख्या/डी4/50- 73-00(2) चांद दिनांक 21.10.1986	1. प्रथमा-मिडिलस्कूल 2. मध्यान-उच्चतरमाध्यमिक या इंटरमीडिएट 3. शास्त्री-बीए 4. आचार्य-एमए 5. विद्यावारिधिपीएच.डी. 6. वाचस्पति-डी.लिट. 7. शिक्षाशास्त्री-ओ.टी. (संस्कृत)
10.	गुजरात सरकार. प्रस्ताव संख्या एसएसएन 3266/72127(73)ई 78583-6 सचिवालय, गांधीनगर 30 अप्रैल 1986	1. शिक्षाशास्त्री-बी.एड.
11.	हिमाचल प्रदेश सरकार संख्या 23-62/70/Secre/Edn-A VoL3 दिनांक 17.3.1973	1. प्रथमामिडिल 2. मध्यमा-हायरसेकेंडरी 3. शास्त्री-बी.ए. 4. आचार्य-एमए 5. शिक्षाशास्त्री-बी.एड 6. विद्यावारिधि-पीएचडी. 7. वाचस्पतिडी.लिट.
12.	त्रिपुरा सरकार क्रमांक एफएक्स3 (4-(2)डीई/73, अगरतला दिनांक 15.7.1972	- वही -
13.	राजस्थान सरकार पी.9(75) एसई/71/ शिक्षा 5 दिनांक 18.3.1975 शिक्षा (ग्रुप 8) संख्याएफ. 10 एवं 74 शिक्षा (समूह 4)/72 दिनांक 22 मई 1978	1. प्रथमा- मिडिल 2. मध्यमा-हायरसेकेंडरी 3. शास्त्री-बीए 4. आचार्य-एमए 5. शिक्षाशात्रीबी.फा. 6. विद्यावारिधि-पीएचडी. 7. वाचस्पति-डी.लिट.
14.	जम्मू और कश्मीर सरकार सं. एडुन-9/ई/74 रिकॉग. दिनांक 22.6.1975	1. मध्यमा-हायर सेकण्डरी या पी. एस.यू. 2. शास्त्री-बी.ए 3. आचार्य-एमए 3. शिक्षाशास्त्री-बी.एड 5. विद्यावारिधि - पीएच.डी. 6. वाचस्पति-डी.लिट.
15.	उड़ीसा सरकार 176/10/ईवदिनांक 19.8.1975 संख्या 20/32/75/828	1. शात्री-बी.ए. 2. आचार्य-बीए
16.	पश्चिम बंगाल सरकार शिक्षाविभाग अनुभाग शाखा, संख्या 441-एड्न. (5) 6 11/89 6 मई 1990 कोप्रकाशित	शिक्षाशास्त्री-बी.एड

17.	बिहार सरकार संकल्प संख्याआर/आर-2003/86 केए 4139/पटना दिनांक 25-6-1987	1. प्रथमा-मध्य 2. मध्यमा-अंडरमैनिक (अंग्रेजी रहित) मैट्रिक (अंग्रेजी सहित) 3. शास्त्री (अंग्रेजी के साथ)-बी.ए. 4. आचार्यएम.ए. (अंग्रेजी के साथ आर.ए. उत्तीर्ण)

परीक्षाओं को मान्यता देने वाले विश्वविद्यालय

क्र.	विश्वविद्यालय/संस्थान का नाम	स्वीकृत परीक्षा	समकक्षता
1.	महाराजा सयाजीराव यूनिवर्सिटी ऑफ बड़ौदा, बड़ौदा, पत्रसंख्या AC/11/221 दिनांक 4.9.73 द्वारा	शास्त्री आचार्य	बी०ए एमए
2.	सागर विश्वविद्यालय, सागर, पत्र क्रमांक जनरल/रिकॉग/974 दिनांक 16.6.73 एवं दिनांक 9 अप्रैल, 1973	मध्यमा शास्त्री आचार्य	मध्यवर्ती बी०ए एमए
3.	विक्रमविश्वविद्यालय, उज्जैम (मप्र) पत्र क्रमांक प्रथासन/मान्यता/73 दिनांक 9 अगस्त 1973।	शास्त्री आचार्य शिक्षाशास्त्री विद्यावारिधि वासस्पति	बी०ए एमए बिस्तर। पीएच.डी. डी. लिट.
4.	आंध्र विश्वविद्यालय, पत्र संख्या 1(6)/3925/72 दिनांक 27.9.73 वाल्टेयर	शिक्षाशास्त्री	बिस्तर।
5.	राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर. सं.एफ.4-1/72 (अधिनियम संख्या/आई 46/, दिनांक 22.5.73	शास्त्री	बी०ए
6.	कालीकट विश्वविद्यालय संदर्भ संख्या GA. (04)899/72 दिनांक 28.11.1973	शास्त्री आचार्य शिक्षाशास्त्री विद्यावारिधि वासस्पति	बी.ए. (संस्कृत मुख्य) एम.ए. (संस्कृत मुख्य) बी.एड. (संस्कृत) पीएच.डी. डी. लिट.
7.	श्रीवेंकटेश्वर विश्वविद्यालय, तिरुपति, संख्यासीआई-33 017/73 दिनांक 19.1.76	शास्त्री	बी०ए, एमए. (संस्कृत) में प्रवेश के प्रयोजनार्थ)
8.	मगध विश्वविद्यालय, बोधगया क्रमांक 4767 48 23 011/ बोधगया, दिनांक 4.12.73	मध्यमा शास्त्री आचार्य शिक्षाशास्त्री विद्यावारिधि	मानव संसाधन माध्यमिक बी०ए एमए बिस्तर। पीएच.डी.

9.	जम्मू विश्वविद्यालय, जम्मू, संख्या FAcd/V/153/74/4195-99 दिनांक 14.2.1974	मध्यमा शास्त्री भाग 1 शास्त्री भाग III आचार्य	प्रीयूनिवर्सिटी बी.ए. (भाग I) बी.ए. (अंतिम) संस्कृत या साहित्याचार्य में एम.ए.
10.	अन्नामलाई विश्वविद्यालय आई.डी.आई.एस. पी-बी21/83/73 दिनांक 22.2.1974	शास्त्री आचार्य	बी०ए एमए
11.	बर्दवान विश्वविद्यालय, बुंदवान. आर.सी.आई./इक्वि/141/376/74 दिनांक 24.6.74	मध्यमा शास्त्री आचार्य विद्यावारिधि वाचस्पति	विश्वविद्यालयप्रवेश परीक्षा पाठ्यक्रम. 3 साल की डिग्री परीक्षा, कला में। एमए डी.फिल डी.लिट.
12.	कानपुर विश्वविद्यालय, कानपुर पी.एस.के.बी./बोर्ड/4318/ 74-75 दिनांक 22.11.74	शास्त्री आचार्य	बी०ए एमए
13.	उत्कल विश्वविद्यालय क्रमांक AC-I/RM/171/51046/25 दिनांक 17-1975	शास्त्री	बी.ए. (देखें क्रम संख्या 32 भी)
14.	पूना विश्वविद्यालय, पूनाएल्ग/इक्वि-109/3949/दिनांक 26.4.1975	प्रकाशशास्त्री शास्त्री आचार्य शिक्षाशास्त्री	पूर्व के डिग्री बीए (संस्कृत) एमए (संस्कृत) बी.एड. (संस्कृत)
15.	जयपुर विश्वविद्यालय. क्रमांकई/3013 दिनांक 15-5-1975	शास्त्री आचार्य	बी०ए एमए
16.	कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र संख्या ए.सी.एम.-11/6115/ दिनांक 6.6.1975 और एसीएम/11/137/76/18904 दिनांक 7.8.76, एसीएम-II/137/81/4139 दिनांक 19-3-81 एसीएम-1/08/एफ/37/3695 दिनांक 1-408 एसीएम-1/08/एफ/37/4788 दिनांक 25-4-08	शास्त्री आचार्य प्रकाशशास्त्री शिक्षाशास्त्री	बीए, शास्त्री एमए + 2 स्तरकीपरीक्षा बिस्तर।
17.	गुजरात विश्वविद्यालय, अहमदाबाद परीक्षा/रिसोग, संख्या 32482 दिनांक 17.9.1975	शास्त्री आचार्य	बी०ए एमए
18.	केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, नई दिल्ली, दिनांक 27-5-1988 केडी.ओ. संख्या 80628 केअनुसार सीबीएसई/COORD/SOCD/2009/6147 दिनांक 3-3-09	प्रथमा पूर्वमध्यमा द्वितीय वर्ष। उत्तरमध्यमा/प्राकशास्त्री-द्वितीय	8 10 वीं 12 वीं

19.	केरल विश्वविद्यालय, त्रिवेन्द्रम। संख्यासी-3/720/76-जिला त्रिवेन्द्रम दिनांक 22.3.76। लेखासी/16ऑन/77 दिनांक 3-1-81	शास्त्री आचार्य विद्यावारिधि वाचस्पति	बी०ए एमए पीएच.डी. डी.लिट.
20.	विश्वधरण क्रमांक 6-4-43 दिनांक 23.4.76	शास्त्री आचार्यहर्य विद्यावारिधि वाचर्पति	बी०ए एमए पीएच.डी. डी. लिट
21.	भारतीय विश्व विद्यालय संघ Ev/11(227)/76/32765 दिनांक 7.2.76 उत्तरदिल्ली	शास्त्री आचार्य	बी०ए एमए
22.	हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला, पत्रसंख्या 3-8/74-एचपीयू (अकादमिक) दिनांक 2.7.77, 3-27/79 दिनांक 4-7-80	शास्त्री शिक्षाशास्त्री आचार्य बिस्तर विद्यावारिधि वाचस्पति	बी०ए एमए बी०ए एमए पीएच.डी. लिट
23.	दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली, पत्रसंख्या 1/रिकॉग/डी/84 दिनांक 14.11.84	शास्त्री आचार्य	एम ए संस्कृत में प्रवेश के लिए बीए पास होना आवश्यक है। एमए
24.	संबलपुर विश्वविद्यालय. पत्रसंख्या H727/एसिड दिनांक 4.5.79. 682-47Aed दिनांक 27-9-85 संबलपुर	शास्त्री आचार्य	बी.ए. (एम.ए. संस्कृत में प्रवेश के लिए) एमए
25.	श्रीकामेश्वरसिंह दरभंगा विश्वविद्यालय। क्रमांक 9356/74 दि. 4.10.74	मध्यमा शास्त्री आचार्य शिक्षाशास्त्री विद्यावारिधि वाचस्पति	मध्यमा शास्त्री आचार्य शिक्षाशास्त्री विद्यावारिधि विद्यावाचस्पति
26.	कर्नाटक विश्वविद्यालय धारवाड़. क्रमांक Recog/K-le8/Acd/1504 दिनांक12.7.79	शास्त्री आचार्य	बी०ए एमए
27.	गुरुनानक देव विश्वविद्यालय अमृतसर पत्रसंख्या Gen/Recog/3920 दिनांक 22.4.1980	शास्त्री आचार्य	बी०ए एमए
28.	मद्रास विश्वविद्यालय, पत्रसंख्या CR-III/Recog/1925 दिनांक 17.3.1980	शास्त्री आचार्य	बी०ए एमए (बशर्ते पाठ्यक्रम

			में अंग्रेजी भी एक विषय हो)
29.	पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़. संख्या एस-16981 दिनांक 28.11.80	प्रथमा मध्यमा शास्त्री आचार्य	प्रज्ञा विशारद शास्त्री आचार्य
30.	श्रीजगन्नाथ संस्कृत विश्वविद्यालय पत्र क्रमांक 5163/84/एस.जे.एस.वी. दिनांक 10.8.84	प्रथमा पूर्वमध्यमा उत्तरमध्यमा शास्त्री आचार्य विद्यावारिधि वाचस्पति	प्रथमा मध्यमा उपशास्त्री शास्त्री आचार्य विद्यावारिधि वाचस्पति
31.	बरहामपुर विश्वविद्यालय/इलहंजाबिहार, बरहामपुर/जिला। गंजम उड़ीसा पत्र क्रमांक 5131/एसीडी-ए/बीयू/84 दिनांक 16.4.84 क्रमांक 5/01/एसीडी-1 दिनांक 3-6-2005	शास्त्री आचार्य शिक्षाशास्त्री	बी.ए. (पास) एमए (संस्कृत) विस्तर।
32.	उत्कलविश्वविद्यालय, भुवनेश्वर (उड़ीसा) पत्रसंख्या AC/RM/171A/16292 दिनांक 31.3.84, AC/Recog/Gen/A 16178/86 दिनांक 29-3-84	आचार्य शिक्षाशास्त्री	एमए (संस्कृत) विस्तर।
33.	त्रिभुवन विश्वविद्यालय मचलीतेकु, काठमांडू, नेपाल, पत्रसंख्या 372/04 दिनांक 19.9,84	प्रकाशशास्त्री शास्त्री	उत्तरमध्यमा शास्त्री
34.	संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी के पत्र क्रमांक 6-458/4019/74-85 दिनांक 28-5-85	प्रथमा पूर्वमध्यमा प्रकाशशास्त्री/उत्तरमध्यमा शास्त्री आचार्य शिक्षाशास्त्री शिक्षाआचार्य	प्रथमा पूर्वमध्यमा उत्तरमध्यमा शास्त्री आचार्य शिक्षाशास्त्री शिक्षाआचार्य
35.	भोपाल विश्वविद्यालय, भोपाल, पत्र क्रमांक 1112/बीयू/एसीडी/85 दिनांक 15.3.85	शास्त्री आचार्य शिक्षाशास्त्री विद्यावारिधि वाचस्पति	बी०ए एमए विस्तर। पीएच.डी. डी. लिट.

36.	संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी, पत्रक्रमांक शाइ 1722/92 दिनांक 17.22.92	आचार्य विद्यावारिधि (पीएचडी) वाचस्पति (डी. लिट.)	आचार्य विद्यावारिधि (पीएचडी) वाचस्पति (डी. लिट.)
37.	कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र संख्या ACM/11/137/92/32489 दिनांक 28.12.1992	शास्त्री (अंग्रेजी विषय सहित) शास्त्री आचार्य	बीए (पास) टीडीसी (10+1+3+ योजना) बशर्ते उम्मीदवार उत्तीर्ण हो अंग्रेजी में परीक्षा एक विषय के रूप में) शास्त्री, एमए (बशर्ते अभ्यर्थी ने अंग्रेजी में परीक्षा उत्तीर्ण की। (बीएमानक)
38.	गांधीजी विश्वविद्यालय, कोट्टायम-686002 संख्या AC.A1/3/305/86 (3) दिनांक 24-10-1986	प्राक्शास्त्री एवं उत्तर. मध्यमा शास्त्री, शिक्षाशास्त्री, आचार्य विद्यावारिधि और वाचस्पति	प्री-डिग्री (संस्कृत) बी.ए. (संस्कृत) विस्तर। एमए, पीएच.डी.
39.	मणिपुर विश्वविद्यालय कांचीपुर, इम्फाल नोटिस दिनांक 3 जनवरी 1992	शास्त्री (अंग्रेजी सहित)	बी०ए
40.	ऐमेर विश्वविद्यालय, ऐमर, नं.एफ14(193) एकेड-11/यूओए/92/34080/3506 दिनांकित अक्टूबर 1992	शिक्षाशास्त्री	बिस्तर
41.	नागपुर विश्वविद्यालय, नागपुर क्रमांकपरीक्षा/रुंग/ए/3667 दिनांक 1-4-78	शास्त्री	बी.ए. (एम.ए. भाग I में प्रवेश के लिए)
42.	उदयपुर विश्वविद्यालय, उदयपुर संख्याई/3013 दिनांक 19-5-75	शास्त्री आचार्य	बी.ए. (यदि बी.ए. स्तर की अंग्रेजी परीक्षा उत्तीर्ण की हो) एम.ए. (यदि बी.ए. स्तर की अंग्रेजी परीक्षा उत्तीर्ण की हो)

43.	उस्मानिया विश्वविद्यालय, हैदराबाद, संख्या 1866/1-942/11/Acad दिनांक 20-4-73 संख्या 265/1/2001/Acud दिनांक 27-1-2001	शास्त्री आचार्य विद्वासारिधि शिक्षाशास्त्री	बी०ए एमए पीएच.डी. बिस्तर।
44.	महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक, संख्या AC-III/R/81/2472 दिनांक 2-3-81	शास्त्री और आचार्य	उपलब्ध उच्चतर पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए
45.	हरियाणा विद्यालय शिक्षा बैंड, भिवानी। क्रमांक एपीबी/10000/472/ पव/25-9-03 दिनांक 19-5-05	पूर्वमध्यमा, उत्तरमध्यमा/ प्राकशास्त्री	मीट्रिक उच्चमाध्यमिक
	शिक्षानिदेशक, दिल्लीएफ-32/1/25/एड्न/22 दिनांक 28.8.72	प्रथमा मध्यमा शास्त्री आचार्य शिक्षाशास्त्री विद्यावारिधि वाचस्पति	मिडिलस्कूल उच्चतर माध्यमिक बी०ए एमए बिस्तर। पीएच.डी. डी.लिट.
46.	शिक्षा निदेशक मणिपुर, II/3/71-SE दिनांक 30 अगस्त 1972	-करना-	-करना-

संस्कृत शिक्षण की वित्तीय सहायता योजना के अंतर्गत अनुदानग्राही संस्थाओं का राज्यवार विवरण

क्रम सं.	राज्य	संगठनों की संख्या
1.	आंध्रप्रदेश	7
2.	असम	2
3.	बिहार	10
4.	छत्तीसगढ़	32
5.	दिल्ली	6
6.	गुजरात	4
7.	हिलाचल प्रदेश	4
8.	हरियाणा	29
9.	जम्मू कश्मीर	2
10.	कर्नाटका	11
11.	केरल	12
12.	मध्य प्रदेश	32
13.	महाराष्ट्र	9
14.	मणिपुर	2
15.	उड़ीसा	20
16.	पंजाब	3
17.	राजस्थान	26
18.	सिक्किम	11
19.	तमिलनाडू	4
20.	तेलंगाना	1
21.	त्रिपुरा	1
22.	उत्तर प्रदेश	100
23.	उतराखण्ड	50
24.	पश्चिम बंगाल	16
	कुल	394

प्रकाशन अनुदान हेतु स्वीकृत प्रस्तावों का विवरण

वर्ष 2024-25 के लिये संस्कृत पुस्तकों के प्रकाशन हेतु वित्तीय सहायता के अंतर्गत लेखक/प्रकाशन की सूची

Sr. No.	Name & Address of Applicant	Title	Amount of Grant Released (in Rupees)
1.	बनामाली बिस्वाल वरिष्ठ प्रोफ़ेसर बनामाली बिस्वाल 57, बसंत विहार, झूंसी, प्रयागराज – 211019, उत्तर प्रदेश 7355159616	नृत्यति वर्षाराज्ञी, (बाल कविता-संग्रह)	80,000/-
2.	डॉ. हरेंद्र कुमार भार्गव प्राचार्य एन.ए. श्री पीताम्बरपीठ के पास, नज़रबाग, मध्य प्रदेश – 475661 9131747629	दीपिकाशब्दकौस्तुभयोस्समीक्षा	85,000/-
3.	प्रो. मदन मोहन झा प्रोफ़ेसर एन.ए., सीएसयू, दिल्ली, दिल्ली – 110058 9004904050	प्रयोगात्मक शिक्षामनोविज्ञानम्	80,000/-
4.	प्रो. मदन मोहन झा प्रोफ़ेसर एन.ए., सीएसयू, दिल्ली, दिल्ली – 110058 9004904050	विद्यालयप्रबन्धनम्	80,000/-
5.	भागचन्द्र जैन डॉ./सेवानिवृत्त प्रोफ़ेसर भागचन्द्र जैन 13, न्यू एक्सटेंशन एरिया, तुकाराम चाल, सदर, नागपुर, महाराष्ट्र – 440001 9421363926	Jain Darshan ka Vikasa-krama	80,000/-

6.	भागचन्द्र जैन डॉ./सेवानिवृत्त प्रोफ़ेसर भागचन्द्र जैन 13, न्यू एक्सटेंशन एरिया, तुकाराम चाल, सदर, नागपुर, महाराष्ट्र – 440001 9421363926	Bauddha Tantra Parampara	80,000/-
7.	दिनेश शास्त्री निदेशक, हरियाणा संस्कृत अकादमी दिनेश शास्त्री एच.एन. 470, हरियाणा – 122001 9350581470	शुक शोकान्त काव्यं	80,000/-
8.	डॉ. पौलोमी दासगुप्ता अनुसंधानकर्ता व्यक्तिगत 3.1.5 हुगली एस.एस. रोड, भद्रकाली, पश्चिम बंगाल – 712232 8777531277	Krishnabhavasatakagranthayasya Samikshatamakam Sampadanam	1,04,000/-
9.	डॉ. सुनीता सहायक प्रोफ़ेसर एन.ए., इंस्टीट्यूशनल एरिया, दिल्ली, जनकपुरी डी ब्लॉक, दिल्ली – 110058 8010039130	वास्तुशास्त्रीयपारिभाषिककोष	76,000/-
10.	ऋचा बिस्वाल सहायक प्रोफ़ेसर ऋचा बिस्वाल 57, प्रयागराज, वसंत विहार, झूंसी, उत्तर प्रदेश – 211019 8005453330	An Exquisite Exploration of Vakrokti in the Poetic Mastery of John Donne	1,20,000/-
11.	रुतम बिस्वाल अनुसंधान छात्रा रुतम बिस्वाल 57, वसंत विहार, झूंसी, प्रयागराज	Scientific Marvels of Hindu Mythology in Ancient Indian Scriptures	75,000/-

	– 211019, उत्तर प्रदेश 7839176196		
12.	डॉ. ज्योत्सना मोहन सेवानिवृत्त प्रोफ़ेसर लावण्या प्रकाशन एफ–403, हर्ष विहार, रश्मि अपार्टमेंट, दिल्ली – 110034 9560533001	वृक्षविज्ञानम	80,000/-
13.	सुरेन्द्र कुमार उपाध्याय शिक्षक एन.ए. गुरुकुल वैदिक आश्रम, राउरकेला, वेदव्यास, ओडिशा – 769041	Slok Vartik Me Pratipadit Apohavad	1,15,600/-
14.	प्रो. सत्रुघ्न पाणिग्रही प्रोफ़ेसर प्रो. सत्रुघ्न पाणिग्रही एसजेएसवी, ओडिशा, पुरी, ओडिशा – 752001 8200472414	श्रीदुर्गासप्तशती	2,02,816/-

आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/आदर्श शोध संस्थानों का नाम एवं पूर्ण पता (राज्यवार)

राज्य का नाम	आदर्श संस्कृत महाविद्यालयों/शोध संस्थानों का नाम
तेलंगाना	1. संस्कृत अकादमी (आदर्श शोध संस्थान) ओस्मानिया विश्वविद्यालय हैदराबाद, तेलंगाना - 500047
बिहार	2. राजकुमारी गणेश शर्मा संस्कृत विद्यापीठ, कोलहन्टा पटोरी, जिला-दरभंगा, बिहार, पिन कोड-846003.
	3. जगदीश नारायण बह्मचर्याश्रम आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, लगमा रामभद्रपुर, वाया- लोहनारोड़, जिला-दरभंगा, बिहार – 847407.
	4. डॉ॰ रामजी मेहता आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, मालीघाट, मुजफ्फरपुर, बिहार - 842001.
	5. श्री स्वामी परांकुशाचार्य आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, हुलासगंज, जिला-गया, बिहार -804407.
	6. श्री रामसुन्दर संस्कृत विश्वविद्या प्रतिष्ठान (आदर्श संस्कृत महाविद्यालय), लक्ष्मीनाथनगर, रमौली-बेलौन, भाया - बहेड़ा, जिला-दरभंगा, बिहार पिन कोड – 847201.
हरियाणा	7. हरियाणा संस्कृत विद्यापीठ, पोस्ट-बघौला, जिला-पलवल, हरियाणा पिन कोड - 121102.
	8. श्री दीवान कृष्ण किशोर, सनातन धर्म आदर्श संस्कृत कॉलेज, अम्बाला छावनी, हरियाणा 133001.
हिमाचल प्रदेश	9. हिमाचल आदर्श संस्कृत स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जांगला, तह0-चढ़गांव, जिला-शिमला, हिमाचल प्रदेश-171214.
	10. सनातन-धर्म आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, डोहगी, जिला-उना, हिमाचल प्रदेश - 174307.
झारखण्ड	11. लक्ष्मी देवी शराफ आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, हरि:शरणम् कुटीर, कालीराखा, जिला- बी-देवघर, झारखण्ड़-814112.
कर्नाटक	12. पूर्णप्रज्ञ संशोधन मन्दिरम् (आदर्श शोध संस्थान), डॉ. श्री विश्वेशतीर्थ स्वामी जी मार्ग, कट्टिगुप्पा मेन रोड, बैंगलुरू, कर्नाटक - 560070.
केरल	13. कालिकट् आदर्श संस्कृत विद्यापीठ, पोस्ट- बलुसेरी, जिला-कोझिकोड, केरल-673612.
	14. चिन्मय इन्टरनेशनल फाउण्डेशन शोध संस्थान, आदिशंकर निलयम्, आदिशंकर मार्ग, पोस्ट-वेलियनाड्, जिला-एर्नाकुलम्, केरल-682313.
महाराष्ट्र	15. वैदिक संशोधन मण्डल, (आदर्श संस्कृत शोध संस्था), टी. एम. वी. कॉलोनी, मुकुंदनगर, गुलटेकडी, पुणे, महाराष्ट्र - 411037.
	16. मुम्बादेवी आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, कुलापति मुंशी मार्ग, मुम्बई महाराष्ट-400007.
मणिपुर	17. श्री राधा माधव आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, नम्बोल, मणिपुर, पिन कोड- 795134.
तमिलनाडु	18. मद्रास संस्कृत कॉलेज एण्ड एस. एस. बी. पाठशाला 84, रॉयपीठ हाई रोड़, मायलापुर, चेन्नई, तमिलनाडु -600004.
	19. श्री अहोबिला मठ आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, 53, सन्निधी स्ट्रीट, मदुरान्तकम्, चेन्नई, तमिलनाडु, पिन कोड-603306.
उत्तराखण्ड	20. श्री भगवानदास आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, पोस्ट-गुरुकुल कॉगडी, जिला-हरिद्वार, उत्तराखण्ड-249404.

उत्तर प्रदेश	21. रानी पद्मावती तारा योगतन्त्र, आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, इन्द्रपुर-शिवपुर, वाराणसी, राज्य-उत्तर प्रदेश, पिन कोड-221003.
	22. श्री एकरसानन्द आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, मैनपुरी, उत्तर प्रदेश-205001.
	23. श्री रंगलक्ष्मी आदर्श-संस्कृत महाविद्यालय, वृन्दावन, मथुरा, उत्तर प्रदेश, पिन कोड-281121.
पश्चिम बंगाल	24. कालियाचक विक्रम किशोर आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, ग्राम - कालियाचक, पोस्ट-हेरिया, जिला- पूर्वी मेदनीपुर, पश्चिम बंगाल – 721430.
	25. श्री सीताराम वैदिक आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, 7/2ए, पी.डब्लु.डी.रोड, कोलकाता, पश्चिम बगांल-700035.
राजस्थान	26. श्रीमती लाड देवी शर्मा पंचोली आदर्श संस्कृत महाविद्यालय, बरून्दनी, तहसील - माण्डलगढ जिला - भीलवाडा, राजस्थान – 311604.

आदर्श संस्कृत महाविद्यालय/शोध संस्थान

10. केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय
का
2024-25 का वार्षिक लेखा

वर्ष 2024-25 के लिए प्राप्तियाँ और भुगतान की समेकित अनुसूची

AA page No. 01

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

31 मार्च 2025 का वित्तीय विवरण

(राशि ₹ में)

समग्र/पूंजीगत निधि एवं देयताएँ	अनुसूची	चालू वर्ष 2024-25	पूर्व वर्ष 2023-24
समग्र/पूंजी निधि	1	-93,27,44,800.00	-72,64,97,344.00
चिन्हित/अक्षय निधि	2	10,19,30,196.00	8,69,13,923.00
वर्तमान देयताएँ एवं प्रावधान	3	6,77,21,87,830.00	6,40,94,17,917.00
योग		**5,94,13,73,226.00**	**5,76,98,34,496.00**
स्थायी परिसम्पत्तियाँ			
मूर्त परिसम्पत्तियाँ	4	2,58,47,77,150.00	2,52,61,41,524.00
निर्माणाधीन पूँजीगत कार्य		19,321.00	11,95,432.00
अमूर्त परिसम्पत्तियाँ		2,24,37,29,402.00	2,47,21,49,891.00
निवेश - निर्धारित/दान निधि			
दीर्घ अवधि		-	-
लघु अवधि	5	45,45,379.00	30,39,191.00
निवेश - अन्य	6	57,69,49,149.00	42,20,25,199.00
वर्तमान परिसम्पत्तियाँ	7	30,40,00,819.00	32,26,06,419.00
ऋण, अग्रिम एवं जमा राशि (जहाँ समाप्त या समायोजित नहीं किया गया है)	8	22,73,52,006.00	2,26,76,840.00
योग		**5,94,13,73,226.00**	**5,76,98,34,496.00**
महत्त्वपूर्ण लेखांकन नीतियां	23		
आकस्मिक देनदारियां एवं खाता टिप्पणियाँ	24		

स्थान - नई दिल्ली
दिनांक - 18 जून, 2025

ह०	ह०	ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)	उप निदेशक (वित्त)	वित्त अधिकारी

AA page No. 02

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

31 मार्च 2025 का आय एवं व्यय लेखा

(राशि ₹ में)

आय	अनुसूची	चालू वर्ष (2024-25)	पूर्व वर्ष (2023-24)
शैक्षिक प्राप्तियाँ	**9**	8,12,60,950.00	7,47,16,036.00
अनुदान/आर्थिक सहायता	10	3,44,50,00,000.00	3,10,10,46,908.00
निवेश से आय	11	2,96,64,092.00	2,07,22,677.00
अर्जित ब्याज	12	87,29,874.00	70,74,025.00
अन्य आय	13	4,72,77,134.00	3,53,68,098.00
पूर्व अवधि आय	**14**	-	2,11,39,970.00
योग (ए)		**3,61,19,32,050.00**	**3,26,00,67,714.00**
व्यय			
कर्मचारी भुगतान एवं लाभ (स्थापना खर्च)	15	95,03,51,792.00	98,76,59,374.00
शैक्षिक व्यय	16	1,80,01,47,263.00	1,51,06,92,154.00
प्रशासनिक व्यय	17	31,65,97,875.00	25,74,44,706.00
यात्रा व्यय	18	69,25,143.00	44,91,125.00
मरम्मत एवं रख रखाव	19	5,70,37,777.00	2,29,47,737.00
वित्तीय लाग	20	50,434.00	38,689.00
ह्रास (अनुसूची 4 में वर्ष के अंत में शुद्ध कुल)	4	9,40,74,826.00	8,87,00,420.00
अन्य व्यय	21	4,43,02,426.00	6,98,40,577.00
पूर्व अवधि व्यय	22	-	-
कर्मचारी भुगतान एवं लाभ (व्यवस्था)	15A	54,55,10,819.00	1,12,00,85,352.00
योग (बी)		**3,81,49,98,355.00**	**4,06,19,00,134.00**
शेष - आय का व्यय पर आधिक्य (ए-बी)		-20,30,66,305.00	-80,18,32,420.00
निर्दिष्ट निधि में धन स्थानांतरण		-	-
भवन निधि में स्थानान्तरण		-	-
अन्य-पेंशन निधि में स्थानान्तरण		-	-
शेष बकाया अधिशेष (घाटा) को समग्र कोष पूँजी निधि में ले जाया गया		**-20,30,66,305.00**	**-80,18,32,420.00**
महत्त्वपूर्ण लेखा नीतियां	23		
खातों पर आकस्मिक दायित्व और टिप्पणियां	**24**		

स्थान - नई दिल्ली

दिनांक - 18 जून, 2025

ह०	ह०	ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)	उप निदेशक (वित्त)	वित्त अधिकारी

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

31.03.2025 को समाप्त वर्ष के लिए तुलनपत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 1 - समग्र कोष/पूंजी निधि

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष (2024-25)	पूर्व वर्ष (2023-24)
वर्ष के प्रारंभ में शेष	-72,64,97,344.00	-46,82,26,538.00
आय और व्यय खाते से हस्तांतरित शुद्ध आय का संतुलन	-20,30,66,305.00	-80,18,32,420.00
भारत सरकार के अनुदान का पूंजीगत व्यय के लिए उपयोग किया गया	12,69,00,000.00	53,99,32,374.00
जमा : आंतरिक निधि से खरीदी गई संपत्ति	7,019.00	30,20,255.00
जमा : परिसरों से प्राप्त रकम	17,49,745.00	
घटा : संपत्ति में कमी (बिक्री)	-	-
घटा : परिसम्पत्तियों में कमी लाने की कार्य प्रगति	-20,85,70,658.00	
जमा : दान में पुस्तकें	4,034.00	3,48,314.00
घटा : पिछले वर्ष दिखाया गया अतिरिक्त पैंशन फंड अब वापिस किया गया	-	-
घटा : पूर्व अवधि : समायोजन अब आय के रूप में लिया जाता है	7,67,28,709.00	2,60,671.00
वर्ष के अन्त में शेष राशि	**-93,27,44,800.00**	**-72,64,97,344.00**

AA page No. 04

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

31.03.2025 को समाप्त वर्ष के लिए तुलनपत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियाँ

(राशि ₹ में)

अनुसूची 2 - निर्दिष्ट/चिह्नित/अक्षय निधि		निधि-वार ब्रेक-अप					योग	
विवरण	स्वामी विवेकानन्द युवा निधि कोष	पूर्व छात्रों का दान	छात्र निधि (छात्रकोष)	कैंन्टीन निधि	अक्षय निधि (मुख्यालय)	अक्षय निधि (परिसर)	चालू वर्ष (2024-25)	पूर्व वर्ष (2023-24)
निर्दिष्ट/चिह्नित/अक्षय निधि	39,525	8,14,153	8,40,40,239	-	13,57,872	15,15,812	8,77,67,601	7,81,01,601
जमा/घटा : पिछले वर्ष गलत तरीके से ली गई राशि अब वापिस की गई	-	-	-	-	-	-	-	-
जमा : वर्तमान वर्ष में प्राप्त राशि	28,92,695	-	2,07,96,560	1,56,71,447	12,79,000	2,25,000	4,08,64,702	1,22,45,985
सावधि जमा में निवेश से आय	-		27,86,065	-	84,792	96,537	29,67,394	28,76,969
बचत बैंक खाते पर ब्याज	45,705	56,790	11,93,216	52,527	-	12,417	13,60,655	7,09,994
अन्य निवेश पर ब्याज	-	-	-	-	-	-	-	-
चालू वित्तीय वर्ष के दौरान सामान्य प्राप्तियाँ	-	-	3,28,50,968	55,21,098	7,09,226	1,44,949	3,92,26,241	3,15,64,494
योग (ए)	29,77,925.00	8,70,943	14,16,67,048	2,12,45,072	34,30,890	19,94,715	17,21,86,593	12,54,99,043
बी. निधियों के उद्देश्य की दिशा में उपयोग/व्यय								
निधि से किया गया सामान्य व्यय	-	8,14,153	2,15,632	1,76,20,595	19,88,226	1,44,949	2,07,83,555	42,02,014
राजस्व व्यय/वर्ष के दौरान वापसी की गई धनराशि	6,00,000.00	-	65,05,049	-	1,353	91,999	71,98,401	49,96,837
राजस्व व्यय (पूर्व वर्ष/वर्तमान वर्ष का समायोजन)	-	-	40,69,080	-	-	-	40,69,080	30,97,142
अन्य विविध प्राप्तियाँ/वर्तमान वर्ष के दौरान किया गया लेन-देन	89.00		1,68,67,680	-	-	-	1,68,67,769	2,62,89,127
अनुसूची-3 में जमा पुस्तकालय राशि तथा छात्रावास स्थानांतरण राशि			2,13,37,592				2,13,37,592	
योग (बी)	6,00,089	8,14,153	4,89,95,033	1,76,20,595	19,89,579	2,36,948	7,02,56,397	3,85,85,120
वर्ष के अन्त में शेष राशि (ए+बी)	23,77,836.00	56,790	9,26,72,015	36,24,477	14,41,311	17,57,767	10,19,30,196	8,69,13,923
उपस्थापित कर्ता :								
1. नकद	-	-	26,956		-	-	26,956	2,03,775
2. बैंक में शेष	23,77,836.00	56,790	5,91,00,947	36,24,477	7,32,085	14,767	6,59,06,902	4,08,35,945
3. निवेश	-	8,14,153	4,41,78,341		19,88,226	17,43,000	4,87,23,720	4,58,74,203
4. अर्जित ब्याज किन्तु देय नहीं	-	-	5,96,715		-	-	5,96,715	
योग	23,77,836.00	8,70,943	10,39,02,959	36,24,477	27,20,311	17,57,767	11,52,54,293	8,69,13,923

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

31.03.2025 को समाप्त वर्ष के लिए तुलनपत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियाँ

(राशि ₹ में)

निर्धारित/दान निधि का संलग्नक	निधि-वार ब्रेक-अप																			योग	
विवरण	स्वामी विवेकानन्द पुरा निधि कोष	पूर्व छात्र दानकोष	छात्र निधि (छात्रकोष)	कैंटीन कोष	जमानत राशि पुस्तकालय	जमानत राशि छात्रावास	जिंदल ट्रस्ट	दूबे अवार्ड	सोमैया ट्रस्ट	शुक्ला ट्रस्ट	आर.के. शर्मा	आर. वेंकटाचलम	आचार्य आर. वेंकटाचलम	डॉ. हिन्दवेकसी अवार्ड	सावित्री व हरिहर झा अवार्ड	श्री देवल सितावितेका एव अवार्ड	गाली	गुरुवायूर	शृंगेरी	चालू वर्ष 2024-25	पूर्व वर्ष 2023-24
निर्दिष्ट चिह्नित/अक्षय निधि	399.25	8,14,153.00	7,28,11,888.00	-	34,41,334.00	80,87,139.00	2,29,215.00	8,858.00	4,43,715.00	5,000.00	6,39,131.00	1,14,806.00	-	-			33,043.00	1,44,948.00	13,33,000.00	8,77,41,461.00	7,81,01,471.00
जमा/घटा : पूर्व वर्ष में ली गई रकम की वापसी							-		-	-	-	-	-	-	-	-				-	-
जमा : वर्ष के दौरान प्राप्त रकम	28,82,695.00	-	1,15,08,547.00	1,56,11,447.50	23,36,360.50	65,58,053.00						-	1,01,850.00	1,01,800.00	5,55,008.00	5,22,850.00			2,25,850.00	4,09,84,782.00	1,22,45,865.50
निधि में निवेश से आय	-	-	27,86,605.00		-	-	11,809.00	488.00	20,862.00	858.00	42,779.00	6,815.00					-	-	60,537.00	29,87,394.00	28,76,806.00
बचत खाते पर अर्जित ब्याज	45,765.56	56,785.00	11,58,528.00	52,527.86	30,686.00	-				-	-	-				-	2,158.00	10,228.00	-	13,66,855.00	7,08,804.00
अन्य निवेश पर अर्जित ब्याज	-	-	-		-	-		-	-	-	-	-						-	-	-	-
वर्ष के दौरान सामान्य प्राप्तियाँ	-	-	3,23,71,758.00	55,21,086.00	4,79,200.00	-	1,45,225.00	8,009.00	2,50,000.00	5,000.00	2,50,800.00	50,000.00						1,44,949.00	-	3,92,26,241.00	3,15,64,408.00
योग (ए)	29,77,925.00	8,70,943.00	12,05,29,456.00	2,12,46,072.00	63,01,299.00	1,59,46,392.00	3,85,315.00	18,338.00	7,33,777.00	10,858.00	8,31,918.00	1,73,782.00	1,01,800.00	1,01,800.00	5,55,000.00	5,22,800.00	35,051.00	3,08,127.00	18,59,537.00	17,21,86,593.00	12,94,56,142.00
निधियों के उद्देश्य की दिशा में उपयोग व्यय																					
निधि द्वारा बनाया सामान्य व्यय	-	8,14,153.00	2,15,632.00	1,76,20,585.00		-	1,45,226.00	8,009.00	2,50,800.00	5,000.00	2,50,800.00	50,000.00	1,01,800.00	1,01,800.00	6,55,000.00	5,22,800.00	-	1,44,949.00	-	2,07,83,585.00	42,32,094.00
राजस्व व्यय/वर्ष के दौरान वापसी	6,60,020.00	-	65,65,240.00		-	-	-		-	27.00	1,326.00	-						10,229.00	81,770.00	71,98,481.00	40,06,507.00
राजस्व व्यय (पूर्व/वर्तमान अवधि का समायोजन)	-	-	44,62,280.00		-	-	-		-		-	-						-	-	40,85,885.00	30,37,140.00
अन्य विविध भुगतान/वर्ष के दौरान लेन-देन	88.00		1,59,87,880.00		-	-				-									-	1,66,67,766.00	2,62,55,127.00
पुस्तकालय राशि तथा छात्रावास स्थानांतरण राशि अनुसूची-3 में जमा					92,81,290.00	1,60,46,392.00														2,13,27,583.00	
योग (बी)	6,60,088.00	8,14,153.00	2,75,57,441.00	1,76,20,585.00	-	-	1,48,228.00	8,008.00	2,50,800.00	5,027.00	2,51,326.00	50,000.00	1,01,800.00	1,01,800.00	5,55,000.00	5,22,800.00	-	1,55,178.00	81,770.00	4,99,18,098.00	3,85,95,128.00
वर्ष में अंतिम शेष (ए - बी)	23,17,838.00	56,790.00	9,29,72,015.00	36,24,477.00	-	-	2,37,088.00	10,330.00	4,83,777.00	5,829.00	5,80,594.00	1,23,782.00	-	-	-	-	35,051.00	1,44,949.00	18,77,767.00	[illegible]	9,08,13,023.00
(सी) प्रतिनिधित्व :																					
1. नकद	-	-	26,956.00			-	-	-	-		-	-								26,956.00	2,23,775.00
2. बैंक में शेष	23,77,838.00	56,790.00	5,91,00,947.00	36,24,477.00	-	-	68,663.00	4,330.00	2,33,777.00	825.00	3,30,584.00	73,782.00					-		14,767.00	6,90,06,582.00	4,55,35,948.00
3. निवेश		8,14,153.00	4,41,76,341.00				1,48,226.00	6,000.00	2,50,000.00	5,000.00	2,50,000.00	50,000.00	1,01,000.00	1,01,000.00	5,55,000.00	5,22,000.00	35,051.00	1,44,949.00	19,63,000.00	4,67,23,726.00	4,58,74,293.00
4. अर्जित ब्याज पर देय नहीं	-	-	5,90,715.00				-		-	-	-	-					-	-	-	5,90,715.00	-
योग	23,77,838.00	8,70,943.00	10,38,82,958.00	36,24,477.00	-	-	2,37,089.00	10,330.00	4,83,777.00	5,825.00	5,80,584.00	1,23,782.00	1,01,000.00	1,01,000.00	5,55,000.00	5,22,000.00	35,051.00	1,44,949.00	19,77,767.00	11,52,58,253.00	9,08,13,023.00

AA page No. 06

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

31.03.2025 को समाप्त वर्ष के लिए तुलनपत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 3 - वर्तमान देनदारियां एवं प्रावधान

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष (2024-25)	पूर्व वर्ष (2023-24)
वर्तमान देनदारियां		
भवन निधि से जमा	-	-
छात्रों द्वारा जमा	-	-
विविध लेनदार (छुट्टी वेतन एवं पी.सी.)	15,07,413.00	33,40,808.00
विविध लेनदार जी.ओ.एल. (जी.ओ.एल. को देय ब्याज)	-	-
अन्य जमा शामिल ई.एम.डी./सुरक्षा	54,98,89,787.00	40,00,91,997.00
प्रायोजित फैलोशिप/छात्रवृत्ति देनदारियां	1,31,44,520.00	-
प्रायोजित परियोजना देनदारियां	1,47,11,305.00	1,94,58,448.00
अन्य वर्तमान देनदारियां		
देय वेतन, पेंशन, देय एन.पी.एस.	7,59,49,556.00	9,91,15,376.00
प्रायोजित परियोजना के विरुद्ध प्राप्तियाँ	-	-
शोधछात्रवृत्ति एवं छात्रवृत्ति के विरुद्ध प्राप्तियाँ	-	-
अप्रयुक्त अनुदान	-	67,626.00
अग्रिम अनुदान	-	-
उपार्जित देयता	-	-
योग (ए)	**65,52,02,581.00**	**52,20,74,255.00**

प्रावधान		
कराधान के लिए प्रावधान	-	-
ग्रेच्युटी के लिए प्रावधान	29,22,18,638.00	27,99,51,370.00
सेवानिवृत्ति/पेंशन के लिए प्रावधान	5,44,49,65,447.00	5,25,39,16,183.00
संचित छुट्टियों का नकदीकरण	37,86,46,764.00	35,03,42,193.00
योग (बी)	**6,11,58,30,849.00**	**5,88,42,09,746.00**
वैधानिक दायित्व योग (सी)	**11,54,400.00**	**31,33,916.00**
योग (ए+बी)	**6,77,21,87,830.00**	**6,40,94,17,917.00**

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

31.03.2025 को समाप्त वर्ष के लिए तुलनपत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियाँ

अन्य वर्तमान देनदारियां संलग्नक 31.03.2025

विवरण	प्रारंभिक	संयोजन	भुगतान	अंतिम रोकड़
वैधानिक देयताएं				
आय कर	-	13,03,83,062.00	13,03,83,062.00	-
जी.पी.एफ.	-	3,38,66,110.00	3,38,66,110.00	-
एन.पी.एस.	87,799.00	4,33,01,474.00	4,33,01,474.00	87,799.00
जी.आई. प्रीमियम	1,61,093.00	76,336.00	-	2,37,429.00
जी.आई.एस. देनदारियाँ	2,34,469.00	3,83,888.00	3,83,888.00	2,34,469.00
परिसरों की अन्य देनदारियाँ	5,53,263.00	-	-	5,53,263.00
एल.आई.सी.	2,571.00	6,74,444.00	6,77,015.00	-
अन्य खातों को प्रेषण देय अन्य राशि	3,61,167.00	-	3,61,167.00	-
टी.डी.एस.	48,175.00	88,48,414.00	88,55,149.00	41,440.00
जी.एस.टी.	-	40,14,075.00	40,14,075.00	-
पेशेवर कर	-	13,95,742.00	13,95,742.00	-
अन्य परिसरों का स्थानांतरण/अन्य खाते/निधियाँ	16,85,379.00	26,42,13,809.00	26,58,99,188.00	-
मध्यप्रदेश सरकार से प्राप्त राशि	-	1,17,77,925.00	1,17,77,925.00	-
योग	**31,33,916.00**	**49,89,35,279.00**	**50,09,14,795.00**	**11,54,400.00**

ई.एम.डी. का संलग्नक/जमानती राशि 31.03.2025

विवरण	प्रारंभिक	संयोजन	भुगतान	अंतिम रोकड़
ई.एम.डी. सहित अन्य जमा/प्रतिभूति				
बयाना जमा राशि	18,52,244.00	11,92,013.00	11,02,313.00	19,41,944.00
पेंशन फंड	3,00,00,000.00	-	-	3,00,00,000.00
विविध देनदारियां हेतु समग्र निधि	35,36,57,564.00	1,13,61,41,067.00	98,70,27,823.00	50,27,70,808.00
आकस्मिक देयताएँ (न्यायालय मुकदमा) सेवानिवृत्ति लाभ	1,02,87,367.00	48,89,668.00	-	1,51,77,035.00
प्रकाशन हेतु मध्यप्रदेश सरकार द्वारा प्राप्त अग्रिम राशि	42,94,822.00	-	42,94,822.00	-
अक्षय निधि	-	-	-	-
योग	**400091997.00**	**1142222748.00**	**992424958.00**	**549889787.00**

संलग्नक प्रायोजित अध्येतावृत्ति एवं छात्रवृत्ति 31.03.2025

विवरण	प्रारंभिक	संयोजन	भुगतान	अंतिम रोकड़
प्रायोजित अध्येतावृत्ति/छात्रवृत्ति देनदारियाँ				
अनुसंधान छात्रवृत्ति जे.एन.यू.	-	-	-	-
पुस्तकालय जमानत राशि	-	62,91,200.00	16,82,337.00	46,08,863.00
छात्रावास जमानत राशि	-	1,50,46,392.00	65,10,735.00	85,35,657.00
योग	**0.00**	**21337592.00**	**8193072.00**	**13144520.00**

संलग्नक प्रायोजित परियोजना 31.03.2025

विवरण	प्रारंभिक	संयोजन	भुगतान	अंतिम रोकड़
प्रायोजित परियोजना देनदारियां				
अष्टादशी परियोजना	1,14,85,318.00	73,23,328.00	97,92,790.00	90,15,856.00
मूक्स परियोजना	33,73,085.00	7,75,000.00	5,02,630.00	36,45,455.00
भारतीय जानकारी योजना (आई.के.एस.) एल.बी.एस.	33,54,202.00	-	26,36,147.00	7,18,055.00
ज्योतिष परियोजनाएँ	1,71,219.00	-	1,16,585.00	54,634.00
अन्य परिजनाएँ	10,74,624.00	2,92,772.00	90,091.00	12,77,305.00
योग	**19458448.00**	**8391100.00**	**13138243.00**	**14711305.00**

वर्तमान सम्पत्तिया संलग्नक - ऋण एवं अग्रिम 31.03.2025

विवरण	प्रारंभिक	संयोजन	भुगतान	अंतिम रोकड़
कर्मचारियों को अल्पकालिक अग्रिम भुगतान				
आकस्मिक अग्रिम	19,28,400.00	2,23,88,142.00	2,24,38,142.00	**18,78,400.00**
एल.टी.सी. अग्रिम	12,24,597.00	3,53,691.00	3,57,691.00	**12,20,597.00**
टी.ए. अग्रिम	30,815.00	11,47,100.00	11,48,700.00	**29,215.00**
यात्रा वाहन अग्रिम	1,36,663.00	-	-	**1,36,663.00**
चिकित्सकीय अग्रिम	5,76,656.00	50,000.00	4,87,522.00	**1,39,134.00**
डाक अग्रिम	-	1,20,000.00	1,20,000.00	-
कर्मचारियों को दीर्घ अवधि अग्रिम				
कार ऋण	-	16,000.00	16,000.00	-
मोटरसाइकिल ऋण	-	-	-	-
एच.बी.ए. लोन	2,84,467.00	29,241.00	1,27,152.00	**1,86,556.00**
अन्य (निर्दिष्ट)	4,40,000.00	-	2,10,000.00	**2,30,000.00**
संगणक ऋण	15,800.00	3,00,000.00	68,400.00	**2,47,400.00**
योग	**46,37,398.00**	**2,44,04,174.00**	**2,49,73,607.00**	**40,67,965.00**

AA page No. 10

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

31.03.2025 को समाप्त वर्ष के लिए तुलनपत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची - 4 - स्थायी सम्पत्तियाँ

(राशि ₹ में)

		कुल सम्पत्तियाँ			वर्ष में ह्रास					नेट ब्लॉक	
परिसम्पत्तियाँ मद	प्रारंभिक शेष 01.04.2025	समायोजन	कटौती	अन्तिम शेष	प्रारंभिक शेष ह्रास	ह्रास की दर	वर्ष में ह्रास	ह्रास/ समायोजन	कुल ह्रास	वर्तमान वर्ष 2024-25	पूर्व वर्ष 2023-24
i. जमीन - पूर्ण स्वामित्व	3595382.00	-	-	35,95,382.00	-	0.00%		-	-	35,95,382.00	35,95,382.00
ii. भूमि - पट्टे पर	5170175.00	-	-	51,70,175.00	27,78,720.00	0.00%	60,134.00	-	28,38,854.00	23,31,321.00	23,91,455.00
साइट का विकास	0.00	-	-	-	-	0.00%	-	-	-	-	-
भवन	2606575377.00	9,11,59,722.00	6,55,892.00	2,69,70,79,207.00	24,99,82,089.00	2.00%	5,39,41,584.00	-	30,39,23,673.00	2,39,31,55,534.00	2,35,65,93,288.00
सड़क एवं पुल	4069496.00	56,19,577.00	-	96,89,073.00	2,44,170.00	2.00%	1,93,781.00	-	4,37,951.00	92,51,122.00	38,25,326.00
ट्यूबवेल एवं पानी सप्लाई	1016960.00	3,68,944.00	-	13,85,904.00	76,131.00	2.00%	27,718.00	-	1,03,849.00	12,82,055.00	9,40,829.00
सीवरेज एवं ड्रेनेज	0.00	-	-	-	-	2.00%	-	-	-	-	-
बिजली संस्थापन एवं उपकरण	17168031.00	89,79,322	10,93,853.00	2,50,53,500.00	30,80,075.00	5.00%	12,52,675.00	-	43,32,750.00	2,07,20,750.00	1,40,87,956.00
यंत्र एवं मशीनरी	25532354.00	58,80,425	-	3,14,12,779.00	58,93,509.00	5.00%	15,70,639.00	-	74,64,148.00	2,39,48,631.00	1,96,38,845.00
जेनरेटर	37534461.00	-	-	3,75,34,461.00	2,56,28,641.00	5.00%	18,76,723.00	-	2,75,05,364.00	1,00,29,097.00	1,19,05,820.00
फर्नीचर, फिक्चर्स एवं फिटिंग्स	135671764.00	1,44,02,105	-	15,00,73,869.00	8,15,25,019.00	7.50%	1,12,55,540.00	-	9,27,80,559.00	5,72,93,310.00	5,41,46,745.00
लकड़ी के विभाजन	0.00	-	-	-	-	7.50%	-	-	-	-	-
कार्यालय उपकरण	10563765.00	67,44,401	-	1,73,08,166.00	25,27,700.00	7.50%	12,98,112.00	-	38,25,812.00	1,34,82,354.00	80,36,065.00
दृश्य श्रव्य उपकरण	11392103.00	57,97,345	-	1,71,89,448.00	22,93,262.00	7.50%	12,89,209.00	-	35,82,471.00	1,36,06,977.00	90,98,841.00
कम्प्यूटर एवं बाह्य उपकरण	64652690.00	1,16,85,085	-	7,63,37,775.00	4,06,39,726.00	20.00%	1,52,67,555.00	-	5,59,07,281.00	2,04,30,494.00	2,40,12,964.00
पाण्डुलिपियां	747000.00	-	-	7,47,000.00	-	0.00%	-	-	-	7,47,000.00	7,47,000.00
प्रयोगशाला उपकरण	1,31,17,112	-		1,31,17,112.00	29,86,821.00	8.00%	10,49,369.00	-	40,36,190.00	90,80,922.00	1,01,30,291.00
पुस्तकालय एवं वैज्ञानिक पत्रिकाएं	3,10,07,095	30,18,164.00	-	3,40,25,259.00	2,51,90,611.00	10.00%	34,02,526.00	1,36,792.00	2,87,29,929.00	52,95,330.00	58,16,484.00
वाहन	64,73,623	-	-	64,73,623.00	52,99,390.00	10.00%	6,47,362.00	-	59,46,752.00	5,26,871.00	11,74,233.00
कम मूल्य सम्पत्तियां	2,64,999	-	-	2,64,999.00	2,64,999.00	100.00%	-	-	2,64,999.00	-	-
कुल स्थायी सम्पत्तियाँ (ए)	**2,97,45,52,387.00**	**15,36,55,090.00**	**17,49,745.00**	**3,12,64,57,732.00**	**44,84,10,863.00**		**9,31,32,927.00**	**1,36,792.00**	**54,16,80,582.00**	**2,58,47,77,150.00**	**2,52,61,41,524.00**
पूंजीगत कार्य प्रगति पर (बी)	**2,47,21,49,891.00**	**7,13,13,533.00**	**29,97,34,022.00**	**2,24,37,29,402.00**	-	0.00%	-	-	-	**2,24,37,29,402.00**	**2,47,21,49,891.00**
अमूर्त संपत्तियाँ	प्रारंभिक शेष	समायोजन	कटौती	अन्तिम शेष	प्रारंभिक शेष ह्रास	ह्रास की दर	वर्ष में ह्रास	ह्रास/ समायोजन	कुल ह्रास/ समायोजन	31.03.2025	31.03.2024
कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर	44,02,413.00	32,200.00	-	44,34,613.00	41,57,354.00	40%	2,57,939	-	44,15,293	19,320.00	2,45,059.00
ई-जरनल/पुस्तकें	20,81,152.00	-	13,67,921.00	7,13,231.00	11,30,779.00	40%	-	5,47,168	7,13,230	1.00	9,50,373.00
पेटेंट	7,17,354.00	-	-	7,17,354.00	7,17,354.00	9 years	-		7,17,354	-	-
अमूर्त परिसम्पत्तियाँ योग (सी)	**72,00,919.00**	**32,200.00**		**58,65,198.00**	**60,05,487.00**		**2,57,939.00**	**5,47,168.00**	**58,45,877.00**	**19,321.00**	**11,95,432.00**
कुल योग (ए+बी+सी)	**5,45,39,03,197.00**	**22,50,00,823.00**	**30,14,83,767.00**	**5,37,60,52,332.00**	**45,44,16,350.00**	-	**9,33,90,866.00**	**6,83,960.00**	**54,75,26,459.00**	**2,58,47,96,471.00**	**2,52,73,36,956.00**

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

31.03.2025 को समाप्त वर्ष के लिए तुलनपत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 5 - निर्धारित निवेश/दान राशि (राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष (2024-25)	पूर्व वर्ष (2023-24)
अक्षय निधि पर निवेश		
जिंदल ट्रस्ट	1,48,226.00	1,48,226.00
दूबे ट्रस्ट	6,000.00	6,000.00
सोमैया ट्रस्ट	2,50,000.00	2,50,000.00
शुक्ला ट्रस्ट	5,000.00	5,000.00
आर.के. शर्मा	2,50,000.00	2,50,000.00
आर. देवनाथन	50,000.00	50,000.00
आचार्य आर. देवनाथन	1,01,000.00	-
डॉ. हिन्दकेसरी अवार्ड	1,01,000.00	
श्रीमती एवं श्री मदाला श्रीरमलिंगेश्वर राव	5,22,000.00	
श्रीमती एवं श्री हरिहर झा	5,55,000.00	
पूर्व छात्र निधि	8,14,153.00	8,14,153.00
अन्य (निर्दिष्ट किया जाएगा)	17,43,000.00	15,15,812.00
योग	**45,45,379.00**	**30,39,191.00**

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

31.03.2025 को समाप्त वर्ष के लिए तुलनपत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 6 - निवेश - अन्य

विवरण	चालू वर्ष (2024-25)	पूर्व वर्ष (2023-24)
सावधि जमा में निवेश		
अनुसूचित बैंक (सावधि जमा) छात्र फंड	4,41,78,341.00	4,36,49,165.00
अनुसूचित बैंक स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (सावधि जमा)	31,50,00,000.00	26,46,25,109.00
अनुसूचित बैंक पैंशन निधि (सावधि जमा)	3,00,00,000.00	3,00,00,000.00
अनुसूचित बैंक छुट्टियां वेतन एवं पी.सी. (सावधि जमा)	33,40,808.00	
अनुसूचित बैंक पी.एन.बी. (सावधि जमा)	6,00,00,000.00	
अनुसूचित बैंक पी.एन.बी. स्वत: स्वीप (सावधि जमा)	14,30,000.00	
अनुसूचित बैंक पी.एन.बी. मुक्त स्वाध्याय पीठ (सावधि जमा)	2,80,00,000.00	
अनुसूचित बैंक पी.एन.बी. समग्र (सावधि जमा)	9,50,00,000.00	
अन्य बैंक एच.डी.एफ.सी. (सावधि जमा)	-	8,37,50,925.00
योग	**57,69,49,149.00**	**42,20,25,199.00**

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

31.03.2025 को समाप्त वर्ष के लिए तुलनपत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 7 – वर्तमान परिसम्पत्तियाँ, ऋण, अग्रिम आदि (राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष (2024–25)	पूर्व वर्ष (2023–24)
वर्तमान परिसम्पत्तियाँ		
वर्तमान परिसम्पत्तियाँ		
स्टॉक	-	-
प्रकाशन	71,36,570.00	1,55,28,263.00
कुल वर्तमान परिसम्पत्तियाँ	**71,36,570.00**	**1,55,28,263.00**
विविध देनदार		
हाथ में रोकड़	-	-
हाथ में रोकड़ मु.स्वा.पी.	-	-
हाथ में रोकड़ (छात्र निधि)	-	-
कुल विविध देनदार	**-**	**-**
हाथ में रोकड़ अंतिम शेष		
हाथ में रोकड़	18,852.00	1,06,021.00
हाथ में रोकड़ एम.एस.पी.	-	-
हाथ में रोकड़ (छात्र निधि)	26,956.00	2,03,775.00
हाथ में रोकड़ परियोजना	30.00	
मुख्य खाते में अंतिम शेष		
अनुसूचित बैंक में बचत (मुख्य)	13,22,80,055.00	13,49,47,075.00
बचत खाता (आई.सी.आई.सी.ई.–2737)	3,39,50,248.00	4,02,29,694.00
बचत खाता (एस.बी.आई.–9392)	89,08,287.00	42,84,189.00
बचत खाता स्वामी विवेकानन्द युवा निधि कोष	23,77,837.00	39,525.00
बचत खाता (मु.स्वा.पी.)	1,71,314.00	1,43,19,780.00
चालू खाता (मु.स्वा.पी.)	3,32,520.00	1,88,14,772.00
बचत खाता (एस.बी.आई.–7453)	1,41,432.00	
आर.बी.आई. खाता	-	-
बचत खाता एच.डी.एफ.सी. बैंक	1,36,45,458.00	1,36,14,198.00
बचत खाता (परियोजना निधि)	1,83,81,954.00	2,22,23,565.00
बचत खाता पैंशन	2,19,90,308.00	1,82,03,737.00
बचत खाता (छात्र कैंटीन खाता)	47,70,677.00	
बचत खाता (छात्र सुरक्षा खाता)	40,96,494.00	
बचत खाता (छात्र निधि)	5,57,71,827.00	4,00,91,825.00
बैंक में कुल राशि	**29,68,64,249.00**	**30,70,78,156.00**
	30,40,00,819.00	**32,26,06,419.00**

AA page No. 14

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

31.03.2025 को समाप्त वर्ष के लिए तुलनपत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 8 - कर्ज, अग्रिम एवं अन्य परिसम्पत्तियाँ (राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष 2024-25	पूर्व वर्ष 2023-24
कर्मचारियों को अल्प अवधि अग्रिम		
आकस्मिक अग्रिम	18,78,400.00	19,28,400.00
एल.टी.सी. अग्रिम	12,20,597.00	12,24,597.00
टी.ए. अग्रिम	29,215.00	30,815.00
वाहन अग्रिम	1,36,663.00	1,36,663.00
चिकित्सा हेतु अग्रिम	1,39,134.00	5,76,656.00
डाक हेतु अग्रिम	-	-
कुल अल्प अवधि अग्रिम कर्मचारियों हेतु	**34,04,009.00**	**38,97,131.00**
कर्मचारियों को दीर्घ अवधि अग्रिम		
कार ऋण	-	-
मोटरसाईकिल ऋण	-	-
एच.बी.ए. ऋण	1,86,556.00	2,84,467.00
अन्य (निर्दिष्ट)	2,30,000.00	4,40,000.00
संगणक ऋण	2,47,400.00	15,800.00
कुल ऋण एवं अग्रिम	**6,63,956.00**	**7,40,267.00**
मुख्यालय/परिसरों द्वारा जमा		
पूँजीगत व्यय में अग्रिम भुगतान	20,85,70,658.00	-
एन.आई.सी.एस.आई. को अग्रिम भुगतान	1,20,39,797.00	1,58,70,856.00
बयाना राशि	4,51,500.00	4,51,500.00
दूरभाष विभाग	1,89,065.00	1,89,065.00
पट्टा किराया/डी.ए.वी.पी.	50,000.00	50,000.00
बिजली विभाग	11,650.00	11,650.00
सुरक्षा जमा राशि (मु.स्वा.पी., एवं दीक्षांत समारोह)	11,75,700.00	6,70,700.00
अन्य	13,549.00	13,549.00
कुल जमा दिया	**22,25,01,919.00**	**1,72,57,320.00**
योग (ए)	**22,65,69,884.00**	**2,18,94,718.00**
अर्जित आय/अन्य प्राप्तियाँ/उचंत खाते		
निवेश पर चिह्नित/अक्षय निधि	-	-
उचंत खाता (मुम्बई परिसर)	7,23,000.00	7,23,000.00
उचंत खाता नकद (मुम्बई परिसर)	59,122.00	59,122.00
अर्जित ब्याज एवं देय नहीं	-	-
(बी) कुल अर्जित ब्याज/अन्य प्राप्तियाँ/उचंत खाता	**7,82,122.00**	**7,82,122.00**
योग (ए) + (बी)	**22,73,52,006.00**	**2,26,76,840.00**

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

31.03.2025 को समाप्त वर्ष के लिए तुलनपत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 9 - प्रशासनिक प्राप्तियाँ (राशि ₹ में)

विवरण	वर्तमान वर्ष (2024-25)	पूर्व वर्ष (2023-24)
छात्रों से प्राप्त शुल्क		
शैक्षणिक शुल्क		
शिक्षा शुल्क	1,81,17,475.00	-
प्रवेश शुल्क	66,07,539.00	3,80,18,804.00
नामांकन शुल्क	8,13,895.00	-
पुस्तकालय शुल्क	24,78,756.00	4,688.00
एन.एफ.एस.ई.	55,729.00	72,99,250.00
योग	**2,80,73,394.00**	**4,53,22,742.00**
परीक्षाएँ		
प्रवेश शुल्क (पी.एच.डी.)	14,983.00	1,79,000.00
वार्षिक परीक्षा शुल्क	2,25,06,454.00	6,19,150.00
अंक तालिका, प्रमाणपत्र शुल्क	1,150.00	100.00
प्रवेश परीक्षा शुल्क	20,875.00	1,55,17,578.00
योग	**2,25,43,462.00**	**1,63,15,828.00**
अन्य शुल्क		
पहचान पत्र शुल्क	7,98,250.00	-
दण्ड/विविध शुल्क	1,04,900.00	33,295.00
ओलंपियाड	-	50,204.00
योग	**9,03,150.00**	**83,499.00**
अन्य प्रशासनिक प्राप्तियाँ		
प्रवेश फार्म शुल्क	52,500.00	42,400.00
खेलकूद शुल्क	14,28,800.00	
पाठ्यक्रम एवं प्रश्नपत्र शुल्क	250.00	-
संकाय विकास केन्द्र	1,21,000.00	-
अन्य गतिविधियां	80,71,725.00	
अन्य/आई.क्यू.ए.सी.	1,25,000.00	
पत्रिका शुल्क	1,08,985.00	12,52,542.00
कार्यशाला एवं कार्यक्रम शुल्क	1,20,000.00	98,000.00
अयोध्या में नाट्य प्रस्तुति	-	-
छात्र कोश द्वारा पूंजी का प्रेषण	26,590.00	21,295.00
पत्राचार प्राप्तियाँ/लाईब्रेरी अतिदेय प्रभार **योग**	**1,00,54,850.00**	**14,14,237.00**
मु.स्वा.पीठ प्राप्तियाँ	1,96,86,094.00	**1,15,79,730.00**
कुल योग	**8,12,60,950.00**	**7,47,16,036.00**

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

31.03.2025 को समाप्त वर्ष के लिए तुलनपत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 10 - अनुदान/सब्सिडी (स्थिर अनुदान प्राप्त) (राशि ₹ में)

विवरण	अनुदान				
	यू.जी.सी. अनुदान	गैर एन.ई.आर. खाता वर्तमान वर्ष (2024-25)	एन.ई.आर. खाता वर्तमान वर्ष (2024-25)	गैर एन.ई.आर. खाता पूर्व वर्ष (2023-24)	एन.ई.आर. खाता पूर्व वर्ष (2023-24)
शेष लाया गया	67,626.00	67,626.00	-	86,11,814.00	-
जोड़ : वर्ष के दौरान प्राप्तियाँ	3,57,19,00,000.00	3,41,00,00,000.00	16,19,00,000.00	3,50,29,12,052.00	15,50,00,000.00
योग	**3,57,19,67,626.00**	**3,41,00,67,626.00**	**16,19,00,000.00**	**3,51,15,23,866.00**	**15,50,00,000.00**
घटा : यू.जी.सी. को वापसी	-	-	-	3,67,575.00	2,51,09,383.00
शेष	**3,57,19,67,626.00**	**3,41,00,67,626.00**	**16,19,00,000.00**	**3,51,11,56,291.00**	**12,98,90,617.00**
घटा : पूंजीगत व्यय के लिए उपयोग (ए)	12,69,67,626.00	6,00,67,626.00	6,69,00,000.00	49,99,32,374.00	4,00,00,000.00
शेष	**3,44,50,00,000.00**	**3,35,00,00,000.00**	**9,50,00,000.00**	**3,01,12,23,917.00**	**8,98,90,617.00**
घटा : राजस्व व्यय के उपयोग (बी)	3,44,50,00,000.00	3,35,00,00,000.00	9,50,00,000.00	3,01,11,56,291.00	8,98,90,617.00
शेष ले जाया गया (सी)	**-**	**-**	**-**	**67,626.00**	**-**

(ए) पूँजीगत व्यय व स्थायी संपत्तियों में वर्तमान वर्ष की वृद्धि के रूप में परिलक्षित।

(बी) आय व्यय खाते में आय के रूप में परिलक्षित।

(सी) (i) तुलन पत्र में चालू देयता के रूप में परिलक्षित जिसे अगले वर्ष प्रारंभिक शेष के रूप में दिखाया जाएगा।

(ii) बैंक के शेष, निवेश और परिसंपत्तियों के पक्ष में अग्रिम द्वारा प्रतिनिधित्व किया।

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

31.03.2025 को समाप्त वर्ष के लिए तुलनपत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 11 - निवेश से आय

(राशि ₹ में)

विवरण	निवेश निर्धारित फंड		निवेश - अन्य	
	चालू वर्ष (2024-25)	पूर्व वर्ष (2023-24)	चालू वर्ष (2024-25)	पूर्व वर्ष (2023-24)
निवेश पर अर्जित ब्याज				
सावधि जमा पर ब्याज				
स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया अनुसूचित बैंक (सावधि जमा)			2,13,45,617.00	1,66,76,619.00
अनुसूचित बैंक मु.स्वा.पी. (सावधि जमा)			-	-
अन्य संस्थान एच.डी.एफ.सी. (सावधि जमा)			80,22,234.00	38,91,288.00
योग (ए)	**-**	**-**	**2,93,67,851.00**	**2,05,67,907.00**
निर्धारित/अनुवान निधि को स्थानांतरण				
सौमेया ट्रस्ट पर ब्याज	20,002.00	42,779.00		
दूबे पुरस्कार पर ब्याज	480.00	1,027.00		
जिंदल ट्रस्ट पर ब्याज	11,859.00	25,364.00		
शुक्ला ट्रस्ट पर ब्याज	856.00	-		
आर.के.शर्मा पर ब्याज	42,779.00	-		
आर. देवनाथ पर ब्याज	8,816.00	-		
पूर्व छात्र निधि पर ब्याज	56,790.00			
स्वामी विवेकानन्द युवा निधि कोष पर ब्याज	45,705.00	77.00		
अन्य प्रतिभूतियाँ पर अर्जित ब्याज (निर्दिष्ट)	1,08,954.00	85,523.00		
योग (बी)	**2,96,241.00**	**154770.00**	**0.00**	**0.00**
बकाया	**2,96,241.00**	**154770.00**	**2,93,67,851.00**	**2,05,67,907.00**

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

31.03.2025 को समाप्त वर्ष के लिए तुलनपत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 12 – अर्जित ब्याज

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष (2024-25)	पूर्व वर्ष (2023-24)
बचत खाता पर अर्जित ब्याज		
अनुसूचित बैंक पर ब्याज - बचत खाते पर	43,22,535.00	54,02,727.00
बैंक पर ब्याज - एच.डी.एफ.सी. बचत खाता	3,16,996.00	3,48,564.00
मु.स्वा.पी. बचत खाते पर अर्जित ब्याज	3,55,816.00	3,77,862.00
बैंक पर ब्याज - आई.सी.आई.सी.आई. बचत खाता	26,62,959.00	
बैंक पर ब्याज - एस.बी.आई. 9392 बचत खाता	1,97,792.00	
बैंक पर ब्याज - एस.बी.आई. 7453 बचत खाता	2,051.00	
पेंशन बचत खाते पर अर्जित ब्याज	1,82,430.00	1,54,914.00
भवन खाते पर ब्याज व परियोजना खाता	5,45,857.00	5,64,289.00
ऋण एवं अग्रिम पर अर्जित ब्याज		
ऋण एवं अग्रिम पर ब्याज	-	-
घरेलू बिल्डिंग पर ब्याज	26,501.00	36,000.00
संगणक अग्रिम पर ब्याज	37,235.00	1,06,669.00
कार अग्रिम पर ब्याज	75,933.00	80,000.00
मोटर साइकिल पर ब्याज	3,769.00	3,000.00
योग	**87,29,874.00**	**70,74,025.00**
नोट - स्रोत पर की जाने वाली कर की कटौती		

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

31.03.2025 को समाप्त वर्ष के लिए तुलनपत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 13 - अन्य आय

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष (2024-25)	पूर्व वर्ष (2023-24)
विविध आय		
जमीन एवं भवन से आय		
छात्रावास कक्ष किराया/एच.आर.ए.	16,02,366.00	19,09,350.00
लाइसेंस शुल्क	5,83,015.00	6,11,375.00
प्रेक्षागृहम् किराया/खेल मैदान/सम्मेलन कक्ष आदि	34,00,011.00	19,76,592.00
बिजली शुल्क वापिस	1,84,116.00	1,62,753.00
पानी शुल्क वापिस	21,600.00	22,989.00
विविध प्राप्तियाँ	15,59,077.00	10,85,211.00
हाउसकीपिंग से जुर्माना	2,06,167.00	-
परिसरों से प्राप्त पूंजी निधि	18,17,371.00	-
परिवहन संग्रह	2,23,150.00	1,93,600.00
अन्य आय		
परामर्श से आय	-	-
आर.टी.आई. शुल्क	694.00	150.00
संस्थान प्रकाशन से आय	1,39,26,830.00	51,71,034.00
आवेदन पत्र बिक्री (भर्ती)	12,19,000.00	-
विविध प्राप्तियाँ (निविदा पत्र बिक्री, रद्दी पेपर आदि)	16,24,481.00	5,82,581.00
बिक्री से लाभ/सम्पत्ति निपटान/एल.डी.सी. फार्म	1,700.00	1,57,221.00
सम्पत्ति की बिक्री	-	-
अष्टादशी परियोजना	10,00,000.00	
परिसरों के प्रकाशन की बिक्री	2,68,183.00	-
स्वामी विवेकानन्द युवा निधि कोष को दान/संस्थान, सेवाए कल्याणकारी निकाय और अन्तर्राष्ट्रीय संगठन	28,92,695.00	39,448.00
अक्षय निधि प्राप्तियाँ	12,79,000.00	51,000.00
मध्यप्रदेश सरकार से प्राप्त राशि	1,17,77,925.00	-
अवकाश वेतन एवं पी.सी. (मुख्यालय)	15,07,413.00	-
मुख्य खाते से पेंशन खाते में स्थानांतरित राशि	-	1,79,26,820.00
अन्य संस्थानों से प्राप्त राशि	21,82,340.00	54,77,974.00
योग	**4,72,77,134.00**	**3,53,68,098.00**

AA page No. 20

अनुसूची 14 – पूर्व अवधि आय

विवरण	चालू वर्ष (2024-25)	पूर्व वर्ष (2023-24)
पूर्व अवधि आय		
एन.पी.एस. राशि पूर्व वित्तीय वर्ष में नहीं ले जाया गया	-	-
पूर्व वर्ष खाता में आय नहीं ले जाया गया	-	-
पिछले वर्षों की आय पर अर्जित ब्याज को अब वापिस किया गया	-	666.00
राशि को गलत तरीके से खर्च किया गया अब पूर्व आय को वापिस किया गया	-	26,000.00
गलत तरीके से व्यय खाते में ली गई राशि को अब उलट दिया गया है और पूर्व अवधि की आय के रूप में लिया गया है - एन.आई.सी.एस.आई.	-	2,11,13,304.00
योग	**-**	**2,11,39,970.00**

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

31.03.2025 को समाप्त वर्ष के लिए तुलनपत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 15 – कर्मचारी भुगतान एवं लाभ (स्थापना व्यय)

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष (2024-25)	पूर्व वर्ष (2023-24)
राजस्व व्यय		
वेतन के लिए राजस्व व्यय		
संकाय का वेतन	67,31,50,502.00	71,70,56,138.00
गैर संकाय का वेतन	18,62,20,516.00	18,46,58,542.00
मानदेय	8,44,500.00	8,67,500.00
कर्मचारी कल्याण खर्च	-	-
सेवानिवृत्ति एवं राजस्व व्यय		
संचय पेंशन	44,66,31,317.00	1,03,55,86,146.00
उपहार (उपदान)	4,35,97,458.00	2,48,27,326.00
छुट्टी का वेतन (सेवानिवृत्ति)	5,52,82,044.00	5,96,71,880.00
छुट्टी का वेतन एवं पेंशन	-	-
पेंशन एवं पेंशन की सुविधाएं	-	-
नई पेंशन योजना (विश्वविद्यालय साझा करना)	6,60,98,810.00	6,98,74,026.00
राजस्व व्यय अन्य अवयवों हेतु		
बच्चों के लिए शिक्षा भत्ता	70,75,229.00	47,09,959.00
चिकित्सा अदायगी	1,24,72,342.00	63,97,557.00
छुट्टी का नकदीकरण (10 दिन)	-	-
छुट्टी यात्रा रियायत (एल.टी.सी.)	44,89,893.00	40,95,652.00
योग	**1,49,58,62,611.00**	**2,10,77,44,726.00**

AA page No. 22

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

31.03.2025 को समाप्त वर्ष के लिए तुलनपत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 15 (ए) - कर्मचारी सेवानिवृत्ति - बर्खास्तगी भुगतान एवं लाभ (स्थापना व्यय) (राशि ₹ में)

विवरण	पेंशन	ग्रेच्युटी	अर्जित छुट्टियां	योग
वर्ष में शेष 1.4.2024	**5,25,39,16,183.00**	**27,99,51,370.00**	**35,03,42,193.00**	**5,88,42,09,746.00**
जमा : जी.ओ.एल. से प्राप्त योगदान का पूंजीकृत मूल्य	-	-	-	-
योग (ए)	5,25,39,16,183.00	27,99,51,370.00	35,03,42,193.00	5,88,42,09,746.00
घटा : वर्ष के दौरान वास्तविक भुगतान	25,55,82,053.00	3,13,30,190.00	2,69,77,473.00	31,38,89,716.00
उपलब्ध शेष राशि दिनांक 31.03.2025 सी (ए-बी)	4,99,83,34,130.00	24,86,21,180.00	32,33,64,720.00	5,57,03,20,030.00
आवश्यक प्रावधान दिनांक 31.03.2025 वास्तविक मूल्यांकन के अनुसार (डी.)	5,44,49,65,447.00	29,22,18,638.00	37,86,46,764.00	6,11,58,30,849.00
ए. चालू वर्ष में किए जाने वाला प्रावधान (डी-सी)	44,66,31,317.00	4,35,97,458.00	5,52,82,044.00	54,55,10,819.00
बी. नई पेंशन योजना को योगदान	-	-	-	-
सी. सेवानिवृत्त कर्मचारियों को चिकित्सा प्रतिपूर्ति	-	-	-	-
डी. सेवानिवृत्त होने पर गृहनगर की यात्रा	-	-	-	-
ई. जमा लिंक बीमा भुगतान	-	-	-	-
योग - (ए+बी+सी+डी+ई)	44,66,31,317.00	4,35,97,458.00	5,52,82,044.00	54,55,10,819.00

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

31.03.2025 को समाप्त वर्ष के लिए तुलनपत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 16 – योजनाशैक्षिक व्यय

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष (2024-25)	पूर्व वर्ष (2023-25)
कनिष्ठ शोध अध्येता/अध्येतावृत्ति/छात्रवृत्ति व्यय		
भुगतान - शोध छात्रवृत्ति	1,91,27,312.00	1,98,95,670.00
भुगतान - कनिष्ठ शोध अध्येता/वरिष्ठ शोध अध्येता	-	10,44,477.00
भुगतान - छात्रों को छात्रवृत्ति	10,78,34,540.00	14,32,14,210.00
योग	**12,69,61,852.00**	**16,41,54,357.00**
अकादमिक व्यय		
प्रयोगशाला व्यय	3,16,173.00	3,91,158.00
बौद्धिक विरासत कार्यक्रम	-	2,25,822.00
सेमिनार खर्च/कार्यशाला	3,52,05,367.00	4,14,48,103.00
अभ्यागत संकाय भुगतान	19,05,09,689.00	18,40,82,170.00
परीक्षा	1,59,64,932.00	1,36,58,552.00
छात्र कल्याण खर्च	5,44,829.00	2,75,573.00
प्रशिक्षण/प्रवेश खर्च	63,674.00	11,01,902.00
दीक्षांत समारोह खर्च	9,22,388.00	2,51,50,598.00
पत्रिका (प्रकाशन व्यय)	9,18,275.00	3,44,075.00
कुरियाकोस स्मृति कार्यक्रम	94,806.00	1,00,000.00
अनुसंधान खर्च	4,47,876.00	51,92,878.00
अन्य (निर्दिष्ट) बैठक भत्ता	-	2,06,967.00
अखिल भारतीय युवा महोत्सव	1,49,27,200.00	1,39,47,153.00
वार्षिक उत्सव	9,46,691.00	9,36,556.00
सामूहिक वृक्षारोपण कार्यक्रम (मेरी मिट्टी मेरा देश)	2,99,512.00	21,46,106.00
कम्प्यूटर शिक्षा/ई-टेक्स्ट/विभिन्न पाठ्यक्रम	-	19,44,623.00
दूरस्थ शिक्षा (मुक्त स्वाध्याय पीठ)	1,54,49,330.00	20,92,937.00
सी.सी. आकस्मिकता/ए.आई.यू.	2,41,251.00	3,46,264.00
स्थापना दिवस	-	1,67,305.00
ई-ग्रन्थालय/उपोद्घातग्रन्थमाला	-	5,28,590.00
रूपक महोत्सव	1,75,40,421.00	1,48,31,754.00
एकता दिवस/मातृ भाषा दिवस	67,765.00	2,12,162.00
अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन	54,56,181.00	5,00,000.00
कानून पाठ्यक्रम (भारतीय विधिज्ञ परिषद)	10,77,951.00	11,24,461.00
संस्कृत दिवस समारोह	8,85,341.00	12,44,477.00

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष (2024-25)	पूर्व वर्ष (2023-24)
एन.सी.टी.ई. पंजीकरण व्यय	35,400.00	-
स्वतंत्रता दिवस समारोह	1,06,481.00	80,205.00
हिन्दी दिवस समारोह	3,74,710.00	2,69,074.00
संकाय विकास केन्द्र	35,29,636.00	21,66,894.00
गौरव उत्सव	4,00,000.00	4,00,000.00
हिमालय पर्वतारोहण व्यय	97,200.00	-
शिक्षक दिवस	94,794.00	26,466.00
अध्ययन बोर्ड व्यय	1,82,739.00	26,08,345.00
अन्तर्राष्ट्रीय पुस्तक मेला	-	80,195.00
योग दिवस	34,08,864.00	24,77,545.00
आइ.क्यू.ए.सी./नैक	20,74,303.00	63,34,967.00
विस्तृत व्याख्यान	1,00,482.00	1,34,339.00
केंद्रीय मूल्यांकन कार्य	97,11,745.00	99,07,013.00
अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस	8,26,241.00	2,99,928.00
भारतीय विश्वविद्यालय संगठन	6,59,000.00	-
स्वच्छता सप्ताह व्यय	1,26,043.00	25,561.00
नाट्य शास्त्र व्यय	12,13,927.00	5,04,225.00
अनुवादिनि का संस्कृत संस्करण	33,99,150.00	-
विश्व संस्कृत सम्मेलन	6,00,000.00	
संस्कृत प्रशिक्षण कार्यक्रम/संकाय विकास व्यय	20,15,669.00	4,20,276.00
विशेष दिवस/कला कार्य व्यय	2,61,128.00	4,98,115.00
वेद यज्ञशाला/व्याख्यानमाला	16,946.00	4,28,615.00
उत्कर्ष महोत्सव	4,00,000.00	1,80,923.00
संकाय आगमन	95,000.00	-
कुलपति पुरस्कार योजना	9,71,469.00	2,53,000.00
मूक डिजटलीकरण	-	26,50,000.00
नई शिक्षा नीति पर कार्यशाला	1,24,572.00	6,64,249.00
महाकुंभ	35,27,336.00	
पुरस्कार राशि	21,000.00	
रथ यात्रा सेवा शिविर	7,00,000.00	
छात्रावास दिवस समारोह	26,99,595.00	
प्रचार वृत्तचित्र	5,57,500.00	
भारतीय ज्ञान परम्परा	4,39,057.00	
सिविल सेवा अध्ययन	5,34,000.00	
शीतकालीन कार्यशाला	18,02,845.00	
अनुसंधान प्रशिक्षण कार्यक्रम (छमाही)	1,07,727.00	73,381.00

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष (2024-25)	पूर्व वर्ष (2023-24)
भारतीय दर्शन अनुशीलन केंद्र	8,06,543.00	
निर्वाण महोत्सव	1,80,000.00	
उल्करुस्ता क्रीड़ा केंद्र	13,38,760.00	
मानासोल्ला ग्रन्थ	24,31,000.00	
विदेशी छात्रों के लिए शिक्षण कार्यक्रम	2,09,030.00	
प्रदर्शनी	9,08,492.00	
सांस्कृतिक कार्यक्रम	1,64,343.00	
जनजातीय भाषा प्रशिक्षण कार्यक्रम	5,00,000.00	
पाण्डुलिपि विज्ञान एवं पुरालिपि विद्या	54,100.00	
एकीकृत शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम (आई.टी.ई.पी.)	6,31,589.00	1,54,405.00
याज्ञसेनी कार्यक्रम व्यय	-	8,35,035.00
प्रशिक्षण एवं पेशेवर विकास	25,82,226.00	9,60,000.00
संस्कृत ओलम्पियाड	2,70,312.00	1,19,605.00
विश्व पर्यावरण दिवस	2,19,353.00	1,10,440.00
योग	**35,33,89,959.00**	**34,48,62,987.00**
योजना व्यय		
अनौपचारिक संस्कृत शिक्षण (एन.एफ.एस.ई.)	2,41,67,069.00	2,94,50,987.00
शास्त्र चूड़ामणि	42,70,000.00	39,95,000.00
विशेष अभिविन्यास पाठ्यक्रम	-	-
संस्कृत पुस्तकों की खरीद	1,11,57,184.00	24,98,090.00
संस्कृत पुस्तकों की खरीद (पुनर्मुद्रण)	37,25,675.00	-
संस्कृत साहित्य का प्रकाशन	69,25,386.00	5,39,515.00
व्यावसायिक प्रशिक्षण	34,80,332.00	13,21,500.00
राष्ट्रपति सम्मान	40,00,000.00	45,50,000.00
आदर्श संस्कृत महाविद्यालय (वेतन)	66,54,78,691.00	54,62,02,524.00
आदर्श संस्कृत महाविद्यालय (सामान्य)	16,42,49,102.00	9,17,10,938.00
डेक्कन कॉलेज पुणे	76,73,054.00	50,00,000.00
परम्परागत पाठशाला	26,25,51,654.00	21,50,63,967.00
उत्तर पूर्वी राज्य	-	-
ऐच्छिक संस्कृत संगठन/ऐच्छिक संस्कृत संगठन विश्वविद्यालय	16,63,295.00	1,43,750.00
आधुनिक शिक्षकों को अनुदान	7,08,96,000.00	2,19,63,000.00
वरिष्ठ माध्यमिक (सीनीयर सेकेंन्डरी) विद्यालयों को अनुदान/हाई स्कूल	10,06,193.00	29,04,000.00
सम्मान राशि	92,40,000.00	92,88,000.00
विशिष्ठ सेवाव्रती सम्मान	-	-
पंचांग परियोजना	7,68,083.00	-
पालि एवं प्राकृत	1,95,45,909.00	77,66,703.00

AA page No. 26

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष (2024-25)	पूर्व वर्ष (2023-24)
अन्य योजनाएं मुख्यालय	-	-
सांख्य योग/पंचाग परियोजना	-	4,51,798.00
ज्योतिष परियोजनाएँ	75,000.00	7,89,260.00
भारतीय ज्ञान प्रणाली (आई.के.एस.)	1,94,487.00	3,70,00,000.00
अखिल भारतीय प्राच्य सम्मेलन	65,901.00	-
अष्टादशी परियोजना	4,06,62,185.00	55,23,661.00
अखिल भारतीय भाषण प्रतियोगिता	1,80,00,252.00	1,55,12,117.00
योग	**1,31,97,95,452.00**	**1,00,16,74,810.00**
कुल योग	**1,80,01,47,263.00**	**1,51,06,92,154.00**

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

31.03.2025 को समाप्त वर्ष के लिए तुलनपत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 17 - प्रशासनिक एवं सामान्य व्यय (राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष (2024-25)	पूर्व वर्ष (2023-24)
प्रशासनिक व्यय		
आधारभूत संरचना		
बिजली एवं पावर	2,69,92,478.00	2,44,73,019.00
पानी शुल्क	30,96,768.00	22,56,092.00
सम्पत्ति कर	2,16,113.00	2,16,113.00
किराया, दर एवं टैक्स	1,95,40,981.00	1,13,56,596.00
संचार		
डाक खर्च	28,75,278.00	28,04,977.00
दूरभाष, फैक्स एवं इन्टरनेट प्रभार	52,87,990.00	29,03,609.00
अन्य		
मुद्रण एवं लेखन सामग्री	59,79,073.00	65,70,257.00
यात्रा एवं वाहन खर्च	2,73,01,917.00	2,20,94,227.00
वर्दियां	2,18,750.00	2,95,000.00
लेखा शुल्क / लेखा परीक्षकों के पारिश्रमिक	5,81,476.00	4,38,975.00
समग्र अनुदान व्यय	4,33,397.00	-
विज्ञापन एवं प्रचार	35,94,386.00	22,01,404.00
प्राथमिक चिकित्सा बॉक्स	32,912.00	-
अन्य (निर्दिष्ट) आउटसोर्सिंग	8,68,68,165.00	8,17,28,131.00

AA page No. 28

भर्ती व्यय	1,40,150.00	1,34,000.00
कर्मचारी कल्याण खर्च	1,36,763.00	3,26,123.00
कानूनी खर्च	21,72,734.00	24,19,404.00
विविध व्यय	98,92,674.00	1,11,00,622.00
हाउस कीपिंग	4,47,08,073.00	4,54,71,865.00
सुरक्षा सेवाएं खर्च	3,09,30,778.00	69,46,870.00
अतिथि गृह व्यय	50,268.00	2,62,068.00
संविदा कर्मचारियों का वेतन	4,46,81,329.00	2,63,33,710.00
बागवानी व्यय	-	31,82,161.00
ई-कार्यालय (एन.आई.सी.)	93,560.00	2,35,596.00
परिसर भवन का उद्घाटन	1,47,747.00	21,99,614.00
अग्नि शमन प्रणाली (एन.ओ.सी.)	-	12,31,503.00
बैठने का भत्ता	5,56,489.00	2,58,140.00
यू.जी.सी. को स्थानांतरित राशि	67,626.00	
आर.टी.आई.	-	4,630.00
योग	**31,65,97,875.00**	**25,74,44,706.00**

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

31.03.2025 को समाप्त वर्ष के लिए तुलनपत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 18 – परिवहन व्यय

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष (2024-25)	पूर्व वर्ष (2023-24)
यातायात व्यय		
ए. वाहन (संस्था के स्वामित्व में)		
संचालन व्यय	10,68,154.00	13,21,660.00
मरम्मत एवं रखरखाव	1,81,913.00	1,00,251.00
बीमा व्यय	78,527.00	63,632.00
स्टाफ कार व्यय पैट्रोल/डीजल	42,200.00	-
बी. वाहन किराये/लीज पर लिये गये		
वाहन (टैक्सी) किराया व्यय	25,22,878.00	-
भारी वाहन किराया व्यय	12,42,590.00	18,93,610.00
सी. वाहन किराया व्यय (बाहरी)	17,88,881.00	11,11,972.00
योग	**69,25,143.00**	**44,91,125.00**

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

31.03.2025 को समाप्त वर्ष के लिए तुलनपत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 19 - मरम्मत एवं रखरखाव (राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष (2024-25)	पूर्व वर्ष (2023-24)
मरम्मत एवं रखरखाव व्यय		
भूमि एवं भवन	4,58,70,578.00	1,11,65,460.00
सड़क, पुल, ट्यूबवैल एवं जल आपूर्ति	52,549.00	74,621.00
विद्युत एवं विद्युत उपकरण	17,63,029.00	9,12,195.00
प्लांट एवं मशीनरी	20,48,718.00	11,46,683.00
फर्नीचर एवं फिक्सर	9,19,938.00	10,00,998.00
कार्यालय उपकरण	11,69,106.00	31,60,735.00
कम्प्यूटर एवं बाह्य उपकरण	11,27,297.00	16,12,976.00
प्रयोगशाला एवं वैज्ञानिक उपकरण	4,19,972.00	-
पाण्डुलिपि	-	-
दृश्य श्रव्य उपकरण	5,350.00	2,31,849.00
पुस्तकालय पुस्तक एवं पत्रिकाएँ	-	-
वाहन	2,79,094.00	1,78,957.00
सफाई सामग्री एवं सेवाएँ	11,21,929.00	6,58,486.00
जेनरेटर व्यय	25,862.00	-
बागवानी	3,10,985.00	4,31,223.00
व्यायामशाला मरम्मत/कम मूल्य सम्पत्तियां	25,500.00	15,900.00
वार्षिक रखरखाव व्यय	14,96,999.00	16,64,750.00
जायदाद रखरखाव	4,00,871.00	6,92,904.00
योग	**5,70,37,777.00**	**2,29,47,737.00**

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

31.03.2025 को समाप्त वर्ष के लिए तुलनपत्र का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 20 - वित्तीय लागत

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष (2024-25)	पूर्व वर्ष (2023-24)
वित्तीय लागत		
बैंक प्रभार	50,434.00	38,689.00
अन्य (निर्दिष्ट)	-	-
योग	**50434.00**	**38689.00**

(राशि ₹ में)

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

31.03.2025 को समाप्त वर्ष के लिए आय एवं व्यय का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 21 - अन्य व्यय		
विवरण	चालू वर्ष (2024-25)	पूर्व वर्ष (2023-24)
अन्य विविध व्यय		
मुख्यालय को विश्वविद्यालय प्रकाशन हेतु स्थानांतरित रकम	1,00,98,142.00	1,88,86,782.00
मुख्यालय/परिसरों को आंतरिक स्थानांतरित रकम	94,70,853.00	-
मुख्यालय को स्थानांतरित रकम (प्रवेश शुल्क)	-	-
मुख्यालय को स्थानांतरित रकम (नई पैंशन योजना)	-	1,95,162.00
ऑनलाईन एवं दूरस्थ शिक्षा संस्थान	1,26,61,545.00	-
अन्य परिसरों को स्थानांतरित रकम	1,00,27,389.00	-
परीक्षा शुल्क	-	12,12,750.00
भारतीय भाषा समिति	-	-
छात्र कोष में स्थानांतरित राशि	-	-
कौमुदी महोत्सव सहभागिता के लिए स्थानांतरित राशि	-	-
व्यय का आंशिक भुगतान आंतरिक संसाधनों से/बचत	-	-
भरती व्यय	-	-
विविध व्यय	-	-
भारतीय ज्ञान प्रणाली (आई.के.एस.)	-	2,36,346.00
पुस्तकालय पुस्तकें एवं पत्रिकाऐं	-	-
अन्य संस्थानों से प्राप्त रकम	20,44,497.00	-
छात्रावास किराया आंतरिक संसाधन भुगतान	-	4,76,700.00
मुख्य खाते से पैंशन निधि में स्थानांतरित रकम	-	1,79,26,820.00
दूरस्थ शिक्षा (मु.स्वा.पी. व्यय)	-	2,08,05,282.00
अन्य संस्थान से प्राप्त धनराशि पर व्यय	-	48,58,287.00

एन.आई.सी.एस.आई. अग्रिम व्यय	-	52,42,448.00
योग	**4,43,02,426.00**	**6,98,40,577.00**
अर्जित ब्याज आय उत्क्रमण		
निर्धारित/दान निधि	-	-
निवेश - अन्य	-	-
ऋण एवं अग्रिम	-	-
उपार्जित ब्याज देय नहीं	-	-
योग	**-**	**-**
योग	**4,43,02,426.00**	**6,98,40,577.00**

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

31.03.2025 को समाप्त वर्ष के लिए आय एवं व्यय का हिस्सा बनने वाली अनुसूचियाँ

अनुसूची 22 – पूर्व अवधि व्यय

(राशि ₹ में)

विवरण	चालू वर्ष (2024-25)	पूर्व वर्ष (2023-24)
पूर्व अवधि व्यय अब चुकाए गए		
स्थापना व्यय (एन.पी.एस. पूर्व वर्ष देय का भुगतान)	-	-
शैक्षिक व्यय	-	-
प्रशासनिक व्यय	-	-
परिवहन व्यय	-	-
मरम्मत एवं रखरखाव	-	-
अचल संपत्ति निर्माण व्यय	-	-
पूर्व वर्ष में अचल संपत्ति ह्रास	-	
अन्य (पट्टे की जमीन पर ह्रास)	-	-
अन्य (अमूर्त ई-बुक पर ऋणमुक्ति)	-	-
अन्य (प्रकाशन आय में सम्मिलित)	-	
योग	**-**	**-**

वित्तीय विवरणों का प्रारूप (गैर-लाभकारी संगठन)

आय और व्यय खाते का भाग बनने वाली अनुसूचियां वित्तीय वर्ष समाप्ति दिनांकः 31-03-2025

	वर्तमान वित्तीय वर्ष (2024-25)	विगत वित्तीय वर्ष (2023-24)

अनुसूची 23 - महत्वपूर्ण लेखा नीतियां

1. **लेखा पद्धति**

वित्तीय विवरण ऐतिहासिक लागत परंपरा के आधार पर तैयार किए जाते हैं, जब तक कि अन्यथा निर्दिष्ट न हो, और सामान्यतः लेखांकन की उपार्जन पद्धति पर आधारित होते हैं।

2. **राजस्व की मान्यता**

2.1. छात्रों से प्राप्त शुल्क (ट्यूशन फीस को छोड़कर), प्रवेश प्रपत्र की बिक्री, रॉयल्टी, और बचत बैंक खाते पर ब्याज नकद आधार पर दर्ज किए जाते हैं।

2.2. निवेश से आय उपार्जन आधार पर दर्ज की जाती है।

3. **स्थायी संपत्तियां और मूल्यह्रास**

3.1. स्थायी संपत्तियों को अधिग्रहण लागत पर दर्ज किया जाता है, जिसमें आंतरिक परिवहन, शुल्क और कर, तथा अधिग्रहण, स्थापना और कमीशनिंग से संबंधित आकस्मिक और प्रत्यक्ष व्यय शामिल होते हैं।

3.2. **उपहार/दान स्वरूप में प्राप्त संपत्तियां:**

यदि घोषित मूल्य उपलब्ध है, तो उन्हें उसी मूल्य पर दर्ज किया जाता है। यदि घोषित मूल्य उपलब्ध नहीं है, तो संपत्ति की वर्तमान बाजार मूल्य का आकलन उसके भौतिक स्थिति के अनुसार समायोजित करके किया जाता है। इन संपत्तियों को पूंजी निधि में जमा कर संस्थान की स्थायी संपत्तियों के साथ जोड़ा जाता है। इन पर संबंधित संपत्तियों के लिए लागू दरों पर मूल्यह्रास चार्ज किया जाता है।

3.3. उपहार के रूप में प्राप्त पुस्तकें: इन पुस्तकों का मूल्य उनकी बिक्री मूल्य के अनुसार होता है (यदि यह पुस्तक पर मुद्रित हो)। जहां यह मुद्रित नहीं होता, मूल्य का निर्धारण आकलन के आधार पर किया जाता है।

3.4. स्थायी संपत्तियां लागत मूल्य पर, घटित मूल्यह्रास को घटाकर मूल्यांकित की जाती हैं। स्थायी संपत्तियों पर मूल्यह्रास समान रेखा पद्धति पर निम्नलिखित दरों पर प्रदान किया जाता है:

मूर्त संपत्तियां

भूमि	0%
स्थल विकास	0%

भवन	2%
सड़कें और पुल	2%
ट्यूब वेल और जल आपूर्ति	2%
सीवरेज और जल निकासी	2%
विद्युत स्थापना और उपकरण	5%
संयंत्र और मशीनरी	5%
वैज्ञानिक और प्रयोगशाला उपकरण	8%
कार्यालय उपकरण	7.50%
ऑडियो विजुअल उपकरण	7.50%
कंप्यूटर और परिधीय	20%
फर्नीचर, फिटिंग्स और उपकरण	7.50%
वाहन	10%
पुस्तकालय पुस्तकें और वैज्ञानिक पत्रिकाएं	10%

अमूर्त संपत्तियां (ऋण परिशोधन):

ई-पत्रिकाएं	40%
कंप्यूटर सॉफ्टवेयर	40%
पेटेंट और कॉपीराइट	9 वर्ष

3.5. वित्तीय वर्ष के दौरान जोड़ी गई संपत्तियों पर पूरे वर्ष का मूल्यह्रास प्रदान किया जाता है।

3.6. जब कोई संपत्ति पूरी तरह से मूल्यह्रासित हो जाती है, तो उसे बैलेंस शीट में ₹ 1 के अवशिष्ट मूल्य पर दर्ज किया जाता है, और उस पर आगे मूल्यह्रास नहीं लगाया जाता। इसके बाद, प्रत्येक वर्ष में जोड़ी गई संपत्तियों पर संबंधित श्रेणी के लिए लागू दरों पर अलग-अलग मूल्यह्रास की गणना की जाती है।

3.7. विशिष्ट निधियों और प्रायोजित परियोजनाओं की निधियों से निर्मित संपत्तियां: यदि ऐसी संपत्तियों का स्वामित्व विश्वविद्यालय के पास है, तो उन्हें पूंजी निधि में क्रेडिट कर विश्वविद्यालय की स्थायी संपत्तियों के साथ जोड़ा जाता है। संबंधित संपत्तियों पर लागू दरों के अनुसार मूल्यह्रास लागू किया जाता है। प्रायोजित परियोजना निधियों से निर्मित संपत्तियां, जिनका स्वामित्व प्रायोजकों के पास रहता है लेकिन उपयोग के लिए विश्वविद्यालय के पास रहती हैं, उन्हें लेखा विवरण में अलग से प्रदर्शित किया जाता है।

3.8. पट्टे की भूमि की अवधि के अनुसार क्रमिक रूप से ऋण-परिशोधन किया जाता है।

4. **अमूर्त संपत्तियां** पेटेंट और कॉपीराइट, ई-पत्रिकाएं, और कंप्यूटर सॉफ्टवेयर को अमूर्त संपत्तियों के अंतर्गत वर्गीकृत किया गया है।

5. **स्टॉक :**

कार्यालय और कंप्यूटर स्टेशनरी स्टॉक की खरीद पर होने वाला व्यय राजस्व व्यय के रूप में दर्ज किया जाता है। हालांकि, संस्कृत के प्रचार और विकास के लिए एक अग्रणी/नोडल संस्था होने के कारण विश्वविद्यालय के प्रकाशनों/पुस्तकों के स्टॉक को स्थायी संपत्तियों के रूप में माना जाता है। (अनुसूची-4 देखें)।

6. **सेवानिवृत्ति लाभ :**

6.1. सेवानिवृत्ति लाभ, जैसे पेंशन, ग्रेच्युटी, अवकाश नकदीकरण, और भविष्य निधि, भारत सरकार के नियमों के अनुसार प्रबंधित किए जाते हैं। ग्रेच्युटी, अवकाश नकदीकरण, और पेंशन के लिए प्रावधान, एक अंकीय मूल्यांकनकर्ता द्वारा गणना किए जाते हैं।

6.2. भारत सरकार के आदेश दिनांक 19.07.2017 के अनुसार, सेवानिवृत्त कर्मचारियों को ₹ 1000 प्रति माह का निश्चित चिकित्सा भत्ता दिया जाता है।

6.3. विश्वविद्यालय के कर्मचारियों के भविष्य निधि के लिए अलग खाते बनाए जाते हैं, जिनमें रसीद और भुगतान, आय और व्यय, और बैलेंस शीट तैयार की जाती है और इन्हें इन खातों के साथ संलग्न किया जाता है।

6.4. पेंशन के लिए भी एक विशिष्ट निधि बनाई गई है। इसमें सरकार से प्राप्त अनुदान और व्यय को अनुसूची-2 में दर्ज किया गया है।

6.5. 318 कर्मचारी नए पेंशन योजना के अंतर्गत कवर किए गए हैं।

7. निवेश :

निवेश बैंक में फिक्स्ड डिपॉजिट के रूप में है। इसमें कोई मूल्य हानि नहीं है।

8. विशिष्ट/दान निधियां :

8.1. विश्वविद्यालय के पास एक विशिष्ट निधि पेंशन के लिए और पाँच दान निधियां हैं जिंदल ट्रस्ट, दुबे पुरस्कार, सोमैया ट्रस्ट, शुक्ला ट्रस्ट, आर.के. शर्मा, आर. देवनाथन, डॉ. हिन्दकेसरी, श्रीमती सावित्री एवं हरिहर झा, श्रीमती एवं श्री मदाला शिरिरामालिंगेश्वरा राव एस. इन सभी समर्पित निधियों को अनुसूची-2 में दर्शाया गया है।

8.2. इन विशिष्ट निधियों पर होने वाला व्यय केवल इन्हीं निधियों से घटाया जाता है और इसे आय और व्यय खाते में शामिल नहीं किया जाता।

9. **सरकारी/यूजीसी अनुदान :**

9.1. विश्वविद्यालय यूजीसी से प्राप्त अनुदान पर आधारित है, जिसे प्राप्ति के आधार पर दर्ज किया जाता है। हालांकि, यदि वित्तीय वर्ष से संबंधित अनुदान की स्वीकृति 31 मार्च से पहले प्राप्त हो जाती है, तब अनुदान वास्तविक रूप से अगले वित्तीय वर्ष में प्राप्त होता है, तो इसे उपार्जन आधार पर दर्ज किया जाता है, और समान राशि को अनुदान दाता से प्राप्त करने योग्य दिखाया जाता है।

9.2. स्थायी संपत्तियों पर उपयोग किया गया अनुदान पूंजीगत व्यय के रूप में दिखाया जाता है, और शेष राशि को राजस्व व्यय के रूप में दर्ज किया जाता है। (अनुसूची-10 देखें)।

9.3. अप्रयुक्त अनुदान को अव्ययित राशि के रूप में आगे बढ़ाया जाता है (अनुसूची-10) और इसे बैलेंस शीट में एक दायित्व के रूप में दिखाया जाता है। (अनुसूची-3 देखें)।

10. विशिष्ट निधियों का निवेश और अर्जित ब्याज :

10.1. इन विशिष्ट निधियों का निवेश बैंकों में फिक्स्ड डिपॉजिट के रूप में किया जाता है।

10.2. इन निवेशों पर प्राप्त ब्याज, अर्जित और देय ब्याज और अर्जित लेकिन अदेय ब्याज को संबंधित निधियों में जोड़ा जाता है। इसे विश्वविद्यालय की आय के रूप में नहीं माना जाता। (अनुसूची-2 देखें)।

11. प्रायोजित परियोजनाएं :

विश्वविद्यालय के पास यूजीसी द्वारा वित्तपोषित यूजीसी-एसआरएफ/जेआरएफ परियोजना है, जो वरिष्ठ/कनिष्ठ अनुसंधान अध्येताओं के लिए है।

12. आयकर :

12.1. विश्वविद्यालय एक केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय है और सरकार से पूर्ण रूप से वित्त पोषित है। आयकर अधिनियम की धारा 10(23सी) के तहत विश्वविद्यालय की आय आयकर से मुक्त है। इसलिए, खातों में आयकर के लिए कोई प्रावधान नहीं किया गया है। बैंक द्वारा सावधि जमा पर कोई टीडीएस नहीं काटा गया है।

13. पेंशन निधि :

इस वर्ष, विश्वविद्यालय ने स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में एक पेंशन निधि बनाई है। यह पेंशनधारकों को पेंशन के वितरण के लिए केंद्रीकृत पेंशन प्रसंस्करण केंद्र के माध्यम से संचालित की जाती है (सी.पी.पी.सी.)।

वित्तीय विवरणों का प्रारूप (गैर-लाभकारी संगठन)
आय और व्यय खाते का भाग बनने वाली अनुसूचियां
वित्तीय वर्ष समाप्ति दिनांक: 31-03-2025

अनुसूची 24: आकस्मिक देनदारियां और लेखा विवरण

1. **आकस्मिक देनदारियां**

   न्यायालय मुकदमा: वर्तमान वर्ष: ₹ 68,00,000/- पिछले वर्ष: ₹ 35,00,000/-

2. **पूंजी प्रतिबद्धताएं :**

   पूंजी खाते पर लंबित अनुबंधों का मूल्य, जिन्हें निष्पादित किया जाना बाकी है, 31.03.2025 तक ₹ 99.36 करोड़ है।

3. **स्थायी संपत्तियां :**

   3.1. वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान स्थायी संपत्तियों में अनुसूची-4 के अनुसार ₹ 225000823/- की वृद्धि की गई है, जिसमें अमूर्त संपत्तियां भी शामिल हैं।

   3.2. ₹ 4034/- का दान स्वरूप प्राप्त राशि को लेखा में शामिल किया गया है।

4. **विदेशी मुद्रा में व्यय :**

   क. राष्ट्रपति पुरस्कार : शून्य

   ख. विश्व संस्कृत सम्मेलन इसमें विदेशी यात्रा भी शामिल है : शून्य

5. वार्षिक खातों की स्वीकृति विश्वविद्यालय के 2024-25 के वार्षिक खातों को सक्षम प्राधिकारी द्वारा 20.06.2025 को स्वीकृत किया गया।

6. पिछले वर्ष के आंकड़े आवश्यकतानुसार पुनर्गठित किये गये हैं।

7. आंकड़ों को पूर्णांक में दिखाना अंतिम खातों में आंकड़ों को निकटतम रुपये तक पूर्णांकित किया गया है।

8. अनुसूची 1 से 24 : ये अनुसूचियां 31 मार्च 2025 तक की बैलेंस शीट और उस तिथि को समाप्त वर्ष के आय और व्यय खाते का अभिन्न अंग हैं।

9. भविष्य निधि और नई पेंशन योजना के खाते भविष्य निधि और नई पेंशन योजना खाते उनके सदस्यों के स्वामित्व में हैं, न कि विश्वविद्यालय के, इसलिए इन खातों को विश्वविद्यालय के खातों से अलग रखा गया है। इन निधियों के लिए एक रसीद और भुगतान खाता, आय और व्यय खाता, और बैलेंस शीट विश्वविद्यालय के खातों के साथ संलग्न की गई है।

AA page No. 40

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

वर्ष 2024-25 का समेकित प्राप्तियां एवं भुगतान लेखा

	विवरण	(राशि ₹ में)	(राशि ₹ में)		विवरण	(राशि ₹ में)	(राशि ₹ में)
क्र.सं.	प्राप्तियाँ	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष	क्र.सं.	भुगतान	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
1	पूर्व बकाया			1	व्यय		
a)	नकदी शेष			a)	स्थापना व्यय		
i	हाथ में रोकड़	1,06,021.00	1,81,690.00		i. वेतन के लिए राजस्व व्यय	78,97,92,636.00	82,68,86,180.00
ii	हाथ में रोकड़ (मु.स्व.पी.)	-			ii. सेवानिवृत्ति लाभ के लिए राजस्व व्यय	37,25,12,445.00	38,02,32,726.00
iii	नकदी शेष (छात्र निधि)	2,03,775.00	2,07,788.00		iii. अन्य अवयवों के लिए राजस्व व्यय	2,59,86,871.00	1,71,25,035.00
b)	बैंक में शेष		-				-
	I. बचत खाता	13,49,47,075.00	13,41,52,713.00	b)	शैक्षिक व्यय	37,61,49,646.00	38,35,98,114.00
	ii. बचत खाता (मु.स्व.पी.)	1,43,19,780.00	1,39,97,360.00	c)	प्रशासनिक व्यय	31,65,10,249.00	25,74,44,706.00
	iii. बचत खाता (आई.सी.आई.सी.आई. 2737)	4,02,29,694.00					
	iv. बचत खाता (एस.बी.आई. 9392)	42,84,189.00					
	v. बचत खाता स्वामी विवेकानन्द युवा निधि कोश	39,525.00	-	d)	यातायात व्यय	69,25,143.00	44,91,125.00
	vi. चालू खाता	1,88,14,772.00	-	e)	मरम्मत एवं देखभाल	5,70,37,777.00	2,29,47,737.00
	vii. बचत खाता (एच.डी.एफ.सी.)	1,36,14,198.00	52,81,530.00	f)	यू.जी.सी. योजना फंड व्यय	1,27,78,243.00	76,14,870.00
	viii. बचत खाता (परियोजना निधि)	2,22,23,565.00	2,32,05,293.00	g)	अन्य विविध व्यय	1,51,70,042.00	30,77,895.00
	ix. बचत खाता (पैंशन)	1,82,03,737.00	1,41,32,468.00				
	x. बचत खाता (भवन निधि)	-	-	h)	वित्तीय लागत (बैंक प्रभार)	50,434.00	38,689.00
	xi. बचत खाता (छात्र निधि)	4,00,91,825.00	4,06,27,121.00				-
2	अनुदान प्राप्त		-	2	निर्धारित भुगतान/दान निधि	93,352.00	76,665.00
a)	i. यू.जी.सी. से प्राप्त - राजस्व	2,71,98,25,635.00	2,45,14,25,693.00				-
	ii. यू.जी.सी. से प्राप्त - उत्तर पूर्वी राज्य	4,85,34,540.00	6,31,05,490.00	3	परिषदों को अनुदान	-	-
	iii. यू.जी.सी. से प्राप्त - पूंजी	1,75,44,567.00	3,79,34,291.00				-
	iv. पूंजीगत मद के लिए अनुदान आर.बी.आई. को लौटाया (गैर उत्तर पूर्वी राज्य)	-	(3,67,575.00)				-
	v. राजस्व मद के लिए अनुदान आर.बी.आई. को लौटाया गया (उत्तर पूर्वी राज्य)	-	(2,51,09,383.00)				-
b)	© परियोजना खाता	-		4	प्रायोजित परियोजना भुगतान/योजना	1,31,97,95,452.00	1,00,16,74,810.00
c)	परिषद अनुदान	78,59,95,258.00	1,10,40,34,526.00				-
d)	कनिष्ठ/वरिष्ठ शोध अध्येता राजस्व अनुदान	-	-	5	कनिष्ठ अध्येता शोधछात्रवृत्ति	12,69,61,852.00	16,41,54,357.00
							-
3	शैक्षणिक प्राप्तियाँ		-	6	निर्धारित बैंक में अवधि जमा	53,34,75,227.00	34,03,58,199.00
a)	शैक्षिक प्राप्तियाँ	6,21,41,561.00	6,16,71,865.00		मु.स्व.पी./छात्र निधि/ चिह्नित अक्षय निधि सावधि जमा निधि	6,92,82,857.00	4,45,95,366.00
b)	अन्य विविध प्राप्तियाँ	4,33,325.00	14,14,237.00	7	एच.डी.एफ.सी. सावधि जमा निधि	10,85,17,370.00	8,75,78,358.00
c)	विविध प्राप्तियाँ	75,53,335.00	60,12,074.00		अनुसूचित बैंक पैंशन निधि (सावधि जमा)	-	-
d)	एच.डी.एफ.सी. प्राप्तियाँ	-			पूर्व छात्र निधि (सावधि जमा)	-	8,14,153.00
e)	मुक्त स्वाध्याय पीठ प्राप्तियाँ	1,96,86,094.00	1,15,79,730.00		अनुसूचित बैंक पी.एन.बी. (सावधि जमा)	15,50,00,000.00	-
4	निर्धारित प्राप्तियाँ चिह्नित/अक्षय निधि		-				-
a)	अक्षय निधि प्राप्तियाँ	12,79,000.00		8	पूर्व में किए गए व्यय	-	-
5	प्रायोजित परियोजनाओं की प्रतिभूति प्राप्तियाँ/योजनाएँ		-				-
a)	प्रायोजित परियोजना/मुख्यालय की परियोजना	73,23,328.00	32,28,200.00	9	अन्य संस्थाओं को प्राप्त निधि के विरुद्ध व्यय	20,44,497.00	4858287.00
b)	प्रायोजित परियोजना/यू.जी.सी./अन्य की परियोजना	7,75,000.00	21,23,085.00				-
c)	जे.एन.यू. छात्रवृत्ति योजना से प्राप्तियाँ	2,92,772.00	3,20,000.00	a)	बकाया जमा का अनुदान	11,02,313.00	-
d)	अन्य परिसरों का प्रेषण/मुख्यालय	18,17,371.00	-				

(राशि ₹ में)

	विवरण	(राशि ₹ में)	(राशि ₹ में)		विवरण	(राशि ₹ में)	(राशि ₹ में)
क्र.सं.	प्राप्तियाँ	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष	क्र.सं.	भुगतान	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
e)	परियोजना (वैदिक विद्युत व्याख्यान)		1,18,400.00		अचल संपत्तियों और प्रगति पर पूंजीगत कार्य पर व्यय		
6	प्रायोजित प्रतिभूति फेलोशिप/छात्रवृत्ति			10	स्थायी संपत्तियाँ		-
a)	कनिष्ठ शोध अध्येता/वरिष्ठ शोध अध्येता छात्रवृत्ति	-	14,12,052.00	a)	पूंजीगत कार्य प्रगति पर	6,11,55,613.00	8,05,88,136.00
b)	(ई) अन्य संस्थाओं से निधि की प्राप्ति	21,82,340.00	54,77,974.00	b)		6,75,16,011.00	46,23,64,493.00
7	निवेश से प्राप्तियाँ						-
a)	चिह्नित/अक्षय निधि	18,93,328.00	9,64,175.00	11	वैधानिक भुगतान सहित अन्य भुगतान	57,45,15,128.00	34,89,31,691.00
b)	अन्य निवेश	47,97,59,528.00	32,36,81,580.00				-
c)	समग्र फंड सावधि जमा रसीद	19,22,68,295.00	8,36,87,070.00	12	छात्र फंड भुगतान व्यय	4,98,29,409.00	3,71,26,610.00
d)	छात्र फंड सावधि जमा	3,61,49,165.00	3,39,88,893.00				-
e)	मु.स्था.पी. सावधि जमा	-	-				
8	ब्याज प्राप्त			13	अग्रिम एवं जमा	2,49,04,674.00	3,17,07,347.00
a)	बैंक में जमा	2,93,67,851.00	2,05,67,907.00				-
b)	ऋण एवं अग्रिम (कर्मचारी)	1,39,438.00	2,25,669.00	14	अन्तिम शेष एवं बैंक में शेष		-
c)	बैंक बचत खाता	85,87,733.00	68,48,356.00		हाथ में रोकड़	18,852.00	1,06,021.00
d)	अक्षय निधि पर ब्याज	2,96,241.00	1,54,770.00		हाथ में रोकड़ (मु.स्था.पी.)	30.00	-
9	असाधारण आय भुनाया गया				हाथ में शेष (छात्र फंड)	26,956.00	2,03,775.00
a)	असाधारण आय (मुम्बई परिसर में गबन)	-			बैंक में शेष	-	-
b)	कैपिटल कार्य प्रक्रिया में राशि वापसी			a)	बचत अनुसूचित बैंक (मुख्य)	5,07,28,809.00	134947075.00
				b)	बचत अनुसूचित बैंक 2	8,15,51,246.00	
				c)	बचत खाता (मु.स्था.पी.)	5,03,834.00	3,31,34,552.00
10	अन्य आय	3,34,25,088.00	10296256.00	d)	बचत खाता (आई.सी.आई.सी.आई. 2737)	3,39,50,248.00	4,02,29,694.00
11	पूर्व अवधि आय	-	26,666.00	d)	बचत खाता (एस.बी.आई. 9392)	89,08,287.00	42,84,189.00
12	छात्र निधि प्राप्तियाँ	7,47,27,642.00	4,62,27,574.00	d)	बचत खाता (एच.डी.एफ.सी.)	1,36,45,458.00	1,36,14,198.00
13	जमा एवं अग्रिम	11,92,013.00	1,96,25,570.00	g)	बचत खाता (परियोजना फंड)	1,83,81,954.00	2,22,23,565.00
14	अग्रिम धन की वापसी/वसूली	2,47,67,607.00	2,98,96,129.00	h)	बचत खाता (पेंशन)	2,19,90,308.00	1,82,03,737.00
15	वैधानिक प्राप्तियों सहित वापसी योग्य प्राप्तियाँ	49,89,35,279.00	28,30,06,468.00	i)	बचत खाता (छात्र फंड प्रतिभूति)	5,57,71,827.00	4,00,91,825.00
	(प्रेषित रकम)			j)	बचत खाता एस.बी.आई. 7453	1,41,432.00	
				k)	बचत खाता छात्र निधि सुरक्षा	40,96,494.00	
				l)	बचत खाता (कैंटीन खाता)	47,70,677.00	
			-	m)	बचत खाता स्वामी विवेकानन्द युवा निधि कोष	23,77,837.00	39,525.00
	योग	5,36,39,71,490.00	4,81,53,63,705.00		योग	5,36,39,71,490.00	4,81,53,63,705.00

स्थान - नई दिल्ली

दिनांक - 18 जून, 2025

ह०	ह०	ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)	उप निदेशक (वित्त)	वित्त अधिकारी

AA page No. 42

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

31 मार्च 2025 को निर्धारित सामान्य भविष्य निधि का समेकित तुलन-पत्र

(राशि ₹ में)

देनदारियाँ	चालू वर्ष 31.03.2025		पूर्व वर्ष 31.03.2024	
पिछले वर्ष तक आरक्षित और अधिशेष	(25,15,110)		(14,57,021)	
वर्ष के दौरान अधिशेष/कमी	(1,65,02,732)		(10,58,089)	
पिछले वर्ष गलत तरीके से ली गई आय को लौटाया गया	-		-	
सामान्य भविष्य निधि		(1,90,17,842)		(25,15,110)
प्राविडेंट फंड सदस्य योगदान				
अंतिम तुलनपत्र के अनुसार शेष राशि	40,62,52,606		45,14,44,635	
स.भ.नि. अंशदान की लेखा परीक्षा के अनुसार पिछले वर्ष के खाते	-		-	
पिछले वर्ष की के तुलन पत्र से आरंभिक राशि का बकाया अब ठीक हो गया है			-	
जोड़ें : वर्ष के दौरान किए गए स्वैच्छिक पी.एफ. योगदान	3,86,22,592		4,26,57,077	
जोड़ें : अन्य परिसरों से स्थानांतरण पर प्राप्त योगदान और ब्याज	-		-	
जोड़ें : वर्ष के दौरान बकाया स.भ.नि. शेष राशि पर ब्याज	2,74,12,733		2,92,72,892	
घटा : अन्य परिसरों के लिए स्थानांतरण	-		-	
घटा : गैर वापसी योग्य निकासी	(2,05,89,100)		(3,04,50,000)	
घटा : अंतिम भुगतान	(3,33,58,291)		(8,66,71,998)	
जोड़ें-घटा : अन्य परिसरों में कर्मचारियों का बाहर से तबादला/ स्थानान्तरण में ऋण/अग्रिमों का अंतर			-	
अग्रिम का समायोजन : कर्मचारियों का अन्य परिसरों में स्थानान्तरण	-	41,83,40,540	-	40,62,52,606
सी.पी.एफ.				
अंतिम तुलनपत्र के अनुसार शेष राशि	-			
जोड़ें : वर्ष के दौरान किया गया अंशदान	-			
जोड़ें : वर्ष के दौरान ब्याज	-			
घटा : अंतिम भुगतान	-			
घटा : ए.सं.सं. को निर्गत राशि	-			-
		-		-
			-	
		-		-
पिछले वर्ष गलत तरीके से ली गई रकम की वापसी	-		-	
		-		-
		-		-
				-
		39,93,22,698		40,37,37,496

सम्पत्तियाँ	चालू वर्ष 31.03.2025		पूर्व वर्ष 31.03.2024	
निवेश				
केन्द्र सरकार प्रतिभूतियाँ	-			
राज्य सरकार प्रतिभूतियाँ	-			
सार्वजनिक क्षेत्र अंडरटेकिंग बांड	-			
भारत सरकार की विशेष जमा	-			
सावधि जमा	38,56,22,912		36,96,48,491	
		38,56,22,912		36,96,48,491
31.3.2025 को अर्जित ब्याज पर देय नहीं	35,54,642		2,33,65,830	
		35,54,642		2,33,65,830
वर्तमान परिसम्पत्तियाँ, ऋण एवं अग्रिम				
पिछले वर्ष तक बकाया अग्रिम	97,46,369		1,24,10,510	
जोड़ें-घटा : पिछले वर्ष के ऋण का अग्रिम शेष/ अग्रिम किए गए कर्मचारियों का अन्य परिसरों में स्थानांतरण	-		-	
			-	
लखनऊ परिसर को गलती से दी गई राशि की वापसी	68,08,593		63,81,130	
जमा : वर्ष के दौरान सदस्यों को अग्रिम देय राशि				
जमा : सदस्यों को दी गई अग्रिम राशि	(71,52,167)		(90,45,271)	
वर्ष के अन्त में बकाया अग्रिम		94,02,795		97,46,369
तुलन पत्र में सामान्य भविष्य निधि शेष	-		-	
जमा : वर्ष के दौरान योगदान	(13,02,952)		(13,02,952)	
घटा : वर्ष के समायोजन के दौरान प्राप्त राशि		(13,02,952)		(13,02,952)
सस्पेंस खाता - अतिरिक्त स.भ.नि. राशि अन्य परिसर/कर्मचारी हस्तांतरित की गई, वापिस मुंबई परिसर में	6,35,435		6,35,435	6,35,435
		6,35,435		
हाथ में रोकड़ एवं बैंक में जमा	14,09,866		16,44,323	
अनुसूची और राष्ट्रीयकृत बैंकों में स.भ.नि. के साथ	-		-	
बैंक में रोकड़ - सी.पी.एफ. खाता		14,09,866		16,44,323
		-		
		39,93,22,698		40,37,37,496

अनुसूची के अनुसार खातों पर नोट्स तुलनपत्र का एक अभिन्न अंग है

स्थान - नई दिल्ली

दिनांक - 18 जून, 2025

ह०	ह०	ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)	उप निदेशक (वित्त)	वित्त अधिकारी

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

31 मार्च 2025 को समाप्त वर्ष के लिए सामान्य भविष्य निधि की समेकित आय और व्यय स्थिति

(राशि ₹ में)

व्यय का विवरण	चालू वर्ष 31.03.2025	पूर्व वर्ष 31.03.2024	आय का विवरण	चालू वर्ष 31.03.2025	पूर्व वर्ष 31.03.2024
सदस्यों को ब्याज देने के लिए			बैंक बचत खाते पर ब्याज	2,56,505.00	10,97,832.00
			निवेश पर ब्याज		
कर्मचारी योगदान पर	2,74,12,733.00	2,92,72,892.00	केन्द्रीय सरकार प्रतिभूति	-	-
		-	राज्य सरकार प्रतिभूति	-	-
बैंक प्रभार	643.00	701.00	भारत सरकार विशेष जमा	-	-
			सार्वजनिक क्षेत्र अंडरटेकिंग बांड	-	-
प्रतिभूति के मूल्यांकन पर हानि	-		सावधि जमा	70,99,257.00	37,51,842.00
			अर्जित ब्याज	35,54,642.00	2,33,65,830.00
अधिक ब्याज के उलट के दौरान व्यापक वर्ष के लिए जिम्मेदार हैं	-		निवेश पर आय	-	-
			अन्य आय	-	-
व्यय से अधिक आय रिजर्व फंड में हस्तांतरित	-	-	रिजर्व फंड में स्थानांतरित आय से अधिक व्यय	1,65,02,732.00	10,58,089.00
	2,74,13,376.00	**2,92,73,593.00**		**2,74,13,136.00**	**2,92,73,593.00**

अनुसूची के अनुसार खातों पर नोट्स तुलनपत्र का एक अभिन्न अंग है

स्थान - नई दिल्ली

दिनांक - 18 जून, 2025

ह०	ह०	ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)	उप निदेशक (वित्त)	वित्त अधिकारी

AA page No. 44

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

नई दिल्ली-110058

वर्ष 2024-25 की सामान्य भविष्य निधि की समेकित प्राप्ति एवं भुगतान का लेखा विवरण

प्राप्तियाँ | भुगतान | (राशि ₹ में)

क्र.सं.	लेखा शीर्ष	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष	क्र.सं.	लेखा शीर्ष	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
1	बैंक में जमा आदि शेष	16,44,323.00	23,94,83,863.00	1	सेवानिवृत्ति पर अन्तिम भुगतान	3,33,58,291.00	8,66,71,998.00
2	सा.भ.नि. से अंशदान	3,86,22,592.00	4,26,57,077.00	2	अन्तिम भुगतान (बिना वापसी योग्य)	2,05,89,100.00	3,04,50,000.00
3	सा.भ.नि. अग्रिम से वसूली	71,52,167.00	90,45,271.00	3	सा.भ.नि. अग्रिम	68,08,593.00	63,81,130.00
4	सावधि जमा परिपक्वता	67,16,90,849.00	21,75,12,401.00	5	सावधि जमा की खरीद	68,76,65,270.00	39,60,36,638.00
5	परिपक्व सावधि जमा पर ब्याज	3,04,65,087.00	1,13,88,346.00	6	अन्य परिसरों को स्थानान्तारित राशि	-	30,49,40,818.00
6	बचत खाता पर ब्याज	2,56,505.00	10,97,832.00	7	बैंक संग्रह प्रभार	643.00	701.00
7	परिसरों से प्राप्त राशि	-	30,87,54,137.00	8	सावधि जमा ब्याज का परिसरों द्वारा स्थानान्तरण	-	34,56,693.00
8	अंशदान पर संस्थान का हिस्सा	-	-	9	बचत खाते पर ब्याज का परिसरों द्वारा स्थानान्तरण	-	3,56,626.00
9	अन्य खातों में ब्याज का स्थानान्तरण	-	-	10	नगद शेष	-	-
10	पूर्व वर्ष त्रुटियां	-	-		बैंक में रोकड़	-	-
11		240.00			बैंक में शेष	14,09,866.00	16,44,323.00
	कुल योग	74,98,31,763.00	82,99,38,927.00		कुल योग	74,98,31,763.00	82,99,38,927.00

स्थान - नई दिल्ली

दिनांक - 18 जून, 2025

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
वित्त अधिकारी

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

56-57, इन्स्टीट्यूशनल एरिया, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

वर्ष 2024-25 की सामान्य भविष्य निधि का विस्तृत लेखा विवरण

क्र.सं.	नाम	प्रारंभिक शेष	सा.भ.नि. पर 6 प्रतिशत अतिरिक्त योगदान	अन्य परिसरों से प्राप्त राशि	ऋण/निकासी की वापसी	वर्ष के दौरान लिया गया ऋण/अग्रिम	गैर वापसी अंतिम निकासी	स्थानांतरण पर प्राप्त ब्याज	वर्ष के दौरान अर्जित ब्याज	अन्य परिसरों को स्थानांतरण	अंतिम निपटान भुगतान	31.3.2025 को अंतिम शेष
1	श्रीमती मीना आहूजा	19,083	-	-	-	-	-	-	1,355	-	-	**20,438**
2	श्री घनश्याम सिंह	11,873	0	-	-	-	-	-	843	-	-	**12,716**
3	श्री हुकुम सिंह	594	0	-	-	-	-	-	42	-	-	**636**
4	सुश्री रोज़ी लाल	4,237	0	-	-	-	-	-	301	-	-	**4,538**
5	श्री उदेश्वर शर्मा	1,352	0	-	-	-	-	-	96	-	-	**1,448**
6	डॉ. विनोद कुमार सिंह	2,20,405	-	-	-	-	-	-	15,649	-	-	**2,36,054**
7	श्री अनिल कुमार नौटियाल	32,48,725	4,99,200	-	-	-	-	-	2,49,858	-	-	**39,97,783**
8	श्री के.टी. कृष्णाकुमार	2,84,366	51,192	-	-	-	-	-	22,147	-	-	**3,57,705**
9	श्री बी.के. मौर्या	3,78,462	4,27,500		1,50,000	-	1,00,000	-	45,005	-	-	**9,00,967**
10	श्री राजेश कुमार मिश्रा	30,40,694	3,60,000	-	-	-	-	-	2,29,734	-	-	**36,30,428**
11	श्री सुरेशानंद	32,92,569	4,20,000	-	-	-	3,00,000	-	2,42,825	-	-	**36,55,394**
12	श्रीमती रामवती	4,45,252	-	-	-	-	-	-	-		4,45,252	**-**
13	श्री जितेन्द्र कुमार	4,33,075	2,70,000	-	77,000	1,86,500	1,50,000	-	29,204	-	-	**4,72,779**
14	श्री रोहताश सिंह	39,82,528	4,80,000	-	-	-	-	-	3,01,219	-	-	**47,63,747**
15	डॉ. (श्रीमती) छोटी बाई मीणा	65,51,461	4,99,200	-	2,52,000	15,12,000	-	-	4,09,057	-	-	**61,99,718**
16	प्रो. सुकान्त कुमार सेनापति	86,31,130	4,80,000	-	6,00,000	-	7,00,000	-	6,04,645	-	-	**96,15,775**
17	श्रीमती अनीता रानी	39,98,626	4,20,000	-	-	-	-	-	3,00,055	-	-	**47,18,681**
18	श्री प्रमोद कुमार पंवार	39,92,365	4,26,600	-	-	-	-	-	2,99,649	-	-	**47,18,614**
19	श्री अनिल कुमार	29,93,402	3,00,000	-	-	-	-	-	2,24,069	-	-	**35,17,471**
20	श्री उमेश ठाकुर	6,88,512	2,16,000	-	73,600	50,000	69,100	-	52,690	-	-	**9,11,702**
21	श्री देवेन्द्र सिंह	8,17,942	3,00,000	-	-	-	-	-	69,611	-	-	**11,87,553**
22	श्री सुखलाल	12,87,127	3,60,000	-	-	-	-	-	1,05,231	-	-	**17,52,358**
23	श्री लक्ष्मण झा	1,33,681	2,00,000	-	-	-	1,80,000	-	11,385	-	-	**1,65,066**
24	श्री ब्रह्म प्रकाश	1,28,348	1,80,000	-	-	-	-	-	16,035	-	-	**3,24,383**
25	श्रीमती विनीता	34,56,905	4,50,000	-	1,25,000	8,00,000	-	-	2,32,009	-	-	**34,63,914**
26	श्री कृष्ण कुमार	2,70,993	1,44,000	-	1,20,000	1,00,000	-	-	23,477	-	-	**4,58,470**
27	डॉ. अनीता शर्मा	84,95,217	5,00,000	-	-	-	-	-	6,22,577	-	-	**96,17,794**
28	श्रीमती पापिया दास	29,40,761	4,80,000	-	-	-	3,00,000	-	2,05,954	-	-	**33,26,715**
29	श्री रामनिवास	5,23,583	3,39,000	-	44,440	-	-	-	51,811	-	-	**9,58,834**
30	श्रीमती संगीता	42,21,881	4,81,600	-	-	-	5,00,000	-	2,97,515	-	-	**45,00,996**
31	श्री दिनेश कुमार	5,44,188	36,000	-	-	-	1,00,000	-	36,472	-	-	**5,16,660**
32	डॉ. रतन मोहन झा	53,71,459	4,99,200	-	-	-	-	-	4,00,572	-	-	**62,71,231**
33	श्री लोकेश कुमार गुप्ता	26,00,382	48,000	-	-	-	-	-	1,86,473	-	-	**28,34,855**
34	डॉ. अजय कुमार मिश्रा	47,67,397	4,99,200	-	-	-	20,00,000	-	2,27,517	-	-	**34,94,114**
35	प्रो. बनमाली बिश्वाल	86,98,360	3,00,000						6,29,121			**96,27,481**
36	डॉ. जगन्नाथ झा	10,62,842	1,20,000						80,077			**12,62,919**

AA page No. 46

क्र.सं.	नाम	प्रारंभिक शेष	सा.भ.नि. पर 6 प्रतिशत अतिरिक्त योगदान	अन्य परिसरों से प्राप्त राशि	ऋण/निकासी की वापसी	वर्ष के दौरान लिया गया ऋण/अग्रिम	गैर वापसी अंतिम निकासी	स्थानांतरण पर प्राप्त ब्याज	वर्ष के दौरान अर्जित ब्याज	अन्य परिसरों को स्थानांतरण	अंतिम निपटान भुगतान	31.3.2025 को अंतिम शेष
37	प्रो. मदन मोहन झा	83,39,506	4,80,000						6,10,565			**94,30,071**
38	श्री रामजीलाल मीना	29,12,250	1,74,000		-		3,00,000		2,01,037			**29,87,287**
39	श्री नवनीत चतुर्वेदी	15,72,260	60,000				4,00,000		94,975			**13,27,235**
40	श्री प्यारेलाल	21,23,291	1,86,000		24,000		2,50,000		1,45,340			**22,28,631**
41	श्री शंकर जय किशन	4,54,929	60,000				4,50,000		26,620			**91,549**
42	श्री काशीनाथ द्विवेदी	1,95,647	60,000		80,000	1,00,000			12,648			**2,48,295**
43	श्री दीबी प्रसाद महापात्रा	50,68,526	4,80,000						3,78,325			**59,26,851**
44	श्री अनुपमा पुरस्थी	20,88,191	3,60,000						1,62,107			**26,10,298**
45	श्री रमाकान्त मिश्र	10,60,522	3,00,000						86,835			**14,47,357**
46	श्री धर्नेन्द्र कुमार	35,15,065	3,60,000				16,00,000		1,97,532		24,72,597	-
47	श्री चौधरी मदन मोहन पटनायक	5,17,784	90,000		1,26,000		-		42,645		7,76,429	-
48	श्री कान्ता नारायण दास	2,89,649	24,000		60,000		2,50,000		12,042		1,35,691	-
49	बसन्ती नायक	6,98,202	36,000		67,500		4,50,000		36,313			**3,88,015**
50	सन्तोष कुमार मोहन्ती	4,42,790	1,80,000		44,400		2,00,000		32,573			**4,99,763**
51	निर्मला पाणिग्रही	73,18,588	4,80,000						5,38,080			**83,36,668**
52	प्रो. अतुल कुमार नन्दा	4,00,628	-		-		-		-		4,00,628	-
53	विजय पाल कच्छवाह	14,57,048	4,80,000		1,92,000	-			1,29,294			**22,58,342**
54	उदय नाथ झा	41,12,516	-		-				24,332		41,36,848	-
55	किशोरी कुमार दलाई	24,76,788	2,40,000		2,40,000				1,94,312			**31,51,100**
56	गुरुप्रिय दाश	92,65,424	4,80,000		-				6,76,305			**1,04,21,729**
57	सुरेन्द्र महापात्रा	30,40,900	4,80,000						2,34,364			**37,55,264**
58	नीनति रथ	1,25,39,473	4,80,000						9,08,763			**1,39,28,236**
59	खगेश्वर मिश्र	2,981							-	-	-	**2,981**
60	आर.सी. होता	1,874							133			**2,007**
61	एस.सी. दाश	6,904							490			**7,394**
62	आर.एल. यादव	1,470							104			**1,574**
63	डी.बी. पुजापाण्डा	3,739							265			**4,004**
64	आर.आर. मिश्रा	14,004							994			**14,998**
65	ललित कुमार साहू	1,25,75,553	4,80,000						9,11,324			**1,39,66,877**
66	रामदास शर्मा	19,77,099	40,000						35,804		20,52,903	-
67	चन्द्रमणि शर्मा	18,58,769	-		-				-	-	18,58,769	-
68	हर्षित कुमार मीणा	4,69,910	1,80,000				-		40,286			**6,90,196**
69	विशन दास	38,69,518	1,75,000		90,000				1,68,102		43,02,620	-
70	बोधराज	5,76,482	1,20,000						45,545			**7,42,027**
71	राज मोहन	8,51,386	1,80,000		92,472	1,99,988			59,086			**9,82,956**
72	सुनन्दा शर्मा	21,42,817							1,52,140			**22,94,957**
73	ईश्वर दाश	2,67,436							18,988			**2,86,424**
74	श्रीधर मिश्रा	21,12,079	4,80,000		-				1,68,418			**27,60,497**

AA page No. 47

क्र.सं.	नाम	प्रारंभिक शेष	सा.भ.नि. पर 6 प्रतिशत अतिरिक्त योगदान	अन्य परिसरों से प्राप्त राशि	ऋण/निकासी की वापसी	वर्ष के दौरान लिया गया ऋण/अग्रिम	गैर वापसी अंतिम निकासी	स्थानांतरण पर प्राप्त ब्याज	वर्ष के दौरान अर्जित ब्याज	अन्य परिसरों को स्थानांतरण	अंतिम निपटान भुगतान	31.3.2025 को अंतिम शेष
75	रामरूप	97,12,747	4,80,000						7,08,065			**1,09,00,812**
76	ललित कुमार त्रिपाठी	5,65,255	4,80,000		1,33,000	5,50,000	-		39,039			**6,67,294**
77	आनन्द कुमार	1,86,572	1,44,000				2,90,000		7,425			**47,997**
78	विजय कुमार मिश्रा	2,07,424	1,56,000				2,00,000		11,852			**1,75,276**
79	रमेश चन्द्र	15,08,933	4,80,000		-				1,25,594			**21,14,527**
80	सुरेश पाण्डेय	10,28,496	4,80,000		1,60,000	5,00,000			69,118			**12,37,614**
81	मैथ्या दीन भारतीय	-25920										**-25,920**
82	जनार्दन प्रसाद पाण्डेय	5,59,292	-	-					39,710			**5,99,002**
83	ई.एन. राजन	38,14,408	-						45,137		38,59,545	**-**
84	आर. प्रतिभा	15,91,127	1,68,000				14,00,000		20,031			**3,79,158**
85	के.ए. जेस्सी	21,22,019	4,20,000		-				1,65,396			**27,07,415**
86	के.ई. मधुसूदन	38,10,672	2,40,000						2,79,788			**43,30,460**
87	के.के. हर्षकुमार	6,18,439	4,80,000		50,000	2,00,000	-		54,973			**10,03,412**
88	के.एम. रवीन्द्रन	5,10,835	60,000		-				38,577			**6,09,412**
89	पी.पी. मैरीदास	15,56,931	2,40,000		75,000	-			1,23,100			**19,95,031**
90	टी.एन. सजीवन	15,870							1,127			**16,997**
91	गोविन्द पाण्डेय	24,58,803	2,40,000						1,83,805			**28,82,608**
92	सुरेश कुमार शर्मा	33,65,884	4,98,000		11,00,000	-	-		3,03,688			**52,67,572**
93	शिवकान्त झा	24,82,841	-		-				14,690		24,97,531	**-**
94	रामकुमार शर्मा	32,30,201	2,10,000		-		-		1,79,463		36,19,664	**-**
95	ईश्वर भट्ट	1,01,44,815	4,92,000						7,39,203			**1,13,76,018**
96	वाई.एस. रमेश	61,89,450	4,80,000		-				4,57,911			**71,27,361**
97	सुभाष्मिया मिश्रा	28,97,676	2,40,000						2,14,965			**33,52,641**
98	बत्ती लाल मीणा	21,61,852	3,30,000						1,65,295			**26,57,147**
99	दरियाव सिंह	67,07,830	3,00,000						4,86,196			**74,94,026**
100	गिरधर गोपाल पोपली	9,85,719	1,95,000		-				71,698		12,52,417	**-**
101	राजेश कमार शर्मा	65,178	37,200		68,400	1,00,000			6,059			**76,837**
102	जसवन्त कुमार	12,66,169	1,38,000		2,80,035	1,00,105			1,02,153			**16,86,252**
103	सुरेश प्रकाश सिंह	56,14,550	4,80,000		4,00,000	4,00,000			4,01,710			**64,96,260**
104	सर्व नारायण झा	60,85,285	4,80,000						4,50,515			**70,15,800**
105	देवी प्रसाद द्विवेदी	81,19,449	4,80,000						5,94,941			**91,94,390**
106	भारत भूषण त्रिपाठी	16,58,994	1,80,000		-		-		1,24,711			**19,63,705**
107	कविता बिसारिया	77,24,875	2,40,000						5,57,696			**85,22,571**
108	लोकमान्य मिश्र	55,22,587	4,80,000				50,00,000		1,73,897			**11,76,484**
109	गुरु प्रसाद	12,07,573	5,00,000		-				1,04,375			**18,11,948**
110	सहज राम	26,82,248	3,60,000						2,04,285			**32,46,533**
111	रामबदन राम	16,34,651	3,30,000		1,50,000	1,50,000			1,23,870			**20,88,521**
112	मुकेश कुमार	14,19,440	4,80,000				10,00,000		48,240			**9,47,680**

AA page No. 48

क्र.सं.	नाम	प्रारंभिक शेष	सा.भ.नि. पर 6 प्रतिशत अतिरिक्त योगदान	अन्य परिसरों से प्राप्त राशि	ऋण/निकासी की वापसी	वर्ष के दौरान लिया गया ऋण/अग्रिम	गैर वापसी अंतिम निकासी	स्थानांतरण पर प्राप्त ब्याज	वर्ष के दौरान अर्जित ब्याज	अन्य परिसरों को स्थानांतरण	अंतिम निपटान भुगतान	31.3.2025 को अंतिम शेष
113	गोपाल किशोर महरोत्रा	16,82,891	1,80,000						1,26,408			**19,89,299**
114	कन्हैया लाल सैनी	89,727	-		-		-		1,773		91,500	-
115	रजनीकान्त चतुर्वेदी	8,60,024	1,20,000						65,677			**10,45,701**
116	एस.के. पाण्डेय	63,68,540	4,80,000						4,70,390			**73,18,930**
117	अवनीश अग्रवाल	57,83,434	4,80,000						4,29,084			**66,92,518**
118	डी.के. झा	80,30,455	4,80,000		4,75,000	-			6,04,301			**95,89,756**
119	राम बहादुर दूबे	2,93,095	1,40,000		-		-		20,577		4,53,672	-
120	मदन मोहन पाठक	19,68,232	2,40,000						1,48,974			**23,57,206**
121	सी.एस.एस.एन. मूर्ति	36,44,599	35,000						65,313		37,44,912	-
122	सुब्रय वी. भट्ट	42,28,889	3,60,000						3,14,096			**49,02,985**
123	चन्द्रकान्त	25,41,265	4,80,000		-		26,00,000		1,83,506			**6,04,771**
124	रामचन्द्रुलु बालाजी	20,49,627	4,80,000						1,63,984			**26,93,611**
125	के. वेंकटेश मूर्ति	4,26,706	71,200		16,000				33,827			**5,47,733**
126	गुरराजा भट्ट	2,88,472	46,000		14,000				22,789			**3,71,261**
127	दिनेश एस.	1,40,556	1,32,000		79,210	-	1,00,000		13,408			**2,65,174**
128	एच. कुमार	3,62,340	1,20,000		1,20,000	-			34,956			**6,37,296**
129	एस. शिवला सौम्या	5,56,165	2,40,000		36,000				50,102			**8,82,267**
130	सिद्धम्मा	2,75,821	1,20,000		44,000	2,00,000			11,560			**2,51,381**
131	हलधर झा	41,02,543	2,40,000						3,00,511			**46,43,054**
132	अनुराधा	44,43,255	5,00,000						3,37,659			**52,80,914**
133	अन्चू गोस्वामी	21,60,273	1,80,000		-		1,00,000		1,58,527			**23,98,800**
134	अनिल कुमार	36,83,938	3,04,000						2,73,133			**42,61,071**
135	लाल चन्द्र	6,80,311	1,55,000				1,00,000		52,340			**7,87,651**
136	सत्यन कुमारी	52,46,299	4,80,000						3,90,947			**61,17,246**
137	सनन्दन कुमार त्रिपाठी	5,40,831	1,80,000		-		-		45,322			**7,66,153**
138	रमाकान्त पाण्डेय	30,56,352	4,92,000				10,00,000		2,00,422			**27,48,774**
139	नरेश कुमार पाण्डेय	44,93,308	3,60,000						3,32,870			**51,86,178**
140	अशोक कुमार कछवाह	30,75,649	4,80,000						2,36,831			**37,92,480**
141	अर्चना दूबे	23,43,977	3,00,000						1,77,960			**28,21,937**
142	संजय कुमार मिश्रा	16,48,935	3,68,000		6,250	1,50,000			1,28,886			**20,02,071**
143	कैलाश चन्द्र दाश	48,29,647	4,80,000						3,61,365			**56,71,012**
144	भाल भूषण मिश्रा	79,27,140	4,80,000						5,81,287			**89,88,427**
145	बोध कुमार झा	37,06,995	3,00,000						2,74,734			**42,81,729**
146	लक्ष्मी निवास पाण्डेय	48,35,398	3,60,000						3,56,330			**55,51,728**
147	के.के. शाइन	14,89,929	2,40,000		3,32,860	5,00,000			1,21,908			**16,84,697**
148	विजयपाल शास्त्री	11,11,162	84,000						62,151		12,57,313	-
149	विजय नेत्रीवाल	1,41,693	1,30,500		1,94,000	3,30,000			9,435			**1,45,628**
150	पी.वी.वी. सुब्रह्मण्यम	21,20,593	1,80,000						1,57,485			**24,58,078**
151	प्रभात कुमार मोहापात्रा	13,11,048	1,95,000		9,60,000	6,80,000	5,00,000		82,641			**13,68,689**
	योग	**39,81,11,059**	**3,86,22,592**	-	**71,52,167**	**68,08,593**	**2,05,89,100**	-	**2,74,12,733**	-	**3,33,58,291**	**41,05,42,567**

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

31.03.2025 को एन.पी.एस. का समेकित तुलन पत्र

(राशि ₹ में)

देनदारियां				सम्पत्तियां			
क्र.सं.	लेखा शीर्ष	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष	क्र.सं.	लेखा शीर्ष	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
1.	कैपिटल निधि			1.	सावधि जमा		
i)	आदि शेष	7595798.00	428819.00	i)	वर्तमान परिसम्पत्तियां	-	-
ii)	जोड़ा-अंशदान+योगदान+अन्य परिसरों से स्थानान्तरित सा.भ.नि. अग्रिम और अन्य प्राप्तियां	108037302.00	113541862.00	2	बैंक में रोकड़	2114272.00	7595798.00
iii)	जोड़ा - पूर्व वर्ष त्रुटियां	-	-				
iv)	घटाया - एन.एस.डी.एल. को भुगतान एवं अन्य परिसरों को राशि का स्थानान्तरण (-)	113598368.00	106482929.00				
v)	घटाया - पूर्व अवधि समायोजन	-	-				
vi)	घटाया - 31.03.2025 को देनदारियां एवं जमा - सा.भ.नि. में अंतर का समायोजन	-	-				
viii)	आय से अधिक व्यय	79540.00	108046.00				
	कुल योग	**2,114,272.00**	**7595798.00**		कुल योग	**2,114,272.00**	**7595798.00**

स्थान - नई दिल्ली

दिनांक - 18 जून, 2025

ह०	ह०	ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)	उप निदेशक (वित्त)	वित्त अधिकारी

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

वर्ष 2024-25 हेतु नई पेंशन योजना का समेकित तुलन पत्र

(राशि ₹ में)

व्यय		चालू वर्ष	पूर्व वर्ष	आय		चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
क्र.सं.	लेखा शीर्ष	राशि	राशि	क्र.सं.	लेखा शीर्ष	राशि	राशि
1	मुख्य खाते में समायोजित ब्याज	0.00	0.00		**अर्जित ब्याज**		
2	बैंक संग्रह प्रभार	0.00	958.00	1	सा.भ.नि. पर ब्याज	0.00	0.00
3	अंशदायी को अधिक रकम की वापसी	0.00	0.00	2	बचत खाते पर ब्याज	79540.00	109004.00
	आय से अधिक व्यय	**79540.00**	**108046.00**				
	कुल योग	**79540.00**	**109004.00**		कुल योग	**79540.00**	**109004.00**

स्थान - नई दिल्ली

दिनांक - 18 जून, 2025

ह०
अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०
उप निदेशक (वित्त)

ह०
वित्त अधिकारी

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

वर्ष 2024-25 का नई पेंशन योजना लेखा में समेकित प्राप्ति एवं भुगतान

प्राप्तियाँ　　　　भुगतान　　　　(राशि ₹ में)

क्र.सं.	लेखा शीर्ष	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष	क्र.सं.	लेखा शीर्ष	चालू वर्ष	पूर्व वर्ष
1	**नगद शेष**			1	सावधि जमा क्रय	0.00	0.00
				2	अन्य परिसरों को स्थानान्तरित राशि	0.00	0.00
i)	आदि शेष	7595798.00	428819.00	3	सरकारी खाते में स्थानान्तरित ब्याज	0.00	0.00
ii)	कर्मचारी अंशदान	47084377.00	45051865.00	4	बैंक प्रभार	0.00	958.00
iii)	विश्वविद्यालय का योगदान	60952925.00	68489997.00	5	अन्तिम भुगतान	0.00	0.00
iv)	परिसरों से नई पेंशन योजन पर ब्याज	0.00	0.00	6	परिसरीय खातों में स्थानान्तरण F/W	0.00	0.00
v)	बचत खाते पर ब्याज	79540.00	109004.00	7	अंशदायी को अधिक राशि की वापसी	0.00	0.00
vi)	पूर्व शेष	0.00	0.00	8	मुख्य खाते में अतिरिक्त राशि स्थानांतरण	0.00	0
vii)	अन्य परिसरों से प्राप्त राशि	0.00	0.00	9	नई पेंशन न्यास निधि लेखा	113598368.00	106482929.00
viii)	सावधि जमा की परिपक्वता	0.00	0.00	10	**बैंक में शेष**	2114272.00	7595798.00
ix)	परिपक्व सावधि जमा पर ब्याज	0.00	0.00				
x)	ब्याज पर अन्तर	0.00	0.00				
xi)	अन्य प्राप्तियाँ	0.00					
xii)	पूर्व त्रुटि	0.00	0.00				
	कुल योग	**115712640.00**	**114079685.00**		**कुल योग**	**115712640.00**	**114079685.00**

स्थान - नई दिल्ली

दिनांक - 18 जून, 2025

ह०　अनुभाग अधिकारी (वित्त)

ह०　उप निदेशक (वित्त)

ह०　वित्त अधिकारी

AA page No. 52

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय

वर्ष 2024-25 की नई पेंशन योजना लेखा में समेकित प्राप्ति एवं भुगतान

प्राप्तियाँ

(राशि ₹ में)

क्र.सं.	लेखा शीर्ष	मुख्यालय	पुरी	जम्मू	इलाहाबाद	गुरुवायूर	जयपुर	लखनऊ	एकलव्य	श्रृंगेरी	गरली	भोपाल	नासिक	देवप्रयाग	योग
i)	आदि शेष	7365901.00	100471.00	86443.00	10349.00	0.00	0.00	0.00	0.00	11501.00	0.00	0.00	21133.00	0.00	7595798.00
ii)	कर्मचारी अंशदान	47084377.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	47084377.00
iii)	विश्वविद्यालय/परिसर का अंशदान	60952925.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	60952925.00
iv)	परिसरों से नई पे.यो. पर ब्याज		0.00				0.00								0.00
v)	पूर्व शेष												0.00		0.00
v)	बचत खाते से प्राप्त ब्याज	79540.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	79540.00
vi)	अन्य परिसरों के प्राप्त राशि								0.00						0.00
vii)	सावधि जमा परिपक्व														0.00
viii)	परिपक्व सावधि जमा पर ब्याज														0.00
ix)	ब्याज का अन्तर														0.00
x)	अन्य प्राप्तियाँ														0.00
xi)	पूर्व त्रुटि														0.00
	कुल योग	**115482743.00**	**100471.00**	**86443.00**	**10349.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**11501.00**	**0.00**	**0.00**	**21133.00**	**0.00**	**115712640.00**
	भुगतान														
i)	सावधि जमा क्रय														0.00
ii)	अन्य परिसरों को स्थानान्तरित राशि														0.00
iii)	सरकारी खाते में स्थानान्तरित ब्याज														0.00
iv)	बैंक प्रभार	0.00								0.00					0.00
v)	अन्तिम भुगतान														0.00
vi)	परिसरीय खातों में स्थानानन्तरण F/W														0.00
vii)	मुख्य खाते में अधिक राशि की वापसी														0.00
viii)	अंशदायी से अधिक राशि की वापसी														0.00
ix)	नई पेंशन योजना न्यास निधि लेखा	113598368.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	0.00	113598368.00
	बैंक में शेष	1884375.00	100471.00	86443.00	10349.00	0.00	0.00	0.00	0.00	11501.00	0.00	0.00	21133.00	0.00	2114272.00
	कुल योग	**115482743.00**	**100471.00**	**86443.00**	**10349.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**0.00**	**11501.00**	**0.00**	**0.00**	**21133.00**	**0.00**	**115712640.00**

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, की 31 मार्च 2025 तक वित्तीय वर्ष के लिए भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक का पृथक् लेखा परीक्षा प्रतिवेदन

मत

हमने केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के वित्तीय विवरणों का ऑडिट किया है, जिसमें 31 मार्च 2025 की स्थिति के अनुसार वित्तीय स्थिति विवरण तथा उस वर्ष के आय एवं व्यय खाता / प्राप्ति भुगतान खाता और वित्तीय विवरणों के टिप्पणियाँ सहित महत्त्वपूर्ण लेखांकन नीतियों का सारांश शामिल है, जिन्हें महालेखापरीक्षक (कर्तव्य, अधिकार एवं सेवा की शर्तें) अधिनियम की धारा 19(2) तथा केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय अधिनियम, 2020 की धारा 32(1) के अंतर्गत तैयार किया गया है। इन वित्तीय विवरणों में AB की इकाइयों/शाखाओं के खाते शामिल हैं। इन वित्तीय विवरणों में विश्वविद्यालय के 12 परिसरों के खाते सम्मिलित हैं। इनमें से एक विश्वविद्यालय परिसर के खातों का ऑडिट इस वर्ष के दौरान किया गया था और उसकी टिप्पणियों को इस ऑडिट रिपोर्ट में शामिल करने के लिए विचार किया गया।

यह ऑडिट रिपोर्ट केवल वर्गीकरण, श्रेष्ठ लेखांकन प्रथाओं, लेखांकन मानकों और प्रकटीकरण मानदंडों आदि से संबंधित लेखांकन उपचार पर भारत के महालेखापरीक्षक (CAG) की टिप्पणियाँ समाहित करती है। कानून, नियम एवं विनियमों (उपयुक्तता और नियमितता) तथा दक्षता/प्रदर्शन संबंधी पहलुओं पर वित्तीय लेन–देन से संबंधित यदि कोई ऑडिट टिप्पणियाँ हों, तो उन्हें निरीक्षण रिपोर्टों / महालेखापरीक्षक की ऑडिट रिपोर्टों के माध्यम से अलग से रिपोर्ट किया जाता है।

हमारे मत में, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के संलग्न वित्तीय विवरण, लेखांकन नीतियों और उन पर दी गई टिप्पणियाँ तथा इसके बाद दिए गए पृथक ऑडिट रिपोर्ट में उल्लिखित बिंदुओं को साथ पढ़ने पर, 31 मार्च 2025 को स्वायत्त निकाय की वित्तीय स्थिति तथा उस वर्ष की वित्तीय कार्यप्रणाली एवं नकदी प्रवाह का सच्चा और निष्पक्ष चित्र प्रस्तुत करते हैं, जो कि एक समान लेखा प्रारूप के अनुसार तैयार किए गए हैं।

मत का आधार (Basis for Opinion)

हमने अपना ऑडिट CAG के ऑडिट विनियमों/मानकों/मैनुअल/दिशानिर्देशों/गाइडेंस- टिप्पणियाँ /आदेशों/परिपत्रों आदि के अनुसार किया है। ऑडिटर की जिम्मेदारियों का और अधिक वर्णन हमारी रिपोर्ट के "वित्तीय विवरणों के ऑडिट के लिए ऑडिटर की जिम्मेदारियाँ" अनुभाग में किया गया है। हम स्वायत्त निकाय से स्वतंत्र हैं तथा वित्तीय विवरणों के ऑडिट से संबंधित नैतिक आवश्यकताओं का पालन करते हैं। हमें प्राप्त हुए ऑडिट साक्ष्य हमारे मत के आधार के लिए पर्याप्त एवं उपयुक्त हैं।

वित्तीय विवरणों के लिए प्रबंधन की जिम्मेदारियाँ

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय की गवर्निंग बॉडी, शिक्षा मंत्रालय द्वारा जारी समान लेखा प्रारूप के अनुसार वित्तीय विवरणों की तैयारी और उनके निष्पक्ष प्रस्तुतीकरण के लिए जिम्मेदार है, तथा उन आंतरिक नियंत्रणों के लिए भी जो वित्तीय विवरणों की तैयारी को धोखाधड़ी या त्रुटि के कारण किसी भौतिक त्रुटि से मुक्त रखते हैं।

वित्तीय विवरणों के ऑडिट के लिए ऑडिटर की जिम्मेदारियाँ

हमारे उद्देश्य यह सुनिश्चित करने के लिए यथोचित आश्वासन प्राप्त करना है कि वित्तीय विवरण सम्पूर्ण रुप से किसी भौतिक त्रुटि से मुक्त हैं, चाहे वे त्रुटियाँ धोखाधड़ी से हों या गलती से, और CAG के ऑडिट विनियमों/मानकों/मैनुअल/दिशानिर्देशों/गाइडेंस- टिप्पणियाँ /आदेशों/परिपत्रों आदि के अनुसार अपने मत सहित एक ऑडिटर की रिपोर्ट जारी करना है।

स्थान: नई दिल्ली | **भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की ओर से**
दिनांक: 05.12.25 | **महानिदेशक, ऑडिट**
(केंद्रीय व्यय)

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के खातों पर पृथक लेखा प्रतिवेदन

वित्त वर्ष 2024-25 के लिए

A. तुलन पत्र

A.1 देयताएँ

A.1.1 चालू देयताएँ एवं प्रावधान (अनुसूची 3): ₹677.22 करोड़

उपरोक्त में आंतरिक संसाधनों से सृजित ₹50,27,70,808 की निधि को समग्र निधि देय के रूप में दर्शाया गया है। इसे समग्र निधि/पूंजी निधि के अंतर्गत दिखाया जाना चाहिए था। इसके परिणाम स्वरूप चालू देयताओं का अधिक मूल्यांकन तथा समग्र निधि/पूंजी निधि फंड का कम मूल्यांकन हुआ।

A.2 परिसंपत्तियाँ

A.2.1 स्थायी परिसंपत्तियाँ (अनुसूची 4): ₹258.48 करोड़

श्रृंगेरी परिसर:- उपर्युक्त में ₹5,40,89,259 की राशि शामिल है, जो कुल बारह (12) पूंजीगत कार्यों से संबंधित है। इन कार्यों को विश्वविद्यालय द्वारा पूर्ण कर लिया गया है तथा उनका अधिग्रहण भी कर लिया गया है और उनका उपयोग भी किया जा रहा है। तथापि, इन्हें अब तक स्थाई परिसंपत्तियों में दर्ज नहीं किया गया है और प्रगति पर पूंजीगत कार्य के रूप में ही रखा गया है। इस चूक के परिणामस्वरूप पूंजीगत कार्य-प्रगति में ₹5,40,89,259 की अधिकता, तथा स्थिर परिसंपत्तियों में ₹5,30,07,474 की कमी और ₹10,81,785 की मूल्यह्रास की कमी दर्शाई गई है।

B. आय एवं व्यय

B.1 व्यय

B.1.1 मरम्मत एवं अनुरक्षण व्यय (अनुसूची 19): ₹5.70 करोड़

श्रृंगेरी परिसर: उपरोक्त अनुसूची में 'भवन CPWD' से संबंधित मरम्मत एवं रख-रखाव के अंतर्गत कुल ₹3,62,49,120 की राशि शामिल है (जिसमें ₹1,78,54,044 दिनांक 29.10.2024 तथा ₹1,83,95,076 दिनांक 19.03.2025 को कार्यकारी अभियंता, CPWD को किए गए भुगतान सम्मिलित हैं)। यह राशि तीन सिविल कार्यों से संबंधित है, जो पूंजीगत प्रकृति के हैं तथा संबंधित अभिलेखों के अनुसार वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान पूर्ण हो चुके हैं। हालाँकि, शिक्षा मंत्रालय द्वारा निर्धारित लेखा के यूनिफ़ॉर्म फ़ॉर्मेट के अनुसार उपरोक्त व्यय को वित्त वर्ष 2024-25 के लिए अनुसूची 4 – स्थायी संपत्तियों में 'नए परिसंपत्तियों की वृद्धि' के रूप में दर्शाया जाना आवश्यक था।

इस प्रकार, इस चूक के कारण अनुसूची 19 – मरम्मत एवं रख-रखाव व्यय में ₹3.62 करोड़ की अधिक-प्रदर्शित राशि, तथा अनुसूची 4 – स्थायी संपत्तियों में ₹3.55 करोड़ की कम-प्रदर्शित राशि, और ₹7.24 लाख की कम-प्रदर्शित मूल्यह्रास दर्शाया गया है। परिणामस्वरूप, 'आय पर व्यय की अधिकता' अधिक दिखी है तथा पूंजी कोष समान राशि से कम दर्शाया गया है।

C. सामान्य टिप्पणियाँ

C.1 समेकित खातों एवं परिसरों/मुख्यालय की प्रविष्टियों में अंतर

लेखापरीक्षा के दौरान समेकित खातों की शेष राशियों तथा मुख्यालय एवं परिसरों के खातों के योग में विभिन्न अंतर पाए गए (जैसा नीचे तालिका में दर्शाया गया है):

अनुसूची	लेखे	कुल (मुख्यालय + परिसर)	समेकित खाते	अंतर
1.	कोष/पूँजी निधि	(-) 81,50,74,490	(-)93,27,44,800	(-) 11,76,70,310
	टिप्पणियाँ	(-) 611 करोड़ का प्रावधान		
2.	नामित आरक्षित/ अनुदान निधियाँ	10,32,48,809	10,19,30,196	(-) 13,18,613
3.	वर्तमान देनदारियाँ एवं प्रावधान	6,96,54,27,721	6,77,21,87,830	(-) 19,32,39,891
	टिप्पणियाँ	611 करोड़ का प्रावधान		
4.	मूर्त स्थायी परिसंपत्तियाँ	2,82,12,34,317	2,58,47,77,150	(-) 23,64,57,167
	अमूर्त स्थायी परिसंपत्तियाँ	1,74,627	19,321	(-) 1,55,306
	कार्य प्रगति पर (WIP)	2,24,07,29,044	2,24,37,29,402	30,00,358
6.	निवेश – अन्य	57,75,45,864	57,69,49,149	(-) 5,96,715
7.	वर्तमान परिसंपत्तियाँ	31,28,64,587	30,40,00,819	(-) 88,63,768
8.	ऋण, अग्रिम एवं अन्य परिसंपत्तियाँ	29,65,08,223	22,73,52,006	(-) 6,91,56,217

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय से इन अंतरों के लिए सहायक दस्तावेजों सहित स्पष्टीकरण माँगा गया, परंतु कोई विवरण प्रस्तुत नहीं किया गया। अतः निम्नांकित अनुसूचियों के समेकित आंकड़ों का सत्यापन नहीं किया जा सका। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय ने उत्तर दिया कि कारणों की पहचान कर ली गई है तथा वर्ष 2025-26 के खातों में संशोधन किया जाएगा। इन संशोधनों का सत्यापन अगली लेखापरीक्षा में किया जाएगा।

C.2 राष्ट्रीय पेंशन प्रणाली

31.03.2025 तक रा.पें.प्र. तुलन पत्र में ₹21.14 लाख को परिसंपत्ति एवं देयता दोनों के रूप में दर्शाया गया है। यह राशि रा.पें.प्र. ग्राहकों की है, अतः इसका उचित प्रकटीकरण केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय नई दिल्ली के खातों की टिप्पणियाँ किया जाना आवश्यक था। साथ ही, रा.पें.प्र. तुलन पत्र में दर्शाई गई परिसंपत्तियों एवं देयताओं का उचित मिलान कर आवश्यक कार्रवाई रा.पें.प्र. नियमों एवं केंद्र सरकार/पी.एफ.आर.डी.ए. के निर्देशों के अनुसार की जानी चाहिए।

C.3 वर्ष के दौरान चिह्नित निधि में प्राप्त ₹41,71,695 को गलती से 'अन्य आय' (अनुसूची 13) तथा चिह्नित निधि (अनुसूची 2) दोनों में जोड़ दिया गया। इससे अन्य आय का अधिक मूल्यांकन हुआ।

इस विसंगति के कारणों एवं व्यय पक्ष में किए गए लेखांकन उपचार की जानकारी ऑडिट को उपलब्ध नहीं कराई गई।

C.4 परिसर से वर्ष के दौरान स्थानांतरित ₹17,49,745 को गलती से अन्य आय (अनुसूची 13) तथा समग्र/पूंजी निधि (अनुसूची 1) दोनों में दो बार जोड़ दिया गया। इससे अन्य आय का अधिक मूल्यांकन हुआ।

इस विसंगति के कारणों एवं व्यय पक्ष में किए गए लेखांकन उपचार की जानकारी भी ऑडिट को उपलब्ध नहीं कराई गई।

D. प्रबंधन पत्र (Management Letter)

ऑडिट रिपोर्ट में शामिल न की गई अन्य कमियाँ कुलपति, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय को एक पृथक प्रबंधन पत्र के माध्यम से सुधारात्मक कार्यवाही हेतु भेजी गई हैं।

E. ऑडिट रिपोर्ट के परिशिष्ट

1. आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता

- केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय मुख्यालय की आंतरिक नियंत्रण प्रणाली को सुदृढ़ करने की आवश्यकता है क्योंकि 31.03.2025 तक मुख्यालय के 21 ऑडिट पैराग्राफ लंबित थे।

2. आंतरिक लेखा परीक्षा प्रणाली की पर्याप्तता

- विश्वविद्यालय में आंतरिक लेखा परीक्षा हेतु लेखा अधिकारी का एक पद है, जिसे 08.05.2023 से भरा गया है।
- वर्ष 2023–24 में अलग आंतरिक लेखा परीक्षा प्रकोष्ठ नहीं था, परंतु 2024–25 में सक्षम प्राधिकारी द्वारा इसकी स्थापना अनुमोदित की गई।
- वर्ष 2024–25 में केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय (मुख्यालय) की आंतरिक लेखा परीक्षा 2019–24 अवधि के लिए की गई।
- निर्धारित 8 परिसरों में से 5 परिसरों की आंतरिक लेखा परीक्षा वर्ष 2024–25 में की गई।
- विश्वविद्यालय की आंतरिक लेखा परीक्षा पुस्तिका को कार्यकारी परिषद द्वारा अनुमोदित कर 27.08.2024 को अधिसूचित किया गया।

3. परिसंपत्तियों के भौतिक सत्यापन की प्रणाली

- मुख्यालय की स्थायी परिसंपत्तियों का भौतिक सत्यापन 31.03.2024 तक किया गया।
- पुस्तकालय की पुस्तकों का भौतिक सत्यापन 2024–25 तक पूर्ण किया गया।

4. भंडार के भौतिक सत्यापन की प्रणाली

- स्टेशनरी एवं उपभोग्य सामग्रियों का भौतिक सत्यापन 31.03.2024 तक किया गया।

5. देय भुगतानों की नियमितता

खातों के अनुसार 31.03.2025 तक किसी भी वैधानिक देयता (NPS, समूह प्रीमियम, समूह बीमा योजना देयता, टी.डी.एस.) से संबंधित छह माह से अधिक लंबित कोई भुगतान नहीं था।

F. सहायता अनुदान

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय को वर्ष 2024–25 के दौरान ₹357.19 करोड़ (गैर-एनईआर: ₹341.00 करोड़ तथा एनईआर: ₹16.19 करोड़) का अनुदान प्राप्त हुआ। उद्घाटन शेष ₹67,626 (गैर-एनईआर) था। कुल उपलब्ध राशि ₹357.20 करोड़ में से (गैर-एनईआर: ₹341.01 करोड़ तथा एनईआर: ₹16.19 करोड़) **पूरी राशि व्यय कर दी गई**, तथा वर्षांत पर **कोई अप्रयुक्त शेष नहीं रहा।**

नोटः 'प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रूप से अंग्रेजी में लिखित पृथक् लेखापरीक्षा प्रतिवेदन का हिन्दी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति परिलक्षित होती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।'